

॥ श्री ॥

॥ श्रीसमरादित्यकेवलीनोरास ॥

पुरवाचार्यश्रीहरितप्तसूरीशंकोधनीरासनेत्रार्थश्रीसमरादित्यके
वलीनुंचरीत्रसाण्यूनेउपरथीसर्वपंढीतशीरोम
णीपं० श्रीपद्मविजयजीशरचेवो.

सव्यजिवोनेसुणवागुणवानाउपियोगसारु.

दोलतचंदहकमचंदे

मुंबईमध्ये

गणपतरुष्णाजीनाछापखानामांछिपाव्यो.

संवत् १९२२.

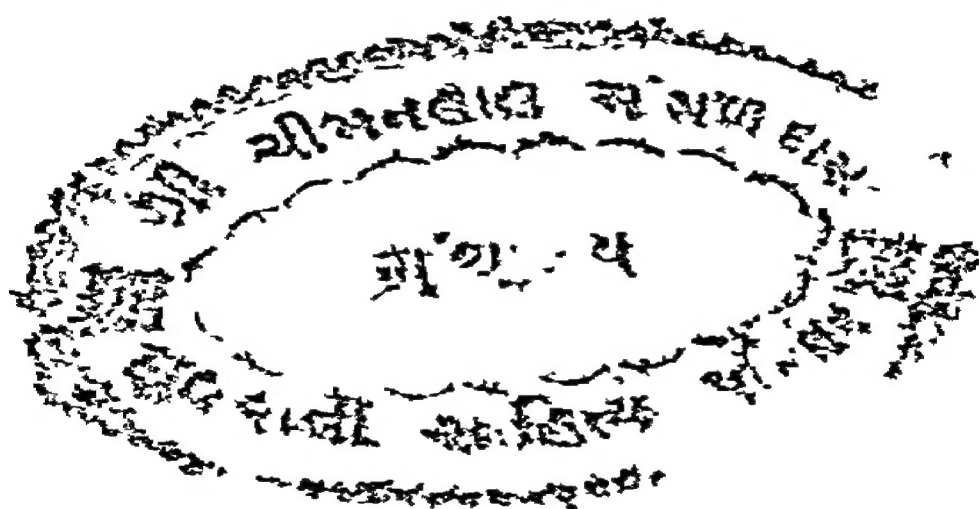
અધ્યે

કલ્પા. ૨

પદ્ધતિ

(સમ)

૪૬૬૯



8669

॥ ॥ ॥ श्रीगुरुस्यो नमः ॥ ॥ ॥ ॥ स्वस्ति श्रीधरसारदा ॥ कुंदचंदसमकाय
 ॥ कमलमुखीने कमलकर ॥ प्रणमुतेहनापाय ॥ १ ॥ जगच्चुमामणीजगजयो ॥
 जगकेवलदिनराज ॥ रीषसगतीगतीराजती ॥ आदिदेवनमुंआज ॥ २ ॥ शमन
 समननें समणजे ॥ समणोवलिसमानं ॥ समणपदेचउअतीशया ॥ वंडश्रीवई
 मानं ॥ ३ ॥ अत्रव्याख्या ॥ श्रमणसगवानमहावीरइहांप्राकृतेंसमणपदे ॥ व्या
 रअतिशयसूचव्याठें ॥ तेइमरोगादिकउपद्रवशमावें ॥ माटेसमनकहिइं ॥ इ
 तिअपायापगमातिशय ॥ १ ॥ तथाअनुत्तरविमाननादेवतानासंशयटाळवानें ॥
 द्रव्यमनप्रवत्तविठें ॥ माटेमनसहितवर्त्ते ॥ तेसमनइतिज्ञानातिशय ॥ २ ॥ तथास
 म्यगुरुमीपरे ॥ अणतिकहतांबोलेसिद्धांतअविरोधी ॥ तेसमणकहीइं ॥ इतिवचना
 तिशय ॥ ३ ॥ तथासहमानेनवर्त्तेते ॥ मानेंकरीसहित ॥ एतलेसुरअसुरनीप
 जातूपमानेंवर्त्ते ॥ तेहनेंसमानकहिइंप्राकृतमाटे ॥ इत्यथांयइतिपूजातिशय
 ॥ ४ ॥ दूहा ॥ परिसहसहताजेप्रसू ॥ संख्यापणितसंशेस ॥ केवलज्ञानदिवाकरू
 नमुंअजीतादीजीनेश ॥ ४ ॥ गौतमपमुहांगणहरां ॥ सूरीनमुंसूजगीस ॥ अनुं
 क्रमेंजिणथीआवीउ ॥ श्रुतएविसवावीस ॥ ५ ॥ मुखरअलिश्रेणीमीली ॥ कु
 सुमवुठिसूरकीरू ॥ तिर्थप्रवर्त्तनसमयते ॥ सद्रकरोत्तवसीरू ॥ ६ ॥ गुणदायक
 श्रुतआंगला ॥ वंडगुरुगुणवंत ॥ जिणेंवचनेंकरीजाणीइं ॥ तत्वातत्वमहंत ॥ ७ ॥
 समरादित्यसुसाधुनुं ॥ चरित्रअठेसूविचित्र ॥ हरीसंद्रसूरेंसाषीउ ॥ वचनविचा
 रपवित्र ॥ ८ ॥ अलपनिदानउदइंअती ॥ बळुतंबंधवनाव ॥ सूनतांसूखउपजा
 वस्यें ॥ जेहथीसत्ताजमाव ॥ ९ ॥ नवरवंमेंकरीनीरमलो ॥ रासरचुंसूखकार ॥
 सत्तरसवसोहामणा ॥ कळुंविचित्रप्रकार ॥ १० ॥ अपराधीनरउपरिं ॥ करिइं
 नहीकांयंकोध ॥ तिणेंएसमरादित्यतण्ण ॥ चरीत्रसूणोसुत्तबोध ॥ ११ ॥ ढाळ ॥
 ॥ चोपई ॥ गुणअनंतआतमनाकहा ॥ तेहमांपणिदोयमुख्यजलहा ॥ दर्शन
 नेंवलीबीजुंज्ञान ॥ तेहमांपणिज्ञानजपरधान ॥ १२ ॥ यद्यपीज्ञानठेपंचप्रकार
 ॥ मतिश्रुतअवधीनाणअवधारि ॥ मनपर्यायतिमकेवलज्ञान ॥ पणिश्रुतनाण
 इहांबळुमानं ॥ १३ ॥ काळादीकजेआठआचार ॥ तेश्रुतज्ञानतणानीरधारं ॥ श्रू

तज्ञानेचउनांजणाय ॥ प्रथमलासपणिएहनोप्राय ॥ ३ ॥ आहारअसुखपणि
 सुसउपयोग ॥ श्रुतज्ञानीलाव्यासुसजोग ॥ पणितेकेवलीकरेंआहार ॥ इमश्रुत
 ज्ञानसकुसिरदार ॥ ४ ॥ उक्तंच उघनिर्युक्तौ ॥ उहोसुत्तोवउत्तो । सूअनाणी
 जईङ्गिएहइअसूखं ॥ तंकेवलीविसूजइ ॥ अपमाणंसवेसूअंहरा ॥ १ ॥
 ॥ चौपै ॥ ज्ञानेंसबिआदेय गहेवाय ॥ ज्ञानेंसयलतेहेयतजाय ॥ इहसव
 परसवपणिहितथाय ॥ साध्यसाधनज्ञानथीजणाय ॥ ५ ॥ मंत्रयंत्रआरा
 धनकरे ॥ ज्ञानेंदेवताआपदहरे ॥ अज्ञानेंआवरथोसदैव ॥ हिताहीतनबीजा
 ऐंजीव ॥ ६ ॥ विणउद्यमनोदीवोएह ॥ नितउग्योसूरजठेजेह ॥ त्रिजूलोच
 नज्ञानउदार ॥ चोरिनकरेचोरकिवार ॥ ७ ॥ पापथकीदूरेंरहेसदा ॥ कु
 शलपद्मांवरतेतदा ॥ विनयनीप्रतीपत्तिसूहाय ॥ ज्ञानेजेहअसाध्यसधाय
 ॥ ८ ॥ श्रद्धापणिज्ञानेंथीरथाय ॥ जाण्याविणसरधानकराय ॥ तेश्रुतज्ञानआ
 राधनकरो ॥ जिमसवशायरलीलातरो ॥ ९ ॥ सणवानोसवीकरोअभ्यास ॥
 जोतुल्लहोइज्ञानपीपाश ॥ दिवसेंएकपदपरवमांदोय ॥ जोसिषेउद्यमकरीतो
 य ॥ १० ॥ यतःपुष्पमालायां ॥ जइविडुदिवनेणपयं ॥ धरिऊपरकेणवासि
 लोघं ॥ उल्लोयंमामुंचसू ॥ जइइसिसिरिकउनाणं ॥ ११ ॥ चौपै ॥ व्याकर्णं
 दकाव्यअलंकार ॥ नाटकतर्कगणीतनिरधार ॥ सम्यग्दृष्टिजिवेग्रहं ॥ तेस
 क्षीज्ञाननंदीमांकलूं ॥ १२ ॥ एबोलेआचारप्रदीप ॥ तिणेंतुमेंज्ञानसणोसवी
 खिप्प ॥ अज्ञानीतेकरस्येकिसूं ॥ पुण्यपापसूंलहेस्येंइसूं ॥ १३ ॥ मास
 मासनेंपारणंकरे ॥ पणिअज्ञानहैयामांधरे ॥ मायावीसमेगर्सअनंत ॥ किमपा
 मेसवजलनोअंत ॥ १४ ॥ यतःसूगमांगे ॥ जइवियणिणिणीकीसेचरे ॥ जइ
 बीयतूजियमासमंतसो ॥ जेइहमायाइमित्थइ ॥ आगंतागत्तायणंतसो ॥ १५ ॥
 ॥ चौपै ॥ सूगमांगेएठेअधीकार ॥ दृष्टांतअगनीशरमवृत्तीकार ॥ तिणेंअग
 नीशमानीवात ॥ जोमेंसांसलज्योवीख्यात ॥ १६ ॥ चरित्रमांवलीसाण्यूंइमा
 धर्मकरोतुल्लेंसवीकाप्रेम ॥ धरमेसुकुलरूपसंपदा ॥ धरमेंनासेशवीआपदा
 ॥ १७ ॥ धरमेंकीरतिवाधेघणी ॥ तिणेकरोधर्मबीजुंचवगणी ॥ जेजेइंद्रीयम

नअसीरांम ॥ तेतेधर्मतणांसकुकांम ॥ १६ ॥ अर्थसयएनेवलीशरीर ॥ मर
 एकालमुंकेलहीपीर ॥ धर्मएकहोयेसूसहाय ॥ परत्तवदेवमनुजवलीथाय ॥
 ॥ १७ ॥ शिवसुखपांमेंतीहांथीवली धर्मकथातिऐंकहेकेवली ॥ आराधकने
 वीराधकजेह ॥ गुणदोषकारककहींतेह ॥ १८ ॥ सांतलीहोइपरमवेराग ॥
 तिऐंएसमरादीत्यनोदाग ॥ नवत्तवविजुंनोजीमसंजोग ॥ तिमत्तापुंतुत्तेसू
 एोत्तवीदोग ॥ १९ ॥ मुनीचंदरायराणीनर्मदा ॥ बेलंधरसूरनीपर्वदा ॥ तेआ
 गलजिमकेवलही ॥ निजपुरवत्तववातजकही ॥ २० ॥ संबेंपेकहेसूंतचरी
 सांतलोसकुइहर्षजधरी ॥ समरादीत्यचरीत्ररशाद ॥ पद्मवीजयकहेपहेली
 ढाल ॥ २१ ॥ सर्वगाथा ॥ ३२ ॥ इहा ॥ संगहणीगाथासूणो ॥ नरसूरत्तवनां
 नांम ॥ इमनगरीनेआउषां ॥ आचारजकहेआंम ॥ ३३ ॥ यतःचरीत्रे ॥ गु
 एसेणअग्नीसम्मा ॥ १ ॥ सिहाणंदायतहपीयाउत्ता ॥ २ ॥ सिहीजाद्विणीमा
 इसूया ॥ ३ ॥ धणधणसिरीमायपइत्तया ॥ ४ ॥ १ ॥ जयविजयायसहोदर
 ॥ ५ ॥ धरणोलढीयतहपइत्तया ॥ ६ ॥ सेणवीशेणपित्तीअउत्ताजम्मंमी
 सत्तमए ॥ ७ ॥ २ ॥ गुणचंदवाणमंतर ॥ ८ ॥ समराइच्चगिरीसेणिपाणोउ ॥
 ॥ ९ ॥ एकस्सतउंमुरको ॥ एंतोवीअस्ससंजारो ॥ ३ ॥ एणराइंखिइपइठ ॥ १ ॥
 जयपुर २ कोसं ३ सूसमनयरंच ४ कायंदी ५ मायंदी ६ चंपा ७ उत्ताय
 ८ उत्थेणी ९ ॥ ४ ॥ गुणसेणस्सुववाउ ॥ सोहम्म १ सणकुमार २ वंसेसू ३
 सूका ४ एया ५ रणेसू ६ गेवीत्था ७ एहत्तरेसूंच ॥ ८ ॥ ५ ॥ इयरस्सुववा
 उ ॥ विट्ठूकुमारेसूहोशनायवो ॥ सेशोअणंतरोउण ॥ रयणाइसूअहक्कमसो
 ॥ ६ ॥ सागरमेगंपंचय ॥ नवपनरसेयतहयअठारा ॥ वीसंतीसंतित्तीसं ॥ वी
 अस्सठिइणरएसू ॥ ७ ॥ इहा ॥ श्रीहरित्तिप्रसूरीसरो ॥ चौदसेंचउच्यालीस ॥ यं
 यआलोअणमांयत्ता ॥ जगमांबहोतजगीश ॥ ३४ ॥ प्रथमयंयप्रारंत्तीउ ॥
 क्रोधनीराशनेकांम ॥ एहगुरूआम्मायठे ॥ समतासंगसूठाम ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
 महावीदेहपेअसोहाअण ॥ एदेशी ॥ जंबूद्वीपसोहामणो ॥ पढीममहाविदेहा
 लादरे ॥ खितिप्रतिष्ठनामेंसलूं ॥ नगरअन्नोपमजेंह ॥ लादरे ॥ ३६ ॥ ज० ॥

गढमढमंदिरमालीआं ॥ मानुंसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे ॥ जिहांमहीलाजनमो
 हती ॥ रूपेरंतसमान ॥ लालरे ॥ ३७ ॥ जं० ॥ बदनेकमलकोईलश्वरें ॥ नय
 ऐंकुवलयपत्र ॥ ला० ॥ राजहंशगतींकरी ॥ जीतेरमणीययत्र ॥ ला ॥ जं०
 ॥ ३८ ॥ जीहांवीद्याव्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोत्त ॥ ला ॥ धनबुद्धीधर
 मेंकरी ॥ राषेयश्चीरथोत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ३९ ॥ पुरणमंजलपरगमो ॥ जन
 मननयणाणंद ॥ ला ॥ मयकलंकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचंद ॥ ला ॥ ४० ॥
 ॥ जं० ॥ कुमुदीनीनामैंकांमिनी ॥ अतैउरसीरदार ॥ ला ॥ मदनधरेरतीवल्लहा
 सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ जं० ॥ ४१ ॥ गुणसेनकुमरबेतेहनें ॥ गुणगणरय
 एत्तंमार ॥ ला ॥ क्रीडाप्रियबालकपणें ॥ व्यंतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ जं० ॥ ४२
 ॥ अल्पास्तपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसाखपाठकवली ॥ जज्ञ
 दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ जं० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरसेंथयो ॥ अगनीशमपुत्त ॥
 ॥ ला ॥ मोहटुंत्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेदत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ४४ ॥
 चीपमुंनाकवेशीगयुं ॥ बिलमातरजशकानं ॥ ला ॥ दंतदंतुशलनीपरे ॥ देहते
 बीत्तसवान ॥ ला ॥ जं० ॥ ४५ ॥ लंबोदरकोटिवांकमी ॥ वाकाटुंकाहाथ ॥
 ॥ ला ॥ एकपासूउचुंवली ॥ मानुंपापनोसाथ ॥ ला ॥ जं० ॥ ४६ ॥ थुलक
 गीनलघुजेहनी ॥ जंघनेंपोहलापाय ॥ ला ॥ विषमउरूकेसकावरा ॥ विषमक
 टितटथाय ॥ ला ॥ जं० ॥ ४७ ॥ गुणसेनकुमरकौतकयकी ॥ तालकंसालमृ
 दंग ॥ ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो ॥ अग्निशर्मासंग ॥ ला ॥ जं० ॥ ४८ ॥ हसतो
 हस्ततालीदीं ॥ गर्दसेंकरीआरोप ॥ ला ॥ बालकद्वेदेपरवरयो ॥ उपजावेतस
 कोप ॥ ला ॥ जं० ॥ ४९ ॥ फाटुंनुटुंसूपमुं ॥ उत्रकरेशीरगाय ॥ ला ॥ मिमि
 मफुटाढोलज्युं ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला ॥ जं० ॥ ५० ॥ राजपंथेंउतावलो
 नितहीभावेतेह ॥ ला ॥ श्मकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
 ॥ ५१ ॥ श्मस्वमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चितवेशिणपरें
 चित्तमां ॥ पुण्यकस्थुंनपवीत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ५२ ॥ तोधीकारबहुजन
 करें ॥ परपरासवनोठांम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकनुं ॥ सहींशसऊंआम ॥

॥ ला ॥ जं० ॥ ५३ ॥ धर्मनकीधोपरसवे ॥ तिणेएपामुंविवाग ॥ ला ॥ देषीन
 कसुंइणेतवे ॥ तोकिमलजुंडखताग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५४ ॥ तिणेकरीइहवेध
 र्मने ॥ जिमनवीपामुंडःख ॥ ला ॥ डर्जनजनथीविमंवणा ॥ नविलहीइलजुंसू
 ख ॥ ला ॥ जं० ॥ ५५ ॥ इमचितीवैराग्यथी ॥ मुंक्योनयरीसंग ॥ ला ॥ सं
 छेअथा नकवर्जिइ ॥ इमजांणीएकंग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५६ ॥ देशअतेंसीमा
 लगे ॥ हिमतांथयोएकमाश ॥ ला ॥ तिहांतपोवनदिगुंहवे ॥ नामसूपरितोस
 जास ॥ ला ॥ जं० ॥ ५७ ॥ चंपकबकुलअशोकतीहां ॥ नागअनेपुन्नाग
 ॥ ला ॥ मृगमृगपतीरमेएकठा ॥ गुरुमतथावलीनाग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५८ ॥ धू
 मपमलघृतहोमनो ॥ उपजेतापसंतोष ॥ ला ॥ गिरिनदिनीऊरणावहे ॥ पाम्यो
 सूखनोपोष ॥ ला ॥ जं० ॥ ५९ ॥ विसामोइणिइहांकस्यो ॥ देषीजागिवि
 शाल ॥ ला ॥ पद्मविजइवीजीकही ॥ ढालअतिसूरशाल ॥ ला ॥ जं० ॥ ६० ॥
 ॥ डुहा ॥ करिविसामोतिहांकणें ॥ षेदथयोजबषीण ॥ तवउठ्योउतावलो ॥
 तापससूतेलीण ॥ ६१ ॥ नयणेंलागोनीरषवा ॥ आर्जवकोमीनएह ॥ नामेंते
 ध्यांनेरस्यो ॥ कदलीघरकस्यु गेह ॥ ६२ ॥ लेशूद्राक्रमालाकरें ॥ जपतोवे
 गेजाप ॥ वांकलुंपहेस्युवृक्तुं ॥ परगटनहीआलाप ॥ ६३ ॥ जटाजुटजोगी
 सरो ॥ सूतिलगावीसाल ॥ कमंमलमुंकयुंकने ॥ सोमदृष्टीसंतालि ॥ ६४ ॥ कम
 लपत्रउपरिकरयूं ॥ आसनअतिहिउदार ॥ जोगपटेंआसनसज्युं ॥ वरज्यो
 सेषव्यापार ॥ ६५ ॥ नाशांजोफ्यांनयन ॥ दृष्टिहरप्योदेखि ॥ रोमांचित्त
 थइहरषसुं ॥ प्रणम्योधरतीपेपि ॥ ६६ ॥ उत्तमांगअवनीतले ॥ थापीथयोस
 नाथ ॥ मानेधन्यनिजआतमा ॥ पारलस्योत्तवपाथ ॥ ६७ ॥ ढाल ॥ रागविहा
 गमो ॥ मुळघरिआवज्योरेनाथ ॥ एदेशी ॥ करजोमीनें कहेइंणिपरि ॥ प्रसूपा
 रपांम्योआज ॥ तुल्लादिगेडखसवीविसर्यां ॥ मुळनहीअवरसूकाज ॥ ६८ ॥
 गुरुजीवीनतीमुळएह ॥ मुळकरोपावनदेह ॥ गुरु ० ॥ एआंकणी ॥ इमसांस
 लीतापसहवे ॥ देषितेअतीबळमांन ॥ स्वागतपूठेइमतेंहने ॥ मुकीपोतानुंध्यां
 न ॥ ६९ ॥ गुरु ० ॥ दिइंतापसआसनएहने ॥ कहेवेसणहीगाय ॥ तववेगो

कुसनेंआसनें ॥ कहेकिहांथीआयोसाय ॥ ७० ॥ गुरु० ॥ जवकसुनिजवी
 तकसवे ॥ तवकहेतापसइम ॥ वत्सपुर्वकृतकर्मकरी ॥ सङ्कलेशपांमेनेम ॥ ७१
 ॥ गुरु० ॥ तिणेंसूपेपिम्याप्राणीआ ॥ वलीदलदहव्याजेह ॥ दोसागकलंके
 डसीआ ॥ होयत्राणवीयोगिनेंएह ॥ ७२ ॥ गुरु० ॥ इहसर्वेपरसर्वेसुखकरे ॥
 एपरमसीतलगाण ॥ परसंगेंडखनवीपामीइ ॥ लोकथीनहीअपमाण ॥ ७३ ॥
 ॥ गुरु० ॥ डुरगतिनवीजईश्वली ॥ तिणेंधन्यठेवनवासा ॥ इमकहेबोल्यातेहवे ॥
 स्वामीकसुतेषास ॥ ७४ ॥ गुरु० ॥ जोहोयमुळउपरिरुपा ॥ जोजाणोव्रतनें
 जोग ॥ तोव्रतदेशअनुग्रहकरो ॥ तवबोल्यातपसीलोग ॥ ७५ ॥ गुरु० ॥ तुहवी
 नांवीजोकूणहोइ ॥ तुळनेंघणोवेरागा ॥ पणिमार्गअमचोसमजीनें ॥ तुहेंव्रतली
 उंमहासाग ॥ ७६ ॥ गुरु० ॥ इमकहीसमजाव्योसलो ॥ हतोजेहनिजआचार ॥
 रहीकेइक दिननेंव्रतदीउ ॥ सुसतिथीनषेतरवार ॥ ७७ ॥ गुरु० ॥ कोइडख
 गर्वितवैराग्यथी ॥ दिक्कादिनेंकहेइम ॥ मास २ नेंकरुंपारण ॥ मुळमहाप्रती
 ज्ञाप्रेम ॥ ७८ ॥ गुरु० ॥ पारणादिनेंपहेलेघरे ॥ सुसअसुसजेमलेआहार ॥
 अथवामिलेनहीतोहिर्पाण ॥ फिरीजाउंआपणेंठार ॥ ७९ ॥ गुरु० ॥ पणि
 जावुंनहीबीजेघरे ॥ सङ्कसांसलोएनेंम ॥ पालतांप्रतिज्ञावहीगयां ॥ बङ्गला
 षपूरवएम ॥ ८० ॥ गुरु० ॥ इणिअवसरिवनढुकु ॥ एकवसंतपुरइंणनांमा
 तसलोकगुणरागीथयो ॥ बङ्गलसक्तिबंतोतांमा ॥ ८१ ॥ गुरु० ॥ अहोमहातपस्वीएहउ
 इ ॥ आलोकनीनहीआश ॥ निजशरीरनोप्रतिबंधनही ॥ एहनुंसफलजीवी
 तवास ॥ ८२ ॥ गुरु० ॥ इमबङ्गप्रशंसातेकरे ॥ हवेपूर्णचंदजेराय ॥ गुणसेन
 नेंपरणावीउ ॥ वलीकीधलोमहाराय ॥ ८३ ॥ गुरु० ॥ तपोवनेंतापशान्पथ
 यो ॥ रांणीसहीतश्रुतचित्त ॥ गुणशेनराज्यनेंपालतो ॥ त्रिणिवर्गसाधेनीत्य ॥
 ॥ ८४ ॥ गुरु० ॥ बङ्गरायसामंतपदनमें ॥ साध्यतेबङ्गलादेश ॥ दशदिशेंनिर्म
 लजसवधें ॥ निजदेशनेंपरदेश ॥ ८५ ॥ गुरु० ॥ वसंतसेनानामथी ॥ पठरा
 णीसुंएकदिना ॥ वसंतपुरआव्योवही ॥ तपोवन्ननेंआशन्न ॥ ८६ ॥ गुरु० ॥ पे
 ठोमहामंगलकरी ॥ विमानठंदप्राशाद ॥ पाउसनीलीलासूचवे ॥ नाटिकगाज

नोनाद ॥ ८७ ॥ गुरु० ॥ रयणावलीजविजली ॥ धूपघटीमेघअंधार ॥ चंमर
 श्रेणीवगपंतीज ॥ मुक्तावलीजलधार ॥ ८८ ॥ गुरु० ॥ पंचवरणीपदांसुकजि
 के ॥ लटकेतेइंधनुष ॥ सुगंधप्रथवीमहमहे ॥ देखीनलागेसूष ॥ ८९ ॥
 ॥ गुरु० ॥ मोहनीदमांजेधारीआ ॥ तेणसुपनसरीखुंथाय ॥ सज्जनगरलोक
 विसर्जिआ ॥ सुखमांतेदिवशगमाय ॥ ९० ॥ गुरु० ॥ जबसूर्यउदयोतब
 करे ॥ गोसकृत्यतेसूपाव ॥ कहेपद्मत्रीजीढालए ॥ सुंणतातेमंगलमाल ॥ ९१
 ॥ गुरु० ॥ इहा ॥ नरपतीरमवानीकल्यो ॥ खेलावेवज्जुखास ॥ आसअति
 उतावलो ॥ पामेतेहथीप्यास ॥ ९२ ॥ तेहनोखेदउतारवा ॥ वेठोसहसंववन्न ॥
 इणसमेतापशआवीआ ॥ नरपतिनेंआसन्न ॥ ९३ ॥ नारिंगानंवरंगना ॥ आ
 पीदेआशीस ॥ सूपतिपणिउंसोथई ॥ साचुंनार्मेसीश ॥ ९४ ॥ आपेआशन
 आदरे ॥ तवसापेरीपीतेह ॥ अमगुरुमोकलीआइहां ॥ इखसुखपुठनदेह ॥
 ॥ ९५ ॥ कहेनरपतिकिहांकुलपती ॥ तापसबोलेतांम ॥ इणतपोवनमांआ
 वीइ ॥ देखोदरीसउद्दाम ॥ ९६ ॥ कौतकनोलीधोथको ॥ तपोवनपोहोतोतेह ॥
 तापसवज्जुवलीकुलपती ॥ नमीजआणीनेह ॥ ९७ ॥ कुलपतिसूपतिनेंकहे ॥
 सांसल्लिधर्मसनाथ ॥ विनइसांसलीविनती ॥ साखेहवेसूनाथ ॥ ९८ ॥ ढाल ॥
 श्रीरीपत्ताननगुंणनिजो ॥ एदेशी ॥ नरपतिकरजोमीकहे ॥ मुज्जुपरिकरोसुप
 सायहो ॥ मुण्ड ॥ ल्योआहारमाहरेघरे ॥ सज्जतापशनोसमुदायहो ॥ मु० ॥
 आवोगुरुमुज्जुमंदीरे ॥ एआंकणी ॥ ९९ ॥ कुलपतिकहेसूणसूपती ॥ आव
 स्युंपणिढालीएकहो ॥ मु० ॥ अगनीसर्मातिनामथी ॥ तेहनेंमासमासनीटेक
 हो ॥ मु० ॥ १०० ॥ आ० ॥ तेवातसुंणीकहेराजीज ॥ कीधोमुज्जुनेंउपगारहो
 ॥ मु० ॥ पणिकिहांतपसीवत्तागीज ॥ करुंदर्शनपामुंमारहो ॥ मु० ॥ १०१ ॥
 ॥ आ० ॥ कहेकुलपतीजध्यानेंरह्यो ॥ जिहांश्रेणीअठेसहकारहो ॥ मु० ॥
 जइदिठोपदमासनरह्यो ॥ प्रशांतचित्तव्यापारहो ॥ मु० ॥ १०२ ॥ आ० ॥
 बज्जुहर्षधरीपुलकितथइ ॥ प्रणमेतेहनावरपायहो ॥ मु० ॥ तवेदिंआशीस
 तापसतीहां ॥ सरखेंआव्यातुल्लेंइणठायहो ॥ मु० ॥ ३ ॥ आ० ॥ तुल्लेवेसो

इहांशैर्यानिर्के ॥ तवबेशीतेहनरिंदहो ॥ मु० ॥ कहेकिमडकरएआदस्थूं ॥
 तवबोल्योतेयोगिंदहो ॥ मु० ॥ ४ ॥ आ० ॥ एकदादीप्रदःखनेंवरुपता ॥ व
 लीपरपरितवपणिहेतुहो ॥ मु० ॥ तिमगुणशेनवलीनृपसूतसलो ॥ कल्याण
 मीत्रसुसचेतहो ॥ मु० ॥ ५ ॥ आ० ॥ नीजनामेंशंक्योनरपती ॥ कहेतेकहो
 कारणकेमहो ॥ मु० ॥ सूपतीसूततूहहेतुययो ॥ तवअगनीशर्माकहेइमहो
 ॥ मु० ॥ ६ ॥ आ० ॥ जेजेउत्तमनरहोयते ॥ पामेंप्रतीबोधस्वयमेवहो ॥ मु०
 परप्रेरयामध्यमनरलहे ॥ जघन्यलहेनसदैवहो ॥ मु० ॥ ७ ॥ आ० ॥ प्रेरेजे
 संसारीजीवनें ॥ धर्मकोशकनयेणहो ॥ मु० ॥ काढ्योतिणेंकारागारथी ॥ क
 ल्याणमित्रकहुंतेणहो ॥ मु० ॥ ८ ॥ आ० ॥ निजवितकसंसारीमनें ॥ लज्जा
 अवनतकरीवयणहो ॥ मु० ॥ कहेकिमप्रेरयातुल्लनेंतिणें ॥ किमतेथयोधरममां
 सयणहो ॥ मु० ॥ ९ ॥ आ० ॥ कहेतेअगनीशर्माहवे ॥ प्रेरणातोढेअनेक
 हो ॥ मु० ॥ तिणेंकोशनिमित्तेंप्रेरीउ ॥ म्हेधरिउतेहथीविवेकहो ॥ मु० ॥ १० ॥
 ॥ आ० ॥ तवचितेचित्तमांसूपती ॥ अहोअहोएहनोपरीणामहो ॥
 ॥ मु० ॥ मानेंएउपगारनें ॥ बेजेहपरासवगंमहो ॥ मु० ॥ ११ ॥ आ० ॥ न
 करेएनिद्याकेहनी ॥ पणिम्हेतोकीधअकाजहो ॥ मु० ॥ पापकस्थुतेप्रका
 सीइ ॥ इमचितवीतेमहाराजहो ॥ मु० ॥ १२ ॥ आ० ॥ महापापकारीहुंतू
 मप्रसू ॥ तुल्लनेंकीधोसंतापहो ॥ मु० ॥ हुंतेअगुणशेनजाणज्यो ॥ किधूंघोर
 मेअतीपापहो ॥ मु० ॥ १३ ॥ आ० ॥ इमनहीतपसीकहेसांसलो ॥ तुंमुळ
 धरमसखायहो ॥ मु० ॥ नृपकहेगुणग्राहकतुल्लो ॥ चंद्रथीअगनीनऊराय
 हो ॥ मु० ॥ १४ ॥ आ० ॥ हवणांइंणवातेंतोसस्थूं ॥ पणिपारणंतुल्लकिवार
 हो ॥ मु० ॥ तपसीकहेपांचदिवशपठें ॥ प्रथवीपतीसाषेतिवारहो ॥ मु० ॥
 ॥ १५ ॥ आ० ॥ माहरेघरेपारणंकीजीइ ॥ जोकीजेंमुळसूपसांयहो ॥ मु० ॥
 तुल्लप्रतिज्ञाविधीजीके ॥ मेंजांणीकुलपतीपाखहो ॥ मु० ॥ १६ ॥ आ० ॥
 तिणेंअनागतहुंविनवुं ॥ तवबोलेतपसीवाणिहो ॥ मु० ॥ तेदिनअवेतबहाक
 हुं ॥ बिघमीतेबिघननीषांणहो ॥ मु० ॥ १७ ॥ आ० ॥ जीवलोकसूपना

समो ॥ जिवचितवेआजनेकालहो ॥ मु० ॥ कामकरस्यूपणिजाणेनही ॥ काल
 नेतोहाथठेकाविहो ॥ मु० ॥ १८ ॥ आ॥ तवनरपतीबोलेइमफरी ॥ निर्वियनेआ
 वेतेदिन्नहो ॥ मु० ॥ पारणेंप्रसूआववुंमुळघरे ॥ आग्रहथीतिणेंप्रतीपन्नहो ॥
 ॥ मु० ॥ १९ ॥ आ॥ हवेराजाहरपेंप्रणमीउ ॥ गयोनेयरमांनीजआवासहो ॥ मु०
 सगतिकरीकुलपतीनीघणी ॥ गयापांचदिवशपणिताशहो ॥ मु० ॥ २० ॥ आ॥
 कहीचोथीढालइणिपरि ॥ सऊधरमनाअरथीजीवहो ॥ मु० ॥ कहेपन्नविजयस
 मजीकरो ॥ तोपामोसूखअतीवहो ॥ मु० ॥ २१ ॥ आ॥ दुहा ॥ पारणंक
 रवापोहचीउ ॥ गुणसेनरायनेगेह ॥ सिरवेदनअतीसयथइ ॥ जालिमनृपनेजे
 ह ॥ २२ ॥ आकुलव्याकुलसऊथया ॥ आव्यावैद्यअसेस ॥ वैदकसा
 खवदेघणां ॥ पणिगईनपीमावेस ॥ २३ ॥ रयणवीचीत्तचुरणकरी ॥ लेपल
 गायालख ॥ बुद्धीवंतवलीआवळ ॥ विवुहांमतिविलख ॥ २४ ॥ होमहवनपु
 रोहीतकरे ॥ सांतीकरमसंताल ॥ अंतैउरआंसूंकरे ॥ म्लानथइफूलमाल ॥
 ॥ २५ ॥ कमलायुंमुखकमलते ॥ कंन्याकंडककील ॥ चित्रकर्मपरीचयत
 ज्यो ॥ लगीननाटिकलील ॥ २६ ॥ पमीहारागतप्राणजीम ॥ कंचुइकतजे
 कांम ॥ सूपकारसूखनवीकरे ॥ सामंतसोकविश्राम ॥ २७ ॥ तापसदेखीते
 हवुं ॥ वलीउंचीत्तविचार ॥ पानुनवीकोइपूठिउ ॥ पोहतोतपोवनपार ॥ २८ ॥
 ॥ ढाल ॥ जोगीसरचेदानीदेसी ॥ किमआव्यापाठाफिरिरे ॥ तापसपुढेवातरे
 जोगीसर ॥ स्त्रीएशरीरतुमारमुरेलाल ॥ अगनीशरमाबोलीउरीसांसलोकऊंअ
 वदातरे ॥ जो ॥ रायतणेंघरिऊंगयोहोलाल ॥ २९ ॥ रायसरीरेज्ञानहीरे ॥
 लोककरेउदवेगरे ॥ जो ॥ देखिनसक्योऊंसहीहोलाल ॥ तुरततिहाथीपाढे
 वल्योरे ॥ सऊकहेधरीविवेगरे ॥ जो ॥ साचुंज्ञानानेहनैरेलाल ॥ ३० ॥
 अन्यथासक्तीवंतोघणोरे ॥ किमनहोवेसावधानरे ॥ जो ॥ गुणतुमचाजा
 णेंघणारेलाल ॥ कुलपतीआगलबळकरयारे ॥ इणतुमचागुणग्यानरे ॥ जो ॥
 अगनीशमीतवबोलीउरेलाल ॥ ३१ ॥ नहीप्रयोजनआहारनुरे ॥ पणिएहने
 थाउंज्ञातरे ॥ जो ॥ इमकरीमाशकरयोवलीरेलाल ॥ कोइकसावीसावथीरे

शाताथश्चपगातरे ॥ जो० ॥ पुढेतपस्वीवातमीरेलाळ ॥ ३२ ॥ पारणदीवञ
 तेआजठेरे ॥ आव्याकेनहीतेहरे ॥ जो० ॥ आदरदिधोकेनहीरेलाळ ॥ तवप
 रीजनबोल्होतदारे ॥ आवीनेंगयाजेहरे ॥ नरेसर ॥ सज्जनेवीकल्पजांणीकरी
 रेलाळ ॥ ३३ ॥ रायकहेधीगमुळनेरे ॥ चुक्योलासअपाररे ॥ जो० ॥ अनर
 थथयोपिफ्यामुनीरेलाळ ॥ बिजेदिनविहाणेंगयोरे ॥ लाजतोरायअपाररे ॥
 ॥ जो० ॥ कुलपतीपायजश्नम्योरेलाळ ॥ ३४ ॥ आशीसदेश्वेशामीउरे ॥ पु
 ढेवातशरीरे ॥ जो० ॥ नीचुंजोश्चपवोढीउरेलाळ ॥ निसासोनाषेवलीरे ॥
 कुलपतीकहेथाउधीरे ॥ नरे० ॥ कहोजदवेगकारणतुळोरेलाळ ॥ ३५ ॥ नृप
 कहेकहेवाश्नहीरे ॥ कुलपतीकहेकहोतोहिरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेइंणीपरें
 रेलाळ ॥ निर्दयीचरीचकहेताथकारे ॥ चित्तनचालेमोहिरे ॥ जो० ॥ पणितूम
 आणायीकडोरेलाळ ॥ ३६ ॥ मातपीतानेंसारीषारे ॥ कुलपतीकहेअमलोगरे ॥
 ॥ न० ॥ तिहांजळाकरवीकीसीरेलाळ ॥ उःखकहेतोवीचारीशेरे ॥ टालणनो
 उपयोगरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेवातमीरेलाळ ॥ ३७ ॥ मुळनिमित्तेंतापश
 थयोरे ॥ मेंअवीचारीतकीधरे ॥ जो० ॥ बलिहमणांपणिसंबन्यूरेलाळ ॥ बि
 जोमासथयोएहनेरे ॥ म्हेंअपजसबडुलीधरे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीइंणिपरि
 सणोरेलाळ ॥ ३८ ॥ तुंतोधरमकारणथयोरे ॥ पहेलानेंवलीआजरे ॥ न० ॥
 कहेतेंस्युंहीणंकस्युरेलाळ ॥ नरपतीकहेनिमंत्रणारे ॥ किधीआहारनेंकाजरे
 ॥ जो० ॥ मस्तकथश्मुळवेदनारेलाळ ॥ ३९ ॥ पारणंमेनकरावीउरे ॥ उल
 टोकरचोअंतरायरे ॥ जो० ॥ धर्ममांविघनकारीथयोरेलाळ ॥ कुलपतीकहेवज
 सांतलोरे ॥ तुळअपराधनकायरे ॥ न० ॥ रोगीकृत्याकृत्यनवीलहोरेलाळ ॥
 ॥ ४० ॥ अंतरायतुहंनवीकस्योरे ॥ उलटोकिधोसहायरे ॥ न० ॥ खेदनक
 रोमनमांतुम्हरेलाळ ॥ आहारनलीधोमुळघरेरे ॥ तेहनोखेदमुळथायरे ॥ जो०
 सूपतिइंणिपरिवीनवेरेलाळ ॥ ४१ ॥ माहरोखेदतेकीमटळरे ॥ लिधावीणगुरू
 आहाररे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीकहेरायनेरेलाळ ॥ मासखमणनुंपारणरे ॥
 आवस्येएहनेजीवाररे ॥ न० ॥ तवतुळघरिकरस्येहवेरेलाळ ॥ ४२ ॥ अग

नीशर्माबोलावीउरे ॥ कहीनरेंदनीवातरे ॥ जो० अपराधएहनोर्मांचितवेरेला
 ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ बलीकरवासूखशातरे ॥ जो० ॥ पारणएहनेंघरे
 करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसक्तीनउवेषीशरे ॥ माहसूवचनपणिमानरे ॥ जो० ॥
 तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुळतुळवचनप्रमाणरे
 ॥ जो० ॥ मुळउपगारकर्योशणरेलाल ॥ ४४ ॥ राजाबळुमानेंकरीरे ॥ प्रण
 मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे ॥ पारणाकेरोदिनरे ॥ जो० ॥
 इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेवचनरे ॥ न० ॥ मानसंगनृपआ
 वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेशमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे ॥ न० ॥
 हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिओंचढ्योरे ॥ आंणीमनमांशोक
 रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरैलाल ॥ ४६ ॥ निर्दशधरणीपढागतोरै ॥ अम
 रषेबलनांवयणरे ॥ न० ॥ तुरवजमावेप्रयाणनारैलाल ॥ गयबलहयबल
 सजकरेरे ॥ करीविकरावतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नरुझआरेलाल ॥
 ॥ ४७ ॥ चामरबधरावतोरै ॥ वाजतेवरतुररे ॥ न० ॥ बंदिविरूढबोलीजते
 रेलाल ॥ मंगलकलशचढावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा
 नेशणअवसरैरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहारै ॥ सज्जनसज्जशंभामरे
 ॥ जो० ॥ देखीनेपाठोबल्योरेलाल ॥ कोईउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
 ठामरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीइणअवसरेसणैरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलाठेस
 लुरे ॥ किजेतुरतप्रयाणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेतववातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
 आव्यानहीरे ॥ मानीठेमुळवाणरे ॥ जो० ॥ आव्यापढीजईंसज्जरेलाल ॥ ५० ॥
 तवएकनरबोल्होतीहारै ॥ आवीगयाइणवाररे ॥ रा० ॥ हजीअहस्येपुरमांस
 हीरेलाल ॥ तवराजाविलपोथशरे ॥ चाल्योतेहनील्हाररे ॥ रा० ॥ दि
 ठोनीकलतांथकरेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाइपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
 यरे ॥ जो० ॥ करीयपशायपाठावलोरेलाल ॥ माहरेजाबुंधणइहतुरे ॥ पणि
 नवीगयोळुषीराथरे ॥ जो० ॥ वाटतूम्हारीजोवतारैलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेअण
 जाण्यापाठावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुळगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशमतिबबोली

उरैलाळ ॥ तुंजांणेंसवीवारतारे ॥ म्हारेप्रतिज्ञाजेहरे ॥ रा० ॥ सत्यसधातप
 सीहोश्रैलाळ ॥ ५३ ॥ लात्तालाससमत्रेवमेरे ॥ हवेंबोलेनररायरे ॥ जो० ॥
 म्हाराप्रमादचरीत्रथीरेलाळ ॥ लाजुंनुस्वामीघणोरे ॥ तेंमुखथीनकहेवाय
 रे ॥ जो० ॥ तुम्हतपशरीरपीनाथकीरेलाळ ॥ ५४ ॥ मुळअतीपिमाउपजे
 रे ॥ उपजेहिइंशंतापरे ॥ जो० ॥ बोलीनसकुंवयणथीरेलाळ ॥ हैइंडःखमाइं
 नहीरे ॥ म्हेंकिधूंमहापापरे ॥ जो० ॥ डःखउपसममुळचितवोरेलाळ ॥ ५५ ॥
 तवतापसमनचितवेरे ॥ रायबळुखेदायरे ॥ रा० ॥ गुरुसगतोएअतिघणोरे
 लाळ ॥ पारणंनकरूंएहनंघरेरे ॥ तोडःखएहनंनजायरे ॥ रा० ॥ इमंचितीत
 पीउकहेरेलाळ ॥ ५६ ॥ करस्यंतुळघरिपारणंरे ॥ निरविघनेंदीनतेहरे ॥ रा०
 तवराजाहरण्योघणंरेलाळ ॥ नृपकहेविमलनांणीतुम्होरे ॥ प्रणमेआंणीनेहरे
 ॥ जो० ॥ प्रलूमुळनेंनिस्तारीउरैलाळ ॥ ५७ ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ एक
 हीपांचमीढालरे ॥ रा० ॥ विळुंजनमनराजीययोरेलाळ ॥ पद्मवीजयकहे
 सांललोरे ॥ आगलेंवातरसाळरे ॥ रा० ॥ गुणपक्षपातीराजाघणोरेलाळ
 ॥ ५८ ॥ डहा ॥ तपसीनेंनकहेसूपती ॥ तुम्हेंजाउतपोवन्न ॥ कुलपतीपासैंकिम
 हीके ॥ नहिआवणनुंमन्न ॥ ५९ ॥ मुखदेषावीमाहं ॥ नसकुंनाथनीदान ॥
 इमकहीराजाघरिगयो ॥ तपसीगयोतेरांन ॥ ६० ॥ कुलपतिनेंसघलुंकलूं ॥
 कुलपतीकहेवरकांम ॥ कीधूसमपरसंशीउ ॥ मासत्रीजोकरयोतांम ॥ ६१ ॥ व
 धतेपरिणामेंवली ॥ तपपूरोतसथाय ॥ रायतणेंघरिपारणें ॥ पुत्रजनमप्रगटा
 य ॥ ६२ ॥ प्रतिहारीमुखेंपांमीउ ॥ अवलपूत्रअवतार ॥ आपेआतूषणअं
 गना ॥ पुर्णकरीप्रतीहार ॥ ६३ ॥ गुणशेनरायनेंआंगणें ॥ उढवअतिहिउदा
 र ॥ मांनयोतेमहामोदथी ॥ परीघलपुन्यप्रकार ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ इमरआंवा
 आंवलीरे ॥ एदेशी ॥ रायळुकमफरमावीउरे ॥ मुंकोकारागार ॥ उदघोषणा
 करीदीजीश्रै ॥ दानअनेकप्रकार ॥ ६५ ॥ सविकजनसाविस्तावतेहोय ॥ सा
 वीनटालेकोय ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जितशत्रुमुखरायनेरे ॥ कहेवरावो
 एवात ॥ नयरमांसळसंल्लाविश्रै ॥ जिणेंबळयहोढवथात ॥ सवी० ॥ ६६ ॥

जेकस्यूते सवेकस्युरे ॥ नाचे पगे पगे पात्र ॥ वरचिवरधरीरमणीउरे ॥ गावेतेवाली
 गात्र ॥ सवी० ॥ ६७ ॥ दानेंसंतोषीतबोदतारे ॥ बंदिजय२सब्द ॥ तालवि
 णामादलतणारे ॥ सांसलींश्वरुनद्ध ॥ ६८ ॥ सवि० ॥ वधामणांआवेघणां
 रे ॥ राजसवनसंकीर्ण ॥ इणअवसरतापसतिहारे ॥ ऊठ प्रतिज्ञातिन्नासवि०
 ॥ ६९ ॥ पारणानिमित्ततेआवीउरे ॥ राजकुलेंतेंआय ॥ सऊतेहर्षप्रमोदमां
 रे ॥ नवीकोयनेंचित्तसाय ॥ सवि० ॥ ७० ॥ आमुअवलूंजोईनेरे ॥ वलि
 उतेततकाल ॥ असुसकरमउदशंकीरे ॥ चितवेआलपंपाल ॥ सवि० ॥ ७१ ॥
 आर्त्तध्यांनवसिंचितवेरे ॥ अहो२एहराजान ॥ मुळउपरिंबालसावथीरे ॥ वे
 रसावअसमान ॥ ७२ ॥ सवि० ॥ जूउमायाकरेकेतलीरे ॥ गुढाचारचरी
 त ॥ सऊशारवेंकरेविनतीरे ॥ आचरेअतिविपरित ॥ सवि० ॥ ७३ ॥ इमचि
 तवतोनिक्कल्योरे ॥ पूरवाहिरतेजाम ॥ दोषअज्ञानेंआकरेरे ॥ क्रोधतणेंवली
 धाम ॥ सवी ॥ ७४ ॥ वासितजैनमारगेनहीरे ॥ धरमसरधागस्तास ॥ परलो
 कनीवासनातजिरे ॥ आविअमैत्रीजाश ॥ सवि० ॥ ७५ ॥ सूर्खेकलकली
 देहमीरे ॥ आकर्षोवलीसूख ॥ द्वेषजाग्योनृपउपरेंरे ॥ सुखिनरहीतिलतुष
 ॥ सवी० ॥ ७६ ॥ तपनुंफलजोमाहस्तेरे ॥ तोएहनोवधकार ॥ करेनियाणं
 एहवुरे ॥ सवसवडस्कदातार ॥ सवी० ॥ ७७ ॥ शत्रूनेंउखदिधूनहीरे ॥ वा
 ल्हानेंसूखनविदिध ॥ मातविमंवीतेनरेंरे ॥ जन्मलहिस्युंकिध ॥ सवि०
 ॥ ७८ ॥ इमनियाणंतिणेंकस्युरे ॥ आलोयुंनहीतेगण ॥ क्रोधानलबलतोकरे
 रे ॥ कोमिवीकल्यअजाण ॥ सवी० ॥ ७९ ॥ पोहतोतपोवनतेहवेरे ॥ कुल
 पतिमुंक्याडर ॥ परीहरीशेषतापसवलीरे ॥ दिशंतोमहाकूर ॥ सवी० ॥
 ॥ ८० ॥ जईसहकारश्रेणिंरक्षोरे ॥ चितवेवलिइमचित्त ॥ अहोराजामुळउप
 रिरे ॥ प्रत्यनीकसलीरीत ॥ सवी० ॥ ८१ ॥ हासीजोग्यमुळनेंकस्योरे ॥ ताप
 ससर्वमऊर ॥ जाणीप्रतिज्ञामाहरीरे ॥ किधोमायाप्रकार ॥ सवि० ॥ ८२ ॥
 करियनिमंत्रणांशणिपरेंरे ॥ नवीआप्योमुळआहार ॥ इणवेलाखलनाकरीरे ॥
 स्योएहनेंअहंकार ॥ सवि ॥ ८३ ॥ तपसीनेंकिमएकरेरे ॥ शत्रुमीत्रसमजा

स ॥ अथवानतज्योमुलथीरे ॥ अहारतोपांम्योविषास ॥ तवि० ॥ ८४ ॥ ते
 माटेहवेमुजसस्युरे ॥ जावजिवलगेंआहार ॥ नकरुंश्मव्रतआदस्युरे ॥ ठां
 मीसर्वव्यापार ॥ तवि० ॥ ८५ ॥ दिठोतापसेंइणसमेरे ॥ जाएयुंध्यांनअसु
 ध ॥ पुढेकिमनवीपांमीआरे ॥ कुसूमविलेपणसुद्ध ॥ तवि० ॥ ८६ ॥ गुण
 शेनरायतणेंघरेरे ॥ स्पूनगयाप्रसूआज ॥ पारणंकिमनवीनीपनुरे ॥ तेसापोम
 हाराज ॥ तवि० ॥ ८७ ॥ अगनीशर्मातवबोलीउरे ॥ ऊंगयोत्पनंगेह ॥ शुचु
 बालपणायकीरे ॥ आजलगीहजीएह ॥ तवि० ॥ ८८ ॥ मीठवचनेंबोलतोसे ॥
 करतोवीनयअपार ॥ वेरनटल्युंमुजउपरिरे ॥ जाएयुंमेनिरधार ॥ तवि० ॥ ८९ ॥
 पणिएमायावीषरोरे ॥ किधूंमाहारूहाश ॥ किधोपरासवइणपरेंरे ॥ एहअ
 नार्यविलास ॥ तवि० ॥ ९० ॥ सहसाउठवमांमीउरे ॥ जांणीपारणदिन्न ॥
 आदरदीठोनकेहनोरे ॥ वळिउविलषीतमन्न ॥ तवि० ॥ ९१ ॥ कहेतापसन
 वीसंसवेरे ॥ एहनरिंद्रगुणवंत ॥ अथवाविचित्रपरिणामठेरे ॥ स्यूनकषाईऊंत
 ॥ तवि० ॥ ९२ ॥ जिनवरमतवाशीतवीनारे ॥ उत्तमतानवीहोय ॥ तिणेंजिनम
 तअंगीकरोरे ॥ ज्ञानश्रद्धासज्जकोय ॥ ९३ ॥ तवि० ॥ ठीठालशेंणपरिरे ॥ साषी
 कर्मनिदान ॥ पद्मविजयकहेसांसलोरे ॥ डःखदाईअज्ञान ॥ तवि० ॥ ९४ ॥
 ॥ डहा ॥ कुलपतिपासेंजईकसूं ॥ अगनीसरमाआज ॥ पारणविणपाठाव
 ल्या ॥ महातपसीमहाराज ॥ ९५ ॥ कुलपतिआव्यातिहांकनें ॥ तपसीइंपू
 ज्याताम ॥ वठपारणंनवीकसूं ॥ किधूंडःकरकांम ॥ ९६ ॥ राईस्युंएआच
 सूं ॥ असरिसजनआचार ॥ अगनीसरमाइमकहे ॥ रायप्रमादप्रकार ॥
 ॥ ९७ ॥ आहारतज्योनहीआदरे ॥ पाम्योआपदपेषि ॥ जांवजिवहवेवरजी
 उ ॥ आसादेहउवेरि ॥ ९८ ॥ विनतिहवेऊंविनवुं ॥ कहेस्योहवेनकांय ॥
 तवकुलपतिकहेतेहनें ॥ एहमांहाणिनकाय ॥ ९९ ॥ कालजतांवारजकी
 सी ॥ तपसीबोलेतथ्य ॥ पणिनररायनेंउपशि ॥ क्रोधनकरोएकथ्या ॥ १०० ॥ यतः ॥
 सवोपूवकयाणं ॥ कम्माणंपावएफलविवागां ॥ अवराहेसूगुणेंसूअ ॥ निमीत्तमी
 त्तपरोहोइ ॥ १०१ ॥ डहा ॥ इंसिस्वामणदेशनइं ॥ सेवाकाजसकास ॥ तापस

मुंकीकुलपति ॥ पोहतोआसनपास ॥ १ ॥ ढाल ॥ जानोकेनानोनाहलोरे ॥
 ॥ एदेची ॥ पारणवेलाअतिकमीरे ॥ सांसखुंरायनेतांम ॥ लागीवेदनारे ॥ अ
 होम्हारीअधन्यतारे ॥ उत्सवमांथयुआंम ॥ २ ॥ लागी ॥ आजपिणपा
 राणंनवीथयुरे ॥ हैहैप्रगठ्युंपाप ॥ ला ॥ पुढेपासनामनुंजनेरे ॥ आव्यान
 आव्यानीठाप ॥ ३ ॥ ला ॥ घोलिकरीनरत्तेकहेरे ॥ आविग्यानीजठोर ॥
 ॥ ला ॥ जनमउठवधामधूममारे ॥ चालून्एहनुंजोर ॥ ४ ॥ ला ॥ रायक
 हेम्हेपापीशेरे ॥ तपसीनेकरयोअंतराय ॥ ला ॥ उदयआपदसणीमुळयवोरे ॥
 एदूःखमेनखमाय ॥ ५ ॥ ला ॥ अल्पपुण्यघरिनवीहोशेरे ॥ दृष्टितलीवसू
 धार ॥ ला ॥ ऊतोतिहांनवीजइसकुंरे ॥ मुखनदेखावुंलगार ॥ ला ॥ ६ ॥
 सोमदेवपुरोहीतनेरे ॥ साषेइंणिपरिवांण ॥ ला ॥ अणजांण्योथइतूतिहांरे ॥
 जइनेंजोतिणठांण ॥ ला ॥ ७ ॥ तेहनीषवरकरोतूम्हेरे ॥ स्योकिधोव्यवसा
 य ॥ ला ॥ जोइकहेमुळनीपनुरे तवतेगयोतिणठाय ॥ ला ॥ ८ ॥ बळता
 पसथीपरिवस्योरे ॥ माससंथारेवइठ ॥ ला ॥ अमरषत्स्योत्पनीकथारे ॥
 करतोतेणेंदीठ ॥ ९ ॥ ला ॥ गिरिनदीपासेंतेहनेरे ॥ विनइंकरीप्रणमंत ॥ ला ॥
 नामदेश्वेशारीजेरे ॥ दिइंआशीसमहंत ॥ १० ॥ ला ॥ पूढेपुरोहीततेहनेरे ॥
 किमप्रसूषीणशरीर ॥ ला ॥ तापसकहेसूणिडबलारे ॥ तपसीहोइंधीर ॥ ला ॥
 ॥ ११ ॥ पुरोहीतकहेसाचुप्रसूरे ॥ होयतपस्वीनीरीह ॥ ला ॥ धनधान्यादिक
 सङ्गतज्यारे ॥ पणिनहीधर्मनीदेह ॥ १२ ॥ ला ॥ आहारमात्रलेवोघटेरे ॥
 धरमसधाइंजेण ॥ ला ॥ इणनगरीमांउत्तमवसेरोआहारदीइंहरपेण ॥ ला ॥
 ॥ १३ ॥ तृणमणीपथरकनकमारे ॥ सत्रुमीत्रसमत्ताव ॥ ला ॥ मोरुमारग
 तूत्तेआदर्योरे ॥ त्वजलपोतस्वत्ताव ॥ ला ॥ १४ ॥ तुल्लनेंआहारकमीक
 सीरे ॥ तापसबोल्होतांम ॥ ला ॥ वातकहीसाचीतुल्लेरे ॥ पणिनरपतिडःख
 ठाम ॥ ला ॥ १५ ॥ धरमीराजासांसल्योरे ॥ तुम्हेकीमत्तापोइंम ॥ ला ॥
 तपसीबोल्होत्रटकीनेरे ॥ एहवाधरमीनकेम ॥ ला ॥ १६ ॥ जीतिदेशनें
 आवीजेरे ॥ तपसीमारणकाज ॥ ला ॥ सोमदेवचितेतदारे ॥ क्रोधचढ्योअ

तिआज ॥ ला० १७ ॥ बैठोसंथारेदेखींरे ॥ रायतणैरवेद ॥ ला० ॥ हो
 स्येअणसणआदस्युरे ॥ पामीअतिशयखेद ॥ ला० ॥ १८ ॥ पुढ्योबोलेवा
 कंठुरे ॥ तिणेंहीपुढणलाग ॥ ला० ॥ प्रणमीउढ्योतिहांथकीरे ॥ वातनोकाढ
 वाताग ॥ ला० ॥ १९ ॥ फूलकरेनदीउतरेरे ॥ तापसएकतिवार ॥ ला० ॥ ते
 हनेपूढेणीपरैरे ॥ कहोएकीस्योविचार ॥ ला० ॥ २० ॥ आसुंसरीतेबोलीउ
 रे ॥ जेथश्वातविस्तार ॥ ला० ॥ सांसलीनीजथानिकगयोरे ॥ सोमदेवतिणवार
 ॥ २१ ॥ संसलावेसवीरायनेरे ॥ सूपतिअधीकरवेदाय ॥ ला० ॥ चितवेजइ
 परसन्नकंठुरे ॥ एतपसीरीपीराय ॥ ला० ॥ २२ ॥ धरमनोअरथीराजवीरे ॥
 बालतपस्वीतेह ॥ ला० ॥ सातमीढालसोहामणीरे ॥ पद्मकहेससनेह ॥ ला० ॥
 ॥ २३ ॥ डहा ॥ नृपअतेउरलेइने ॥ परिजनसाथेप्रधान ॥ पयचारीतपोवनप्रते ॥
 तपसीमेदनतांम ॥ २४ ॥ पोहतोतेपरीवारथी ॥ जाण्युतापसजांम ॥ कष्टूं
 अगनीशर्माकहे ॥ आव्योसूपतीआम ॥ २५ ॥ क्रोधानलबलतोकहे ॥ ते
 मोकुलपतीतात ॥ सबआव्याकहेतेहने ॥ विनयनीमुंकीवात ॥ २६ ॥ तो
 सोकुलपतीजंतण ॥ सूणज्योसाचीवात ॥ एहअधमराजाइहां ॥ तहूश्रेणी
 आयात ॥ २७ ॥ मुखनदेखावेमुऊने ॥ करीइएहबुकांम ॥ जिमपाठोएजा
 यतिम ॥ रुंमुंथाइरांम ॥ २८ ॥ ढाल ॥ रामचंदकेवाग ॥ एदेडी ॥ कुलपति
 चितेएम ॥ एहकषाइहस्योरी ॥ दृष्टीइन्होइराय ॥ तोवरकांसकस्योरी ॥
 ॥ २९ ॥ सनमुखचाल्योजांम ॥ कुलपतिरायतणैरी ॥ तवपरीवारस्युराय ॥
 दीठोखेदघणैरी ॥ ३० ॥ विनइप्रणमीपाय ॥ आशीसशीसलहेरी ॥ लखोआ
 णंदजबराय ॥ कुलपतीतामकहेरी ॥ ३१ ॥ आवोचंपकश्रेणि ॥ बेडीइंति
 हांसूमनारी ॥ श्मकहीतिहांलेइजाय ॥ आशनेकुशतरणारी ॥ ३२ ॥
 विमलशीजापटवामि ॥ कुलपतिबेठाजीस्येरी ॥ नरपतीबेठोसूमि ॥ आणाल
 हियतिस्येरी ॥ ३३ ॥ कुलपतिपुढेएम ॥ किमपयचारीतुमरी ॥ आव्याएवमिसूमि ॥
 अचरिजपामूंअमेरी ॥ ३४ ॥ वलीशाथेपरीवारातबबोल्योसूपतिरी ॥ पूरूपअध
 मनीवात ॥ कहेविनहीजुगतीरी ॥ ३५ ॥ धरममांहिअंतराय ॥ तपसीनेहें

कस्योरी ॥ पापसराणोघोर ॥ हवेकिमत्तवजतरयोरी ॥ ३६ ॥ अगनीशर्मा ॥
 स्वामि ॥ किहांढेतेहकहोरी ॥ देखांनोनमुंआजि ॥ पातिकसर्वदहोरी ॥ ३७ ॥
 कुलपतिबोलेतांम ॥ मतसंतापकरोरी ॥ तुल्लमाटेनवीकीध ॥ अणसणएहप
 रोरी ॥ ३८ ॥ अमचोएहआचार ॥ अणसणेंदेहतजेरी ॥ चरमत्रयेअमलोक ॥
 तिणेंअणसणएसजेरी ॥ ३९ ॥ तवबोलेनरराय ॥ स्युंवळुतुंल्लनेंकजुरी ॥ द
 रिशणतेहुंस्वामि ॥ एकवारजुंलजुरी ॥ ४० ॥ कुलपतिकहेसूणिराय ॥ एघ
 णिवातनहिरी मकरोतसअंतराय ॥ ध्यानंमांवेठासहीरी ॥ ४१ ॥ वलीअव
 सरलहीकोय ॥ दरिशणताशकरोरी ॥ सांसलीबोलेराय ॥ जेतुल्लेंआंणिधरो
 री ॥ ४२ ॥ बलिआविसजुंस्वामि ॥ उठयोश्मकहीरी ॥ आंमणदूमणोतेह ॥
 अवशरएहलहीरी ॥ ४३ ॥ प्रणमीकुलपतीपाय ॥ चाल्योनयरसणीरी ॥ त
 वएकतापसुआय ॥ वयतसबालघणीरी ॥ ४४ ॥ धरतोपश्चाताप ॥ वानते
 शर्वकहेरी ॥ अगनीशर्माअसीप्राय ॥ तवपरमार्थलहेरी ॥ ४५ ॥ हवेआव्ये
 स्युंहोय ॥ कुलपतीकष्टकरेरी ॥ तिणेंनवीघटुंमुळ ॥ रहेवुंशंणनयरेरी ॥
 ॥ ४६ ॥ वलीतपसीनीवांणि ॥ श्रवणेंसुंणवीपमेरी ॥ जिमतिमबोलेतेह ॥ एप
 णिवातनमेरी ॥ ४७ ॥ पुढेलगननोदिन्न ॥ निजआवासजशरी ॥ जोसीमुत्त
 अभ्यास ॥ कहेतुंसूणिरवशरी ॥ ४८ ॥ कालिमुळुत्ततेखास ॥ खितिपशुत्त
 णीरी ॥ साषीसर्वनश्वात ॥ कालिप्रयाणतणीरी ॥ ४९ ॥ सेनाकरीचतुरंग ॥
 चाल्याप्रयाणकरीरी ॥ महिनेपोहतागेठि ॥ आव्यातिणनयरीरी ॥ ५० ॥
 सिणगारीसवीसहेर ॥ पोहतानिजसुवनरी ॥ उठवमहोठवकीध ॥ नहिविकल्प
 मनेरी ॥ ५१ ॥ सर्वतोसद्रआवाश ॥ माहिकेलिकरेरी ॥ दिनदूरवीजनजेह
 ॥ तेसजुनेंउशरेरी ॥ ५२ ॥ समरादित्यनोरास ॥ आठमीढालकहीरी ॥ पद्मक
 हेसूरशाल ॥ आगलवातवहीरी ॥ ५३ ॥ डहा ॥ शंणअवशरउद्यानमां ॥ मा
 संकल्पमर्याद ॥ मुनीवरविहारेमहालता ॥ पालंताअप्रमाद ॥ ५४ ॥ शिष्यस
 मुहेंश्रमणें ॥ सुंदरसर्वसरीर ॥ चौनांणीचारित्रीज ॥ धोरीपरिसहधीरा ॥ ५५ ॥
 वयजोवनआव्याव्रंती ॥ गुणरयणागरजेह ॥ कुलगरखंतीतणंकशुं ॥ निद

यधर्मनोतेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहां ॥ सूपतिकुलसंतूत ॥ कुसल
 पक्रमानुंढगकस्थो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७ ॥ अशोकदत्तसेठनुंअजब ॥
 दिसेचैत्यउद्दाम ॥ मागीअवग्रहमुनीवरू ॥ उतस्यातिहांआराम ॥ ५८ ॥ ढाला
 तोरणथीरथफेरीउरेहां ॥ एदेगी ॥ जिहांसहकारसोहामणरेहां ॥ डलसविव
 रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीवंतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
 ढाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूषतेवाविकांठेरस्यारेहां ॥ सोसेअधोमुखतेहासवि०
 परस्त्रीदिखणनेयथारेहां ॥ उत्तमपूरुषसनेह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
 प्रसक्तपाषंढीआरेहां ॥ सोलिवनसोहेतेम ॥ स० ॥ वरूअशोकशोसेजथारे
 हां ॥ कुसूंतवस्त्रवरजेम ॥ स० ॥ ६१ ॥ जिवलोकमनोरथपरैरेहां ॥ वज्रविधपाद
 पहोय ॥ स० ॥ हिमगिरीशिपरपरैशहीरेहां ॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥ स० ॥ ६२ ॥
 चरणकरणनीसित्तरीरेहां ॥ पाळेसंजमत्तार ॥ स० ॥ इणअवशरराजाहवेरेहां ॥
 पुढेवातउदार ॥ स० ॥ ६३ ॥ कौतूकदिठुंतोकहोरेहां ॥ तवनामैकल्याण ॥ स० ॥
 एकअठेरूजेकऊरेहां ॥ रायसूणोवरजाण ॥ स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
 नमारेहां ॥ पाउधारयाक्षपीराय ॥ स० ॥ जोवनेंजीत्योमारनेरेहां ॥ सोवन
 वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोषिणसंगसज्जतज्योरेहां ॥ सज्जनेकरेउपगार ॥
 ॥ स० ॥ धर्ममुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयसेनगणधार ॥ स० ॥ ६६ ॥ गं
 धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनत्तुउजाणीशे
 हां ॥ लक्ष्मसेनसूतजाण ॥ स० ॥ ६७ ॥ मेंवांद्याहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
 राय ॥ स० ॥ ताहरोत्तवसफलोथयोरेहां ॥ तुकतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
 ऊपणिकाळेवांदस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आमंवरथीवंदिआरेहां ॥
 साधूसवेपरत्तात ॥ स० ॥ ६९ ॥ देखीदेखीहरपतोरेहां ॥ पुलकीतथास्तन्न ॥
 ॥ स० ॥ आणंदबाहजलपूरीआरेहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
 वलि२प्रणम्योप्रेसरूपूरेहां ॥ मानेधन्यअवतार ॥ स० ॥ धर्मलासदिधोगुरेरेहां ॥
 शाश्वतसूरवदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चितासीखीवधूतणीरेहां ॥ तिणेंदूर्बलथयुं
 तन्न ॥ स० ॥ अठारसहससिलत्तारथीरेहां ॥ नविषेदायुंमन्न ॥ ७२ ॥ स० ॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहां ॥ वेगोगुरूनेपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी
 रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३ ॥ स० ॥ पुढेराज्यढोमीकरीरेहां ॥ किमली
 धोवतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहां ॥ किमठांमयोसंशार ॥ स० ॥ ७४ ॥
 मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्थूपूढेवेराग ॥ स० ॥ जेसंशारमांदेखीरेहां ॥
 तेवैराग्यमहासाग ॥ स० ॥ ७५ ॥ गमि २ निरवेदढेरेहां ॥ चिङ्गतिमासंता
 लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेरेहां ॥ सघलानेशिरकाळ ॥ स० ॥ ७६ ॥
 लषमीअथीरनवीसूखदिरेहां ॥ आव्योसूंकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुंकिणगामें
 वलीरेहां ॥ एज्ञानेंपिणसुंन्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोत्तवत्तलोरेहां ॥
 रयणचितामणीतुल ॥ स० ॥ मात्तअणीजलजेहवुंरेहां ॥ जिवीतहारेथुल ॥
 ॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तसूजंगमसारिषारेहां ॥ कामसोगसंशार ॥ स० ॥
 गजकर्णवीजूचंचलयथारेहां ॥ ऋद्धिशरदजलधार ॥ स० ॥ ७९ ॥ तपचा
 रीत्रनआदर्येरेहां ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणारेहां ॥
 नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बडूदूखेंकरीवलीरह्योरेहां ॥ रोगसोगवि
 प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिजीकरेमुंढळोग ॥ स० ॥ ८१ ॥
 मोरुसाधनतिणेंसाधीरेहां ॥ एडःरकटाळणहार ॥ स० ॥ एमुऊनिमीत्तवैरा
 ग्यनुरेहां ॥ सामान्येंशंसार ॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहंरुंरेहां ॥
 जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढाळेपदमकहेरेहां ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र
 ॥ स० ॥ ८३ ॥ इह ॥ जंबुद्विपइणविजयमांदेशगंधारउदाम ॥ निवसूगंधारनयरी
 श ॥ तिणपुरिइमुऊनांम ॥ ८४ ॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ वि
 तावसूधणंवाळहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआतंकथी ॥
 ८६ ॥ धोदंम ॥ मरणलस्योमुऊदेखतां ॥ डःखतेदिधप्रचंम ॥ ८६ ॥ ढाल ॥ ऊंऊ
 रीआमुनीवरधन २ तुल्यअवतार ॥ एदेजी ॥ इणअवशरतिहांआवियाजी ॥
 विचरतामुनीवरच्यार ॥ चोमासूरहेवात्तणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥
 सवीसावधरीनेंवंदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गंधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहां
 आवीनेंठाय ॥ मुनीमुऊनेंवाहलाघणाजी ॥ च ॥ ८८ ॥

यधर्मनोतेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहां ॥ सूपतिकुलसंसूत ॥ कुसल
 पद्मानुंढगकस्थो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७ ॥ अशोकदत्तसेठनुंअजव ॥
 दिसेचैत्यउदाम ॥ मागीअवग्रहमुनीवरू ॥ उतस्यातिहांआराम ॥ ५८ ॥ ढाला
 तोरणथीरथफेरीउरेहां ॥ एदेसी ॥ जिहांसहकारसोहामणारेहां ॥ उल्लसविव
 रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीवंतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
 णाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूषतेवाविकांठेरस्यारेहां ॥ सोसेअधोमुखतेहासवि०
 परस्त्रीदेखणनेयथारेहां ॥ उत्तमपूरुषसनेह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
 प्रसक्तपापंमीआरेहां ॥ सोलिबनसोहेतेम ॥ स० ॥ वरूअशोकशोसेजथारे
 हां ॥ कुसूंसवस्त्रवरजेम ॥ स० ॥ ६१ ॥ जिवलोकमनोरथपरेंरेहां ॥ बडुविधपाद
 पहोय ॥ स० ॥ हिमगिरीशिपरपरेंशहीरेहां ॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥ स० ॥ ६२ ॥
 चरणकरणनीसित्तरिरेहां ॥ पावेसंजमतार ॥ स० ॥ इणअवशरराजाहवेरेहां ॥
 पुढेबातउदार ॥ स० ॥ ६३ ॥ कौतूकदिउंतोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्याण ॥ स० ॥
 एकअठेरूजेकऊरेहां ॥ रायसूणोवरजाण ॥ स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
 नमारेहां ॥ पाउधारयारूपीराय ॥ स० ॥ जोवनेंजीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
 वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोपिणसंगसज्जतज्योरेहां ॥ सज्जनेकरेउपगार ॥
 ॥ स० ॥ धर्ममुरतीधरीआबीउरेहां ॥ विजयसेनगणधार ॥ स० ॥ ६६ ॥ गं
 धारदेशेनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनत्तुउंजाणीशे
 हां ॥ लक्ष्मसेनसूतजाण ॥ स० ॥ ६७ ॥ मेंवांद्याहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
 राय ॥ स० ॥ ताहरोसवसफलोययोरेहां ॥ तुळतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
 ऊंपणिकालेवांदस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आळंवरथीवंदिआरेंहां ॥
 साधूसवेपरत्तात ॥ स० ॥ ६९ ॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथांस्तन्न ॥
 ॥ स० ॥ आणंदबाहजलपूरीआरेंहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
 बलि२प्रणम्योप्रेसरूपूरेहां ॥ मांनेधन्यअवतार ॥ स० ॥ धर्मलासदिधोगुरेंरेहां ॥
 शाश्वतसूरवदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चिंतासीखीवधूतणीरेहां ॥ तिणेंदूर्बलथयुं
 तन्न ॥ स० ॥ अठारसहससिलतारथीरेहां ॥ नविषेदायुंमन्न ॥ ७२ ॥ स० ॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहां ॥ वेगोगुस्त्रनेपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी
 रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३ ॥ स० ॥ पुढेराज्यढोमीकरीरेहां ॥ किमली
 धोवतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहां ॥ किमठांमयोसंशार ॥ स० ॥ ७४ ॥
 मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्युंपूढेवेराग ॥ स० ॥ जेसंशारमादेखीरेहां ॥
 तेवैराग्यमहासाग ॥ स० ॥ ७५ ॥ ठामि २ निरवेदढेरेहां ॥ चिंजुगतिमासंसा
 लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेरेहां ॥ सघलानेशिरकाल ॥ स० ॥ ७६ ॥
 लषमीअथीरनवीसूखदिरेहां ॥ आव्योसूंकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुंकिणठामें
 वलीरेहां ॥ एज्ञानेपिणसुंन्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोत्तवत्तलोरेहां ॥
 रयणचितामणीतुल ॥ स० ॥ मात्तअणीजलजेहवुरेहां ॥ जिवीतहारेथुल ॥
 ॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तनूजंगमसारिपारेहां ॥ कामत्तोगसंशार ॥ स० ॥
 गजकर्णवीजुचंचलयथारेहां ॥ रुद्धिजारदजलधार ॥ स० ॥ ७९ ॥ तपचा
 रीत्रनआदरथेरेहां ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणरेहां ॥
 नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बज्रदूखेंकरीबलीरहोरेहां ॥ रोगसोगवि
 प्रयोग ॥ स० ॥ तवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिजीकरेमुंढलोग ॥ स० ॥ ८१ ॥
 मोक्षसाधनतिणेंसाधीरेहां ॥ एडःरकटाढणहार ॥ स० ॥ एमुऊनिमीत्तवैरा
 ग्यनुरेहां ॥ सामान्येंशंसार ॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहंरेहां ॥
 जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहां ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र
 ॥ स० ॥ ८३ ॥ इह ॥ जंबुद्विपंशणविजयमांदेशगंधारउदाम ॥ निवसूगंधारनयरी
 श ॥ तिणपुरिंमुऊनांम ॥ ८४ ॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ वि
 सावसूघणंवावहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआतंकथी ॥
 देवेंदीघोदंम ॥ मरणलसोमुऊदेखतां ॥ डःखतेदिधप्रचेंम ॥ ८६ ॥ ढाल ॥ ऊंऊं
 रीआमुनीवरधन २ तुल्यअवतार ॥ एदेजी ॥ इणअवशरतिहांआवियाजी ॥
 विचरतमुनीवरच्यार ॥ चोमासूरहेवातणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥
 तवीसावधरीनेंवंदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गंधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहां
 आवीनेंगाय ॥ मुनीमुऊनेंवाहलाघणाजी ॥ चरपुरसेंकसुंआय ॥ ८८ ॥

॥ सवि० ॥ ऊंपणिशीघ्रगयोतीहांजी ॥ दिठाकरतांसजाय ॥ वंद्यामेंहरषेंक
 रीजी ॥ आणंदअंगनमाय ॥ ८९ ॥ सवी० ॥ धरमलासदिधोतिऐंजी ॥ पु
 ठीम्हेंसूरखशात ॥ वंदिनेऊंघरिंगयोजी ॥ नितकरूंएअवदात ॥ ९० ॥ स
 वी० ॥ मासषमएनेपारएांजी ॥ करेच्यारेमुनीराय ॥ नितवधतेपरिणामथीजी ॥
 मुळतिहांसमकीतथाय ॥ ९१ ॥ सवी० ॥ च्यारमासतेवहिंगयाजी ॥ रय
 णीश्चितव्युंश्म ॥ कालेमहातपसीजस्येजी ॥ तवकरस्यूंकहोकेम ॥ ९२ ॥
 ॥ स० ॥ वंदननिमित्तेंचालीउंजी ॥ च्यारघमीदेशराति ॥ थोमीसूमीगयोजेत
 लेजी ॥ आव्योसूरसीतववात ॥ ९३ ॥ अजुआलूंगगनेंथयुजी ॥ गाज्योगीरी
 गंधार ॥ प्रचलीतिहांवसूधराजी ॥ जयजयरवविस्तार ॥ ९४ ॥ सवी० ॥
 अधीकहर्षतवमुळथयोजी ॥ आगळिजाउंजांम ॥ पृथविसमकरीनेंतिहांजी
 काढ्यांतृणादिकतांम ॥ ९५ ॥ सवी० ॥ गंधोदकवरसेतिहांजी ॥ पुष्प
 दृष्टीवलीथाय ॥ थोके २ देवताजि ॥ आविस्तवनाकराय ॥ ९६ ॥ सवी० ॥
 मानवसवसलेंपांमीयाजी ॥ षयकरयारागनेंदोसा ॥ कर्मसेन्यजीत्युंतुम्हेंजी ॥
 सवशायरकस्योसोस ॥ ९७ ॥ सवी० ॥ श्मसांतलीमेंचितव्युंजी ॥ गुरुल
 ह्याकेवलज्ञान ॥ जन्ममरणडुःखकापीयांजी ॥ पाम्याशाश्वतथान ॥ ९८ ॥
 ॥ सवी० ॥ रयणसिंहासनसूररचेंजी ॥ बेठाशांतस्वरूप ॥ मुर्तिवंतगुणगण
 तणांजि ॥ मुंथोसवसयकुप ॥ ९९ ॥ सवी० ॥ मेंकीथोदेखीकरिजी ॥ नि
 श्रयनहीसंदेह ॥ रोमांचितथप्रणमीउंजी ॥ हर्षनमाशंदेह ॥ १०० ॥ स० ॥
 केवलींस्तीहांदेशनाजी ॥ दिधीकरीवीस्तार ॥ निज २ संदेहपुढतांजी ॥ सू
 रनरनावळुवार ॥ १ ॥ सवी० ॥ मेंपणिमनमांचितव्युंजी ॥ पुढुंमुळशंदेह ॥
 विस्तावसूकिहांउपनोजी ॥ बाळेजेमुळदेह ॥ २ ॥ सवी० ॥ पुढुंमुंश्मम्हेंचि
 तवीजी ॥ स्वामीथयोकेश्काल ॥ माहरोमीत्रमुळदेखतांजी ॥ ततषिणथयोवी
 शराल ॥ ३ ॥ सवी० ॥ किहांजश्नेंतेउपनोजी ॥ हिवणांअनुंसर्वेकांय ॥ जि
 नमतजाणऊंखरोजी ॥ पणिमुळडुःखकिमथाय ॥ ४ ॥ सवी० ॥ केवलीक
 हेतुम्हेंसांसलोजी ॥ एहनासवविकराल ॥ धर्मकरयाविणप्रांणीयाजी ॥ कि

मलहेसखअसराज ॥ ५ ॥ सवी० ॥ समरादित्यनाराशमांजी ॥ साखीएदश
 मीढाल ॥ पद्मवीजयकहेसांस्तलोजी ॥ केवलीवचनरशाल ॥ ६ ॥ सवी० ॥
 ॥ इहा ॥ रजकएकशंनयरमां ॥ ऊसदिनशंनमां ॥ स्वानीमधूपेंगावसें ॥
 तेहनेगरसेंतांम ॥ ७ ॥ उपनोखानपणेंशहां ॥ रज्जुशंवांध्योरद्व ॥ सूप्योतरस्योरा
 ससी ॥ निकटेंकरतो नद्व ॥ ८ ॥ राससीपाहुंप्रहारथी ॥ सयपांमैंअतिसीत ॥
 हवणांअनुंसवेएहवुं ॥ पणितुऊपुरवप्रीति ॥ ९ ॥ पुष्करअरधकुसूमपुरें ॥
 सरतषेचमांसाव ॥ कुसूमशारतुंतिहांकिणें ॥ सेठसवेसीरदाव ॥ १० ॥ श्री
 कांताएस्त्रीहती ॥ नमीउतेहसनेह ॥ पोतानोजेपुरुषते ॥ तेणमुकेतेह ॥
 ॥ ११ ॥ ढाल ॥ दासअरदाससीपरिकरेजी ॥ एदेजी ॥ तेहचाकरउसदिन
 घरेंजी ॥ जशनेमुंकावीउखान ॥ आहारनेंपानदिधूंवलीजी ॥ लेशआव्यानि
 जथांन ॥ १२ ॥ जुउजुउकर्मविचित्रताजी ॥ एआंकणी ॥ कमिकुलेंव्या
 पीतदेहमीजी ॥ बऊरेचांदांपम्यांतास ॥ पिणतनुहूधीरअंगेंऊरेजी ॥ गति
 अतीमंदजेजास ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ नजरेआवेतेदंतावलीजी ॥ काढतोजी
 सवीकराल ॥ देषीसंवेगमुऊउपनोजी ॥ अहो २ सवचकवाल ॥ १४ ॥ जु० ॥
 खानपिणपुंढहावतोजी ॥ वाहजलसरीयतेनयण ॥ देषीमुऊनेतेउन्हाइउ
 जी ॥ नविकहेवांशतेवयण ॥ १५ ॥ जुउ ॥ ज्ञानीनेंपुढ्युंतवतेकहेजी ॥ पूर
 वसवनोएप्रेम ॥ बातविशेषजाणेंनहीजी ॥ पणिएसामान्यथींम ॥ १६ ॥
 जुउ० ॥ एहस्यसावसंशारनोजी ॥ आवेजेकीधोअन्यास ॥ कोईककाल
 अनासोगथीजी ॥ पोहचेपुरवतणीवास ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ पुढ्युंमहेंस्वामीकुं
 एकर्मथीजी ॥ पामीउंएहविवाग ॥ जातिमदथीकेवलीकहेजी ॥ पुढीउंतू
 म्हेधरीलाग ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ कुंणअसीमांनशंणेंकस्युंजी ॥ बोलीआतवगुणवंत ॥
 अनंतरसवेगणीकातणांजी ॥ वंदरमवानीकसंत ॥ १९ ॥ जुउ० ॥ तरुणज
 नवंदस्युंपरिवरीजी ॥ अनुंसवेवशंतनीक्रीन ॥ शंसमेरजकनीचच्चरीजी ॥
 निकलीथईतसपीन ॥ २० ॥ जुउ ॥ जातिकुलबलगरवेंकरीजी ॥ किमजा
 शंनिचअमपास ॥ दोषअज्ञानथीचितवेजी ॥ किधीकदर्थनातास ॥ २१ ॥

॥ जु० ॥ उसदिनमुख्यतेहमांअठेजी ॥ जकमीवांध्योदृढबंध ॥ बंदिषाणें
 मोकलावीउंजी ॥ इमकस्योवज्जतिणेंधंरु ॥ २२ ॥ जु० ॥ मानपरिणामना
 वसथकीजी ॥ बांधीउंअसुसतिहांआय ॥ नयरलोकेंउसदिननेंजी ॥ ठोमा
 व्योकरीसूपसाय ॥ २३ ॥ जु० ॥ वेर्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोइणस
 वएह ॥ सांसलिमेंतिहांचितव्यूंजी ॥ अहोसंशारदूरखगेह ॥ २४ ॥ जु० ॥
 म्हेंकरजोमीनेंपुढीउंजी ॥ कवएहकर्मनोअंत ॥ सव्यअसव्यकेकिमप्रसूजी ॥
 साषिइमुऊसगवंत ॥ २५ ॥ जु० ॥ पामीउंबीजकेएनहीजी ॥ तवकहे
 गुरुगुणवंत ॥ सांसलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअंत ॥ २६ ॥ जु० ॥
 उसदिनघरिएकराससीजी ॥ तेहनीकुषेंएस्यान ॥ उंपजस्येएगईसपणेजी ॥
 सारवहतोअप्रमाण ॥ २७ ॥ जु० ॥ क्लेशषमतोवज्जतिहांकणेंजी ॥ का
 लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिनचंमालसारयाजी ॥ अणहिगाकुषेंरस्योएह ॥ २८ ॥
 ॥ जु० ॥ तेहनपुंसकनीपनोजी ॥ रुपदौसांगपदेषाय ॥ सिंहेंमारयोवलीते
 हनीजी ॥ कुषेंचंमालणीथाय ॥ २९ ॥ जु० ॥ नागमसीउंबालकालमांजी ॥
 मरीवलीउसदिनधांम ॥ दत्तिआदासीकुषेंथयोजी ॥ जातीअंधनपुंशकताम ॥
 ॥ ३० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसऊपरिसवेजी ॥ इणसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम
 रिवलीतेहनीजी ॥ कुषेंस्त्रीसवतणोदाह ॥ ३१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेंहण्योहा
 थोइंजी ॥ तिणेंकरयोतीहांथकीकाल ॥ हवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालंज
 णीनांमेंनीहाल ॥ ३२ ॥ जु० ॥ तासकुषेंथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहवेजोवन
 वेद ॥ उसरहीतनांमेरजकनेंजी ॥ दरीइनेंदिधीमहाषेद ॥ ३३ ॥ गर्सवंतीय
 ईअनुंक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पंचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुषेंउ
 पनोसूतपास ॥ ३४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी ॥ गंधारसरितानेंतीर ॥
 रमतोगयोतिहांकिणेंजी ॥ जेहमांउंमाबज्जनीर ॥ ३५ ॥ जु० ॥ उसदिनस
 नुएकतिणसमेजी ॥ आवीउनांमचिदात ॥ कोटेशिह्वाबांधीषेपवीजी ॥ नदी
 अमांकरस्येघात ॥ ३६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइंणिबांधीउंजी ॥ कर्मनोए
 अवसान ॥ सव्यनेंसिद्धीगामीषरोजी ॥ पणनलस्योविजतांन ॥ ३७ ॥ जु० ॥

बांधतां कर्मदीसे नही जी ॥ सोगवतां महा डरक ॥ ढाल श्यारमी श्मकही जी ॥
 पद्मकहे धर्म थो सूरक ॥ ३८ ॥ जु ॥
 ॥ उहा ॥ आचारयकहे पुढीउं ॥ म्हेके वलीनें तांम ॥ जलमरणें जास्येकही ॥
 कवसमकीत किण्ठांम ॥ ३९ ॥ केवलीकहे सूणि तिहां थकी ॥ पांमी सु
 तपरीणांम ॥ सुरवरव्यंतरथायस्ये ॥ आगमकालें आम ॥ ४० ॥ तिणें सव
 मांति रथपती ॥ आणंदं एण् असीधान ॥ पासें समकीत पांमीउं ॥ सुरतरुसीदी
 समान ॥ ४१ ॥ चउगं भ्रमणसमीकरी ॥ सांत्तलितवसंख्यात ॥ शणं धारहज
 एवइं ॥ यास्ये प्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेज आणगा
 र ॥ तेहनें पासें व्रतलेइ ॥ पादस्ये प्रीति अपार ॥ ४३ ॥ केवदज्ञानलहीकरी
 ॥ पांमस्ये सवनोपार ॥ सांत्तलीनें ऊंसमजीउं ॥ रागगयो संसार ॥ ४४ ॥ एवै
 राग्यें आदस्युं ॥ पुढिमातपीताय ॥ चारित्रचोखें चित्तस्युं ॥ इंदत्तगुरुपाय ॥
 ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुंकहे गुणशेनसूणी
 सलातुल्ले महासाग ॥ ४६ ॥ पणितुल्ले सधियुपुरवें ॥ मोरुनुं साधनमुळ ॥ मो
 रुनुं साधनकहोमुनें ॥ जेहहोइं अवीरुळ ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हंसलाती ॥ एदे
 शी ॥ मोरासाहिबहो ॥ श्रीश्रीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सरितापेहो ॥ सांत्त
 लिनरनाहके ॥ मोरुथानिकशाश्वतकजं ॥ जरामरणें हो ॥ नहीजनमनें रोग
 के ॥ शोकादिकउपद्रवसज्ज ॥ ४८ ॥ नाणदरिणहो ॥ ठेजाससरूपके ॥ चौद
 राज्यशिरजेरहा ॥ हवेशांत्तलिहो ॥ कजंतासउपायके ॥ नाणदर्शनचरणजक
 ह्यां ॥ ४९ ॥ विजंते देहो ॥ साधूश्रावकधर्मके ॥ वारप्रकारगृहीतणो ॥ पांच
 अण्णं व्रतहो ॥ त्रण्णुं व्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतश्मगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा
 जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके ॥ दोयनुं मुलदर्शनतणो ॥ जेडर्लतहो ॥ प्राणीव
 सकर्मके ॥ तेहकर्म आठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणें हो ॥ वलीदर्शनावर
 णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनें हो ॥ अंतराय एआठके ॥ एहनाहे
 तुकहेके वली ॥ ५२ ॥ मीठअन्नाणहो ॥ अविरतिनें प्रमादके ॥ वलिकरवाय
 जोगजांणीइं ॥ विद्बूविहाहो ॥ उक्कोसजहलके ॥ एकपरीणामें ते आंणीइं ॥

॥५३॥ त्रिपरिणामेहो ॥ उत्कृष्टबंधायके ॥ आदित्रणनेअंतरायनी ॥ त्रिंश
 सागरहोकोमाकोमीजाणके ॥ तेत्रींशसागरआयनी ॥ ५४ ॥ सीत्तेरनीहोमो
 हनीकोमाकोमिके ॥ विशकोमाकोमीशेसनी ॥ मध्यमनाहो ॥ होयबहुपरकार
 के ॥ थितीपरिणामविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ २ नीहो ॥ नामगोत्रमुज्जर्त्तके
 वेदनीयनीवारते ॥ शेषनीसीनहो ॥ मुज्जर्त्तजहन्नेके ॥ थितिबांधेएकवारते
 ॥ ५६ ॥ घंसनानेहो ॥ घोडनापरकारके ॥ यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुषयकरे
 हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोमाकोमीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो
 विधिगंठिसेदके ॥ रागद्वेषनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक
 रणके ॥ गोमवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यतः ॥ जागंठितापढमं ॥ गंठिसम
 उंसवेवीय ॥ अनीअदिकरणपुण ॥ समत्तपुरेस्कमेजिवे ॥ १ ॥ समसंवेदहो ॥
 निरवेदअनुंकंपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणेहो ॥ कस्योवहुअधी
 कारके ॥ कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिकोध
 के ॥ नकरेजाणीवीपाकने ॥ चर्कीशर्कनाहो ॥ सुखतेडुखरूपके ॥ जाणें
 तुल्यकिपाकने ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविशेअन्यके ॥ अनुंकंपाड
 खनीकरें ॥ इव्यसावथीहो ॥ होयसुसपरिणामके ॥ शंकादिकडुषणहरे
 ॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेनीशंकाके ॥ जेजिनवरसाधीगया ॥ थोमा
 कालमाहो ॥ एहवाजेजीवके ॥ अव्याबाधसूखीयया ॥ ६२ ॥ तेहसमकिती
 हो ॥ अनुंकर्मदेवाविरतिके ॥ तवथुलव्रतअंगीकरे ॥ बारव्रतनेहो ॥ तेहना
 अंतीचारके ॥ वधबंधादीकनविधरे ॥ ६३ ॥ व्रतसंगाहो ॥ कोमयोगमेथायके
 तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बहुशास्त्रमज्जारिके ॥ इहाथाइंयंथ
 जघणो ॥ ६४ ॥ हलुउंथइहो ॥ अनुंकरमेंजीवके ॥ संख्यसागरषयजबक
 रे ॥ तबसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोइषपकश्रेणीकरे ॥ ६५ ॥ यतः ॥
 सणियंचसमत्तमिउलखे ॥ पलीअपुज्जत्तेणसावजहोज्जा ॥ चरणोवसमष
 याणं ॥ सागरसंखंतराज्जंती ॥ ६६ ॥ पूर्वढाल ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइंजव
 श्रेणिके ॥ घातिषइंकेवलखहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ सादिअ

नंतसूखमारहे ॥ ६७ ॥ इमसांसलीहोगुणशेनराजानके ॥ शुसपरिणामअ
नलेदहे ॥ कर्मइंधणांहो ॥ बालीसमकीत्तके ॥ देशवीरतीसावेलहे ॥ ६८ ॥
करजोमीहो ॥ कहेऊं प्रसूधन्यके ॥ जिणेंतूम्हवयणांसांसल्यां ॥ रागविषनुंहो ॥
जेढालणहारके ॥ पापपंकजलसममल्यां ॥ ६९ ॥ ढालवारमीहो ॥ समरा
दित्यराशके ॥ साषीएहसोहामणी ॥ पद्मबीजयेंहो ॥ समकीतदेशविरतिके ॥
पामवाजीमहोयसूरमणी ॥ ७० ॥ इहा ॥ करजोमीनरपतिकहे ॥ विजयशे
ननेंवांणि ॥ गृहस्थधर्मगुणशेननें ॥ उच्चरावौप्रसूआंणि ॥ ७१ ॥ अणंब्रत
तसउचरावियां ॥ साचांसमकीतमुल ॥ बळविधीतासवतावीड ॥ नरपतिनें
अनुंकुल ॥ ७२ ॥ प्रणमीगुरूपरिवारस्यूं ॥ गयोतेआपणगेह ॥ सोजनकरी
बलीसावस्यूं ॥ पोहतोगुरूपायतेह ॥ ७३ ॥ वदिसेवाकरीआवीड ॥ उत्तय
कालनितएम ॥ सांसलेगुरुवांणीसदा ॥ मासगयोश्मप्रेम ॥ ७४ ॥ समजोध
र्मसारीपठें ॥ विजयशेनकरेविहार ॥ धर्मकरेधरणिपती ॥ पुरेपुण्यप्रका
र ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ मुनीमनसरोवरहंशलो ॥ एदेसी ॥ एकदिनेहवेतेहनरप
ती ॥ वेगोजुस्तमासोरे ॥ देषेतिहांसंवनरतणं ॥ पामेंअतिअविपासोरे ॥
॥ ७६ ॥ अथीरसंसारइंणिपरिं ॥ एआंकणी ॥ च्यारजणेंतेउपामीउं ॥ बंधू
जनपरिवारे ॥ करेआक्रंदअतिघणो ॥ पणिनवीकरेकोईसाररे ॥ ७७ ॥ अथी ॥
संवेगसावीतजीवनें ॥ उपजेसऊइंजालरे ॥ मृतकफिमिमवाजतूं ॥ जागवे
बालगोपालरे ॥ ७८ ॥ अथी ॥ ॥ देषीनेंनरपतिचितवें ॥ धर्मध्यानजसचि
त्तोरे ॥ अम्हपणिइंणपरिंहोयस्यें ॥ एसंजारविचित्तोरे ॥ ७९ ॥ अथी ॥
मरणधर्मासऊप्राणिआ ॥ हाहात्तवगयोआलेरे ॥ नरपतीसूरपतीसऊजना ॥
नविदिशेकोशकालेरे ॥ ८० ॥ अथी ॥ ॥ धन्यतेसेठसेनापती ॥ चिंतामणीस
मजाणीरे ॥ घरठांमीव्रतआदरे ॥ धन २ तासकमाणीरे ॥ ८१ ॥ अथी ॥
दिहालेईवतपालता ॥ शुरूमानलिइंआहाररे ॥ दोषवेंतालीशढालता ॥ धनते
हनोअवताररे ॥ ८२ ॥ अथी ॥ ॥ संजोजनादिकदोषजे ॥ पांचकझाजिन
राजेरे ॥ दोसनलगवेतेहमां ॥ जगमांसऊसिरगाजेरे ॥ ८३ ॥ अथी ॥ ॥ पां

चसूमतीसूमतारहे ॥ वलित्रणिगुपतिनेंधारेरे ॥ अणसणपरमुखतपकरे ॥ नि
 तपरमादनेवारेरे ॥ ८४ ॥ अथी० ॥ पंचमहाव्रतसावना ॥ जेसाषीपणविश
 रे ॥ श्यासूमतीमुखतेसवे ॥ पालेजेगतरिशरे ॥ ८५ ॥ अथी० ॥ माशादिकप
 मीमावहे ॥ अणहाएनेवलीलोचरे ॥ दासअदासेजेसमरहे ॥ तेहमांहरषन
 शोचरे ॥ ८६ ॥ अथी० ॥ निप्रतिकर्मशरीरजे ॥ समत्रणमणीसत्रुमीत्रे ॥ धा
 रेअस्तीघहनवनवा ॥ द्रव्यादिकजेविचित्रे ॥ ८७ ॥ अथी० ॥ अठारसह
 ससीलांगना ॥ धोरीसमरसजीखेरे ॥ उपमानहीजसजगतमां ॥ इमनितकर्म
 नेपीखेरे ॥ ८८ ॥ अथी० ॥ गामनगरपूरपाटणें ॥ नवकल्पीकरेविहाररे ॥
 पृथिवीनेजेपावनकरे ॥ टालेविषयविकाररे ॥ ८९ ॥ अथी० ॥ मीथ्यातक
 चरामाषूचीआ ॥ तेहनैदैउपदेशरे ॥ रविपरेंकादवशोषवी ॥ आपेगुणसूवी
 शेशरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ संलेषणातपआदरी ॥ अणसणकरेमुनीरायरे ॥ पाद
 पोपगमनादिकें ॥ ठांमेजेनीजकायरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ धन २ तेजगनरवरा ॥
 धन २ तेहनिमायरे ॥ धन २ वंशदिपावीउ ॥ जेएहवारिषीरायरे ॥ ९२ ॥
 अ० ॥ ऊंपिणइणिविधिइंकरी ॥ देहतणोकसूत्यागरे ॥ मुळगुरूकल्पपादपस
 मो ॥ विजयशेनमहासागरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥ सयललोकमांसूरजसमो ॥
 शास्वतसूखनोदाताररे ॥ लस्कोसवेंपणिदोहिलो ॥ उतारेसवपाररे ॥ ९४ ॥ अ०
 निरुपमचिंतामणीसमो ॥ धर्मनोशारथीजेहरे ॥ आदरुंसंजमशुस्तपरि ॥ ठां
 मीराज्यनेगेहरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ सूबुझीप्रमुखमंत्रीस्वरा ॥ तेमावीइंमत्ताषेरे ॥
 निजअस्तीप्रायजेउपनो ॥ तेसघलोकहीदाषेरे ॥ ९६ ॥ अ० ॥ तेपणिराय
 संगेकरी ॥ जाणेंजीनवचसाररे ॥ हर्षधरीनेंबोलीआ ॥ धनतूमचोअवताररे
 ॥ ९७ ॥ अ० ॥ अहो २ तुल्लविचारने ॥ मोटापुरीससरीसोरे ॥ पवनाहत
 जलचंदलो ॥ जिवितचपलनरीसोरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥ तिणेंकरीकृत्यतेएह
 ठे ॥ सूखदायकएहजाणोरे ॥ एहमांनप्रतिबंधकिजीइं ॥ जेहकरेतेअजाणो
 रे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ बलतिआगथीनीकले ॥ तेहनेंकहोकुणवाररे ॥ कोपीक
 दापीवारेजिके ॥ तेसत्रुपणंधारेरे ॥ १०० ॥ अ० ॥ तिणेंअमेबझराजीथ

या ॥ अममांबुधीघणेरीरे ॥ पणिअम्हेमरणवारीसकुं ॥ एहवीनहीकोसलेरी
 रे ॥ ४० ॥ अ० ॥ हरषलद्योसूणिनरपति ॥ सापीतेरमोढालरे ॥ पद्यविजय
 कहेशांसलो ॥ आगुलिवातरशालरे ॥ २ ॥ अ० ॥ डहा ॥ रायकहेमंत्रीप्र
 ते ॥ मुऊनेकुणकहेआम ॥ हितूउतूमटाडीनही ॥ माहरीरापीमाम ॥ ३ ॥ इ
 मअतिशयआदरकरी ॥ देवरावेमहादाण ॥ सक्तिकरेजिनसूवनमां ॥ जिन
 पमीमाजिनजाण ॥ ४ ॥ अठाइमहोडवआदरे ॥ स्नेहिनेसंतोष ॥ पुत्रचंद्र
 सेनथापीउ ॥ प्रजानेकरवापोष ॥ ५ ॥ विजयसेनजिहांविचरता ॥ कादि
 जवुंतहकीक ॥ प्रवर्ज्यासावेपमिवजी ॥ गयोधरमेंठीक ॥ ६ ॥ जोइएकां
 तवरजायगा ॥ पमीमातेहपवन्न ॥ सर्वराईसुसमाधिथी ॥ धरमीएहजधन्न ॥
 ७ ॥ ढाल ॥ आसनराजोगी ॥ एदेडी ॥ हवेअगनीशर्मतेतपसी ॥ तपकर
 तांपम्योतेतपसीरे ॥ क्रोधानलबलीउ ॥ बडलखपुरवतपपरजलीउ ॥ पणि
 सघलोधूलिमांमलीउरे ॥ ८ ॥ क्रो० ॥ सुरमणीदलीघरेनवीठाजे ॥ मातंगघ
 रिगजकिमराजेरे ॥ क्रो० ॥ मरूधरणीकल्पटहनहोय ॥ किमरांकघरिराज्य
 तेजोयरे ॥ क्रो० ॥ ९ ॥ अंधघरेकीमपदमणीनारी ॥ किहांथीत्तीछघरि
 चित्रसारीरे ॥ क्रो० ॥ अगनीकुंमकीहांकमलनोवासो ॥ नागचित्तमांउपस
 मषासोरे ॥ १० ॥ क्रो० ॥ अज्ञानीघरितपजेएहवो ॥ किमठाजेचितामणी
 जेहवोरे ॥ क्रो० ॥ तपनुंअजीरणक्रोधतेसाप्यो ॥ ज्ञाननुंअहंकारतेदाप्यो
 रे ॥ ११ ॥ क्रो० ॥ किरीयाअजीरणपारकीनिदा ॥ आहारनुंवमनकरं
 दारे ॥ क्रो० ॥ जोमुऊतपफलहोयतोसार ॥ याज्योसव २ मारणहाररे ॥
 १२ ॥ क्रो० ॥ करीयनियाणनेतपफलहारयो ॥ नरझोकुलपतिनोवास्यो
 रे ॥ क्रो० ॥ वेच्योहाथीनेकीमीमांगी ॥ उलटीदूखशुलीजागीरे ॥ १३ ॥ क्रो० ॥
 अणपमीकमततेहनीयाण ॥ जैनवाशनाविणंअन्नाणरे ॥ क्रो० ॥ कालक
 रीविद्युतकुमार ॥ आयुदोढपल्योपमधारिरे ॥ १४ ॥ क्रो० ॥ दिद्योतिणेंउप
 योगस्युंदिधूं ॥ स्युंहोमहवनवलीकीधूरे ॥ क्रो० ॥ देवतणीरीधीजिणथीपां
 म्यो ॥ मुऊपुन्यपुरवनोजाम्योरे ॥ १५ ॥ क्रो० ॥ विसंगज्ञानेपुरवत्सवदि

ठो ॥ तवगुणशेनलागोअनिठोरे ॥ क्रो० ॥ गुंणशेननरपतीउपरिकोप्यो ॥ क्रो
 धनेअज्ञानेदोप्योरे ॥ १६ ॥ क्रो० ॥ पमीमारसोमुनीवरपरेंराय ॥ आविदे
 षीनेक्रोधसरायरे ॥ क्रो० ॥ नरकअगनिसमीबलतिधार ॥ धूलीवृष्टीकरेति
 वाररे ॥ १७ ॥ क्रो० ॥ तेवेदूथीदाफतोअंग ॥ करीसमतास्थूंअतीरंगरे ॥
 समतारससरीउ ॥ चित्तइंगुरूसत्वेसंपत्तो ॥ जिनप्रणीतधरममारत्तोरे ॥ १८ ॥
 ॥ समता० ॥ शरीरमानसडरकजिहांलहीइं ॥ संसारेसूखसदूःखकही
 इंरे ॥ स० ॥ डकरधर्मतणीपमीवत्ती ॥ जेहथीसुखलहीइंफत्तीरे ॥ १९ ॥
 ॥ स० ॥ तवशायरसमतांसवलखें ॥ दूरलसधर्मरयणजेरखेंरे ॥ स० ॥ जा
 सप्रसावेंपालतांराज्य ॥ नबिलहिइंदूरकसमाजरे ॥ २० ॥ स० ॥ तवअना
 दिमांधर्ममेंलहीउ ॥ अनाचर्णदोषेंकरीरहिउरे ॥ स० ॥ एहजसफलथयुंसऊ
 जगमां ॥ विजयशेनआचार्यनीवगमारें ॥ २१ ॥ स० ॥ पणिमुफ्फदयमा
 हिंघण्णसावे ॥ दूःखदिधूंपूरवकाळेंरे ॥ स० ॥ अगनीशमानेंवलीअंतें ॥ करी
 तपमांकदर्थनासंतरे ॥ २२ ॥ स० ॥ आदस्योमैत्रीसावम्हेतेहस्यूं ॥ सऊजि
 वथीविसेषेंएहस्यूरें ॥ स० ॥ सूतपरिणामवधारोकरतां ॥ तिणेंपापिइंरजस्यूं
 सरतारें ॥ २३ ॥ स० ॥ आउंपुरेंकीधोविनीपात ॥ पणिनथयोधर्मव्याघात
 रे ॥ स० ॥ चंदाननविमानमांजाया ॥ सौधमेंसागरएकआयरे ॥ २४ ॥ स० ॥ उ
 तपतीदेवतणीइंहांकहिइं ॥ जिमसूत्रसिद्धांतेलहिइंरे ॥ स० ॥ तेविधीसंषेपेसुणो
 सयणां ॥ जिनवरसाधितजेवयणारें ॥ २५ ॥ स० ॥ चौदमीढालेंचतूरपुरूषें ॥
 सज्योदृढपरिणामजहरषेरें ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेगुणशेनराजा ॥ जाणो
 समरादित्यजीउताजारें ॥ २६ ॥ स० ॥

॥ डहा ॥ संषेपेंकरीसूरतणी ॥ वातकंडुविस्तार ॥ श्रुतसायरथीसमऊज्यो ॥
 अंधीकोजेअधीकार ॥ २७ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रशंसीइं ॥ एदेशीः ॥ इंधनुंषजी
 मविजलीरे ॥ जिमगगनेंधनवात ॥ तिमरुणमांहिसूरतणोरें ॥ सय्यामांउ
 तपातोरें ॥ पुण्यप्रसंसीइं ॥ २८ ॥ सय्याइंतेहउपजेरे ॥ मुंकिइहसवदेह ॥ दि
 व्यतेअंतरमुजुर्त्तमारें ॥ सूरसवसकतिएहरे ॥ २९ ॥ पु० ॥ गीतगाइंदेवांगनारें ॥

कुसूमबुद्धीकरेतेह ॥ विणानादविनोदधीरे ॥ नाटिककरतिजेहरे ॥ ३० ॥ पु० ॥
 सीहनादसूरवरकरेरे ॥ हरषेदेखीरेतास ॥ सूरसवडरलसपामीआरे ॥ जांणीहो
 यज्झासरे ॥ ३१ ॥ पु० ॥ अनुंसवतोपंचविषयनेरे ॥ हरष्योउगेरेदेव ॥ देव
 दूष्यजेवखठेरे ॥ तेमुंकेततपेवरे ॥ ३२ ॥ पु० ॥ परिकरप्रेमपमामतोरे ॥ दि
 व्यरूपधरजेह ॥ पुरोसारदससिपरैरे ॥ सङ्गजय २ तेकरेहरे ॥ ३३ ॥ पु० ॥
 देवदेवांगनासङ्गनमेरे ॥ जय २ सव्दकरंत ॥ थुणतांसूरसूरीदेखीनेरे ॥ इम
 चित्तमाहिधरंतरे ॥ ३४ ॥ पु० ॥ स्युंहोम्युंस्युंदिधलुरे ॥ पाम्योएफलजासा ॥
 दिइउपयोगअवधीतणोरे ॥ परसवजांणीतिषाशरे ॥ ३५ ॥ पु० ॥ पुढेसामा
 नीकसूरप्रतेरे ॥ कहोमुळकरणीजेह ॥ जिनप्रतिमादाढातणीरे ॥ पुजाकरोक
 हेतेहरे ॥ ३६ ॥ पु० ॥ वांचिपुस्तकरत्ननारे ॥ लेईधरमव्यवसाय ॥ सूरवर
 वंदेपरिवस्थोरे ॥ सिंहायतनेंजायरे ॥ ३७ ॥ पु० ॥ पुजाकरेजीनराजनीरे ॥
 फूलपगरवरधूप ॥ काव्यशक्रस्तवधीस्तविरे ॥ सक्तिदिखावेअनूपरे ॥ ३८ ॥
 पु० ॥ दाढतणीपुजाकरेरे ॥ टालेआशातनात्यांहि ॥ सूर्याससूरवरनीपरि
 रे ॥ रायपसेणीमांहिरे ॥ ३९ ॥ पु० ॥ विजयदेवअधीकारठेरे ॥ जिवात्तिग
 मेंप्रसीध ॥ जंबुद्विपपल्लत्तीरे ॥ बङ्गसूरेपुजाकिधरे ॥ ४० ॥ पु० ॥ नंदिस
 रमेरूतणीरे ॥ प्रतिमानमीआरेहोय ॥ इहांनमीतेहअशाश्वतिरे ॥ चारणमुनी
 वरदोयरे ॥ ४१ ॥ पु० ॥ सगवतीविशमाशतकमारे ॥ साप्योएअधीकार ॥
 तिमदशमेदाढातणीरे ॥ आशातनपणिवारीरे ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमवङ्गसूरअ
 धीकारठेरे ॥ तिममानवनोरेसार ॥ तिणेंजिनपूजमानेनहीरे ॥ अहेलेतसअव
 ताररे ॥ ४३ ॥ पु० ॥ हवेजेजागिमनोहूरुरे ॥ देखावेसूरतास ॥ देवांगनांहा
 वसावनेरे ॥ करतिकरेविळाशरे ॥ ४४ ॥ पु० ॥ पंचविषयसूरवसोगवेरे ॥
 तेवरदिव्यविमान ॥ वलितिरथजात्राकरेरे ॥ वंदेप्रसूविहरमानरे ॥ ४५ ॥ पु० ॥
 समकीतदृष्टीसूरतणीरे ॥ साणीकरणीरेएह ॥ चंद्राननविमानमारे ॥ सूरवसो
 गवेसूरतेहरे ॥ ४६ ॥ पु० ॥ सूरसुंदरीसाथेंसलारे ॥ पूरणसागरएक ॥ संपूर
 णसूरवसोगवेरे ॥ धारेअतिहिंविवेकरे ॥ ४७ ॥ पु० ॥ इणीपरेप्रथमजसवकस्यो

रे ॥ सूरसवसहीतरशाळ ॥ श्रीसमरादित्यराशनीरे ॥ पनरमीएढालरे ॥ ४८ ॥
 ॥ पु० ॥ श्रीविजयसिंहसूरिंदनारे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ कपूरविजयतस
 पाटवीरे ॥ शिमाविजयतसषासरे ॥ ४९ ॥ पु० ॥ ताससीशजिनविजयजी
 रे ॥ उत्तमविजयतससीश ॥ लीबमीनगरप्रारंतीउरे ॥ राशएविसवाविसरे ॥
 ॥ ५० ॥ पु० ॥ संवतजाणिअढारसेरे ॥ वलीउंगणच्यालीश ॥ मांमयोआशो
 वदित्रिजदिनेरे ॥ पद्मविजयसुजगीसरे ॥ ५१ ॥ पु० ॥ कातिशुदिआठिमदि
 नेरे ॥ संपूरणथयोषंम ॥ संघअखंमपणेंसूण्योरो ॥ पांमीपुण्यप्रचंमरो ॥ ५२ ॥ पु० ॥
 ॥ इति श्रीसंविज्ञपक्षीयपंथितप्रवरश्रीमउत्तमविजयशिष्यपं० पद्मविजयविर
 चित्ते श्रीसमरादित्यचरित्रे प्राकृतप्रबंधे गुणसेनाशिसर्मासीधानयोप्रथमतः
 समाप्तः ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५३ ॥
 ॥ ५३ ॥ सोलसमाजिनसमरिइं ॥ शांतिनाथसुखकार ॥ परसवजिणेंपोरेव
 मो ॥ उगास्योउपकार ॥ १ ॥ गुणसेनअगनीसर्मागया ॥ सिहाणंदहवेशार ॥ पि
 तापुत्रप्रेमेंकरी ॥ वर्णवस्यूंविस्तार ॥ २ ॥ सांसलज्योओतासवे ॥ आलसअं
 गउनार ॥ तेरकाठीआमाहिते ॥ प्रथमआलसपरकार ॥ ३ ॥ विकथावर्जोति
 मवली ॥ नकरोविकथाजेण ॥ वितथातेविकथावदे ॥ स्वपरनसांसलेतेण ॥ ४ ॥
 तिमनिधानकरोतुम्हे ॥ निद्राथीश्रुतनाश ॥ सूतानुंश्रुतपणिसूइं ॥ श्रीसिद्धां
 तेसास ॥ ५ ॥ तिणेंनिद्राविकथातजो ॥ आलसनकरोअंग ॥ सांसलताजेस
 मऊस्ये ॥ तेहहेज्ञानतरंग ॥ ६ ॥ ढाल ॥ ललनांनीदेशी ॥ जंबुंधीपसोहाम
 णो ॥ तेहमाषेतरसात ॥ ललनां ॥ सरतनेंहिमवंतजांणीइं ॥ वलिहरिवर्षवि
 ख्यात ॥ ल० ७ ॥ जं० ॥ महाविदेहरम्यगतथा ॥ ठुंऐरएण्यवतधारि ॥ ल०
 ऐरवतषेतरसातमुं ॥ मेरूविदेहमऊार ॥ ल० ८ ॥ जं० ॥ महाविदेहदोय
 सेदथी ॥ पुरवपठिमजांण ॥ ल० ९ ॥ पठिममहाविदेहमां ॥ जयपुरनगरवरवां
 णि ॥ ल० १० ॥ जं० ॥ सूरपुरीसमनगरीतिहां ॥ आरामनेंउद्यांन ॥ ल० ११ ॥
 गुणजेहनानगणीसकुं ॥ सूतलतिलकसमांन ॥ ल० १२ ॥ जं० ॥ रूपाळी
 रमणीजीहां ॥ महिलागुणअसमांन ॥ ल० १३ ॥ परद्रव्यलेवानरजीहां ॥ संको

चेनीजपाणि ॥ ल० ॥ ११ ॥ जं० ॥ परभिद्रजोवानेआंधला ॥ परस्त्रीउपरि
 क्लीव ॥ ल० ॥ परअपवादनैवोलवा ॥ जाणेमुंकअतीव ॥ ल० ॥ १२ ॥
 जं० ॥ परउपगारपरायणा ॥ एहवाजनसमवाय ॥ ल० ॥ पुरुषदत्ततिहां
 राजीउ ॥ प्रजालोकसूखदाय ॥ ल० ॥ १३ ॥ जं० ॥ राणीश्रीकंतातेहने ॥ सोग
 वेसोगरसाल ॥ ल० ॥ शणैअवशरतेदेवता ॥ चविउआउनेकाद ॥ ल० ॥ १४ ॥
 जं० ॥ श्रीकंताउरेंअवतरयो ॥ दिहुंसूपनतेराति ॥ ल० ॥ सीहकिसोरसोहा
 मणो ॥ वदनेउदरआयात ॥ ल० ॥ १५ ॥ जं० ॥ निर्धूमअगनीजालासमो ॥
 केशरानोआटोप ॥ ल० ॥ फटीकहंससमउजलो ॥ पिगनेत्रविणकोप ॥ ल०
 ॥ १६ ॥ जं० ॥ मध्यसागजसपातलो ॥ पिऊलवरूस्थलजाश ॥ ल० ॥ दि
 र्घकुंमलीतपुंढुं ॥ कटितटकठिनविशाल ॥ ल० ॥ १७ ॥ जं० ॥ इमहरिसू
 पनेदेखीने ॥ जागीकहेतरतार ॥ ल० ॥ पुत्रपराक्रमीहोयस्ये ॥ संपदहोस्येअ
 पार ॥ ल० ॥ १८ ॥ जं० ॥ सांसलीहर्षतेपांमती ॥ सूखमांकाढेकालाल ॥
 गर्तप्रसावेदोहला ॥ उपजेपुण्यविशाल ॥ ल० ॥ १९ ॥ जं० ॥ - स५ ।
 कृतस्वने ॥ मुनीनेउपष्टंतदान ॥ ल० ॥ दिनअनाथरूपणप्रति ॥ संपदादेउं
 अमान ॥ ल० ॥ २० ॥ जं० ॥ जिनवरसघलेदेहरे ॥ पुजाकरुंवकुसक्ति
 ॥ ल० ॥ ॥ वातसूणावीकंतने ॥ तेपूरेनिजसक्ति ॥ ल० ॥ २१ ॥ जं० ॥ ते
 देखीपरजासवे ॥ हरषघणोपामंत ॥ ल० ॥ धरमकारजकरतांथकां ॥ नव
 महीनावोलंत ॥ ल० ॥ २२ ॥ जं० ॥ शुत्तलगनेंसूतजनमीउ ॥ करपदको
 मलकाय ॥ ल० ॥ सयलप्रजामनसूखथयो ॥ मातनेहरषनमाय ॥ ल० ॥
 ॥ २३ ॥ जं० ॥ शुत्तंकरादासीहवे ॥ नृपनेवधार्शवाय ॥ ल० ॥ पुत्रजनम
 यीहरषीउ ॥ हवेदिशंदानतेराय ॥ ल० ॥ २४ ॥ जं० ॥ बंधनमोचनादिकतिहां ॥
 उठववलीनरिंद ॥ ल० ॥ नगरमार्गसणगारीआं ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ल० ॥
 ॥ २५ ॥ जं० ॥ सणगारीहाटसेरीउ ॥ मंगलतूरवाजंत ॥ ल० ॥ कुंकुमजलेपं
 थसीचिआ ॥ कुसूमसर्वत्रघरंत ॥ ल० ॥ २६ ॥ जं० ॥ इममहोठवकर
 तांथकां ॥ माशय्योतवनांम ॥ ल० ॥ सिंहकुमारसोहामण ॥ थापेतसअ

सीराम ॥ ल० ॥ २७ ॥ जं० ॥ पुण्येप्रणयीलोकने ॥ नयणमनेंआणंद ॥ लं०
 देतोजोवनपामीउ ॥ सकलकलागुणवृंद ॥ ल० ॥ २८ ॥ जं० ॥ एसमरादि
 त्यराशमां ॥ विजेखंमेढालं ॥ ल० ॥ पहेलीपदमेंकहीतली ॥ सूणतांमंगलमा
 ल ॥ ल० ॥ २९ ॥ जं० ॥ डंहा ॥ आव्योवसंततेअन्यदा ॥ रतिदेखावीनाशि
 मदनसिलिमुखमुंकतो ॥ विधेलोकतिवार ॥ १ ॥ ३० ॥ कोइलकोलाहलक
 रे ॥ जय २ सव्दनेंकाज ॥ विरहअनलधुमजबनो ॥ भ्रमरआभ्रमानुंभाज ॥
 ॥ ३१ ॥ मित्रेपरिवर्योमोदस्युं ॥ क्रिमाकरणसंकेत ॥ क्रिमासुंदरकाननें ॥
 आव्योअचरीजदेत ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ कोइलोपरवतधूंधलोरेलो ॥ एदेशी ॥ इं
 एअवसरदिठीतीहांरेलो ॥ कंन्याकुसूमावलीनामरे ॥ रंगीली ॥ वनदेवीसी
 वीराजतीरेलो ॥ कामक्रिमानोधामरे ॥ ढबीली ॥ ३३ ॥ पुन्यतणंफलपेष
 ज्योरेलो ॥ एआंकणी ॥ कुसूमगसितवणीसलीरेलो ॥ कोमलकरकजपानरे ॥
 ॥ रं० ॥ अधरप्रवालारंगज्यूरैलो ॥ चंपकसमतनुंवानरे ॥ ढ० ॥ ३४ ॥ पु०
 लक्ष्मीकंतनरपतीतणीरेलो ॥ पुत्रीपावेनअंगरे ॥ रं० ॥ सखिजनस्युंतेपरिव
 रीरेलो ॥ क्रिमावसंतनीचंगरे ॥ ढ० ॥ ३५ ॥ पू० ॥ माउलपुत्रीतेहठैरेलो ॥ ते
 हेसूंउपनोरागरे ॥ रं० ॥ सबअनंतअत्यासथीरेलो ॥ पंचबाणथयोलागरो ॥ ढ० ॥
 ॥ ३६ ॥ पु० ॥ तेणिइंदिठोतेहनेंरेलो ॥ सामनचितेइंमरे ॥ रं० ॥ मकरध्वजइं
 हाआवीउरेलो ॥ क्रिमाकरणकेकांमरे ॥ ढ० ॥ ३७ ॥ पु० ॥ चितवीपगउं
 सारतीरेलो ॥ चेदिप्रियंकरातामरे ॥ रं॥ उंसरोनहीनृपपुत्रथीरेलो ॥ एसिहकुमर
 ठेनामरे ॥ ढ० ॥ ३८ ॥ पु० ॥ तुम्हफईकुषेउपनोरेलो ॥ आव्याप्रथमथीआ
 परे ॥ रं० ॥ उंसरतांभापणनहीरेलो ॥ करस्येएहवीठापरे ॥ ढ॥ ३९ ॥ पू० ॥
 तिणेएहनंतूलेकरारेलो ॥ कंन्याउचितउपंचाररे ॥ रं० ॥ साकहेतुंकहेतिमक
 रूरेलो ॥ तवतेकहेसूविचाररे ॥ ढ० ॥ ४० ॥ पु० ॥ आशनदेईआदरकरोरे
 लो ॥ फूलआसरणतंबोले ॥ रं० ॥ कुमरीकहेनकरीसकूरेलो ॥ रंगलागोमुळ
 चोलेरो ॥ ढ० ४१ ॥ पु० ॥ तेहवेकुमरतेआविउरेलो ॥ आप्युंआशनसाररे ॥ रं॥
 रतिवीरहीतपंचबाणनेंरेलो ॥ स्वागतठैरेकुमाररे ॥ ढ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमपु

भेषियंकरारेलो ॥ तवतेबोलेकुमाररे ॥ रं० ॥ रतिविरहीतदिनएतारेलो ॥ पणि
 नहिसंप्रतिवाररे ॥ ७० ॥ ४३ ॥ पु० ॥ श्मकहिबेगेतेआसनेरेलो ॥ फूलआ
 सरणवलिपानरे ॥ रं ॥ दिधूतेलिधूतिणैरेलो ॥ मनमांधरीबज्रमानरे ॥ ७१ ॥
 ॥ ४४ ॥ पू० ॥ इणअवसरआव्योतिहारेलो ॥ कंत्यानोरखवालेरे ॥ रं० ॥
 करतांदिगविनोदनेरेलो ॥ मनचितेतिणैकालेरे ॥ ७२ ॥ ४५ ॥ पू० ॥ रतिनैक
 दर्पमल्योषरोरेलो ॥ जोसहस्येकिरताररे ॥ रं० ॥ आवितिहांआदरकरेरेलो ॥
 कुमरनेअतिसत्काररे ॥ ७३ ॥ ४६ ॥ पू० ॥ वच्छजननीतूज्ज्मकहेरेलो ॥ खेदय
 स्येतुज्ज्मदेहेरे ॥ रं० ॥ बज्रवेलायश्चावीशरेलो ॥ मुक्तावलीकहेएहेरे ॥ ७४ ॥
 ॥ ४७ ॥ पु० ॥ उठिश्मत्तापीहवेरेलो ॥ मातनीआणप्रमाणरे ॥ रं० ॥ चितव
 तिकुमरप्रतिरेलो ॥ मुकेतेहउज्जाणरे ॥ ७५ ॥ ४८ ॥ पु० ॥ दिर्घनीशासाना
 षतीरेलो ॥ पहीतीनीजआवासरे ॥ रं ॥ जंशपल्यंकैवेगीतीहारेलो ॥ संसारगु
 णतासरे ॥ ७६ ॥ ४९ ॥ पु० ॥ सषीउनेविसर्जतीरेलो ॥ मदनसेदाणीतेहेरे ॥
 ॥ रं० ॥ चित्रकरमनकरेहवेरेलो ॥ सूकसारीकास्यूननेहेरे ॥ ७७ ॥ ५० ॥ पु० ॥
 अंगरागनकरेकिमेरेलो ॥ आहारनोनहीअसीलाषरे ॥ रं० ॥ सवनसयणको
 इनवीगमेरेलो ॥ नविकलहंसस्यूंसाखरे ॥ ७८ ॥ ५१ ॥ पु० ॥ वाव्यमामज्ज
 ननविकरेरेलो ॥ नविसारेकांयविणरे ॥ रं० ॥ कंदूकक्रिमापरिहरिरेलो ॥ सू
 खणनधरेषीणरे ॥ ७९ ॥ ५२ ॥ पु० ॥ जुथभटजिमहरणलीरेलो ॥ खणमां
 नयणमीलायरे ॥ रं० ॥ रुणनीशासानांषतीरेलो ॥ रुणमाचेष्टाजायरे ॥ ८० ॥
 ॥ ५३ ॥ पु० ॥ इणअवसरधावीपूत्रीकारेलो ॥ निजजननीलहीआणरे ॥ रं० ॥
 मदनलेखांआवितिहारेलो ॥ तालवंतलेइपाणरे ॥ ८१ ॥ ५४ ॥ पु० ॥ बिमां
 कपूरस्यूंपाननारेलो ॥ परिश्रमक्रिमानोजांणरे ॥ रं ॥ नेउरपाइरणऊणैरेलो ॥
 हरषतेधरतीअमानरे ॥ ८२ ॥ ५५ ॥ पु० ॥ चितासरदिगीतिणैरेलो ॥ सख्या
 गतसुन्यसावरे ॥ रं० ॥ विगरबोलतीदेषिनेरेलो ॥ पुढेतवसदसावरे ॥ ८३ ॥
 ॥ ५६ ॥ पु० ॥ किमउदवेगकरीरहीरेलो ॥ स्यूनवीनीतपरिवाररे ॥ रं० ॥
 केदेवगुरुनवीपूजीआरेलो ॥ केगुरुजनअपकाररे ॥ ८४ ॥ ५७ ॥ पु० ॥

केअरथीनसंतोषीआरेलो ॥ केसखिउनोनरागरे ॥ रं० ॥ केसमीहीतनवीनी
 पनूरेलो ॥ कहोतूम्हेकहेवालागरे ॥ ७० ॥ ५८ ॥ पु० ॥ अलकसमारीहाय
 स्थूरेलो ॥ बोलीकुसूमावलीवांगरे ॥ रं० ॥ कुसूमवीणतांउपनोरेलो ॥ षेदघणो
 दूरवषाणरे ॥ ७० ॥ ५९ ॥ पु० ॥ तिणेंआलसअरतीघणीरेलो ॥ अन्यनकार
 एकोयरे ॥ रं० ॥ मदनलेषातवबोलतीरेलो ॥ सांसलजोसऊकोयरे ॥ ७० ॥
 ॥ ६० ॥ पु० ॥ विजेखंमेइमकहीरेलो ॥ बिजीढालरसागरे ॥ रं० ॥ पद्मकहे
 ओतासूणोरेलो ॥ सूनतांमंगलमागरे ॥ ७० ॥ ६१ ॥ दूहा ॥ मदनलेखाकहे
 माननी ॥ ल्योकरमुऊतंबोल ॥ विश्रामणकहंतूऊवपु ॥ तवबोलेतेबोल ॥
 ॥ ६२ ॥ इणअवसरमुऊअवरस्युं ॥ कांमनहीसुणिकांय ॥ कदलीघरजईइ
 करो ॥ श्रुतिहांशुसगय ॥ ६३ ॥ कुसूमावलीघरिकेलीनें ॥ सूतिकुमरसं
 तारि ॥ कपुरबिमुंकरदिउं ॥ मदनलेषासूकुमारि ॥ ६४ ॥ कथाकहेकौतूकक
 री ॥ विजणेंविजतीवाय ॥ शुन्यऊंकारोसांसली ॥ चितवेतेचितलाय ॥ ६५ ॥
 अठेविकारचितएहनें ॥ तेणेपुढुंऊंवाताइमचितिपूढूंइणि ॥ सूनबहिनीसूख
 सात ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ वामीफूलीअतीसलीमनसमरारे ॥ एदेशी ॥ मदनलेखा
 कहेइणिपरि ॥ सूनबेहनीरे ॥ वशंतक्रीमागयांआज ॥ तूम्हेसुणोबहिनीरे ॥
 अचरिजकांईदितुंतिहां ॥ सू० ॥ तवबोलीधरीलाज ॥ तूम्हे ॥ ६७ ॥ क्रिमा
 सुंदरउद्यानमां ॥ सू० ॥ रतिविरहीतपंचबाण ॥ तू० ॥ रोहिणीविरहितचंद्र
 मा ॥ सू० ॥ मानूंदिगेतिणेंगांण ॥ तू० ॥ ६८ ॥ सचिविरहितजिमहरीहो
 ई ॥ सू० ॥ मदिराविनुंकामपाल ॥ तू० ॥ सोवनवरणशरिरठे ॥ सू० ॥ पाय
 अंगुलीशुकमाल ॥ तू० ॥ ६९ ॥ गुढशीरापिमीहति ॥ सू० ॥ मणहरमोरसी
 जंघ ॥ तू० ॥ गुढजानुंसुंदरअती ॥ सू० ॥ पाणिपरनारीडलंध ॥ तू० ॥ ७० ॥
 संगतउरुजुगसोसता ॥ सू० ॥ विपुलकंठितटसांग ॥ तु० ॥ मध्यसांगअति
 पातलो ॥ सू० ॥ हृदयविशालविसाग ॥ तू० ॥ ७१ ॥ वर्तूललांबिबाहमी ॥
 ॥ सू० ॥ पुंहचातेअतिपुष्ट ॥ तु० ॥ सुसरेपाईशोसता ॥ सू० ॥ जानुप्राप्तक
 रलष्ट ॥ तु० ॥ ७२ ॥ कांयकरातानखंसला ॥ सू० ॥ अधरप्रबालिरंग ॥ तू० ॥

समश्रेणीदंततेजज्जला ॥ सू० ॥ नासावंसउत्तंग ॥ तू० ॥ ७३ ॥ दिर्घविशा
 लमां हिरक्तता ॥ सू० ॥ अष्टमीचंदज्युंसाव ॥ तू० ॥ अवणसूसंगतजेहना ॥
 ॥ सू० ॥ पहेरीमुक्ताफलमाव ॥ तू० ॥ ७४ ॥ कसिएकुटिलकुंतलसला ॥ सू० ॥
 चंदनचर्व्योअंग ॥ तु० ॥ निरमलवस्त्रसूक्ष्मघणां ॥ सु० ॥ चुमारयणउत्तमां
 ग ॥ तू० ॥ ७५ ॥ स्यूंकहिइंधणंतेहनुं ॥ सु० ॥ जाणीइरूपनुंरूप ॥ तू० ॥
 लावण्यनुंलावण्यमानुं ॥ सू० ॥ तरूणनुंतरूणअनुप ॥ तू० ॥ ७६ ॥ मनो
 रथनोमनोरथजाणं ॥ सू० ॥ नृपसूतसिहकुमार ॥ तू० ॥ मदनलेखासूणि
 चितवे ॥ सू० ॥ रागएजुगतेंगार ॥ तू० ॥ ७७ ॥ अथवाकमलाकरविना ॥ सू० ॥
 लषमीनकरेवास ॥ तू० ॥ कुसूमायुधनैरतिविना ॥ सू० ॥ नहिकोइयोग्यते
 पास ॥ तु० ॥ ७८ ॥ सुबुद्धिरायस्युंमंत्रतो ॥ सू० ॥ सांसल्योआजविचार ॥
 ॥ तु० ॥ कुसूमावलिकहेतेकहो ॥ सु० ॥ मदनलेखाकहेशार ॥ तु० ॥ ७९ ॥
 देविपेसणनेऊंगई ॥ सू० ॥ तिहांसांसलीएवात ॥ तू० ॥ सुबुद्धीकहेरायनें ॥
 ॥ सू० ॥ पुरुषदत्तनृपख्यात ॥ तु० ॥ ८० ॥ काजेसिहकुमारनें ॥ सू० ॥
 कुसूमावलिदिउअम्ह ॥ तू० ॥ बऊ २ आयहथीकशुं ॥ सू० ॥ मुऊनेतेकशुं
 तूम्ह ॥ तू० ॥ ८१ ॥ वलिइममुऊनेंसाषिउं ॥ सू० ॥ एवरवधूशंजोग ॥ तू० ॥
 अन्यअन्यनेंयोग्यठे ॥ सू० ॥ एहप्रसंससेलोग ॥ तू० ॥ ८२ ॥ अलिकको
 पकरीलाजती ॥ सू० ॥ कुसूमावलिकहेतांम ॥ तू० ॥ हर्षधरीमनमांकहे ॥ सू० ॥
 स्युंअसंबधकहेआंम ॥ तू० ॥ ८३ ॥ मदनलेखाकहेजुठस्युं ॥ सू० ॥ हंसी
 हंसनेंलाग ॥ तू० ॥ जुत्तवातठेनृपकहे ॥ सू० ॥ सूणिमंत्रिमाहाताग ॥ तू०
 ॥ ८४ ॥ इणअवसरिआवितिहां ॥ सू० ॥ कुसमावलिनइंपास ॥ तू० ॥ पल्ल
 वियादाशीसलो ॥ सू० ॥ उद्यानपालितेषास ॥ तु० ॥ ८५ ॥ रायेंकशुंतुममा
 तनें ॥ सू० ॥ मातकहावेतूऊ ॥ तू० ॥ तवनउद्यानशोताकरो ॥ सू० ॥ ए
 आंणठेमुऊ ॥ तू० ॥ ८६ ॥ राजकुमरसिहनामजे ॥ सू० ॥ आवसेरम
 वाआज ॥ तू० ॥ कुसूमावलितेहसांसली ॥ सू० ॥ कहेधन्यदिनथयोआज
 ॥ तू० ॥ ८७ ॥ बिजेखंमेशंकही ॥ सू० ॥ ॥ तू० ॥

विजयकहेसांसलो ॥ सू० ॥ आगलप्रीतीविशाल ॥ तू० ॥ ८८ ॥ डहा ॥ सां
 सलीसांष्युंसत्यते ॥ उठिसज्युंजयान ॥ तेम्योकुमरनिमंत्रिनें ॥ माई मेल्ह्युंतां
 न ॥ ८९ ॥ सोजवविधीकरयोसलो ॥ सवनजयानगयोसाय ॥ झाकामंमप
 देखीउ ॥ सारिकाईसुखसूणाय ॥ ९० ॥ रक्तअशोकेंरीजीउ ॥ सवनदिर्घिका
 सादि ॥ नलिनीवनखंमनिपनुं ॥ लवेकोकिलअंबगलि ॥ ९१ ॥ भमरसमें
 सणकारस्युं ॥ माधविलतामंमाण ॥ नागवल्लिनानिवहने ॥ पुगीआलिगेपाणि ॥
 ॥ ९२ ॥ कुसूमगुच्छपरिमलकरे ॥ मोह्युंदैखीमन्त्र ॥ महाविलतामाहिरस्यो ॥
 राजेपुरुषरतन ॥ ९३ ॥ डाल ॥ रायकहेराणीप्रते ॥ सरिदीर्घनीशासा ॥ एदे
 शी ॥ कुसूमावलिनेंमदनलेखा ॥ कहेइंणीपरैवात ॥ पूर्वसंबंधययोजीके ॥
 हवेपरगट्यात ॥ ९४ ॥ सांसलोवहिनीमाहरी ॥ एकवातसनुंरी ॥ एआंक
 णी ॥ फुलतंबोलतेआपिई ॥ पुढोवातसरीर ॥ आपकलोदेखाविई ॥ रागकान
 ननिर ॥ ९५ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीकहेजिमगमे ॥ तिमतुम्हेकरोआपे ॥ म
 यणलेखाचित्रपटिका ॥ तबलावीआपे ॥ ९६ ॥ सां० ॥ सामानसर्वदेईकहे
 एकहंसीआलेखो ॥ हंशीविरहिणीहंशनें ॥ जोवाउबुकपेषो ॥ ९७ ॥ सा० ॥
 कुसूमावलीइंधितरी ॥ तेहंशलीतेहवी ॥ मदनलेखाइंडपदि ॥ लिखीउपरिह
 वी ॥ ९८ ॥ सा० ॥ हंसलीनीअवस्थातणो ॥ तेहमांसावसमाई ॥ मदनलेखा
 हवेलेईने ॥ गर्इकुंअरपायें ॥ ९९ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीनीप्रीयसखि ॥
 जाणीआदरकीध ॥ प्रणमीजेलावीहती ॥ तेकुंमरनेंदिध ॥ १०० ॥ सां० ॥ सां० ॥
 परैकुमरनें ॥ तुम्हेचित्तनारागी ॥ राजकुमरीइंजेमोकल्युं ॥ निजचित्तसोसा
 गी ॥ १ ॥ सा० ॥ प्रियंगुमंजरीएबली ॥ वलीनागरवेली ॥ ककोलफलतंबो
 लए ॥ मोकलिआंकेलि ॥ २ ॥ सा० ॥ इष्टनेंदिजेंएसऊ ॥ तिणेंमोकल्यातु
 ऊ ॥ हंसीसखलहोतुम्हथी ॥ एहसाष्युगुळ ॥ ३ ॥ सा० ॥ कानेप्रीयंगुमं
 जरी ॥ मुखेंलीधतंबोल ॥ राजहंसीजोईहरषीउ ॥ वांच्योडपदीबोला ॥ ४ ॥ सा०
 मदनविकारथीबोलतो ॥ वांणीमधूरखलाती ॥ चित्रकौसलघणंरुअमुं ॥ वा
 तजाणीइंठाती ॥ ५ ॥ सा० ॥ पण्डपदिनुंकामस्युं ॥ पुनरुक्तजणावे ॥ मद

नलेखाकहेहैंलखी ॥ देखीउपदितावैं ॥ ६ ॥ सां० ॥ कहेकुंअरुमूंकस्युं॥
 सखितावजणाव्यो ॥ नागरवेदतेकातरे ॥ हंसरूपसोहाव्यो ॥ ७ ॥ सां० ॥
 हंसलीसरीषोहंसते ॥ वलिश्लोकतैलखीउ ॥ आप्योतेहनेहाथमां ॥ वलिंणि
 परित्तपीउ ॥ ८ ॥ सां० ॥ कहेज्योकुसूमावलीसणी ॥ तूमूंकिधूंबिनाण ॥ फि
 री २ एहवुंकहावज्यो ॥ निजसखिस्युंजाण ॥ ९ ॥ सां० ॥ मुक्तावलीवली
 दानमां ॥ आप्युंकुमरेंतास ॥ एसंतोषपुसीतण ॥ लक्षणसूविलास ॥ १० ॥
 ॥ सां० ॥ मदनलेखाहवेनिकली ॥ करीनेंपरिणाम ॥ कुसूमावलीपासंगई ॥
 कहिवाततेतांम ॥ ११ ॥ सां० ॥ सांसलीरोमांचित्तथइ ॥ हवेनित २ इम ॥
 मदनवसेंनव २ करे ॥ बज्रचेष्टाप्रेम ॥ १२ ॥ सां० ॥ एसविवातचरित्रमां॥
 ठेबज्रविस्तार ॥ थोनादिनगयाजेतले ॥ तवथायप्रकार ॥ १३ ॥ सां० ॥ प्रीयं
 करादाशीहवे ॥ कुसूमावलीपासैं ॥ तुम्हतातैंसीहकुमरनैं ॥ तूतआप्यांइमत्ता
 से ॥ १४ ॥ सां० ॥ बज्रप्रमोदलक्ष्यांअनुंकमे ॥ परणाव्यारायें ॥ तेहविस्तारकस्यो
 नही ॥ बज्रविस्तारथायें ॥ १५ ॥ सां० ॥ तेहचरीत्रथीजाणज्यो ॥ हवेफेरा
 फरतां ॥ दानआप्युंजेकुमरनैं ॥ सज्जनजरेंकरतां ॥ १६ ॥ सां० ॥ पहेलेफे
 रेवधूपिता ॥ सोवनलाखसार ॥ विगरघम्युंदिधूंबलि ॥ विजेघम्युंसारा ॥ १७ ॥
 ॥ सां० ॥ कुंमलकंदोरोवली ॥ वाजुबंधनहार ॥ सार २ सूपणजीके ॥ देवे
 मनोहार ॥ १८ ॥ सां० ॥ त्रीजेथालिवालीका ॥ साजनबज्रतांति ॥ चोथेम
 हर्घ्यचिवरदिइ ॥ मनमाघणीपांति ॥ १९ ॥ सां० ॥ पुरुषदत्तपणिराजीइ ॥
 निजसंपदसार ॥ बज्रमुलांबज्रनेंदिआ ॥ सूपणघणंचारु ॥ २० ॥ सां० ॥
 बज्रउठवमोठवकरी ॥ इमपरण्यावेज ॥ चरित्रकारजेवणवे ॥ तेकहिंकेज ॥
 ॥ २१ ॥ सां० ॥ इमविजेपंफेकहि ॥ चोथीवरढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्य
 थी ॥ होयमंगलमाल ॥ २२ ॥ सां० ॥ डहा ॥ पंचविषयसुखपुन्यथी ॥ सो
 गवेस्त्रीतरतार ॥ वधतेरागविशेषथी ॥ दंपतीवलीदातार ॥ २३ ॥ लापअनेक
 वरसदगें ॥ किनाकरतांकाल ॥ सुखमानवीजांणेंसही ॥ तेहगयोतिणताल ॥
 ॥ २४ ॥ अस्वरखेलाववाअन्यदा ॥ सीहकुमरगयासार ॥ नागनेननगजगन

परिवरयोनीजपरिवार ॥ २५ ॥ ढाल ॥ मालिकेरेबागमां ॥ दोयनारिगपके
 रेलो ॥ अहोदोय ॥ एदेडी ॥ इणअवशरिदिगतिहां ॥ एकवरअणगारे
 लो ॥ अहोएक ॥ धरमघोषनांमैसला ॥ बज्जुमुनीपरिवाररेलो ॥ अहोब
 ज्जु ॥ २६ ॥ प्रासूकजायगेंउतरथा ॥ रूपगुणअसमानरेलो ॥ अहोरूप ॥
 योवनवयमांवरतता ॥ शत्रुमित्रसमानरेलो ॥ अहोशत्रु ॥ २७ ॥ खंतीम
 हवअस्यवमुत्ती ॥ तवसंजमठाणेरलो ॥ अहोतव ॥ सत्यसौचअकिंचन
 वली ॥ ब्रह्मचर्यनिधानेरलो ॥ अहोब्रह्म ॥ २८ ॥ द्वादशांगीधरवाचना ॥
 सूत्रअर्थनीदेतारेलो ॥ अहोसूत्र ॥ निर्जराअर्थिउद्यमी ॥ निजशिष्यनेक
 हेतारेलो ॥ अहोनीज ॥ २९ ॥ आचारयपदनाधणी ॥ देषीनेविचाररेलो ॥ अ
 होदेषी ॥ सकलसंगत्यागीमुनी ॥ एतवजलतारेरेलो ॥ अहोए ॥ ३० ॥
 धन्यएएहनीमावमी ॥ तज्योसारोसंशाररेलो ॥ अहोत ॥ बज्जुमांनंकरीचि
 तवे ॥ करेपरउपगाररेलो ॥ अहो ॥ ३१ ॥ एहनेसंगेजईहवे ॥ पूबुएहवा
 तरेलो ॥ अहोपू ॥ मनोसवललितसमयअठे ॥ किमजोगआयातरेलो ॥ अ
 होकिम ॥ ३२ ॥ दूरथीउतरेअश्वथी ॥ जईमुनीवरपासेरेलो ॥ अहोजई ॥
 वंदेमुनीवरविनयस्यूं ॥ धरीहर्षउल्लासेरेलो ॥ अहोधरी ॥ ३३ ॥ अस्तीनं
 योधर्मलासथी ॥ वंद्याशेषमुणंदरेलो ॥ अहोवं ॥ बेगोगुरुचरणेंजई ॥ लहे
 परमआणंदरेलो ॥ अहोल ॥ ३४ ॥ पुढेधरमघोषमुनी ॥ गुरुजीमुफ्फतासेरेलो ॥
 ॥ अहोगु ॥ संपदाकुलधरस्वामीजी ॥ निर्वेदअस्यासोरेलो ॥ अहो ॥ ३५ ॥
 एहअकालेआदर्युं ॥ संजमस्यूंविचारीरेलो ॥ अहोसं ॥ तवगुरुबोलेशां
 सलो ॥ आवकइणवारीरेलो ॥ अहोआ ॥ ३६ ॥ कालसंजमनोएहठे ॥ न
 थीतासअकालरेलो ॥ अहोन ॥ मृत्युपरासर्वेसर्वदा ॥ जुउतेहसंतालीरेलो ॥
 अहोजु ॥ ३७ ॥ सूरअसूरासज्जनैहरे ॥ वज्जमनोरथसेलरेलो ॥ अहोव ॥
 करेविजोगवाहताणो ॥ इमकरेजगकेलीरेलो ॥ अहोइ ॥ ३८ ॥ बलिआ
 वकतूसांसले ॥ रूमोजाणीधर्मरेलो ॥ अहोरूम ॥ चरमवशेतेआदरे ॥ लहेवा
 शुसशर्मरेलो ॥ अहोल ॥ ३९ ॥ रुमुतेआगेथीकीजीइ ॥ तेहमांसीहांणीरे

लो ॥ अहोते ० ॥ कुमरकहेषरुं एकद्युं ॥ एहवातविन्नाणरेलो ॥ अहोए ० ॥
 ॥ ४ ० ॥ तोपिणवगरनीमित्तए ॥ नचारीत्रलेवायरेलो ॥ अहोन ० ॥ गुरुकहे
 एहसंशारते ॥ निर्वेदनोवायरेलो ॥ आहोनी ० ॥ ४ १ ॥ स्यूंशंसारमासार
 वेइ ॥ तेचित्तविचारोरेलो ॥ आहो ० ॥ वलिअविशेषेंशांसलो ॥ माहरोअधि
 काररेलो ॥ अहोमा ० ॥ ४ २ ॥ अवधीज्ञानींसापीउ ॥ निजचरीत्ररशाखरेलो ॥
 अहोनी ० ॥ तेमुऊहेतूवैराग्यनुं ॥ सांसलीसूपाखरेलो ॥ अहोसां ० ॥ ४ ३ ॥
 कुमरकहेप्रसूदापीइ ॥ अवधीमुनीचरीतरेलो ॥ अहोअ ० ॥ गुरुकहेसांसलि
 नरपति ॥ कऊंतेहपवीत्तरेलो ॥ अहोक ० ॥ ४ ४ ॥ विजेखंमपांचमी ॥ कहि
 उत्तमडाखरेलो ॥ अहोक ० ॥ पद्मविजयकहेसांसलो ॥ घणंवातरशाखरेलो ॥
 अहो ० ॥ ४ ५ ॥ इहाइणहिजविजयमाराजपुर ॥ ऊंतेहनोरहेनार ॥ तवस्वरूपमें
 सावी उं ॥ नलऊंरतिनीरघार ॥ ४ ६ ॥ विरक्तरऊंवैरागीउ ॥ आव्यातवअणगारा
 साधूवऊशिरोमणी ॥ विचरताकरेविहार ॥ ४ ७ ॥ अमरगुप्तआचार्यनें ॥ उ
 पनुंअवधीज्ञान ॥ थोमादिनतेहनेंथया ॥ धरताधरमनुंध्यान ॥ ४ ८ ॥ वात
 लोकमांविस्तरी ॥ अहोतपस्वीएह ॥ आअवकरयाअलगार्शे ॥ ग्यानतणो
 तेगेह ॥ ४ ९ ॥ धरमदेशनालधीआ ॥ जांणेंसूपतिजांम ॥ नगरलोकस्यूंनरपती
 आवेवंदनआंम ॥ ५ ० ॥ ढाल ॥ गैबसागररीयालउत्तीदोयनागरी ॥ म्हारालाल
 ॥ एदेयी ॥ अरिमर्दननरपतिनेंधर्मलात्तदिउ ॥ म्हारालाल ॥ नरपतिनगरलो
 कसऊचित्तआणंदिउ ॥ मा ० ॥ गुरुवचसुणवानोहर्षघणोमनमांधरे ॥ मा ०
 पुढेसूरकविहारमुंनीनेंशुत्तपरें ॥ मा ० ॥ ५ १ ॥ करिपुढेचपजाणनाणतूम
 अतिघणं ॥ मा ० ॥ अणकालयाहकउहिनाणतेतुमतणं ॥ मा ० ॥ करिउ
 पगारकहोगुरुसमकीतकबलया ॥ मा ० ॥ शाश्वतसुखतरूविजपरिणामते
 हनाकखी ॥ मा ० ॥ ५ २ ॥ देशविरतिपाम्यांशेसवकेपरत्तवे ॥ मा ० ॥ सा
 धूपणंपणिकबलया ॥ किमलयांसवनवे ॥ मा ० ॥ चंपावासपुरीएहविजयमां
 मुनीकहे ॥ मा ० ॥ सुधणंनामगायापतिअतितकालेरहे ॥ मा ० ॥ ५ ३ ॥ य
 णसिरीनामंघरणीतेहनीऊंसूता ॥ मा ० ॥ तेहनयरनीवासीनंदसयवाऊंता ॥

॥ मा० ॥ तेहनोसूतहृद्देवआपीमुक्ततेहने ॥ मा० ॥ जौवनवयअनुरूपवि
 षयसूखगेहने ॥ मा० ॥ ५४ ॥ शंखअवसरतिहांविहारअनुक्रमेआवियां ॥
 ॥ मा० ॥ तपसंजमथीआतमसखिपरिंसाविआं ॥ मा० ॥ रूपथकीमानुंशा
 सनदेवतादेखीइ ॥ मा० ॥ अतरतनेकरीशोतीतगुरुणीपेपीइ ॥ मा० ॥ ५५ ॥
 बालचंद्रानामेचंद्रातपशीतलघणं ॥ मा० ॥ दिगंशमसूखपुंजमानुंतेहनुंतणं
 ॥ मा० ॥ सांसरेथीपीहरजातांमुक्तइमथयुं ॥ मा० ॥ तेदेखीमुक्तमोदथीतनुं
 पुलकितेतसुं ॥ मा० ॥ ५६ ॥ लोयणथयाविकश्वरपापनाशीगयां ॥ मा० ॥
 उलसुंअंगधरमचित्तउल्लसुंधन्यथयां ॥ मा० ॥ करकजजोमीविनयथकी
 पाइपनी ॥ मा० ॥ दिधोतेणीइधर्मलासमानुंशफलीघमी ॥ मा० ॥ ५७ ॥ स
 क्तिप्रीतिथीतेहनोआलयपुढिउ ॥ मा० ॥ तेसाऊणीइवताव्योतिहांचित्तमुढि
 उ ॥ मा० ॥ उचितविधेऊंहनीसेवानीतकहं ॥ मा० ॥ जाणंजिमतिमऊंस
 वसायरनिस्तहं ॥ मा० ॥ ५८ ॥ तेसगवतिइधर्मकस्योजीनसापीउ ॥ मा० ॥
 शिवसूखफलदृक्चितामणीपरेदापीउ ॥ मा० ॥ कर्मनोक्त्यउपसमथयोस
 मकीतपामीउ ॥ मा० ॥ साव्योजिनधरमसवचारकचित्तवांमीउ ॥ मा० ॥
 ॥ ५९ ॥ हवेमुक्तपतिकर्मदोषथीद्वेषकरेघणो ॥ मा० ॥ कहेतूधर्मएगंमीवी
 षयविघ्नकारणो ॥ मा० ॥ मेकहुंविषयसूखेसरयुंदाहणफलकहां ॥ मा० ॥
 तेकहेदृष्टुंकीअदृष्टकुंलखां ॥ मा० ॥ ६० ॥ मेकहुंपसूसाधारणविषय
 मांसूखहुं ॥ मा० ॥ प्रत्यक्षसूखफलधर्मअदृष्टतेकिमकहुं ॥ मा० ॥ इमक
 हाथीअधीकद्वेषमुक्तसुंकरे ॥ मा० ॥ सोगतज्योमुक्तसाथिविवाहविजोमनधरो ॥
 ॥ मा० ॥ ६१ ॥ नागदेवधूआनागसिरीकंन्यासली ॥ मा० ॥ पणितसतातैन
 दिधीमुक्तपीयासयकली ॥ मा० ॥ हृद्देवमनचित्तवेजिवतांएहने ॥ मा० ॥
 नविदिइबालीकाकोइकहसुंतेहने ॥ मा० ॥ ६२ ॥ मायाचरीत्रकरीमाहंए
 हनेहवे ॥ मा० ॥ इमचितिघटमाहिआशीविषसंक्रमे ॥ मा० ॥ घरएक
 पुणेठोमीसणेरयणीसमे ॥ मा० ॥ एनवघटमांथीकुसूममाललावोतुम्हे ॥
 ॥ मा० ॥ ६३ ॥ ऊंअणजाणतीतेहलेवागइजेतले ॥ मा० ॥ हाथघादयोतिहां

नागमस्योमुज्जतेतले ॥ मा० ॥ संभ्रमथीतेनांषीदीउआवीनेंश्मकहे ॥ मा० ॥
 करमयोनागतेसांसलीरूद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६४ ॥ नियमीथीआकुलव्याकु
 लथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुज्जनेंविषनावेगअतिदूरवमांधरे ॥ मा० ॥ प
 रवत्रथईनेंऊंतोतिहांथरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाच्यअवस्थापामीचेतना
 वली ॥ मा० ॥ ६५ ॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहां ॥ मा० ॥ सोहमेंलीलाव
 तंसविमानअठेजीहां ॥ मा० ॥ पट्योपमस्थीतिदेवपणेंऊंउपनो ॥ मा० ॥ अ
 प्सरापरिवृत्तदिव्यसोगमुज्जनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागद
 त्तधूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंऊआ ॥ मा० ॥ रतनप्रसा
 ईकमषमानरगावासमां ॥ मा० ॥ पट्योपमनेंआउपेडस्कआवासमां ॥ मा० ॥
 ॥ ६७ ॥ देवलोकमांथीचविऊंययोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमांसूंस
 माररणसूंदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमांहिक्रीमाकरू ॥ मा० ॥ न
 रगमाथीरूद्रदेवआव्योअनंतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमांथयोसूजोसो
 हामणो ॥ मा० ॥ बालअवस्थागयेंययोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमां
 विचरंतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ वज्रकरणीस्यूंआविउतेसुकजिहारमे ॥
 ॥ मा० ॥ ६९ ॥ मुज्जनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउ ॥ मा० ॥ पुरवत्तवअत्त्या
 सथीवेरस्युंसावीउ ॥ मा० ॥ चितवेएकरीएहवुंसुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥
 चंचावुंएसुखथकीतोडःखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ पोलेउपायघणापणितेहनें
 नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेन
 विद्याधरनीत्तगनीहरी ॥ मा० ॥ चंद्रलेखांणिनामेतेहनोत्तयधरी ॥ मा० ॥
 ॥ ७१ ॥ गिरीनिकुंजमारहिसऊंश्मशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआव
 स्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥ तिमकरज्येमुज्जनेंनविदापजेतूंपरो ॥ मा० ॥ कहे
 जेआविनेंमुज्जतेहगइंपरो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊंपाणिमुज्जउपगारकरिसंणअव
 शरे ॥ मा० ॥ तेंसलूंकामकरथुंमुज्जजाणीसंणीपरे ॥ मा० ॥ ब्रिठालएविजाखं
 ममाहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसांसलोआगलिंगहगही ॥ मा० ॥ ७३ ॥
 ॥ उहा ॥ इमकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुंजमजारि ॥ उतरिनइअधअवनी ।

३ ॥ रक्षोतेसूखआधार ॥ ७४ ॥ नारिंगपादपेनीममां ॥ सूकरहेठेसूसमाधी ॥
 विद्याधरहवेआविउ ॥ मृगांकसेनअसमाधी ॥ ७५ ॥ जोयुंचिऊंदिशजेतले
 ॥ नविदिनुंतसनांम ॥ गयोइंणिअवसरिगयवरू ॥ आव्योहथणीसूंआम ॥
 ॥ ७६ ॥ मुऊदेधीचित्युंमनें ॥ अवसरठेएआज ॥ समीहितमाहरुंसाधवा ॥
 करुंमायाइंकाज ॥ ७७ ॥ सुमीस्यूंसमऊणसवे ॥ करीआव्योमुऊकान ॥
 सुमीनेकहेसांसले ॥ ज्ञानीइंसाप्युंज्ञान ॥ ७८ ॥ ढाल ॥ मोराआतमरामकूण
 दिनसेंचुंजजास्युं ॥ एदेशी ॥ सुसमारएपर्वतमांढई ॥ सर्वकामीतइंणनांम
 जंपापातकरेतिहांजईनें ॥ जेवांठेतेपांमे ॥ मोरीशांसल्लिवात ॥ अवशरएह
 ठेरूढो ॥ ७९ ॥ एआंकणी ॥ तवपुठेसूमीसूणोस्वामी ॥ तेहवतावोठांम ॥
 शुक्रकहेशीतलएतरूवरथी ॥ जईइंपासेंवाम ॥ ८० ॥ मो० ॥ तिणेंकारणसू
 णिआपणथईइं ॥ विद्याधरमनधारी ॥ तिरयंचनासवथीहवेसरिउं ॥ चालोतूमें
 सुसनारी ॥ ८१ ॥ मो० ॥ जईनेंऊंपापाततेकरीइं ॥ सूमीइंवातसकारी ॥ इमकरीऊं
 पापाततेकीधो ॥ गजवरेंपाणिचितधारी ॥ ८२ ॥ मो० ॥ जईनेंकहुंलीलारतिख
 गनें ॥ आविगयोतुऊवयरी ॥ तवलीलारतीनीकल्योतीहांथी ॥ चंद्रलेखालेई
 खयरी ॥ ८३ ॥ मो० ॥ आकाशेंजातोतेदिठो ॥ मनमाधार्युंसाचुं ॥ जुउसूढो
 सूमीलक्ष्मांनरसव ॥ एतिरथनहीकाचु ॥ ८४ ॥ मो० ॥ एतिरयंचनाविद्याधरथया
 ॥ जोतांवारनलागी ॥ तेकारणएतिरथसाथे ॥ म्हारीपणिलयलागी ॥ ८५ ॥
 मो० ॥ देवतणीप्रणिधीकरीमनमां ॥ अमेंपणिइंहांपमीइं ॥ एतिरजंचनोसव
 ठांमीनें ॥ देवतणीगतिचढिइं ॥ ८६ ॥ मो० ॥ इमचितीनेतिहांअम्हेपमीआ
 ॥ शुक्रयुगतिहाथीचाल्यो ॥ कपटेंकरीनेंअमेठेतरिआ ॥ पणिनविनयणेंसा
 ल्यो ॥ ८७ ॥ मो० ॥ चुरणथयांअमेंअंगउपाणि ॥ पाम्याबळतिहांक्लेश ॥
 पणिअकामनीजराइंषपीआ ॥ कर्मघणीसूविशेस ॥ ८८ ॥ मो० ॥ कुसूम
 शेखरनामेवंतरपूरे ॥ पट्योपमउणंदेशें ॥ एहवोवंतरसूरहाथीथयो ॥ अथ्य
 वशायविशेशें ॥ ८९ ॥ मो० ॥ उदारसोगसोगवुंतिहांऊंपणि ॥ सूढोपणिति
 हांमरीनें ॥ लोहितमुखनांमैंरत्नप्रसाये ॥ उपनोनीयमीकरिनें ॥ ९० ॥ मो० ॥

पल्योपमदेशेऽंणीथीती ॥ हवेऽंज्यंतरदेव ॥ एहवीदेहेऽन्यविजयमां ॥ च
 कवावपुरहेव ॥ ए १॥ मो ० ॥ अप्रतिहतचक्रसार्थवाहने ॥ सूमंगलानामेनार
 तेहनीकुंषेपुत्रऽंजु ॥ विनर्गुणसंसार ॥ ए २ ॥ मो ० ॥ चक्रदेवमुक्तप्रसी
 धावविजुं ॥ पाम्योवालकसाव ॥ उदवर्त्योनारकशुकएहवे ॥ आयुक्तंतिहां
 ताव ॥ ए ३ ॥ मो ० ॥ तेहनयरमांएकपुरोहीत ॥ सोमसर्मातसनारी ॥ नंदि
 वर्धनामेतेहनीकुषोऽपनोसूतप्रवतारी ॥ ए ४ ॥ मो ० ॥ कालक्रमेजज्ञदेवव्युं
 प्रसीधा ॥ कुमरसावतेपाम्यो ॥ महारेतेहनेप्रीतीवनीतव ॥ ऊर्जप्रतिविश्रामो
 ॥ ए ५ ॥ मो ० ॥ पणिघणीप्रीतीमहारेसदसावे ॥ एहतोकपटेराखे ॥ पुरवना
 प्रत्यासकरमना ॥ दोषएनजरेंदाषे ॥ ए ६ ॥ मो ० ॥ सरलघणोऽंजुपणिएवां
 को ॥ म्हारीसंपदादेखी ॥ मत्सरधरेवलीवंचेऽलथी ॥ छिद्रतणोवलिपरेखी ॥
 ॥ ए ७ ॥ मो ० ॥ यतः ॥ खलःसक्कीयमाणोपि ॥ ददातिकलहंसतां ॥ डुग्धे
 धौतोपीकियाति ॥ वायसःकलहंसतां ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ नजम्युंछिद्रवि
 चारेतिवारे ॥ इमएऽलीनवीसकीइ ॥ तिणेंइहांएहजपायतेकिजे ॥ जिमंशे
 इहांनवीटकिइ ॥ ए ८ ॥ मो ० ॥ चंदनसारथवाहनाघरथी ॥ लावुंद्रव्यऽंजुं
 ज्ञी ॥ मुंकावाप्रपुंएहनाघरमां ॥ राषस्येएपणिऽंजुंसी ॥ ए ९ ॥ मो ० ॥ सूप
 तिनेसंसलाविसजर्जने ॥ राजादंमतेदेस्ये ॥ मारस्येकूटस्येनेवलीएहनु ॥ घरप
 णिदूटिलेस्ये ॥ २०० ॥ मो ० ॥ जिमंचितव्युंतिमकामजकिधूं ॥ लाविद्रव्य
 मुक्तसासे ॥ मित्रसूणोएद्रव्यमुक्तराषो ॥ गोपवज्योमुक्तआसे ॥ २०१ ॥ मो ० ॥
 कुवेलाइलाव्योतिणेंशंक्यो ॥ द्रव्यनराषुंजांम ॥ तोपणिंदाक्षिण्यताघणीआं
 णी ॥ द्रव्यगोपव्युंतांम ॥ २ ॥ मो ० ॥ सज्जनतेहजसज्जनहोवे ॥ खलतेऽर्ज
 नथाय ॥ काकतेकालासघलेदेशो ॥ शुकनीलाशुखदाय ॥ ३ ॥ २ मो ० ॥
 विजेखंमेसातमीढालें ॥ पद्मविजयएहदाप्यो ॥ कस्तुरीनेंहीगपटंतर ॥ सवि
 जनेंचितमांराप्यो ॥ ४ ॥ मो ० ॥ इहा ॥ नयरमांजनरवनिकट्यो ॥ सेठचंद
 नसत्थवाह ॥ घरमुंस्युंतेहनुंघणं ॥ हरीउंद्रव्यअथाह ॥ ५ ॥ सांसलीमुक्तचि
 तशंकीउं ॥ गयोजज्ञदेवगेह ॥ पुढ्युमेंपरपंचिनें ॥ एकिमंशे

जज्ञदेवबोल्याजटो ॥ स्योमुऊमांसदेह ॥ तातसयेंघरिताहरे ॥ आंणिमुक्युं
 ह ॥ ७ ॥ परनोद्रव्यआपुनही ॥ शंकागईतवसाल ॥ नृपनेवातसूणावतो ॥
 चंदनचतुरवाचाल ॥ ८ ॥ मुऊघरकोईमुंसीगयो ॥ सणेंतदासूपाळ ॥ स्यूस्युं
 गयुतेसासीई ॥ कहेसेठततकाल ॥ ९ ॥ द्रव्यलिखाव्योदफतरें ॥ हवेऊकम
 करेहाळ ॥ मंमेरोवजमावीई ॥ सघलेंकरोसंताळ ॥ १० ॥ ढाल ॥ देशीहामा
 नी ॥ मंमेरोफेरवेतांमरे ॥ सांसलज्योळोका ॥ मिलीथोकेंथोका ॥ दंमेरोकेरो
 का ॥ देठेनृपअन्याईनेरे ॥ ११ ॥ चंदनसत्त्ववाहेगहथी ॥ गयोद्रव्यघणैरो ॥
 कोईलस्योतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुऊप्रतिरे ॥ १२ ॥
 आव्योहोयव्यापारमां ॥ जोद्रव्यनोदेश ॥ अथवातेअशेस ॥ कहोतेहनरेश
 ॥ क्लेशलहोरेरपेवापमारे ॥ १३ ॥ चंमशासनएरायठे ॥ जोनहीकोस्ताषे ॥
 दंमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ धनलेईसरीरनेंदंमस्येरे ॥ १४ ॥ दंमेरो
 फेरीरद्या ॥ पठेदिनगयापंच ॥ मुकीखलखंच ॥ जइकहेपरपंच ॥ जज्ञदे
 वनरपतिसणीरे ॥ १५ ॥ रेनरपतितुम्हसाषवुं ॥ तेजुगतूंनाहि ॥ मित्रनुंढि
 आंहि ॥ रायदरवारमांहि ॥ किमनवीकऊंतुम्हहितसणीरे ॥ १६ ॥ आलो
 कनेंपरलोकनो ॥ विरूधआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ डखनोदातार ॥ निजआ
 तमनोपणिजिकोरे ॥ १७ ॥ तेहमीत्रनेस्युंकल ॥ किमरायउवेपुं ॥ अन्या
 यऊंदेपुं ॥ नजरेंकरीपेपुं ॥ तिणेंतुमनेंएजणविशेरे ॥ १८ ॥ रायकहेकहो
 वातरे ॥ जेतूम्हमनसाई ॥ षरीवातजेंकाई ॥ मऊत्तपणेंआशान्याईनेंअन्याई
 नसाषज्योरे ॥ १९ ॥ जज्ञदेवकहेशांसलो ॥ मंसूणीउंकांनें ॥ तूमनेंकऊंसा
 नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ ठानेंस्युंएहनुंघरजोईशेरे ॥ २० ॥ पासेंनापरिजनपास
 रे ॥ मेंसांसट्युंईम ॥ चक्रदेवप्रेम ॥ चंदनघरनेंम ॥ पेमेरेगोपव्युंनिजघरेरे ॥
 ॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिपणथाय ॥ माहल
 स्युंजाय ॥ सायठेमाहरोएमोटिकोरे ॥ २२ ॥ नृपकहेनविसंसवायरे ॥ एह
 नीईमवात ॥ उत्तमकुलजात ॥ विरूधअवदात ॥ यातनएहथीएहवुरे ॥ २३ ॥
 जज्ञदेवकहेसांसलो ॥ तुहोकसुंतेसाचुं ॥ पणिस्युंऊंराचुं ॥ लोसेंहोयेकाचुं ॥

जाचुं होशरे मन जे हनुरे ॥ २४ ॥ एह मांकुल नो स्योवांकरे ॥ सूरसी होय फुल ॥
 कीटक प्रतीकूल ॥ तेमें लें धूलि ॥ उगण मां हिरे वीठी उपजेरे ॥ २५ ॥ एह नुं
 घरि जो वरावीइ ॥ कोइ करी परकार ॥ सुणी वात विचार ॥ वात जु गती धार ॥
 चंमशासन हवेराजीउरे ॥ २६ ॥ कारणि आते मीकहे ॥ हवे शणी परिराजा ॥
 महाजन सज्जं साजा ॥ जे होय अति भाजा ॥ जाजारे न्याय करे जिकेरे ॥ २७ ॥
 चंदन सत्त्व वाहेहनो ॥ संमारी लीजें ॥ सज्ज मिली अगमीजइ ॥ चक्र देव घरि की
 जें ॥ नाठि जेलखमी तेहनी षोजनारे ॥ २८ ॥ कारणि आत वचितवें ॥ स्योरा
 यनो बोद ॥ नकरें कांय तोल ॥ एराजें अमोल ॥ चोलम जिठरंग धर्मनारे ॥ २९ ॥
 अथवा आं पणें कांयरे ॥ आणाना करता ॥ इम चितमां धरता ॥ कांय आंसु ऊ
 रता ॥ करतारे सेला सज्जनें तिहांगयारे ॥ ३० ॥ पोहोर दिवशर स्यो पाठिलो ॥ त
 व सज्जइ आव्या ॥ मुऊमन सोहाव्या ॥ बेठां सज्जसाया ॥ मायारे मुऊ उपरि घणी
 रे ॥ ३१ ॥ विजे खंम एहरे ॥ कहे आठमी ठाल ॥ गुरू उत्तम बाल ॥ घणं वातर
 साल ॥ माला मंगल नीपामो सज्जजनारे ॥ ३२ ॥ डहा ॥ महाजन कारणि आ
 मिली ॥ मुऊनें पुढे शंम ॥ सारथ वाह सूत सांसलो ॥ पुढुं नियमें प्रेम ॥ ३३ ॥ कोइ
 व्यवहार करतां थकां ॥ किम हि कलाव्यो कोय ॥ तो अमनें सापोतू महे ॥ हमणां
 वात जे होय ॥ ३४ ॥ सज्जनें कद्युं निशंकथी ॥ नविकां ईजाणनें ॥ तव कार
 णी आतेहनें ॥ जलपे सांसलो जेम ॥ ३५ ॥ कोपन करज्यो कोमनें ॥ आणानरप
 तिइम ॥ तुम घर जो वुंत तपरें ॥ कहोति एं करीं शंकेम ॥ ३६ ॥ ऊं बोल्यो हमणां नही ॥
 कोपनो अवसर काय ॥ प्रजा परिहापरगमो ॥ नरपति होवें न्याय ॥ ३७ ॥ ढाला
 लावन नीदेजी ॥ नगर नाव रूपू पलेश साथें ॥ रायपुरूषें जोयुं निज हाथें ॥ लावन
 जोयुं निज हाथें ॥ इव्य दिवुं तिहां बज्ज परकार ॥ मुंक्युं प्रयत्न करीनें अपार ॥
 ॥ ला० क० ॥ ३८ ॥ सांम चंदन नामांकित सार ॥ हिरण्य केरां मुल उदार
 ला० ॥ मू० ॥ बाहिर लावी सज्जनें देखाव्युं ॥ चंदन संमारी पुराव्युं ॥ ला० री० ॥
 ॥ ३९ ॥ जोशनें इखी आनी परें बोल्यो ॥ संतवें एह वुंचित मोल्यो ॥ ला० ए० ॥
 पणिसं सय मुऊ चितमां आवे ॥ तव कारणी आकहे शणदावें ॥ ला० ॥ ॥

पत्रवांचोजेलिख्योठेआप ॥ तेहमांठिकेनहीअआलाप ॥ ला० न० ॥ दिवुरेलि
 खीउंपत्रमांजेह ॥ सऊंथरहरयादेखीनेतेह ॥ ला० दे० ॥ ४१ ॥ कारण
 आकहेसांतलितार्श।एकदितुऊपरिकिहाथीआई ॥ ला० कि० ॥ मेंमनचित
 व्युंमीत्रनुंनाम ॥ किमत्ताषुसऊमांशणगम ॥ ला० स ॥ ४२ ॥ चोरकदाचित
 एहनैसाषे ॥ तोमुऊसऊनताकिमदाषे ॥ ला० ता० ॥ परप्राणकिमहणंजीज
 उगारी ॥ ऊंबोव्योतिहांशमविचारी ॥ ला० इ० ॥ ४३ ॥ एसवित्ताजनमा
 हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमठपरनां ॥ ला० के० ॥ मेकसुखवरिनथीमुऊ
 कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेप्राय ॥ ला० हो० ॥ ४४ ॥ कारणीआकहेसीसं
 ख्याठे ॥ हिरण्यनीपणिकहोजेहलीख्याठे ॥ ला० जे० ॥ मेंकसुंनवीमुऊसांत
 रेतेह ॥ पोतानीमेलेजुजेतेएह ॥ ला० जु० ॥ ४५ ॥ कारणीइंचाव्योपत्त ॥
 दिनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला० द० ॥ पत्रनेवस्तुवेसमोवमेंमिलीआं ॥
 नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला० आ० ॥ ४६ ॥ विस्मयपास्याएकिम
 होय ॥ चक्रदेवनेकिमइमजोय ॥ ला० कि० ॥ पश्चीमसुरयजोकदिउगे ॥ प
 रद्रव्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला० क० ॥ ४७ ॥ फरिपुठेकहोपरगटवात ॥
 स्योएवाततणोअवदात ॥ ला० त० ॥ फिर २ पुठुंएरायनीआंणि ॥ मेंकस्यूते
 हजउतरदाण ॥ ला० उ० ॥ ४८ ॥ धिगहोदैवनेंइमविचारी ॥ फरिपुठेकांइ
 कहेनिरधारी ॥ ला० क० ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांइसास्युं ॥ कोप्योकोटवाडइं
 मविमास्युं ॥ ला० इ० ॥ ४९ ॥ लेईचालोहवेत्तूपनेंपासें ॥ इमकरीचाल्यारा
 यसकाशे ॥ ला० रा० ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकसुंमुऊसांतलिएह ॥
 ला० सां० ॥ ५० ॥ उत्तयलोकांनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकांमनथाइंतूमठाणो ॥
 ला० ॥ था० ॥ एहवुंअसाधूअसंतवकिमठे ॥ कहोपरमारथनिपनोजिम
 ठे ॥ ला० ॥ नी० ॥ ५१ ॥ आपिमांआंसूनेकांयनबोव्यो ॥ पुरवपरिचितवी
 नवीमोव्यो ॥ ला० ॥ चि० ॥ मुऊउपरिशांकानृपआवी ॥ पणमुऊतातनो
 आदरदावी ॥ ला० ॥ आ० ॥ ५२ ॥ मुऊनवीकांइहिणंसास्युं ॥ कदर्थनान
 करीबऊरास्युं ॥ ला० ॥ क० ॥ देशनिकावकरयोमुऊराइं ॥ नयरथीकाव्यो

मुञ्जतिणाय ॥ ला० ॥ मु० ॥ ५३ ॥ नगरदेवतावननेपासे ॥ मुक्योमुञ्जने
 रायनेदाशे ॥ ला० ॥ रा० ॥ रायपुरुषगयानिज २ ठाम ॥ तवमुञ्जिताउ
 पनीआम ॥ ला० ॥ उ० ॥ ५४ ॥ एवमापरात्तवसाजनमुञ्जने ॥ जिववुंनघटे
 जिवमातूजने ॥ ला० ॥ जि० ॥ वननोवृत्तेदेउलपासे ॥ मरवाचाद्योगलेदे
 इफांसो ॥ ला० ॥ ग० ॥ ५५ ॥ इणअवसरजुश्वनदेवी ॥ अवसीज्ञानेकरी
 वाततेएहवी ॥ ला० ॥ वा० ॥ उपनीमुञ्जउपरिअनुंकपा ॥ चितवेचित्तमांयई
 अजंपा ॥ ला० ॥ थ० ॥ ५६ ॥ एहअघटतूमोहटुंथावे ॥ रायनीमातनीदिल
 मांआवे ॥ ला० ॥ दि० ॥ रायनेवातजथारथसाषी ॥ जेहअनीतीतेसघलिदा
 षी ॥ ला० ॥ स० ॥ ५७ ॥ नगरनेबाहिरअमुंकउद्यान ॥ चक्रदेवमरवानइ
 ध्यान ॥ ला० ॥ म० ॥ दिशंगलेफासोतेजईनेनिवारो ॥ देईसनमांननेनयरेपे
 शारो ॥ ला० ॥ न० ॥ ५८ ॥ क्रोधनेहदोयरसअनुंसवतो ॥ रायकहेडःख
 थीटलवलतो ॥ ला० ॥ दू० ॥ रेजज्ञदेवग्रहोडराचार ॥ आणदेशयोनयरने
 वार ॥ ला० ॥ न० ॥ ५९ ॥ ठोठेसाथेपोहतोराय ॥ डरथीदेखीआव्योपलाया ॥
 ला० ॥ आ० ॥ गलफांसोदेखीकरेसोर ॥ मासाहसकरीतुंशणोर ॥ ला० ॥
 ॥ तू० ॥ ६० ॥ आविदूरकस्योमुञ्जपाशा ॥ हाथपकमीवेशास्योपाश ॥ ला० ॥ सूप
 तीवळआदरकरेतास ॥ देखीपामेचित्तउद्धाश ॥ ला० ॥ चि० ॥ ६१ ॥ नव
 मीढालएविजेखंम ॥ जसकिरतीसज्जननीअखंम ॥ ला० ॥ ज० ॥ पद्मविज
 यकहेचढतोरंग ॥ सज्जनहोयजीमकनकतरंग ॥ ला० ॥ क० ॥ ६२ ॥
 ॥ उहा ॥ पुठ्युंमेतुजपरपरे ॥ तुजनेएसविवांत ॥ सूपतीकहेनवीसाषीउं ॥
 तेएहनोअवदांत ॥ ६३ ॥ सार्थवाहसूतसत्यतूं ॥ जाण्युंसघलूंकज ॥ देविइ
 मातनादिलमां ॥ अविआण्युंआज ॥ ६४ ॥ जज्ञदेवजुठोकहयो ॥ साचोतूं
 तूजशाषि ॥ म्हेंचित्युंमाठुंथयुं ॥ सूपनीसांसलीसाषि ॥ ६५ ॥ क्षितिपतिक
 हेतूंम्हपांमीइ ॥ षमवुंकरीमनषांति ॥ परमारथनपीठानीउं ॥ धमयम्योको
 धेंध्वांत ॥ ६६ ॥ करीकदर्थनाआकरी ॥ नांभ्योकटअयाण ॥ म्हेंशांसली
 चित्युंमने ॥ अहोअनरथअचान ॥ ६७ ॥ व्यसनजज्ञदेवआविउं ॥ एहय

योअनरत्न ॥ कहेनृपनेकाढोषरी ॥ जज्ञदेवनीजहत् ॥ ६८ ॥ प्रजातणानू
 स्हेपालहं ॥ किमनुमदोसकहाय ॥ मूलशुद्धीकाढिअमे ॥ एसज्जनडःखदाया ॥
 ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चक्रदेवकहेसूणोरा
 य ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जज्ञदेवमित्रअम्हसाय ॥ तिणेंबुरीनकराय ॥
 ॥ ७० ॥ सजनइमजाणीइत्तलीरीती ॥ धूरठेहलगेंधरेप्रीती ॥ स० ॥ एआं
 कणी ॥ नहोयेहोयतोयोमोकाल ॥ घणोरहेतोनीफलसाल ॥ इमसज्जनक्रो
 धसंताल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमत्ताप्युमाय ॥
 सगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जज्ञदेवजेपुर्वैकहाय ॥
 ॥ ७२ ॥ स० ॥ मेचितव्युंएहसीवात ॥ किमजज्ञदेवमुळभात ॥ करेएहवुंकां
 मविख्यात ॥ नविसंस्तवएहवोथात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूरुषेंआंण्यो ॥ ज
 ज्ञदेवबांधीनेंतांण्यो ॥ राइंऊकमकरयोतिणेंठाणो ॥ जिसठेदनकूरोसबजाण्यो
 ॥ ७४ ॥ स० ॥ वलिआंण्योदोयउपामो ॥ एहनाघरनोल्याजामो ॥ जष्टिमुष्टिप्रहा
 रेतेतामो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरधामो ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवऊंचपपाइंपमीउ ॥ रायनी
 उलगमांअमीउ ॥ एदोषतेमुळआफमीउ ॥ इमऊंचपस्युंघणंसीमीउ ॥ ७६ ॥ स०
 जज्ञदेवनेंमुंकोस्यामी ॥ बिजिवस्तुनोऊंनहिकांमी ॥ जज्ञदेवेंजोआपदापामी
 तोमुळमांआवस्येखांमी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहड
 ष्ठेसातेधात ॥ एतोकरेविशवासनोधात ॥ एहनेंराण्येस्युंथात ॥ ७८ ॥ स०
 कांयमांगतूंबिजुंआपुं ॥ शिरदारकरीतूळयापुं ॥ पणजज्ञदेवनेंनापुं ॥ बि
 जांताहरांडःखकापुं ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेकशुंजोमुळबळमान ॥ ओएहनेजी
 वीतदांन ॥ नृपकहेस्युंकरुइणंण ॥ एहनूंखमीउंसऊतोफान ॥ ८० ॥
 ॥ स० ॥ मेकशुंकीधोशुपशाय ॥ पमीउनरपतिनेंपाय ॥ जज्ञदेवमुकाव्योसा
 य ॥ नरपतीआदरबळदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बळऊंरुमुळवोलाव्यो ॥ सऊ
 नचित्तमाघणंसाव्यो ॥ राहनोजलराहेआव्यो ॥ इमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥
 ॥ ८२ ॥ स० ॥ जज्ञदेवजघन्यताजुउ ॥ एजिवतोजांणिइमुउ ॥ चक्रदेवकिणिपरि
 ऊउ ॥ गंसीरज्युंउमोकूउ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सबैउ ॥ बहिरेगीतनऊंसूण्यो ॥

तमरचंपेनजुंदिठो ॥ सोलकलासंपूर्ण ॥ चंद्रप्रधलेनदिठो ॥ करहिणेंपांगुले ॥
 कठिनकोबाणनताण्यो ॥ जुवतीकंठविलग्न ॥ मुग्धरससेदनजाण्यो ॥ कुणही
 पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधारयो ॥ कविगद्यकहेरेठ कुरो ॥ तोगुणवंता
 हिगुणगरयो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुळनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंइमपे
 द ॥ कर्मपरिणतीनावरुसेद ॥ संशारअशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त
 नोपारनलहिंशाजोमीत्ततेप्रोहीकहीइं ॥ कुणदेपीचित्तगहगहिं ॥ एहनेत्यागेंसू
 खमारहिं ॥ ८५ ॥ स० ॥ अतः ॥ वरंनराज्यंनकुराजराज्यं ॥ वरंनमीत्रं
 नकुमीत्रमीत्रं ॥ वरंनदानंरुदारदारा ॥ वरंनशीप्योनकुशीप्यशिष्य ॥ १ ॥
 ढालपुर्वनी ॥ इणिअवशरमुनीवरअया ॥ अमीत्ततीगणधरराया ॥ संजम
 जोगेंअतिहिंसोहाया ॥ उद्यानमाहितेठया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया
 यकादिठ ॥ मुळमनमांलागामीठ ॥ म्हारादूरगयासवरिठ ॥ प्रणम्याधरीरा
 गउकीठ ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलात्तदिधोगुरूराय ॥ वेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुढ्यो
 मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कस्योखंतिप्रमुखमु
 नीधर्म ॥ शांतलीउपनोधणंशर्म ॥ दिथां मुळविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामत
 तर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ ययोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसंवेगउद्दाम ॥ वैराग्य
 तणोययोधामाकरेआतममांआरामा ॥ ९० ॥ स० ॥ बिजेखंमंदशमीढालासापी
 अतिहिसुरशाळाकहेउत्तमविजयनोवाल ॥ सूनतांहोयमंगलमाला ॥ १ ॥ स० ॥
 ॥ इहा ॥ पुन्यउदयमुळपाधरो ॥ कर्मतेगल्यांकठोरा ॥ विर्यउल्लासघणोवध्यो ॥
 चंदज्युंदेखीचकोर ॥ ९२ ॥ बंधस्थितित्रुटीबळ ॥ व्रतपरिणामविशेष ॥ सग
 वंतनेसाप्युतदा ॥ अनुग्रहकिधअशेस ॥ ९३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥
 करोआणकसुंतेह ॥ अतज्ञानीतेसांसली ॥ एहवुंबोल्याएह ॥ ९४ ॥ साधूप
 णंतुम्हेंसंगहो ॥ जोग्यजिवतूजांणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्युं ॥ संजमसुखनी
 खांणि ॥ ९५ ॥ गुरुवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोषेचित्त ॥ आदरिउंअ
 तिआदरे ॥ पाल्युंतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युंआयुलगे ॥ कालमासेंकरीका
 ल ॥ देहतजीदेवलोकमांवाध्योपुन्यविशाल ॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो ॥

पंचमकल्पतेपाम ॥ बिजोबीजीनरगमां ॥ जज्ञदेवगयोजाम ॥ ९८ ॥ तामन
 रगपालेतिहां ॥ दिधूंमहातसदूरक ॥ चक्रदेवदहेचतूरनर ॥ सुरतवमामहासु
 रक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ जीहोजाण्यूअवधीप्रजुंजीनें ॥ एदेशी ॥ जिहोएहजम
 हाविदेहमां ॥ लालाविजयगंधीलावईसार ॥ जिहोरयणपूरेंएकसेठीउ ॥ ला
 लानामतेहनुरयणसार ॥ ३०० ॥ सविकजन ॥ मकरोमायाविगार ॥ जिहो
 जासवीपाकअपार ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जिहोश्रीमतितेहनीसारया ॥ ला
 लाउदरेउपनोजंतास ॥ जिहोदेवलोकमांथीचवी ॥ लालामानवसवदक्षोपासा ॥
 ॥ १ ॥ सवि० ॥ जिहोजज्ञदेवहवेनरगथी ॥ लालाथयोआहेमीरेस्वांन ॥ जि
 होपापकरीतीहांहीजगयो ॥ लालात्रणिसागरआयुमान ॥ २ ॥ सवि० ॥ जी
 होतिहांथीनिकलीनेवली ॥ लालासमीउनिरीगतीमांहि ॥ जिहोअनुक्रमेंरतन
 पुरेंहवे ॥ लालाकजंजिहांउपजेत्यांहि ॥ ३ ॥ स० ॥ जिहोतातनीघरदाशी
 जीका ॥ लालानर्मदातसअसीधान ॥ जिहोतेहनापुत्रपणेंथयो ॥ लालाकर्म
 नीगतीअसमांन ॥ ४ ॥ स० ॥ जिहोजनमलस्याअमेअवशरें ॥ लालानामठव्यां
 अमतात ॥ जिहोचंद्रसारमाहसूवली ॥ लालाअणहगएहनुंविख्याता ॥ ५ ॥ स० ॥
 जिहोजोवनपांम्याअनुक्रमे ॥ लालापरणाव्योवलीताय ॥ जिहोविषयआश
 क्तअम्हेरुं ॥ लालाकालगयोनजणाय ॥ ६ ॥ स० ॥ जिहोपूरवसवअत्या
 सथी ॥ लालामुळउपरिपरिणाम ॥ जिहोवंचनानोनगयोकिमे ॥ लालाएहनो
 नीघमीकाम ॥ ७ ॥ स० ॥ जिहोशंणिअवशरितीहांआवीआ ॥ लालाविज
 यवईनसूरीराय ॥ जिहोमाशकल्पविहारीगुरू ॥ लालाप्रणम्यामेंतसपाय ॥
 ॥ ८ ॥ स० ॥ जिहोआवकधर्मअंगीकर्यो ॥ लालाएकदिनजंगयोगामा ॥ जिहो
 अमचोरायगयोवली ॥ लालामुलकगिरीनेकांम ॥ ९ ॥ स० ॥ जिहोशंणअ
 वशरतिहांआवीउ ॥ लालासवरसेनापतीनाम ॥ जिहोविध्यकेतुआवीकरी
 ॥ लालाहतविहतकरयुंगांम ॥ १० ॥ स० ॥ जिहोकेईकलोकनेलेईगयो ॥
 लालाअमेसांसद्युनेणिवारा ॥ जिहोआविजोयुंनयरमां ॥ लालादिठुंमशाणआ
 गार ॥ ११ ॥ स० ॥ जीहोघरूमाणसखोलावीआं ॥ लालानजमीमाहरीरेना

री ॥ जिहोचंद्रकांतामुऊअपहरी ॥ लालाउपनुंडःखअपार ॥ १२ ॥ स० ॥
 जिहोचिताथईमुऊचित्तमां ॥ लालाअहोनवीदिगवियोग ॥ जिहोकिमजिबी
 तधरतिहस्ये ॥ लालातपस्विनीअबलादोग ॥ १३ ॥ स० ॥ जिहोदेवशर्मा
 विप्रशंसिमे ॥ लालागरढेंसाणुंइम ॥ जिहोकल्पनामकरिएवातमां ॥ लाला
 सांसलिकजुंतुऊप्रेम ॥ १४ ॥ स० ॥ जिहोपुर्वेश्रीयजनगरनें ॥ लालाइणीप
 रेसबरेरेकीध ॥ जिहोशीलअखंमीतआपीउं ॥ लालापुनरपीलोकप्रशीरु ॥
 ॥ १५ ॥ स० ॥ जिहोप्रव्यलेई२आपीआ ॥ लालासऊमाणसतिणेंतांम ॥ जि
 होसांसलीकेईकदिनरसो ॥ लालापोहतासवरनिजगाम ॥ १६ ॥ स० ॥ जि
 होअणहगसाथेलेइनें ॥ लालाप्रव्यलीउसारसार ॥ जिहोस्निग्धस्निग्धसातुंघ
 णं ॥ लालापंथेकरवाआहार ॥ १७ ॥ स० ॥ जिहोचंद्रकांतामुकाववा ॥
 लालाचाल्योधरीअतिराग ॥ जिहोइणअवशरिमुऊनारिते ॥ लालानासणनो
 धरेलाग ॥ १८ ॥ स० ॥ जिहोमनीचतेमुऊशीलनी ॥ लालाकरस्येखण्णाए
 ह ॥ जिहोमुऊविजोगकायरघणी ॥ लालाडःखतणीमानुरेह ॥ १९ ॥ स० ॥
 जिहोसाथतेशवरपद्धितणो ॥ लालाशून्यगामनेंआशन ॥ जिहोपासैंजिरण
 ॥ लालाउतरीउचासन्न ॥ २० ॥ स० ॥ जिहोपाळीरातिपरोमीइं ॥
 लालामंकोदिधप्रयाण ॥ जिहोकामव्यग्रसऊचालवा ॥ लालाउठ्यासबलां
 गंण ॥ २१ ॥ स० ॥ जिहोजिवितआशानवीधरी ॥ लालापमीतेजीरणकूप ॥
 जिहोजलमेपमीतिणेंउगरी ॥ लालादिगेतिहांप्रतिकूप ॥ २२ ॥ स० ॥ जिहो
 वेवितेप्रतिकूपमां ॥ लालाकट्टेंधरतिप्रांण ॥ जिहोइणअवशरेंआव्याहम्हे ॥
 लालाचालतातिणहिजगण ॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोअणहगपूर्वअत्यासथी ॥
 लालाप्रव्यदेषीपरिणाम ॥ जिहोमुऊउपरिकरेवंचवा ॥ लालाकरेविकटपवऊ
 ताम ॥ २४ ॥ स० ॥ जिहोसातूंप्रव्यपरस्परे ॥ लालाउलटपालटलेय ॥ जि
 होतेदिनसातूंमुऊकरें ॥ लालाप्रव्यएहनंकरदेय ॥ २५ ॥ स० ॥ जिहोतेया
 निकआव्याजिस्ये ॥ लालाअर्कअस्तंगतथाय ॥ जिहोसांऊपमीतवचितवें ॥
 लालाअणहगधरीमनमाय ॥ २६ ॥ स० ॥ जिहोप्रव्यबेमाहाराहायमां ॥

लालावलीएढेएकांत ॥ जिहोपातालपरिउंमोवली ॥ लालाकूपकएनीभांत ॥
 ॥ २७ ॥ स० ॥ जिहोढांकेशवीअपराधनें ॥ लालाएहवोढेअंधकार ॥ जि
 होनापुंकुआमांएहने ॥ लालावलूपाढोइंएवार ॥ २८ ॥ स० ॥ जिहोश्मचि
 तीअणहगकहे ॥ लालातरस्योतुंतिऐंसावि ॥ जिहोकूपमांजलढेकेनही ॥ ला
 लातवम्हेजोयुनिहावि ॥ २९ ॥ स० ॥ जिहोनांप्योहमसेलीमुंनें ॥ लालाप
 मीउंउदकमफारि ॥ जिहोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी ॥
 ॥ ३० ॥ स० जिहोसयकायरस्त्रीसावथी ॥ लालायस्तयभांततेजोरा ॥ जिहो
 नमोअरीहंताएंकहे ॥ लालासब्दउलप्योतिऐंठोर ॥ ३१ ॥ स० ॥ जिहोहर
 प्योझंरुदयेंधण ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवांणि ॥ जिहोजिनशासनमांरक्तनें ॥
 लालाअस्तयइंएठाण ॥ ३२ ॥ स० ॥ जिहोसब्दथिउलप्योमुऊनें ॥ ला
 लारोवालागीतांम ॥ जिहोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येडखधरेहवेआंम
 ॥ ३३ ॥ स० ॥ जिहोबिजेखंमंइंणीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिहोप
 दविजयकहेधर्मथी ॥ लालाडखथाइंविशाराला ॥ ३४ ॥ स० ॥ डहा ॥ पुढ्युंमंमे
 मेकरी ॥ किमतुंकुपमफारि ॥ तिमहिजपुढ्युंतेणीइं ॥ वातअन्योन्यविचार
 ॥ ३५ ॥ नारिकहेनरतूंकस्युं ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकस्युंएहवुंमतक
 हो ॥ एउपगारीआज ॥ ३६ ॥ तुऊसंजोगकरस्योतिऐं ॥ किमकहोषोटूंकाम ॥
 अलपनिद्राइंइंणीपरिं ॥ रातिगईआराम ॥ ३७ ॥ एहवेसूरजउगीउं ॥ पावा
 आप्युंरवांति ॥ नारिपणिमुऊनेहथी ॥ सपिउंनहिकोईंसांति ॥ ३८ ॥ तवम्हे
 पणिआग्रहेंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिऐंपिणवावरिउंतदा ॥ धरतांधर्म
 वीचार ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ देशीविगीआनी ॥ एकदिनएकपरदेशीउं ॥ एदेशी ॥
 हवेम्हेमनमाहिचितव्युं ॥ अहोकिमथास्येउझारे ॥ तवशायरनीपरिकूपथी
 ॥ नविसूऊकोईविचारें ॥ ४० ॥ सविपुण्यतणांफलेपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥
 इमांचितवर्ताकेईदिनगया ॥ पाथेयथयुंहवेषीणरे ॥ तवतुटिआशाजिविवात
 णी ॥ आहारविनांहोयदिणरे ॥ ४१ ॥ सवी ॥ यतः ॥ खस्यफस्यंचकाव्ये
 न ॥ काव्यंगीतेनहियते ॥ गीतंस्त्रीविलाशेन ॥ स्त्रिविलासोबुसूक्या ॥ १ ॥

॥ ढालपूर्वली ॥ तव मनमांचित्ताउपनी ॥ अहोजीनमतपांमीशुद्धे ॥ नविजी
 नवरदिक्काआदरी ॥ इमहीजमरस्युंअविशुद्धे ॥ ४२ ॥ स० ॥ दाहिणमुळ
 लोघणफूरकिउं ॥ वामानुंफुरकयुंवामरे ॥ मुळव्यतिकरसाप्योनारीइ ॥ मॅप
 णित्ताप्योतसतामरे ॥ ४३ ॥ स० ॥ मॅचितव्युंइणिपरेंचित्तमां ॥ तवशकुन
 थयाईणिरीतीरे ॥ तिणेंजाणंसुंदरीसांसलो ॥ नविआपदनीचिरथीतीरे ॥ ४४ ॥
 स० ॥ तिणेंचिताकरज्योमततूम्हें ॥ तवतहतकस्युंमुळवयणरे ॥ अहोरात्रव
 स्यांअम्हेतिहांकणें ॥ तवआव्योकोशकसयणरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ आव्योस
 वरराजधानीथकी ॥ नंदिवर्धनसज्जवाहरे ॥ वाशीतेरयणपुरीतणो ॥ जाइनि
 जपुरसाथअथाहरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ तेहनातीहांपुरुषतेआविआ ॥ जललेवा
 मुंक्यादोरे ॥ तवदोरफालीम्हेंजणावीउं ॥ किधोवलीकांयकसोरे ॥ ४७ ॥
 स० ॥ तेपणिजईकहेशारथपती ॥ तेपणिआवीततकालरे ॥ मंचिकामुंकीअ
 म्हकाढीआं ॥ उलषीपुढेतिणेंतालरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ कस्योमुलवत्तांतमेंमाह
 रो ॥ धूरथीसन्निकरीविस्ताररे ॥ सांसलीविस्मयवज्रपांमीउ ॥ अह्मेचाव्यांता
 सआधाररे ॥ ४९ ॥ स० ॥ गयांपांचप्रयाणंजेतले ॥ साथआगविचाव्यो
 जाशे ॥ राजमारगथीकांयवेगला ॥ दिठाकंकालतेठायरे ॥ ५० ॥ स० ॥ वा
 मपासेंद्रव्यनीगांठमी ॥ केसरीइहणीउतासरे ॥ एहवोअणहगदिगोतिहां ॥ इ
 व्येंउलप्योतातनोदासरे ॥ ५१ ॥ स० ॥ तसदेखीविपाकनेंउपनो ॥ मुळमन
 मांअतिहिविवेकरे ॥ थयोचारीत्रमोहनीनोतथा ॥ रुयउपसममुळअतिरक
 रे ॥ ५२ ॥ स० ॥ जीवलोकमांजेडल्लसकस्यो ॥ उपनोमुळचारीत्रसावो
 वधतेपरीणंमेंआवीउ ॥ षेमेंनीजनगरेंतावरे ॥ ५३ ॥ स० ॥
 र्धनसूरिआविआ ॥ दिक्कातसपासेंलीधरे ॥ विधीपूर्वकपाट्युंशुद्धमने
 युपुरणअनुक्रमेकिधरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ महाशुक्रकल्पमांउपनो
 पमसोलनेंआयरे ॥ महर्धिकवैमानीकथयो ॥ गयोकाल ॥
 ॥ ५५ ॥ स० ॥ इमविजेखंमेवारमी ॥ ढालसाषीअतिहैरशावरे
 वीजयपुण्येंकरी ॥ होइचरि२मंगलमालरे ॥ ५६ ॥ स०

हवेशिंश्चवशरिं ॥ कूमरणेंकरीकाव ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोडकअस
 राव ॥ ५७ ॥ आउषुंसातअयरतणं ॥ दशवेदनदिंशोर ॥ षड्गअन्योन्य
 नैषेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकगेर ॥ ५८ ॥ जंबुक्षीपजंबुतरू ॥ शोतीतसारहवा
 स ॥ रथविरपुरअतिराजतूं ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुखवास ॥ ५९ ॥ नंदिवर्द्धननाम
 थी ॥ गाथापतिनें गेह ॥ सूरसुंदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुत्र
 पणेंकुंजप्रगटिउ ॥ अणहगनोअवतार ॥ नरगमांहिंथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
 कार ॥ ६१ ॥ विंध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसंहार ॥ करतोसिंहपराक्रमी ॥
 उपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ बालूप्रसाङ्गयोर्वली ॥ सागरआयुसात ॥ तिहां
 थीवक्रस्तवतिरीतणं ॥ सहिउडखसंघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिणेंसर्मे ॥
 सोमनामसत्त्ववाह ॥ नंदिमतिनारीनवल ॥ उपनोकुषिउत्ताह ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
 देशीरसीआनी ॥ धरमजिनेंसरगाउंगस्थूं ॥ एदेशी ॥ अनुक्रमेंजनमथया
 अम्हविज्जतण ॥ थाप्यानामउदार ॥ कुंअरजी ॥ माहरुंअनंगदेवसोहामणं ॥
 धनदेवएहनुरेशार ॥ ६५ ॥ कुं० ॥ पापस्थानकआठमूंतूम्हेपरीहरो ॥ एआं
 कणी ॥ बालयकीअमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसदत्ताव ॥ कू० ॥ एहतो
 कपटयकीचालेघणो ॥ कुमरत्तावलझाताव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवशे
 नगुरूपासैंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ बलियौवनपाम्योकुंजाग
 तो ॥ कसूंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुंधनघरमांघ
 णं ॥ पणिअसीमांनअत्यंत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअर्जितनहीकांमनुं ॥ अरजुं
 निजकरतंत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० ॥ द्रव्यकमावणरयणशीपेंगय ॥ अरज्यांरय
 णअनेक ॥ कू० ॥ अनुक्रमेनीजेदेशंजावात्तणी ॥ विज्जजणेंचितव्युंढेक ॥
 ॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मैकरीचितवें ॥ धनदेवपंथेरेइम ॥ कु०
 उगीइकोईउपाइएहनें ॥ तोद्रव्यआवेएनेमाकु० ॥ ७० ॥ पा० ॥ केईकविकलपमि
 थ्याकलपीआ ॥ पणिकोईनाथ्योरेदायाकु० ॥ मारद्याविणनवीएहउगीसकुं ॥ इमं
 सिंशंतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चितवेसोजनमांविषआपीइ ॥ आ
 व्याशक्तीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौंटेधनदेवगथोकपटेकरी ॥ अवशरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ तोजनकरयुंतेयारतिऐंसमें ॥ एकलामुमारेजेर ॥
 ॥ कु० ॥ विजोलामुसूखेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥ ७३ ॥ पा० ॥
 पंथेचित्तविकल्पकरेधणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू० ॥ विषलामुंलीधोपोते
 तदा ॥ मुऊआप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यत ॥ लंघनैःपचते
 रोगाः ॥ फलंकालेनपच्यते ॥ कुर्मित्रैःपच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
 ॥ ढाल ॥ लामुषाधोनेजेरतेपरणम्युं ॥ उपनोमुऊमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युंवा
 तवनीकिमनीपनुं ॥ नषिजाणंतससेद ॥ ७५ ॥ कू० ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
 चित्रताकारणे ॥ विषपणिउग्रअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलस्योमुऊचिताउपनी ॥ मि
 त्रनोकिणंकरयोअंत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषवरपमीएहवातनी ॥
 आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ संतलाव्युंतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक
 तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेपरद्युंतेपुण्यमांवावस्युं ॥ मुऊतेदिनयी
 वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसंगनकिधोतेपढी ॥ नितनवलोकहंत्याग ॥ कू० ॥
 ॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवशेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्कातेहनेरेपास ॥ कू० ॥
 आदरीविधीपुर्वकपालीतली ॥ अणसणकिधूरेपास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
 प्राणतकल्पेउपनोजुंतिहां ॥ उंगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव
 मरीकरी ॥ उपनोनारकठाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पंकप्रसाईसागर
 नवतण ॥ आउषूअतिडखदाय ॥ कू० ॥ एणेअवसरेजंबूक्षीपमां ॥ ऐ
 रवतषेचसूठाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेअतिशोसतो ॥
 ॥ सेठहरीनंदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमां ॥ उपनोसूतगुं
 एधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिथीनीकली ॥ तेथ
 योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिस्याकरीकेईजीवसंतापीआ ॥ थयोदावानलदा
 ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेपंकप्रसाईफरीगयो ॥ दशसागरकांयउण
 ॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसववजुसम्यो ॥ डखनलहेकमेकूंण ॥ कू० ॥
 ॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणपुरमाहिवशे ॥ इंदनागवमसेठ ॥ कू० ॥ सायां
 नेदिमतितसकूषिमां ॥ पुत्रपणेंऊउनेठ ॥ कू० ॥ ८५ ॥ पा०

हवेशिंश्रवशरिं ॥ कूमरएंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोडकअस
 राव ॥ ५७ ॥ आउपुंसातअयरतएणं ॥ दशवेदनदिंजोर ॥ षड्गअन्योन्य
 नैषेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकगोर ॥ ५८ ॥ जंबुक्षीपजंबुतरू ॥ शोसीतसारहवा
 स ॥ रथविरपुरअतिराजतूं ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुखवास ॥ ५९ ॥ नंदिवर्द्धननाम
 थी ॥ गाथापतिनेंहेह ॥ सूरसुंदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुत्र
 पणेंकुंजप्रगटिउ ॥ अणहगनोअवतार ॥ नरगमांहिथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
 कार ॥ ६१ ॥ विध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसंहार ॥ करतोसिंहपराक्रमी ॥
 उपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ बालूप्रसाइंगयोवली ॥ सागरआयुंसात ॥ तिहां
 थीवहुत्सवतिरीतणां ॥ सहिउडखसंघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिणेंसमें ॥
 सोमनांमसज्जवाह ॥ नंदिमतिनारीनवल ॥ उपनोकुषिउत्ताह ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
 देशीरसीआनी ॥ धरमजिनेंसरगाउंगस्यूं ॥ एदेशी ॥ अनुंकमेंजनमथया
 अम्हबिजुतणा ॥ थाप्यानामउदार ॥ कुंअरजी ॥ माहरुंअनंगदेवसोहामणं ॥
 धनदेवएहनुरेशार ॥ ६५ ॥ कुं० ॥ पापस्थानकआठमंतूम्हेपरीहरो ॥ एआं
 कणी ॥ बालयकीअमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसदसाव ॥ कू० ॥ एहतो
 कपटयकीचालेघणो ॥ कुमरसावलसाताव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवशे
 नगुरूपासेंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ वलियोवनपाम्योकुंजाग
 तो ॥ कहुंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुंधनघरमांघ
 णं ॥ पणिअसीमांनअत्यंत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअजितनहीकांमनुं ॥ अरजुं
 निजकरतंत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० ॥ द्रव्यकमावणरयणक्षीपेंगय ॥ अरज्यांरय
 णअनेक ॥ कू० ॥ अनुंकमेनीजदेशेंजावातणी ॥ बिजुजणेंचितव्युंढेक ॥
 ॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मकरीचितवें ॥ धनदेवपंथेरेइम ॥ कु०
 ठगीइकोईउपाइएहनेतोद्वयआवेएनेमाकु० ॥ ७० ॥ पा० ॥ केईकविकलपमि
 थ्याकलपीआ ॥ पणिकोईनाव्योरेदायाकु० ॥ मारयाविणनवीएहठगीसकुं ॥ इम
 सिंहांतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चितवेत्तोजनमांविषआपीइ ॥ आ
 व्यावृत्तीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेधनदेवगयोकपटेकरी ॥ अवशरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुंतेयारतिऐसमे ॥ एकलानुमांरेजेर ॥
 ॥ कु० ॥ बिजोलादुसूखेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥ ७३ ॥ पा० ॥
 पंथेचित्तविकल्पकरेघण ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू० ॥ विषलानुलीधोपोते
 तदा ॥ मुऊआप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यतः ॥ लंघनैःपचते
 रोगाः ॥ फलंकालेनपच्यते ॥ कुंमत्रैःपच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
 ॥ दाल ॥ लानुषाधोनेजेरतेपरणभ्युं ॥ उपनोमुऊमनपेद ॥ कू० ॥ एस्युंवा
 तवनीकिमनीपनुं ॥ नधिजाणंतसत्तेद ॥ ७५ ॥ कू० ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
 चित्रताकारणैविषपणिउपअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलसोमुऊचिताउपनी ॥ मि
 चनोकिणैकरयोअंत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईपवरपमीएहवातनी ॥
 आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ संसलाव्युंतसमाणसनेंसेवे ॥ आप्योअधीक
 तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेपरद्युतेपुण्यमांवावस्युं ॥ मुऊतेदिनथी
 वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसंगनकिधोतेपढी ॥ नितनवलोकसंत्याग ॥ कू० ॥
 ॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवशेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिहातेहनेरेपास ॥ कू० ॥
 आदरीविधीपुर्वकपालीत्तली ॥ अणसणकिधूरेपास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
 प्राणतकटपेंउपनोजंतिहां ॥ उंगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव
 मरीकरी ॥ उपनोनारकठाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पंकप्रसांसागर
 नवतणं ॥ आउपूअतिडखदाय ॥ कू० ॥ एणैअवसरेंजंबूक्षीपमां ॥ ऐ
 रवतपेत्रसूठाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हयोणाउरनयरेअतिशोस्तो ॥
 ॥ सेठहरीनंदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूपिमां ॥ उपनोसूतगुं
 णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिथीनीकली ॥ तेथ
 योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिंस्याकरीकेईजीवसंतापीआ ॥ थयोदावानलदा
 ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेपंकप्रसांफरीगयो ॥ दशसागरकांयउंण
 ॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीत्तववज्रतम्भो ॥ डखनलहेकर्मकूण ॥ कू० ॥
 ॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिवशे ॥ इंदनागवगसेठ ॥ कू० ॥ सार्या
 नंदिमतितसकूपिमां ॥ पुत्रपणेंऊउनेठ ॥ कू० ॥ ८५ ॥ पा० ॥ समइजनम्याविडं

नीजनीजघरे ॥ थाप्यांनामविशेष ॥ कू० ॥ विरदेववरथाप्युंमाहृतं ॥ प्रोण
 कर्त्तरनुदेष ॥ कू० ॥ ८६॥पा० ॥ पाम्याकुमरपणहवेअनुक्रमे ॥ विजेषमे
 रेढाल ॥ कू० ॥ तेरमीपन्नविजयेसोहामणी ॥ सुणतांमंगलमाला ॥ कू० ॥ ८७॥पा० ॥
 ॥ इहा ॥ सूप्याअमनेसीषवा ॥ परगटपंमीतपासा ॥ प्रितिथईपूरवपरि ॥ अम्हेविजुंक
 स्योअत्त्यास ॥ ८८ ॥ मानसंगुहूमुळमट्या ॥ तेहनीपासेतांमा ॥ जिनवरजी
 ईजेकस्यो ॥ धर्मलस्योगुणधाम ॥ ८९ ॥ प्रव्यथकीप्रोणकथयो ॥ मुळवंचवा
 नीमित्त ॥ धर्मरागजुंधारीने ॥ तिहाथीअधिकीप्रीति ॥ ९० ॥ थिरतरप्रीतीघ
 णीथई ॥ दिथोएहनेप्रव्य ॥ निद्यव्यापारकरस्योनही ॥ ताप्युंइणिपरेंसव्य ॥
 ॥ ९१ ॥ सईआरेसूप्यूसवे ॥ करेव्यापारकलंत ॥ अरज्योप्रव्यउतावलो ॥
 गरथघणोकरेगंठि ॥ ९२ ॥ ढाल ॥ जीरेमारेजाग्योकूअरजांम ॥ एदेशी ॥
 जिरेमारेपाम्योप्रव्यविशेष ॥ तवचितेचितइणिपरें ॥ जिरेजी ॥ जिरेमारेपूरवकत
 जेकर्म ॥ तासअत्त्यासमनेधरोजी ॥ ९३ ॥ जीरे ॥ तागलेस्येविरदेव ॥ वेंह
 चिएप्रव्यनेमाहरोजीरेजी ॥ जिरे ॥ मेंमुखथीनकहाया ॥ नविआपुंतागताहरो
 जिरेजी ॥ ९४ ॥ जीरे ॥ वंचुकोयेउपाय ॥ जिमनवीजाणेंएमनेंजीरेजी ॥
 जीरे ॥ माहराव्यापारनीवात ॥ म्हेंनवीसापीकोईकनेंजीरेजी ॥ ९५ ॥ जीरे ॥
 उलवुंसघलोदात्त ॥ अथवाकोईमानेंनहीजीरेजी ॥ जीरे ॥ तेकारणकहूघा
 त ॥ विजोउपायइहांनहीजीरेजी ॥ ९६ ॥ जीरे ॥ पठेंकहिसजुंजेह ॥ तेश
 वीवातवरेपमेजीरेजी ॥ जीरोइमधारीनेंउपाय ॥ करवामांम्योमनवमंजीरेजी
 ॥ ९७ ॥ जीरे ॥ मोहटोएकप्राशाद ॥ उपरितागकरेईस्योजीरेजी ॥ जीरे ॥
 रमणीकअतिसूविशाल ॥ देषवानेंजोवाजीस्योजीरेजी ॥ ९८ ॥ जीरे ॥ कि
 लकअनीयमीत ॥ निर्जुथकसविखलसलेजिरेजी ॥ जीरे ॥ जोवातेमुंघेर ॥
 चढस्येजोवाहलफलेजिरेजी ॥ ९९ ॥ जीरे ॥ पढस्येएप्राशाद ॥ तवएजम
 नृपघरिंजस्येजीरेजी ॥ जीरे ॥ मुळनहीकांयअपवाद ॥ कारयपणिसघलू
 थस्येजिरेजी ॥ १०० ॥ जीरे ॥ तेम्योमुळनेंघेर ॥ जमीआविजुंसाथेंवली
 जिरेजी ॥ जीरे ॥ तेमीमयोप्राशाद ॥ आरोह्याअम्हेविजुंमलि ॥ जिरेजी ॥

॥४०॥ जीरे ॥ देषाम्बादपठप ॥ करतांमतीतेहनीचलीजिरेजी ॥ जीरे ॥
 चढीउंआगेंआप ॥ अजिअनऊंचढिउंवलीजिरेजी ॥ २ ॥ जीरे ॥ निर्जुथक
 आरोह ॥ किद्योतवशंणपरेथयुंजिरेजी ॥ जीरे ॥ हाहारवथयोतांम ॥ सघलूं
 तेहपमीगयुंजिरेजी ॥ ३ ॥ जीरे ॥ उसरीउंऊंतब ॥ जोउंतोडोणकमरीगयो
 जिरेजी ॥ जीरे ॥ उपनोमुऊनिरवेद ॥ धिगूमुऊतवअहीदेंगयोजिरेजी ॥
 ॥४॥ जीरे ॥ धिगूसंशारअशार ॥ मरवुंसऊनेंशंणपरेजीरेजी ॥ जीरे ॥ मृतका
 रयकर्यांतास ॥ पणचित्तमुऊनरमेघरेजीरेजी ॥ ५ ॥ जीरे ॥ मानसंगगुह
 पास ॥ अमणपणंमैंआदस्युंजीरेजी ॥ जीरे ॥ पालीचारीत्रसुद्ध ॥ अणसण
 वलीअंगीकस्युंजीरेजी ॥ ६ ॥ जीरे ॥ हेठिमउवरीमनाम ॥ यैवेयकत्रीजेग
 योजिरेजी ॥ जीरे ॥ पणविसशागरआय ॥ कांयकउंणमाहरोथयोजिरेजी
 ॥ ७ ॥ जीरे ॥ डोणकहवेकरीकाल ॥ रौद्रध्यानेंमरीउपनोजिरेजी ॥ जीरे ॥
 वारसागरनेंआय ॥ धूमप्रसाइनीपनोजिरेजी ॥ ८ ॥ जीरे ॥ एहजजंवुद्विप
 ॥ एहजविजयैपुरसलूंजिरेजी ॥ जीरे ॥ सुंदरचंपावास ॥ सूरपुरसमचित्तअ
 टकलूंजिरेजी ॥ ९ ॥ जीरे ॥ माणिसप्रतिहांसेठ ॥ हारिणीसार्यागुणवतीजिरेजी
 ॥ जीरे ॥ सूरसवथीचवितास ॥ कूखेंउपनोमुत्तमतिजिरेजी ॥ १० ॥ जीरे ॥
 उचितसमइंथयोजन्म ॥ नामपुरणतदथापीउंजिरेजी ॥ जीरे ॥ घोषउचरता
 आदि ॥ अमरएहवुंउछापीउंजिरेजी ॥ ११ ॥ जीरे ॥ अमरगुप्तथयुंनाम ॥
 बिजूंअतिसोहामणंजिरेजी ॥ जीरे ॥ आवकघरपरसाव ॥ बालथीजैनधर
 मीघणंजिरेजी ॥ १२ ॥ जीरे ॥ विजेपंमेढाल ॥ चौदमीसापीसोहामणीजि
 रेजी ॥ जीरे ॥ पद्मविजयकहेएम ॥ सांसलोवातडोणकतणीजिरेजी ॥ १३ ॥
 ॥ ५हा ॥ नारकसवथीनीकली ॥ बेहलेशायरमत्स ॥ पापकरीपोहुंतिहां ॥
 बिजिवारवित्तस ॥ १४ ॥ पांचमीनरगेंपापथी ॥ अयरवारनुंआय ॥ तिहाथी
 नीकलीतीरीतण ॥ तवबज्जलगेत्तमाय ॥ १५ ॥ एहजनयरमांशंणेंसमें ॥ नं
 दावर्त्तशंणनाम ॥ सेठघणंसोहामणो ॥ रीझीतणोविसरांम ॥ १६ ॥ श्रीनंदा
 सोहामणी ॥ नारीरूपनीधान ॥ कुषितेहनीकुंअरी ॥ ३ ॥

॥ १७ ॥ जनमथयोतसजेतले ॥ नंदाथाप्युनाम ॥ आवियौवनअनुक्रमें ॥ आ
 पीमुऊनेआम ॥ १८ ॥ पाणिपहणेंपरणीआ ॥ शामाउपरिस्नेह ॥ मुऊनेउ
 पनोमुलथी ॥ आणंरागअबेह ॥ १९ ॥ ढाल ॥ नीझमीवेरणऊरही ॥ एदे
 शी ॥ पंचविषयसूखसोगवुं ॥ तेहसाथेंहोगयोकेईकालके ॥ पुरवकर्मदोषें
 करी ॥ नारीगुथेंहोमनआलजंझालके ॥ २० ॥ कर्मतणोगतिसांसलो ॥ एआं
 कणी ॥ घरसारसूप्युसवीएहनें ॥ पणिनगयोहोमायापरीणामके ॥ कपटेंवा
 तसवेकरे ॥ ऊंजाएहोएसत्यनुंधामके ॥ २१ ॥ क० ॥ परिजनसयणआवी
 कहे ॥ तुऊनारीहोकपटीसीरदारके ॥ पणऊंकांयमांनुंनही ॥ सरलसांवेंहोव
 लीरागनेंधारिके ॥ २२ ॥ क० ॥ एकदिनमायाइंकथुं ॥ गयांकुंमलहोजुग
 जेघरसारके ॥ पोतेउलवीइंमकथुं ॥ आकुलव्याकुलहोवलीथाइंअसारके
 ॥ २३ ॥ क० ॥ खेदमकरतूंसंदरी ॥ गयोअंगनोहोमलताहरोआजके ॥ कुंम
 लजुगलकरूंनवां ॥ पठेंआवस्येहोद्वयस्येमुऊकाजके ॥ २४ ॥ क० ॥ इ
 मकहिनवीनकरावीयां ॥ वेलाएकदिनहोअत्यंगनजाणके ॥ नामांकितनि
 जमुद्रिका ॥ आपीनारीनेहोराखवानिजपाणिके ॥ २५ ॥ क० ॥ निजआ
 तरणकरंमीइं ॥ मुंकितिणेंहोमुद्राबऊमोलके ॥ एहाणसोयएकरीइंणसमें ॥
 अंगरागनेहोवलीलीधतंबोलके ॥ २६ ॥ क० ॥ संकारहितकरंमीउ ॥ ऊघामी
 होमुंझामेंलीधके ॥ कुंमलयुगलदीतुंतिहां ॥ गयंपुर्वेंहोजससारनकीधके ॥ २७ ॥
 ॥ क० ॥ चिंतामुऊनेउपनी ॥ जम्यांकुंमलहोदिशेनेनारिके ॥ आविनंदाइंणस
 में ॥ दिगीमुंझाहोमुऊहाथेंउदारके ॥ २८ ॥ क० ॥ विलषीथईनीजचित्तथी ॥
 म्हेंजांण्योहोएहनोतवसावके ॥ निकट्योऊंधरमांहिथी ॥ चित्तचितव्युंहोह
 मणांएहदावके ॥ २९ ॥ क० ॥ नारिविचारेचित्तमां ॥ मुऊलघुताहोथईंण
 गंमके ॥ कुंमलजुगलदिगंशणि ॥ हवेकरवुंहोएहकिणीपरेंकांमके ॥ ३० ॥
 ॥ क० ॥ एपिणनाशीनेंगयो ॥ हवेसयणमांहोज्यांनवीकरेंवातको ॥ लघुतासय
 णमांनविहोइं ॥ आगलथीहोमासूंकरीघातके ॥ ३१ ॥ क० ॥ कांमणयोगकरूं
 जिणे ॥ मरेवहेलोहोवहेलूथायकांमके ॥ द्वयसंजोगबऊकरयो ॥ तिणेएक

लीहोकूमकपटनीधामके ॥ ३२ ॥ क० ॥ एकांतप्रदेशेंदाटवा ॥ जाइजेतले
 होतेतलेतिहांनागके ॥ करम्योकर्मवशेंकरी ॥ जिहांजाइहोतिहांकर्मनोलाग
 के ॥ ३३ ॥ क० ॥ वरसलगेंअन्ननवीमट्या ॥ जिनरूपसजिहोकरयांकर्म
 नजायके ॥ गोपेंपीलागोकीआ ॥ जिनविरनेंहोअतिहेंडखदायके ॥ ३४ ॥
 ॥ क० ॥ षटमहीनालगेंनवीमट्यो ॥ आहारढंढणाहोकिधोअंतरायके ॥ पं
 चस्तर्तारीद्रुपदी ॥ शीतानेंहोकलंकतेआयके ॥ ३५ ॥ क० ॥ कलावतिकर
 कापीआ ॥ पंधकनीहोउतारीषालके ॥ तिमएहनेंनगेंमसी ॥ बीबानीहोपमे
 सांतिनेंप्यालके ॥ ३६ ॥ क० ॥ यतः ॥ कृतकर्मरुयोनास्ती ॥ कटपकोटीश
 तैरपी ॥ अवश्यमेवसोक्तव्यं ॥ कृतकर्मशुताशुतं ॥ १ ॥ पुर्वदादा ॥ रूद्रदेवपुरो
 हितेंकसुं ॥ तूफनारीनेंहोकरम्योबेसापके ॥ कुंपणिगयोउतावलो ॥ इमजाएह
 होकिमआव्यूंपापके ॥ ३७ ॥ क० ॥ यईअचेतदिगीतदा ॥ स्यांममंमलहो
 ययांताससरिकेआंसुपातकरतोयको ॥ नखमाइहोमेंतेहनीपीरके ॥ ३८ ॥
 ॥ क० ॥ धिगूसंशारअसारनें ॥ जिमसूपनुंहोमायाइद्रजालके ॥ गद २ बां
 णीइम्हेंकसुं ॥ तुजनेंकिमहोययुंइमअकालके ॥ ३९ ॥ क० ॥ सितुजनेंपि
 माअबे ॥ इमपुब्यूंहोपणिनदिशंबोलके ॥ तवमुजपेदघणोथयो ॥ गइजिवीतहो
 आशादरबोलके ॥ ४० ॥ क० ॥ गारुमीतेम्यातिणसमे ॥ करीपेदनेंहोकहे
 इणीपरेंतेहके ॥ कालेंमसीएनारिनें ॥ नहीचारोहोनरमात्रनोएहके ॥ ४१ ॥
 ॥ क० ॥ इमकहीगारुमीघरिगया ॥ नविमंत्रनीहोकांयचालिशक्तिते ॥ का
 लकरीपरस्तवगई ॥ सज्जविलपेहोकरेआक्रंदऊत्तिके ॥ ४२ ॥ क० ॥ मृतका
 रजकरीतेहनां ॥ तेहनीमित्तेंहोवधतेपरिणामके ॥ क्लेशकारणसंगमांजीउ ॥
 संशारतेहोजाणीडःखगामके ॥ ४३ ॥ क० ॥ लिधीदिहाम्हेंगुरूकनें ॥ अठि
 नरगेंहोपोहोतितेहनारिके ॥ एकविससागरआजपे ॥ एहमाहरुहोचरीत्रअव
 धारिके ॥ ४४ ॥ क० ॥ रायनयरजनशांसली ॥ गुरुसापोहोहवेआगलिवा
 तके ॥ निपजस्येस्युंएहनें ॥ तुमचोपणिहोसापोअवदातके ॥ ४५ ॥ क० ॥
 अमरगुप्तगुरुबोधिआ ॥ एहनेतोहोअनंतसंशारके ॥ मुगि

ऊतोऽंणसवहोपामीसत्तवपारके ॥ ४६ ॥ क० ॥ एत्तवमुनीनाशांतली ॥
 तेऊपासेंहोमेलीधीदीषके ॥ बज्जनेनगरमांआदरी ॥ मुऊसाथेहोधरीगुरू
 नीशीषके ॥ ४७ ॥ क० ॥ एमुऊहेतूविशेषे ॥ वैराग्यनुंहोसूणिसीहकु
 मारके ॥ बिजेखंजेपनरमी ॥ ढालतापीहोपदमेंमनोहारके ॥ ४८ ॥ क० ॥
 ॥ उहा ॥ सीहकुमारतेसांतली ॥ कहेरुमुंकस्युंकांम ॥ हवेसापोगुरूहित
 करी ॥ गुरूतूम्हेगुणगणधाम ॥ ४९ ॥ केतिगतिरूपगुरूकस्यो ॥ एसं
 शारअपार ॥ सुखडखमननेंशरीरनां ॥ स्यांस्यांहोयसंसार ॥ ५० ॥
 तवअटवीसमतांथकां ॥ धर्मकीउआधार ॥ गुरूकहेसूणसंसारए ॥ चि
 ङ्गतीरूपविचार ॥ ५१ ॥ नरकतिरिसूरनरगती ॥ संशारेनहीसूख ॥ जरा
 मरणनेंजनमथी ॥ डखीआनेनितडख ॥ ५२ ॥ रागद्वेषरोगेंकरी ॥ वेदनवी
 षयविषाद ॥ सुखतो नहीतससूपनमां ॥ पामेंडरकप्रमाद ॥ ५३ ॥ तेउपरिद
 टांततूं ॥ सांतलचतूरसूजांण ॥ मधूविदूमानवतणो ॥ विरेंकिधवषांण ॥
 ॥ ५४ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ एकविशानी ॥ झुटकनी ॥ एकनरकोईरेदारिद्र
 खसंतापीज ॥ मुंकीदेशनेरेपरदेशंगयोपापीज ॥ गामआगररेपाटणबज्जत्समतां
 हवे ॥ तूलोपंथथीरेएकअटवीमांएहवे ॥ ५५ ॥ झुटक ॥ शालतालतमालनि
 बह ॥ कुटजन्यग्रोधखेरंए ॥ सल्लकीअर्जुनबकुलअंकोल ॥ अंबजंबुकेंरंए ॥
 वंजूलतिलककलंबरायण ॥ तिणीसधवनेंपलासए ॥ जिहांसीहचित्ताफालदे
 ता ॥ जिववासीआसए ॥ ५६ ॥ बाघजंबुकरे ॥ रोजसरसबज्जत्सयकरे ॥ व
 नसिसारेजुधकरेतेपरपरे ॥ जलचरजिवरेपाणीउगलेवेगस्यूं ॥ तेहनरनेरेचि
 तानमायउदवेगस्यूं ॥ ५७ ॥ झु० ॥ सूरव्योतरप्योखमेवेदन ॥ स्वापदनासूणे
 शादए ॥ उव्रस्तलोचनस्वेदगलतो ॥ करेबज्जविषवादए ॥ दिर्घपंथेथाकपां
 म्यो ॥ विषममार्गखलायए ॥ इणिसमेंगजवरएकदिगो ॥ पुंठेआवेंधायए ॥
 ॥ ५८ ॥ महाडरदंतरे ॥ पंथीलोकनेंमारतो ॥ गाजतोवल्लिरेसूंमथकीफूं
 कारतो ॥ सूंमाइंमरेउंचोकरिनेंचालतो ॥ चालतो नगरेदिसेमेघज्यूंमहालतो ॥
 ॥ ५९ ॥ झु० ॥ तिमजएकरासुसीदेषे ॥ महाडष्टकरालए ॥ महाकायविक

राखवयणें ॥ निसितकरकरवाले ॥ सिमअट्टहासमुंके ॥ वरणअतीतसस्या
 मए ॥ देखीबीहनोमरणसयथी ॥ जुइंदशदिशठामए ॥ ६० ॥ पुरवदिशरेदेखे
 वमएकतामरे ॥ उदयाचलेशीखुरपरेंअसिरामरे ॥ सिद्धगांधर्वरेमारगरोक्या
 तासरे ॥ मनचिंतैरेकिमहिकजाउंएपासरे ॥ ६१ ॥ त्रु० ॥ उगहंतोएहसय
 थी ॥ चहुंवमउपरिंजई ॥ इमंचितविनेंशीघ्रचाट्यो ॥ पदसेदायेंकूशसूई ॥
 पोहतोवमनेंपासतवते ॥ देखीमनमांचितवें ॥ गगनगोचरथीनलंधाई ॥ किमक
 रूएहनेंहवे ॥ ६२ ॥ आरोहीरेनशकेहवशेकोईपरें ॥ गजदेषीरेतेहुनुंतनव
 ऊथरहरे ॥ इमकरतरेदिठोजीरणएकरे ॥ कुपकतिहांरेउमातेअतिठेकरे ॥
 ॥ ६३ ॥ त्रु० ॥ जीववानीरूणैकआशा ॥ धरीमरणनोसयमनें ॥ निरालंबनआत्ममुं
 क्यो ॥ नविआधारकोतिहांकनें ॥ सीतिउग्योसरनोथंसो ॥ वलगोतेहनेउल्लसी ॥
 पमणासीयातेहेठिफणिधर ॥ च्यारकोप्याधसमसी ॥ ६४ ॥ च्यारकाठैरेते
 हरहेकोपाकुला ॥ फणाटोपैरेकरमवानेंथयाव्याकूला ॥ एकअजगररेदिग
 जसमदिशेश्वरो ॥ आंषरातीरेकण्णकायमुखमोकोरो ॥ ६५ ॥ त्रु० ॥ चिते
 मनमांएहथंसो ॥ तिहांलगेजिवितवळ ॥ उंचेमुखेंजबजोईउंतव ॥ दिवूतेसूण
 ज्योकळ ॥ एकधवलनेंएककण्णएवे ॥ उंदरामोहटाहवे ॥ दाढतिपीमूलभेदे ॥
 हस्तीपणिजुतेहवे ॥ ६६ ॥ नवीपोहचेरेतेनरनेंहवेहाथीउ ॥ धंधोलेरेको
 पैवमउन्माथीउ ॥ तिणेंहाट्योरमधपुमोएकउपरिं ॥ मधूसमरीरेउमीतेचिऊंदि
 शिसंचरे ॥ ६७ ॥ त्रु० ॥ समरिसमुहेंताशगात्रें ॥ दिशंचटकाअतिघणा ॥
 मधूजालपमीउंकुपमांतिणें ॥ गणगणाटनीनहीमणा ॥ एकविदूमधूनोति
 हांपमीउ ॥ सीसउपरितासए ॥ आलोठतोतेकिमकेंआव्यो ॥ तासमुखआवा
 सए ॥ ६८ ॥ रूणेश्वरेवलीएकविदूआवतो ॥ पणिनगणैरेजेडःखएवमांपाव
 तो ॥ करिमुंसारेअजगरनेंवलीसापरे ॥ कुउंसमरीरेएवमांनगणेंसंतापरे ॥
 ॥ ६९ ॥ त्रु० ॥ मधूविदूरसआस्वादगिरधर ॥ हरषपामेंवज्जतदा ॥ सूणोउप
 संहारएहनो ॥ मोहधुमजाशंकदा ॥ पुरुषतेएजिवजाणो ॥ च्यारगतीअटवि
 कही ॥ वनवारणतेकीनासजाणो ॥ जराराषसणीलही ॥ ७० ॥ वमवृद्धतेरेमो

कृत्रपुरवजाणीइं ॥ मृत्युगजवररेसयजेहथानीकनाणीइं ॥ विषयातूररेनर
 आरोहीनवीशक्या ॥ पापथानिकरेपरिषहमांहिजेठक्या ॥ ७१ ॥ त्रु० ॥
 सप्यचारकषायसमजो ॥ कुंजरसवजाणीइं ॥ जेमनुंजनेंएनागकरक्या ॥
 घोरडुखविषषाणइं ॥ कार्याकार्यनलहेतेनर ॥ जीवीतसरथंसोगणो ॥ दोयप
 षजेबहुलअर्जून ॥ तेहउंदरसमतणो ॥ ७२ ॥ करमेसमरीउरेव्याधीविविधब
 हुसत्तरे ॥ खणमातररेसूखनवीलहेकोईवत्तरे ॥ घोरअजगररेनरगतेअतिड
 खदायरे ॥ विषेमोहीतेनरकेंगयांडःखथायरे ॥ ७३ ॥ त्रु० ॥ मधूबिंडसम
 एतोगजाणो ॥ तूढनेंदारुणकहे ॥ एहव्यसनमांकहोकोणप्राणी ॥ सोगववा
 नेंउमहे ॥ तिणेंकारणेंकरोधर्ममानव ॥ तवतेकूशबिंडसमो ॥ चंचलविजली
 समसमागम ॥ सज्जननाजाणोतुमो ॥ ७४ ॥ संध्यारागरेसरीपुंजौवनजाणी
 इं ॥ करोआदररेधर्मशदासूखखाणीइं ॥ बिजेखंमेरेसोलमीढालसोहामणी ॥
 मानवसवरेजाणज्योजिमचितामणी ॥ ७५ ॥ त्रु० ॥ चितामणीसमधर्मकी
 जें ॥ एहउपनयसांसली ॥ कहेपद्मएदृष्टांतसाप्यो ॥ बिजोपाठांतरवली ॥
 मंथांतरथीतेहजाणो ॥ इहांचरित्रप्रकारए ॥ सिंहपुढेहवेगुरुनें ॥ धर्मवा
 तउदारए ॥ ७६ ॥ इहा ॥ सीहकुमरकहेसांसलो ॥ कतिविधधर्मकहाय ॥
 धरमीकहेदशविधधरम ॥ मुनीनोएनीरमाय ॥ ७७ ॥ यतः ॥ खंतिमद्वव
 अज्जव ॥ मुत्तितवशंजमेयबोधवे ॥ सच्चंसोयंआगिचणंच ॥ बंसंचजइध
 म्मो ॥ १ ॥ इहा ॥ सम्यग्वस्तुस्यतावनो ॥ अंतरकरीआलोचाक्रोधतणोअणंद
 यकरे ॥ करेउदइंसंकोच ॥ ७८ ॥ मद्ववपणइंममाननो ॥ अनुंदयवीफल
 अपार ॥ अस्ववमायाअणउदय ॥ उदयेविफलअवीकार ॥ ७९ ॥ मुत्तिते
 लोसतणो मुणो ॥ अनुंदयउदयअसाव ॥ उदयलहाथीकरेअफल ॥ प्रसूनें
 चनप्रसाव ॥ ८० ॥ तपतेडविधपरेंतपे ॥ बाह्यअत्यंतरबाह्य ॥ षटविधनें
 अंतरंगषट ॥ जेहमांकोइंससाह्य ॥ ८१ ॥ यतः ॥ अणसणमुणोयरीया ॥
 वित्तिसंखेवणउरसच्चाउ ॥ कायकिलेसोसंलिणयाय ॥ बजोतवोहोई ॥ १ ॥
 पाषठित्तंविणउ ॥ वेयावच्चंतहेवसज्जाउ ॥ जाणउरसग्गोविय ॥ अत्यंतरउ

तबोहोई ॥ २ ॥ डहा ॥ सत्तरसेदसंजमसूणो ॥ सत्यतेनी रवघसास ॥ सौच
 ते नीरलेपीसदा ॥ आठमोपुरेआश ॥ ८२ ॥ आर्किचनतेशणीपरें ॥ धरमोप
 गरणधार ॥ परिग्रहनेंराषेपरो ॥ बंस्तेषट्ठनेंवार ॥ ८३ ॥ ढाल ॥ देवीचंद्राजला
 नी ॥ एजतीधर्मनेंसांस्तीरे ॥ बोलेसिंहकूमर ॥ शोसनधर्मएसाधुनोरे ॥ सा
 प्योतुस्तेअणगर ॥ ८४ ॥ साप्योतूम्हेतेम्हेनवीथाय ॥ जंतोसमर्थनहिमुनीराया ॥
 मुळनेयोग्यहोईजेकांय ॥ तेसाषोमुळकरीसूपशाय ॥ ८५ ॥ जिमोहनजी
 जीरे ॥ एआंकणिधर्मघोषमुनीबोलीआरे ॥ आवकथाडमहासाग ॥ सीहक
 हेतेकेहवोरे ॥ आवकधर्मनोलाग ॥ ८६ ॥ आवकधर्मकस्योमुनीराय ॥ प्रव्य
 सावथीअंगीकराय ॥ मानेंकृत्यकृत्यआतमराय ॥ मुनीवरसेवकरेसुखदाय ॥
 ॥ ८७ ॥ जीमो० वंदनाविनययकीकरीरे ॥ पोहतानयरीमांहि ॥ कुसूमा
 वलीनेजईकहेरे ॥ तेपणिधरेउत्ताह ॥ ८८ ॥ तेपणिधरीउत्ताहनेंपामें ॥ कर्म
 क्योपसमेंमिथ्यातवामें ॥ समकितअण्वतलहेगुणधाम ॥ नित२गुरुसेवा
 सुखकांम ॥ ८९ ॥ जीमो० ॥ मासकल्पइमवहीगयोरे ॥ गुरुजीइंकिधवि
 हार ॥ जैनधर्मैदृढतेययोरे ॥ तत्वातत्वविचार ॥ ९० ॥ तत्वातत्वविचारतेथा
 य ॥ एकदिनपुरुषदत्ततेराय ॥ अभीततेजगुरुजिनेंपाय ॥ धर्मदेशनासुणि
 सुखदाय ॥ ९१ ॥ जीमो० ॥ सिंहकूमरराज्येठविरे ॥ आपथयोमुनीसूप ॥
 रांणीश्रीकांतासहवलीरे ॥ लहेशिवमार्गअनुप ॥ ९२ ॥ लहीशिवमार्गअनु
 पतेपाले ॥ सिहरायनिजकूलअजुआले ॥ करमअन्यायअरीनेंढाला ॥ अणवर्ग
 पालेनीजकालें ॥ ९३ ॥ जीमो० ॥ सज्जलोकनेंआणंदकरेरे ॥ सामंतमंदल
 आणि ॥ शिरवहेचंपकमालज्युरे ॥ करेउपगारसूजाण ॥ ९४ ॥ करेउपगार
 सूजाणवैरागी ॥ राजरुषीकहेवाइत्यागी ॥ काढेंकालएरीतिसोत्तागी ॥ चा
 रित्रधर्मतणोवझरागी ॥ ९५ ॥ जीमो० ॥ अगनी शरमातापसोरे ॥ विद्युत
 कुमरजेदेव ॥ तिहांथीचविनेंब्रह्मसम्योरे ॥ तिरीगतिनीकरेसैव ॥ ९६ ॥ ति
 रीगतिनीकरीसेवनेंआव्यो ॥ अनंतरसवेवातपसीसोहाव्यो ॥ तिहांथीमरी
 कर्मवासनासाव्यो ॥ कुसूमावलीनेंकुषिठाव्यो ॥ ९७ ॥ जीमो० ॥ दिगोसू

पनमांतेणींरे ॥ उदरमांपेशतोनाग ॥ बाहिरनिकलीरायनेरे ॥ करम्योतेल
 हीलाग ॥ ९८ ॥ करम्योतिणेतेपनीउत्सूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥ देखी
 सूपनुंएहवीरूप ॥ जागीअमंगलजाणीअनुप ॥ ९९ ॥ जीमो ॥ नविसंसला
 व्यूरायनेरे ॥ गर्सतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥ नविवज्रमानेरा
 य ॥ १०० ॥ स्नेहधरेवज्राजातास ॥ परिजनकहेराणीनेउद्धास ॥ इमनघटेतू
 मकरबुंखास ॥ तवरांणीतेहनेकहेसास ॥ १०१ ॥ जीमो ॥ स्युंकहंतवपरी
 जनकहेरे ॥ सूपनेआदरदिजे ॥ तवजाण्युंईमरांणींरे ॥ गर्सनोदोषकही
 जे ॥ २ ॥ गर्सनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्युंरीशनकोय ॥ दोहद
 उपनोएकदीनजोय ॥ हवेसांसलोतेसाषुशोय ॥ ३ ॥ जीमो ॥ रायनां
 आंतरमांसपुंरे ॥ रांणीविचोरेतांम ॥ गर्त्सएपापकारीघणोरे ॥ एहनुं
 नहीमुऊकांम ॥ ४ ॥ कांमनहीमुऊचितेनारी ॥ सत्तास्नेहतेचीत्तविचारी ॥
 नारीस्यसावकायरनिरधार ॥ पादूंगर्त्सङ्गुंएइणीवार ॥ ५ ॥ जी ॥ तासउपा
 यवज्रकस्थारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपम्योनहीरे ॥ वैरसावना
 मर्म ॥ ६ ॥ पादवाकारणउसमपिधां ॥ तिणेदूरबलतसअंगजकीधां ॥ दोहला
 नांपणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकस्थतिगाठेलीधां ॥ ७ ॥ जीमो ॥ मुबलीदे
 षीपुउतोरे ॥ रायरांणीनेइंम ॥ स्युंतुऊनेनवीसंपजेरे ॥ अथउणोमुऊप्रेम ॥ ८ ॥
 अथवाकोइइंआणखंमी ॥ दीसेंतूंजिमदैवेदंमी ॥ पाणीरहीतजीममाढलीषंमी ॥
 अथवाकुमुदिनीउदकेंठंमी ॥ ९ ॥ जिमो ॥ रायरागेरांणीकहेरे ॥ मुऊमन
 मांइमआवे ॥ मरणलङ्गुंइणअवगारिरे ॥ तोमुऊनेंसूखथावे ॥ १० ॥ स्युंनीमि
 त्तपुठेतसतांम ॥ देविकहेमुऊदैवठेवांम ॥ इमकहीआंसूरेमेंतिणगंम ॥ राजा
 पुठेनवीपुठणकांम ॥ ११ ॥ जिमो ॥ वातकथाबीजीकरीरे ॥ आरुप्युंमन
 तास ॥ तेमीपरिजूननेकहेरे ॥ वातसूणोउद्धास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजासा
 री ॥ ढालसत्तरमीएमनोहारी ॥ विजेखंमेमनमांधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणो
 सूखकारी ॥ १३ ॥ जीमो ॥ डहा ॥ देवीकीमएदूबली ॥ उवेखीकीमएहा ॥
 वज्रलपकनाचंदबल ॥ सरिषीदीसेकेह ॥ १४ ॥ सारसूतसवीवीश्वमां ॥ रांणी

रयणसरूप ॥ प्राणधरंतेननिपजे ॥ एहवुंस्युंअनुंप ॥ १५ ॥ मदनलेषातव
 माननी ॥ बोलीएहवाबोल ॥ राजनकहोतेपह्लातोपिणस्त्रीस्येतोल ॥ १६ ॥
 अविवेकीपणंअंगमां ॥ पणिसांतलिएकसूप ॥ कहिसकिइएहवीकथा ॥ रा
 जननहीसरूप ॥ १७ ॥ अन्यउपायनहीएहमां ॥ तिणेंकऊंसांतलितूऊ ॥
 संसलाव्युंश्मकहीसवे ॥ गत्संदोहदनुगुऊ ॥ १८ ॥ ढाल ॥ सुणिवहेनोरेपी
 उलोपरदेशी ॥ एदेशी ॥ सूपतिचितेरागविलूथो ॥ जुउरांणीस्युंकहेठे ॥ पु
 त्रजनमपणिनविवळमानें ॥ रागएश्मवहेठे ॥ १९ ॥ सूप० ॥ जोदो
 हदनवीपुरूएहनो ॥ थाइंगत्सविनाशरे ॥ विसरज्योराणीनोपरिकर ॥ चितेउ
 पायहवइंताशरे ॥ २० ॥ सूप० ॥ मतिशागरमहामंत्रीतेम्यो ॥ संसलाव्यो
 वृत्तांतरे ॥ करीयविचारसूपनें साषे ॥ सांतलोकऊंअवदातरे ॥ २१ ॥ सूप ॥
 वुत्सुक्तिरहीउदरेवांधो ॥ अंत्रकर्तृमकरीवेसोरे ॥ कोइप्रकारेंलक्षणकरीसं
 दर ॥ पणिकोईनेमतकहेस्योरे ॥ २२ ॥ सूप० ॥ रांणीदेष्टांकापीदेस्युं ॥ प
 ठेमनमान्युंकरेस्युरे ॥ वातसूणीनरपतिवळहरण्यो ॥ श्मप्रतिज्ञातरेस्युरे ॥
 ॥ २३ ॥ सूप० ॥ रांणीनेकहेतूम्हसूखकरस्युं ॥ राणीगरसअनुसावेरे ॥ अ
 गीकारकरिअणघटती ॥ करेउपायशुस्तदावेरे ॥ २४ ॥ सूप० ॥ दोहदसंपु
 रणथयोएहनो ॥ तवविषादवळपांमीरे ॥ मंत्रीइरायदेष्टाम्योअनुक्रमें ॥ हवे
 नहीहर्षनीषांमीरे ॥ २५ ॥ सूप० ॥ मंत्रीकहेजबजनमतेथाइं ॥ तवमतकहे
 ज्योरायरे ॥ मुऊकहेज्योऊयोग्यकरीशते ॥ सांतलीअंगीकरायरे ॥ २६ ॥
 ॥ सूप० ॥ अनुक्रमेंजनमथयोतेसूननो ॥ मतिशागरनेंदिथोरे ॥ मतिशागर
 कहेगरसथकीपणि ॥ रायनेंदूखवळकीयोरे ॥ २७ ॥ सूप० ॥ तिणेंएगत्सेनां
 हीप्रयोजन ॥ रांणिचित्तपणिवशीउरे ॥ रायनेंमतएवातप्रकासो ॥ श्मकही
 लेईनीकसीउरे ॥ २८ ॥ सूप० ॥ रायनेंकहेमृतबालकआव्यो ॥ श्मकहि
 दाशीमाथेरे ॥ देईअशोकवाणीमांजातां ॥ दिठीपृथ्वीनाथेरे ॥ २९ ॥ सूप० ॥
 कहेदाशीनेंस्युंएमाथे ॥ संभमथीकहेदाशीरे ॥ कांयनथीश्मकहेतारोयो ॥
 राइंजोयुंचकासीरे ॥ ३० ॥ सूप० ॥ बालकदेषीठवकोदिथो ॥ फटसुंभीइ

मनकीजेरे ॥ तूहृदयस्त्रीकायरसावे ॥ सघलीवातकहीजेरे ॥ ३१ ॥ सू० ॥
 लिधोराथेबालकऊढपी ॥ चितवेआपुनएहनेरे ॥ एहनेहाथेपुरणथाये ॥ आपु
 पालेतेहनेरे ॥ ३२ ॥ सू० ॥ अन्यथाविनेपालवाआप्यो ॥ कहेएहनेकां
 यथास्येरे ॥ तोमुऊहाथेविनासलहेस्यो ॥ लोकमांसलपणजास्येरे ॥ ३३ ॥
 सू० ॥ बडुनिधंठाकरीराणीने ॥ तिमजमंत्रीनेजाणोरे ॥ देवीमंत्रीअनुरो
 धेढानो ॥ पुत्रउठवकरेराणोरे ॥ ३४ ॥ सू० ॥ आणंदनांमठव्युंतेबालक ॥ मो
 हटोजबतेथायरे ॥ कलाकलापयद्योतिऐंबडुलो ॥ मनमांहर्पनमायरे ॥ ३५ ॥
 सू० ॥ पुरवकर्मदोषेनृपउपरि ॥ चित्तविषमबडुराषेरे ॥ नरपतिइंजुवराजक
 स्योवली ॥ राजकूलीनीशाषेरे ॥ ३६ ॥ सू० ॥ इणअवशरएकअटवीवा
 सी ॥ डर्मतीनामसामंतोरे ॥ डुर्गबलेनविगणेलेषामां ॥ जाणेंसिहसूकंतोरे ॥
 ॥ ३७ ॥ सू० ॥ सैन्यमुंक्योतेरायनेउपरि ॥ तेपणितेहथीहास्यारे ॥ कोप
 करीहवेसीहनरेशर ॥ बडुबलथीपरीवास्यारे ॥ ३८ ॥ सू० ॥ करियप्रयां
 एनेंचाढ्योसनमुख ॥ जबथयांत्रण्यप्रयाणोरे ॥ इणअवशरिसिधूनदीकां
 ठे ॥ बहेतेप्रयांणतेठाणोरे ॥ ३९ ॥ सू० ॥ समरादित्यनारासमांसाषी ॥ बिजे
 खंमेढालरे ॥ एहअधीकउल्लासेअठारमी ॥ पद्मविजयसूरजालरे ॥ ४० ॥
 ॥ सू० ॥ डहा ॥ नदिकांठेतिहांनीरपीउ ॥ अचरीजएकउदार ॥ गजशिरवे
 ठागेलस्यूं ॥ मनुषवंदमनोहार ॥ ४१ ॥ अहोकष्टअहोकष्टए ॥ बोलेइंमबडु
 लोय ॥ राजापोहोतोरिऊस्यूं ॥ जईनइंतिहांइंमजोय ॥ ४२ ॥ जीरणनाग
 दिठायदा ॥ कृष्णदेहमहाकाय ॥ मंमुकयाशतेमोटिको ॥ लीधोवदनलपाय
 ॥ ४३ ॥ पोहलेवदनेपेपीइं ॥ डुखथीधूजेदेह ॥ मोहटेकूरेमुखमां ॥ नाग
 ग्रस्थोनसदेह ॥ ४४ ॥ अजगरदिग्गजकरसमो ॥ नयनरक्तनहीसोम ॥ य
 स्योकूररवलीअजगरे ॥ राजिथयोरोमरोमा ॥ ४५ ॥ अजगरजिम २ आहार
 तो ॥ तिम २ नागनेतेह ॥ मंमुकरोतोअहीमुखें ॥ जातोदेषेजेह ॥ ४६ ॥ अ
 चरीजदेषीएहवुं ॥ सयपांम्योतूपाळ ॥ देषिएदृष्टांतनें ॥ चितेचित्तविचाळ
 ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ बाहलोम्हारोवायगेवांसलीरे ॥ एदेशी ॥ नरपतिमनमाहि

चितवेरे ॥ एसंसारअणार ॥ मत्सगलागलयईरधूरे ॥ कोहनोकुणआधार ॥
 ॥ ४८ ॥ बाहोमारोतावेठेतावनारे ॥ एआंकणी ॥ मूढहैयामांआणंदलहेरे ॥
 सत्पुरुषस्यांनिरवेद ॥ देखीनेंपामेईमचितवीरे ॥ रायथयोवज्जखेद ॥ ४९ ॥
 ॥ वा० ॥ रायविचारेकरबुंकिस्यूरे ॥ अजगरैवज्जपस्योएह ॥ क्रूरसूजंगम
 वज्जगदयोरे ॥ नागेंमंमुकदेह ॥ ५० ॥ वा० ॥ कंठगतप्राणथयासज्जरे ॥ प
 णिनमुकेकोय ॥ अधीकअधीकगलवाकरेरे ॥ एहविषमगतीजोय ॥ ५१ ॥
 ॥ वा० ॥ एकविनाशीनेंठोभुंरे ॥ पणिनवीजीवेकोय ॥ नविउपायएवातमारो ॥
 तावितावतेहोय ॥ ५२ ॥ वा० ॥ हवेजोबुंतेजुगतूनहीरे ॥ गजवरप्रेरयोतां
 म ॥ कटकसंयुतआवासीउरे ॥ करेउचितनीजकांम ॥ ५३ ॥ वा० ॥ राति
 गईअरधीजस्येरे ॥ तवजाग्योनरराय ॥ दिठोवत्तांततेसांसरथोरे ॥ अजगर
 मुखचित्तलाय ॥ ५४ ॥ वा० ॥ विरसविपाकठेजेहनारे ॥ फलकिपाकशमा
 न ॥ विषयआपातमात्रमीठनारे ॥ मुखकरेवज्जमान ॥ ५५ ॥ वा० ॥ वरे
 जेपंमीत्तएहनेरे ॥ वलिएविषयनेकाज ॥ लोककरेवज्जपापनेरे ॥ करतावहो
 तअकाज ॥ ५६ ॥ वा० ॥ शाश्वतधर्मठांमीकरीरे ॥ यईसूखइठकजीव ॥ जि
 वितअरथीखायफेरनेरे ॥ तिमकरेपापसदैव ॥ ५७ ॥ वा० ॥ इरकतेपापनुं
 फलअठेरे ॥ इरवीआमकरोपाप ॥ सुखीआपणिकरोधर्मनेरे ॥ धर्मनुंफलदही
 आप ॥ ५८ ॥ वा० ॥ मंमुकसमतुठलोकठेरे ॥ सर्पसरीखाजेह ॥ तेहयशी
 जाइतेहनेरे ॥ तेहनेंक्रूररसमतह ॥ ५९ ॥ वा० ॥ क्रूररनेंपणअजगरसमारे ॥
 अजगरसमपणिआप ॥ नहिनिजवशजिणकारणेरे ॥ जमदेवेशंताप ॥ ६० ॥
 ॥ वा० ॥ एहअनर्थसरयालोकमारो ॥ जेकरविषयप्रशंग ॥ तेमाहमोहविला
 सठेरे ॥ तिणेंस्योकरीशंग ॥ ६१ ॥ वा० ॥ इरकअनेकतरुविजठेरे ॥ राज्यअ
 नर्थनीखाणि ॥ पातालपरेंपुराइनहीरे ॥ एहवीजीनवरचाणि ॥ ६२ ॥ वा० ॥
 विवरसुखसजिरणघरपरेंरे ॥ खलसंगतीपरेंजास ॥ विरसावसाणतेपेयींरे ॥
 राज्यथीनरकमांवाश ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वेश्याइदयपरेंवालहोरे ॥ इव्यअने
 कप्रकार ॥ सूजगवज्जवलमीकपरेंरे ॥ इरवदायकइरवकार ॥ ६४ ॥ वा० ॥

जिवलोकपरिजाणीशे ॥ कामनपुराथाय ॥ सर्पकरंमकनीपरैरे ॥ जतनेंपा
 ह्यूंजाय ॥ ६५ ॥ वा० ॥ अस्तीलाषावज्जनकरैरे ॥ वेश्याजौवनरीती ॥ न
 वीवीसवासकोशनोहोशे ॥ होयघणीजोप्रीती ॥ ६६ ॥ वा० ॥ परसवनुंतो
 साधननहीरे ॥ तिणेतजीराज्यप्रशंग ॥ धीरपुरुषसेवीतआदरैरे ॥ दिक्कामनध
 रीरंग ॥ ६७ ॥ वा० ॥ इहसवपरसवसुखकहरे ॥ अमणपणंजगशार ॥ कि
 मकसुंप्रस्तुतकामनेरे ॥ लघुताहोयइणिवार ॥ ६८ ॥ वा० ॥ अथवाएहलघु
 ताकिसीरे ॥ एकजनमनोस्योत्तार ॥ सव २ नांदूःखउपसमेरे ॥ लेउंसंजम
 तार ॥ ६९ ॥ वा० ॥ इमकरतारजनीगशे ॥ विजेखंढेढाल ॥ उंगणीसमी
 पदमेकहीरे ॥ थयोउद्योतवीशाल ॥ ७० ॥ वा० ॥ इहा ॥ बेठोआसनबांधी
 नइ ॥ करीद्वयआवश्यककाज ॥ मंत्रीमंजलसज्जप्रणमीउ ॥ जबउदयोदिन
 राज ॥ ७१ ॥ विजयाप्रतिहारीवरा ॥ प्रणमीनरपतीपाय ॥ वेगेइ
 णीपरैविनवे ॥ मानेज्योमहाराय ॥ ७२ ॥ सूणिचंमसासणघणं ॥ कस्युंप्र
 यांणमुज्जकाज ॥ सीहरायइमसंकीउ ॥ आव्योदूरमतीआज ॥ ७३ ॥ आ
 णातूमचीअतिक्रमी ॥ तसथयोपश्वाताप ॥ कंधेतेपरसुकरी ॥ परवस्योकेई
 नरआप ॥ ७४ ॥ दरिणइडेदूरमती ॥ उंतोआंगणआय ॥ करोऊकमएहने
 कीस्यो ॥ इमसूणीहवेमहाराय ॥ ७५ ॥ मतिसागरजेमंत्रवी ॥ सनमुखजो
 युंतास ॥ अंगीतआकारउलषी ॥ मंत्रिकहेविमासि ॥ ७६ ॥ सरणांगतवत्स
 लसवे ॥ सूपतिहोयइमसाल ॥ दोषनएहमांदेखीइ ॥ तेमोइहांइणताल ॥ ७७ ॥
 आणाकरीतवआवीउ ॥ अवनीपतिनैइम ॥ कहेकूहामनेकोटिए ॥ तूमहमन
 होयकरोतेम ॥ ७८ ॥ कहिनेचरणकमलनम्यो ॥ दानअसयतवदिध ॥ करी
 आदरसतकारीउ ॥ करवुंतेसवीकीध ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ घरिआवोजीआंबोमोह
 रीउ ॥ एदेशी ॥ निजनयरेवलीआविउ ॥ सीहनरपतिजयपुरमांहि ॥ निज
 आशयमंत्रीमंजलप्रते ॥ साप्योअतिअंगउगाह ॥ ८० ॥ गतिकर्मतणीविचित्रे
 ॥ एआंकणी ॥ कहेमंत्रिमंजलसूणिसाहिबा ॥ तूमहकृत्यतेएहजशार ॥ तूमह
 वंसथयाजेराजवी ॥ तेइमहिजपाम्यापार ॥ ८१ ॥ गति० ॥ सज्जजिवनेएक

रबुंघटोतोतूम्हचीकेहीवात ॥ जिनवयणसावितमतितूम्हतणी ॥ तूमचोउत्तम
 अवदात ॥ ८२ ॥ गति० ॥ सफलोमानवसवतुम्हतणो ॥ वनदवसरीषाएसो
 ग ॥ जिम २ इंधणषेपीइं ॥ तिम २ वधतोजाइरोग ॥ ८३ ॥ गति ॥ किपा
 कनाफलसमजेहना ॥ पंथेंताप्याठइंविपाक ॥ वलिमृत्युंअकालेंआविअमे ॥
 जेहनोसूरअसूरमांलाग ॥ ८४ ॥ गति० ॥ इमसांसलीहर्षवध्योघणो ॥ नृपें
 दिधोअतिबळुमान ॥ कुंअरअस्तीषेकनेंकारणें ॥ राइजोसीतेमयाजांण ॥ ८५ ॥
 गति० ॥ कहेकहोअस्तीषेकदिवशहवइं ॥ तवलगनजोश्कहेइंम ॥ आज
 थीपांचमेदिहामले ॥ किजेंअस्तीषेकतेप्रेम ॥ ८६ ॥ गति० ॥ मंगलमेल्यांत
 सकारणें ॥ मळजुगलप्रमुखवळुसेद ॥ नरपतिमनमांइमचितवे ॥ आंणीचित्त
 मांनीरवेद ॥ ८७ ॥ गति० ॥ राज्यनोअस्तीषेककरीसलो ॥ राज्यथापीआणं
 दकुमार ॥ पठेजास्यूदीक्षाकारणें ॥ जिहांधर्मघोषअणगार ॥ ८८ ॥ गति० ॥
 इमचितवीलगनलगेंरहे ॥ इणअवशरितेहकूमार ॥ नृपनोअस्तीप्रायअजांण
 तो ॥ पुरवकृतकर्मविकार ॥ ८९ ॥ गति० ॥ उर्मतीस्युंइमठरावीउं ॥ आपणेंहण
 वोएराया ॥ वलीशांसलीअस्तीषेकवारता ॥ तवचितांइणपरेथाय ॥ ९० ॥ गति० ॥
 मीथ्यास्तीनिवेशेंचितवे ॥ उष्टचित्तेंविपरीतवात ॥ जुउंएअस्तीषेकनामिसय
 की ॥ करस्येमुऊनेंइमघात ॥ ९१ ॥ गति० ॥ इमठलीउंऊंजाउंकिमें ॥ अथ
 वाहोएसाचिवात ॥ पणिएहनुंआप्युंलेवुंनही ॥ एहमांस्योजसअमथात ॥
 ॥ ९२ ॥ गति० ॥ जोरायनेंमारीलीजीशाबलथीतोजसबळथाय ॥ इणअवशरिराय
 बोलाविउं ॥ तूम्हेआवोतूम्हकरंराय ॥ ९३ ॥ गति० ॥ पणिएनहीतेआवुं ॥
 तवशाथेंलेइप्रतिहार ॥ नृपचाट्योकूमरसवनजिहां ॥ उंजोइसहसाकार ॥
 ॥ ९४ ॥ गति० ॥ तवआणंदमनमांचितवे ॥ आठेसुंदरप्रस्ताव ॥ इरपाइंकरी
 नेंबोळिउं ॥ मारि २ तणोआराव ॥ ९५ ॥ गति० ॥ लेइतरवारनइंमारीउं ॥
 जेपासेंहतोप्रतिहार ॥ पठेंआव्योनरपतिउपरि ॥ किधोवलीगाढप्रहार ॥ ९६ ॥
 गति० ॥ तिहांकोलाहलवळुउठव्यो ॥ नृपसैन्येकरयोसंकोत ॥ आणंदकू
 मरनेंवीटीउं ॥ मांम्योसंधामअथोत ॥ ९७ ॥ गति० ॥ निजदेहद्रोहसपथेंक

री ॥ ताषेनिजसैन्यनेंश्म ॥ मुळव्यापदनथयुंदेखज्यो ॥ हवेएहनेमारोकेमा ॥
 ॥ ९८ ॥ गति ० ॥ करोराज्यासीषेकतेएहनें ॥ एजांणज्योतूमचोराय ॥ इणें
 अवजोरंकूमरेंऊकमकस्थो ॥ दूरमतिनेंतिहांबोलाय ॥ ९९ ॥ गति ॥ बांधो
 नीवमबंधनेंकरी ॥ तवआव्योरायनेंपास ॥ कूलपुत्रपामीनेंबांधीज ॥ नृपए
 काकीकस्योपास ॥ १०० ॥ गति ० ॥ विसवासीपुरुषनेंसूंपीज ॥ पुरलोकनी
 भंगीताम ॥ ठविसर्वव्यवस्थाराज्यनी ॥ पोतेथयोरायनेंठांम ॥ १०१ ॥ ग
 ति ० ॥ इंसमरादित्यनारासमां ॥ पदमेंवरविशमीढाल ॥ कहिबिजेखंमेए
 सांतली ॥ मकरोकोईकर्मजंजाल ॥ २ ॥ गति ० ॥ ॥ ॥
 ॥ इहा ॥ सामंतमंजलवशकरी ॥ रायनेंचारकमांहि ॥ नाप्यातेचारकहवे ॥
 वर्णवस्युंदूःखज्यांहि ॥ ३ ॥ असुचिमथतांआकरी ॥ दाषेजिमदूरगंध ॥
 सिरीसर्पफूटिस्तीतीमां ॥ देखांमेबहुंधंध ॥ ४ ॥ मांषीमशामढरघणा ॥ सिण
 तीणनात्तणकार ॥ रजउकेरीमुसाकरे ॥ अधीकोजिहांअंधकार ॥ ५ ॥ सीर
 परकांचलीसरपनी ॥ लटकेलंबायमान ॥ लूतांतूजालाघणी ॥ सिमंतनरय
 समान ॥ ६ ॥ विषमकालनुंवासघर ॥ सयलदूःखनोसखाय ॥ अधरमनी
 लीलाअवनि ॥ कुलघरडःखकहाय ॥ ७ ॥ ढाल ० ॥ जीवजिवनप्रसूकिहां
 गयोरे ॥ एदेशी ॥ करमतणैगतिसांतलोरे ॥ करज्योविचारीकर्मरे ॥ एकप
 षेंवयरेलहेरे ॥ डःखतोअन्यनोत्तर्मरे ॥ ८ ॥ कर्म ० ॥ रांणींणिपरेंसांतलीरे ॥
 चारकमुंक्यारायरे ॥ आक्रंदत्तैरवमुंकतीरे ॥ म्लानथईजसकायरे ॥ ९ ॥
 कर्म ० ॥ माहटामुक्ताफलसारीखारें ॥ आसूंजरेतिणीवाररे ॥ हारउपमपांमें
 तदारें ॥ रोकेचोकीदारें ॥ १० ॥ कर्म ० ॥ मणीवलयेंकरीरणजणें ॥ एहवेक
 रेंकरीजेहरे ॥ डखःआवेशबलेंकरीरे ॥ ठेलीकाढ्यातेहरे ॥ ११ ॥ कर्म ० ॥
 कुटेरुदयत्रोमेकेशनेरे ॥ मुखमासासनमायरे ॥ नयनकेशेंकरीठांकीआरे ॥
 रषेपतीअवस्थादेषायरे ॥ १२ ॥ कर्म ० ॥ कुसूमावलीपरमुखसजरे ॥ पोह
 तूंअंतैउरतढरे ॥ लोहनिगमेंपूरयोनरपतिरे ॥ दिगोचारकजढरे ॥ १३ ॥ क
 र्म ० ॥ अनुचितसेव्युंबहुअमेरे ॥ मानुंदेषावतिंमरे ॥ हारपणमानुंदूखथी

रे ॥ अधीककूटेधरीप्रेमरे ॥ १४ ॥ कर्म० ॥ नरपतीदेषीएहवुरे ॥ रक्तकपु
 रुषनीपासरे ॥ कहेवरावेएस्युंकरोरे ॥ निःफलएहप्रयासरे ॥ १५ ॥ कर्म० ॥
 जेहथीअधर्मपरंपरारे ॥ तेकिमकरीइंशोकरे ॥ लषमीचंचलज्युंविजलीरे ॥
 मानेशीरमुंढलोकरे ॥ १६ ॥ कर्म० ॥ सूपनसमासंगमकझारे ॥ नवीसमजे
 एहजिवरे ॥ ठेहमारागविदासनारे ॥ एहवाएमसदैवरे ॥ १७ ॥ कर्म० ॥ अ
 विवेकीजनआचरेरे ॥ तिमकरीइंनविदापरे ॥ सूरवडखसऊइंअनुंतवेरे ॥ के
 वलकिधांआपरे ॥ १८ ॥ कर्म० ॥ जिवलोकमांसारजेरे ॥ श्रीजीनवयण
 रसादरे ॥ तवशायरतरीइंजिणैरे ॥ पांमीइंसूरवविजालरे ॥ १९ ॥ कर्म० ॥
 तेपांम्याढोताम्यथीरे ॥ आदरोतेहजसाररे ॥ एहटाळीवीजोनहीरे ॥ डःखढो
 णावणहाररे ॥ २० ॥ कर्म० ॥ सूपतिइंइंमजेकझुरे ॥ सांसल्यूसऊइंतेहरे ॥
 एहएमजइंममानतारे ॥ नहिअन्यथाकांइंएहरे ॥ २१ ॥ कर्म० ॥ सूपति
 नीआंणालहीरे ॥ ॥ आणंदनीवलीइंमरे ॥ वलातकारेआणालहीरे ॥ धारीधर्म
 स्युंप्रेमरे ॥ २२ ॥ कर्म० ॥ गंधर्वदत्ताविद्याधरीरे ॥ आन्यांअमणीशुद्धरे ॥
 पासेंप्रवर्ज्याआदरेरे ॥ तत्वजाणअतिबुद्धरे ॥ २३ ॥ कर्म० ॥ धन्य
 एराणीएहनरीरे ॥ धन्यएरायसूजाणरे ॥ जाण्युंपणिएहनुंपहरे ॥ एहनुंजत
 त्वविन्नाणरे ॥ २४ ॥ कर्म० ॥ बिजेखंमेनीरमलीरे ॥ एकविसमीएढालरे ॥
 समरादित्यचरीत्रनीरे ॥ पद्मकहेसूरजालरे ॥ २५ ॥ कर्म० ॥ डहा ॥ इण
 अवशरिआणंदअती ॥ कदर्थनाकरेनीत्य ॥ उपशमनृपअतिआदरे ॥ क्रो
 धनकरेकूमीत्त ॥ २६ ॥ मनचित्तेनहीमाहरु ॥ आयुअधीकएवार ॥ अण
 सणऊंहवेआदहू ॥ पामुंजिमसवपार ॥ २७ ॥ इमकरीअणसणआदस्युं ॥
 आणंदअवनीपाल ॥ सांसलीअणसणसीहनुं ॥ कोप्योकपूतकराल ॥ २८ ॥
 ढाल ॥ हारेम्हारेजौवनीयानो लटकोदिहामाच्यारजो ॥ एवेशी ॥ हारेम्हारे ॥
 देवसरमनामेकोइंपुरुषमहतजो ॥ तेहनैरेइंमवातसीखावेजइंकहारेलो ॥ हा
 रे ॥ ॥ तोजनकरिकेनहीतरमारीसहाथिजो ॥ इमसांसलीनेंगयोवृषपासेंदू
 खग्रहारेलो ॥ २९ ॥ हारेण ॥ जइनेदिठेरायवे ॥ ॥ तोलेरेइंमवा

णीसूजाणसोहामणीरेलो ॥ हारे० ॥ देववसेंप्राणीनेसूखडुखथायजो ॥
 एहदेवसज्जअवगुणयाहीशिरोमणीरेलो ॥ ३० ॥ हारे ॥ विनययकीपणिन
 वीआराधवायोग्यजो ॥ इतिअवशरणनवीउलपेएकदारेलो ॥ हारे ॥ के
 वलजननेअनरथकेरोगणजो ॥ मत्तहस्तीपरेंस्वेढाचारीएसदारेलो ॥ ३१ ॥
 हारे० ॥ गंगाप्रवाहपरेंरुजुवकसदायजो ॥ अंधकारपरेंकरेनिपातसज्जतणेरे
 लो ॥ हारे० ॥ विषग्रंथीपरेंसरवस्वादप्रतीकुलजो ॥ अनुंकूलएतोजाणोअस
 मीहीततणेरेलो ॥ ३२ ॥ हारे० ॥ यद्यपीशमढेतोपणपुरुषाकारजो ॥ नविढे
 मीजेसतपुरुषेरुणमातथीरेलो ॥ हारे ॥ पुर्वउपाजितकर्मपरिणामतेदेवजो
 तेपुरुषाकारेजीताईजातिथीरेलो ॥ ३३ ॥ हारे ॥ तेकारणअवलंबोपुरुषाका
 रजो ॥ आहारग्रहणकरींजिमधरींदेहनेरेलो ॥ हारे ॥ जिवताप्राणीआपद
 आणीअंतजो ॥ पांमेरसंपदजांआपदतेहनेरेलो ॥ ३४ ॥ हारे० ॥ रा
 जाबोलेसाजांवयणरसालजो ॥ देवशर्मासुत्तकमासांसलिमाहरीरेलो ॥ हां ॥
 वातसुजातनमुंकोपुरुषाकारजो ॥ देशकालसंतालीवातमेंआचरीरेलो ॥ ३५ ॥
 हां ॥ लीधीदीक्षातावथीशिखाधारिजो ॥ संपदअसिलाषानहीताषासीक
 हारेलो ॥ हां ॥ उचितकालसंतालीमेअणसणकीधजो ॥ आहारग्रहणनविक
 रींकोईपरेंदहारेलो ॥ ३६ ॥ हां ॥ तवतेबोद्योंचित्तनविमोद्योंतुमजो ॥ आ
 हारलेवामांपणितुमसुततेकोपस्येरेलो ॥ हां ॥ राजाकहेएलहेअकारणकोप
 जो ॥ एहकोपीसुत्तलोपीस्युंआरोपस्येरेलो ॥ ३७ ॥ हां ॥ सच्चपइन्नाकीन्ना
 तेनविजायजो ॥ तवतेकहेतुमेसुतवत्तांतजाणोसवेरेलो ॥ हां ॥ तुल्लसरीरने
 पीरकरेरषेएहजो ॥ हवणांवयणकटुकटुकमुखथीतेचवेरेलो ॥ ३८ ॥ हां ॥
 चितवेकेतवेंइणअवसरनृपपुत्रजो ॥ किमनविआव्योसाव्योमनमांसूपतीरेलो
 ॥ हां ॥ अमरषत्तरीउदरीउकोधकषायजो ॥ खमगलेइआव्योसाव्योनिजरु
 पथीरेलो ॥ ३९ ॥ हां० ॥ आहारग्रहणकरनहीतरढेडंसीसजो ॥ इणेरवाल
 करालउपमजमजीहनीरेलो ॥ हां ॥ रायकहेकुंणबीहकलहेठेएहजो ॥ का
 यामायाप्राज्ञणीकोइकदीहनीरेलो ॥ हां ॥ ४० ॥ मरणशरणतोअवस्यकरे

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशाखतनाणेंतेवेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्त्तसमयथोस
 मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवंतोकिमकहीइएपणवेदनैरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो
 कनोबहुलोकतणेंएसाथजो ॥ चालंतांवरम्हालंतांकोईआगळैरेलो ॥ हां ॥ पो
 हतोवहेलोकहोतोस्योसयतजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतयइसागरगळैरेलो ॥
 ॥ ४२ ॥ हां ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइमजा
 णीइरेलो ॥ हां ॥ जन्ममरणमानहीकोशरणविचारजो ॥ व्रतआदरताधरताचि
 त्तजिनवाणीइरेलो ॥ ४३ ॥ हां ॥ जरामरणनैरोगशमणजिनवयणजो ॥ एह
 रसायणअमयसुसायणसारठैरेलो ॥ हां ॥ पीधुंकीधुंकामतिणेंनहीसीतिजो ॥
 जन्ममरणनीजाणंतिणेंमुळपारठैरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापमें
 लसविधोयजो ॥ स्वजनकुटुंबनिगमतेसागीलोहनैरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल
 विकरालकरेंस्युंतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनैरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥
 एहकलेधरधरमांपणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेतेहनेंसरीरसंलेषीउरेलो ॥
 ॥ हां ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुरेवरमरणतेउत्सवदे
 षीउरेलो ॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयग्रंथुंजिणेंसाथेंशुरूजो ॥ मरणसमाधिनि
 रबाधेंमागेंमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेंहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुंमर
 णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इणिपरेंनरप्रतिशुत्तमतिबोलेबो
 लजो ॥ बीजेंपंढेढालएवावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुंवीरजअति
 शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेंइमरापोदढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥ दूहा ॥ काळो
 सर्पकृतांतळारोगव्यसनविषराशि ॥ दीर्घदाढितेंदेषींश ॥ पुंठिनमुंकेपास ॥ ४९ ॥
 जालमस्युंजुरुनविहोइ ॥ नासीसकाइनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा
 रोगनहीजांहि ॥ ५० ॥ ढाल ॥ करकंभूनेकरुंवंदनाझुंवारीलाळ ॥ एदेशी ॥
 रोगशोगमानवघणा ॥ झुंवारीलाळ ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥ झुं ॥ तेहनोस्यो
 आसरोझुं ॥ झुं ॥ तिणेंएधर्मसंयोगरे ॥ झुं ॥ ५१ ॥ जिनवयणेंइमदढरहो ॥ झुं ॥
 एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइ ॥ झुं ॥ तेजमरायप्रमादरे ॥ झुं ॥ कायर
 सेवितमतदिउ ॥ झुं ॥ मुळअपयशनोवादरे ॥ झुं ॥ ५२ ॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआवी

धिवेदननहीरोस ॥ नहीपरचक्रनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमशोतामलीजी ॥
 ॥ ६ ॥ नारिनोसरलस्यताव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥ राजधानीपंचबाण
 नीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेसत्यवाच ॥ नहीकोईहोशंजिमकाच ॥ आ ॥ राजा
 अजितसेनतिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ संग्रामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद ॥ आ ॥
 सूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनैब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥
 इंद्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ शुसंकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमऊरि ॥ आ ॥
 आणंदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ कृयकरीसागरआय ॥ बलीसंसारसमाय ॥
 ॥ आ ॥ उंणंअ्यारसागरपढीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जादिनीनामते
 गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रधान ॥ बुद्धिसागर
 अतिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनैदीधीतेह ॥ सु
 खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इणेंअवसरेंसि
 हदेव ॥ जादिनीकूषेहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मशकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें
 सुपनैताम ॥ कनककलसअतिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमपिसतोजी ॥ १७ ॥
 मातनैनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ सागोतेपणिकिमहीकेंजी ॥
 ॥ १८ ॥ जागीसुपनुंदेष ॥ नविकक्षोपतिनेरैष ॥ आ ॥ शुसअशुससंकीर्ण
 थीजी ॥ १९ ॥ गर्सतेवधतोजाय ॥ देहमनपीमाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपाहुं
 एगर्सनैजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ गर्स
 कुशलषेमैरहोजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तैवात ॥ परीजननैसमजात ॥ आ ॥
 जालवज्योतुमेगर्सनैजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
 ॥ आ ॥ सावचेतरहैज्योसऊजी ॥ २३ ॥ जबएजनमतेथाय ॥ कहैज्योमु
 ऊनैआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
 जिनपूजुंसुविदास ॥ आ ॥ तपसीनीतगतिकरुंजी ॥ २५ ॥ प्राणीनैदेउंदाना
 धर्मसांसदीशंकान ॥ आ ॥ तेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्सप्रसावेंशम ॥ उ
 त्तमवस्तुनोप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनैजी ॥ २७ ॥ चितवैतेहनी
 माय ॥ मिलाउएसमुदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीइंहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअसिप्राय ॥ बंधूजीवासखीयाय ॥ आ ॥ तापेंइमतसवयणमांजी ॥
 ॥ २९ ॥ एहगर्सेपाप ॥ दिशुमनेसंताप ॥ आ ॥ एहगर्सेनेपरठवोजी ॥
 ॥ ३० ॥ अंतरसरीउकरवाय ॥ बोलीसुसंकरामाय ॥ आ ॥ लाजतीकहेजा
 एतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबाळकतेह ॥ कछूब्रह्मदत्तनेएह ॥ आ ॥ ठांनोपा
 लेतेहनेजी ॥ ३२ ॥ लोकमांकाढीवात ॥ बाळकमृतआयात ॥ आ ॥ इमक
 रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थापेंतेहुनुंनाम ॥ सिखिकुमारअसिराम ॥ आ ॥
 बधतोकलायहतोयकोजी ॥ ३४ ॥ समरादित्यनोरास ॥ श्रीजेखंमेउछास ॥ आ ॥
 ॥ ढालप्रथमपदमेकहीजी ॥ ३५ ॥ इहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो ॥ वा
 स्योअतिवैराग ॥ जननीइपणिजाणिउ ॥ एहसंबंधअसाग ॥ ३६ ॥ क्रोधय
 कीतिकलकली ॥ तापेंपतिनेंसाषा ॥ जोतुऊएहस्युंकाजगे ॥ तोहवेंमुऊमतराष
 ॥ ३७ ॥ सयलकामतज्यांसांमटां ॥ पाणीनकरेपाना ॥ सिखिकुमारएहवउसुणी ॥
 उदवेगकरेंअमाना ॥ ३८ ॥ घरथीनीकलीउघणं ॥ चितेंचातूरचित्ता ॥ मातापणमा
 तुंकरो ॥ अघआव्यूअपवित्त ॥ ३९ ॥ इणिव्यतिकरथीडरवीउ ॥ तातअतिपेदाता ॥
 जुगतुनविरहेंवुंजरा ॥ इमचितीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउपूढ्याविना ॥ अ
 शोकवनउद्यान ॥ मोहतोतवतिहांपेपीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥ ४१ ॥ ढाल ॥
 मोहनगाराहोराजिरूमांमहारासांतलिसुगुणासुमा ॥ एदेशी ॥ बहुशिष्येकरीपरि
 वस्याजी ॥ गुणमणिरयणसंमार ॥ एकअसंजमढालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा
 रकें ॥ ४२ ॥ मुनिवरवारुहोराजिवंदो ॥ तुमेसवरपापनिकंदो ॥ एआंकणी ॥ वि
 णिदंमयीविरमीयाजी ॥ नकरेंच्यारकरवाय ॥ पांचइंदीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले
 जेपटकायके ॥ ४३ ॥ मु ॥ मुंकाणासयसातथीजी ॥ टाट्याअममदवाणानव
 ब्रह्मचर्यगुमिधरेजी ॥ टालेंपापनिंयाणके ॥ ४४ ॥ मु ॥ दशविधसंयमपाल
 ताजी ॥ अंगअग्यारनाजाण ॥ बारेंसेदेतपकरेंजी ॥ इमगुणरयणीपाणिकें
 ॥ ४५ ॥ मु ॥ विजयांसहनामेंगणीजी ॥ देखीलसोआणंदा ॥ चितवेंधनएमुनीवरु
 जी ॥ सेवेंधर्मअमंदकें ॥ ४६ ॥ मु ॥ अघिरसंसारसनेहगेजी ॥ किमकीधोए
 ॥ पूतुंकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोवैराग्यकें ॥ ४७ ॥ ॥ जइप्रणम्या

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीइंदीउधर्मदाह ॥ बेठोमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
 धरेचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूठेंकिमतूमेपामीयाजी ॥ इणपरेस्तवजेद्वग ॥ सर्वा
 गेंसुंदरतुमेजी ॥ दावण्यअतिहिविवेगकें ॥ ४९ ॥ मु ॥ तनुसुंदरतासूचवेजी ॥
 विसवतणोप्रागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारके ॥
 ॥ ५० ॥ मु ॥ सजनवर्गडांमीकरीजी ॥ थंयानिर्ममनिसंग ॥ कहोकारणगुरुते
 हनुंजी ॥ सुणवानोमुऊरंगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुतापेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी
 दुतेंसार ॥ हादचांमशोणितसस्युंजी ॥ असुचितणोसंभारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
 अर्थअनर्थनुंमूलजेजी ॥ तेहमांस्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥
 सयणतणोसंबंधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिरस्योदलवलेजी ॥ रोगलस्योज
 वआप ॥ बाहचीनलीइरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसंतापकें ॥ ५४ ॥ मु ॥ मरीजाय
 वलीएकलोजी ॥ सयणजोइरहेताम ॥ रोवेनयणआंसुऊरेंजी ॥ सयणकुटंब
 नोग्रामकें ॥ ५५ ॥ मु ॥ बांधेकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेतसफलएक ॥ कुंण
 स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीथायेंमा
 वमीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिममुंजा
 यकें ॥ ५७ ॥ मु ॥ इहांदृष्टांततेमहरोजी ॥ सांसलथईसावधान ॥ इणहिजविज
 यमांनीपनोजी ॥ लढिनिलयपूरजांणिकें ॥ ५८ ॥ मु ॥ सारथवाहनानेतिहां
 जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ जंतसपुत्रवरवाणकें ॥
 ॥ ५९ ॥ मु ॥ कुमरअवस्थाइवर्त्त ॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
 र्वतउपरेजी ॥ क्रीमाकरवामन्नकें ॥ ६० ॥ मु ॥ तिहांदीगोशकथानकेंजी ॥
 नालीएरीसुविशाला ॥ स्निग्धपत्रसंचयमढ्योजी ॥ दिइंकौतुकतेसालिकें ॥ ६१ ॥
 ॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठोप्रथवीमांहि ॥ कौतुकथीजोतोथकोजी ॥
 चितेंतेमनमांहिकें ॥ ६२ ॥ मु ॥ एवमोदृक्एवमेथकेंजी ॥ उतरीउएपाद ॥
 धरतीमांपेंठोवलीजी ॥ कारणकोईअविवादकें ॥ ६३ ॥ मु ॥ त्रीजेंखंमेइणीपरें
 जी ॥ बेठोकरेंविचाराबीजीढालपदमकहेंजी ॥ पुंण्येजयजयकारकें ॥ ६४ ॥ मु ॥
 ॥ इहां ॥ इणेंअवसरमुऊउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ बायरासुरत्तिवाईया ॥

आवेतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीने ॥ सावजप्रमुखसनेह ॥ षट्क
 तुकुसुमफूट्यांषरां ॥ भमरगुंजतसमेह ॥६६॥ लषमीपरवतलहकीउ ॥ देतो
 अतिआणंद ॥ तापविनासूरजतपे ॥ पाम्योपरमाणंद ॥६७॥ ऊंचितुंअहोएह
 स्युं ॥ सुवनअगेरासूत ॥ इणेंअवसरतिहांआवीउ ॥ देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥
 रविमंजुलपरैराजतुं ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमदृष्टिबझकीजते ॥ रयणमं
 मिततिणेंगेर ॥६९॥ पठिमदिशथोपरवस्युं ॥ देवसमूहेदीठ ॥ धर्मचक्रधर्म
 घोरिनुं ॥ आव्युंअतिउकीठ ॥७०॥ स्वेतांबरबझसाधुजी ॥ पाउधास्यापरि
 वार ॥ आख्याहवेंइणेंअवसरें ॥ प्रतुजीपरमरूपाल ॥७१॥ ढाला ॥ करेलणंघ
 न्दये ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेआकाशमां ॥ उत्रचलेआकाश ॥ देवडंडसीवली
 वाजती ॥ गाजीरसोआकाश ॥७२॥ सविकजनहरषोरो ॥ जगतमांजोतांदेव
 नहीएहसरिषोरे ॥ एआंकणी ॥ गगनेंचामरचालतां ॥ सिंहासनपायपीठ ॥ क
 नककमलउपरिठवे ॥ पादकमलमेंदीठ ॥७३॥ स० ॥ अजितदेवतिडंकरु ॥
 सुरनरबझगुणगायाधूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधास्यातिणेंगाय ॥७४॥ स० ॥
 सवसायरतरीयाजिके ॥ परियातास्याजेण ॥ सरियांकारिजआपणां ॥ दीग
 जवनयणेण ॥७५॥ स० ॥ हरषथयोमुऊनैघणो ॥ नागेरोगमिथ्यात ॥ स
 मकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंधात ॥७६॥ स० ॥ चितुंचित्तमांएहवुं ॥
 धन्यथयोऊंआज ॥ जगचितामणिसारिषा ॥ दीगश्रीजिनराय ॥७७॥ स० ॥
 रजतकनकरयणांतण ॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणां ॥ कोसी
 सांसुप्रकार ॥७८॥ स० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ दृढ
 अशोकवारसगुणो ॥ द्वादशउत्रउदार ॥ ७९॥ स० ॥ दिव्यवैमूर्यसिंहासणें ॥
 चामरचोवीसजोमि ॥ धर्मध्वजमंजितवली ॥ सहसजोयणनहीजोमि ॥८०॥
 ॥ स० ॥ समवसरणबेंगाप्रसू ॥ अजितदेवसगवान ॥ धर्मकथाप्रारंस्तता ॥
 सबजलनावसमान ॥ ८१ ॥ स० ॥ बेंपासेंदोयदेवता ॥ वेणंजवावेंसार ॥ प्रतु
 वाणीनेंपूरता ॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ स० ॥ बीजांपणिवाजांसबे ॥
 देशनारागप्रमाण ॥ उतरेंइमअतिशयप्रसू ॥ स्यांस्यांकंरुवपाण ॥ ८३ ॥ स० ॥

देशनामां हवें सापीउ ॥ एह अथिर संसार ॥ मुऊने पणिते परिणम्यो ॥ उपनोह
 र्ष अपार ॥ ८४ ॥ स० ॥ पूढ्यूं में प्रणमीकरी ॥ साषोक रुणावंत ॥ एक अचरि
 ज मुऊ मोटकं ॥ किम होस्यें सगवंत ॥ ८५ ॥ स० ॥ पादनाली एरी केर मो ॥
 किम उत्तरीयो एह ॥ एह ने हे ठल द्रव्य ठे ॥ केन ही मुऊ संदेह ॥ ८६ ॥ स० ॥
 बेतोस्यें परिमाण ठे ॥ कोणें घाट्युं एह ॥ तेहनो कि स्यो विपाक ठे ॥ परस वेसोग
 वें जेह ॥ ८७ ॥ स० ॥ परमेश्वर साषें हवें ॥ उतरीउ एह पाय ॥ दोस दोष थो
 जाण ज्यो ॥ द्रव्य अठें इण गाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ सोन श्यासात लाष ठे ॥ तुम्हेने
 पादनो जीव ॥ विऊं जणें मली दाटीउं ॥ तास विपाक अतीव ॥ ८९ ॥ स० ॥ ध
 रम साधक विपाक ठे ॥ इम बोढ्या जव स्यामि ॥ तब में फरीने पूढिउं ॥ विनयें क
 री परिणाम ॥ ९० ॥ स० ॥ किम ह्वें ने नाली एरीइ ॥ दाट्युं धन एइम ॥ विपाक
 मां अंतर पम्यो ॥ एह यई गयुं केम ॥ ९१ ॥ स० ॥ प्रसुजी कहें विस्तार थो ॥ एह
 विपाक निवाता ॥ देखीतुं होय थो मलुं ॥ पणिव ऊज दयें आयात ॥ ९२ ॥ स० ॥ समरा
 दित्य नारास मां ॥ त्री जें खमें एहा ॥ ढाल त्री जी पद में कही ॥ मधुर सिता थो जेह ॥ ९३ ॥
 ॥ स० ॥ उह ॥ एह विजय मां अमर पुरा ॥ अमर देव अतिधाना ॥ गाथा पतित सगुण स
 री ॥ सुंदरी स्त्री सुसवान ॥ ९४ ॥ दोय पुत्र तुमे दीपता ॥ आदि गुण चंद एक ॥ बा
 ल चंद बीजो वलि ॥ कहीन जाइ टेक ॥ ९५ ॥ यौवन पास्यो जेत लें ॥ सरी क्रियां
 णां साय ॥ इण हिज देउं आवीया ॥ वेगे करी व्यवसाय ॥ ९६ ॥ आव्यो लास म
 नई ठीउ ॥ इणें अवसर शकराया ॥ विजय वर्मना में वमो ॥ आवें एकराया ॥ ९७ ॥
 तेन गरिनो अधिपति ॥ सुरतेज निज साथ ॥ सार २ निज साथि द्यें ॥ इण प
 रवत करी साथ ॥ ९८ ॥ चढीउं नरपति चूं पस्युं ॥ परबल नो सय पामि ॥ तुमे पणि
 विऊं पोता तणो ॥ प्रोम्या लेइ दाम ॥ ९९ ॥ इणें थान क आवी करी ॥ विऊं जणें करी
 विचारा ॥ द्रव्य सूमि मां दाटीउं ॥ सुपरि कीधिसार ॥ १०० ॥ सर्व गाथा ॥ १०५ ॥ ढाला
 अरणि क मुनिवर चाट्या गोचरी ॥ ए देखी ॥ कोइ दिन हवे गुंण चंद चितवो ॥ दोस दो
 स थो इम जी ॥ साग एले सेरे साइ माहरो ॥ मरण लहें करुं तेम जी ॥ १०६ ॥ गति परिमां
 णे रे मति इम उपजें ॥ ए आंकणी ॥ ऊँर प्रयोगे रे मास्यो भातने ॥ स्वारथिया सवि

लोकजी ॥ लोसदोषथीरेनगण्योत्ताईने ॥ करवोमोहतेफोकजी ॥ ७ ॥ ग० ॥
 शुश्रुस्वसावेरेतुमेतिहांथीमरी ॥ व्यंतरमांथयादेवजी ॥ नागतेकरम्योरेगुणचं
 दनेतिहां ॥ मरणलस्योततषेवजी ॥ ८ ॥ ग० ॥ द्रव्यनसोगव्युरेकर्मबंधाईं ॥
 रतनप्रसांजायजी ॥ तुमेपणिदेशेजंफं पच्यनुं ॥ चवीयासोगवीआयजी ॥
 ॥ ९ ॥ ग० ॥ इणहिजविजयेरेढंकणापुरवरें ॥ हरिनंदीसब्बाहोजी ॥ वसुम
 तीत्तार्याकूषेंउपनो ॥ मातनेहर्षअथाहोजी ॥ १० ॥ ग० ॥ देवदत्ततुळनामते
 थापीउं ॥ हवेंनारकगुणचंदोजी ॥ कालथीउपनोनिहाणनेढूकमो ॥ ना
 गकषायनोढंदोजी ॥ ११ ॥ ग० ॥ द्रव्यपरिग्रहकरीबेंगेतिहां ॥ तवतिहांउत्स
 वथाईंजी ॥ लषमीपर्वतवासिदेवीनो ॥ तुंपणितेणेंसमेंजायजी ॥ १२ ॥ ग० ॥
 देवतापूजिरेदीनअनाथनें ॥ दीधुंकरुणाइंदानजी ॥ करीरसोईनीसामग्रीसबो ॥
 करीसोजनवलीपानोजी ॥ १३ ॥ ग० ॥ पूरवसवनास्नेहथीजोयवा ॥ रमणी
 कपर्वततेहोजी ॥ समतोरेआव्योतिहांकिणें ॥ दीगेनागेतेहोजी ॥ १४ ॥ ग० ॥
 लोसेंजाण्युरेद्रव्यएलेईजस्यें ॥ करम्योचरणनेदेशजी ॥ विषअतिउघेरेपमि
 उधरणीइं ॥ नहीकोईसंज्ञाविशेशोजी ॥ १५ ॥ ग० ॥ ताहरेलोकेरेमास्थोनागने ॥
 उपनोइणहिजठामोजी ॥ सीहपणेंतेरेपूर्वअत्यासथी ॥ द्रव्यपरिग्रहतामोजी ॥
 ॥ १६ ॥ ग० ॥ तुंपिणकालकरीएहविजयमां ॥ कयंगलापुरीसारोजी ॥ सि
 वदेवनामेरेकुलपुत्रकवसें ॥ यशोधरातसनारिजी ॥ १७ ॥ ग० ॥ तेहनीकू
 षेरेइंद्रदेवथयो ॥ पाम्योयोवनवेदोजी ॥ कालगयोकेइहवेतुळसूपति ॥ वीर
 देवनामेंनरेशोजी ॥ १८ ॥ ग० ॥ लळिनिलयनोरेस्वामीजाणीइं ॥ मानसंगनामेरा
 योजी ॥ मोकलीउतुळतेनरपतिकङ्गे ॥ केईपुरिससमुदायोजी ॥ १९ ॥ ग० ॥
 अनुक्रमेंआव्योरेइणहीजथानकें ॥ जीवपादपनेंहेठिजी ॥ जबतुंबेंगेरेतवद
 रीमुखरस्यो ॥ सिंहतेसावजजेठजीरे ॥ २० ॥ ग० ॥ लोसथीसंज्ञारेधरीनें
 मारीउं ॥ एहअनादीअत्यासोजीरे ॥ तुम्हेपणिमास्थोरेसिहनेंदोयमरी ॥ उप
 नाएहजवासोजीरे ॥ २१ ॥ ग० ॥ श्रीपुलकपाटणमांहिवसें
 मालोजीरे ॥ माईजरकाजसनारीचंमालिनी ॥ कुं ॥ ५

॥ ग० ॥ अनुक्रमेण जनम्यारेनामतेथापीत्रां ॥ कालसेनताहसंथायजीरे ॥ चं
 मसेननालीएरीजीवनं ॥ अनुक्रमेण जीवनपायजीरे ॥ २३ ॥ ग० ॥ एकदिन
 लढीरेपरवतेतेगया ॥ आहेमानेकांमजीरे ॥ कोलतेमाखोरेआव्यांणदेशे ॥
 ज्वलनेपचाव्योतामोजीरे ॥ २४ ॥ ग० ॥ सकृणकरवारेवेगतेबिऊ ॥ तवए
 कलेईकटारोजीरे ॥ अनरथदंभेरेधरतीषोदतो ॥ चंमसेनतेतिवारोजीरे ॥ २५ ॥
 ॥ ग० ॥ द्रव्यकलशनीकनारितेदेखतो ॥ गोपनलागोतेहजीरे ॥ तेंपाणिदिगो
 रेपणितूळमारीउ ॥ द्रव्यलोसएअढेहोजीरे ॥ २६ ॥ गति० ॥ कालंकरीनेरे
 त्रिजीनरगमां ॥ पांचसागरनेआयजीरे ॥ तुंतिहांउपनोरेएहतोइंहारस्यो ॥ मुं
 केनद्रव्यनोठायजीरे ॥ २७ ॥ ग० ॥ इमतिहारहेतारेकेईवरसगयां ॥ पणि
 द्रव्यनोनहिसोगजीरे ॥ वयरीचंमालेरेआवीमारीउ ॥ सर्वअथीरसंजोगजीरे ॥
 ॥ २८ ॥ ग० ॥ अष्टादशसागरनेआउषे ॥ ढीनरगेजायजीरे ॥ तुंहवेनिक
 लीरेश्रीमतीगांममां ॥ पुन्येनरत्नवपायजीरे ॥ २९ ॥ ग० ॥ श्रीसमरादित्य
 रासमांएकही ॥ त्रिजेखंढेढालजीरे ॥ पद्मविजयकहेचोथीसांतलो ॥ आग
 लवातरशालजी ॥ ३० ॥ ग० ॥ डहा ॥ साक्षितप्रतीहांसेगीउ ॥ नंदणीनामें
 नारि ॥ सूततेहनोसोहामणो ॥ जनमतेथयोतिवार ॥ ३१ ॥ बालसुंदरनामें
 वली ॥ जौवनपांम्योजाम ॥ सीलदेवसोहामणा ॥ मिलीआमुनीवरताम ॥
 ॥ ३२ ॥ सांतलीतेहनीदेशना ॥ तथासव्यपण्तास ॥ पक्कथयुंतिणेंपांमीउ ॥
 सरधाधर्मसुवाश ॥ ३३ ॥ आवकिब्रतपणसेवित्रां ॥ अणसणविधीआराधि
 ॥ उपनोलांतकअमरते ॥ अलगीगईउपाधि ॥ ३४ ॥ तेरसागरउंणंतके ॥
 पुरणआयुपाधि ॥ उपजेतेकऊंआगलें ॥ सांतलज्योसंतालि ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
 देशीसाहेदानी ॥ साहेलांहे ॥ इणहिजविजयमफार ॥ हथीणउरनयरेवसे
 होलाल ॥ सा० ॥ सूरहस्तिइणनाम ॥ नयरसेठसऊमनवसेंहोलाल ॥ ३६ ॥
 ॥ सा० ॥ कांतिमतीतसनारि ॥ तेहनीकूषिउपनोहोलाल ॥ सा० ॥ ढीनरग
 थीआय ॥ बिजोसाईहवेनीपनोहोलाल ॥ ३७ ॥ सा० ॥ तुळपीतानेंगेह ॥ सो
 मिलादाशीसोहामणीहोलाल ॥ सा० ॥ तेहनीकूषिपुत्र ॥ जनम्यातवऊंसिजघ

एणीहोलाल ॥ ३८ ॥ सा० ॥ ताहूखसमुद्रदत्तनाम ॥ दाशनुमंगलथापीउंहोलाल
 ॥ सा० ॥ अनुक्रमेंथयाकूमारे ॥ अंगेंजौवनव्यापीउंहोलाल ॥ ३९ ॥ सा० ॥
 इणिअवशरिअणगर ॥ अनंगदेवसूरीमंट्याहोलाल ॥ सा० ॥ तेहनीपासैंधम्मी
 पांम्योदूखत्तर्बनांगट्यांहोलाल ॥ ४० ॥ सा० ॥ पांम्योदेशविरती ॥ आव
 कशुधययोधणोहोलाल ॥ सा० ॥ लढीनिलयपुरठाम ॥ घरतिहांठेआवकत
 णोहोलाल ॥ ४१ ॥ सा० ॥ नामेंअचलसत्तवाह ॥ जिनमतीनामतेहनीधूआ
 होलाल ॥ सा० ॥ परण्योतूतेनारि ॥ मंगलउठवबज्जुआहोलाल ॥ ४२ ॥
 ॥ सा० ॥ एकदिनमंगलसाथ ॥ जिनमतीतिरुवानेंगयाहोलाल ॥ सा० ॥ आ
 व्याइएहीजठांम ॥ प्रयाणांकेईकथयांहोलाल ॥ ४३ ॥ सा० ॥ किधोतिहां
 विआंम ॥ पत्रलताबज्जुलिमलीहोलाल ॥ सा० ॥ दिठोतवतिहांपोआम ॥ दे
 पीलषमीअटकलीहोलाल ॥ ४४ ॥ सा० ॥ मंगलनेंबोलावि ॥ साप्युंकौतक
 थितूमेंहोलाल ॥ सा० ॥ कांयकद्रव्यइणिगांमि ॥ होस्येनिश्वयकज्जुअमेहो
 लाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मंगलबोव्योतांम ॥ जोउंइणथानकजईहोलाल ॥ सा०
 ॥ तेंकसुंमकरिएकाम ॥ वातकौतिकथीएत्तईहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ पिणि
 नहिमुज्जमनलोत्त ॥ तवमंगलकहेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ कौतुकअधिकतेथा
 य ॥ तिणेंजोउंवचतांहरेहोलाल ॥ ४७ ॥ सा० ॥ अणगमतूतूज्जतोहि ॥ ति
 ऋणकोष्टथीषोदिउंहोलाल ॥ सा० ॥ तुरतदिठोकुंस्तकंठ ॥ मंगलेंनिश्वयवेदि
 उंहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥ महानीधानएएथि ॥ लेईसकुंएहनेंठगीहोलाल ॥
 ॥ सा० ॥ इणिअवशरेतेंदिठ ॥ दृष्टिकलसंकंठेलगीहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥
 मंगलनेंकसुंइंम ॥ चालिनगरमांजाईहोलाल ॥ सा० ॥ द्रव्यनीनकरतूकेदि ॥
 अरंथथीअनरथपाईहोलाल ॥ ५० ॥ सा० ॥ पूरीषामतिणठामि ॥ हरपि
 तपरेंथईचालीउंहोलाल ॥ सा० ॥ तेंकसुंकोईनेंएवात ॥ कहेस्योन्नहीजेत्ताली
 उंहोलाल ॥ ५१ ॥ सा० ॥ अधिकरणथाईएह ॥ कर्मबंधांतेहनुंहोलाल ॥ सा० ॥
 मंगलचितवेतांमा ॥ चित्तचव्युंजुउंएहनुंहोलाल ॥ ५२ ॥ सा० ॥ मुज्जविणलेस्येएहा
 नहितोइंम किमसाषिइंहोलाल ॥ सा० ॥ चितविबोव्योइंम ॥ कौयनेंनहीअ

मेदाषीं होला ॥ ५३ ॥ सा० ॥ इमकही चितवे मुळ ॥ किम उगसे एह जाण
 तां होला ॥ सा० ॥ जाण्योयहन मेकेम ॥ तास उपाय मन आणतां होला ॥
 ॥ ५४ ॥ सा० ॥ नलिंजब एदाम ॥ पहेलांथी हणं एह नें होला ॥ सा० ॥
 पोहतानयर समीप ॥ आरामें तेक सूतेह नें होला ॥ ५५ ॥ सा० ॥ सांसलमं
 गलवात ॥ जाउसासरे माहरे होला ॥ सा० ॥ लाबोखवरत सगेह ॥ पठेजई
 इवचताहरे होला ॥ ५६ ॥ सा० ॥ चाढ्योमंगलतांम ॥ अवलूंचित्तमांधार
 तो होला ॥ सा० ॥ सज्जनमन नही कांय ॥ खलमन वेरवधारतो होला ॥ ५७
 ॥ सा० ॥ परिग्रह पापनुं मुळ ॥ पांचमुंथानीक पापनुं होला ॥ सा० ॥ डरग
 तिमांले जाय ॥ पणखोवरावे आपनुं होला ॥ ५८ ॥ सा० ॥ त्याग करेतस
 जेह ॥ धन २ तेहनीमातनें होला ॥ सा० ॥ पुढेविजयसिंहतांम ॥ आगलिह
 वंजगतातनें होला ॥ ५९ ॥ सा० ॥ पांचमीत्रीजेखंम ॥ ढालरशाळइहां
 कही होला ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसूपसाय ॥ पन्नविजयइणिपरिलही होला
 ॥ ६० ॥ इहा ॥ चाढ्योमंगलचितवे ॥ अहोएकपटअत्यास ॥ यहस्येसूखें
 रहीनगरमां ॥ वेचिमुळविसवास ॥ ६१ ॥ तिणें कारणकहूतेहवुं ॥ रहेनय
 रमां गारि ॥ पाठांवलतां डंपठे ॥ मारिसरणहमकारि ॥ ६२ ॥ कालकूपकरी
 केतलो ॥ पेसीनयर प्राकार ॥ मायाचरित्रेंमुंजीउ ॥ आव्योहर्षउतारि ॥ ६३ ॥
 निसासोधूरिनांषीनें ॥ बोढ्योएहवाबोड ॥ आचरीउअवलूअति ॥ नारिजात
 नीटोड ॥ ६४ ॥ वासैंकोईनरस्थूंवसी ॥ तिणेंसज्जडखीउतेह ॥ वलीआपणं
 आववुं ॥ सांसलीउंससनेह ॥ ६५ ॥ लाज्यांतिणेंलज्जादूआं ॥ अधीकर २आ
 लोच ॥ तिणेंनघटेजावुंतिहां ॥ करोइहांथीसंकोच ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ आघा
 आमपधारोपुज्यअमघरिवोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ इमसांसलीतूंमनपेदाणो ॥
 चित्तमांचितवेएहवुं ॥ आवककुलमांउपनीआवीका ॥ कामकरजउकेहवुं
 ॥ ६७ ॥ जिनमतसुखजजाणीहोला ॥ नकरेकांमएहवुं ॥ एआंकणी ॥ जि
 नमतसारजाण्युंजुवतीइ ॥ इहपरलोकविरुध ॥ किमआचरणकरेविपरीतह ॥
 जसवरसमकीतशुद्ध ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ अथवाडःकरमोहीजिवनें ॥ कांय

नहींमजाणूं ॥ तिणेंहवेघरवासेमुंऊपोहतूं ॥ हवेप्रवज्याटाणूं ॥ ६९ ॥
 ॥ जीन० ॥ स्नेहबंधनाएहजठेमा ॥ तिणेंघरिंपणिनवीजईं ॥ अनंगदेवगुरु
 पासेंजईनें ॥ अमणधरमआदरीं ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मंगलघरिजाउंसूरवेइ
 हांथी ॥ केशस्यानेंदेउंएहनें ॥ इमविचारीमंगलनेंकहे ॥ ऊनहीडखदेउंकेहनें
 ॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमंगलहवेचित्तविचारे ॥ मुऊस्युंएकरेमाया ॥ पणि
 मायाइंऊनवंचाउं ॥ इमचिंतीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुमनेंनवीमुकुंअ
 धविचमां ॥ जिहांलगेंधेरनजाउं ॥ तवतेंकसूंजोतुऊआयहठे ॥ तोचालोधरे
 आउं ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुढीसकोईसाधूनें ॥ अनंगदेवगुरुकेरी ॥
 वातचित्तिचाट्याइमबिऊंजण ॥ मंगलजुइंहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केशक
 दिनइमवहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सून्यथानकदेषीमध्यान्हें ॥
 चितेचित्तउगाहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीरूद्रदयथी ॥ लोतदो
 षचित्तधारी ॥ मंगलजेइंदुरीपुठेथी ॥ क्रूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥
 मंगलनांमैपणिअपमंगल ॥ सावयकीएदीउे ॥ जिममंगलयहतिमवलीसदा ॥
 शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिधाकणनीवडि ॥ आंषिआ
 विवलीसाषे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्युंकिजेगुणपारें ॥ ७८ ॥ जीन ॥
 इणअवशरतिहांविहारकरंता ॥ अनंगदेवगुरुआव्या ॥ दिठेअयगांमीमुनी
 राजें ॥ समतासंगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन० ॥ मंगलबुरीकांमुंकीनाठे ॥ तेम
 नमांहिविज्ञास्युं ॥ चोरमाहरेस्युंपुठेंआव्या ॥ इमकरीपुठेंधास्युं ॥ ८० ॥ जीन० ॥
 तवनासंतोमंगलदिठे ॥ चोरनदिठेकोई ॥ मनचित्तेतूंस्युंएअचरिज ॥ बुरीदी
 ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरंखरमीलिधीकरमां ॥ देषीचित्तेंएम ॥ चो
 रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमंगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ बुरीपणिउंलपी
 पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्वेंजाण्युं ॥ काममंगलीइंकीधूंतोपणि ॥ कारणनवीअ
 पीठाण्युं ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुंमंगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥
 इमकरीमंगलनेंबोलाव्यो ॥ दोमेतवअतीशोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तवसयलोवि
 कटपतेशमीउं ॥ कामतेकिधुंइणें ॥ जिनमतिनीपणिवातकहीते ॥ नवीदीठी

म्हेंनयणें ॥ ८५ ॥ जीन० ॥ जिणेंजिनवयणंसूधांजाण्यां ॥ मोहटांकुल
 मांआई ॥ उत्तयलोकनुंविबूधकरेते ॥ किमसंतवींसाई ॥ ८६ ॥ जीन० ॥ इ
 मकरतांमुनीवरपणिपासें ॥ आविउलप्योतुळ ॥ तेंवंधाधम्मदासदिउतिणें ॥
 पुढ्युंताहसुंगुळ ॥ ८७ ॥ जीन० ॥ इणियानीकतूंआअवस्थाई ॥ किहांथी
 आव्योकेहनें ॥ तवतेंमुलथीसघलोसाप्यो ॥ आसासनाकरीतेहनें ॥ ८८ ॥
 जीन० ॥ अनंगदेवपणिगुरुजीआव्या ॥ आसासनाकरीसूधी ॥ अशरणस
 रणगुरूतेसाचा ॥ आपेधर्मनीबुद्धी ॥ ८९ ॥ जीन० ॥ गुरुसाथेंहवेतिहांथी
 चादयो ॥ थांऐसरपुराणे ॥ मासकळपगुरुरक्षातिहांतारे ॥ प्रहारपणिरुळाणे
 ॥ ९० ॥ जी० ॥ जिनमतिनीपणिवातलहीतें ॥ तवचित्त्युंतेचित्तें ॥ अहोप्र
 कारमंगलनोदेखो ॥ अहो २ मोहविचित्तें ॥ ९१ ॥ जीन० ॥ जोपणिसील
 अखंमीतनारी ॥ तोपणिहवेशिणशरीउं ॥ उत्तयलोकशाधनहवेकरस्युं ॥ मं
 गलेंरुमुंकरीउं ॥ ९२ ॥ जीनी० ॥ जिनमतीपणिजिनसारलसुंढें ॥ परिणामें
 मुळसरषी ॥ माहरोव्यतीकरसांतलीएपणि ॥ दिक्कावेस्येहरषी ॥ ९३ ॥ जी
 न० ॥ इमकरीमेंतेहनेंतारी ॥ तवसायरथीनारी ॥ बळुडरकसरीउंएसंसारह ॥
 दिक्कासीवसूखकारी ॥ ९४ ॥ जीन० ॥ विणदिक्काइंजोधरिजाउं ॥ विघनच
 रणमांआवे ॥ इमचित्तीअनंगदेवपाशें ॥ दिक्कादीधीसावें ॥ ९५ ॥ जीन० ॥
 त्रिजेखंमेढीढालें ॥ कहेआचारजशिखिनें ॥ तिर्थंकरकहेआचारजनें ॥ सूं
 णिहवेजेथ्युंरुषीने ॥ ९६ ॥ जीन० ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥
 ॥ उहा ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ जिनमतिइंहवेजांम ॥ वातसूणीकोईवयण
 थी ॥ तरुणीचितेताम ॥ ९७ ॥ अहो२कळुंएहनें ॥ किधूंमोहटुंकांम ॥
 जौवनेंकांमनेंजितीइं ॥ मामनराषेकाम ॥ ९८ ॥ खेदगमिखमीउघ
 णें ॥ मुंक्योमाहरोमोह ॥ मंगलीउमाठोमल्यो ॥ दिधोस्वामीडोह ॥ ९९ ॥
 संवेगेचितेईस्युं ॥ आर्यपुत्रेंइणवार ॥ कारयकीधूंकामनुं ॥ सयलसंसा
 रअशार ॥ २०० ॥ क्लेशायासबळकस्यो ॥ डलहिमानवदेह ॥ संयोगहो
 यविजोगस्युं ॥ सहिततिणेंस्योसनेह ॥ १ ॥ विषयविपाकवारुनही ॥ तिणें

कहुं आतमहित ॥ उसयलोकअराधीं ॥ चतुराचितेचित्त ॥ २ ॥ ढाल ॥ दे
 शीहमीरीयानी ॥ संसवजीनवरविनती ॥ एदेची ॥ माततातनेंपुढिनें ॥ आज्ञा
 प्रामीताससनेही ॥ आवीखोलती २ ॥ सुंदरीताहरीपास ॥ स० ॥ ३ ॥ जिनव
 चनेंमनदढकरो ॥ एआंकणी ॥ मोरुमारगमांचालतो ॥ देखीसापेंइमा ॥ स० ॥
 आर्यपुत्ररुमुंकर्युं ॥ मुऊनेंतारीनेम ॥ स० ॥ ४ ॥ जी० ॥ ठेदिमोहनीवेल
 मी ॥ उत्तमपुरुषनोपंथ ॥ स० ॥ आदरीउंआदरकरी ॥ सावथीययानीग्रंथ
 ॥ स० ॥ ५ ॥ जी० ॥ सबसायरथीआतमा ॥ उतास्योतेपारि ॥ स० ॥ इम
 प्रसंशाकरीधणी ॥ आतमकीधोउधार ॥ स० ॥ ६ ॥ जी० ॥ दिक्कांणीपरें
 आदरी ॥ अनंगदेवगुरूपास ॥ स० ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ चारीत्रनेंअ
 त्यास ॥ स० ॥ ७ ॥ जी० ॥ चारीत्रपालीतूहवे ॥ कालक्रमेंकरीकाल ॥ स० ॥ प
 चविसशागरआउपेसूरजुंउसूरवरसाल ॥ स० ॥ ८ ॥ जी० ॥ ग्रैवेयकेतेउप
 नो ॥ हवेमंगलगयोतव ॥ स० ॥ तिहांजईतेहनेंजालवे ॥ ढांकेशीडालेईह
 ढ ॥ स० ॥ ९ ॥ जी० ॥ तेधननेंममतेकरी ॥ नविमुंकेतेहगाण ॥ स० ॥
 मांसआहारक्केसैंकरी ॥ पाम्योतिहांयमगांण ॥ स० ॥ १० ॥ जी० ॥ मरीउ
 ठीनरगेंगयो ॥ बाविससागरआय ॥ स० ॥ महाडखसहीतिहांथीवली ॥
 आउपुरुजवयाय ॥ स० ॥ ११ ॥ जी० ॥ एहजविजयमांउपनो ॥ रथव
 र्जनपुरगाम ॥ स० ॥ वेद्विकचंढालनेंघरे ॥ ढगलपणेंथयोताम ॥ स० ॥ १२ ॥
 जी० ॥ एकदिनरथवर्जनथकी ॥ बड्ढगलस्युंतेह ॥ स० ॥ लेईजातांज
 यथलपुरें ॥ प्रव्यथानिकआव्योएह ॥ स० ॥ १३ ॥ जी० ॥ पुरवअत्यासें
 करी ॥ जातिसमरणपामी ॥ स० ॥ वेद्विगपेंचेंपणिनवी ॥ मुंकेतेहजगामि ॥
 ० ॥ १४ ॥ जी० ॥ हांकेपणिपाठोवले ॥ फिरीफरीआवेगाय ॥ स० ॥
 चंढालेंकोपेंहण्यो ॥ पुरणकीधूंआय ॥ स० ॥ १५ ॥ जी० ॥ उंदरपणेंतेउ
 पनो ॥ उघसंज्ञांइएण ॥ स० ॥ तेहप्रव्यपरीग्रहकस्यो ॥ पात्युंकर्मवसेण ॥
 ॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥ एकजुवटिउएकदिनें ॥ सोमचंरुजसनाम ॥ स० ॥
 समतो २ आवीउ ॥ सालीपादपनेंगाम ॥ स० ॥ १७ ॥ जी० ॥ वेठापासेंनी

धानने ॥ लोहअन्नाणनेदोस ॥ स० ॥ मुंसोसमेंअमरषसस्यो ॥ उपनोतेहने
 रोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ एहनीनारिनेकुषि ॥ स० ॥
 डरगिलानामढेतेहनुं ॥ कुषिमारहेबहुसूष ॥ स० ॥ १९ ॥ जी० ॥ कानना
 कगयांजेहनां ॥ तेणीइंजनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुक्रमेनामतेथापीउं ॥ रुद्र
 चंमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजौवनअनुक्रमे ॥ बहुजिवनेड
 खदाय ॥ स० ॥ विषवृकनीपरेंवाधीउं ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स० ॥ २१ ॥
 जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ पात्रमुखेग्रहेवाय ॥ स० ॥ समरसासूररायनो
 तदा ॥ मारवाहुकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥ सूलिइंदिधोतिहांकिणें ॥
 कोटवालेकरीसोर ॥ स० ॥ मरिबीजीनरगेंगयो ॥ वंशामाडखघोर ॥ स० ॥
 ॥ २३ ॥ जी० ॥ त्रणसागरकांयहीणमां ॥ आयुपादीकरीकाल ॥ स० ॥ ३
 एविजइंहेवेउपनो ॥ लढीनिदइंसूरसाल ॥ स० ॥ २४ ॥ जी० ॥ इणपरिंत्रि
 जारवंममां ॥ सांसलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाषीइसी ॥ लोसथीब
 हुजंजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ डहा ॥ लढीनीलयमांहेवसे ॥ अशो
 कदत्तअसीधान ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सहंकराशुसवान ॥ २६ ॥
 तेहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसथापीउं ॥ असीधा
 सिरियाताय ॥ २७ ॥ जौवनपामीजेतले ॥ दिधीसागरदेव ॥ समुंद्रद
 त्तसूतसूगुणनें ॥ विवाहवत्योहेव ॥ २८ ॥ लोगसदीपरिलोगबी ॥ सत्ता
 र्युंसदीसार्ति ॥ धैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअंति ॥ २९ ॥ पुत्रपणेंते
 उपनो ॥ सागरदत्तश्रीकार ॥ नामठव्युंनिरतूंतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार ॥ ३० ॥
 धर्माचारयधारीआ ॥ देवशरम्मदयाल ॥ आवकवतपालेसषर ॥ प्राणीनोप्र
 तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरखंधआवकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नंदिनीनांमैप
 रणीउं ॥ कमनीयलोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ सूलमेरीसजनीरजनीनजा
 ईरे ॥ एदेशी ॥ लोगलोगवतांसूतएकआयोरे ॥ सूतनोमोहठवकरवातायोरे ॥
 सगांसबंधीलेइंपरीवाररे ॥ उजाणीकरवांसूरवकाररे ॥ ३३ ॥ सांसलयोसहु
 करमनीवातोरे ॥ कर्मथीबलीउकोईनयातोरे ॥ तेहनीधाननीपासेंआव्योरे ॥ पु

अजोदीकाकरवासाव्यरे ॥ ३४ ॥ पोदेखामितेकारणजाणरे ॥ प्रव्यकलस
 नोकंठपीठाणरे ॥ पाठिषामसदीपरिपुरीरे ॥ विजीषोदीषामिसनुरीरे ॥ ३५ ॥
 सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतंचितवीजंशणपेररे ॥ पुढुमातनेकेनवी
 पुढुरे ॥ जोनवीपुढुतोमानस्येउढुरे ॥ ३६ ॥ इमजाणिनेकहीसवीवातरे ॥ क
 रवुंएहनुंकस्युंकहोमातरे ॥ तवतेबोलीमुळदेखाधारे ॥ मुळदेष्याविणंतुलेम
 तकाढारे ॥ ३७ ॥ जोईनेजुगताजुगतुंकहेस्युरे ॥ तेंपणिदाष्योजईनीजकर
 स्युरे ॥ अन्नाणदोषेतेणेंइमधास्युरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेमाहरे ॥ ३८ ॥
 इमविचारीकस्युंसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंढेनहीजुत्तरे ॥ काढतांजांणेंजोनर
 रायरे ॥ तोउलढुंधरमांथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युंआपणजाईरे ॥ उता
 वलमतकरोतूम्हेसाईरे ॥ तवतूंबोढ्योइमप्रमाणरे ॥ इमकरीपोहतातेनीजठां
 णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपढीसूखमारें ॥ तूळमाताइंकाढ्याडःखमारें ॥
 लोसदोसपुर्वसवअन्यासरे ॥ तूळमारणनोचिततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहडखेनी
 त २ रहेबलतीरे ॥ मनमांइमउपायचितवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणंजि
 हारेरे ॥ सोजनमांविषदेस्युंतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुशरीरे ॥
 शिघ्रहोईविषनीतिहांपिररे ॥ दिधूंविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुंशरणतेमारवा
 धायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेंतूलेवाणरे ॥ नंदिणीनारीजाणेंतिणेंठाणरे ॥ को
 लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइंकपटइंसावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो
 वासऊकोयरे ॥ सिरुपुत्रएकतेहमांहोयरे ॥ आवकअझवंतप्रमाणरे ॥ मंत्र
 यंत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिरुपुत्रतेकहीइंतेहरे ॥ मनमांचितवेएहवुंजेह
 रे ॥ जिवांमुंजमंत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूंइमसक्तिरे ॥ ४६ ॥ मंत्रनी
 शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिताउपनीतूळनेंएहरे ॥ मनुजजिवीतमांवऊअपायरो ॥
 घरिवासेंरक्षाहवेस्युंथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइमबनीजायरे ॥ व्रतपच
 खांणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेजेउंदिकारे ॥ पालुंपामीगुरुनीशीकोरो ॥
 ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीघीरे ॥ उचितविधिदिहाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा
 रतेचारीत्रपालीरे ॥ उपनोयैवेयकेंडःखगालीरे ॥ ४९ ॥ त्रीशशागरनेंआउषे

जाणोरे ॥ धैवेयकसूरथयोसपराणोरे ॥ तुळमाताशंकस्थोकांमसूंमोरे ॥ पिठ
 बांध्योधनउपरिरूमोरे ॥ ५० ॥ पुत्रनावधनोजेपरिणामरे ॥ द्रव्यलोत्तपणिअ
 तिउद्दामरो ॥ द्रव्यनसोगव्युंवाध्युंपापरे ॥ धूमप्रसाइपहोतीआपरो ॥ ५१ ॥ पन्न
 रसागरतेहनुंआयरे ॥ तिहांथीमरीतिर्यंचमांजायरे ॥ तिरयंचमाहिनानासव
 करियारे ॥ तिहांबहुसोगव्यांडुःखनादरीयारे ॥ ५२ ॥ पूरवत्तवअत्त्यासनो
 दोशरे ॥ नालीएरीएहलोत्तविशेशरे ॥ तूंचवीसागरदत्तसेठघेररे ॥ सिरिमतीकू
 षिपुत्रंणिपेररे ॥ ५३ ॥ इणत्तवमांतूम्हबिऊंइणीरीतरे ॥ तिर्थंकरकहेमुळ
 जेअतीतरे ॥ वातसूणीमुळथयोवैरागरे ॥ शिखिकूमरसूणितूमहासागरो ॥ ५४ ॥
 नरपतिइंसूणीआणादीधीरे ॥ काढिलषमीतेहवहेंचीदिधीरे ॥ दिनअनाथनेक
 रीउपगाररे ॥ विजयधर्मगणधरअणगाररे ॥ ५५ ॥ तेऊनीपासेंदिक्कालीधीरे ॥
 माहरीवातहतितेकीधीरे ॥ विचरंतोआव्योऊंआंहिरे ॥ तिणेंजगमांकोयको
 यनुंनांहीरे ॥ ५६ ॥ शिखिकूमरकहेसगवनशाचुरे ॥ जिणेतूम्हेंजाण्युंसघ
 लुंकाचुरे ॥ पणिदिक्कालेवीप्रसूदोहेलीरे ॥ वातोकरवीसऊनेंसोहिलीरे ॥ ५७ ॥
 त्रिजेखंमेआठमीढालरे ॥ मुनिगुणगातांमंगलमाळरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयनो
 शीसरे ॥ पद्मविजयकहेविशवाविसरे ॥ ५८ ॥ उहा ॥ शिखिकुमारकहेस
 णो ॥ साषोधर्मनासेद ॥ दानादिकजेदाषीआ ॥ सेदनावहुप्रसेद ॥ ५९ ॥
 च्यारसेदसांतलचतूर ॥ दानशीलतपदाषि ॥ सावनाचोथीसाविइ ॥ सर्वज्ञके
 रीशाष ॥ ६० ॥ त्रणिसेददानजतणा ॥ पहेलूंज्ञानप्रधान ॥ असयधर्मउपय
 हअधीक ॥ नांणसूणोहवइंदांन ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ कर्मनहूटेरेप्राणीया ॥ एदे
 शी ॥ ज्ञाननुंदानदेतांथकां ॥ जाणेबंधनेमोष ॥ सिवसूखसंपदबिजठे ॥ उप
 जेअतिअसंतोष ॥ ६२ ॥ धर्मएसेवोरेत्तवीजनां ॥ एआंकणी ॥ जेदानेंलहे
 पुण्यने ॥ जाणेंपापअज्ञेस ॥ जांणीपुण्यनेआदरे ॥ पापनेंढालेविसेस ॥ ६३ ॥
 ॥ धर्म ॥ यतः ॥ शूच्चाजाणईकळाणें ॥ सोच्चाजाणईपावगं ॥ उत्तयंपीजाण
 ईसोच्चा ॥ जंढेयंतंसमायरे ॥ १ ॥ पुर्वढाल ॥ पुण्यकरंतोरेप्रांणीउ ॥ पामे
 नरसूरसूरक ॥ पापथीदूरेयातांथकां ॥ तिरीनारकटलेदूरक ॥ ६४ ॥ धर्म॥

जिनवरत्तापीतनाणनुं ॥ दिधूदांनविशाल ॥ इहपरलोकनांसूखघणां ॥ दिधां
 तिणैसूरशाल ॥ ६५ ॥ धर्म ० ॥ रागद्वेषमोहटालीनें ॥ पामेकेवलनांण ॥ अ
 नुंकमेसिखीवरेतिको ॥ जेदिइंनाणनुंदांण ॥ ६६ ॥ धर्म ० ॥ दाणनाणइणिप
 रेंकद्यु ॥ संषेपेंकरीइंम ॥ दातामाहकएदोयनें ॥ एकतिहितप्रेमा ॥ ६७ ॥ धर्म ० ॥
 प्रयवीपांणीअगनीवली ॥ वायुवनसपतिकाय ॥ वितिचउपंचंदिजीवनें ॥ ह
 णतांहितनवीथाय ॥ ६८ ॥ धर्म ० ॥ मनतनुंवचनेंएजीवनें ॥ हणवोनांही
 लगार ॥ दानअसयएहजांणीइं ॥ सेव्युमुनीजनेंशार ॥ ६९ ॥ धर्म ० ॥ अ
 तिउखीयापणिजिववूं ॥ ईढेसर्वसदाय ॥ तिणेंकारणमुनीराजीया ॥ राखेढेष
 टकाय ॥ ७० ॥ धर्म ० ॥ यतः ॥ सवेवीजीवाईंती ॥ जिवीउंनमरिझीउं ॥
 तमापाणवहंधोरं ॥ निर्गथावज्झयंतिणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ नरपतिपणि
 मरवापम्यो ॥ आपेजिववाराज्य ॥ राज्यथकीपणिजिववूं ॥ अधीकुंकहे
 जीनराज ॥ ७१ ॥ धर्म ० ॥ जेसझजिवनेंइष्टे ॥ देवुंतेहजसार ॥ इंदकिट
 कदोयजीववूं ॥ सरिषुंइष्टेउदार ॥ ७२ ॥ धर्म ० ॥ आयुदिरघपांमीइं ॥ रूप
 सूरूपनीरोग ॥ परतवपणितेप्रसंसीइं ॥ असयदानीजेदोग ॥ ७३ ॥ धर्म ॥
 यतः ॥ आयुदिर्घतरंवपुर्वतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वित्तंसूरितरंवलंवज्झतरंस्यामि
 त्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यंविगतांतरांविजगतीश्लाघ्यत्वमद्व्येतरं ॥ संसारांवनि
 धिकरोतीसूतरंचेतःकृपांतीतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ असयदांनइणिपरिकसुं ॥
 सांसलआवकतूंवाणि ॥ धर्मउपयहदानजे ॥ साधुंतेहविन्नांण ॥ ७४ ॥ य ० ॥
 अशनपांनषादिमवली ॥ स्वादिमनेंवस्त्रपात्र ॥ उपधत्तेषजजोग्यते ॥ दिजे
 मुनीवरपात्र ॥ ७५ ॥ धर्म ० ॥ सजायध्यानमांमज्जजे ॥ जेवहेसंजमसार ॥
 कर्मेहलकातेमुनीतरे ॥ उतारेपरपार ॥ ७६ ॥ धर्म ० ॥ कर्मेगुरुपोतेबुमतो ॥
 किमतारेपरतेह ॥ तिणेंचउकारणशुरुजे ॥ दिजीइंधरीशसनेह ॥ ७७ ॥ धर्म ० ॥
 दायकमाहकशुरुजे ॥ कालसावेकरीशुरु ॥ दायकशुरुतापुंहवे ॥ सांसली
 याउविबुध ॥ ७८ ॥ धर्म ० ॥ दाताज्ञानीहोइंसलो ॥ नहिअममदअहंकार ॥
 सरधाआदरअतिघणो ॥ रोमांचित्तनेंउदार ॥ ७९ ॥ न्याइंआव्यो

जेद्रव्यते ॥ प्रासूकनेंशुश्रुमांन ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥ करतोनिर्जराध्यां
 न ॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसंस ॥ शुसपेवें
 विजनीपरे ॥ वरुफलपांमेअसंस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ नरसूरशिवसूरवसंपदा ॥
 आपेएहजदांन ॥ जेहवेशरधाविनादिं ॥ जसकिरतिमनआंनि ॥ ८२ ॥
 धर्म० ॥ अस्तिमानेंअथवादिं ॥ एहदिंजेजोई ॥ झंकिमजंगेहुंएहथी ॥
 नविआपुंकहोकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुंबिजते ॥ नफलेतासल
 गार ॥ दानवरुपणिदूरिजं ॥ कलूषीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ प्राण
 नोवधकरीजेदीं ॥ धर्मनीसरधामनराषि ॥ चंदनबादीअंगारनो ॥ करेव्या
 पारनिजसाषि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवीरुधवलीजे
 ह ॥ पोतेयाहकबिहुंजणा ॥ पांमेसंसारेतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ याहकशुश्रुह
 वेसाषीं ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुषाजेकरे ॥ जोगसमाधीमांसार ॥
 ८७ ॥ धर्म० ॥ खंतिमद्ववअझवा ॥ लोहनोकिधोरेत्याग ॥ अणुगुपतिगुपतो
 रहे ॥ सज्जायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पंचेद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ पादे
 साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसावेंसूअलग्न ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
 इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइअप्रतीबंध ॥ मेरूपरिंजेचलेनही ॥ उपसर्गवायुनें
 धंध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेदिजेजेदांन ॥ याहकशुश्रु
 तेजांणीं ॥ सेदएविजोअमान ॥ ९१ ॥ धर्म० ॥ नवमीत्रिजाएखंमनी ॥ ढालकहि
 सूपवित्र ॥ उत्तमंपद्मविजयेसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म० ॥
 ॥ उहा सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिंशुकुपात्रेदांन ॥ अशुसफलपांमेअधीक ॥
 सर्पनेंजीमविषपांन ॥ ९३ ॥ रुधीरषरम्युंरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइंविणनिर ॥ ति
 मकुपात्रेआपतां ॥ सांजेकिमतसत्तीर ॥ ९४ ॥ थोमुंपणिसूपात्रथी ॥ पामेसू
 खसरपूर ॥ तरणांगेअहारेतूरत ॥ डधज्युंदिंअवीदूर ॥ ९५ ॥ पात्रविशे
 षेआपीजं ॥ एकजदांनअमांन ॥ एकजजलगाविउरग ॥ जथापीइंफलजा
 न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ आदरजिवषीमागुणआदरि ॥ एदेशी ॥ कालशुश्रुहवेदां
 नकहिजे ॥ तपसीनेंदिंशकालेजी ॥ देहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

झन्नालेजी ॥ १७ ॥ सेवोरेसवीआंधर्मएवारु ॥ एआंकणी ॥ जिमकालेजो
 करसणकीजे ॥ तोवहुफलतसथाईजी ॥ इमकालेजोदानदिशतो ॥ फलवहु
 लीइअमायोजी ॥ १८ ॥ सेवो ॥ तपपारणनेउत्तरवारण ॥ बलिकीधो
 होयलोचजी ॥ थाकाविहारयकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥
 ॥ १९ ॥ सेवो ॥ ज्ञानात्त्यासकरेवालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ
 हारघृतादिकबहुआपीजे ॥ तोहोइतससूखकारीजी ॥ २० ॥ सेवो ॥ का
 लविनाजोबिजवाविजे ॥ तोहोइबिजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेइमजा
 णो ॥ कालतेशुसगुणपाणीजी ॥ २१ ॥ सेवो ॥ तावशुरुतेदानकहिज
 इ ॥ अशुपूर्वकआपेजी ॥ रोमांचित्तथईमानेकतज्ञता ॥ तेसावशुरुपणंथा
 पेजी ॥ २ ॥ सेवो ॥ आर्तवशेनवीदानदेईजे ॥ कलूषितचित्तनवीकीजे
 जी ॥ आसंसानवीकांईकरीइ ॥ तावशुरुएलीजेजी ॥ ३ ॥ सेवो ॥ यतः
 अनादरोविलंबश्च ॥ वैमुख्यमप्रियंवचः ॥ पश्चात्तापश्चपंचामी ॥ सद्दानंदूषय
 त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलंबश्चौ ॥ दार्यंचप्रियवाक्यता ॥ सन्मुखत्वंचपं
 चामी ॥ सद्दानंतूषयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वदाल ॥ मोरुनेअरथेदानजेदिजे ॥
 तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकंपाजेदानजसाण्युं ॥ तेहनोनिषेधचित्तमा
 णोजी ॥ ४ ॥ सेवो ॥ इव्यहांणहोइदांनदेयंता ॥ इममनमांमतआणोजी ॥
 कूपआरामगवादिकदेषो ॥ देतांसंपदवाणोजी ॥ ५ ॥ सेवो ॥ घरकुइसम
 कपणनीलषमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिपी ॥
 नृपनीनदीअनुंहारीजी ॥ ६ ॥ सेवो ॥ दानसोगनेनाशएत्रणिगती ॥ इव्य
 तणीजगत्तापिजी ॥ नविदिधीनवीसोगवीजिए ॥ तसत्रीजीगतिदापीजी ॥
 ॥ ७ ॥ सेवो ॥ यतः ॥ मोरकडंजंदाणं ॥ पइएसोविहीमुण्येयवो ॥ अणगं
 पादाणंपुण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिइ ॥ १ ॥ पूर्वदाल ॥ दानधरमसंपेपे
 साण्यो ॥ शीलसुणोत्तवीप्राणीजी ॥ प्राणीवधादीकपंचमहावृत ॥ पालवावहु
 हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो ॥ क्रोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ अरुवमद्वपं
 तिजी ॥ अशसंवेगसंतोषफरसन ॥ निरीहचित्तबलमिस्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो ॥

एहसीलमश्चर्मअराधी॥मानवसदगतिपामेजी ॥ बारणांडरगतिनातेदेवे ॥ र
 मेतेआतमरामेजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीअविशेषजेब्रह्मचर्यपाले ॥ तेपण
 शीलकहीजेजी ॥ तेपणिआसवपरत्तवकेरां ॥ सूपशास्वतवलीलीजेजी ॥
 ॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यतः ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादिविपदस्तेषांब्रजंतिरुयं ॥
 कल्याणनिसमुल्लसंतिविबुधाःसान्निध्यमध्यासते ॥ कीर्तिस्फूर्तिमिपत्तिया
 त्युपचयंधर्मप्रणश्यत्यघं ॥ स्वर्निर्वाणसूरवानिसंनिदधतेयेशीलमाबिभते ॥
 ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसंषेपकसुंहवेसाष्युं ॥ तपनामेहवेत्रीजोजी ॥ तेहदू
 सेदेबाह्यप्रथमतिहां ॥ अन्यंतरतपबिजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥ बाह्यतणां
 षट्सेदप्रकास्या ॥ अणसणपेहेलोसेदोजी ॥ अणोदरीव्रतीशंषेपण ॥ रसत्या
 गेनवीषेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसंलीनताए ॥ षटविधबाह्यक
 हायजी ॥ अन्यंतरप्रायगीत्तनेविनयो ॥ वैयावच्चसजायजी ॥ १४ ॥ से०॥
 ध्याननेउत्सर्गएषटलहीइ ॥ अन्यंतरनिरमायजी ॥ विसेपेवज्जविधतपएहनां॥
 सेदपंचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिअविशेषेतपवज्जसेदे ॥ साष्या
 आगममाहिजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनांमे ॥ परतरंतपउगाहिजी ॥ १६ ॥ से
 वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजांणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥ लघुसिंहने
 वर्द्धसिंहनिक्रीमित ॥ जवमध्यवज्जमध्यसारजी ॥ १७ ॥ सेवो० ॥ प्रतिमा
 सप्तमाहासप्तकहिइ ॥ सर्वतोसप्तमनआणिजी ॥ पंचकल्याणकतपवलीथानि
 क ॥ सिद्धचक्रगुणषाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ सतसत्तमीआअठअठमी
 आ ॥ नवनवमीआहोयजी ॥ दशमीएकारसीवलीवारसी ॥ सिक्षुप्रतीमाजो
 यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इन्द्रियजयनेसंशारतारण ॥ कषायजयतपनाम
 जी ॥ जोगजयनेवलीकरमसूण ॥ पंचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
 दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ दशपञ्चखाणनीउलीजी ॥ समवसरणनेनंदिश्व
 रतप ॥ करीइशकतीनेतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥ अरुयनीधीपुंमरीकरो
 हिणीतप ॥ अंबिकातपसुविचारोजी ॥ सर्वसूखसंपत्तीअस्तीथा ॥ परमसूषण
 तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ अतदेवतातपसर्वांगसुंदर ॥ अडखदेधीश्री

कारजी ॥ सोसाग्यकल्पवृक्षएनामें ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥
 सेवो ॥ चंद्रायणतपःप्राठिमचौदसाआविलवर्षमानमोहटोजी ॥ अशोकवृ
 क्षनेमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रसानहीषोटोजी ॥ २४ ॥ सेवो ॥ अखंडदश
 मीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदंतीतपदीक्षानोतप ॥ नि
 वाणतपवलीचंगजी ॥ २५ ॥ सेवो ॥ गौतमपद्मघोनेस्वर्गदंभो ॥ पद्मोतर
 तपज्ञानजी ॥ जिनपुजानेहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥
 ॥ सेवो ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाष्यो ॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ बत्रिशवी
 जयनोतपघणंसुंदर ॥ मेरुमंदरजोयजी ॥ २७ ॥ सेवो ॥ सूरायणनेवली
 पद्मवातपाधनतपक्रमलउदारजी ॥ अष्टापदपावनीआनांमे ॥ वर्गतपस्यावि
 चारजी ॥ २८ ॥ सेवो ॥ गुंणरत्नसंवठरजाणो ॥ सप्तोत्तरअवधारजी ॥
 असीपहतपनोपारनलहीई ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥ २९ ॥ सेवो ॥ द्रव्य
 क्षेत्रनेकालसावथी ॥ साष्यायंथमजारिजी ॥ तपावलीथीविधीसङ्गजाणो ॥
 इहांथाईविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो ॥ इमतपधर्मसंषेपेसाष्यो ॥ आराधीत
 वीप्राणीजी ॥ इहसवपरसवसूखलहीने ॥ परणेतिववधूराणीजी ॥ ३१ ॥ सेवो ॥
 त्रिजेखेढेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेईमजी ॥ सांसलीनेओताजनधरमें ॥
 करज्योअवीहमप्रेमजी ॥ ३२ ॥ सेवो ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ दूहा ॥ सावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥ नाणचारित्रनीसावना ॥
 मतसावनविनुंमाच ॥ ३३ ॥ वैराग्यसावनातिमवली ॥ तिर्यसक्तिततकाल ॥
 साधुजननीशेवना ॥ कंदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥
 निदागरहानाद ॥ मोक्षनासूखमांमाचतो ॥ आयतनेआल्हाद ॥ ३५ ॥ एह
 धर्मअरिहंतनों ॥ साष्योचोथोसाव ॥ सवसयसावठसंजणो ॥ वलीउएहवना
 व ॥ ३६ ॥ च्यारप्रकारेसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसुबुध ॥ जिवअनंताजिहांग
 या ॥ साश्वतगुखसूविशुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीजारीहे ॥ एदेवी ॥ ई
 णिपरेंसांसलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेतांम ॥ बो
 धययोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेईणिपरिहे ॥ सा ॥ साष्युंसत्य ॥ एहमांनहीसं

देह ॥ कूणकहेसेदमर्मनोजी ॥ ३८ ॥ पणिएकसांतलोहे ॥ सा० ॥ धर्मअ
 शेश ॥ नवीकरीसकींकोय ॥ दानविनाघरमारहीजी ॥ तिणकारणहे ॥
 सा० ॥ चारीत्रधर्म ॥ जोग्यहोशेंतेकोण ॥ साषोसगवनमुळसहीजी ॥ ३९ ॥
 गुरुजीबोलेहे ॥ सा० ॥ सांतलिजोग्य ॥ उपनोआरयदेश ॥ कुलनेंजातिवी
 शेषिउंजी ॥ हळूकरमाहे ॥ सा० ॥ निरमलबुधि ॥ जाणेंसंसारस्वरूप ॥ वर
 एवुंएहवोपेष्ठीउंजी ॥ ४० ॥ जनमतेमरणनीमित्त ॥ सा० ॥ चपलतेद्रव्य ॥
 संजोगअतेविजोग ॥ मानवसवदूर्ध्वसघणोजी ॥ विषयतेडरकनुंहेतू ॥ सा० ॥
 मरवुंसंजुनेंनीत्य ॥ दारुणतासविपाक ॥ कोशआधारनतेहतणोजि ॥ ४१ ॥
 इमजाणीनेंविरक्त ॥ सा० ॥ थोमोकखायाथोमीकरतोहासा ॥ जाणकर्यागुणनो
 वलीजी ॥ नहिकौतकीनेंविनीत ॥ सा० ॥ बळजनमान्य ॥ दोषकारीनवीहोय
 ॥ सरधाकरेकसुंकेवलीजी ॥ ४२ ॥ वलीथीरसरधावंत ॥ सा० ॥ एहवोजो
 ग्य ॥ जेउपसंपन्नहोय ॥ तवकूंअरंशेणपरेंतणेंजी ॥ रुमोसाप्योहे ॥ सा० ॥
 साधूनेंयोग्य ॥ पणिउपसंपन्नआज ॥ आव्योचरणेंतुम्हतणेंजी ॥ ४३ ॥ वि
 जयसिंहगुरुहे ॥ सा० ॥ करेविचार ॥ एहमहासाग्यवंत ॥ प्रणकरेजुउंकेह
 वांजी ॥ तेअतीशांतिस्वरूप ॥ सा० ॥ लखिंशेंतेण ॥ महाकुलेंउपनोएह ॥ व
 चनबोलेतेजेहवांजी ॥ ४४ ॥ एहनेंकहिंहे ॥ सा० ॥ एहवांवयण ॥ जि
 णेउपसंयहयाय ॥ इमचिंतीहवेगुरुकहेजी ॥ सृणितूंआवकहे ॥ सा० ॥ तुंगु
 एवंत ॥ एसंसारअसार ॥ तेहमांकुणंशेणपरिलहेजी ॥ ४५ ॥ डःकरजा
 णोहे ॥ सा० ॥ लेवुंजेह ॥ अमणपणंजगिसार ॥ शत्रुमीत्रसमजाणवाजी ॥
 नवीहणवोकोईजीव ॥ सा० ॥ कहेवुंशाच ॥ दंतशोधनमात्रकांय ॥ पचख
 वुंअदत्तआणवाजी ॥ ४६ ॥ त्रिविधेपचखवुंहे ॥ सा० ॥ अब्रह्मचर्य ॥ उपगर
 णवस्त्रनेंपात्र ॥ उपरिपणमुरठानहीजी ॥ रात्रीसोजननोत्याग ॥ सा० ॥ लेवो
 आहार ॥ बेतालीशदोषशुरू ॥ आगममांसांप्योसहिजी ॥ ४७ ॥ संजोज
 नादिकहे ॥ सा० ॥ टालवापंचामितकालेलेवोआहार ॥ सुमती गुपतीवरपाल
 वीजी ॥ ईर्यामुखपंचविस ॥ सा० ॥ साववीहोय ॥ बाह्यअन्त्यंतरसेद ॥ तप

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४८ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥
 विचीत्रअसीपहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसापीआजी ॥ सूंसुवुंहे ॥ सा० ॥ केश
 नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करतांशमरसचापीआजी ॥ ४९ ॥ निःप्र
 तिकमाहे ॥ सा० ॥ जाससरर ॥ वहेवीगुरुनीआणि ॥ सर्वकालप्रसूआणि
 थीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकवज्रसे
 द ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥ ५० ॥ लाधेंअलाधेंहे ॥ सा० ॥ समचित
 राषि ॥ अठारसिलांगसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥
 ॥ सा० ॥ चरमकहेवाय ॥ बांहिकरिनेतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेजी ॥ ५१ ॥
 सपवोकोलीउहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेदूतैणोजेअशार ॥ खरुगधारापेर
 चालवुंजी ॥ पीवीअगनिनीआल ॥ सा० ॥ गंगप्रवाह ॥ चालवुंशाहमेपुर ॥
 निजआतमसूखेंमालवुंजी ॥ ५२ ॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ सरवोहा
 थि ॥ चतूरंगबलसंधाति ॥ जितवुंएकलेप्राणींजी ॥ साधवोराक्षवेध ॥ सा० ॥
 जयनीपताक ॥ ग्रहेवीअग्रहीपुर्व ॥ डःकरमुनीपण्जाणींजी ॥ ५३ ॥
 श्मसांतलीहे ॥ सा० ॥ हरप्योकूमार ॥ करजोमीकहेश्म ॥ गुरुत्तवुंसाधूप
 ण्कशुंजी ॥ डःकरकशुंतिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुळ ॥ जाण्युंशंशारनुं
 गुळ ॥ जाण्हवेएहकवळुंजी ॥ ५४ ॥ गुरुत्तवसापेहे ॥ सा० ॥ साचुंएहा
 जाणेशंसारस्वरूप ॥ पणिवज्रत्तवत्तावनाथकीजी ॥ मुळावेवळुंजीव ॥ सा० ॥
 थांमंड ॥ तिणेंनविचारेस्वरूप ॥ नगणेंअनागतबुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल
 नवीदेपेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेंगुरुप्रतिजी ॥
 नकरेअपजसबिहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेपरलोक ॥ क्लेशनुंसा
 जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम
 रकहेप्रसूसाच ॥ पणिउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेंतेह ॥ सा० ॥ कार
 णसेवाजेकरेप्रगटेतासा ॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥ ५७ ॥ तेतूम्हपासेंहो ॥ सा० ॥
 तूत्तपसाय ॥ पामुंत्तवजलपार ॥ जिमशायरनिरजामकेंजी ॥ अन्नपपुन्यहो
 इंजास ॥ सा० ॥ कूशलनबुक्षीगुणवंतागुरुलास ॥ नहोईनवीपामीशकेजी ॥

॥ ५८ ॥ तिणेंमुळउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतववाणी ॥ अम
 स्थीतिएआगमतणीजी ॥ संसलावीसवीमग ॥ सा० ॥ केताकदिन ॥ सिख
 वीशंआवश्यक ॥ पढीदीषीजेंशीष्यसणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूमरजीहे ॥
 ॥ सा० ॥ कस्योउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुळ ॥ पाववीआगमस्थीतीसलीजी
 तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इमकहुंजांम ॥ बळपरीजनस्युंताहि ॥ कुमर
 पिताआव्योसांसलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीइवेगेहे ॥ सा० ॥ तेब्रह्मदत्त ॥ उत
 रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलासगुरुइंदिउजी ॥ त्रिजेखंढेढाल ॥ सा० ॥ यइअगीआ
 र ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ बेगेचित्तसूणवाकिउजी ॥ ६१ ॥ उहा ॥ कुमरता
 तनेंइमकहे ॥ कांमकरोमुळएक ॥ तातकहेजेकहोतूम्हे ॥ करीइतूत्तसूविवे
 क ॥ ६२ ॥ एउंसारस्वरुपइम ॥ मानवत्तवमुसकल ॥ संगअनीत्यचपलासि
 री ॥ एहमांनहीअवल ॥ ६३ ॥ जौवनजाइजोपसूं ॥ अनंगकरेअकल्याण
 मृत्युतोमुंकेनही ॥ जाणोढोतूम्हेजांण ॥ ६४ ॥ योआणालेउंदिषमी ॥ सफल
 करुंउंशार ॥ सूतस्नेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेप्रकार ॥ ६५ ॥ बालकतूंबोले
 किर्युं ॥ कादनदिक्षाकोय ॥ कुंअरकहेनवीकालढे ॥ जमनोइणिपरिजोया
 ॥ ६६ ॥ बोड्योएकबंसदत्तना ॥ परिवारमांपुरुष ॥ पिंगकनामेंपापपुन्य ॥ न
 विठेजुउंनिरष ॥ ६७ ॥ बळचचतिबोलीउं ॥ पणिगुरुबेठांप्राय ॥ नवीबोडवुं
 एज्ञानथी ॥ कुमरनबोड्याकाय ॥ ६८ ॥ समजाव्योशूतजुक्तिथी ॥ तेकहे
 तांविस्तार ॥ ग्रंथवधेतिणेंनवीग्रहो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समज्योआ
 वकव्रतयहे ॥ साथेंब्रह्मदत्तगुरु ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइं ॥ बंसदत्तअतीबुझा
 ॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुंनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीशाथेरे
 आव्यानयरमारै ॥ घोषणापुरवकदान ॥ देतोकरतोजीनवरचैत्यमारै ॥ अग
 ईमहोढवज्ञान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेरेजाण्युंएहणेपरै ॥ एआंकणी ॥ शु
 सतिथीकरणैरेमुळुर्तजोगेंसलेरे ॥ शिविकारुढतिवार ॥ महाहर्षकरीबळपरि
 वारस्यूरै ॥ देतोदांनअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मंगलतूरवजावतेनिकट्योरे ॥ बि
 रुदाबलीरेबोलाय ॥ लोकप्रशंसादेपीबळकरैरे ॥ पोहतागुरुनेरेपाय ॥ ७३ ॥

धन ॥ सीबिकाथीउत्तरीगुरुवंदियारे ॥ गुरुशंदिहारेदिध ॥ साधूवेषलीधोहर
 पेंकरीरे ॥ आतमकारजकिध ॥ ७४ ॥ धन ॥ केईकदिनरहीमासकलपथइ
 रे ॥ गुरुशायेंकरेविहार ॥ लाषअनेकवरसंभवहिगयारे ॥ पालतांनिरतीचा
 र ॥ ७५ ॥ धन ॥ इणअवशरिजेजालिणीमावमीरे ॥ थयोतसपश्वारेताप ॥
 कामहीणंकस्युंजिणेंमास्थोनहीरे ॥ गयोमुऊदेईसंताप ॥ ७६ ॥ धन ॥ ते
 णिकारणकांयमोकलुंसेटणरे ॥ संदेसोमीगीवात ॥ जोकांईकरतांफिरीआवे
 इहारे ॥ पठेंकरस्युंसुखेंघात ॥ ७७ ॥ धन ॥ जिमचिंत्युंतिमकिधुंतिणीशरे ॥
 मोकल्युंकंबलरत ॥ संदेशोबझसीषवीमोकल्योरे ॥ सोमदेवकरीघणंजल ॥
 ७८ ॥ धन ॥ देशवीख्यातप्रवृत्तिआचार्यनीरे ॥ पुढीपोहतोतेगाम ॥ सि
 रिकूमारसाधूनेंत्तणवतारे ॥ देखिवंध्यातेगाम ॥ ७९ ॥ धन ॥ धर्मलासदेईपू
 ठेजलपीरे ॥ किहांथीआवुंतूह ॥ तिणेंपणिव्यतीकरसघलोसासीउरे ॥ जा
 लिणीमोकल्योअह ॥ ८० ॥ धन ॥ पश्वातापेंदाधीदेहमीरे ॥ तूम्हप्रवृत्ति
 निमीत्त ॥ रिषीकहेपश्वातापस्योएऊनोरे ॥ तवतेबोड्योसूचित्ता ॥ ८१ ॥ धन ॥
 तूम्हेदीहालीधीतेकारणरे ॥ सूणिचीतेंमुनीराय ॥ स्नेहकायरपरमार्थदेखेन
 हीरे ॥ जुजइमकिमकरेमाय ॥ ८२ ॥ धन ॥ प्रत्युपकारनकरीसकींकिमें
 रे ॥ मातपितानोरेकोय ॥ इमंचितिकहेसोमदेवनेंसूणोरे ॥ मुऊसवनिरवेदहो
 य ॥ ८३ ॥ धन ॥ तिणेंदिहालीधीइमजांणजोरे ॥ पणिनहीमायनिरवेद ॥
 तवतेकहेषरुपणितूममातनेरे ॥ उपजेठेअतिषेद ॥ ८४ ॥ धन ॥ कहेवराज्युंठेइणिप
 रेंसांसलोरे ॥ तूढरुदयहोयनारि ॥ चपलस्थतावनेंअविवेकजैघणोरे ॥ कामक
 रुअवीचार ॥ ८५ ॥ धन ॥ होयकदायहस्त्रीमांअतिघणोरे ॥ पठेहोइपश्वा
 ताप ॥ पुरुपतोमहागंतीरहोइघणोरे ॥ कोयनेंनकरेसंताप ॥ ८६ ॥ धन ॥
 माहरोसावजाण्याविणस्युंकस्यूरे ॥ आदस्योपरलोकमग ॥ पणएकवारवंदा
 ववाआवजोरे ॥ नहीतरकिमहोयसग ॥ ८७ ॥ धन ॥ कंबलरतलेज्योमुऊ
 हितकरीरे ॥ बोड्याशिखीअणगर ॥ उत्तरम्हेतूऊसयलोसापीउरे ॥ अनेगुरु
 आधीनविहार ॥ ८८ ॥ धन ॥ ऊम्हारेआधी

आण ॥ मुनिनेकं बलरत्न घटेन हीरे ॥ वली गुरुकहे ते प्रमाण ॥ ८९ ॥ धन ॥
 तव कोई मुनि इंगुरु देखे वा वी आरे ॥ जई कसो सकल वृत्तांत ॥ कुमरतणा बळमान
 थी वोहरी उरे ॥ कंबलरत्न ते पांति ॥ ९० ॥ धन ॥ वर्त्तमान योगें वली आव
 स्येरे ॥ मांढ्युं सणवा जे सूत्ता ॥ ते संपुरण थास्ये जब सहिरे ॥ तब ए आवस्ये पुत्ता ॥
 ॥ ९१ ॥ धन ॥ एसांत लीनें घणं राजीय योरे ॥ त्रिजेखं मेण्डाल ॥ समरादित्य
 नारास मां बार मीरे ॥ कहि पदमें सूर शाळ ॥ ९२ ॥ धन ॥ डहा सोरठी ॥ सोमदे
 व गुरुपास ॥ काल के तोई करही करी ॥ आव्यो नीज आव आश ॥ तपसंजम मुनी व
 रत पे ॥ ९३ ॥ डहा ॥ अन्यदिनें गुरु आवी आ ॥ नयर कोस आव आश ॥ कोई कनर
 नामुख थकी ॥ सांतले गुरुचा सन् ॥ ९४ ॥ परलोके पोहतो पिता ॥ सिखि कुमर नो
 साच ॥ मुनी साथें केई मोकले ॥ सिखि कुमार शुतवाच ॥ ९५ ॥ पोहता कोस
 नयर पडे ॥ उतरी आ उद्याना वात लोक मां विस्ती ॥ सांतल ज्यो शावधान ॥ ९६ ॥
 सिखि कुमर साधू जीके ॥ आव्या अहो अणगर ॥ रायनगर जन परिवरंथा ॥
 वंधा वारो वार ॥ ९७ ॥ ढाल ॥ हवे नही आवुं मही वेचवारे लो ॥ एदेशी ॥ वंद
 ना करी गुरुराय नेरे लो ॥ बेगसूण वाधर्म ॥ मारा वाढहा जीहो ॥ गुरुपणि आवे
 पणी कथारे लो ॥ कहेतां दिशं शिव शर्म ॥ ९८ ॥ म्हा ॥ एहवा गुरुरे फिरीन
 हिमी लेरे लो ॥ एआंकणी ॥ आवर ज्यास बी लोक नेरे लो ॥ गयास कुनिज रेह
 ॥ म्हा ॥ हवे बिजे दिन मुनी वरुरे लो ॥ सिखी कुमर सशनेह ॥ ९९ ॥ म्हा ॥
 एह ॥ गयानी जमात पासें हवेरे लो ॥ विधवारु पतेतास ॥ म्हा ॥ ब्रह्म दत्त जेह म
 री गयारे लो ॥ अति डर बल डर वास ॥ १०० ॥ म्हा ॥ एह ॥ तिणें निज
 मातन उलषीरे लो ॥ तिणें उलष्यो मुनी राय ॥ म्हा ॥ माया स्वत्ता वेरो तीथकी
 रे लो ॥ अश्रु पात बळथाय ॥ १०१ ॥ म्हा ॥ एह ॥ आसासना मुनी वर
 करेरे लो ॥ देशना देवेतांम ॥ म्हा ॥ मातजी खेदन की जीरे लो ॥ एसं शाड
 खधांम ॥ २ ॥ म्हा ॥ एह ॥ द्रव्यें सयणें पराक्रमेरे लो ॥ बलचतूर गेजो
 य ॥ म्हा ॥ देव असूर पमुहामि लेरे लो ॥ मरणन जीते कोय ॥ म्हा ॥
 ॥ ३ ॥ एह ॥ मरण हरी जगमां स मेरे लो ॥ आपदा शत नख जाल ॥ म्हा ॥

व्याधीज्वरदृढदांतदरेलो ॥ बरुजननेकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम
 जाणीनेआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यढांमीवतसारनेरेलो
 पणिनविआदरेक्लिब ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥
 मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरपीजीइरेलो ॥ जगतमांसारनीधां
 न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि ॥
 ॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुऊनेगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥
 ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेपिनेरेलो ॥ व्रतआपोमुऊजोग ॥ मा० ॥ तवअ
 एगारआलोचीनेरेलो ॥ काढवात्तवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर
 तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीगीतेहमांहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥
 संतलावेउढाह ॥ मा० ॥ ९ ॥ एह० ॥ दिधांअणंब्रतमातनेरेलो ॥ तिणीइंक
 र्याअंगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमानवारेलो ॥ कूकपटसंभार ॥ मा०
 ॥ १० ॥ एह० ॥ यतः ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचं
 निर्दयत्वंच ॥ स्त्रीणांदोषाःस्वप्तावजाः ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेमारीतोशकूरे
 लो ॥ जोपामेवीसवास ॥ मा० ॥ इमचितीअंगीकस्यारेलो ॥ देखीइत्तक्तीआ
 वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनी
 माय ॥ मा० ॥ आजसोजनतूहेंइहांकरोरेलो ॥ तववोढ्यारीपीराय ॥ मा० ॥
 ॥ १२ ॥ एह० ॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो ॥ साण्योठेअणाचारामा० ॥ मधूकरव
 त्तिढांमीनेरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा
 लिणीबोलीतिहारेलो ॥ तूलेजाणोवढएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकग
 यारेलो ॥ इमप्रतीदिनशसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचितचितवेजा
 लिणीरेलो ॥ मारवाएहनंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजम्योमुऊनेरेलो ॥ क
 रिइहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥
 सऊइंकरयाउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइननिकल्यारेलो ॥ करताअ्यांनअ
 त्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवरेलो ॥ मारुंनहिजो
 कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो ॥ परुसंधीययोकाल ॥ मा० ॥ १७ ॥

॥ एह ० ॥ बिजोउपायइहांनहीरेलो ॥ काळिकरुक्मंशार ॥ मा ० ॥ ताळपुट
 विषजुतदाहुजेरेलो ॥ आपुकाविसवारि ॥ मा ० ॥ १८ ॥ एह ० ॥ मुनीवर
 संजमम्हालतारेलो ॥ नलहेदूरजनवात ॥ मा ० ॥ परमांतेपेसेनहीरेलो ॥ ध
 रमेंरंगाणीघात ॥ मा ० ॥ १९ ॥ एह ० ॥ श्रीजेखंमेतेरमीरेलो ॥ पद्मविजय
 कहिढाल ॥ मा ० ॥ मुनीगुणगातांमोदस्युरेलो ॥ पामेंमंगलमाल ॥ मा ० ॥
 ॥ २० ॥ एह ॥ इहा ॥ इमकरतांजोनवीलीइं ॥ आयहथीदिउंआहार ॥ हा
 थेंआपुंहर्षजिम ॥ तेमोदिकतइयार ॥ २१ ॥ मारुंइणिपरिमोदस्युं ॥ कस्युं
 तेसघलुंकांम ॥ सोजनलेइसलीसांतिस्युं ॥ जालिनीचालीजांम ॥ २२ ॥ तां
 मप्रसातथयोतिहां ॥ पोहतांउपवनपास ॥ दिठिमुनीइंदृष्टिथी ॥ सणेंतेएहवी
 सास ॥ २३ ॥ माताकिमआव्यांतूम्हे ॥ एकाकिएवार ॥ अणघटतोकांईआ
 हारनें ॥ लेइआव्यांढोल्हार ॥ २४ ॥ जटिणीबोलीजालिनी ॥ सांसलोसाचि
 वात ॥ पोतेपुण्यउपायवा ॥ सोजनदावीसांति ॥ २५ ॥ ढाल ॥ चित्रोदारा
 जारे ॥ एदेशी ॥ सांसलोतूमेमातरे ॥ अणाचारएख्यातरे ॥ निपजातएआ
 हारअक्षारेकारणेंरे ॥ २६ ॥ साहमोवलीआयोरे ॥ तिणेंअम्हनसोहायोरे ॥
 संसलायोसघलोविधीमुनीरायनोरे ॥ २७ ॥ तवबोलीतेहरे ॥ देषामेसनेहरे ॥
 वढएहपरिमुळशातानवीहोइरे ॥ २८ ॥ जोनलीउंआहाररे ॥ म्हारोधीगअ
 वताररे ॥ तूम्हविहारतेअमपुरेनिष्कलमनऊवरे ॥ २९ ॥ तिणेअवश्यएकरवु
 रे ॥ बिजुंवयणनधरवुरे ॥ मरवुंअन्यथामुळताहरानेहथीरे ॥ ३० ॥ पगेंप
 मीइमसाषीरे ॥ सऊमुनीवरसाषीरे ॥ मांषीजिमअधउपरतिमउठेनविकिमेरे
 ॥ ३१ ॥ मुनीसरलस्वसावेंरे ॥ चित्तेइमतावरे ॥ जुउंसदसावमातानोकेहवो
 रे ॥ ३२ ॥ धर्मसरधाकेहविरे ॥ पुत्रस्नेहीनएहवीरे ॥ रपेजेहवीएथायजल
 विणपोयणीरे ॥ ३३ ॥ बोलेमुनीरायरे ॥ सांसलोतुह्मेमायरे ॥ नविथायए
 आहारदोषीलोअमथकीरे ॥ ३४ ॥ गुरुदाघवदोसरे ॥ चितबीगतरोसरे ॥
 शुत्तपोसकारणकहेमातनेइणीपरिरे ॥ ३५ ॥ तुमआयहेंएहरे ॥ लेस्युंगत
 नेहरे ॥ मुनीमाटेरेहआरंतनकिजीइरे ॥ ३६ ॥ जालिनीतवजंपेरे ॥ कुणतू

म्हनेंलूपेरे ॥ हमणांतोसंपेंआहारकरोसजुरे ॥ ३७ ॥ बोलेमुनीतुम्हेआपोरे
 सज्जकृषीनेंथापोरे ॥ करिजापोनेंऊपिणलेस्यूंआहारनेंरे ॥ ३८ ॥ जालीनी
 कहेवारुरे ॥ मातवाढ्यवारुरे ॥ कस्युंकामदिदारुरापीमुळजीवतीरे ॥ ३९ ॥
 मुळहाथेकिजेरे ॥ पारणंमानीजेरे ॥ सवनुंफललीजेमानीमुळकसुरे ॥ ४० ॥
 सिखिकूमरनेंवयणेरे ॥ वेठासज्जमुनीजयणेरे ॥ सायणेंसोजनकंशारतेपीर
 स्योरे ॥ ४१ ॥ सज्जशंकिधोआहाररे ॥ हवेशीखीअणगाररे ॥ साजनेकंशार
 सेसतेपीरस्योरे ॥ ४२ ॥ तालपुढविषघाढ्योरे ॥ तेलाहुडआढ्योरे ॥ सोजन
 मांचाढ्योतेपणिअनुक्रमेरे ॥ ४३ ॥ विषवेगेंघास्योरे ॥ सिखीकुमरेंविचा
 स्योरे ॥ किमएमुळधास्योचित्तमांशीणपरेंरे ॥ ४४ ॥ मुनीवरसज्जजोयारे ॥
 सावधानपलोयारे ॥ अंगीतआकारगोपायाएहवेरे ॥ ४५ ॥ यश्वेलाजामरे
 गर्वाचातामरे ॥ मनचितेआमहवेनवीजीववुरे ॥ ४६ ॥ पम्याधरणीपीठरे
 मुंनीशंतवदीठरे ॥ देषीतवरीठआकुलव्याकूलययारे ॥ ४७ ॥ जालिणीपणिश्म
 रे ॥ मुंनीचितेकेमरे ॥ जननीयश्रमेमुंकीकरेएहवुरे ॥ ४८ ॥ जांणीफेरवि
 जोसरे ॥ अणशणउद्देशरे ॥ करेलेशनखेदतेसिषिमुनीकोयस्यूरें ॥ ४९ ॥ म
 नाचितेएहरे ॥ यश्वतएकेहरे ॥ संशारसनेहधिगहोश्मकहेरे ॥ ५० ॥ चि
 त्युंहतुंश्मरे ॥ मातनेंजईनेंमरे ॥ धरीप्रेमनेंधर्मपमास्युंसलीपरेंरे ॥ ५१ ॥
 क्लेशयीमुकावुरे ॥ सलीधर्ममांगवुरे ॥ श्ममनलावुंपणिहवेस्युंकसुरें ॥ ५२ ॥
 अपजसबज्जयास्येरे ॥ शंकासज्जलासेरे ॥ पणिश्मनविमासेमाताएकिमकरेरे
 ॥ ५३ ॥ वातपूर्वलीजाणेरे ॥ लोककहेअन्नाणेरे ॥ धिगमुळशणटांणेजननी
 डरकदिउरे ॥ ५४ ॥ संशारएरीतीरे ॥ नविकरीश्रंअनीतीरे ॥ पणिअप्रितेंअप
 जसविस्तरेंरे ॥ ५५ ॥ केईककरेदोसरे ॥ पणिजसनोपोशरे ॥ एहमांनही
 रोसकरयांसज्जसोगवेरे ॥ ५६ ॥ करयांकर्मतेआव्यारे ॥ एकारणसाव्यारे ॥
 मुळडरकयीधाव्यांमाताकिणेंपरेंरे ॥ ५७ ॥ अथवास्योशोकरे ॥ शिवविज
 तेरोकरे ॥ धरमजेउकनोतेहपमादीउरे ॥ ५८ ॥ तिणेंचितानकिजेरे ॥ नव
 पदशमरीजेरे ॥ लिजेंश्मलाहोनरसवकेरमोरे ॥ ५९ ॥ शुससावनायुत्तरे ॥ नव

कारसंजुत्तरे ॥ निजआतमगुत्तंकरीकरीकालनेरे ॥ ६० ॥ ब्रह्मलोकमांजा
 योरे ॥ नवशागरआयोरे ॥ देवपायोळीसमागमविमानमारें ॥ ६१ ॥ जाली
 णिपणमुश्रोअनुंकरमेंझरे ॥ अंधारीकुईसमसर्करानरगमारें ॥ ६२ ॥ त्रिणि
 सागरआयोरे ॥ एतोमहाडरकपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिंशानुंफलएहवुरें ॥ ६३ ॥
 त्रिजोत्तवइमरे ॥ सूरत्तवस्युंभेमरे ॥ नरत्तवसूरवषेंमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६४ ॥
 खंमत्रीजेसापीरे ॥ ढालचौदमीदापीरे ॥ इहांसाखीतेसमरादित्यचरीत्रगेरे ॥
 ॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेरे ॥ संपूरणकिजेरे ॥ गामलिबनीमांहिवदिजेहे
 जस्युरें ॥ ६६ ॥ गुरुषीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीशय
 योजुत्तमवीजयमनोहरुरें ॥ ६७ ॥ सिद्धांतअन्यासीरे ॥ तसअंतेवासिरे ॥
 वचनविलाशीपद्मविजयकहैरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसंविज्ञपद्मीयपंमीत्तप्रवर
 श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यपं० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी
 त्यचरीत्रेप्राकृतबंधेसिखिकुमारजालीण्योसंगंतयोतृतियोनरत्तवः समाप्तः
 सर्वगाथातृतियखंमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ इहा ॥ श्रीसीमंधरसाहिबा ॥ विचरंतावीतराग ॥ समवसरणमांसोत्तता ॥
 सबलूंजससोसाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुंप्रेमेंपाय ॥ समरादि
 त्यनारासमां ॥ चोथोखंमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दंपतीया
 इंदोय ॥ सज्जनसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये
 सरवर ॥ समरादित्यनोस्वादा ॥ जासप्रमादेजायस्यें ॥ लहेस्येनतेआढहादा ॥ ४ ॥
 वरजोविकथावेगस्यूं ॥ सज्जनेंटलेसंताप ॥ विकथाथीवारुवमो ॥ उंध्योनसूणें
 आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंसर्वेंजी ॥ एदेशी ॥ जुंबुद्वीपनात्तरत
 मांजी ॥ सूशर्मनेयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणंदमांजी ॥ देवलोकअनुंहार ॥
 ॥ ६ ॥ तवीकेजनसूणीइंचरीत्ररशाल ॥ पापनियाणाढालि ॥ त० ॥ जेहथी
 होयजंजाल ॥ संवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनंयरमांजी ॥ गुणिज
 नगुणगवराय ॥ रूपवेसरतीआंगलिजी ॥ नारीतणोसमुदाय ॥ ७ ॥ त० ॥
 परउपगारपरायणोजी ॥ महाजननिवशेअपार ॥ अरीगजस्युंकेशरीसमो

जी ॥ सूधणसूतरार ॥ ८ ॥ स० ॥ नगरशेवतेनयरमांजी ॥ राज्यमानगु
 एवंत ॥ दिनअनाथजनवढूजी ॥ वेसमणनामकहंत ॥ ९ ॥ स० ॥ पणिवै
 असणवित्तवैकरीजी ॥ हलकोऊउनिदांना ॥ अणवरगनीतशाचवेजी ॥ सारथवाह
 सूजाण ॥ १० ॥ स० ॥ कुलरुपवित्तवैसारीपीजी ॥ सिरियानामेनारि ॥ पं
 चविषयसूखसोगवेजी ॥ स्नेहेंस्त्रीसरतार ॥ ११ ॥ स० ॥ लषमीनुलेपुंनही
 जी ॥ पणिसंताननकोय ॥ आयउपायघणाकरेजी ॥ पणिनवीकारयहोय ॥
 ॥ १२ ॥ स० ॥ शणअवसरतेनयरमांजी ॥ जहनांमैधनदेव ॥ सानिधकर
 तोलोकनीजी ॥ शणपणिकीधीसेव ॥ १३ ॥ स० ॥ पुजाकरीशमसापीउजी ॥
 जोमुऊतुऊअनुसाव ॥ पुत्रहोस्येतोनयरस्युंजी ॥ पुजाकरुंशूतसाव ॥ १४ ॥
 ॥ स० ॥ नामतूम्हारुंथापस्युंजी ॥ सूतनुंऊनिरधार ॥ मध्यमवशेवर्त्ततांजी ॥
 दंपतिशणिसमेसार ॥ १५ ॥ स० ॥ ब्रह्मलोकथीदेवताजी ॥ चविलीधोअवता
 र ॥ जिवसिखिकूमरनोजी ॥ सिरियाकूपिमऊरि ॥ १६ ॥ स० ॥ सूपने
 गजवरपेषतीजी ॥ उज्ज्वलउंचिरेकाय ॥ मदऊरतोमोहेघणंजी ॥ मधूकरने
 समुदाय ॥ १७ ॥ स० ॥ सुंमादंमचपलघणोजी ॥ रक्ततालूचउदंत ॥ कनक
 शांकलेसोहतीजी ॥ घंटाजुगलमहंत ॥ १८ ॥ स० ॥ लोचनजेहनांधुमतां
 जी ॥ रक्तचमरेंसोहेवयण ॥ कुंसस्थलेअंकूसरहीजी ॥ प्रातसमेनेरयणि ॥
 ॥ १९ ॥ स० ॥ वदनैउदरमांपेसतोजी ॥ देखीजाणीजाम ॥ संसलावेसरतार
 नेंजी ॥ सूणीहरप्योतेतांम ॥ २० ॥ स० ॥ सयणसयलगणनायकोजी ॥ पु
 त्रतेहोस्येरतन ॥ हरषेंसूणीआदरघणेंजी ॥ करतीगर्तजतन ॥ २१ ॥ स० ॥
 शुसमुऊरतेंअनुंकमैहवेजी ॥ जनस्योतेहकूमर ॥ दाशीइंदिधवधामणीजी ॥
 सारथवाहनेंसार ॥ २२ ॥ स० ॥ संतोपीदाशीप्रतेंजी ॥ देवरावेमहादाण ॥
 जनममहोउवतेकूमरनोजी ॥ करतोसेठसूजाण ॥ २३ ॥ स० ॥ एकमासइं
 मवहीगयोजी ॥ हवेसऊनयरसंघाथ ॥ वऊआमंवरस्युंगयोजी ॥ बालकले
 ईनिजहाथ ॥ २४ ॥ स० ॥ धनदेवजरुनेदेहरेजी ॥ उठवकरीयअपार ॥
 पायनमाणीथापीउंजी ॥ नामतेधनकुमार ॥ २५ ॥ स० ॥ कुमरसावअनुंकमै

लक्ष्मोजी ॥ चोथेपंढरेऽम् ॥ प्रथमढालपदमेकहीजी ॥ सांतलज्योधरीप्रेम ॥
 ॥ २६ ॥ त० ॥ डहा ॥ नारकीमांथीनीकली ॥ जादिलीनोहवेजीव ॥ संसर
 तांसंसारमां ॥ अनुंसर्वेदूरवअतिव ॥ २७ ॥ अनंतरसर्वेअज्ञानथी ॥ आदरी
 कष्टअत्यंत ॥ वसेतेनयरेवांणीउ ॥ पुर्णसद्रूपंन्यवंत ॥ २८ ॥ गोमतीनामंगे
 हनी ॥ तसकुरवेअवतार ॥ पुत्रीपणेंतेप्रगटिउ ॥ जनमीतेहजीवार ॥ २९ ॥
 धणसीरीनामतेदीधलूं ॥ जौवनपामीजाम ॥ दिठीधनकुमरेंतदा ॥ रतिरूपें
 अस्तीरांम ॥ ३० ॥ पुर्वमैत्रीनागुणपणें ॥ असिलाषांऽम् ॥ दृष्टीवीकारेंदेष
 तो ॥ पुरणआणीप्रेम ॥ ३१ ॥ पुरवनामत्सरपणें ॥ धणसिरिजुंतेधन ॥ सो
 मदेवपुरोहीतसूतें ॥ तेहकुमरनुंतन ॥ ३२ ॥ सावलप्योतिणेंतलीपरें ॥ वैश
 मणेंजाणीवत्त ॥ पुरणसद्रूपेप्रार्थिउ ॥ धणसीरीधणनीमिन्ता ॥ ३३ ॥ जाण्युं
 रस्परबिडुंजणें ॥ वरत्योतिहांविवाह ॥ हरप्योधननिजहैयमले ॥ बाध्योध
 णसिरीबाह ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ मुनीवरआर्यसूहस्ती ॥ एदेशी ॥ इणिअवसर
 एकदासरे ॥ घरदाशीजण्यो ॥ नंदनांमैंसोहामणोए ॥ ३५ ॥ अगनीशमांस
 वतेहरे ॥ मित्रतापसहतो ॥ गुरुवैयावचकारणोए ॥ ३६ ॥ धणसिरीस्युंलग
 वागिरे ॥ थईतेनंदनं ॥ स्त्रीसंगेसूरवअनुंसवेए ॥ ३७ ॥ सोगविटंबणाप्रायरे ॥
 सोगवतांथकां ॥ शरदसमयएकदिनहवेए ॥ ३८ ॥ रमवानेंउद्यानरे ॥ धन
 कूमरगया ॥ साथेंवडुपरीवारस्युंए ॥ ३९ ॥ समृद्धतत्तंशेनांमरे ॥ सारथवा
 हसूत ॥ दिठोदांनदेतांथकांए ॥ ४० ॥ निजकरअरजितरुखिरे ॥ जेपरदेश
 थी ॥ लावीनैंसफलीकरेए ॥ ४१ ॥ चितेधणधनएहरे ॥ परउपगारीउ ॥ इ
 णीपरेंलषमीवावरेए ॥ ४२ ॥ आमणदूमणोऽमरे ॥ नंददेष्ठीकहे ॥ स्येदूता
 णास्वामिजीए ॥ ४३ ॥ साप्योनीजअस्तीप्रायरे ॥ नंदकहेतदा ॥ सिउणीमों
 तूम्हघरेए ॥ ४४ ॥ तूम्हघरिद्रव्यअनंतरे ॥ दानआपोतूम्हे ॥ एहथकीसूवी
 सेषथीए ॥ ४५ ॥ धनकहेएसीवातरे ॥ पुर्वपुरुषरह्या ॥ तैदेतांकिमसोत्तीऽ
 ए ॥ ४६ ॥ करीकमाईहाथरे ॥ जेदिऽदाननं ॥ तसकिरतीवाधेघणीए ॥ ४७ ॥
 तिणेंविनवोतूम्हेतायरे ॥ परदेशेंजवा ॥ कंठकमाईहाथस्युंए ॥ ४८ ॥ काल

उंचीतकरेजेहरे ॥ जिववुंतेहवुं ॥ सफळुंसाप्युंसास्त्रमांए ॥ ४९ ॥ अणवर्ग
 नुंमुळरे ॥ अर्थउपार्जस्युं ॥ तातनेंकहोकिरपाकरोए ॥ ५० ॥ नंदेविनव्योसे
 ठरे ॥ सेठकहेतूम्हो ॥ साषोवठनेंशणपरेंए ॥ ५१ ॥ सेठसज्जथीअर्थरे ॥ ब
 ऊताहरेघरे ॥ मनश्रितद्योवावरोए ॥ ५२ ॥ नंदकहेसूणोतातरे ॥ एहकसुंष
 रू ॥ पणिएहनींमरूचिनहीए ॥ ५३ ॥ सेठकहेजिमसूरकरे ॥ उपजेतिमक
 रो ॥ नंदेकसुंसवीधनप्रतेंए ॥ ५४ ॥ आणापामीतायरे ॥ हरप्योधनहवे ॥
 करेसामग्रीतेहनीए ॥ ५५ ॥ किरियाणांबऊलीधरे ॥ उदघोषणाहवे ॥ नगर
 मांहितेकरावतोए ॥ ५६ ॥ सारथवाहसूतधनरे ॥ तामद्विप्तिजस्यें ॥ जावुं
 होशतोसायठेए ॥ ५७ ॥ जेहनेंजोईंतासरे ॥ देस्येरिजस्युं ॥ वस्त्रअन्नउषध
 सऊंइंए ॥ ५८ ॥ सांसलीसूंस्त्योलोकरे ॥ तामद्विप्तीजवा ॥ धनसिरीचितहरषी
 धणए ॥ ५९ ॥ जास्येधनपरदेशरे ॥ तवरुमुंयस्ये ॥ स्वेढांअमेवीचरस्यूए ॥
 ॥ ६० ॥ गमनदिवसआशन्नरे ॥ आव्योतवसूएयुं ॥ नंदपणसार्थेंजायस्येंए ॥
 ॥ ६१ ॥ सूणोस्वामीपरदेशरे ॥ तूम्हेतोजायस्यो ॥ मायाकरीधनवतीकहेए ॥
 ॥ ६२ ॥ सिंगतीथास्येमुळरो ॥ ऊंहवेस्युंकरूं ॥ तवधनकूमरतेबोलीआए ॥ ६३ ॥
 सासूसुसराशेवरे ॥ तूम्हेकरज्योशहां ॥ ऊंपणिवेहेलोआवस्यूए ॥ ६४ ॥ मा
 याजलसरीनयणरे ॥ बोलीधनसरी ॥ गुरुजनमुळरूदयेवसेए ॥ ६५ ॥ प
 णिमुळमुंकीजाउरे ॥ जोतुम्हेस्वामीजी ॥ तोऊंप्रांणअवश्यतजुंए ॥ ६६ ॥ न
 हिमुळजीवनकांमरे ॥ तुम्हविजोगथी ॥ इंकहीउच्चस्वरेंरूइंए ॥ ६७ ॥ आ
 वीजननीतांमरे ॥ धनकूमरनी ॥ आदरथीउसाथयाए ॥ ६८ ॥ धनसिरीग
 ईनीजठामरे ॥ शिषामणदिइं ॥ साववऊनोजाणीउंए ॥ ६९ ॥ देशांतरहोय
 दिघरे ॥ संगमदोहिला ॥ सूळसविजोगतेनीपजेए ॥ ७० ॥ क्लेशघणोहोइंपु
 त्तरे ॥ अर्थउपार्जतां ॥ मुलविषादनुंएहठेए ॥ ७१ ॥ सकलगुणेंसंपूर्णरे ॥ तूढे
 यद्यपी ॥ तोपणतूऊनेंसाषीइंए ॥ ७२ ॥ विमातेकरज्योनित्यरो ॥ खबरकहा
 वज्यो ॥ वाटजोउठुंताहरीए ॥ ७३ ॥ मातप्रमाणनुळआंणरे ॥ धनकूमरक
 हे ॥ आशीसदेज्योरूअनीए ॥ ७४ ॥ धनसिरीपीहरपाशरे ॥ मागीआगना

धनसाथेंमोकलाववाए ॥ ७५ ॥ धनसिरीहरषीतामरे ॥ सामग्रीकरी ॥ साथ
 रीधेंसरपुरीउए ॥ ७६ ॥ बीजीचोथेपंमेरे ॥ ढालपदमेंकही ॥ उत्तमविजयकृपा
 थकीए ॥ ७७ ॥ उहा ॥ साथसूंफ्योहवेसामटो ॥ पहोतोनीत्यप्रयाण ॥ ताम
 लिनिनगरेंतूरत ॥ मासदोयपरिमाण ॥ ७८ ॥ नरपतीमलीउनेहस्युं ॥ राशंक
 र्योसतकार ॥ वेचीसरवेवस्तुते ॥ पाम्योनईढीतपार ॥ ७९ ॥ चितेतवतेचि
 त्तमां ॥ लखोनइतिताह ॥ जाउंघरिकिमजाणीनें ॥ अर्णवचहुंअथाह ॥
 ॥ ८० ॥ लषमीथीसकुलोकमां ॥ आदरलहेअपार ॥ तेबीणजीवनतूढे ॥ चि
 त्तइमकरेविचार ॥ ८१ ॥ नंदनेंधनश्रीनारिस्युं ॥ इणपरिंकरिआलाप ॥ ना
 हवावेलाजांणीनें ॥ उजेजवहवेआप ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ पुन्यप्रगटथयो ॥ एदे
 शी ॥ इणअवसरएकआवीउरे ॥ सूरीजन ॥ सयकायरयसकाय ॥ पुण्यप्र
 गटथयो ॥ दोयहाथनोपहिरिउरे ॥ सू० ॥ जिरणचिवरपाय ॥ ८३ ॥ पु० ॥
 हाथघस्येंथयाउजलारे ॥ सू० ॥ मस्तकेंकमलाणीमाल ॥ पु० ॥ नषथीसरी
 रविलूरीउरे ॥ सू० ॥ अधरतंबोलेलाल ॥ ८४ ॥ पु० ॥ जुंवटिइंघणेंप्रेरीउरे ॥
 ॥ सू० ॥ आव्योजुवटिउएक ॥ पु० ॥ शरणेंआव्योताहरेरे ॥ सू० ॥ राषितूध
 रीयविवेक ॥ ८५ ॥ पु० ॥ एहजुआरीडखदिशेरे ॥ सू० ॥ धनकहेसांतल
 वात ॥ पु० ॥ तूफउपद्रवस्येकारणेंरे ॥ सू० ॥ कहेताहरोअवदात ॥ ८६ ॥
 ॥ पु० ॥ तेकहेनबीबोलीसकूरे ॥ सू० ॥ माहरूनीचचरीत ॥ पु० ॥ धनकहेषे
 दनकीजीशेरे ॥ सू० ॥ नवीहोइंसमदशानीत्य ॥ ८७ ॥ पु० ॥ सद्रकहोतूझवात
 मीरे ॥ सू० ॥ तंवजलसरीयांनयण ॥ पु० ॥ गद२वयणेंबोलीउरे ॥ सू० ॥
 सांतलिरेंतूसयण ॥ ८८ ॥ पु० ॥ बांणीउनीजकुलफंसणोरे ॥ सू० ॥ सेवुंलो
 कविरूध ॥ पु० ॥ पंजितजनबहुनिदिउरे ॥ सू० ॥ नीत्यरझंचित्तथीकुध ॥
 ॥ ८९ ॥ पु० ॥ महेसरदत्तमाहरूरे ॥ सू० ॥ नामकुसुमपुरवास ॥ पु० ॥
 दोशनीधानजेजुवटुरे ॥ शू० ॥ बर्जितपुण्यविलास ॥ ए० ॥ पु० ॥ तिणेंए
 अवस्थापामीउरे ॥ सू० ॥ धनचितेअहोएह ॥ पु० ॥ आवेलापणिजाणतो
 रे ॥ शू० ॥ निजअपराधअढेह ॥ ए१ ॥ पु० ॥ मोहटोपुरुषकोईएहरेरे ॥

॥ सू० ॥ चितवीबोलेतांम ॥ पु० ॥ कहोस्युंकरीशतूहनेरे ॥ सू० ॥ तवनवी
 बोलेजाम ॥ १२ ॥ पु० ॥ चितवेधनकांईहारीजेरे ॥ सू० ॥ मांगीसकेनही
 तेण ॥ पु० ॥ इमजाणीकहेनंदनेरे ॥ सू० ॥ पुढोजईएहकोण ॥ १३ ॥ पु० ॥
 बाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नंदेनीकलोपु
 ढीजेरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ १४ ॥ पु० ॥ सोलसोनइआहारिजेरो
 ॥ सू० ॥ वचनेअस्युंएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिठिपामिनेरे ॥ सू० ॥ आ
 विपेठोइहांजेह ॥ १५ ॥ पु० ॥ नंदेकसुंधनकुमरनेरे ॥ सू० ॥ तवबोल्याते
 कुमार ॥ पु० ॥ सोलसूवन्नआपोएहनेरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥ १६ ॥
 ॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसजरे ॥ सू० ॥ कुंअरसाषेतास ॥ पु० ॥ मुंकोविषाद
 उठोतूम्हेरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ १७ ॥ पु० ॥ षेदकरेनारीबजरे ॥
 सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधान ॥ पु० ॥ उठोस्नानकरोतूम्हेरे ॥ सू० ॥ तवला
 ज्योअसमान ॥ १८ ॥ पु० ॥ नास्योधनसाथेहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
 उताश ॥ पु० ॥ सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ साषेवचनविलास ॥ १९ ॥
 ॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिशङ्कनसिरदार ॥ पु० ॥ इव्य
 साधारणजांणिशेरे ॥ सू० ॥ एहअथीरनिरधार ॥ २० ॥ पु० ॥ एहमांथी
 कांईलीजीशेरे ॥ सू० ॥ करोव्यवशायउपाय ॥ पु० ॥ बुधानिदितकिमकिजी
 शेरे ॥ सू० ॥ जेहथीयायअपाय ॥ २१ ॥ पु० ॥ इहसवपरसवदूखदिशेरे ॥
 ॥ सू० ॥ तुलपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपण्ढांमीशेरे ॥ सू० ॥ सुणी
 चितेहवेतेह ॥ २२ ॥ पु० ॥ ऊअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
 ॥ पु० ॥ बोदयोकरीपरणामनेरे ॥ सू० ॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ २३ ॥ पु० ॥ तुमद
 रिशणदिठुंजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतूमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे ॥
 ॥ सू० ॥ कुंणमागेनरसीष ॥ २४ ॥ पु० ॥ करुंहवेमुकुलसारिपुरे ॥ सू० ॥
 मुंक्योअलठेआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसावेसफलकरुंरे ॥ सू० ॥ तूम्हउपदेशम
 हाराज ॥ २५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेमिलस्युंअवशरेरे ॥ सू० ॥ सङ्कनइमजणाय ॥
 ॥ पु० ॥ ठालचीजीचोथारुंमनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥ २६ ॥ पु० ॥

॥ उहा ॥ महेश्वरदत्तचित्तेमने ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिनवीको
 करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसंपजे ॥ तरीइसायरतेण ॥ अ
 यवाजमजोरोअप्री ॥ घेरुकरेषणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुंतिऐंधसमसी ॥ उत्तय
 लोकचुरवथाय ॥ सारथवाहसूतहरषस्ये ॥ सांतलीएसूखदाय ॥ ९ ॥ इम
 चितीनेआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामैजिके ॥ तिणीपासेव्रत
 सार ॥ १० ॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नंदनेधनसिरीआगळेरे ॥ साषेनीज
 अस्तीप्रायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीइअंतरायरे ॥
 ॥ ११ ॥ सा० ॥ कर्मकस्यांढुटेनहीरे ॥ तुममनइठितकीजीइरे ॥ अम्हेतूम्ह
 आणकारे ॥ सा० ॥ तवसवीतांमग्रह्यांहवेरे ॥ परतिरगांमीश्वारे ॥ सा० ॥
 ॥ १२ ॥ क० ॥ जिहाजगवेषीनेसथुरे ॥ तवनंदनेकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी
 इआपणएहनेरे ॥ जईइंबिजेठारे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा
 तमीरे ॥ बोढ्योसज्जननंदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुंमतसाषजेरे ॥ एहतोसूरत
 रुकंदरे ॥ सा० ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणारे ॥ तूम्हउपरिवळुरागरे ॥
 सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोहटोवमत्तागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥ क० ॥
 सूपनेपणिमतचित्तबारे ॥ एहनीविरुईवातरे ॥ सा० ॥ तवचित्तेतेसूपणीरे ॥
 एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्युरे ॥ एह
 नेंजनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीब्राजीकारे ॥ मेलकस्योतेसाथिरे ॥
 ॥ सा० ॥ १७ ॥ क० ॥ डःखपामीकालांतरेरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥
 कामणयोगसिखितीहारिरे ॥ हिणाअध्यवशायरे ॥ सा० ॥ १८ ॥ क० ॥ जि
 हाजतयारकस्युंहवइरे ॥ सांमत्स्यांतिअपाररे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनीक
 द्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ शायरनीपुजाकरी
 रे ॥ दिधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ बेठाधरीयविवेकरे ॥
 ॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नांगरहवइउपमावीआरें ॥ पुरयोसढपवणेणरे ॥
 ॥ सा० ॥ चाढ्युंवाहणवेगस्युरे ॥ वरणव्युंजाइकेण ॥ सा० ॥ २१ ॥ क० ॥
 नक्कचककठसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांवळजा

तिनारि ॥ सङ्गर्शनयणेंदिठरे ॥ सा० ॥ २२ ॥ क० ॥ कामणकिधुंशंसमेरे
 सापिणिपापणीनारिरे ॥ सा० ॥ थोमादिनमाहिग्रहारे ॥ रोगतणेंतेवीकाररे ॥
 ॥ सा० ॥ २३ ॥ क० ॥ कांयजपायकस्थोनहीरे ॥ व्याध्योअतीघणव्याधी
 रे ॥ सा० ॥ हाथसूकाजीमदोरमीरे ॥ जलोदरवधीजंअगाधरे ॥ सा० ॥ २४ ॥
 ॥ क० ॥ वदनसूजीयुंतूबधूरे ॥ जंघाजंगलीजायरे ॥ सा० ॥ करपदफाटा
 तेहनारे ॥ तोजनरुचीनवीथायरे ॥ सा० ॥ २५ ॥ क० ॥ तरपानीपीमाघणी
 रे ॥ पेटमांनटकेनीररे ॥ सा० ॥ खेदकरीधनचितवेरे ॥ एहअकालेंपीररे ॥
 ॥ सा० ॥ २६ ॥ क० ॥ अथवापापबिलाशनोरे ॥ कालतणोनहींनीमरे ॥
 ॥ सा० ॥ स्यूंकरींशणअवशरेरे ॥ कोईमिलेनहकीमरे ॥ सा० ॥ २७ ॥ क०
 परिजनदूहवांशणोरे ॥ धनसिरीकरेजदवेगरे ॥ सा० ॥ मुखकमलायुंनंदनुरे
 करूजंपाअतिवेगरे ॥ सा० ॥ २८ ॥ क० ॥ श्मकरतांसङ्गडखधरेरे ॥ वली
 कायरनुंएकामरे ॥ सा० ॥ षेदनकरवोआपदारे ॥ तिणेवलीचितेआमरे ॥
 ॥ सा० ॥ २९ ॥ क० ॥ एहजचीत्तठेमाहरेरे ॥ आव्युंएपरकूळरे ॥ सा० ॥
 द्रव्यधणकरूनंदनेरे ॥ एहिवणांअनुंकूळरे ॥ सा० ॥ ३० ॥ क० ॥ विधी
 विलासविचित्रठेरे ॥ निपजस्थेकिस्थूंकालीरे ॥ सा० ॥ नंदतेमुळसाईसमो
 रे ॥ सूपुंसङ्गसंताळिरे ॥ सा० ॥ ३१ ॥ क० ॥ धनसिरीसुपुंएहनैरे ॥ पो
 चासस्थेमुळगेहरे ॥ सा० ॥ चितवीनंदबोलावीजरे ॥ धणसिरीपणिससनेहरे ॥
 ॥ सा० ॥ ३२ ॥ क० ॥ नंदसूणोमुळवातमीरे ॥ म्हारीअवस्थाएहरे ॥ सा० ॥ ई
 ऋतिकूलपणिढूकंभुरे ॥ जिवितविजलीरेहरे ॥ सा० ॥ ३३ ॥ क० ॥ अक्षस
 रिषाजेरोगीआरो ॥ तेहनंतोसूविसेसरे ॥ सा० ॥ द्रव्यनायकतुम्हेआजथीरो ॥ जो
 ग्यनहीकोईसेशरे ॥ सा० ॥ ३४ ॥ क० ॥ एहशायरपारिउतररे ॥ कर
 ज्योरोगजपायरे ॥ सा० ॥ जोजास्थेतोरुअंभुरे ॥ जोकदीरोगनजायरे ॥
 ॥ सा० ॥ ३५ ॥ क० ॥ तोमुळसाईनास्त्रेहथीरे ॥ पोहचावज्योसङ्गठामिरे ॥
 ॥ सा० ॥ धनसिरिएपतीवठळारे ॥ तातनेसूपज्योतामरे ॥ सा० ॥ ३६ ॥ क० ॥
 सुंदरीसूणोएनंदनेरे ॥ टालीपापविकाररे ॥ सा० ॥ मुळपरिजाणज्येएहनुरे ॥

वयणनलोपज्येसाररे ॥ सा ॥ ३७ ॥ क० तेहसूणीबहुडखधरेरे ॥ रोयोमुं
 कीपोकरे ॥ सा० ॥ ३८ ॥ धणसिरीपणिकपटैरुशरे ॥ धनकहेनकरोशोक
 रे ॥ सा० ॥ ३९ ॥ क० ॥ नहीअवशरएविषादनोरे ॥ अवसरउचितविचार
 रे ॥ सा० ॥ क्वीवपणंकीमआदरोरे ॥ आदरोपुरुषाकाररे ॥ सा० ॥ ४० ॥
 ॥ क० ॥ राजधानीरमणीरीदेरे ॥ करतोजेनीतशोकरे ॥ सा० ॥ तेहतजोतू
 म्हेंसुंदरीरे ॥ हवेबिलवोमतफोकरे ॥ सा० ॥ ४१ ॥ क० ॥ पुरुषनारीतेहज
 षरीरे ॥ जाणेंकालअकालरे ॥ सा० ॥ उद्यमेंआपदलंघीशरे ॥ पांमींश्छ्छीवी
 शालरे ॥ सा० ॥ ४२ ॥ क० ॥ धनशीकाअंगीकरीरे ॥ मांथुनंदेएहरे ॥
 ॥ सा० ॥ महाकमाहधीपेंगयारे ॥ कुसलेषेंमेंतेहरे ॥ सा० ॥ ४३ ॥ क० ॥
 चोथीचोथारवंममारे ॥ साषीउत्तमढालरे ॥ सा० ॥ समरादीत्यनारासमारे ॥
 पन्नकहेसूरशालरे ॥ सा० ॥ ४४ ॥ क० ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४४ ॥
 ॥ डहा ॥ नंदलेइहवेसेटणं ॥ आव्योनरपतीपाय ॥ राइवहुआदरदिउ ॥ आ
 प्योरहेवाठाय ॥ ४५ ॥ सांमउतास्थांसलीपरें ॥ बैद्यबोलाव्याकार ॥ औषधसे
 षजआदरे ॥ किधाकोमीप्रकार ॥ ४६ ॥ व्याधीगयोनहीवेगलो ॥ तवचिते
 तिहानंद ॥ निजदेशेंपोहतावीना ॥ किमजाइंडरककंद ॥ ४७ ॥ कालरूपक
 रवोनहीं ॥ इमंचितवतोएहा ॥ सांमवेचीप्रतीसांमले ॥ जानपात्रसजेजेहा ॥ ४८ ॥
 सूपतीनेंमीलीउत्तलो ॥ तेपणिकरेसतकार ॥ निजदेशेंजावातणी ॥ तूरततेथ
 यातयार ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ नदिजमुंनाकेतीरउमेदोयपंषीआरे ॥ उमे० ॥ एदे
 शी ॥ वेठावाहणमांहिकेजलकौतूकजुशरेके ॥ जल० ॥ धननेंजीवतोदेपीके
 धनसीरीमनरूशरेके ॥ धन० ॥ मरणलस्योनहीएहकेचित्तइमंचितवेरेके ॥ चि
 त० ॥ पोहताजबनिजदेशकेतवपठेकिमहुवेरेके ॥ त० ॥ ५० ॥ जीवतोसा
 लसमाजकेएमुफनीतदहशरेके ॥ एमु० ॥ नापुंसायरमांहिकेतोमनसूरवलहरे
 के ॥ तो० ॥ उठेशीचनीभित्तकेरयणीइएजदारेके ॥ रय० ॥ अंधकारमांए
 हकेनापुंजंतदारेके ॥ नापुं० ॥ ५१ ॥ वाहणचपलस्यसावकेंकिहाइवहीजस्ये
 रेके ॥ किहां० ॥ एपिणमाहरेनंदकेथीरसावेथस्येरेके ॥ थिर० ॥ चितवीए

हजपायकेतिमनीपजावीउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहरहीसेषकेतबएहसा
 धीउरेके ॥ तब० ॥ ५२ ॥ काजयोमोरहीतामकेबुंवारवकरयोरेके ॥ बुंवा० ॥
 नंदजगीकहेंमकेस्वामीनीयरहयोरेके ॥ स्वा० ॥ चाकतीरुदयसडरककेअ
 तीशयरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हाआर्यपुत्रतणंतीकेवरणींसोवतीरेके ॥ वर० ॥
 ॥ ५३ ॥ नंदशंकाजहीजामकेधनशय्याजुशरेके ॥ धन० ॥ तवनवीदीगतेह
 केपुठतोबझरुशरेके ॥ पुठ० ॥ कहेधणसीरीपरमादेकेंपनीआशायरेके ॥ प० ॥
 पमवामामयुंनंदेकेंरुदयथीकायरेके ॥ रुद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
 धरीराष्योबझपररेके ॥ रा० ॥ बाहणरषाअुंतिणसमेपोलितेबझकरीरेके ॥ पो
 लि० ॥ प्रातसमेउपमावीआंनांगरडरकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सज्जननंदशमान
 केकोईनुंनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डर्जनधनसीरीजोमिकेजगमानवी
 जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षजमाहकेबाहिरशमरमेरेके ॥ वा० ॥ हवेधन
 कूमरतेजेहकेपनीआजेतलेरेके ॥ पनी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
 तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्यांहिकेंकांठेनीकड्योरेके ॥ कांठे० ॥
 लवणनीरसेवनथीकेपेटमांपलसड्योरेके ॥ पेट० ॥ कांमणनीकड्यांतामके
 पुण्यजदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुळकेशंणिपरिमनसयोरेके ॥
 ॥ शणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेवेगोचितवेरेके ॥ वेगो० ॥ अहोएहमा
 याबझलकेस्युंकस्युंकेतवेरेके ॥ स्युंक० ॥ अहोनीरदयपणंनारिकेवयरके
 हेवुंवहेरेके ॥ वय० ॥ अहोमुखीमीठीएहकेकुलपंपणलहेरेके ॥ कुल० ॥ ५८ ॥
 ॥ यतः० ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोत्तता ॥ अशौचंनिर्दयत्वंच ॥
 स्त्रीणांदोषाःस्वप्तावजाः ॥ १ ॥ जलमळेमठिपयं ॥ आगासेपपीआणपयपंती ॥
 महिलाहिययाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासंती ॥ २ ॥ यतःसत्रैउ ॥ कवडुं
 विनीतामडवाचवदे ॥ कवडुंतिनसंकटुवाचकहे ॥ कवडुंमनरंगविरंगधरे ॥
 कवडुंजवीरागीनऊरहे ॥ कवडुंशंकवोलसहेनसलो ॥ कवडुंकटुवोलअनेक
 सहे ॥ मुनीधनकहेजगदिशविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहो ॥ १ ॥ कवडुं
 जपुसीविपुसीमनमो ॥ बझसांतीकपटकरेतनी ॥ कवडुंजदयारउदारचितें ॥ क

बङ्गलङ्गचित्तहोश्लरनी ॥ कबङ्गसबजानअजानहोवे ॥ कबङ्गदृगनीरफरेऊ
 रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीशवीना ॥ कहोकोनलहेत्रीयकीकरनी ॥ २ ॥ ठा
 लपूर्वनी ॥ कीधोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो ॥ अथवावि
 वेकरहीतकेकारणस्यूहस्येरेके ॥ कार ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाहसत
 एंरेके ॥ एसा ॥ कपटनीउतपतीएहकेषेत्रमृषातएरेके ॥ षेत्र ॥ ५९ ॥
 उन्मारगनुंद्वारकेआपदगेहरेके ॥ आप ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गलाए
 हरेके ॥ अर्ग ॥ अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके ॥ कर ॥ हमणउद्य
 मसाक्षकेकरेमाहसंहरीरेके ॥ माह ॥ ६० ॥ वस्तुअतीतनीचित्तकेमुऊनेनवी
 घटेरेके ॥ मुऊ ॥ उम्योइमअवधारिकेचाट्योशायरतरेके ॥ चाट्यो ॥
 शणिअवशरिशावडिकेनयरीनोधणीरेके ॥ नय ॥ सिंहलक्षीपेंजायकेदीकरी
 तेहतणीरेके ॥ दिक् ॥ ६१ ॥ बाहणत्तागुंतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दासी ॥
 मरणलहीतेचेटीकेकांतिघणदेहनीरेके ॥ कां ॥ कांठेकाढीकछोलेकेंदीठीति
 एसमेरेके ॥ दीठी ॥ रयणावलीतसढेहेकेदिठांमनगमेरेके ॥ दीठां ॥ ६२ ॥
 तिलोकंशारानामकेहारतणंसलूरेके ॥ हार ॥ लेवीघटेनहीमुऊकेइममन
 अटकलूरेके ॥ इम ॥ पणिंशणिप्रव्यवशायकेकरीनेआपस्यूरेके ॥ कसी ॥
 वारंवारउद्वेगेकेशूतपखियापस्यूरेके ॥ शूत ॥ ६३ ॥ लीधीरयणावलीतेहके
 चाट्योतबमल्योरेके ॥ चा ॥ महेसरदत्तकपालिकेकूमरनेअटकल्योरेके ॥
 कूम ॥ सायरकाठिमंत्रकेशधनतेकरेरेके ॥ साध ॥ रेसबवाहसूततूऊ
 केआवबुंशणिपरेरेके ॥ आ ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातूऊकेदेषीडःखदिशरेके ॥
 ॥ दे ॥ घरडिघ्नवीकङ्गइमकेकुमरचितेहैशरेके ॥ कु ॥ कहेमुऊत्तागुंजी
 हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय ॥ तिणेंअवस्थाइमकेवलीतनुरोगीउरे
 के ॥ वंली ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविंधीवक्ररेके ॥ ए ॥ चंच
 ललषमीअनीत्यकेशंसारचक्ररेके ॥ सं ॥ कलपट्टसमतूऊकेआपदएह
 वीरेके ॥ आं ॥ तोपामरजनअन्यकेवाततेकेहवीरेके ॥ वा ॥ ६६ ॥
 पणिसूणिवातएमुऊकेरुदयकठीनकरोरेके ॥ रु ॥ इणसमेसयणकेदूष्टनो

आवेपटंतरोरेके ॥ आ० ॥ साग्यतणींमषवरकेनिःसंशयपमेरेके ॥ निःसं ॥
 अगरसुगंधनीषवरकेअनलेंजवचढेरेके ॥ अन० ॥ ६७ ॥ इमएहआपद
 जाणोकेबहुउपगारणीरेके ॥ बहु० ॥ पणिहवेथोमोकालकेतूजसहचारणीरे
 के ॥ तूज० ॥ लक्षणताहरांदैषिकेजाणिइंशणिपरेंरेके ॥ जाणी० ॥ साधारण
 तुजडरककेमुजसंपदपरेंरेके ॥ मुज० ॥ ६८ ॥ तजीउंधणकणसंगकेस्युंतुजउ
 पगरेंरेके ॥ स्युं० ॥ पठितसीद्धदेउंमंत्रकेतूजनेंहीतकरेरेके ॥ तूज० ॥ तद्ध
 कजातीनासर्पकेतसपणिविषहरेरेके ॥ तस० ॥ एपिणहोयकेमंत्रबहुनेंसुषक
 रेंरेके ॥ बहु० ॥ ६९ ॥ चितेधनकुमारकेमुनीउपगारीओरेके ॥ मुनी० ॥
 करीमुजनेंशूतदृष्टिकेमुजनेंतारीउरेके ॥ मुज० ॥ कहोकेमलेउंमंत्रकेविण
 कांयउपगरेंरेके ॥ वि० ॥ धनकहेमंत्रनादेवकेगृहीनेंडरककरेंरेके ॥ गृ० ॥
 ॥ ७० ॥ तवकापालीकबोलेकेनहीमंत्रआकरोरेके ॥ नही० ॥ धनकहेनही
 मुजकामकेमुजकिरपाकरोरेके ॥ मुज० ॥ पांचमीचोथेरवंदेकेढालएमनध
 रेंरेके ॥ ढाल० ॥ पन्नकहेउपगारकेशणिपरेंसज्जकरोरेके ॥ शणि० ॥ ७१ ॥ छह॥
 महेसरदत्तमनथकी ॥ चितेइमविचार ॥ इणैमुजनेंनवीउलप्यो ॥ नलिशंतिऐं
 निरधार ॥ ७२ ॥ इमकहीप्रगटकस्युंशणि ॥ सूलिसत्तवाहसूजांण ॥ जुवटीउंमु
 जजाणजे ॥ पुरवएपहीचाण ॥ ७३ ॥ अवरविकल्पनआदरो ॥ मंत्रएत्यो
 महाराज ॥ नहितरपीणामुजघणी ॥ उपजस्येसूलिआज ॥ ७४ ॥ सघलुते
 संतारीनें ॥ चितमांकरेविचार ॥ एहनेंपीणउपजे ॥ तिणेंएलेउंतयार ॥ ७५ ॥
 कुमरकहेकिरपाकरो ॥ तवदिधोतिणेंमंत ॥ लिधोतवदाजेंकरी ॥ गयातपव
 नएगंत ॥ ७६ ॥ खाधांफणसादिकखरां ॥ एकदिनरक्षाउठाह ॥ प्रणमीबहु
 लेप्रेमस्युं ॥ चाट्योनिजघरिचाह ॥ ७७ ॥ रतनावलीराषेगुपत ॥ जाइंआ
 गलजांम ॥ सावढीनेंपरिसरें ॥ मारगपोहोतोताम ॥ ७८ ॥ ढाल ॥ व्याजसूरं
 मारेप्राणीआ ॥ एदेशी ॥ विचारधवलतीहांराजीउ ॥ फाम्योताससंभारो ॥ चो
 रेंचोरीकरतांथकां ॥ पकमेलोकतिवाररे ॥ जोगीजंगमजाररे ॥ कमीकापेमी
 नीरधाररे ॥ व्यावेमंजीनेंद्वाररे ॥ ७९ ॥ कर्मनबूटेरेआतमा ॥ मंत्रितेहनीपरी

प्याकरी ॥ मुंकीदीशततकावरे ॥ धनतेसांसलीवातनें ॥ बलीउतिणहीजतालरे ॥
 चौकीपुरसइनीहावरे ॥ जातांपकम्योसंसावरे ॥ उपनीमनमांतेकावरे ॥ ८० ॥
 ॥ कर्म ० ॥ कहेसइकिहांथीआव्यातूम्हे ॥ तवबोदयोतेहइमरे ॥ सूसमनयर
 थीआवीउ ॥ कहेकिहांजावानोप्रेमरे ॥ आगेगयाऊंताजेमरे ॥ पाठाजास्युं
 घरितेमरे ॥ मुऊपकमोतुम्हेकेमरे ॥ ८१ ॥ कर्म ० ॥ रायविचारधवलधरे ॥
 चोरीचोरेतेंकीधरे ॥ तिणेंअमजोवानेंमुंकीआ ॥ बिजांकामनिषेधरे ॥ अमनें
 आणाएदिधरे ॥ तुम्हेतोपुण्यथीइररे ॥ पणिपकम्याइणिविधरे ॥ ८२ ॥ कर्म ० ॥
 मंत्रीपासेंचालोतूम्हे ॥ कोपनकरस्योनिजचित्तरे ॥ धनकहेदोषनम्हेकस्यो ॥
 ऊंस्येआवुंकहोमीत्तरे ॥ तवतेकहेकऊंहितरे ॥ अम्हेआणाकारीनितरे ॥ अव
 श्यजवानीठेरितरे ॥ ८३ ॥ कर्म ० ॥ विणइठापणिचालीउ ॥ दिठोमंत्रीइतेहरे ॥ पुढे
 कीहांथीआव्यातूम्हे ॥ पुरवनीपरेंएहरोवातकहीसवीजेहरे ॥ मंत्रीकहेतूऊदे
 हरे ॥ संबलपासेंठेकेहरे ॥ ८४ ॥ क ० ॥ तवतेहलोसअज्ञानथी ॥ बोदयाविगरवीचार
 रो ॥ मुऊपासेंतोकांईनथी ॥ मंत्रिसापेतिवाररे ॥ कहेजेहोयजेनिरधाररे ॥ धनकहे
 नहीफेरफाररे ॥ जुठनोइहांनहीचाररे ॥ ८५ ॥ क ० ॥ मंत्रिसरकहेजाउसूरवें ॥
 तवजातांघरबाररे ॥ घोटकशालानेंघोमले ॥ ताण्युंवस्रजेशाररे ॥ फाटुंतेहजी
 वाररे ॥ मालापमीअतिवाररे ॥ सप्परीषीअणिधाररे ॥ ८६ ॥ क ० ॥ दीठोमं
 त्रीइतेतले ॥ लिधोरयणावलीहाररे ॥ उलषीमनमांरेंचितवे ॥ राजधूआथयोमा
 ररे ॥ पुढेहारअधीकाररे ॥ तवलझामनधाररे ॥ बोदेधनकूमाररे ॥ ८७ ॥ क ० ॥
 महाकमाहधीपेंगयो ॥ जिहाजेंबइजीनेंजठरे ॥ लीधीरयणावलीमुलथी ॥ पा
 ठांवलतांमुऊतठरे ॥ जिहाजसागुंगयोअठरे ॥ एकरयणावलीहठरे ॥ निक
 ट्योआव्योऊइठरे ॥ ८८ ॥ क ० ॥ तुम्हेक्यारेलीधीमूलथी ॥ तवबोदयोधन
 वाणरे ॥ एकवरसमुऊनेंथयुं ॥ मंत्रीचितेसूजाणरे ॥ लिधीआपणेंगुणपांणि
 रे ॥ मासत्रणिथयाताणरे ॥ दिधीकूमरीनेंपाणरे ॥ ८९ ॥ क ० ॥ बेमासग
 यांथयातेहनें ॥ एतोबोलेठेइमरे ॥ वातकहोएहकिममले ॥ बोलेजुहुंएनेमरे ॥
 कुमरोमारीएणेएमरो ॥ कहुंनृपनेंथयुंजेमरो ॥ नृपक्रोधेंथयोसैमरे ॥ ९० ॥ क ० ॥

रयणावलीजोईसूपती॥तेम्योसंमारीजांमरे॥तिणेंकहुंएहतेआपणी॥चितेसूपउ
 दामरे ॥ मारीकुमरीनेंठामरे ॥ नहीतोएकीमआमरे ॥ क्रोधघणोथयोतामरे ॥
 पणिन्याईअसीरामरे ॥ ए १ ॥ क ० ॥ वारें २ पुढावीजं ॥ पणिनवीकहेफेर
 फाररे ॥ तेहनोतेहउत्तरदिशं चढिउक्रोधअपाररे ॥ ऊकमकरयोवधत्पाररे ॥
 मिमिमवाजेअसाररे ॥ चोपमीकामिसगाररे ॥ ए २ ॥ कर्म ० ॥ लोकजणावण
 कारणें ॥ साथेंराषीतेमालरे ॥ वधथानिकलेईजायतां ॥ हाटिसेरीसूवीशाळरो
 मालतेमांसनीहाळरे ॥ लावकपंषीतिणताळरो॥हारलेईचाट्योततकाळरे ॥ ए ३ ॥
 ॥ कर्म ० ॥ निजमालामांमालाधरी ॥ हवेधनकुमरमशाणरे ॥ लाव्यातिहांवध
 कारणे ॥ बोलाव्योतिहांपाणरो॥चंमालपानेसमसाणरो॥राजपुरुषेंजमराणरे ॥ सूं
 पीवलीआतेठाणरे ॥ ए ४ ॥ कर्म ० ॥ थोमीसूमीतेलेईगयो ॥ जोयुंतासनीहाळरो
 एहवुरुपनेंआकृती ॥ दिशेपुण्यवीशाळरे ॥ करेनअकारजवाळरे ॥ किममा
 रुऊअकाळरे ॥ इणिपरेंचितेचंमालरे ॥ ए ५ ॥ कर्म ० ॥ अथवाआणाकारीअ
 ह्मे ॥ इमविचारेस्युंथायरे ॥ कहेसाईवेसितुंसमीपरे ॥ हवेतूजआधीउंआयरे ॥
 सांसदिवाततूंसायरे ॥ मुळआवकमीत्रथायरे ॥ ताससंगतीसूरवदायरे ॥
 ॥ ए ६ ॥ क ० ॥ क्रूरदृष्टीनहीमाहरी ॥ पणिचाकरथयारायरे ॥ तिणेंअम्हेवि
 नव्योरायनें ॥ मारीइजेहनेंजायरो॥शुसपरिणामीजोथायरे ॥ तोसदगतीमाहि
 जायरे ॥ तिणेंमारस्युंपदषायरे ॥ ए ७ ॥ क ० ॥ एकमुळुत्तपदस्त्रीकरी ॥ प
 ढेंकरस्युंतम्हआणरे ॥ राइपशायअम्हनेंकस्यो ॥ तिणेंतुंबोदिसूजाणरे ॥ क
 हेतेकरीइविन्नाणरे ॥ धनचितेअहोपाणरे ॥ किणीपरेंबोलेबेवाणरे ॥ ए ८ ॥
 क ० ॥ चोथेपंढेढीकही ॥ इणिपरेंउत्तमढाळरे ॥ पदविजयेंसोहामणी ॥ उत्त
 मविजयनोवाळरे ॥ उत्तमजननोएढाळरे ॥ सांसलोवातरशाळरे ॥ सूनतांमं
 गलमालरे ॥ ए ९ ॥ क ० ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥
 ॥ उहा ॥ चितेधनइमचित्तमां ॥ परउपगारीपाण ॥ अनुंकपाजुउआकरी ॥
 संगतीफलअसमाण ॥ २० ॥ सऊनसंगतिसेवीइ ॥ कूमतीमोहकरेडर ॥ नि
 तीवीवेकनवनवहोइ ॥ पुण्यतणोहोयपुर ॥ १ ॥ आवकनीशंगेसखर ॥

किमएकर्मचंमाल ॥ जातिचंमालएजाणीइ ॥ केहवुंदरीसअकाल ॥ २ ॥
 निशासोहवेनांषीने ॥ बोलेइणीपरेंबोल ॥ रायशासनकरितुंसुखें ॥ करवुनही
 कांईतोल ॥ ३ ॥ धीरजदेखीधनतणं ॥ परषीपुरुषप्रसाव ॥ निरअपरा
 धीनरअठे ॥ पणिमारणप्रस्ताव ॥ ४ ॥ चतुरचंमालगदगदचवे ॥ आंसूमेसरीआं
 षि ॥ इष्टदेवशंसारीइ ॥ षेदतेडरिनाषि ॥ ५ ॥ धरजेध्यानंतुंधरमनुं ॥ सनमु
 खकरजेसग ॥ धनचितेधिगमाहरो ॥ जनमगयोइणिजग ॥ ६ ॥ जमजीहा
 सरिषीजुउ ॥ काढीइणिकरवाल ॥ वाहीनिजकरइसीवली ॥ वचनकहेविक
 राल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ नएदलविंदलीचै ॥ एदेशी ॥ सूएज्योसऊलोकावांणी ॥
 रायकुमरीवंचीइणिप्रांणीहो ॥ सूएज्योसऊलोका ॥ तिलोकसारारयणमाला
 अपहरीइणिथईजमालाहो ॥ ८ ॥ सूएज्योसऊलोका ॥ तिणेएहतेमाख्योजा
 इ ॥ इमजेकरस्येतसथायहो ॥ सू० ॥ वाहिइमकहीकरवाल ॥ करुणाशून्य
 सावविशालहो ॥ ९ ॥ सू० ॥ नवीलागोतेहप्रहार ॥ पम्योप्रथवीउपरित्यार
 हो ॥ सू० ॥ करवालढुटिततकाल ॥ धनकूमरकहेसूरसाजहो ॥ १० ॥ सू०
 करिआणितुंसूपतीकेरी ॥ तूंचाकरस्युंकऊंफेरीहो ॥ सु० ॥ नकरीसकुंतूमप
 रघाय ॥ चंमालकहेसूणिसायहो ॥ ११ ॥ सू० ॥ कांयककरुंतूऊउपगार ॥
 तूंमुखथीसाषिप्रकारहो ॥ सू० ॥ इणअवशररायनोपुत्र ॥ सूमंगलराषेघरसू
 त्रहो ॥ १२ ॥ सू० ॥ गयोतेहउद्यानमफारि ॥ अहिमसीउंफेरअपारहो ॥ सू०
 व्याप्युंतेसधलेअंग ॥ थयोकाष्टपरेंतसरंगहो ॥ १३ ॥ सू० ॥ आण्योतेनरप
 तीपासैं ॥ गारुमीबोलाव्याउछासैंहो ॥ सू० ॥ आव्यातेदेषीतास ॥ गारुमीथ
 यासर्वनिरासहो ॥ १४ ॥ सू० ॥ मंत्रउषधकीधांतेणें ॥ पणिगुणनथयोकां
 यइणेंहो ॥ सू० ॥ राजालहीषेदवीचारे ॥ अचित्यशकतीनीरधारेंहो ॥ १५ ॥
 ॥ सू० ॥ सिद्धगारुममंत्रकोहोय ॥ आवीजीवामेकोयहो ॥ सू० ॥ इणिपरेंदंमी
 मवजमावे ॥ कोइआवीकुमरजीवावेहो ॥ १६ ॥ सू० ॥ तेजेमांगेतेदिजें ॥
 त्रिकचोकचाचरेवदीजेंहो ॥ सू० ॥ एकदंमीमफिरतौआयो ॥ जिहांधनव
 धकेरोठायोहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ सूएज्योसद्धतेधनकुमारे ॥ कोइराजकुमरउ

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेमांगेतेआपे ॥ बलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८ ॥
 ॥ सू० ॥ कहेधनचंमालनेंश्म ॥ तुज्जआग्रहवेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुज्ज
 किजेकांम ॥ रायसूतसूमंगलनामहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ करम्योजेएहनेसापा
 जईजीवामुंजुंआपहो ॥ सू० ॥ पढेमारज्योश्मसुंणीहरप्यो ॥ चंमालचित्तेम
 नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाये ॥ तसत्पतीकीमदूःखप
 मायेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपदुपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥ सू० ॥
 ॥ २१ ॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमंणिपरेंमरणलेहहो ॥ सु० ॥ ते
 पमहवादकनेंतेम्यो ॥ कस्योसर्ववृत्तांतरहीनेमोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए
 हसाचुंकेम ॥ तवधनबोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ ठेमंत्रतोजालीमजोर ॥ पढे
 साग्यफलेणेंगेरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमानवीआपणंचाले ॥ पणिजोउंए
 मंत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ श्मसांसलीसज्जइविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहंकरेहो ॥
 ॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्वयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेलेईआवेहो ॥ सू० ॥
 सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेवींणीपरेंसावेहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्रव्यलीई
 कीमएह ॥ आकृतीसौसाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्युं पढेवातविचार ॥ वि
 षमागतीविषनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवंतोनरपतीबोले ॥ तद्रमस्तकतूम
 चेंषोलेहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुंकोविषवाद ॥ जुउमंत्रशकतीअवीवादहो ॥
 ॥ २७ ॥ सू० ॥ संसारेमंत्रसूजाण ॥ चितामणीमंत्रसमाणहो ॥ सू० ॥ निद्रामांथी
 जीमजागे ॥ तिमवेगेथयोनृपसागेहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ जसवादथयोगमि २ ॥
 नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खंमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्व
 विजयसूरशालहो ॥ २९ ॥ सू० ॥ डहा ॥ राइकंदोरोदिउ ॥ अंतेउरेंआसरण
 ॥ वरसेंतिहांवारुपरें ॥ कोइकूंमलदीइकर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे
 एस्युंइणिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीइस्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे
 चंमालतेकिजीइ ॥ धनबोलेइमधन ॥ चितेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ
 गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुढूंआम ॥ पुढिसअथवाहुंप
 ठे ॥ करीएहनुंकांम ॥ ३३ ॥ पुढोकहेपमीहारनें ॥ कहोखपताहरेकांय ॥

पमीहारेजईपुढीउं ॥ रेतूऊतूगोराय ॥ ३४ ॥ जिवाक्योनृपसूतजिणें ॥ तुगो
 अथवातेह ॥ खंगीलतूंखांतिकरी ॥ मागिवुठाभेमेह ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ वारी
 मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खंगिलचितेखांतिस्वूंहोराजि ॥ महापुरुषकोइएहा
 वारीमोरासाहिबा ॥ कामथयुंनररायनुंहोराजि ॥ दिसेढेनिःसंदेहा ॥ ३६ ॥ वा ०
 पुढेकीमएजीविआहोराजि ॥ तवबोलेप्रतिहार ॥ वा ० ॥ एहमांस्योशेदेहो
 राजि ॥ कांयकमांगजदार ॥ ३७ ॥ वा ० ॥ बोढ्योखंगीलहरषतोहोराज ॥
 जोमुऊतूगोराय ॥ वा ० ॥ तोएपापआजीवीकाहोराज ॥ उत्तयलोकदूखदा
 य ॥ ३८ ॥ वा ० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोढ्योतवप्रतिहार ॥ वा ० ॥
 स्वूंमांग्युंएतेइहांहोराज ॥ मागितूंद्रव्यविचार ॥ वा ० ॥ ३९ ॥ खंगिलकहे
 एउपरेंहोराज ॥ नहीकोईजगमांसार ॥ वा ० ॥ सांसलीजईकधुरायनेहोराज
 राईकिधविचार ॥ वा ० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअलोसताहोराज ॥ धनकहे
 जातीचंमाल ॥ वा ० ॥ कर्मचंमालनएहोहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाळ ॥ ४१ ॥
 वा ० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाय ॥ वा ० ॥ लाषसोव
 नआपोनुम्हेंहोराज ॥ तूम्हेअमचाययानाय ॥ ४२ ॥ वा ० ॥ सहसचंमाल
 लकुटंबजिकेहोराज ॥ विऊवासीवलीजेह ॥ वा ० ॥ पाटणपढीमबाहिरेंहो
 राज ॥ अथगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा ० ॥ सऊंशेतेनीपजाबोउंहोराज ॥ राय
 नेंवचनेंथाया ॥ वा ० ॥ कांममनेंदेवताकरेहोराजा ॥ सेठतेधनखरचाया ॥ ४४ ॥ वा ० ॥
 खंगीलहरष्योचित्तथीहोराजा ॥ उगस्याधनकुमार ॥ वा ० ॥ तेहवोधनेंहरष्योनही
 होराजा ॥ सऊनएहआचार ॥ ४५ ॥ वा ० ॥ रायकहेधननेंहवेहोराजा ॥ दिषीतूम्ह
 चरीत्ता ॥ वा ० ॥ जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज ॥ पणिसाषोसुपवीत्त ॥ ४६ ॥ वा ० ॥
 किहांनावासीनांमस्वूंहोराजा ॥ साषोउलपुंआजा ॥ वा ० ॥ तवधनचित्तमांचितवे
 होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा ० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
 ज ॥ दीधीतेसांसरीतांम ॥ वा ० ॥ निशासोनांषीघणोहोराज ॥ चितेउत्तम
 कूलआम ॥ ४८ ॥ वा ० ॥ धनकहेस्वूंपुढेतूम्हेहोराज ॥ माहराकुलनीवात
 ॥ वा ० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्वूंहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥ वा ० ॥ ४९ ॥ अ

यवाकुलनोदोषस्योहोराज ॥ कमलेंतेलपमीनीवाश ॥ वा० ॥ तिहांपणिकीनो
 उपजेहोराज ॥ पावकहरीकुलपास ॥ ५० ॥ वा० ॥ जातीमात्रेज्जवाणीउहो
 राज ॥ पणिवणिकनआचार ॥ वा० ॥ सूसमनयरवासीवलीहोराज ॥ नाम
 तेधनकुमार ॥ ५१ ॥ वा० ॥ रायचितेधनज्जययोहोराज ॥ एहवारतननोना
 श ॥ वा० ॥ नकस्योम्हेतिणेंकारणेंहोराज ॥ हवेकहेसूपतितास ॥ ५२ ॥
 वा० ॥ किम्युंअकारयआचर्युंहोराज ॥ तेपरमारयसाषि ॥ वा० ॥ किम
 रयणावलीपामीआहोराज ॥ शीणअवशरिसज्जसाषि ॥ ५३ ॥ वा० ॥ उद्या
 नपालीकानामथीहोराज ॥ मनोरमाअसीराम ॥ वा० ॥ अरजकहेतूमचीधूआ
 होराज ॥ आवीवीनयवतीनांम ॥ ५४ ॥ वा० ॥ वातसूणीहरष्योघणहोरा
 ज ॥ सेनालेईचतूरंग ॥ वा० ॥ पेशारामोहवकरेहोराज ॥ वाध्योअतीउठ
 रंग ॥ ५५ ॥ वा० ॥ घरिलावीनेंपुढीउहोराज ॥ रयणावलीअवदात ॥
 साकहेजीहाजमांचालतांहोराज ॥ प्रचंदवायरावात ॥ ५६ ॥ वा० ॥
 दासीकरेम्हेआपीउहोराज ॥ रयणावलीतवहार ॥ वा० ॥ तिणींवां
 ध्योठेढलेहोराज ॥ सायरमध्यमऊरि ॥ ५७ ॥ वा० ॥ फुटुंजिहाजति
 णेंसमेहोराज ॥ गुळरूदयजिमनारि ॥ वा० ॥ दैवयोगेंएकपाटिउंहोराज ॥
 पाम्युंजीवदातार ॥ ५८ ॥ वा० ॥ अनुंकमैआवीज्जंहांहोराज ॥ तवचितें
 सूपाल ॥ वा० ॥ उठवउपरेंआवीउहोराज ॥ उठवएसूरसाल ॥ ५९ ॥ वा० ॥
 पुत्रपुत्रीजीव्यांजुउहोराज ॥ कूंअरगयोअपराध ॥ वा० ॥ पुण्यवसेंआवीमि
 लेहोराज ॥ पामेसूरवअगाध ॥ ६० ॥ वा० ॥ चोथेखंमेएकहीहोराज ॥ अ
 चरीजआठमीढाल ॥ वा० ॥ श्रीगुरुउत्तमनोकहेहोराज ॥ पद्मतेवातरशाल
 ॥ ६१ ॥ वा० ॥ इहा ॥ रायकहेधणकूमरनें ॥ परिकहोएखांति ॥ लिथी
 किहांरयणावली ॥ सापोतेसलीसांति ॥ ६२ ॥ सायरतिरेंम्हेसही ॥ धनकहे
 म्हेलीध ॥ नृपकहेशवदिठुंकनें ॥ कुंअरेंहातवकीध ॥ ६३ ॥ तेहजकारणआ
 तमा ॥ कज्जअकार्यकरनार ॥ पारकोद्वयमेंअपहरयो ॥ शोचकरूंशंसार ॥
 ॥ ६४ ॥ नपलेएहगृहस्थनें ॥ मनथीमुंकोषेद ॥ हवेस्यूकरींस्तूमहेने ॥ सापोते

हनोतेद ॥ ६५ ॥ मनवंतीतदिधुमने ॥ करयुंचंमालनुंकाम ॥ नृपकहेथोमाए
 हने ॥ दिधाठेअमेदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥ एहनौबहुउपगार ॥
 मांगितुंकांयकमुऊकने ॥ तवबोढ्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ तुमदरीशणपाम्योती
 के ॥ अधीकुंकांयनअन्य ॥ राजातवनीजआतरण ॥ आपतबहुअगन्य ॥
 ॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीहुई ॥ तेहपुरुषसंघात ॥ नयरसूसमतणीनरपती ॥
 पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हेपिलांपीतांबरपहेरोजीमुखनेमरक
 लमे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोताजी ॥ कर्मविटंबण ॥ गिरीथलपाटणस
 महोताजी ॥ कर्म ॥ तिहांचंमसेननररायजी ॥ क ॥ तेहनासंभारमांथी
 चोरीथायजी ॥ क ॥ ७० ॥ षोलेकोढवालतेचोरजी ॥ क ॥ त्रिकचोक
 एकांतवलीठोरजी ॥ क ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क ॥ परि
 ष्याकरीदीईस्याबासीजी ॥ क ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेपकम्याएहजी ॥ क ॥
 कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क ॥ चोरीथश्रायसंभारजी ॥ क ॥ तिणेंप
 कम्याढईनीरधारजी ॥ क ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क ॥
 कहोतिहांजईशंदाषोमागजी ॥ क ॥ पंचातिथाईतिहांदावेजी ॥ क ॥ चो
 वटिआपुढेसावेजी ॥ क ॥ ७३ ॥ किहांथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क ॥ आ
 व्यासावडीथीआईजी ॥ क ॥ पंचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क ॥ कहेसू
 समनयरअमठावोजी ॥ ७४ ॥ क ॥ पंचोलीकहेस्यूकांमजी ॥ क ॥ तव
 तेनरबोढ्याआमजी ॥ क ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क ॥ अमनरप
 तीमोकल्यासाजजी ॥ क ॥ ७५ ॥ कारणिआपुढेतासजी ॥ क ॥ इव्य
 कांयअढेतुम्हपासजी ॥ क ॥ तवतेकहेढेअम्हपासेंजी ॥ क ॥ कारणी
 आकहेसूवीलासेंजी ॥ क ॥ ७६ ॥ अल्लदेषामोहोयजेहजी ॥ क ॥ त
 वदेषामोहोयतेहजी ॥ क ॥ अल्लराजाइतूसीनेंदीधांजी ॥ क ॥ तवकार
 णींकरदीधांजी ॥ क ॥ ७७ ॥ संभारीइंउलप्यांतेहजी ॥ क ॥ अम्हरायआसू
 षणएहजी ॥ क ॥ गयांकालबहुथयोएहनेंजी ॥ क ॥ दोसनाथईतव
 सहुकेहनेंजी ॥ क ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि २ पुढेजी ॥ क ॥ परीवा

तकहोएस्युंजेजी ॥ क० ॥ तेकहेपोटुंनवीकहींजी ॥ क० ॥ एहमांस्योज
 सअम्हेलहींजी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तंवकारणिआनीजरायजी ॥ क० ॥ संस
 लावेनृपदूखथायजी ॥ क० ॥ जुंसावहीनररायजी ॥ क० ॥ एचो
 रनाथांगुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाट्यासऊबंदीपानेंजी ॥ क० ॥ सघलूंज
 मस्येएव्यानेजी ॥ क० ॥ तिहांदूखपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ ईणिसमेएकसू
 णोयईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीवाजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप
 कमेनृपआणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युंतेप्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति
 समइलाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिगधारीमंत्रीसरदेवीजी ॥ क० ॥ म
 नचितेसर्वज्वेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूनकरेअ
 कार्यअवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणआणाजी ॥ क० ॥ करता
 रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क० ॥ मिसगेरूबिसूतिलगाईजी ॥ क० ॥ कणयरमाळा
 पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ चुटूसूपहुंठवनेंठामजी ॥ क० ॥ रासतवेसामयो
 वामजी ॥ क० ॥ मिमिमवाजेअतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीआवेस
 रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंबाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही
 कोईएहनीवाहरेजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईआमुं
 अवलूंपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुंजोईजी ॥ क० ॥ कहेमुं
 नीवचअलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणांपणजेहनुंप्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनुं
 ऊंआपुंसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रहुंप्रयवीमांस्येलेषेजी ॥ क० ॥ नृपनरस
 नमुखतेहदेषेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युंएहजी ॥ क० ॥ विजेपुरुषेनही
 रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ आरामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युंयईधी
 रजी ॥ क० ॥ तेलेईसऊसऊनुंआपोजी ॥ क० ॥ पठेमारवामुऊनेंथापोजी ॥
 ॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमंत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मंत्रिपणतिहांआयातजी
 ॥ क० ॥ जेजेकस्युंतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥
 ॥ ९० ॥ सऊहरव्याप्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोषेपंदेअसीरामीजी ॥ क० ॥
 ढालनवमीपदमेंसाषीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयठेशाषीजी ॥ क० ॥ ९१ ॥

॥ उहा ॥ दीगोसरवेद्रव्यते ॥ विणआसर्णनरदेव ॥ चिंतामंत्रीचित्तथई ॥ ऊउ
 विपरीतएहेव ॥ ए२ ॥ कीमआसर्णविजाकनें ॥ सबलोएसंदेह ॥ परिव्रा
 जकनेंपायपमी ॥ तूरतजपुठेतेह ॥ ए३ ॥ वेसस्वसावविरूधकिम ॥ विस्मय
 कारीवात ॥ परिव्राजकबोल्पोपठें ॥ वेगेंनीजअवदात ॥ ए४ ॥ विषयीनेंकहो
 स्युंविरूध ॥ मंत्रीबोलेताम ॥ नहोइंज्ञानीजेनरा ॥ करेतेएहवांकांम ॥ ए५ ॥
 पणितूम्मसरिषापुरुषनें ॥ नघटेएहनीदान ॥ अवीतथमुऊनेंआषीइं ॥ महेर
 करीमहेरवांन ॥ ए६ ॥ सावधानथईनेंसुणो ॥ परीव्राजककहेप्रेम ॥ आप्यो
 अवधिज्ञानीइं ॥ मुदयकीतेनेम ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ ढालरंगावोवरनांमोलीआं ॥
 एदेशी ॥ इणइंस्तरेंपुंमरदेशमां ॥ पुंमरवरधनपुरनयरीनामरे ॥ सोमदेवनांमं
 ब्राह्मणवजो ॥ अज्ञीवेशायणगोत्रअसीरामरे ॥ ए८ ॥ कस्याकर्मनढुटेप्रा
 णीआ ॥ एआंकणी ॥ तसपुत्रनारायणनामऊं ॥ हिशाइंसरगतेसाधुरे ॥ ए
 कचोरनेंमारवालेइंजतां ॥ मारोचोरएऊंमुखिदाधुरे ॥ ए९ ॥ क० ॥ एकसा
 धूइंतेवचसांसद्यूं ॥ ताजुंउपनुंअवधीज्ञानरे ॥ तेढुकमेथीसूणीबोलीआ ॥ अ
 होकष्टजेजीवनेंअज्ञानरे ॥ ३० ॥ क० ॥ सूंणीचिंतामुऊनेंउपनी ॥ अहोशां
 तस्वरूपीएहरे ॥ मुऊउदेशीइंमसाषीउं ॥ जईपुढूंकारणतेहरे ॥ १ ॥ क० ॥
 म्हेंपायपमीनेंपुढीउं ॥ सगवन्नकहोस्युंअन्नाणरे ॥ तवमुनीकहेआलजेदे
 यवुं ॥ वलीविरूधउपदेशदाणरे ॥ २ ॥ क० ॥ म्हेंपुढ्युंआलकिस्युंकहो ॥
 वलीवीरुधस्योउपदेशरे ॥ मुनीकहेएकर्मवीपाकथी ॥ लह्योनरआपदसुवी
 शेषरे ॥ ३ ॥ क० ॥ एनिरअपराधीपुरुषनें ॥ तुम्हेंचोरकहीनेंदाप्युरे ॥
 एअढुंतुंआलपीमाकरे ॥ एहवुंबोलवुंनवीताप्युरे ॥ ४ ॥ क० ॥ अढुंतुंआल
 तोनवीदीजाइं ॥ पणिचोरनेंचोरनकहीशेरे ॥ वलिजीवघातेस्वर्गबोलतां ॥ वि
 रुधउपदेशपणिलहिशेरे ॥ ५ ॥ क० ॥ सघलेदर्शनमांसाषीउं ॥ जिवघातन
 कीजेप्राणीरे ॥ सुखसोसाग्यवलीआरोगता ॥ जनमांतरेहोइंसुखषांणीरे ॥ ६ ॥
 ॥ क० ॥ यतः ॥ सवेविजीवाइंती ॥ जिवीउंनमरीझिउं ॥ तम्मापाणवहंघो
 रं ॥ निगंथावझयंतिणं ॥ १ ॥ आयुदीर्घतरंवपुर्वतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वि

तत्सूरितरं बलं बज्रतरं स्वामी त्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यं विगतांतरं त्रिजगतीश्वराय
 त्वमह्येतरं ॥ संसारां बुनिधिकरोति सुतरं चेतः कृपादर्शितरं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥
 जनमांतरे आलजेदिधलूं ॥ तेहनुं फलढेहजीशेसरे ॥ तेसोगवबुंथोमाकालमां ॥
 आवस्ये उदशंसुविशेसरे ॥ ७ ॥ क० ॥ तवपुढ्युं म्हेप्रसूकेहवुं ॥ जनमांतरे
 दीधूं आलरे ॥ केहवुंतसफलमेंसोगव्यूं ॥ मुनीवरबोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥
 ॥ क० ॥ इणसरतें उत्तरापंथमां ॥ पाठणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा
 मवतिहां ॥ रबुआसारयाअसीरामरे ॥ ९ ॥ क० ॥ पांचमेंसर्वेतेहनोसुतह
 तो ॥ चंद्रदेवताहरुंअसीधानरे ॥ शास्त्रसांसल्यांवेदपढावीउ ॥ तुफनेंउपनो
 अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी
 आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंवेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥
 इमकरतां एकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीधूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअढे ॥
 तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकबज्रलहोयनारीनें ॥ व
 लीदूर्जयमोहवषाण्योरे ॥ जौवनतेविकारनुंघरअढे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन
 पिढाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलाषयोग्यविषयकह्या ॥ नवीचारयोअना
 गतकालरे ॥ सीहलनांमेंमाळीसमागमें ॥ रमतांबज्रकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥
 विरमतीनोपुज्यएकजांणीं ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो
 गातमा ॥ निःसंगपण्णं वलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाणेशरगयोएकदिनहवो
 लोकवादथयोइमचावोरे ॥ जोगातमास्युं विरमतिवशी ॥ तेसांसल्योएहआ
 रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्वयकरीराषीउं ॥ एकदिनराजकुलेंथइवा
 तरे ॥ सज्जलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकस्युंएषरुंअवदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए
 हवातज्जंजाणुंभरी ॥ एहमांनहीकांयसंदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकस्युं
 तवरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकस्योइणि ॥ तव
 उत्तरतेंइमदिधोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोदतां ॥ पाषंमपणोतिणेंलीधोरे ॥ १९ ॥
 ॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इमसूणीकेईपाम्याअधर्मरे ॥ सज्ज
 परीव्राजकेंपणिसांसली ॥ काढ्योढोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ बज्रपा

म्योविटंबणादोकमां ॥ तुळकर्मनिविडंबंधाणरे ॥ इमजांणीआलनंदिजीइं ॥
 जेहथीलहेनरकनुंगणरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोथाखंमनी ॥ तांषीइम
 ढालरसावरे ॥ कहेपद्मविजयसुंणतांहोशं ॥ ओतांघरिमंगलमालरो ॥ २२ ॥ क० ॥
 ॥ डहा ॥ आजपयेहवेउपनो ॥ आरंसकरीअनेक ॥ मायांबळलकरमवर्शे ॥
 धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोव्हागसन्नीवेशेकसो ॥ एलगनोअवतार ॥
 कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥ जितसमीवेदनजमी ॥
 आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥ २५ ॥ इण
 हीजगामनीअठवीइं ॥ फिरतांतूफळखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥ खेंखेंक
 रेनखवाय ॥ २६ ॥ अनुंकर्ममरणतेआवीउं ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥ साकेतपु
 रस्वामीतणी ॥ विदासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥ पुत्रपणें
 प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्हसनीरमाय ॥ २८ ॥ ढालरागमारु
 णी ॥ श्रीसीमंधरसाहिवआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥ एकदिनमदिरापीधीकर्म
 दोषेंकरीरे ॥ मदिरामत्तथयोतेह ॥ आर्शे ॥ आर्शे ॥ नृपमाईआक्रोसतोरे ॥ २९ ॥
 वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्योघणरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस ॥ करतोरे ॥ धरतोनृप
 नेंक्रोधमारें ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसढेदावीनृपवरें ॥ मदउतस्योतवतूळा
 वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥ ३१ ॥ अणसणकीधुंमासएकनुंतेत
 दारे ॥ उपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे २ ॥ किहांथीकर्मढूटेकरचारें ॥ ३२ ॥
 वचनमुंनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे ॥ वलीपुढ्युंम्हेतास ॥ शेपरे २ ॥ कहोविशे
 षस्यूआवस्येरे ॥ ३३ ॥ ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणाआणिनेरे ॥ महाविटंबणाथायं
 ॥ लोकेरो ॥ लोकेरो ॥ थोकथोकतुळदेवस्थेरे ॥ ३४ ॥ मुनीवयेणेंजुंविहनोदीकाआदरी
 रो ॥ गुरुमरणतिमुळ ॥ आपीरे २ ॥ थापीवेवीद्यासलीरे ॥ ३५ ॥ गगनगामीनीता
 लुग्घामणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासल्लिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे
 रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीठुं
 रे २ ॥ जुठुंकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ कं
 रज्येतुंएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणजाणीतोहारें ॥ ३८ ॥ उंचीवांर्हिन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसआठवार ॥ जपजेरे २॥ खपजेपातीक
 आपणरे ॥ ३९॥ हवेएकदिनजुनुं बोल्योपापथीरे ॥ इहपरलोकविरुध ॥ कि
 धूरे २॥ सीधूंअवलूंमाहरेरे ॥ ४०॥ कालिसंध्याइंसतीपासआराममारे ॥ बकु
 लवृक्षनेहेठ ॥ बेठारे २ ॥ हेठोतीहांजुनुंलव्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युंबोल्या
 जुनुंतेकहोरे ॥ तवबोद्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीढोलेमलीरे ॥
 ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंढुटेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥
 मनसावीमुऊनेंकेहरे ॥ ४३ ॥ हेसगवनजोवनवयतूमचीदेपीरे ॥ सारविष
 यसंसार ॥ लोकेरे २ ॥ योकेंसजसेव्यापारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि
 मठांमयांतुम्हेरे ॥ डकरवतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकक्षांधणं
 रे ॥ ४५ ॥ हासीगसितवयणसूणीनेंम्हेतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि
 रे २ ॥ मोहिंजुंमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीशासोनापीम्हेंसापीउरे ॥ तेह
 कालनेंजोग्य ॥ साधुरे २ ॥ दापुंअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७ ॥ मनमाहरु
 महीलावीरहेसंतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइम ॥ सापीरे २ ॥ गुरुदाषीविधीनवी
 करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिंजुंचोरीकरवानीसस्योरे ॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्यारेंरे
 २॥त्यारेंजुंपकमईउरे ॥ ४९ ॥ सागरसेठनाघरथीएद्रव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो
 नरसंचार ॥ सणतोरे २॥ गणतोपणिनिःफलथईरे ॥ ५० ॥ तवनासंतांपकम्योतू
 म्हेदृक्षरनरेरे ॥ वातकहीरक्षोमौन ॥ तेहनरेरे २॥ नेहआणीमंजीसणैरे ॥ ५१ ॥ चो
 थेषंढेढालअग्यारमीएकहीरे ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ यायरे २॥ इणिपरेंगायपदम
 मुनीरे ॥ ५२ ॥ इहा ॥ सूणोएकदिननोसंहरयो ॥ अलंकारनरराय ॥ दिशेनही
 कहोकिणदिशा ॥ अमनेंअचरीजयाय ॥ ५३ ॥ परिवाजककहेआपीउ ॥ सावडी
 सीरदार ॥ मंत्रिकहेस्यानिमीत्तथी ॥ तवकहेतासवीचार ॥ ५४ ॥ सावडीनगरी
 वसे ॥ जीवथीअधिकोजाणी ॥ मित्रगंधर्वदत्तनांमथी ॥ माहरोतेमनआणि ॥ ५५ ॥
 इन्द्रदत्तसेठनीधूआ ॥ कंन्यानामकहंत ॥ वासवदत्तावेगस्यू ॥ तातअन्यनेंदित
 ॥ ५६ ॥ पगरणमांम्युंपरणवा ॥ तवमाहरोतीहांमीत्त ॥ कन्याविणकरींकिर्यू ॥
 चितवतोइमचित्त ॥ ५७ ॥ मरवुंअंतैएवीना ॥ अपहसुंचिंतीइम ॥ अपहरीपर

म्योविटंबणालोकमां ॥ तुळकर्मनिविटंबंधाणरे ॥ इमजांणीआलनदिजीइं ॥
 जेहथीलहेनरकनुंठाणरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोथारवंमनी ॥ तांपीइम
 ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुंणतांहोइं ॥ ओतांधरिमंगलमालरो ॥ २२ ॥ क० ॥
 ॥ उहा ॥ आजपयेहवेउपनो ॥ आरंतकरीअनेक ॥ मायाबळलकरमवर्शे ॥
 धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोळागसन्नीवेशेकस्यो ॥ एलगनोअबतार ॥
 कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥ जितसमीवेदनजमी ॥
 आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥ २५ ॥ इण
 हीजगामनीअटवीइं ॥ फिरतांतूफळखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥ खेंखेंक
 रेनखवाय ॥ २६ ॥ अनुंकमेंमरणतेआवीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥ साकेतपु
 रस्वामीतणी ॥ विदासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥ पुत्रपणें
 प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्हसनीरमाय ॥ २८ ॥ ढालरागमारु
 णी ॥ श्रीसीमंधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥ एकदिनमदिरापीधीकर्म
 दोषेंकरीरे ॥ मदिरामत्तययोतेह ॥ आशरे ॥ आशरे ॥ नृपमाईआक्रोसतोरे ॥ २९ ॥
 वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्थोघणरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस ॥ करतोरे ॥ धरतोनृप
 नेंक्रोधमारै ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसठेदावीनृपवरैरे ॥ मदउतस्योतवतूळा
 वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥ ३१ ॥ अणसणकीधुंमासएकनुंतेत
 दारे ॥ उपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे ॥ ३२ ॥ किहांथीकर्मबूटेकर्यारै ॥ ३२ ॥
 वचनमुंनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे ॥ वलीपुढ्युंम्हेतास ॥ शेपरे ॥ ३३ ॥ कहेविशे
 षस्यूआवस्येरो ॥ ३३ ॥ ज्ञानीगुरुतवबोदयाकुरुणाआणिनेरे ॥ महाविटंबणाययं
 ॥ लोकेरो ॥ लोकेरो ॥ थोकथोकंतुळदेषस्येरो ॥ ३४ ॥ मुनीवयेणेंऊबिहनोदीक्षाआदरी
 रो ॥ गुरुमरणतिमुळ ॥ आपीरे ॥ ३५ ॥ गगनगामीनीता
 लुग्घामणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासल्लिवात ॥ धर्मैरे ॥ ३६ ॥ करमहोयतोफोरवे
 रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीतुं
 रे ॥ ३७ ॥ जुतुंकदियनबोळजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुतूंजोबोलायतोरे ॥ कं
 रज्येतुंएरीती ॥ पाणीरे ॥ ३८ ॥ नास्तीप्रमाणजाणीतीहारै ॥ ३८ ॥ उंचीवांहिन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसआठवार ॥ जपजेरे २॥ खपजेपातीक
 आपणरे ॥ ३९॥ हवेएकदिनजुंजुंढोड्योपापथीरे ॥ इहपरलोकविरुध ॥ कि
 धूरे २॥ सीधूंअवलूंमाहरेरे ॥ ४०॥ कालिसंध्याइवसतीपासआराममारे ॥ बकु
 लवृद्धनेहेठ ॥ बेगोरे २ ॥ हेगोतीहांजुंढोड्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युंढोड्या
 जुंढुंतेकहोरे ॥ तवढोड्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीढोलेमलोरे ॥
 ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंढुंढेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥
 मनसावीमुण्णनेंकहरे ॥ ४३ ॥ हेसगवनजोवनवयतूमचीदेपीइरे ॥ सारविष
 यसंचार ॥ लोकेरे २ ॥ थोकेंसज्जसेव्यापरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि
 मठांम्यांतुम्हरे ॥ इकरवतकरोकेम ॥ स्वांमीरे २ ॥ कामीवयणकझांधणं
 रे ॥ ४५ ॥ हासीगसितवयणमूणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि
 रे २ ॥ मोहिज्जंमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीशासोनाषीम्हेंसाषीउरे ॥ तेह
 कालनेंजोग्य ॥ साषुरे २ ॥ दापुंअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७ ॥ मनमाहरु
 महीलावीरहेसंतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइम ॥ साषीरे २ ॥ गुरुदाषीविधीनवी
 करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिंजुंचोरीकरवानीसस्थोरे ॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्यारेरे
 २॥त्यारेजुंपकझाईउरे ॥ ४९ ॥ सागरसेठनाघरथीएडव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो
 नरसंचार ॥ तणतोरे २॥ गणतोपणिनिःफलथीरे ॥ ५० ॥ तवनासंतांपकम्योतू
 म्हदूर्धनरेरे ॥ वातकहीरस्योमौन ॥ तेहनेरे २॥ नेहआणीमंजीतणेंरे ॥ ५१ ॥ चो
 थेषंढेढालअग्यारमीएकहीरे ॥ सूणतांमंगलमाज ॥ थायरे २॥ इणिपरेंगायपदम
 मुनीरे ॥ ५२ ॥ इह ॥ सूणोएकदिननोसंहरयो ॥ अलंकारनरराय ॥ दिशेनही
 कहोकिणदिशा ॥ अमनेंअचरीजथाय ॥ ५३ ॥ परिवाजककहेआपीउ ॥ सावडी
 सीरदार ॥ मंत्रिकहेस्यानिमीत्तथी ॥ तवकहेतासवीचार ॥ ५४ ॥ सावडीनगरी
 वसे ॥ जीवथीअधिकोजाणी ॥ मित्रगंधर्वदत्तनांमथी ॥ माहरोतेमनआणि ॥ ५५ ॥
 इंदुदत्तसेठनीधूआ ॥ कंन्यानामकहंत ॥ वासवदत्तावोगेस्युं ॥ तातअन्यनेंदित
 ॥ ५६ ॥ पगरणमांम्युंपरणवा ॥ तवमाहरोतीहांमीत्त ॥ कन्याविणकरीइंकिस्सुं ॥
 चितवतोइंमचित्त ॥ ५७ ॥ मरवुंअंतएवीना ॥ अपहरुंचिंतीइंम ॥ अपहरीपर

एयोआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ५८ ॥ रुसीकन्याअपहरी ॥ करेएहवुंक
 होकेम ॥ इमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥ ५९ ॥ जिवीकनांमेंमी
 बजे ॥ तेहनैसाथेंताम ॥ आव्योमुळपासैंअधीक ॥ इठाधरतोआम ॥ ६० ॥
 ॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुठ्युतेमीत्रनेरे ॥ आव्यातूम्हेस्येंहेत ॥
 मननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसंकेत ॥ ६१ ॥ मन० ॥ आ
 वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन० ॥ एआंकणी ॥
 तेहनाडःखनेंकापवारे ॥ दिधोनृपअलंकार ॥ म० ॥ जिविकनेंतिहांमोक
 द्योरे ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देशीतेअलंकारनेरे ॥ सूपतीप
 रशन्नथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्षिकपुरुषनेरे ॥ हेतधरीनरराय ॥ म० ॥ ६३ ॥
 उठवमोठवलावीआरे ॥ गंधर्वदत्तपुरमांहि ॥ म० ॥ मातपीतावलीसयणनेरे ॥
 मिलियाधरीउठाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमद्यारे ॥ तागांडखविठोह
 ॥ म० ॥ मंत्रिकहेरुमुंकर्युरे ॥ एतूम्हगुणसंदोह ॥ म० ॥ ६५ ॥ मंत्रिकहे
 मीत्रवठवूरे ॥ तूम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥ तेअपरा
 धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुंक्यासऊधनप्रमुखनेरे ॥ परीव्राजकनेंइम ॥
 ॥ म० ॥ कहेमंत्रीतूम्हेपालवूरे ॥ आपविवेकसमनेंम ॥ म० ॥ ६७ ॥ परिव्रा
 जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंतांम ॥ म० ॥ विसर्ज्यासावढीशेरे ॥ आपचा
 द्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयरादनयरआव्यायदारे ॥ कापमीमोलीया
 तामा ॥ म० ॥ तेहमांपोतेचालीआरे ॥ सायरतिरनेंठांम ॥ म० ॥ ६९ ॥ जुथ
 घणंगजराजनुंरे ॥ उठ्युंतेमारणधाय ॥ म० ॥ कापमीसऊदिशोदिशगयारे ॥
 धनपुंठेगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकम्योधनपाम्योधरारे ॥ मार्योनहीदै
 वयोग ॥ म० ॥ उठाव्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० ॥ ७१ ॥
 दंतुसलेऊमपुंहवेरे ॥ इणिअवसरिवमएक ॥ म० ॥ तसशाषापमतांयकारे ॥
 आलंब्योधरीटक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अन्यमतग
 जआया ॥ म० ॥ पीमाकरीतिणेंरोवतीरे ॥ सांसलिंगयोतिहांधाय ॥ म० ॥ ७३ ॥
 वमशिषरेंचढ्योधनहवशेरे ॥ देशेतिहांएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुंकीरयणाव

लीरे ॥ देवीगईतसपीन ॥ म० ॥ ७४ ॥ उलषीनेंलीधीतिणैरे ॥ मनचितेईमंध
 न्न ॥ म० ॥ आपुंजईनृपनेंमुदारे ॥ सावडीशुसमन्न ॥ म० ॥ ७५ ॥ पढेजा
 स्युंनिजथानिकैरे ॥ उतस्योतिहांथीतेह ॥ म० ॥ ७६ ॥ चाट्योसावडीतणीरे ॥ इ
 णिअवसरजुउएह ॥ म० ॥ ७६ ॥ चाकरनरगयाजेहतारे ॥ तिणैकस्योअव
 दात ॥ म० ॥ रायकोप्योतेउपरिरे ॥ अधविचमेहलीआयात ॥ म० ॥ ७७ ॥
 तेहनोदंमूतूहएकस्योरे ॥ धनकुंमरलेईसाथ ॥ म० ॥ पेसज्योमाहरानयरमां
 रे ॥ सांसलीतेगयोशाथ ॥ म० ॥ ७८ ॥ षोलेधन्नकुमारनेरे ॥ प्रियमेलकई
 णिनांम ॥ म० ॥ सारथवाहसूतनीरपीउरे ॥ मिलीआसजुतिणैंगंम ॥ म० ॥
 ७९ ॥ वातकहीसाथेंथयारे ॥ मिलीआहवेसूपाव ॥ म० ॥ राजाहरप्योहि
 यमलेरे ॥ कस्योवत्तांतरसाल ॥ म० ॥ ८० ॥ देषामीरयणावलीरे ॥ विस्मी
 तमननरराय ॥ म० ॥ कर्मपरीणामविचित्रतारे ॥ चितवीकरेसूपसाय ॥ म०
 ८१ ॥ एआपीम्हेंतुऊनेरे ॥ मकरीसप्रार्थनासंग ॥ म० ॥ अथवाराज्यए
 ताहुरे ॥ तूऊगुणनिरमलगंग ॥ म० ॥ ८२ ॥ सायकरीहवेमोटिकोरे ॥ आ
 प्यारयणमणीसार ॥ म० ॥ आतूपणवलीबज्जदीआरे ॥ वाणीगवेसउदार
 ८३ ॥ म० ॥ सूसमनयरेमोकट्यारे ॥ मिलीआमायनेंताय ॥ म० ॥ साह
 मोपुरजननिकट्योरे ॥ मातपीतापमयोपाय ॥ म० ॥ ८४ ॥ पेचारामहोउव
 कस्योरे ॥ दिधांवलीमहादान ॥ म० ॥ सर्वचैत्येपूजाकरीरे ॥ आव्यानीजघ
 रगंन ॥ म० ॥ ८५ ॥ चोथेखंमेवारमीरे ॥ समरादित्यनेरास ॥ म० ॥ सुंदर
 पद्मविजयकहीरे ॥ सूणतांसुखसूविलास ॥ म० ॥ ८६ ॥ छहा ॥ ए
 कांतेईणअवसरे ॥ पुढेमातपीताय ॥ कहोतुम्हतरुणीकिहांगई ॥ तवसापेसू
 णोताय ॥ ८७ ॥ सर्ववातसूंपीजदा ॥ मातपिताकहेताम ॥ अनुंचितएतुमस्युं
 अढे ॥ इणस्युंनहीअम्हकांम ॥ ८८ ॥ कटपट्ठेकौअचिकिहां ॥ तिणैमुं
 कोसंताप ॥ कहेधनकुमरएकेहवो ॥ इणअवसरआलाप ॥ ८९ ॥ मातपि
 तासहीमाकरे ॥ धनदेवजऊनीधन्न ॥ मानंतानीजआतमा ॥ स्नेहीमिलीसज
 न्न ॥ ९० ॥ नयरबाहीरतेयऊनी ॥ पुजाकरीप्रमाण ॥ मित्रस्युंगयाप्रमोद

स्युं ॥ नामसिद्धयुज्यान ॥ ए १ ॥ ढाढा ॥ हरणीजवचरेलाढनां ॥ एवेशी ॥ तिहां
 अशोकतरुतले ॥ लाढनां ॥ लाढाहो ॥ बळमुनीनें परिवार ॥ एगुरुवारुरेलाढनां ॥
 अठारसहससीलांगना ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ धोरीतेअणगर ॥ एगुरु ० ॥ ए २ ॥
 कोशलदेशनोनरपती ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ विनयधरनराय ॥ एगु ० ॥ तेहनां
 सूतजशोधरगुणी ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु ० ॥ ए ३ ॥ पं
 चसूततेसूततारहे ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ गुप्तशंझीनिग्रंथ ॥ एगु ० ॥ गुप्तब्र
 ह्मचारीअकिंचनो ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ साधंताशिवपंथ ॥ एगु ० ॥ ए ४ ॥ अम
 णसीहृदेषीकरी ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ हैयमेहरपनमाय ॥ एगु ० ॥ धरमेंमनतसे
 उल्लस्युं ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ चितवेष्टनिरमाय ॥ एगु ० ॥ ए ५ ॥ अहो २ रुप
 अहोचरी ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ अहोलावण्यविदास ॥ एगु ० ॥ अहोसौम्यताअ
 होउद्यमी ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ अहोजौवनसूपकाश ॥ एगु ० ॥ ए ६ ॥ अनंग
 विजयअहोएहनो ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ अहोअहोनिरहंकार ॥ एगु ० ॥ अहोदे
 षवाजोग्यएहठे ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ अहोसेववाजोग्यसार ॥ एगु ० ॥ ए ७ ॥ पा
 सेंजईकरीबंदना ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु ० ॥ धर्मलात्तमु
 नीवरदिउ ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ बेठागुरुनेंपाय ॥ एगु ० ॥ ए ८ ॥ करकज
 जोमीपुढतो ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु ० ॥ रुपमनोत्तवसा
 रीषुं ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु ० ॥ ए ९ ॥ किमदिक्काप्र
 सूत्रादरी ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ तवबोढ्यासूरीराय ॥ एगु ० ॥ एसंशारअशारमां
 ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ निरवेदस्योपुढाय ॥ एगु ० ॥ ४०० ॥ धनकहेगुरुजी
 साचलुं ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ एहतोसऊनेंसमान ॥ एगु ० ॥ पुढुंविसेषकारणतिणें
 ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ ताषोएत्तगवान ॥ एगु ० ॥ १ ॥ मुनीकहेमाहरुंचरीत्रजे ॥
 ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ तेनीरवेदनुंहेत ॥ एगु ० ॥ धनकहेप्रसूअनुंयहकरो ॥ ला ० ॥
 ॥ ल ० ॥ कहेवेएसंकेत ॥ एगु ० ॥ २ ॥ तवजशोधरमुनीचितवे ॥ ला ० ॥
 ॥ ल ० ॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु ० ॥ पामेवैराग्यकदापीजो ॥ ला ० ॥ ल ० ॥
 साषुंजीअधीकार ॥ एगु ० ॥ ३ ॥ सरिकहेतूसांतले ॥ ला ० ॥ ल ० ॥ एक

मनांसावधानं ॥ एगु० ॥ इहांहीजविशाखापुरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमरदत्त
 राजान ॥ ४ ॥ एगु० ॥ सूरेंद्रदत्तनांमैंऊंहतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मातजशोधराजाणि
 ॥ एगु० ॥ नयणावलीमुऊत्तारया ॥ ला० ॥ ल० ॥ नवमेसवेंसुप्रमाण ॥ एगु० ॥
 ॥ ५ ॥ तातेंचारीत्रआदस्थुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ राज्यसारमुऊयापि ॥ एगु० ॥
 ऊपणिसमकीतपांमीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ अंतरआतमव्यापि ॥ एगु० ॥ ६ ॥
 नयणावलीस्यूंमोहीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पावूंराज्यमहंत ॥ एगु० ॥ पलितठ
 लेंदूतआवीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ धर्मरायनोतंत ॥ एगु० ॥ ७ ॥ नयणावलीनी
 दात्रीई ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारसीआइणनांम ॥ एगु० ॥ दाप्रव्योदेपीचितवें ॥
 ॥ ला० ॥ ल० ॥ पुदगलनोपरीणांम ॥ एगु० ॥ ८ ॥ अहो २ चपलतालोक
 नी ॥ ला० ॥ ल० ॥ मनुंष्यपणएअसार ॥ ए० ॥ अहो २ मोहपरासवें ॥
 ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारनकांयसंसार ॥ एगु० ॥ ए॥ आउनीरउलेचता ॥ ला० ॥
 ॥ ल० ॥ रातिदिवसयमिमाळ ॥ एगु० ॥ चंद्रमासूरजबलदिआ ॥ ला० ॥ ल०
 फेरवेअरहंटकाल ॥ १० ॥ एगु० ॥ तिणेंहवइपरमादेअस्थुं ॥ ला० ॥ ल० ॥
 लेउंचारीत्रउदार ॥ एगु० ॥ नयणावलीनिजनारीनें ॥ ला० ॥ ल० ॥ संसला
 व्योएविचार ॥ एगु० ॥ ११ ॥ नयणावलीकहेसांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ जेतू
 म्हनेमनसाय ॥ एगु० ॥ पणतुमसाथेंआदरुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमणपणंसू
 खदाय ॥ एगु० ॥ १२ ॥ मेंचित्युंजुउकेतलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुऊउपरिअनु
 राग ॥ एगु० ॥ अहोविवेकएहनोजुउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ चित्तअनूजाइअ
 याग ॥ एगु० ॥ १३ ॥ संवितागीसूरखडखमां ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोएकप
 लीएह ॥ एगु० ॥ अहोउदेमुऊचालती ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुऊउपरिघणनेह ॥
 ॥ एगु० ॥ १४ ॥ चोथेखंमेतेरमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ साषीपदमेंढाल ॥ एगु०
 गुरुकहेआगलिशांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ माहरीवातरआळ ॥ एगु० ॥ १५ ॥
 ॥ उहा ॥ अर्कअनुक्रमेंआयम्यो ॥ म्हेंचित्युंमनमाहिं ॥ एवमीआपदएहनों
 अमसमस्योउगाह ॥ १६ ॥ सोममंमलहवेसंचर्यो ॥ दिपकसुवनउद्योत ॥
 वाससूवनवेगेंसज्यूं ॥ जिहांमणीरयणनीज्योति ॥ १७ ॥ कस्तुरीकदमकरी ॥

सितिलगाईसार ॥ प्रवरतलाईपाथरी ॥ सय्याकरयोसिएगार ॥ १८ ॥ कुसु
 मदामवरलटकती ॥ धूमघटाथईधूप ॥ मयणपूजीनेमाननी ॥ चित्तथीकरी
 अतीचुं ॥ १९ ॥ वाससूवनमांवेगथी ॥ आव्योअवनीपाव ॥ पढ्यंकेवेगे
 प्रगट ॥ काढ्योकांयककाळ ॥ २० ॥ राणीनोपरीवारजे ॥ निकलीगयोनी
 जथान ॥ राणीसूतीरंगस्यूं ॥ नरपतीमनसुसध्यांन ॥ २१ ॥ मनमांशणीपरेंमा
 नतो ॥ सर्वठांमवुंसेल ॥ पणिराणीपरीणामथी ॥ ठंफांस्कीमढयल ॥ २२ ॥
 ॥ ठाल ॥ एहनीगतीएहजजाणें ॥ रषेकोईसंदेहआणेरें ॥ एदेशी ॥ तुम्हेजो
 ज्योनारीचरीत्रे ॥ जेहनांठेचरीत्रविचीत्रे ॥ एआंकणी ॥ सूतोनरपतीजा
 णीनें ॥ उठीनयणावलीरांणीरे ॥ मुंकीढोलीउजतरीहेठी ॥ सूपतीचमक्योजा
 णीरे ॥ २३ ॥ तुमे ॥ संकासहीतद्वारउघानी ॥ निकलीरमऊमकरतीरे ॥
 म्हेंचित्युंमुऊवीरहनीकायर ॥ रषेजइनेंमरतीरे ॥ २४ ॥ तुमे ॥ नीकल
 वानीआवेदानही ॥ लेशकरकरवाले ॥ इमचितीनीकलीउपुंठें ॥ गइजीहांप्रा
 शादपावरे ॥ २५ ॥ तुमे ॥ तेकुळकउगव्योकरथी ॥ तवम्हेंचित्युंइमरे ॥ ए
 हनेंसंसलावीनेंमरस्यें ॥ नहीतोउगवेकेमरे ॥ २६ ॥ तुमे ॥ घुमतेनयनेकु
 बजउठ्यो ॥ पुढेकिमंशिवेदारे ॥ आवीआजतदामेंचित्युं ॥ आजकहुंकिम
 हेदारे ॥ २७ ॥ तुमे ॥ अथवाआजउचीतनहीवेदा ॥ तिणेंकारणइमबोले
 रे ॥ पणिसांसलूंएहनोहवेउत्तर ॥ स्योमनमांथीखोलेरे ॥ २८ ॥ तुमे ॥
 राणीकहेनृपधातवीषमठे ॥ मोफासूतारायरे ॥ तिणेंएतलीवेलाथईमुऊनें ॥
 जाणज्योएअंतरायरे ॥ २९ ॥ तुमे ॥ एतलेकुबजेदेवीस्युरें ॥ आलिंगना
 दिकदिधारे ॥ चुंवनेंविषयसीतकारादिका ॥ सऊपरिं२कीधारे ॥ ३० ॥ तुमे ॥
 क्रोधानलसंधूकणमाहरुं ॥ विषयसेवनशेंमांम्युरें ॥ अविवेकप्रवनथकी
 मुऊलागो ॥ खमगतेम्यांनथीकाढ्युरें ॥ ३१ ॥ तूमे ॥ बलिमुऊचिताइमं
 थई ॥ जिणेंजित्यावऊराजानरे ॥ तोकुसीलणीदेवीकुबजए ॥ ठेसारमेयसमा
 नरे ॥ ३२ ॥ तूमे ॥ ॥ अहोअहोनारीचरीत्रनें ॥ जुउमुऊकिणीपरेंसावरे ॥
 आचरणकेहवीठेएहनी ॥ एवमुंकपटतेदापरे ॥ ३३ ॥ तूमे ॥ यतः ॥ अ

न्यमनुष्यरुदयेनीधाय ॥ अन्यनरंदृष्टीसिराङ्गयंती ॥ अन्यस्यदत्तावचनाव
 कास ॥ मन्येनसार्वरमयंतीरामा ॥ १ ॥ जलमजेमढीपयं ॥ आगासेपंषीआ
 णपयपंती ॥ महिदाहियाणमगो ॥ तिन्निवीवीरलापयंपंती ॥ २ ॥ उहो ॥
 स्त्रीप्राहिसवीवंकमी ॥ केणपतीजेतास ॥ माथेघमोचढायकरी ॥ पढेदिङ्गल
 पास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बालकालथीसोगवीने ॥ सुतपणिएहनोकादिरे ॥ रा
 ज्यवेशारवोमाहरे ॥ तिणेहलकाईसूपावरे ॥ ३४ ॥ तूमे ० ॥ अविवेकबङ्गल
 नारीहोई ॥ एहमांअचरीजकांयनांहीरे ॥ आदरवुंचारीत्रने ॥ अंतरायथाई
 तेमांहीरे ॥ ३५ ॥ तूमे ० ॥ प्राईजोतांसरीतापरे ॥ कांयनीचगामीहोईनारीरे ॥
 एहनुंवचनमानेजेकोई ॥ तेहनामुखउपरिध्वारीरे ॥ ३६ ॥ तूमे ० ॥ यतः ॥
 ॥ सबइउ ॥ कामीनीकीवातमानेताकेमोरेधूरज्युं ॥ कपटनीपटबोलेहियाकी
 नबातषोले ॥ मनथेंउगायकरकहेसबकुरज्युं ॥ जैसोहीपतंगरंगतेसोहीत्रिया
 कोसंगबिभुरतबारनांहीजैसोनदीपुरज्युं ॥ कहेकवीमुनीचंदसुणोहोसजन्म
 जन्माकामिनीकीवातमानेताकेमोरेधूरज्युं ॥ १ ॥ पूर्वढाला ॥ अविवेकबङ्गलना
 रीतणंएढे ॥ बलीकुमरतणीहलकाईरे ॥ विघनबलीचारीत्रमांहोस्ये ॥ नरप
 तीईमचित्तमांदाईरे ॥ ३७ ॥ तू ० ॥ मारवुंनघटेमुऊनेंएईम ॥ बाल्योनीज
 परीणामरे ॥ म्यानकरीकरवालनेंआव्यो ॥ नीजसङ्गाईतबगंमरे ॥ ३८ ॥ तू ०
 उतस्युंचित्तराणीथकी ॥ बलीवाध्योधर्मव्यापाररे ॥ शङ्काईबेगोचितवें ॥ अ
 होनारीशिरेंधिकाररे ॥ ३९ ॥ तू ० ॥ सूमिवीनाविषवेदमी ॥ अगनीविङ्गणी
 चूमेलेरे ॥ सोजनविनविसूचिका ॥ अहोएतोनावोकोशखेलेरे ॥ ४० ॥ तू ॥ स
 चेतनामुरगाकही ॥ बलिविणउपसर्गेमारीरे ॥ रासमीवीणएपासलो ॥ विणहेतू
 मरणड्वारीरे ॥ ४१ ॥ तू ० ॥ बेमीविनागुप्तीकहीढे ॥ एनारीशंसाररे ॥ अ
 थवाचितासीकरुं ॥ एढेशंसारअसाररे ॥ ४२ ॥ तू ० ॥ जाणिअसारएकार
 णे ॥ गंमूंहुंएपरीवाररे ॥ ईमकांयशुसपरीणंमथी ॥ रङ्गकरतोईमविचाररे
 ॥ ४३ ॥ तू ० ॥ आवीराणीईणसमे ॥ ऊंसूतोएहवुंजाणीरे ॥ राणीपणिसू
 तिषरी ॥ मनमांकांयभांतिनआणीरे ॥ ४४ ॥ तू ० ॥ आदिगनमुऊनेंकस्युं ॥

इंपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइंविघननीवारणे ॥ ७२ ॥ तवम्हेंकसुं
 हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरबुंढेजीहां ॥ हालाहलवी
 षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥ ७३ ॥ पापनही
 जगअन्य ॥ हिंसाउपरिंसायुंहोजिणेंसज्जइंजीवुंइंढता ॥ तिणेंजेवेदवचना ॥
 तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीढता ॥ ७४ ॥ यतः ॥ नधम्मकळा
 परमठिकळां ॥ नपाणहिंसापरमंअकळां ॥ नपेमरागापरमढीबंधो ॥ नबोही
 लासापरमठिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूपामेहो
 जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरदार ॥ परसवपणिजोजावेहोपण्डःख
 नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यतः ॥ दीहाउउसूखो ॥ निरोगोहोइंअसयदाणेण ॥
 जम्मंतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाऊणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
 पालवुंश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्युंकंरुं ॥ तिणेंमुको
 विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेहिंसामांचित्तनहीधरुं ॥ ७६ ॥ चोथेखं
 ढेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीइंममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥
 जिवहिंशानवीकीधीहोइंमपअविजयमुनिइंसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक
 हेसुणिमाहरुं ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमांनवुं ॥ नहितीहां
 शास्त्रतोअर्थ ॥ ७८ ॥ इमकहीनेंमुळपाइंपमी ॥ तवम्हेंचित्युंइंम ॥ इंतवेवाच
 नेइतनई ॥ कष्टयुंकंरुंकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअंवावयण ॥ अन्यदिशां
 वयसंग ॥ गुरुविपाकव्रतसंगथे ॥ सूणिउंठेगुरुसंग ॥ ८० ॥ इमंचितवतो
 अंवनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएधात ॥
 ॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईं ॥ तेकीमकरीइंमात ॥ अथवाऊमुळआत्मनो
 घणंतोकरस्युंघात ॥ ८२ ॥ पठेंमुळमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
 कहीखमगतेकाढीउं ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमंनपमांथ
 यो ॥ कोलाहलतिणेंकाला ॥ हाहाकारसज्जइंकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
 ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तूंगीआगिरीशिपरसोहे ॥ एदेशी॥उठीअंवाकहेमकरो ॥ सा
 हसएवमुंइंमरे ॥ करळावीकहेअहोतूळनें ॥ मातउपरिंप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

सावीतावलीउ ॥ एआंकणी ॥ तुळमुश्महंजीवुंकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
 रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूफनेजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो ॥ वोल्होकुर्क
 टशणिअवशरे ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
 उंविष्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो ॥ एहएहनोकल्पसाप्यो ॥ जोएअवशरजा
 सरे ॥ शब्दसूणीशेहनोअथ ॥ करीश्वधवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो ॥ ते
 हकारणएहकुर्कट ॥ मारितुंशुस्तकाजरे ॥ तवकशुंमेमातसूणज्यो ॥ नकहं
 एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ ॥ जिवहिसाकहंनाहि ॥ तूमहआणाजोहो
 यरे ॥ तोमरुजंएहनीश्रय ॥ अवरनहणंकोयरे ॥ ९० ॥ अ ॥ मातक
 हेतूकहेजोश्म ॥ तोसुणिमाहरीवाणरे ॥ पिठमयकुर्कटवनावी ॥ मारितूनि
 जपाणरे ॥ ९१ ॥ अ ॥ एतलूमुळवचनमाने ॥ श्मकहीतरवाररे ॥ फूंदीलेईने
 पनीपाए ॥ मुळवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ ॥ श्मसूणीमुळमातनेहे ॥ नाए
 नेत्रविळीनरे ॥ मातनुम्हेवचनमान्युं ॥ मतीथश्ममुळदिनरे ॥ ९३ ॥ अ ॥
 ज्ञानबहुपणिआत्मअरथें ॥ कांयनावेकाजरे ॥ दूरदेपेनयनपिणिज ॥ रुप
 देषेनभाजरे ॥ ९४ ॥ अ ॥ लेप्पकारनेंजुकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
 तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणवामरे ॥ ९५ ॥ अ ॥ मातकुलदेवी
 समीपें ॥ लेईमुळनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुळनेंमायरे ॥
 ॥ ९६ ॥ अ ॥ म्यानथीएखमगकाढो ॥ तवकरयुंम्हेतेमरे ॥ माताकहेकूल
 देवीनेंहवे ॥ धरीमुळस्युंप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ ॥ सूपनमातुंपूत्रेदिवुं ॥ तसनी
 वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ ॥
 श्मकहीमुळसानकीधी ॥ एहकुर्कटमाररे ॥ मारीउम्हेकूकमोजव ॥ पुजा
 कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ ॥ सिद्धकर्मासूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेपरे ॥ रा
 धितुंएमासलेई ॥ हरषींजेहदेपीरे ॥ १०० ॥ अहो ॥ म्हैकसुरेमातएस्युं ॥
 मासषाधेयायरे ॥ दाणध्यानतपनियममंत्रह ॥ उपधवीलंजायरे ॥ १ ॥
 अ ॥ जेरषाधूंरुअमुंजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांसतवत्तवनरकघाले ॥
 दुःखदोताग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ ॥ वैद्यउपधेमासआपे ॥ तेपणिएहनी

म्हेंपणिनवीदाप्योविकाररे ॥ पूर्वपरिवरत्योतदा ॥ इमकरतांययोसवाररे ॥
 ॥४५॥ तू० ॥ रयणीअनर्थनीषाणीगई ॥ करेकरणीनिजपरत्तातिरे ॥ बेगआ
 स्थानीकामंनपें ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ४६॥ तू० ॥ चोयेखंमेचौदमी
 ॥ कहीपद्मविजयइमढालरे ॥ ओताजनसूणज्योसवोवलीआगलंवातरशाखरो
 ४७॥ तू० ॥ इहा ॥ मंत्रीमंनलसेलुंमढ्यूं ॥ वारुकरेवीचारा ॥ विमलमतीमुखनेंव
 ली ॥ पत्तणंनिजपरकारा ४८॥ पत्तणेंमंत्रींणिपरे ॥ अवसरनहीमहाराय ॥ गु
 णधरकूमरप्रगुणनही ॥ राज्यतारनेंठाय ॥ ४९ ॥ परजानेंजेपालवी ॥ तेपि
 णधर्मकंहंत ॥ कहेनरपतीअत्तकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवंत ॥ ५० ॥ इत
 धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुंनहीघरमांहि ॥ मंत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीइंउ
 ठांहि ॥ ५१ ॥ अनुंकमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥ वासतूवनमां
 मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुण ॥ जासनम
 नइमन्ना ॥ प्रीतिविझणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणंधन ॥ ५३ ॥ नयणेंआवीनीइ
 मी ॥ जामिनीपाठिलेजाम ॥ आव्युंसूपनुंएहवो ॥ साषुतेअसीराम ॥ ५४ ॥ ढाला
 देशीतट्टिआणीनी ॥ देषेसूपनुंइम ॥ उज्वलघरनेंमाथेहोवलीवेठोसिहांसनउप
 रें ॥ आवीयशोधरामाय ॥ प्रतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीतूमीनेंपरीस
 रें ॥ ५५ ॥ आविपुठेमाय ॥ आलोटीआलोटीहोवलिऊंउठीमेरुचम्यो ॥
 इणसमेजाग्योजामातवम्हेंमनमांचित्यूंहोएसूपनोविषमआवीअम्यो ॥ ५६ ॥
 पणिपरीणामेंशार ॥ स्युंनिपजस्येएहथीहोतेहनीषवरपमेनही ॥ पणसाधन
 परलोक ॥ करवामाम्युरुंहुंहोवलीजेथानारथाउंसही ॥ ५७ ॥ धरमध्यानथीइं
 मारातगइहवेवेठोहोआस्थानेंजईनेंमुदा ॥ जोमीकचेरीतांमाआवियशोदामाता
 होविनइंउठथोऊंतदा ॥ ५८ ॥ मुळपुठेसूपसात ॥ म्हेंकिधोपरणामहोपीठीका
 इंवेशारीआं ॥ एहथयुंसलूंकाम ॥ कहेस्युंनीजअतिप्रायहोमाताजिणेंइं
 हांआवीआं ॥ ५९ ॥ नकंऊंसंजमवात ॥ स्नेहेमुळनेंमाताहोसंजमलेवानवीदीश
 सूपनजणवेवात ॥ अंवाथीअंतरायहोआशंकामाहरेहिइं ॥ ६० ॥ वचन
 नमातठेलाय ॥ इःप्रतिकारतेसाप्याहोमातपीताठाणंगमां ॥ विरम्युंचित्तवली

मुंऊ ॥ तिणेरहेवायनइहांहोबलतीचयनीआंगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकडुंएहवी
 वात ॥ जिणेंमुंऊआणआपेहोसूपनकडुंतेरीतस्यूं ॥ बोल्योइंमवीचारी ॥
 मातासूपनुंलाधुंहोसांसलज्योपरतितस्यूं ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ म
 स्तकमुखमुंमावीहोसयलसंगत्यागिययो ॥ अमणथइशुतसंग ॥ घरउपर
 जबबेगोहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाढीलेपोहर ॥ देवीनेंऊंजा
 ग्योहोतेसांसलीनेखलसली ॥ थुथुकारकरंत ॥ मातापगस्यूंचांपेहोपृथवी
 मंलवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमंगलथाउदूर ॥ चिरंजीवोतूलेपुत्ताहोनिरवि
 घनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ सापेमोसीमुंऊनेंहोपुत्रवचनमु
 ऊपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशास्त्रनीजांण ॥ कहेइंमआपोसूतनेंहोराज्यतुलेघर
 मारहो ॥ व्योतुम्हेसाधूवेष ॥ इत्वरकालनीदिक्काहो ॥ घरमांवेठातूम्हेमहो ॥
 ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युंवचनप्रमाण ॥ तववलीबोलीपमीआहोतासउपायहवेसांस
 लो ॥ जलथलखहंचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडारिठलो ॥
 ॥ ६७ ॥ शांतिकरमकरोइंम ॥ वेदमांसाषीविधिथीहोम्हेंकसुंढांकीकाननें ॥
 मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाइंहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ धरमअ
 हिंसामुल ॥ साप्योवेसऊसाखेंहोतेहनेंवाधाकोमकरो ॥ मनथीहणीइंजीव ॥
 तोपणितवमांसमीइंहोसवशायरथाइंइस्तरो ॥ ६९ ॥ जेकरेपरनेडरक ॥ पांमे
 पोतेतेहवुंहोअफलकर्मजाइंनही ॥ शांतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचितेहो
 इहपरत्तवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यतः ॥ तेणेंजहासंधीमुहेगहीए ॥ संकम्मु
 णाकिच्चइपावकारी ॥ एवंपयापेच्चइहंचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखअढी
 ॥ १ ॥ कृतकर्मरुयोनास्ती ॥ कटपकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवसोक्तव्यं ॥
 कृतकर्मशुत्ताशुतं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखांकरी
 जाणेंहोतेणेमोकरुमारगनेंसाधीइं ॥ माताबोलीतांम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो
 होइंवेदतेइंमआराधीइं ॥ ७१ ॥ यतः ॥ जरसनलिप्पईवुझी ॥ हंतुणइंमंजगं
 निरवंसेसं ॥ पावेणंसोनलिप्पइ ॥ पंकयस्तोसोवंसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
 अथवाजोहोइंपाप ॥ तोपणिकीजेंतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

म्हेंपणिनवीदाप्योविकाररे ॥ पूर्वपरिवरत्योतदा ॥ इमकरतांथयोसवाररे ॥
 ॥ ४५ ॥ तू ॥ रयणीअनर्थनीषाणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसार्तिरे ॥ बेठाआ
 स्थानीकामंफपें ॥ मिलांराजकचेरीविख्यातरे ॥ ४६ ॥ तू ॥ चोथेखंमेचौदमी
 ॥ कहीपद्मविजयइमढावरे ॥ ओताजनसूणज्योसवोवलीआगलवातरआलरो ॥
 ४७ ॥ तू ॥ इहा ॥ मंत्रीमंजलतेलुंमढ्यूं ॥ वारुकरेवीचारा ॥ विमलमतीमुखनेंव
 ली ॥ पत्तणंनिजपरकारा ॥ ४८ ॥ पत्तणंमंत्रोइणिपरे ॥ अवसरनहीमहाराय ॥ गु
 णधरकूमरप्रगुणनही ॥ राज्यतारनेंठाय ॥ ४९ ॥ परजानेंजेपाववी ॥ तेपि
 णधर्मकंहंत ॥ कहेनरपतीअल्लकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवंत ॥ ५० ॥ इत
 धरमनोदेखीनें ॥ रहेवुंनहीघरगांहि ॥ मंत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीइंउ
 ठांहि ॥ ५१ ॥ अनुंकमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥ वासतूवनमां
 मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुण ॥ जासनम
 न्नइमन्ना ॥ प्रितीविऊणोप्रेमरस ॥ जाणेंअदूणंधन ॥ ५३ ॥ नयणेंआवीनीइ
 मी ॥ जामिनीपाठिलेजाम ॥ आव्युंसूपनुंएहवो ॥ तापुतेअतीराम ॥ ५४ ॥ ढाला
 देशीत्तट्टिआणीनी ॥ देषेसूपनुंइम ॥ उज्वलघरनेंमाथेहोवलीबेठोसिहांसनउप
 रें ॥ आवीयशोधरामाय ॥ प्रतिकुलताषीपाफ्योहोगयोसातमीसूमीनेंपरीस
 रें ॥ ५५ ॥ आविपुठेमाय ॥ आलोटीआलोटीहोवलिऊंठगीमेरुचम्यो ॥
 इणसमेजाग्योजामा ॥ तवम्हेंमनमांचित्यूंहोएसूपनोविषमआवीअफ्यो ॥ ५६ ॥
 पणिपरीणामेंशार ॥ स्युंनिपजस्येएहथीहोतेहनीषवरपफेनही ॥ पणसाधन
 परलोक ॥ करवामाफ्युरुहुंहोवलीजेथानारथाउंसही ॥ ५७ ॥ धरमध्यानथीइं
 मारातगइहवेबेठोहोआस्थानेंजईनेंमुदा ॥ जोमीकचेरीतांमा ॥ आवियशोदामाता
 होविनइंउठयोऊंतदा ॥ ५८ ॥ मुऊपुठेसूपसात ॥ म्हेंकिधोपरणामहोपीठीका
 इंवेशारीआं ॥ एहथयुंसलूंकाम ॥ कहेस्युंनीजअस्तिप्रायहोमाताजिणेंइ
 हांआवीआं ॥ ५९ ॥ नकऊंसंजमवात ॥ स्नेहेमुऊनेंमाताहोसंजमलेवानवीदोश
 सूपनजणवेवात ॥ अंवाथीअंतरायहोआशंकामाहरेहिइं ॥ ६० ॥ वचन
 नमातठेदाय ॥ इप्रतिकारतेसाप्याहोमातपीतावाणंगमां ॥ विरम्युंचित्तवली

मुक्त ॥ तिणेरहेवायनइहांहोबलतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकज्जंएहवी
 वात ॥ जिणेंमुक्तआणाआपेहोसूपनकज्जंतेरीतस्युं ॥ दोल्योइंमवीचारी ॥
 मातासूपनुंलाधुंहोसांसलज्योपरतितस्युं ॥ ६२ ॥ कुमरनेंयापीराज्य ॥ म
 स्तकमुखमुंमावीहोसयलसंगत्यागिथयो ॥ अमणयइशुतसंग ॥ घरउपर
 जबबेगोहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाढीलेपोहर ॥ देषीनेंज्जं
 ग्योहोतेसांसलीनेखलतली ॥ थुथुकारकरंत ॥ मातापगस्युंचांपेहोपृथवी
 मंदलवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमंगलथाउदूरि ॥ चिरंजीवोतूत्तेपुत्ताहोनिरवि
 घनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ ताषेमोसीमुक्तनेंहोपुत्रवचनमु
 क्तपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशाखनीजांण ॥ कहेइंमआपोसूतनेंहोराज्यतुत्तेघर
 मारहो ॥ ल्योतुम्हेसाधूवेष ॥ इत्वरकावनीदिक्काहो ॥ घरमांवेगोतूम्हेग्रहो ॥
 ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युंवचनप्रमाण ॥ तववलीवोलीपमीआहोतासउपायहवेसांस
 लो ॥ जलथलखहंचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडारिडलो ॥
 ॥ ६७ ॥ शांतिकरमकरोइंम ॥ वेदमांताषीविधिथीहोम्हेंकसुंढांकीकाननें ॥
 मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाइंहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ धरमअ
 हिंसामुल ॥ ताप्योउसज्जसाखेंहोतेहनंवाधाकीमकरो ॥ मनथीहणीइंजीव ॥
 तोपणित्तवमांसमीइंहोत्तवशायरथाइंडस्तरो ॥ ६९ ॥ जेकरेपरनेडस्क ॥ पांमे
 पोतेतेहवुंहोअफलकर्मजाइंनही ॥ शांतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचितेहो
 इहपरत्तवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यतः ॥ तेणेजहासंधीमुहेगहीए ॥ संकम्मु
 णकिच्चइपावकारी ॥ एवंपयापेच्चइहंचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखअढी
 ॥ १ ॥ कृतकर्मक्योनास्ती ॥ कटपकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवतोक्तव्यं ॥
 कृतकर्मशुसाशुतं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखाकरी
 जाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीइं ॥ माताबोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो
 होइंवेदतेइंमआराधीइं ॥ ७१ ॥ यतः ॥ जस्सनलिप्पईवुझी ॥ हंतुणइंमंजगं
 निरवंसेसं ॥ पावेणसोनलिप्पइ ॥ पंकयस्सोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
 अथवाजोहोइंपाप ॥ तोपणिकीजेतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

इंपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइंविघननीवारणे ॥ ७२ ॥ तवम्हेकसुं
 हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंठेजीहां ॥ हालाहलवी
 षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥ ७३ ॥ पापनही
 जगअन्य ॥ हिंसाउपरिंसाण्युंहोजिणेंसऊइंजीवुंइंढता ॥ तिणेंजेवेदवचना
 तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीढता ॥ ७४ ॥ यतः ॥ नधम्मकळा
 परमठिकळं ॥ नपाणहिंसापरमंअकळं ॥ नपेमरागापरमढीबंधो ॥ नबोही
 लासापरमठिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउपूपांमेहो
 जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरदार ॥ परत्तवपणिजोजावेहोपण्डःख
 नपांमेतेकदा ॥ ७५ ॥ यतः ॥ दीहाउजसूरुवो ॥ निरोगोहोइंअसयदाणेण ॥
 जम्मंतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाऊणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
 पाळवुंश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्युंकरुं ॥ तिणेंमुको
 विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेहिंसामांचित्तनहीधरुं ॥ ७६ ॥ चोथेखं
 ढेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनींममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥
 जिवहिंशानवीकीधीहोइंमपद्मविजयमुनिइंसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक
 हेसुणिमाहरुं ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमांनवुं ॥ नहितीहां
 शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८ ॥ इमकहीनेंमुळपाइंपमी ॥ तवम्हेचित्यूंइंम ॥ इतठेवाध
 नेइतनई ॥ कष्टयुंकरुंकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअंवावयण ॥ अन्यदिशां
 वयसंग ॥ गुरुविपाकव्रतसंगये ॥ सूणिउंठेगुरुसंग ॥ ८० ॥ इमंचितवतो
 अंबनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएधात ॥
 ॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईं ॥ तेकीमकरीइंमात ॥ अथवाऊमुळआत्मनो
 घणंतोकरस्युंघात ॥ ८२ ॥ पठेंमुळमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
 कहीखमगतेकाढीउं ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमंरुपमांथ
 यो ॥ कोलाहलतिणेकाला ॥ हाहाकारसऊइंकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
 ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तूंगोआगिरीशिषरसाहे ॥ एदेशी॥उगोअंवाकहेमकरो ॥ सा
 हसएवमुंइंमरे ॥ करफाळीकहेअहोतूफनें ॥ मातउपरिंपेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

सावीसाववलीउ ॥ एआंकणी ॥ तुज्मुश्महश्जीवुंकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
 रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूज्नेजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो ॥ बोल्होकुर्क
 टशणिअवशरे ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
 उंविप्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो ॥ एहएहनोकल्पसाण्यो ॥ जोएअवशरजा
 सरे ॥ शब्दसूणीश्तेहनोअथ ॥ करीश्वधवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो ॥ ते
 हकारणएहकुर्कट ॥ मारितुंशुसकाजरे ॥ तवकयुंमेमातसूणज्यो ॥ नकहं
 एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ ॥ जिवहिंसाकरुंनाहि ॥ तूमहआणाजोहो
 यरे ॥ तोमरुज्जुएहनीश्रय ॥ अवरनहणंकोयरे ॥ ९० ॥ अ ॥ मातक
 हेतूकहेजोश्म ॥ तोसुणिमाहरीवाणरे ॥ पिठमयकुर्कटवनावी ॥ मारितुंनि
 जपाणरे ॥ ९१ ॥ अ ॥ एतलूमुज्वचनमाने ॥ श्मकहीतरवाररे ॥ ऊंटीलेईने
 पमीपाए ॥ मुज्वीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ ॥ श्मसूणीमुजमातनेहे ॥ नाण
 नेत्रविलीनरे ॥ मातनुंमहेवचनमान्युं ॥ मतीयश्ममुजदिनरे ॥ ९३ ॥ अ ॥
 ज्ञानवज्जुपणिआत्मअरथे ॥ कांथनावेकाजरे ॥ दूरदेषेनयनपिणनिज ॥ रुप
 देषेनभाजरे ॥ ९४ ॥ अ ॥ लेप्पकारनेंज्जकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
 तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ९५ ॥ अ ॥ मातकुलदेवी
 समीपे ॥ लेईमुजनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुजनेंमायरे ॥
 ॥ ९६ ॥ अ ॥ म्यानथीएस्वग्गकाढो ॥ तवकरयुंमहेतेमरे ॥ माताकहेकूल
 देवीनेंहवे ॥ धरीमुजस्युंप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ ॥ सूपनमातुंपूत्रेदिवुं ॥ तसनी
 वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ ॥
 श्मकहीमुजसानकीधो ॥ एहकुर्कटमारिरे ॥ मारीउंमहेकूकमोजव ॥ पुजा
 कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ ॥ सिक्कमांसूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेपरे ॥ रा
 धितुंएमासलेई ॥ हरषींजेहदेषीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ महेकयुरेमातएस्युं ॥
 मासषाधेथायरे ॥ दाणध्यानतपनियममंत्रह ॥ उषधवीलंजायरे ॥ १ ॥
 अ ॥ जेरषाधूंरुअंजुंजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांससवसवनरकघाले ॥
 डःखदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ ॥ वैद्यउषधेमांसआपे ॥ तेपणिएहनी

द्दहारे ॥ विसृग्दूरगंधं प्रीमलयी ॥ उपनुं ए अशारे ॥ ३ ॥ अ० ॥ मां
 सवर्जसां सलोगुण ॥ चोरशकुनपीशाचरे ॥ सूतग्रहने अगनी एसवी ॥ तृण
 समाहोयसाचरे ॥ ४ ॥ अ० ॥ सूखे जीवे सद्गती होय ॥ एजिनशासननि
 तीरे ॥ सूणोपरदरसनें ताप्युं ॥ तेहसघलीरीतीरे ॥ ५ ॥ अ० ॥ विषपरेजे
 माशवर्जे ॥ स्वर्गलोके जायरे ॥ मुनीविशिष्टकहे शिपरि ॥ महात्तारतगायरे ॥
 ॥ ६ ॥ अ० ॥ यतः ॥ जावळीवंचयोमांसं ॥ विषवत्परिवर्जयेत् ॥ विशी
 द्योसगवान्नाह ॥ स्वर्गलोकस्य संस्थिति ॥ १ ॥ यावन्ति पशुरोमाणि ॥ पशुगा
 त्रेषु त्सारतः ॥ तावद्वर्षसहस्राणि ॥ पच्यन्ते नरके नराः ॥ २ ॥ आकाशगामिनो
 विप्राः ॥ यतन्तीमांसं सत्सृणात् ॥ विप्राणां पतितं दृष्ट्वा ॥ त्याज्यं मांसं विवेकिती ॥
 ॥ ३ ॥ शुक्रशोणितसंसूतं ॥ मांसं यो स्वादते नरः ॥ ते जनः कुरुते शौचं ॥ हसं
 तितेन देवता ॥ ४ ॥ किं जापहोमनीयमैः ॥ तिर्थस्नानैश्च त्सारतः ॥ यदि स्वादती
 मांसानी ॥ सर्वमैतत्तिरर्थकं ॥ ५ ॥ तिलसर्पपमात्रं तू ॥ यो मांसं सत्सृते नरः ॥
 स याती नरकं घोरं ॥ यावच्चंद्रदिवा करौ ॥ ६ ॥ इत्यादि महात्तारते ॥ पूर्वढाल ॥
 अंबाबोली पुत्रनकरो ॥ एह मां कांय विचाररे ॥ वचनमाहरुं सर्वमांन्युं ॥ करो
 एहनो आहाररे ॥ ७ ॥ अ० ॥ सत्यमांसन एह कट्टिपत ॥ तेह मांस्यो दोषरे ॥
 इमकहे मे वचनमांन्युं ॥ किधो पापनो पोषरे ॥ ८ ॥ अ० ॥ जेह ताप्युं तेह की
 धूं ॥ अशुत्सकर्मबंधायरे ॥ सानुबंधी बंधति ऐं स मे ॥ पद्मयोतत पिणरायरो ॥
 ॥ अ० ॥ बिजे दिनहवे कुं अरथाप्यो ॥ राजअस्तीषे ककिधरे ॥ प्रवर्ज्याहवे
 ग्रहणे हेतें ॥ उद्यमसबलोलीधरे ॥ १० ॥ अ० ॥ खंमचोथे सोलमीए ॥ पद्मवि
 जइंढालरे ॥ तापीसमरादित्यकेरा ॥ रासमांसूरसालरे ॥ ११ ॥ अ० ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ नृपनें कहेन यणावली ॥ आर्यपुत्रसूणो एक ॥ पुत्रराज्यसूरवपेखी
 ने ॥ करस्युं कालिविवेक ॥ १२ ॥ मेचित्युं मनमां हि एम ॥ वातएकेम विरुध ॥
 रातिनें हमाणां केरमी ॥ अहो २ चरीत्रअशुध ॥ १३ ॥ अथवा इमपणि देषीं
 जिवतो मुं केजाणि ॥ मुआसाथे कोई कमरइ ॥ नारिचरीत्रपीठाण ॥ १४ ॥ निच
 गतिनारी होइ ॥ विषहरगती परें वंक ॥ मुंढन जाणे माहि लो ॥ सेदनें सजे निःशं

क ॥ १५ ॥ एहविचारंणिअवसरे ॥ करवोनघटेकोय ॥ इमचितवतोबोली
 उ ॥ इमहीजकरवुंहोय ॥ १६ ॥ ढाल ॥ रागखंसाती ॥ हवइंश्रीपालकुमार ॥
 एदेशी ॥ चितेराणीइम ॥ एहसूपतिदिहलीइंजी ॥ ऊनवीजाउंसाथि ॥ तोलो
 केनिदिजीइंजी ॥ १७ ॥ मरणलहेंजोराय ॥ तोपठेंमुळचितानहीजी ॥ नम
 रुंजोरायनेंपीठ ॥ तोपिणमिसकाढुंअहिंजी ॥ १८ ॥ पालवुंवालनुंराज्य ॥ व
 लीमंचीमुखनाकहेजी ॥ एहवांजेहनीमित्त ॥ तेहकलंकसवेदहइंजी ॥ १९ ॥
 मारणकरुंअउपाय ॥ विषसोजनमांआपीइंजी ॥ बेठोसोजनकांम ॥ तवस
 वीआहारतेथापीइंजी ॥ २० ॥ नासामुखनेंढाकिआहारकराववाआवीआंजी ॥
 चतूरपुरुषसूजाण ॥ राणिपणितेढावीआंजी ॥ २१ ॥ सोजनअंतेजांम ॥
 उठेरायचलूकरीजी ॥ वंचीसऊनीदृष्टि ॥ तंबोलमांतवविषधरीजी ॥ २२ ॥
 सपीउंतेतंबोल ॥ वाससूवनमाहिंगयोजी ॥ आववामांम्युंघेन ॥ विषविकार
 सवलोथयोजी ॥ २३ ॥ जमथईंजीसअत्यंत ॥ लोचनमीचाणातदाजी ॥ न
 खथयासामलवान ॥ मुखकमलाणंमुळजदाजी ॥ २४ ॥ डखअनुंसवतोता
 म ॥ पमीउंसिहासनथकीजी ॥ खेदलहेपमीहार ॥ जोवेमुळसाहमुंचकीजी
 ॥ २५ ॥ हाहास्युंथयुंएह ॥ इमकहीढुकमोआवीउंजी ॥ स्युंथयुरेमहाराया
 तवमुळउत्तरनावीउंजी ॥ २६ ॥ जाण्योएजेरवीकार ॥ बुंवारवतिणेंकस्योजी
 धाउंरलोकोधाउं ॥ रायसिहासनथीपम्योजी ॥ २७ ॥ तेमोवैद्यसूजाण ॥ वि
 षविकारउतारवाजी ॥ चितेराणीताम ॥ रायनेपुरोमारवाजी ॥ २८ ॥ जोआ
 वेंइहावैद्य ॥ तोजीवामेठपसणीजी ॥ इमचितवतीतेह ॥ हाहाकारमुखेंस
 णीजी ॥ २९ ॥ ताणीघुंघटपुर ॥ मुळउपरिआवीपमीजी ॥ करतीवऊआकं
 द ॥ आसूंधारानवीअमीजी ॥ ३० ॥ गळूंदाव्युंतिणिवार ॥ मर्मपीमाइंमरीग
 योजी ॥ आव्युंआरतध्यान ॥ सवसचलोअहिलेंथयोजी ॥ ३१ ॥ सिलिद्र
 नांमेंपाढ ॥ दहूणदिशिमोरमीतणीजी ॥ कुषिउपनोमोर ॥ एकदिनमोरमी
 नेंहणीजी ॥ ३२ ॥ लेईव्याधजुवान ॥ दिधोगामतलारनेजी ॥ नवीआवीमु
 ळपांख ॥ वेदनासऊतेकारणेंजी ॥ ३३ ॥ खमतोसूखअपार ॥ किमखाउं

नितप्रतेज्जी ॥ तिणेंपापेंमुऊदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी ॥ ३४ ॥ पिठ
 तणोथयोसार ॥ नाटिकमुऊनेंसीषव्यूंजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥ रायसणीजई
 दाषव्यूंजी ॥ ३५ ॥ गुंणधरजेमुऊपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीउंजी ॥ पुरवसवनी
 माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीउंजी ॥ ३६ ॥ तेमुऊमरणनेंदिन्न ॥ आर्त्तध्यांन
 वशतेमरीजी ॥ करहाफदेशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३७ ॥ कु
 तरीगरसेंआय ॥ उपनीतेकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोठोथयोते
 तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकट्योगुणधरनृपसणीजी ॥
 साथेंआव्यादोय ॥ आस्थानसत्तासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविशालाईते
 ह ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसंस्याअह्नदोय ॥ राण्याथीशातासइजी ॥
 ॥ ४० ॥ चौथेखंमेढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह ॥ स
 वीजनमनसूरवकांमणीजी ॥ ४१ ॥ डहा ॥ अकालमृत्युनामेंअठे ॥ स्वाना
 धीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउं ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठनर
 रायनो ॥ पालकपंषीजाती ॥ मुऊनेंआप्योमोदस्युं ॥ साण्युंवलीईणिसांति ॥
 ॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारधी ॥ अतीवल्लसमुऊएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच
 वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवढ्यो ॥ केतोहिकगयोका
 ल ॥ पालंताअंम्हप्रेमस्युं ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ ऊंम
 षमानी ॥ एकदिनप्राशादउपरें ॥ इंद्रनिलजिहांगोष ॥ जुउंगतीकर्मनी ॥ न
 यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूबजस्युंजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषथीमो
 रेमाननी ॥ देशीउपनुंज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्युंआरतध्यां
 न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकढ्यो ॥ चंचुनखेंकरेचोट ॥ जु० ॥
 लोहलाठीलेईकूबजनी ॥ मुऊउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥ राणीप्रहारेंवि
 ढ्कलथयो ॥ पमीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ ऊवटुंखेलेराजीउं ॥ लुठंतोगयोतिणें
 थान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुंचरआवीआ ॥ यहो २ कहेतावाणि ॥
 जु० ॥ तेहकोलाहलसांतली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकम्यो
 मुऊनेंकूतरे ॥ देशीतेहसूपाल ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो ॥ मुंक्थोमुऊनैतामा ॥ जु० ॥
 धरणीपिठपम्याविऊं ॥ शोकलस्योसूखामि ॥ ५२ ॥ जु० ॥ मरणसमयअ
 म्हविऊंतणो ॥ जाणिबोलेराय ॥ जु० ॥ आर्थिकानेजिमतातनो ॥ शोकहो
 येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णगुरुचंदनवली ॥ काष्टलविगनांआ
 णि ॥ जु० ॥ दहनदिउदीउदांनने ॥ सर्गपमादवाजाणि ॥ ५४ ॥
 जु० ॥ सांसलीमोरेतेचितवई ॥ अहोशंणितातनेकाज ॥ जु० ॥ दा
 नादिकदीघांघणां ॥ पणिमुऊवेलाएआज ॥ ५५ ॥ जु० ॥ कीमापाउंसूषे
 मरुं ॥ वलीस्थानेमुऊखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताईकरी ॥ तिरजंचनीगतील
 ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयांशणिअवशरे ॥ हवेउतपतीनोगम ॥ जु० ॥ सूवे
 लगनपढीमदिशे ॥ दूःप्रवेशवननाम ॥ ५७ ॥ जु० ॥ कंटकटूरुवऊलजीहां ॥
 तिहांएककपर्शजीव ॥ जु० ॥ तेहनीकुषेउपनो ॥ डखलहेतोसदेव ॥ ५८ ॥
 जु० ॥ माकांणीवापकुंडलो ॥ डखसहेतांमुऊजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसववि
 नाजनमीउ ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूषथकीनासीगयुं ॥ ज
 ननीथणमांदूध ॥ जु० ॥ ऊंसूषेपाउंगोषरुं ॥ अनुंकर्मथयोवध ॥ ६० ॥
 ॥ जु० ॥ शंणिअवशरमायकुतरो ॥ मुउंआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन
 मांउपनो ॥ नागतेवीषनुंथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विहुममणीपरिलोयणां ॥ अं
 धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशंतोकादपास ॥ ६२ ॥
 ॥ जु० ॥ दर्डरनुंसकृणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्योपुढ्यथी
 नागनें ॥ तसपणिकोषअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ मसीउमुऊवदनैतदा ॥ माहो
 मांहिधरीषार ॥ जु० ॥ षाईईविऊंपरस्पर ॥ शंणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥
 ॥ जु० ॥ आविरीउमुऊनेंयस्यो ॥ षावामांम्योताम ॥ जु० ॥ चटचटत्रोमेशि
 रातिहां ॥ चटचटफांमेचांम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कम
 २ मरमेहाम ॥ जु० ॥ तिमपातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहामि ॥ ६६ ॥ जु० ॥
 तेसब्दथीमानुंबीहतो ॥ नागोकलेवरफाम ॥ जु० ॥ जीवपंषीउमीगयो ॥ ते
 हथानिकनेंठांमि ॥ ६७ ॥ जु० ॥ तेहकिशालानयरीई ॥ उष्टोदकानदीनाम ॥

नितप्रतेज्जी ॥ तिणेंपापेंमुळदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी ॥ ३४ ॥ पिठ
 तणोथयोत्तार ॥ नाटिकमुळनेंसीषव्यूंजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥ रायसणीजई
 दाषव्यूंजी ॥ ३५ ॥ गुंणधरजेमुळपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीउंजी ॥ पुरवसवनी
 माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीउंजी ॥ ३६ ॥ तेमुळमरणेनेंदिन ॥ आर्तध्यांन
 वशतेमरीजी ॥ करहामदेशंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३७ ॥ कु
 तरीगरसेंआय ॥ उपनीतेकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजवतास ॥ मोटोथयोते
 तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकट्योगुणधरनृपसणीजी ॥
 सायेंआव्यादोय ॥ आस्थानसत्तासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविशालांते
 ह ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसंस्याअल्लदोय ॥ राब्याथीशातासइजी ॥
 ॥ ४० ॥ चोथेखंढेढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह ॥ स
 वीजनमनसूखकांमणीजी ॥ ४१ ॥ डहा ॥ अकालमृत्युनामेंअठे ॥ स्वाना
 धीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउ ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठनर
 रायनो ॥ पालकपंषीजाती ॥ मुळनेंआप्योमोदस्यूं ॥ सायुंवलीइणिसांति ॥
 ॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारधी ॥ अतीवद्वसमुळएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच
 वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवट्यो ॥ केतोहिकगयोका
 ल ॥ पालंताअम्हप्रेमस्युं ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ फूंम
 षफानी ॥ एकदिनप्राशादउपरें ॥ इंदनिलजिहांगोष ॥ जुउंगतीकर्मनी ॥ न
 यणावलीचित्रशादिमां ॥ करतिकूबजस्युंजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषथीमो
 रेमाननी ॥ देशीउपनुंज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्युंआरतध्यां
 न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकट्यो ॥ चंचुनखेंकरेचोट ॥ जु० ॥
 लोहलाठीलेईकूबजनी ॥ मुळउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥ राणीप्रहारेंवि
 द्मलथयो ॥ पमीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ फुवटुंखेलेराजीउ ॥ लुउंतोगयोतिणें
 थान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुंचरआवीआ ॥ ग्रहो २ कहेतावाणि ॥
 जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकम्यो
 मुळनेंकूतरे ॥ देशीतेहसूपाल ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो ॥ मुंम्योमुऊनेताम ॥ जु० ॥
 धरणीपिठपम्याबिऊं ॥ शोकलस्योसूस्वामि ॥ ५२ ॥ जु० ॥ मरणसमयअ
 म्हबिऊंतणो ॥ जाणिबोलेराय ॥ जु० ॥ आर्यिकानेंजिमतातनो ॥ शोकहो
 येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचंदनवली ॥ काष्टलविगनांआ
 णि ॥ जु० ॥ दहनदिउदीउदानने ॥ सर्गपमादवाजाणि ॥ ५४ ॥
 जु० ॥ सांसलीमोरतेचितवई ॥ अहोशंणितातनेकाज ॥ जु० ॥ दा
 नादिकदीधांघणां ॥ पणिमुऊवेलाएआज ॥ ५५ ॥ जु० ॥ कीमापाउंसूषे
 मरुं ॥ वलीस्वानेमुऊखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुतांकरी ॥ तिरजंचनीगतील
 ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयांशणिअवशरे ॥ हवेउतपतीनोगम ॥ जु० ॥ सूवे
 लगनपढीमदिशे ॥ दूःप्रवेशवननाम ॥ ५७ ॥ जु० ॥ कंटकवृक्षवज्जलजीहां ॥
 तिहांएककपर्शजीवं ॥ जु० ॥ तेहनीकुपेउपनो ॥ डखलहेतोसदेव ॥ ५८ ॥
 जु० ॥ माकांणीवापकुंटलो ॥ डखसहेतांमुऊजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसववि
 नाजनमीउ ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूषथकीनासीगयुं ॥ ज
 ननीथणमांदूध ॥ जु० ॥ ऊंसूषेपाउंगोषरुं ॥ अनुंकमैथयोवध ॥ ६० ॥
 ॥ जु० ॥ शंणिअवशरमायकुतरो ॥ मुउंआरतध्यान ॥ जु० ॥ तिणहीजवन
 मांउपनो ॥ नागतेवीषनुंथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विद्रुममणीपरिलोयणां ॥ अं
 धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशंतोकालपास ॥ ६२ ॥
 ॥ जु० ॥ दर्डरुनुंसकृणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्योपुढी
 नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ मसीउमुऊवदनेंतदा ॥ माहो
 मांहिधरीषार ॥ जु० ॥ षाईंविऊंपरस्परे ॥ शंणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥
 ॥ जु० ॥ आविरीठमुऊनेग्रहो ॥ षावामांम्योताम ॥ जु० ॥ चटचटत्रोमेशि
 रातिहां ॥ चटचटफामेचांम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कम
 २ मरमेहाम ॥ जु० ॥ तिमपातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहामि ॥ ६६ ॥ जु० ॥
 तेसब्दथीमानुंबीहतो ॥ नागोकलेवरजाम ॥ जु० ॥ जीवपंषीउमीगयो ॥ ते
 हथानिकनेंमामि ॥ ६७ ॥ जु० ॥ तेहविशालानयरीई ॥ उष्टोदकानदीनाम ॥

॥ जु० ॥ मोटाप्रहमांमाठली ॥ कुखेंउपनोतांम ॥ ६८ ॥ जु० ॥ रोहीतमठ
 नीजातिमां ॥ हवेजेकालोसाप ॥ जु० ॥ एहनदिमांउपनो ॥ सुसमारनिज
 पाप ॥ ६९ ॥ जु० ॥ चोथेखंमेअठारमी ॥ ढालकहीमनोहार ॥ जु० ॥ पक्ष
 विजयकहेसांसलो ॥ सूणतांजय २ कार ॥ ७० ॥ जु० ॥ ॥ ७१ ॥
 ॥ इहा ॥ मठअनेंसूसमारते ॥ अनुंकमेंमिळिआदोय ॥ पकम्योमुऊनेपुंठ
 थी ॥ सुसमारेधरीसोय ॥ ७१ ॥ इणिअवसरिआवीतीहां ॥ स्नानकरणसंके
 त ॥ चेमीनामचिदाईका ॥ देशीऊंपादेत ॥ ७२ ॥ मुऊनेमुंकीतिणसमें ॥ प
 कम्योदासीपाय ॥ नदीमांहेनासीगयो ॥ ऊंतोकरतोहाय ॥ ७३ ॥ बुंबारवक
 रेबापमी ॥ पकमीराषीपाणि ॥ माठीआव्यामोकला ॥ जबरउतस्याजाण ॥
 ॥ ७४ ॥ मुकावीतेमानिनी ॥ माख्योतेसूसमार ॥ कालकेतोईकअतीक्रमें ॥
 आगलिसूणोअधीकार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ म्हारीसहीरेसमाणी ॥ एदेशी ॥ इ
 कदिनमांढीइनांषीजाळा ॥ पकम्योमुऊततकालरे ॥ जुउंकर्मकमाणी ॥ महाम
 ठजाणीनेंसेटांफकिधूं ॥ तेतोगुणधरराजाइंलिधूरे ॥ ७६ ॥ जु० ॥ नयणांव
 लीनेंपासेंलायो ॥ सूपतीमनहरषतेपायोरे ॥ जु० ॥ कहेनिजमातनेंपुढनोदे
 णा ॥ रंधावोतातउद्देसरो ॥ ७७ ॥ जु० ॥ वलीअझापणिमनमांधारो ॥ ब्राह्मणनेंए
 अवधारोरे ॥ जु० ॥ आपणमाटेउपट्योसाग ॥ पकतलीनेंरंधावज्योलागरे ॥
 ॥ ७८ ॥ जु० ॥ एसांसल्यूंवलीनयणेंदीतुं ॥ उपनुंजातीसमरणमीठुरे ॥ जु० ॥
 इमसांसलीपुंठखंमतेमाहरो ॥ आप्योब्राह्मणनेंकरीप्यारोरे ॥ ७९ ॥ जु० ॥
 सेषसरीरतेढोलीकरीनें ॥ माहिंनिगमुंहीगतरीनेंरे ॥ जु० ॥ सीच्योहलधरनें
 वलीनीर ॥ उपजावीअतीमुऊपीररे ॥ ८० ॥ जु० ॥ मांषणसरीतावमीमांत
 लीउ ॥ सवीजाणंज्ञानेंखलसलीउरे ॥ जु० ॥ पणिधर्मध्यांतोआव्यूंनांही ॥
 महातिव्रवेदनामाहीरे ॥ ८१ ॥ जु० ॥ इमदृढकर्मनीगढबंधाणो ॥ नारकस
 मवेदनटाणोरे ॥ जु० ॥ तोहीसरीरथीजीवनजाय ॥ इणिसमेंसूसमारजेमायरो ॥
 ॥ ८२ ॥ जु० ॥ चंमालपांमेतेबकरीजाई ॥ विशालानयरीमांआईरे ॥ जु० ॥
 तेहनीकुषेअजऊंऊंउ ॥ पाम्योयौक्मआगलिजुउरे ॥ ८३ ॥ जु० ॥ मैयुनअ

रथेमातसोगवतां ॥ दिगोजुयपतीजोगवतारे ॥ जु० ॥ क्रोधश्मर्मदेशेमुष्मा
 रथो ॥ निजवीरजमांश्रवतास्थोरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ घतः ॥ कम्ममलविनमी
 एणं ॥ तद्धमरतेणमंदसगोणं ॥ अप्पाऊअप्पणवीय ॥ जणीउजणणीएगत्सं
 मी ॥ १ ॥ पूर्वदाल ॥ दुक्कोप्रसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
 ॥ जु० ॥ आहेमेथीवलीउराय ॥ तिहांपेचमांवकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
 गर्सथीहलके२चाले ॥ रायखादीआव्यातेसादेरे ॥ जु० ॥ बाणनाण्युंवकरीने
 वागुं ॥ हरप्योत्तपलरुनेलागुरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेपेटविदाखुं ॥
 तिहाम्हेतोजीवीतधारथुरे ॥ जु० ॥ सुप्योअजापालनेतिहाराई ॥ तेपणिबी
 जीनुंथणपाशे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीषतणी
 बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपासासोजनकाजे ॥ मराव्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
 जु० ॥ ब्राह्मणअरथेमांसरंधाव्यो ॥ मुऊनेवारणेवंधाव्योरे ॥ जु० ॥ मेषपवीत्र
 मुखोकेहवाय ॥ काकशुनकबोठ्यूनखवायरे ॥ ८९ ॥ जु० ॥ तिणेमुऊनेसु
 घामीजिमीआ ॥ विप्रेआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अंतेउरलेशराजाआव्यो ॥
 देशीमुऊमनमांसाव्योरे ॥ ९० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुज्ञान ॥ थयुंसर्व
 वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणवेगहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेचित्तउदाररे ॥
 ॥ ९१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्यिकानीवलीषांतिरे ॥ जु० ॥
 एकुलदेवीनीपंकतीजांणी ॥ तवम्हेचित्युंमनआणरे ॥ ९२ ॥ जु० ॥ एमु
 ऊपुत्रकरेमुऊअर्थे ॥ पणिसवीजाइव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेवेगोसऊपरी
 वार ॥ नवीदिगीनयणावलीनाररे ॥ ९३ ॥ जु० ॥ इणिसमेदाशीपरस्पर
 साषे ॥ कहोमांसडगंधतादाषरे ॥ जु० ॥ महिषतोताजाहणीआसूपे ॥ तव
 एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ९४ ॥ जु० ॥ प्रेममंजुषासृणितूवात ॥ मांसनोनवीगं
 धआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीइमज्जजेपाधो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेवाधोरे
 ॥ जु० ॥ ९५ ॥ ताससररीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेआवेरे ॥ जु० ॥
 एककहेसृणिसुंदरीबीजुं ॥ ताहरीवातसांसलीषीजुरे ॥ जु० ॥ ९६ ॥ रायने
 ऊरेदेशनेमास्थो ॥ तेपापव्याजेवधास्थोरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ ९

टकर्णमंत्रसेदातरे ॥ ९७ ॥ जु० ॥ उगेअन्यठेकाणेंजईं ॥ ठबकोकोईनोन
 वीलहीशे ॥ जु० ॥ तेउठिचालीअन्यठांम ॥ तवम्हेंजोयुंठांमठांमरे ॥ जु० ॥
 ॥ ९८ ॥ एकणपासेंबेठीदीठी ॥ नयणांवलीडरकउकीठीरे ॥ जु० ॥ मक्कीका
 सहसगमेदूरवदेती ॥ कर्मउदयथतांवारकेतीरे ॥ ९९ ॥ जु० ॥ चोथेरवंढेढालए
 सापी ॥ सलीउंगणीसमीचित्तरापीरे ॥ जु० ॥ पन्नविजयकहेकर्मकमाई ॥
 कोईनकरज्योसाईरे ॥ १०० ॥ जु० ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ ९९ ॥
 ॥ ५६ ॥ मेषपणेंचित्थूंमनें ॥ केहवाकर्मवीपाकाउदईंआव्याएहनें ॥ राणीरुईंवरा
 क ॥ १ ॥ नयणवधणथणजेहनां ॥ जितेंजुवतीजगत्त ॥ कमलचंदनेंकुंत्स
 नी ॥ उपमअधीकीवत्त ॥ २ ॥ तपसीपणिमुनीवरतणां ॥ चित्ततणीए
 चोर ॥ हवेकामीजनहैयमलूं ॥ कठिणनसिजेंकोर ॥ ३ ॥ इमंचितवुंशंणि
 अवसरें ॥ रायकहेसूपकार ॥ महिषनुंनरुचेमांसए ॥ आणोअन्यउदार ॥
 ॥ ४ ॥ आणारायनीआकरी ॥ सूपकारसंताल ॥ कालक्षेपनासयथ
 की ॥ तेमुऊनैततकाल ॥ ५ ॥ एकपासूढेयूंशंणि ॥ सन्युंसूपतीकाम ॥ नि
 पजावीनररायनें ॥ मोकलीउंधरीमांम ॥ ६ ॥ तातनेंपुन्यसणीतीहां ॥ विप्रनेंदि
 शंविशेष ॥ कांयकनयणावलीकनें ॥ षाईंआपजेशेष ॥ ७ ॥ ढाल ॥ राग
 मारु ॥ सागरीआतूंममगर्वकरे ॥ एदेशी ॥ शंणिअवसरेंमुऊमातजेबकरी ॥
 मारीगुणधरराय ॥ तेहकलिगदेशेंथयोपामो ॥ अनुंकर्ममोहटोथायरे ॥ ८ ॥
 सूनोसवीकोमतकर्मकरो ॥ इमकिमसंवजलधीतरोरे ॥ एआंकणी ॥ सार
 वहीआव्योतिणेंनयरी ॥ नदीउतरेजेते ॥ सूपतूरंगआव्योजलपीवा ॥ मारयो
 तसतेतेरे ॥ ९ ॥ सू ॥ रायनेंषवरकरीतेपुरषें ॥ रायकहेलावो ॥ तबलाव्या
 तेपुरुषमहीषनें ॥ कोपथयोचावोरे ॥ १० ॥ सू ॥ रायकहेसूपकारनेंशंणिप
 रिं ॥ एहदूष्टपामो ॥ एहनेंजीवतांसन्युंकरज्यो ॥ दूरवदेवणगामोरे ॥ ११ ॥
 सू० ॥ तिणेंपणिसयलदीशालोहकीला ॥ ठोकीबांध्योतास ॥ एककमाहज
 लेंसरीमुंकी ॥ कर्मतणोनहीनास ॥ १२ ॥ सू ॥ तिगमुंहींगलवणमाहिंमुंकी ॥
 चोकफेरकरीआग ॥ खईरकाष्टहोमेंहवईअगनी ॥ बलतीनहीकोयमाग ॥

॥ १३ ॥ सू० ॥ कंठहोउतालूअतीसूकें ॥ तरषापणितेहवी ॥ उण्हकारजल
 पीतांवेदन ॥ पामेंनरकजेहवीरे ॥ १४ ॥ सू ॥ देहमांहितवआगितेउगी ॥
 मांसनीकल्युंबीअपास ॥ रायकहेंहवेमहिषनुंसमथुं ॥ लावोहमारीपासरे ॥
 ॥ १५ ॥ सू ॥ जिणें२दिशतेमाशजपाकूं ॥ ठेदीतेतेअंश ॥ सूपकारमोकले
 नरप्रतीनें ॥ तोहिजायनहीहंशरे ॥ १६ ॥ सू ॥ घीरेमीवलीलूणवाटीनें ॥ घा
 ल्युंदूरवदेवा ॥ पीरसनारोरायनोआव्यो ॥ बिजुंमांसलेवारे ॥ १७ ॥ सू ॥
 सूपकारेंतससाहमुंनीरप्युं ॥ तवतेणेंमरषाधो ॥ रोमकंप्यांगलीउतसगाढो ॥
 हामबंधबांधोरे ॥ १८ ॥ सू ॥ समकालेंम्हेंसेसमेकिधो ॥ कालमरीनेदोय ॥
 विशालापुरीश्चंमालपामे ॥ कुकमीउदरेंजोयरे ॥ १९ ॥ सू० ॥ मार्जारिश्चम
 मातापकमी ॥ उकरमेलेइजाय ॥ खातांअंमयुगलतिहांपमीउं ॥ गयोमार्ज
 रतेवायरे ॥ २० ॥ सू ॥ अल्लउपरितिहांसूपमुंठांक्युं ॥ चंमालिणीआवी ॥
 तेहनीबाफयकीअमेजीव्यां ॥ एपणिजुउतावीरे ॥ २१ ॥ सू ॥ इमांफो
 मीअम्हेनिकल्यावाहिर ॥ चंमालसूतपावे ॥ पिठतारचंद्रचंद्रीकासद्वस ॥
 ऊउतरुणकालेरे ॥ २२ ॥ सू ॥ अरधीचणोगीसरिषीचुला ॥ दिवांकोटवाले ॥
 रायखेलणजोग्यजांणीग्रहियां ॥ नृपनेंदेवालेरे ॥ २३ ॥ सू ॥ राजाहरष
 लहीनेसूंप्यां ॥ कोटवालनेंसाषे ॥ जिहां२जाउंतिहां२एहने ॥ लावजेमुळ
 साषेरे ॥ २४ ॥ सू० ॥ तहतकरेकालदंमकोटवालह ॥ हवईएकदिनराजा ॥
 अतैउरस्यूरमवाचाव्यो ॥ किमावसंतताजारे ॥ २५ ॥ सू ॥ कुसूमाकरउ
 धानेंपोहतो ॥ तवकोटवालअमलेय ॥ राजाकेलिघरेकरेक्रीडा ॥ राणिस्युं
 वळुंसेयरे ॥ २६ ॥ सू ॥ अल्लनेंकोटवाललेईआव्यो ॥ अशोकदृरूपंती ॥
 तिहांससीप्रसआचारजदिठा ॥ मुनीवरवळुउपांतिरे ॥ २७ ॥ सू ॥ विसमी
 ढालेंएचोथेखंमे ॥ समरादित्यरासें ॥ पद्मविजयकहेमुनीवरमिलीया ॥ स
 घलूंसूरवयास्येरे ॥ २८ ॥ सू ॥ इहा ॥ अलीकवंदनाशंणिकरी ॥ धर्मलास
 दिइसाध ॥ तपसिरीदिषीतेहनी ॥ सूलितसवयणसमाधि ॥ २९ ॥ उपसम
 कांयकआणीनें ॥ पुढेधर्मप्रपंच ॥ साधुकहेसाधारणो ॥

च ॥ ३० ॥ श्रीठेतत्वनप्राणीआ ॥ मुढगणेमनसेय ॥ तेहधर्मसूणतांयकां ॥
 उपजेनहीकोशेय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ वातमकाढोहोव्रततणी ॥ एदेशी ॥ त्रि
 विधेहिंशावर्जवी ॥ अलिकनसाषवीवाणारे ॥ विगरदिधुंकल्पेनही ॥ एक
 तृणसलीअप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सांसलोश्रीगुरुदेशना ॥ सावधरीत्वीजीवरे ॥
 त्रिविधेअब्रह्मवर्जवुं ॥ अब्रह्मेहोयकलीवरे ॥ ३३ ॥ सा ॥ नवविधपरीग्रहवर्ज
 वो ॥ रात्रीसोजनढालीरे ॥ दोषबेतालीसवर्जवा ॥ आहारतणासंतालिरे ॥
 ॥ ३४ ॥ सां ॥ मंनवासीकबोव्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधम्मरे ॥ पणिकहोसा
 गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्भरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ आवकनांव्रतवारजे ॥ सं
 तलावेमुनीरायरे ॥ सांसलीकहेमुनीवरषरुं ॥ पणिएम्हेनकरायरे ॥ ३६ ॥
 सा ॥ वेदमांपसूवंधसाषीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेआचस्यो ॥
 ढांमीनसकूतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥
 डखपांम्यातिमपामस्यो ॥ लहेस्योअनर्थनीकोमिरे ॥ ३८ ॥ सा ॥ कोट
 बालकहेकिमप्रसू पाम्याअनर्थसंभाररे ॥ तवमुनीवरधुरथीकहे ॥ अमचूं
 चरीत्रउदाररे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योअ
 त्यंतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुइतिहां ॥ संतलाव्योविरतंतरे ॥ ४० ॥ सां ॥ यतः ॥
 सिहीसाणसप्पप्रसवा ॥ मिणोहरएअईअमेशाय ॥ महीसयकुंकमपरकी ॥
 जायासंशारजलहिंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुज्योदंमवासिकतिहां ॥ सांसली
 श्रीगुरुवाणारे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्युं ॥ हिंसाअनर्थनीखाणारे ॥ ४१ ॥
 सा ॥ व्रतआपोआवकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पंचनमस्कारआपी
 उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ४२ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा
 व्यांव्रतवाररे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसांसली ॥ कुर्कटहर्षेअपाररे ॥ ४३ ॥ सा ॥
 जातीसमरणपामीआ ॥ उपनोबझसंतोषरे ॥ सूवनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्याबो
 धिनोप्रोषरे ॥ ४४ ॥ सा ॥ सानुबंधीकर्मनीठव्यां ॥ हरषनमायोअंगेरे ॥ ति
 णेकूकमुकुबोलीआ ॥ राचतानाचतारंगेरे ॥ ४५ ॥ सा ॥ इण्णिअवशरनर
 पतीतिहां ॥ राणीजयावलीसंगरे ॥ सोगसोगवंतांसांसल्यो ॥ कुर्कटशब्द

सूचंगरे ॥ ४६ ॥ सा ॥ धनुषेंतिरचढावीज ॥ रांणिनेकहेइमरे ॥ देषितुंज
 द्दवेधीपणं ॥ कुर्कटमाहंएप्रेमरे ॥ ४७ ॥ सा ॥ पेंचीवाणनेमुंकीउं ॥ मा
 र्याअमनेतेणरे ॥ राणीजयावलीसोगवी ॥ ततपिणजेसूपेणरे ॥ ४८ ॥ सा ॥
 तसकुषेंअमेउपना ॥ बोधीतणेंपरसावेरे ॥ गर्त्तप्रसावेदोहलो ॥ उपनोतेसूणो
 सावेरे ॥ ४९ ॥ सा ॥ असयदानंदेउंजीवने ॥ एहवाऊआपरीणांमरे ॥ अ
 सयदानंदीधूंघणं ॥ जनमथयोअमतामरे ॥ ५० ॥ सा ॥ दोहदपरिमाणेंठ
 वे ॥ नामहमारोतातरे ॥ ऊसुतअसयरुचीठव्यो ॥ बिजीअसयमतीजातरे ॥
 ॥ ५१ ॥ सा ॥ हवेनरपतीमनचितवे ॥ पुत्रठवुंजुवराजरे ॥ पुत्रीनोवलीवी
 वाहकहं ॥ एंदोयउंठवकाजरे ॥ ५२ ॥ सा ॥ इणिअवसरेंनृपनीकट्यो
 आहेनेपुरबाहररे ॥ पोहतोवीशालाउद्यानमां ॥ सार्थेनीजपरीवाररे ॥ ५३ ॥
 ॥ सा ॥ वायुकुसूमसूरसीतीहां ॥ जांणीजोयुंउद्यानरे ॥ तिलकवृक्षनेंदुक
 ना ॥ दिठामुनीगतध्यानरो ॥ ५४ ॥ सा ॥ सूदत्तनांमेंमुनीवरु ॥ देषीकोप्योत्सूपरे ॥
 पारधीमांअसूकनथया ॥ पनीउंचिताकूपरे ॥ ५५ ॥ सा ॥ करीउपद्रवए
 हनेहवे ॥ मानुंसूकुननिदानरे ॥ बूंढूंकारकरीमुंकीआ ॥ मुनीउपरिमाहास्वान
 रे ॥ ५६ ॥ सा ॥ वेगेंजालिमजमसमा ॥ आव्यामुनीवरपासरे ॥ जाजुल्य
 मानअगनीपरे ॥ मुनीवरदेहप्रकासरे ॥ ५७ ॥ सा ॥ तपतेजतेनसक्यास
 ही ॥ उषधीगंधजीमनागरे ॥ निरविषतिमनिःप्रसाथया ॥ तेहशुंनकरेराग
 रे ॥ ५८ ॥ सा ॥ तपपरसावेप्रदहिणा ॥ देईस्वाननोहंदरे ॥ मस्तकधरतीइं
 पोसीने ॥ प्रणमेतेहमुणिंदरे ॥ ५९ ॥ सा ॥ श्रीसमरादीत्यरासमां ॥ चोथेधं
 मेढालरे ॥ एकवीसमीपदमेंकही ॥ सूणतांमंगलमालरे ॥ ६० ॥ सा ॥ उहा ॥
 देषीअचरीजदूरथी ॥ उपनुंचित्तमांइंम ॥ स्वानपुरुषएसमऊणा ॥ नहीनर
 स्वानऊंनेम ॥ ६१ ॥ तपचरणेंमुनीततपरा ॥ अकूशलचिंत्युंआज ॥ इणिस
 मेपुरीथीआवीज ॥ केईजनवंदनकाज ॥ ६२ ॥ जिनधरमेंसावीतजिके ॥
 अरहदत्तइंणनाम ॥ सेठपुत्रसोहामणो ॥ आव्योवंदनआम ॥ ६३ ॥ मेदनी
 पतीनोमीत्रते ॥ दिठोउपअवदात ॥ मुनीउपसर्गतेमोटिको ॥ परलोकनोकरे

पात ॥ ६४ ॥ प्रणमीसूपसणीकहे ॥ कखुंएहस्यूकांम ॥ कहेनरपतीनरकु
 तस्या ॥ सरीषुंकिधूंस्यांम ॥ ६५ ॥ अरहदत्तकहेंशिपरें ॥ पुरुषसिहपरधां
 न ॥ अश्वथीहेठांउतरो ॥ वंदोएसगवान ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ हाररोहीरोम्हारो
 साहिबो ॥ एदेशी ॥ देशकलिंगनोअधीपती ॥ साहिबाम्हारा ॥ अमरदत्तरा
 जानहो ॥ पुत्रसूदत्तनांमेतेहना ॥ सा० ॥ नरपतीनिरमलवानहो ॥ ६७ ॥
 संवेगस्तीनोम्हारो ॥ समतास्यूलीनोम्हारो ॥ मुनिमांनगीनोम्हारोसाहिबो ॥
 साहिबाम्हारा ॥ वंदोमुनीवरपायहो ॥ एआंकणी ॥ प्रथमजोवनमांहिवरत
 ता ॥ सा० ॥ एकदिनआव्योतलारहो ॥ चोरसाथेंएकदयाबीउ ॥ सा० ॥ विनवे
 नृपनेतिवारहो ॥ ६८ ॥ सं० स० मु० ॥ परघरपेंसीनेंइणें ॥ सा० ॥ दीधोद्व्य
 अपारहो ॥ माखोमहर्षिकनेवली ॥ सा० ॥ यहीउनिसरतीवारहो ॥ ६९ ॥
 ॥ सं० स० मु० ॥ हवेजीमकहोतिमकीजीइं ॥ सा० ॥ सांसलीतेनररायहो ॥
 धरमशास्त्रसणनारनें ॥ सा० ॥ तेमीसूणवेप्रकारहो ॥ ७० ॥ सं० स० मु० ॥
 स्योदंमएहनेंदिजीइं ॥ सा० ॥ तवनरबोदयोतेहहो ॥ घातकखोचोरीकरी ॥
 ॥ सा० ॥ किधूंकर्मअठेहहो ॥ ७१ ॥ सं० स० मु० ॥ त्रिकचोकचाचरेंफे
 रवो ॥ सा० ॥ सऊजननेंसंतलाविहो ॥ नेत्रउपाओएहनां ॥ सा० ॥ काननें
 नाककपाविहो ॥ ७२ ॥ सं० स० मु० ॥ हाथनेंपगवलीठेदीइं ॥ सा० ॥ इ
 णिपरेंजीवनोनाशहो ॥ करवोइंमरीषीवयणठे ॥ सा० ॥ सांसलीवयणविन्या
 सहो ॥ ७३ ॥ सं० स० मु० ॥ चितवेअहो २ नृपकुदें ॥ सा० ॥ करवांए
 हंवांपापहो ॥ तिणेएराज्यसूखेंसरखुं ॥ सा० ॥ जेहथीबऊसंतापहो ॥ ७४ ॥
 ॥ सं० स० मु० ॥ आणंदनांमत्ताणेजनें ॥ सा० ॥ संधीराज्यनोत्तारहो ॥ सू
 धर्मगुरुपासेंथया ॥ सा० ॥ गेहतजीअणगारहो ॥ ७५ ॥ सं० स० मु० ॥
 मुनीवंदनकरीनीस्तरो ॥ सा० ॥ सांसलिआवकवाणिहो ॥ मुनीवंद्याजबतिणें
 समें ॥ सा० ॥ थयुंमुनीपुरणकाणहो ॥ ७६ ॥ सं० स० मु० ॥ धर्मलासदे
 ईसापीउं ॥ सा० ॥ बेसतूनीरवद्यठाणहो ॥ पश्चात्तापनृपउपनो ॥ सा० ॥
 जाणीअकऊअप्पाणहो ॥ ७७ ॥ सं० स० मु० ॥ रायवेसीमनचितवे ॥

सा० ॥ मेंकस्योमुनीवरघातहो ॥ प्रायगीतमुऊनेनही ॥ सा० ॥ विणनीजम
 स्तकपातहो ॥ ७८ ॥ सं० स० मु० ॥ आत्मअकार्यकलंकयी ॥ सां० ॥ दूषी
 तएकमुऊत्तहो ॥ धारीनसकुंतिणेंहवे ॥ सा० ॥ निपजावुंएहजुत्तहो ॥ ७९ ॥
 सं० स० मु० ॥ शंणिसमेमुनीनेउपनुं ॥ सा० ॥ मणपङ्कववरनांणहो ॥ जा
 णीआशयसूपनो ॥ सा० ॥ मुनीवरकहेइमवांणहो ॥ ८० ॥ सं० स० मु० ॥
 एतुऊप्रायडितनही ॥ सा० ॥ जेतेंकडपनाकीधहो ॥ आत्मघातपणिवारीउं ॥
 सा० ॥ तेपणिसमयप्रसिधहो ॥ ८१ ॥ सं० स० मु० ॥ यतः ॥ सावीयजी
 णवयणाणं ॥ ममत्तरहियाणतडिऊविशेसो ॥ अप्पाणंमीपरमीय ॥ तोवळे
 पीममुसउवी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कलंकदूखीतनिजआतमा ॥ सा० ॥ जेचि
 तचितवेतासहो ॥ जैनक्रियाजलेंधोयतां ॥ सा० ॥ निरमलथाइंपासहो ॥ ८२ ॥
 सं० स० मु० ॥ सवअनुबंधवधेघणो ॥ सा० ॥ करतांआतमघातहो ॥ सव
 कोमिपाम्योनही ॥ सा० ॥ जिनवरवयणवीख्यातहो ॥ ८३ ॥ सं० स० मु० ॥
 तिणेंजिनआणिअंगीकरो ॥ सा० ॥ सांसलीचितवेरायहो ॥ अहोमनवातजा
 णेमुनी ॥ सा० ॥ मुऊमनअचरीजथायहो ॥ ८४ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायगी
 तमुऊपापनुं ॥ सा० ॥ निश्चयलहेस्युंएपासहो ॥ आणंदजलसरीनयणमां ॥
 सा० ॥ चरणेंपमेवृपतासहो ॥ ८५ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायडितप्रसूतापीशं
 सा० ॥ मुऊकहेसूणिमहारायहो ॥ एकमीथ्यातअज्ञानजे ॥ सा० ॥ तासअ
 सावजोथायहो ॥ ८६ ॥ सं० स० मु० ॥ चितववुंविपरीतजे ॥ सा० ॥ ते
 मिथ्यापरीणामहो ॥ तेपणिविपरीतचितव्युं ॥ सा० ॥ मुनीअपशकुननोठम
 हो ॥ ८७ ॥ सं० स० मु० ॥ करीअकदर्थनावारीइं ॥ सा० ॥ एअपशकुननि
 दानहो ॥ तूऊमनशंणिपरेंउपजे ॥ सा० ॥ नवीकरेएकदीस्नानहो ॥ ८८ ॥
 ॥ सं० स० मु० ॥ तुंममुंमुंमीतवली ॥ सा० ॥ तिपथीजीवेजेहहो ॥ वली
 पापंमवीरुधए ॥ सा० ॥ पावंननकरेतेहहो ॥ ८९ ॥ सं० स० मु० ॥ मध्य
 स्थसावकरीसूणो ॥ सा० ॥ उत्तरएहरशालहो ॥ चोथेखंमेवाविसमी ॥ सा० ॥
 पद्मविजयकहीढालहो ॥ ९० ॥ सं० स० मु० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥

॥ ५६ ॥ पलक एक होय पवीत्रता ॥ मन मां होय असीमान ॥ करे प्रारथना काम
 नी ॥ शुचि ऊं ए हवीसानं ॥ १ ॥ जीव विराधना जलतणा ॥ नही को श्मशान
 नान ॥ सदगती जो स्नानें होई ॥ मढे दे मक बज्जमान ॥ २ ॥ जज्ञादि कांश जोष
 थी ॥ विप्रे पणिव मरीती ॥ अस्नान व्रत सलूं आदर्युं ॥ न विजाणें एनीती ॥
 ॥ ३ ॥ ढाळा ॥ चो पईनी देशी ॥ सूणितू ज्ञान नी वात जकडूं ॥ पांच शौच पुराण
 मालंजं ॥ सत्य सौचत पशौच जवली ॥ त्रिजुं श्मीय निमह मलि ॥ ४ ॥ चो थुं
 सर्व जीवनी दया ॥ जल नुं शौच पांच मुंक ही गया ॥ वली आरंते वरते जेह ॥ मै
 थुन से वेर हे तो गेह ॥ ५ ॥ शोच पणं ते ब्राह्मण तणी ॥ न कथुं जुधी घर में पाप
 गणी ॥ द्योमाटी नासार हजार ॥ शत कूं सावलि ली जें वारि ॥ ६ ॥ तिरय श
 त ग मे करे सनान ॥ पण जो दूष्टाचार नीदान ॥ तेह पवीत्र ब्राह्मण नही कदा ॥
 पाप प्रमादे वरते सदा ॥ ७ ॥ जिम मदिरा नुं साजन होय ॥ सह सवार जो धो
 वे तोय ॥ पवित्र नथां तिणि परिजांणि ॥ दूष्ट अंतर गत चीत्त नुहाण ॥ ८ ॥
 आत्मन दी संजम जल तरी ॥ सत्य प्रवाह शील तट करी ॥ दयान दी पांमव करो
 स्नान ॥ जल थी शुद्ध न आत्म नीदान ॥ ९ ॥ इत्यादिक शीव शास्त्रें पणा ॥
 साण्या से दते स्नान जतणा ॥ सर्व सास्त्र मां प्राणी दया ॥ न्हातां न रहे तेह नीमया
 ॥ १० ॥ वली दातण नोक सो विचार ॥ आरुत या उ पवास मजारि ॥ दंत
 काष्ठ संजोग नी वारि ॥ संजोगें सात कूल संहार ॥ १ ॥ महा सारत मां वात एक
 ही ॥ वली मार्क मपुराणें लही ॥ संक्रांती दिन पण वे प्रतीपदा ॥ नोमी वार सिव
 ली वर जी सदा ॥ २ ॥ ते कारण दातण नो दोस ॥ मकरो करी श्मन संतोस ॥ वली
 अषं व्रत नीय मनाधार ॥ विषय कषाय जीत्या अण गार ॥ ३ ॥ सग्याय ध्यांन
 मां रातानीत्य ॥ एह वामुनी वर नीत्य पवीत्त ॥ बलिसिर तूं मुं मन जे कर्युं ॥ प्र
 थम व्रतराषणें धर्युं ॥ ४ ॥ पाषं पणिए मंगल करे ॥ जो चित्त मां मुनी
 मंगल धरे ॥ सज्जनें शास्त्रें सीका कही ॥ मंगल जो पाले व्रत वही ॥ ५ ॥ अन्य लि
 ग थी भ्रष्ट जे थया ॥ जैन लिगे जे मोहें गया ॥ जैन लिग थी भ्रष्ट जो थाय ॥ तोत
 सव ज्ञापे कहै वाय ॥ ६ ॥ स्वेतांबर केह बास्ये वेष ॥ किम अवतार करे स्थूं वीसे

५ ॥ कहोमहादेवमनेंएतुम्हें ॥ जिमनिःसंदेहजाणंअम्हे ॥ ७ ॥ दंमकंबल
 महेशुरुआहाराअजारोमप्रमार्जनधारातुंबिफलसाजनहोयकरो ॥ सिद्धासोज
 नकोपनधरे ॥ ८ ॥ स्वेतवस्त्रराषेकरेदया ॥ मुक्तिजैनधरममांशया ॥ पापनीकं
 दननेंअवतार ॥ जुग २ किधाम्हेअणगार ॥ ९ ॥ एहप्रसासपुराणेंकया ॥ सां
 सलीबोलोममुखथीदया ॥ स्तरनेंपणिएअमणनुरुप ॥ मंगलरुपकसांसंणितूप ॥
 ॥ १० ॥ यतः ॥ प्रसासपूराणें ॥ अन्यलिगपरीभटो ॥ जैनलिगेनसिध्यति ॥ जैनलि
 गपरीभटो ॥ वज्रलेपोत्तवीप्यती ॥ १ ॥ कीदृशाःस्वेतांबराः ॥ तेकीदृशाःकिमा
 काराः ॥ कर्मकूर्वतीकीदृशं ॥ अवतारःकथंतेषां ॥ महादेवनीगद्यतां ॥ २ ॥
 दंमकंबलसंयुक्तं ॥ अजारोमप्रमार्जनं ॥ गृहंतीशुरुमाहारं ॥ शास्त्रंदृष्ट्वा
 चरंतीच ॥ ३ ॥ तुंबिफलकरासीद्धा ॥ सोजनंस्वेतवाससाः ॥ नकुर्वतीकदा
 कोपं ॥ दयाकुर्वतीजंतूषु ॥ ४ ॥ मुक्तिजैनधर्माय ॥ पापनीकंदनायच ॥
 अवतारःकृतमेषां ॥ मयादेवीयुगेयुगे ॥ ५ ॥ पूर्वढाल ॥ महासारतमांसा
 प्युंश्म ॥ जसकुलजतीनथांश्प्रेम ॥ अवगतीआतसपुरवजयाय ॥ तेनरमो
 र्हेकीमेनजाय ॥ ११ ॥ शिवशासनमांजैनप्रमाण ॥ केतासापूतासवपांण ॥
 सांसलीनृपनुंगयुंमीथ्याताकिहेतुम्हज्ज्ञानअहोसाक्षात ॥ १२ ॥ इमकरंतोमुनी
 चरणेनमें ॥ गुरुजीकोपनकरस्योतूम्हें ॥ म्हेंअज्ञानपणेंकरयुंकर्म ॥ तेषम
 ज्योप्रसूतूमचोधर्म ॥ १३ ॥ मुनीकहेमुनीसनतापरधान ॥ उठिमकरिसंभ्रम
 कोईगण ॥ सर्वजीवनुरुवमींअमे ॥ तिणेंअमकोपनचित्तमांगमे ॥ १४ ॥
 आक्रोशतर्जनायातनाकरे ॥ धर्मभंशवलीरुदइंधरे ॥ अग्रिम२वीरहतेसावा ॥
 लास्तेहोइंशुरुस्वसाव ॥ १५ ॥ वलोमुनीसावेंकर्मवीवाग ॥ सूपतीहरप्यो
 धर्मतेराग ॥ एऊनाज्ञानथीठांनुंनही ॥ पुढूंतातनेआर्थिकाकहीं ॥ १६ ॥
 इमचितीनेपुढूंजदा ॥ मुनीवरेंसाप्युंसचलूंनदा ॥ पीठकूर्कटवधमांमीकरी ॥
 जयावलीसूतनेंदीकरी ॥ १७ ॥ तिहांलगेसांसलीरायविचार ॥ चितवेअहो
 संशारअपार ॥ अहोसवनाटिककिणिएपरेंलहे ॥ ज्ञानीगुरुविणकहोकुणकहे ॥
 ॥ १८ ॥ इमचोथेरुंमंएकही ॥ ढालत्रेवीसमीपदमेंसही ॥ समरादित्यनरप

तीनोशस ॥ सांसलोआगलवातविलास ॥ १९ ॥ दूहा ॥ अहोसंशारअशार
 ता ॥ अवलाअथोरसनेह ॥ अहोगुरुतामोहरायनी ॥ अकल्लुविवागअठेह ॥
 ॥ २० ॥ कुर्कटपठनोवधकस्यो ॥ देवतादिधुंदाण ॥ तेहविपाकइमतातने ॥
 परणम्योकाढेप्राण ॥ २१ ॥ मेंतोजीवमास्याघणा ॥ आलेधरीअन्नाण ॥
 नरकविनामुज्जनेनही ॥ होस्येहीणंगण ॥ २२ ॥ पुतुंअथवामुनीप्रति ॥
 मुनीलहीमननीवात ॥ कहेचपनेचिताकीसी ॥ वलीसांसलिअवदात ॥ २३ ॥
 जैनधरमजोपमीवजे ॥ पापनोपश्चाताप ॥ त्रिविधेआरंत्तनेतजी ॥ आदरे
 चारीत्रआप ॥ २४ ॥ ढाल ॥ देशीफतमलनी ॥ नरपती ॥ चारीत्रलेईआप ॥
 जीवसवेमैत्रीकरे ॥ न० ॥ राषीमध्यस्थताव ॥ वैराग्यतावनाआदरे ॥ २५ ॥
 न० ॥ पालीनीरतीचार ॥ पुरवदूःकतपेपवे ॥ न ॥ कारणविणनवकर्म ॥
 अशुसनबांधेतेहवे ॥ २६ ॥ न ॥ षयकरीकर्मनीजाल ॥ पुण्यपरंपरासा
 धतो ॥ न ॥ आराधकयईतेह ॥ शुसगुणगणेंवाधतो ॥ २७ ॥ न ॥ ओणी
 रूपकचढीजीव ॥ घातीकरमनोषयकरी ॥ न ॥ पामीकेवलज्ञान ॥ शाश्व
 तशिवलढीवरी ॥ २८ ॥ न ॥ जिहांनहीरोगनेंशोग ॥ जनमजरामरबुंनही ॥
 न ॥ अव्याबाधअरुप ॥ अशरीरीपदवीलही ॥ २९ ॥ न ॥ बोढ्योतेसूपा
 ल ॥ तातआर्थिकाईणिपरि ॥ न ॥ पास्याकर्मविपाक ॥ एहवेअलपडःकृत
 करे ॥ ३० ॥ गणपतीम्हेकस्यांकर्मअघोर ॥ सीगतीहोस्येमाहरी ॥ ग ॥
 सोगव्याविणकिमजाय ॥ एहमांकुणतूजवाहरी ॥ ३१ ॥ ग ॥ सदगतीपा
 मुंकेम ॥ तवगुरुकहेसूणिसूपती ॥ न ॥ एकचरणपरिणाम ॥ काढेकर्मनीसं
 तती ॥ ३२ ॥ न० ॥ पातीकविषपरीणाम ॥ अमृतसमचारीत्रकसुं ॥ न० ॥
 कर्मगिरीप्रवीरुप ॥ चिंतामणीदूर्विधलसुं ॥ ३३ ॥ न० ॥ शिवसूखफलसूर
 हंष ॥ चरणपरीणामकस्योसही ॥ न० ॥ विषलवषाईकोयातासउपायकरेन
 ही ॥ ३४ ॥ न० ॥ पामेंआपदतेह ॥ कृत्याकृत्यमुंजीरहे ॥ न० ॥ नरसूख
 सघलांठांमी ॥ जिवितषयततषिणलहे ॥ ३५ ॥ न० ॥ तिमएजिवप्रमाद ॥ व
 सथीपापकरमकरी ॥ न० ॥ नवीकरेतसप्रतिकार ॥ जनममरणकरेत्सवफरी

॥ ३६ ॥ न० ॥ जोकरेतासंउपाय ॥ अमृतसमसकतिकरी ॥ न० ॥ कालकू
 टविषहोय ॥ तोपणितसलीइसंहरी ॥ ३७ ॥ न० ॥ विखलवनोस्योत्तारा ॥ तिमत्तव
 तावअनादीमां ॥ न० ॥ सेवीपापअघोरा ॥ प्रतिपक्षसेवेआव्हादमां ॥ ३८ ॥ न० ॥
 बज्रसवसंचितपाप ॥ ह्यकरचारीत्रआदरी ॥ न० ॥ एकसवनोस्योत्तार ॥
 गुरुवचसूणीहरपेंकरी ॥ ३९ ॥ न० ॥ पुढेचरणपरीणाम ॥ स्यूंकहीइंतवगु
 रुकहे ॥ न० ॥ सम्यगज्ञानथीतीव्र ॥ रुचिथीपापनीवतिलहे ॥ ४० ॥ न० ॥
 तूमहदरीसणेंययोधन्य ॥ आजमहानिधीम्हेंलखो ॥ न० ॥ आणिकरूंतूमह
 एह ॥ जोतूमहेअमणयोग्यकखो ॥ ४१ ॥ न० ॥ भृत्यनेंकहेनरनाथ ॥ जई
 कहोमंत्रीप्रमुखसणी ॥ न० ॥ असयरुचीठकोराज्य ॥ आणिकरोएअमतणी
 ॥ ४२ ॥ न० ॥ मतकरज्योमुज्ज्वेद ॥ जैननीदीक्षाजंवरू ॥ न० ॥
 अंगीकरीतेभृत्य ॥ जईसंतलाव्युंतिणेंपखू ॥ ४३ ॥ न० ॥ सांतलीजंपणिते
 ह ॥ असयमतीसाथेंयही ॥ न० ॥ अंतेउरसवीषाद ॥ पोहतानृपपासंवही ॥
 ॥ ४४ ॥ न० ॥ दिठोमुनीनेंपास ॥ संवेगरससावितमती ॥ न० ॥ बेठोधरती
 हेठि ॥ उत्रचामरठंफ्याजती ॥ ४५ ॥ न० ॥ होयनहोयएराज ॥ जय २
 शब्दथीप्रणमती ॥ न० ॥ सीहपंजरगतरीती ॥ किमवेठाकरेविनती ॥ ४६ ॥
 ॥ न० ॥ गतदाढाजिमसर्प ॥ राज्यभट्टनरनीपरें ॥ न० ॥ वेठासोकमज्जारी
 तवसूपतिइंमउचरे ॥ ४७ ॥ न० ॥ मुनीसाण्योसंबंध ॥ वातकहीतेसांतली ॥
 ॥ न० ॥ इहापोययोताम ॥ अमचीमतीबज्रखलसली ॥ ४८ ॥ न० ॥ जाती
 समरणज्ञान ॥ उषनुंअमबिज्जनेंतदा ॥ न० ॥ मुर्बागतथयांदोय ॥ अमेधरती
 ढलीआंयदा ॥ ४९ ॥ न० ॥ अंतेउरपरीवारातेहदेपीनेंरुदनकरे ॥ न० ॥ ए
 वलीविजुंदूरक ॥ माननीनयणआंसूजरे ॥ ५० ॥ न० ॥ मुर्बालहीअम्हमाया
 अनुंकमेंचेतनपामीआं ॥ न० ॥ मातआस्वासनाकीध ॥ रायनेंचरणेंनामी
 आं ॥ ५१ ॥ न० ॥ कहेसंसारअसार ॥ देपीअममनउत्तगुं ॥ न० ॥ अमण
 पणंतूमसाधि ॥ लिजीइंमअम्हेंउत्तगुं ॥ ५२ ॥ न० ॥ रायकहेजिमसूक्त ॥
 एहमांप्रतीबंधमतकरो ॥ न० ॥ साणेजनेंदिउराज्य ॥ विजयधरमअसीधाधरो

॥ ५३ ॥ न० ॥ जिनवरचैत्यमऊरि ॥ अगईमहोवकरी ॥ न० ॥ लेईअ
 मनेसायावलिपरधानअंतेउरी ॥ ५४ ॥ न० ॥ लिईदिहागुरुपास ॥ चोथेखं
 मेंमनधरी ॥ न० ॥ चोविसमीवरढाल ॥ पद्मविजयकहीसूखकरी ॥ ५५ ॥ उहा ॥
 म्हेंकधुंगुरुनेपायनमी ॥ नयणावलीनेनाथ ॥ संसलावोसूखदेशना ॥ पोरल
 हेसवपाथ ॥ ५६ ॥ जोग्यनहीजीनधर्मने ॥ किधूंघणंअकाज ॥ त्रिजीनरंगें
 ततषिणें ॥ जास्येकहेगुरुराज ॥ ५७ ॥ रूपीअनुसयतवबळकरे ॥ कहेगुरु
 मतकरोईम ॥ चारीत्रतूम्हेचोपुंकरो ॥ मान्धुंगुरुवचप्रेम ॥ ५८ ॥ अनुंकमेंच
 रणआराधीने ॥ कालकरीततकाल ॥ उपनादेवलोकआठमे ॥ सूखसोगवेवि
 शाल ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ देशीएकवीशानी ॥ बूटकनी ॥ कोसलदेशेरे ॥ साकेतन
 यरीईनरपती ॥ विनयंधररेतेहनीराणीलढीमती ॥ तेहनोसुतरेनामजसोधरं
 थयो ॥ पामलीपुरेरेजीवअसयमतीआवीयो ॥ ६० ॥ बूटक ॥ आविउईशान
 सेननृपनी ॥ राणीवीजयानामए ॥ विनयमतीतसनांमथाप्युं ॥ कलासीप्यां
 तामए ॥ स्वयंवरातेआवीवरवा ॥ बळआमंवरथकी ॥ नयरवाहीरआवासआ
 प्या ॥ म्हेंपणिसांसलीतेबकी ॥ ६१ ॥ मनहरण्योरेतातेलगनजोवानीउं ॥ अ
 नुंकमेरेवरघोमेमुळचामीउं ॥ वाजंतैरेबळविधतूरमंगलतणां ॥ नाचंतैरेपात्रप
 गेंपगेंअतीघणां ॥ ६२ ॥ जु० ॥ अतिघणांमंगलबिरुदबोले ॥ साटचारणलो
 कए ॥ माताप्रमुखसवीनारीगावे ॥ धवलमंगलथोकए ॥ आमंवरबळकरी
 चाढ्यो ॥ राजवदेपरिवस्थो ॥ धवलगजशीरउपरिडुं ॥ मस्तकवलीअजध
 र्यो ॥ ६३ ॥ नरनारिंरेप्राशादतलरखांदेपीई ॥ अनुंकमेरेराजमार्गमांविशे
 पीई ॥ इणिअवसरिरेदाहीणलोचनफूरकीउं ॥ हरषेंकरीरेचित्तमांम्हेंआलोकी
 जं ॥ ६४ ॥ जु० ॥ आलोचिजंकांयहरषथास्ये ॥ एहथीपणिअसीनवो ॥ इणि
 अवशरिदिठाफिरता ॥ गोचरीईसाहवो ॥ कढ्यांणसेठनेंसवनआंगण ॥ पूर्व
 अन्त्यासेंकरी ॥ उपनुंमुनीराजदेपी ॥ जातीसमरणचितधरी ॥ ६५ ॥ मुरढावशें
 रेपमतांगजसीरथीऊढ्यो ॥ नामेरासतप्रेपुरुषेपासेंवेठांकढ्यो ॥ तूरादिकरे
 बंदकस्यांतिणेंअवसरें ॥ पेदलहीनपरेआवीचितेइणिपरें ॥ ६६ ॥ जु० ॥ इणिप

रिपुगफलादीमदथी ॥ होस्येतिणेंसीचावीउं ॥ चंदनपाणीप्रमुखथीतव ॥ तासचे
 तनआवीउं ॥ तातपुढेपुत्रस्युंए ॥ कथुंम्हेंतवइंमए ॥ संसारविलसीततातंएढे
 तातकहेतेकेमए ॥ ६७ ॥ एहवचननोरेअवसरनहीतवम्हेंकथुं ॥ वातमो
 हदीरेसंखेपेंकिमजाइंकथुं ॥ सज्जतेमोरेबेसोएकांतेंसत्ताकरी ॥ सज्जतेम्यारेवे
 ठासूणवाचित्तधरी ॥ ६८ ॥ त्रु० ॥ चित्तधरीपुढेवातस्युंढे ॥ तिणसमेम्हेंसाषी
 उं ॥ संसारनिर्गुणमोहमुळीत ॥ प्राणिइंमजीनदाषीउं ॥ चित्तचित्तवेआलोच
 अवला ॥ प्रवर्त्तअहीतेसदा ॥ अनागतनवीकालपेपे ॥ वर्त्तमानजुइंतदा ॥
 ॥ ६९ ॥ साधारणरेजनमजरारोगसोगमा ॥ एकमरणनेरेवलीवाहलानात्रीजोग
 मा ॥ प्रमादनरेचेष्टाथोमीवज्जदूखदीई ॥ सूरअसूरनेरेनरतिरीनेंजाणोहिई ॥
 ॥ ७० ॥ त्रु० ॥ पीठमयकुर्कटहण्योतिणें ॥ जुउंपरीणम्योकेतलो ॥ इमक
 हीसूरेइदत्तनासवथी ॥ ताप्योसोगव्योजेतलो ॥ ७१ ॥ सज्जसांतलीरेकहे
 अकारयकर्मना ॥ लहेसंवेगरे सूणीअविपाकविहामणा ॥ माततातनेरेपरी
 जनसज्जवेरागीआ ॥ देषीसाधुरेसांतलोचीतलयलागीआ ॥ सवथीमुळरेचि
 त्तविरक्तथयुंघणं ॥ आपोआणारेसफलकरुंनरत्तवपणं ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ मो
 हवशतवतातबोले ॥ पुत्रतुफकुणनाकहे ॥ ताहरोत्तवसफलढेतिणें ॥ एहक
 न्याकिमजरहे ॥ परणीनेंएप्रजापालो ॥ पुण्यबांधोइंणिपरिं ॥ म्हेंकथुंधुरथी
 ताततूम्हनें ॥ पाणीग्रहणतेकूणकरे ॥ ७३ ॥ तातसासेरेपरणवामांस्योदोषढे ॥
 म्हेंसाप्युरेपाणीग्रहणसूषसोषढे ॥ उषधवीनुरेव्याधीमोहनुंगेहढे ॥ गुरुध्यान
 नोरेवयरीनविधृतीरेहढे ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ विरूपनोएमीत्रसाप्यो ॥ शांतिनो
 प्रतीपकूए ॥ मदत्तवनडखउदयकारण ॥ पापआवासलकूए ॥ नरत्तवसाध
 ननेंहोयसमरथ ॥ तोहिपणिसीझायए ॥ सिंहपंजरमांपण्योतीम ॥ मोरूकिमें
 नसधायए ॥ ७५ ॥ रयणकंचनरेथावमांहेविष्टासरी ॥ कुंणनांषेरेतिमएन
 रत्तवलहीकरी ॥ कुणसेवेरेविषयवचनजीननांलही ॥ तिणेंदिजेरेआणतात
 जीमुळवही ॥ ७६ ॥ त्रु० ॥ नयनमांतवनीरआणी ॥ कहेतातअम्हजेहए ॥
 पीढेअतीसयतेहकारण ॥ रहोअमचेगेहए ॥ म्हेंकथुंमेहनकीजीइंएह ॥

निमीत्तमुख्यसंसारए ॥ दिपपरेंरुणउपजेवीएसें ॥ तासकइस्तवपारए ॥ ७७ ॥
 बोलेतूपतीरेईसानसेननृपनीधुआ ॥ वेदकरस्येरेतवम्हेंकहुंआणीमया ॥ क
 हेवरावोरेतेहनेएहविचारए ॥ जोबुजेरेसांतलीमुऊअधीकारए ॥ ७८ ॥ नु०
 अधीकारसांतलीकहेराजा ॥ एहवातकहीपरी ॥ पचवीसमीएढालसापी ॥ खं
 मचोथेसूखकरी ॥ विबुधउत्तमवीजयकेरो ॥ सीसपद्मवीजयकहे ॥ रासस
 मरादित्यकेरे ॥ सूणतजयलढीलहे ॥ ७९ ॥ दूहा ॥ पुरोहोतनेनरपतीकहे ॥
 शंषवर्द्धनसूणिवात ॥ जिमनिपनीतिमजईतूम्हें ॥ संसलावोसूखसात ॥ ८० ॥
 कुमरीपासेंजइकरी ॥ आव्योतूपतीपाय ॥ कहेसीसाएकुमरना ॥ मनोरथ
 सूणोमहाराय ॥ ८१ ॥ जईसाण्युंम्हेंजतनथी ॥ कांयककहेनृपकांम ॥ आ
 सनथीतेउतरी ॥ अंजलीकरीकहेआम ॥ ८२ ॥ अवनीपतीआणकहं ॥ मे
 साण्युंतवईम ॥ इहांकुमरनेंआवतां ॥ राजमारगमांप्रेम ॥ ८३ ॥ साधूदर्शन
 थीसघर ॥ जातीसमरणजाम ॥ उपनाथीनवत्तवअवल ॥ ततषीणसा
 प्याताम ॥ ८४ ॥ संसलाव्यासरवेअम्हे ॥ जसोधरामुखजाम ॥ नय
 णावलीसूतनीवधू ॥ इणअवसरथयुंआम ॥ ८५ ॥ ढाल ॥ सांतरीआगु
 णावाभुऊनेहीरनारे ॥ एदेशी ॥ इमसांतलतांमुर्बापामीनृपधूआरे ॥ कां
 यऊउ २ आकूलसवीपरिवाररे ॥ चंदनसीचेचेतनपाभीतवपढेरे ॥ कां
 यपुढ्यो २ म्हेंतसएअधीकाररे ॥ ८६ ॥ सांतलज्योअहोकर्मवीपाकविचित्र
 तारे ॥ कांयसाण्युंइणिपरेंराजकुमरीइतांमरे ॥ मेसाण्युंकिमतेहविचित्रता
 तवकहेरे ॥ तेहजशोधरामाहरुंजाणजेनामरे ॥ ८७ ॥ सा० ॥ तवमांसमतां
 कर्मनाटिकस्युंनवीहोयेरे ॥ तवम्हेंसाण्युंसांतलोकुमरीवातरे ॥ एहचरीबें
 राजकुमरमनउत्तगुरे ॥ कांयदिहाइजिनवरसापीप्यातरे ॥ ८८ ॥ सा० ॥
 रायकहेवरावेंकहोहवेअम्हेंकरीइंकिस्युरे ॥ तवसाबोलीकहोजईनेंमहारा
 यरे ॥ एहसंशारसरुपदेपीकहोकूणनेरे ॥ नविवैराग्यकरेजिणेंशिवसुखया
 यरे ॥ ८९ ॥ तिणेसंशारतणाप्रतीबंधथकीसस्युरे ॥ किजेजेमनउपजेकु
 मरनेंसावरे ॥ मुऊनेंआणाद्योजिमऊंदिहायऊरे ॥ सृणीराजासंवेगलहोत्तव

नावरे ॥ ९० ॥ सां० ॥ कहेकुमरनेपुत्रमात्रनहीमाहोरे ॥ धर्मपमाज्यो
 तिणेंगुरुमाहोहोयरे ॥ तिणेंसंसारमांरहेवुंसरीउंमाहोरे ॥ दिक्काळेस्युंअम्हे
 पणिदंपतीदोयरे ॥ ९१ ॥ सां० ॥ म्हेंताप्युंतवतातजीतुम्हइंमजघट्टे ॥
 नविकीजेंकांयएहवातेंप्रतिबंधरे ॥ तवतिहादेवराव्युंमहादानवलीकरे ॥ स
 घलंदेहरेजिनपुजासंबंधरे ॥ ९२ ॥ सां० ॥ कुलकधातामुळजसवर्द्धननामथीरे ॥
 तेहनेंथाप्योराज्यनोत्तारविशेषरे ॥ मायपीतापरधानलोकवलीकेईस्युरे ॥ विन
 यवतीस्युंलिधोसाधूवेपरे ॥ ९३ ॥ सां० ॥ इंद्रसूतीआचारयपासेंपुन्यथीरे ॥ लि
 धोसंजमसङ्गइंशुसपरिणामरे ॥ एनिर्वेदकारणमुळचरीत्रकस्युंसवरे ॥ सांसल
 रेतुंधन्नकूमरअतीरामरे ॥ ९४ ॥ सां० ॥ धनकहेरुमुनिर्वेदकारणदाषीउंरे ॥
 साषोमुळनेंकरवानेजेजोग्यरे ॥ गुरुकहेचरणसामग्रीजगमांदोहिदोरे ॥ पांमी
 नेंकुणहोरेमुरखलोगरे ॥ ९५ ॥ सां० ॥ विस्तारेंसूणीडल्लतवातचरीत्रनीरे ॥
 हरप्यो२धन्नकूमरकहेप्रेमरे ॥ लेउंचारीत्रगुरूजीतुम्हआणायकीरे ॥ मायता
 यनेंसमजावुंजईंमरे ॥ ९६ ॥ सां० ॥ गुरुकहेजीमसूखउपजेतिमकीजेंतुम्हे
 रे ॥ आव्योमातपीतानेंपासेंधनरे ॥ परमसंवेगेंवातकहीमुनीवरतणीरे ॥ प्रति
 बुज्यामायतायकरेव्रतमन्त्ररे ॥ ९७ ॥ सां० ॥ योग्यपुत्रभेगेहसारसुपुंहवइंरे ॥
 इमकरीधनकुमरनेंसाषेनेहरे ॥ मणीमोतीमुखसारद्रव्यतुम्हेंआदोरे ॥ अ
 म्हेप्रवज्यालेस्युंशिवसूखगेहरे ॥ ९८ ॥ सां० ॥ धनकहेसारपणंस्युंदिटुं
 द्रव्यमांरे ॥ जनमजरानेंमरणनराषेकोयरे ॥ अरथीमनोरथपुरापणिक
 रीसकूरे ॥ अथवापुन्यगइंपणिसंचीतजायरे ॥ ९९ ॥ सां० ॥ परलोकेप
 णिनहोइंसखाश्कोइंनेरे ॥ तातकहेतेंएतोताप्युंसाचरे ॥ धनकहेआणाआ
 पोसाथेंव्रतघडरे ॥ तातकहेएसाचुंपणिसूणिवाचरे ॥ १०० ॥ सां० ॥ जौवनें
 इंद्रीयदमवाकंदरपडुंदमोरे ॥ धनकहेअवीवकतेजौवनजाणिरे ॥ नहीतरु
 णनइंधरदोजीवअनादीनोरे ॥ गरढापणिवडविषयपीपासवपांणिरे ॥ १ ॥
 सां० ॥ यतः ॥ गलीतंअंगंपलीतंमुग्धं ॥ दशनविहीनंजातंतुं ॥ वृक्षायाती
 गृहित्वादं ॥ तदपीनमुंचत्याशापिं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ निंदानगणेंनविचा

रेपरमार्थनेरे ॥ द्रव्यसंजोगेकेशकरेवलीशामरे ॥ पारदमर्दनसेवीअंगकठीन
 करेरे ॥ हिंफटेकथकीवलीराषीमामरे ॥ २ ॥ सा० ॥ वृक्षतावथीबीहतो
 जनमकालांतरैरे ॥ दाषेपणिनवीदेषेआयुषीणरे ॥ केईपरलोकनाअरथीजौ
 वनवयठतेरे ॥ विजचपलपरंजीवीतजाणेंहीणरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ धरीवि
 वेकअशारविषयठांजीकरीरे ॥ हरिणपरेंवलीमरणथीबीहतातेंहरे ॥ चारीत्र
 धर्मसेवेजेपरलोकसाधवारे ॥ जौवनवृधतण्णनहीहेतूएहरे ॥ ४ ॥ सा० ॥
 इंद्रीयदमीआंआतमदमीउमुलथीरे ॥ तेहथीसूरनरसूखवलीमोक्षनांसूक
 रे ॥ इमजाणीकूणइंद्रीयनदमेंमुरखोरे ॥ अशुससंकटपमुलतेअनंगढेदू
 रकरे ॥ ५ ॥ सा० ॥ जिनवयणेंसावीत्तसंकटपकरेनहीरे ॥ समताधरतोरहे
 नित्तगुरुनेंपायरे ॥ निरवेदीसावनथीकंदरपस्युंकरेरे ॥ सारकिस्युंएपुदगल
 नोसमुदायरे ॥ ६ ॥ सा० ॥ शब्दादीकशुसथईनेअशुसहोयेंवलीरे ॥ अशुस
 होइतेपरीणमेशुसपरीणामरे ॥ एजमआतमचेतननेंसंबंधकीस्योरे ॥ द्रव्यां
 तरसंजोगेसूखनोनवामरे ॥ ७ ॥ सा० ॥ अन्यसंजोगेआत्मिकसूखनहोइ
 कदारे ॥ तिणेंमुळनगमेविषयप्रमादनोसंगरे ॥ तातप्रसावेंविघनजस्येसवी
 माहरारे ॥ मान्युंतातेंकूमरवचनमनरंगरे ॥ ८ ॥ सा० ॥ करीअगईमहो
 ठवदिईदाननेरे ॥ मातपीतानेंबीजोपरीजनसंगरे ॥ तेहजशोधरगुरुनेंपासें
 आदरेरे ॥ धनकुमारअधीकमनदीकारंगरे ॥ ९ ॥ सा० ॥ चोथेपंढेढालक
 हीठवीसमीरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयपत्राईएहरे ॥ पद्मविजयेंश्रीसमरादी
 त्यनारासमारे ॥ सूणतांमंगलमालाश्रोतागेहरे ॥ १० ॥ सा० ॥ इहा ॥ धनकुम
 रेंदीक्षाधरी ॥ किथोकियाकलाप ॥ सूत्रअत्यासकरीसवे ॥ जपतोंमौ
 नथीजाप ॥ ११ ॥ एकविहारअंगीकरे ॥ सावनासावेसर्व ॥ गामेएकनि
 शागमें ॥ नगरेंपंचनीगर्व ॥ १२ ॥ कोसंबीपुरेअनुक्रमें ॥ आव्यातेरूपिराय
 नंधनेंहवेधनसीरीतणो ॥ कज्जसंबंधकथाय ॥ १३ ॥ सघलेषोल्यासमुद्रमां
 जम्यानहितेजाम ॥ उलंघ्याअर्णवहवे ॥ तरूणीवयणेंताम ॥ १४ ॥ कंचन
 नेंवलीकामीनी ॥ द्वेषीचुक्योनंद ॥ कोसंबीआवीकरी ॥ मनसूखंधरीरह्योमं

द ॥ १५ ॥ समुद्रदत्तसेवी ॥ नामठवेनीजनंद ॥ गोचरीफिरतानगरमां ॥
 मातंगजेममुणंद ॥ १६ ॥ ढाल ॥ कंततमाकूपरीहरो ॥ एदेशी ॥ फिरता
 आव्यागोचरी ॥ नंदतणैघरिवार ॥ मेरेलाळ ॥ धनसरीरिंतवजळ्या ॥ उप
 नोतससोकअपार ॥ मुनीराज ॥ १७ ॥ नारीकुक्कर्मज्योज्योतुम्हे ॥ उधें
 सीच्योलीबमो ॥ नवीमीठोथायलगर ॥ मे ॥ किमनवीएहमुजहजी ॥ क
 हेमुळअवतारधीकार ॥ मे ॥ १८ ॥ ना ॥ किममुळनजरेंएचम्यो ॥ हवेकरीई
 एहउपाय ॥ मे ॥ जिमजीवेनहीमुलगो ॥ शणैअवशरितेरुषिराय ॥ मे ॥
 ॥ १९ ॥ ना ॥ जाचनासमयअतीकम्यो ॥ जाणिनेवलीआतेह ॥ मे ॥ द्वेषलही
 धनसिरीधण्णांजळपीमुंऊचितेएह ॥ मे ॥ २० ॥ ना ॥ शीघ्रगयोकीमएकहो ॥
 बोलावीदासीताम ॥ मे ॥ जईजुजकिहांजइएरेहे ॥ होयतिममुळनेकहेवामा
 मे ॥ २१ ॥ ना ॥ दासीआणिअंगीकरी ॥ चालीमुनीवरनेमागा ॥ मे ॥ मुनी
 वरआहारमद्योनही ॥ पणिअवसरनोनहीलाग ॥ मे ॥ २२ ॥ ना ॥
 पुरदेवीउद्यानमां ॥ पोहतातवचोथोजाम ॥ मे ॥ लागोतिणेंविचस्यानही ॥
 काउसगरखातिणेंठाम ॥ मे ॥ २३ ॥ ना ॥ जईधणसिरीनेतेकहुं ॥
 धणसिरीकहेनंदनेंम ॥ मे ॥ म्हंपुरदेविनेमानिउं ॥ तूमरोगहतोतवप्रेम ॥
 मे ॥ २४ ॥ ना ॥ करिउपवासवदिआठमें ॥ तूमहआयतनेकरुंवास ॥
 मे ॥ आठमगईपरमादथी ॥ सूपनेतवप्रेरीपास ॥ मे ॥ २५ ॥
 ना ॥ विहाणेंतुम्हेजातारखा ॥ तिणेंसापीनसकीवात ॥ मे ॥
 किधोउपवासम्हे ॥ तिणेंजाउंतिहांसाकात ॥ मे ॥ २६ ॥ ना ॥ पुं
 जापोआणीदिउं ॥ नंदेपणिआणीदीध ॥ मे ॥ तवचाकरदूगसाथिले ॥
 दासीपणसाथेलिध ॥ मे ॥ २७ ॥ ना ॥ तिहांजईदीठामनीवरु ॥ इण
 अवसरआव्योएक ॥ मे ॥ काष्टतणीसरीगामली ॥ कठिआरोधरतविवेक ॥
 मे ॥ २८ ॥ ना ॥ सागोअरुतिहांकिणें ॥ आयमवालागोसर ॥ मे ॥ कठी
 आरोमनचितवें ॥ मुंऊनेथुंअतीहिअसर ॥ मे ॥ २९ ॥ ना ॥ काष्टपहेनही
 कोइहां ॥ तिहांमुंकीवषसतेलीध ॥ मे ॥ निजघरिपोहतोवेगस्यूं ॥ धनसि

रीचि ते सलूंकिय ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकार्थे बालस्युं ॥ चितवीगईचंभी
 कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरतणी ॥ तोजनआपेमनसाय ॥ मे० ॥ ३१ ॥
 ना० ॥ सूतासज्जुअनुक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥ मुनीपासैतेका
 ष्टनो ॥ षमकेंतिहांअतीसंसार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥ ध्यानमांमुनीवरनवी
 लहे ॥ अज्ञानेंप्रजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनुं ॥ चितेंमुनिवरमा
 हांताग ॥ मे० ॥ ३३ ॥ ना० ॥ अनुकंपांमुनीवस्त्राबलताकाउसगगअमग ॥ मे० ॥
 अहोएजीवनेंऊययो ॥ कारणदूरगतीनेंमग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ धन
 जेनरमुगंतंगया ॥ नहोइकर्मबंधनुहेत ॥ मे० ॥ मुळजडेजीनरगमां ॥ एपो
 होचस्येंडूखसंकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ इम
 ताषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुंमुळजीवनें ॥ शोचुंएजीवअनाथ ॥
 मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीडूखसायरएह ॥
 मे० ॥ मोहिक्किष्टप्राणीतणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे० ॥ ३७ ॥ ना० ॥ धिगू
 संसारअशारनें ॥ इमसावतोशुत्तपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइमात्योऋषी ॥
 एहनेंकिहांसदगतीठांम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
 पनाऋषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतेअसमां
 न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेखंमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
 पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
 ॥ डहा ॥ चंभीकादेहेरेचपलथी ॥ दासीइपेसतांदिव ॥ धनसीरिनेंपुढेधसी ॥
 स्वामीनीकहोविसीठ ॥ ४१ ॥ किहांजईआव्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
 राति ॥ परदषणापुठेंकरो ॥ सगवतीनेंसलित्ताति ॥ ४२ ॥ इणिअवसरअवलो
 कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइमसोचीकरी ॥ सूतीशंकसहोत ॥ ४३ ॥
 विहाणेंदेवीपुजीहवे ॥ चालीकरीअतीचुप ॥ पंचत्वलस्योपंथेरीषी ॥ आलोक्यो
 तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युंजाणी
 इआपणें ॥ सीज्योकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचितवें ॥ मोकलीका
 लेंमुळ ॥ जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गर्इतेहनुंएगुळ ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआलो

कीजं ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुजएहअनर्थमां ॥ कारणकरीवीकराल ॥
 ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोधणीआवीउरे ॥ व्य
 तिकरदीगेतेह ॥ फरीयादीगयोरायनेरे ॥ अहोमुजपापअठेह ॥ ४८ ॥ रीषी
 किणेंमारीउरे ॥ मुजकाष्ठथीवलीउजेह ॥ माहराधीगजन्मनेरे ॥ एआंकणी ॥
 मुजगागीगतीहोयस्येरे ॥ सूलिकोप्योराजान ॥ ऊकमकरयोकोटवालनेरे ॥
 ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चंमीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपधरी
 कोटवाल ॥ पुढेपुजारीप्रतेरे ॥ रातिरसूंकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोर
 लांगकोईनवीरद्योरे ॥ पुजारीकहेइम ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीधरी
 नेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येहेतूरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहे
 नवीलहूरे ॥ तवचितेततलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअठेरे ॥
 वसवाकेरोदिन्नातेहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीयईषणषण ॥ ५३ ॥ रीषी० ॥
 मंगलवारहतोवलीरे ॥ पाठिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमद्योषरोरे ॥ स्त्रीविण
 नहीकोईडट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउंएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूसयलीवात ॥
 इमांचितीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुढेशार्थपनीगेह
 नीरे ॥ घरमाठेकेनांहि ॥ झोसनालहीकहेकामस्यूरे ॥ कहेकोटवालउगाह ॥
 ॥ ५६ ॥ रीषी० ॥ ईर्ष्याधरीकोधेंकरीरे ॥ परअस्तीप्रायनोजांण ॥ कहेरेपाप
 णिविसस्योरे ॥ मुनिवृत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेशंकीघ
 णरि ॥ चेष्टिवोलीतांम ॥ मुजसेवाणीइमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरठाम ॥ ५८ ॥
 रीषी० ॥ ऊंबिजुंजाणंनहीरे ॥ सूलिउपनोसंदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेदुरे ॥
 कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुढेसंदरीरे ॥ मधरोसयमनमा
 हि ॥ मोकट्यांतूम्हस्येकारणेरि ॥ तेसापोतूम्हेआंहि ॥ ६० ॥ रीषी ॥ साकहे
 सीहालेअवारे ॥ कालेचिजेजाम ॥ आव्याविणलिधेवट्योरो ॥ तवमुजमोकली
 आम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकदूरे ॥ रिषीरहेवानुंगम ॥
 कारयतोजाणंनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहांजईनें
 स्युंकिधदूरे ॥ तवबोलीसानारि ॥ चंमीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

गार ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ कोटवालतवचितवेरे ॥ पुजानेंमीसएह ॥ परीजन
 वंचामारीउरे ॥ मुनीवरनहीसंदेह ॥ ६४ ॥ रिषींणेंमारीउरे ॥ एआंक
 णी ॥ बोलावीघरमांजरी ॥ तवषोसाणीतेह ॥ सावलषीनेंसांषीउरे ॥ वात
 सूणीमुऊएह ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ रीषीघातकनेखोलवारे ॥ मुऊनेंमोकद्यों
 राय ॥ पगलूंतूम्हघरिआवीउरे ॥ तिणेंचालोनृपपाय ॥ ६६ ॥ रीषी० ॥
 सांसलीनेंधरणीढलीरे ॥ तवचितेकोटवाल ॥ निश्चयकर्मईंणिकस्युरे ॥ न
 हितोसयकिमसाय ॥ ६७ ॥ रीषी० ॥ नागेनंदबाहीरथकीरे ॥ वातसूणीनें
 तेकान ॥ धनसीखिलाव्यानृपकङ्गेरे ॥ जोईचितेंराजान ॥ ६८ ॥ रीषी० ॥
 इणआकारेंएहवुरे ॥ कर्मकरेकिमसाय ॥ स्येकारणतूतिहांगरीरे ॥ पुढेईण
 परेंराय ॥ ६९ ॥ रीषी० ॥ कोसलहीबोलीनहीरे ॥ तवशंकानृपथाय ॥
 फरिपुढेकेहनीधुआरे ॥ किहांथीआवरहाय ॥ ७० ॥ रिषी० ॥ पुरणत्त
 दनीजुंधुआरे ॥ सूसम्मनयरथीआय ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ तवतशशो
 धीकराय ॥ ७१ ॥ रिषी० ॥ नजग्योत्ततिहनोरे ॥ तवकीधोविआम ॥
 सूपपासेंनबोलीसकेरे ॥ एहवोधरीमनसांम ॥ ७२ ॥ रीषी० ॥ पुर्णत्तद्रपा
 सेंमोकद्योंरे ॥ लेषवाहकततकाल ॥ एहनेंपुढावेतदारे ॥ एहजवातसूपाय ॥
 ॥ ७३ ॥ रीषी० ॥ लेखवाहकलेखलावीउरे ॥ वांचेनरपतींम ॥ धणसीरी
 नामेंअमधूआरे ॥ अमकूलखंपणनेंम ॥ ७४ ॥ रीषी० ॥ रायविचारेईंण
 ईरे ॥ निश्चयकीधूंकाम ॥ पापिणिनीअहोमुखतारे ॥ अहोकरुदयावाम ॥
 ॥ ७५ ॥ रीषी० ॥ नारीअवध्यकहीतिणेंरे ॥ दिधोदेशनिकाय ॥ जातांसां
 ऊसमयतदारे ॥ तूषतरसअसराय ॥ ७६ ॥ रीषी० ॥ देवलमांसूतीजरीरे ॥
 एहवेकरग्योनाग ॥ महाक्लेशेंमरीउपनीरे ॥ बालूप्रसादूखसाग ॥ ७७ ॥
 रीषी० ॥ उग्रपापतूरतजफलेरे ॥ एहमांनहीसंदेह ॥ सातसागरनारकपणें
 रे ॥ डखस्तोगवेनीजदेह ॥ ७८ ॥ रीषी० ॥ ईंणपरिंचोयोत्तवकस्योरे ॥
 दंपतीनेअधीकार ॥ हवेजयविजयभ्रातातणोरे ॥ सापुंसपरवीचार ॥
 ॥ ७९ ॥ ओताजनसांसलोरे ॥ आसाढवदिएकादशीरे ॥ च्यादिसेमंमाण ॥

पूरोवीसलनगरमारे ॥ चोथोखंमप्रमाण ॥ ८० ॥ ओता ॥ अगविसढालेंको
 रीरे ॥ समरादित्यनेरास ॥ ताप्रवावदितेरसदिनेरे ॥ संपुरणसूवीलास ॥ ८१ ॥
 ॥ ओ० ॥ विजयदेवसूरीपटधरूरे ॥ श्रीविजयासिंहसूरीस ॥ सत्यविजयशो
 हामणारे ॥ सोतागीतससीस ॥ ८२ ॥ ओ० ॥ तासकपुरविजयकवीरे ॥ पि
 माविजयवरतास ॥ जिनविजयसीसतेहनारे ॥ जेहनेशास्त्रअत्यास ॥ ८३ ॥
 ओ० ॥ गीतारथंगीरुआघणारे ॥ तद्रकसमतावंत ॥ उत्तमविजयसोहामणा
 रे ॥ तेहनाशीष्यमहंत ॥ ८४ ॥ ओ० ॥ तसपदपद्मभमरसमोरे ॥ पद्मविज
 यइणनांम ॥ गायाम्महरषेंकरीरे ॥ गुणीजननागुणग्राम ॥ ८५ ॥ ओ० ॥
 पुन्यउपार्जनजेकरीरे ॥ तेहथीसवीजनलोक ॥ सकलदूरवनोदयकरीरे ॥
 पामोशिवफलरोक ॥ ८६ ॥ ओ० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंथीत्तप्रवरश्रीम
 दूत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृ
 तप्रबंधेधनकूमारधनश्रीदंपत्योःसंगतयोचतूर्योनरसवःसमातः ॥ सर्वगाथा
 चतूर्यखंमे ॥ ८८६ ॥ उक्तगाथा ॥ काव्य ॥ सवईउयइ ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ इहा ॥ प्रगटप्रतापीपासजी ॥ प्रणमुंप्रैमेंपाय ॥ समरीसाचीसारदा ॥ क
 रेजेहकवीराय ॥ १ ॥ पंचमखंमप्रारंतीई ॥ सूणोसंघसमुदाय ॥ सूण
 तांसमतारसवधई ॥ पातिकदूरिंपलाय ॥ २ ॥ जंबुक्षीपनुंसरतजे ॥
 नयरकाकंदीनाम ॥ समुद्रदेशपरेंशोसती ॥ तंतूस्यूंखांतीकाताम ॥ ३ ॥
 पतीव्रताजनमनपरें ॥ परपुरसेंप्रकार ॥ उलंघाईनहीअधीक ॥ उज्व
 लघनआगार ॥ ४ ॥ द्वारतोरणअतीदिपतां ॥ सीहबालस्यूंसाच ॥ गि
 रीवरकेरीज्युंगुफा ॥ तरतोदिसेताच ॥ ५ ॥ ढाल ॥ लाठलदेमातमट्ठार ॥
 एदेशी ॥ सूरतेजनृषनांम ॥ सूरतेजरीपुठांम ॥ आजहोराणीरेदीलावती
 जाणतिहनीरे ॥ ६ ॥ पुरणकरीसूरआय ॥ धनसूरउपनोआय ॥ आ० ॥
 तेहनीरेकूरखेंतवचंद्रसूपनेलक्षोरे ॥ ७ ॥ संसलावेत्तरतार ॥ तवतेकरेउच्चार ॥
 आ० ॥ सामंतमंमलमांशसीसमसूतहोयस्येरे ॥ ८ ॥ प्रसवसमयथयोजा
 म ॥ सूतजोगेंसाताम ॥ आ० ॥ प्रसव्योरेतिणेंपुत्ररतनसमपरगमोरे ॥ ९ ॥

निवृत्तीनामैनारि ॥ षांश्वधामणीसार ॥ आ० ॥ संतोषेतसदानदर्शनं सूपती
 रे ॥ १० ॥ इमकरतांथयोमास ॥ जयकुमारतेतास ॥ आ० ॥ थापेरेअसीधान
 अनुक्रमेवाधतारे ॥ ११ ॥ करतोकलाअन्यास ॥ पुरवधरमनीवास ॥ आ० ॥
 चारीत्रेघणोरागथयोतसजन्मथीरे ॥ १२ ॥ एकदिनरमवाउद्यान ॥ चंद्रोदयअ
 सिधान ॥ आ० ॥ दिगारेतिहांसनतकूमारसूरीसरुरे ॥ १३ ॥ तेजेसूर्यसमान ॥
 उतरयाप्रासूकथान ॥ आ० ॥ उदधीपरेंगंसीरशीतलजीमचंद्रमारे ॥ १४ ॥ र
 तनपरेंबज्जमुल ॥ सज्जजननेअनुकुल ॥ आ० ॥ सरगपरेंरमणीकवाच्यनही
 सीवपरेंरे ॥ १५ ॥ नयरीस्वेतंबिकाराय ॥ जसवर्मसूतमुनीराय ॥ आ० ॥
 स्वपरसमययस्योसारबज्जमुनीपरिख्योरे ॥ १६ ॥ देषीलस्योसंवेग ॥ मनचि
 तेअतीवेग ॥ आ० ॥ एहसंशारअशारएहवापणिगंमतारे ॥ १७ ॥ कु
 णएकमकस्योत्याग ॥ पुबुंजईमाहासाग ॥ आ० ॥ जईवंद्यासज्जमुनीनेवलीसूरी
 सनेरे ॥ १८ ॥ बेठोगुरूनेपाय ॥ करकजजोमीगाय ॥ आ० ॥ गुरुजीएसं
 शारवैराग्यहेतूखरोरे ॥ १९ ॥ तोपणिबाह्यनिमित्त ॥ विणनविउत्तगेचित्त ॥
 आ० ॥ तेकारणविशेषहेतूतुमचुंकहोरे ॥ २० ॥ चितेसूरीवरइम ॥ वयणविन्यास
 अहोकेम ॥ आ० ॥ एहनोरेएविवेकदेषीमनरंजीउरे ॥ २१ ॥ हेतूविशेषअव
 धार ॥ तेपिण्ठेसंशार ॥ आ० ॥ सूरीकहेजोसूणवाईठातोसूणोरे ॥ २२ ॥
 अट्पनिदानविवाग ॥ मोहटासूणीमहासाग ॥ आ० ॥ चित्रांगदविद्याधर
 पासेव्रतलीउरे ॥ २३ ॥ इणहीजसारहवास ॥ स्वेतांबीकापुरीवास ॥ आ० ॥
 जसवर्मानृपतेहनोपुत्रज्जंजाणजेरे ॥ २४ ॥ ज्योतीसीकहेतवइम ॥ जनम
 मात्रथीनेम ॥ आ० ॥ विद्याधरनरपतीयास्येएबालकोरे ॥ २५ ॥ ऊंबज्जव
 छसतात ॥ एकदिनतस्करघात ॥ आ० ॥ करवारेलेईजातादिगामेंतदारे ॥
 ॥ २६ ॥ चोरघणकहेइम ॥ अमतूमसरणनेम ॥ आ० ॥ राषोरेतूम्हेतवम्हे
 तसमुंकावीआरे ॥ २७ ॥ रमवागयोऊंवार ॥ सघलोएअधीकार ॥
 आ० ॥ निपनोरेतिहांबाहरीपंचमखंमारे ॥ २८ ॥ पहेलीढालरशाल ॥
 सूणतांमंगलमाल ॥ आ० ॥ समरादित्यनारासमांपद्मविजयेकहीरे ॥ २९ ॥

डहा ॥ रुगलोकनयरतणा ॥ कहेनृपनेकोटवाल ॥ नृपकहेकुमरजाणेनही ॥
 तिमकरज्योततकाल ॥ ३० ॥ तस्करयहीतूम्हेपुरतणा ॥ नरनेकरीवी
 न्जाण ॥ मारज्योसूणितिणेंमारीआ ॥ जवमुऊनेययुंजाण ॥ ३१ ॥ रीसाणो
 महारायथी ॥ चाट्योचतूरसूजाण ॥ तामलिप्तीआव्योतूरत ॥ मनमांआणी
 माण ॥ ३२ ॥ यतः ॥ त्रयःस्थानंनमुचंति ॥ काकाःकापुरषाःशृगाः ॥
 अपमानेत्रयोयांति ॥ सिंहाःसत्पुरुषाःगजाः ॥ १ ॥ ॥ डहा ॥ ईशा
 नचंदअवनीपती ॥ साहमोजईसनमान ॥ देईकहेसुंदरकस्युं ॥ आव्या
 आपणगाण ॥ ३३ ॥ जाणोएनिजराज्यठे ॥ नयरमांकस्योनिवेस ॥
 आपेमुऊआवासतीम ॥ रहेवातेहनरेश ॥ ३४ ॥ जिवनट्योतूम्हेजगमे ॥
 इमकहेवरावेराय ॥ मेतोतेनवीमानीउं ॥ तसहीतजिणेंपरेंताय ॥ ३५ ॥ ढाढा
 रागधमाल ॥ पासजीहो ॥ अहोमेरेललनां ॥ एदेशी ॥ वसंतसमयएकदिन
 हवेआव्यो ॥ रहेतांतिहांसूखमांहि ॥ ललनां ॥ अवीवेकीजनआणंदकारी ॥
 दिन२अधिकउठाह ॥ ३६ ॥ मनमोहनमेरेदिलवरयोहो ॥ अहोमेरेललनां ॥
 दिलवरयोमनवरयोमुऊ ॥ मन ॥ एआंकणी ॥ मलयवायुतिहांवायामनोहरा
 फूट्यांवनउद्यान ॥ ललनां ॥ लोकथोकतिहांजोवाचाट्या ॥ कोकिलरवसू
 णेंकान ॥ ३७ ॥ मन ॥ मित्रेंपरिवृत्तजुंणिचाट्यो ॥ करीतनुंशोसावीशेश
 ॥ ल ॥ अनंगनंदनउद्यानमांजातां ॥ आव्योराजपंथनेदेश ॥ ३८ ॥ मन ॥
 नामविलासवतीनृपपुत्री ॥ गोषथीदिठोमूऊ ॥ ल ॥ कोईसवांतरनेअन्यासें
 रागथीअतिशेअलूऊ ॥ ३९ ॥ मन ॥ बकुलमालागुंथीनीजहाथें ॥ नापीमुऊ
 शिरतेह ॥ ल ॥ दिठीमुऊवसूतूतीमित्रें ॥ थापीकंठदेशेंमेंएह ॥ ४० ॥ मन ॥
 उरधजोयुंतवतिहांदितुं ॥ वदनकमलअदसूत ॥ ल ॥ हर्षलसोऊंतेपणिऊई ॥
 तोषवीषादसंयुत ॥ ४१ ॥ मन ॥ ऊंतनुंथीतिहांआगलिचाट्यो ॥ चित्तमुंकी
 तसपास ॥ ल ॥ तेहनुंथ्यांनकरतघरिआयो ॥ पणिनहीक्रिमाविलाश ॥
 ॥ ४२ ॥ मन ॥ शीसडख्यानामिसथीवीसरज्यो ॥ मित्रादिकपरीवार ॥ ल ॥
 अननुंसूतडखनेअनुंसवतो ॥ कृणनिद्राकरीतिणवार ॥ ४३ ॥ मन ॥ रा

नीदानहो ॥ ७२ ॥ सू० ॥ तोनीरुद्यमकिमथईरह्या ॥ सा० ॥ तवम्हेसाप्यु
 तासहो ॥ सु० ॥ नहीनिरुद्यमपणिचितवुं ॥ सा० ॥ एहउपायतेषासहो ॥
 ॥ ७३ ॥ सू० ॥ साकहेसमरुपकुलकनी ॥ सा० ॥ हरतांकांयनदोषहो ॥
 सु० ॥ आठप्रकारविवाहना ॥ सा० ॥ शास्त्रमांसाप्याजोषहो ॥ ७४ ॥
 सु० ॥ ब्राह्मा१प्राजापत्य२आर्ष३ ॥ सा० ॥ कृत्विज४धर्मएष्यारहो ॥
 सु० ॥ गंधर्व५असुर६राक्ष७वली ॥ सा० ॥ पैसाच८अधर्मच्यारहो ॥
 ॥ ७५ ॥ सु० ॥ कंन्यासूषीतकरिदीइ ॥ सा० ॥ तेविवाहकस्योब्राह्महो ॥
 सु० ॥ निजवित्तवोचितधनदिइ ॥ सा० ॥ तेप्राजापत्यनामहो ॥ ७६ ॥ सु० ॥
 गायदांनपूर्वकदिइ ॥ सा० ॥ तेतोआर्षकहायहो ॥ सु० ॥ सर्वजातीधन
 दक्षिणा ॥ सा० ॥ तेतोवेदसुगयहो ॥ ७७ ॥ सु० ॥ वरकन्याराजीपणें ॥
 सा० ॥ नहिकोईअवरनुंकामहो ॥ सु० ॥ तेगंधर्वकस्योवली ॥ सा० ॥ परठन्नपर
 णेजामहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ जेपणबंधइपरणिइ ॥ सा० ॥ तेतोआसुरजाणिहो
 ॥ सू० ॥ बलात्कारथीपरणवुं ॥ सा० ॥ तेराक्षसपहिचाणहो ॥ ७९ ॥ सु० ॥
 सुतीरमतीहोयजे ॥ सा० ॥ अणजाणेंलेईजायहो ॥ सु० ॥ तेपैशाचिक
 जाणिइ ॥ सा० ॥ हरणमांदोषनकोयहो ॥ ८० ॥ सु० ॥ म्हेंकस्युंवातपरी
 कही ॥ सा० ॥ पणिरागीनररायहो ॥ सु० ॥ अप्रतीहतगतीकुमरनें ॥ सा० ॥
 वलीजीवनसुपसायहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ परणवेराजाकदी ॥ सा० ॥ तव
 नहीबीजोउप्रायहो ॥ सु० ॥ दर्शनबेऊनेंजीमहोइ ॥ सा० ॥ चितवोतेहसुगय
 हो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ अनंगसुंदरीतवत्तणें ॥ सा० ॥ लावोतूम्हेकूमरहो ॥
 सु० ॥ ऊंपणिसूवनउद्यानमां ॥ सा० ॥ लावुंराजकुमारिहो ॥ ८३ ॥ सु० ॥
 म्हेंएवातअंगीकरी ॥ सा० ॥ चालोकारणतेहहो ॥ सु० ॥ वचनसुणीवसु
 सूतीनां ॥ सा० ॥ परमआणंदलस्योदेहहो ॥ ८४ ॥ सु० ॥ मोहअज्ञानें
 मानतो ॥ सा० ॥ सवीडखनोलस्योपारहो ॥ सु० ॥ वसुसूतीनेंकस्युंतूम्हत
 णं ॥ सा० ॥ वचननकरूनाकारहो ॥ ८५ ॥ सु० ॥ तवनउद्यानेंअम्हे
 गया ॥ सा० ॥ जिहांषटरीतुनीसोहहो ॥ सु० ॥ जातीअनेकनाफूलिआ ॥ सा० ॥

वरुदेपीहोयमोहहो ॥ ८६ ॥ सु० ॥ अनंगसुंदरीआवीकहे ॥ सा० ॥ एह
 चंदनलतागेहहो ॥ सु० ॥ तिहांआवीनेबेसीई ॥ सा० ॥ तवअम्हेगयातिहांने
 हहो ॥ ८७ ॥ सु० ॥ दिगीविलासवतीतिहां ॥ सा० ॥ सखीईपरीवृतजेह
 हो ॥ सु० ॥ कूर्मोन्नतपदजेहना ॥ सा० ॥ निरमलनखससनेहहो ॥ ८८ ॥
 सु० ॥ उरुजुगरंताउपमा ॥ सा० ॥ सिंहलंकीशुत्तवानहो ॥ सु० ॥ कटी
 मेखलाखलकीरही ॥ सा० ॥ तवननितंबपंचबाणहो ॥ ८९ ॥ सु० ॥ ला
 वण्यजलनीकुपीका ॥ सा० ॥ नात्तीमंजलगंतीरहो ॥ सु० ॥ कमलनाल
 सीबांहिमी ॥ सा० ॥ नाशिकाचंचज्युंकीरहो ॥ ९० ॥ सु० ॥ चंदलावय
 णीविराजती ॥ सा० ॥ चंपकवरणीधारिहो ॥ सु० ॥ कोटउरेंघणंसोहतो ॥
 सा० ॥ मुक्ताफलनोहारहो ॥ ९१ ॥ सु० ॥ आंषमीपंकजपांखमी ॥ सा० ॥ अ
 रधससीसमसावहो ॥ सु० ॥ कामधनुषसमुहावनी ॥ सा० ॥ अधरप्रवा
 लांलावहो ॥ सु० ॥ ९२ ॥ जिनध्यानानलेदाऊतो ॥ सा० ॥ मदनधुममा
 नुकेसहो ॥ सु० ॥ अथवाशेषवैणेंवस्यो ॥ सा० ॥ दंतदाढिमकलीवेसहो ॥
 ॥ ९३ ॥ सु० ॥ रूपदेपीरीऊयोघणं ॥ सा० ॥ चित्तमांसनतकूमारहो ॥
 ॥ सु० ॥ नेत्रकटाक्षेनिरपीउ ॥ सा० ॥ विस्मयपांमीनारिहो ॥ ९४ ॥
 सू० ॥ त्रीजीपांचमारवंममां ॥ सा० ॥ पद्मबीजयकहीढालहो ॥ सु० ॥
 समरादित्यनारासमां ॥ सा० ॥ आगलिवातरणालहो ॥ ९५ ॥ सु० ॥ इहा ॥ आ
 दरदेईउत्तीथई ॥ विलासवतीतिणीवार ॥ सनमानोवेसारतो ॥ कामनीनेते
 कुमार ॥ ९६ ॥ अनंगसुंदरीकहेअमप्रते ॥ आसनवेसोएथि ॥ वेठातवअ
 म्हेबिज्जंजणा ॥ तंबोजआण्योतेथि ॥ ९७ ॥ मित्रसूतीईणनामथी ॥ कंन्या
 रक्षाकार ॥ आवीप्रणम्योआदरे ॥ किधोम्हेंशतकार ॥ ९८ ॥ विलासवती
 तुम्हनेवदे ॥ नरपतीएहवीवात ॥ विणातुम्हनेविसरी ॥ कालेंकोपकरात ॥
 ॥ ९९ ॥ आजवजाववीअवलथी ॥ संसारोकरीसान ॥ आणातवअंगी
 करी ॥ निकलीअवसरजान ॥ १०० ॥ त्रीठीआंषिताकती ॥ तवनगईस
 यतीत ॥ मारवाणविधीमने ॥ कंपेजेमचकीत ॥ १ ॥ वसूसूतिकहेवाल

हा ॥ जईं आपणी जाग ॥ स्ये कारण बेसी रक्षा ॥ विलासवति विणवाग ॥ २ ॥
 उठ्या बेळुं हां थकी ॥ आव्या द्वार उद्यान ॥ अनंगवती नृपराणीं ॥ दिठो
 मुळ दिल आण ॥ ३ ॥ ढाल ॥ माहं मन मोद्युरे माधव देष वारे ॥ एदेची ॥ मुळनें
 देषीं राग ते उपनोरे ॥ कामन राषेरे माम ॥ कार्य अकार्य हिता हीत न बिगणेरे ॥
 विह्वल थई ते हवाम ॥ ४ ॥ विषय पिपासारे विषमी जगत मारे ॥ एआंकणी ॥
 निज थानिक अह्ने पोहता प्रेम स्थूरे ॥ चितवता ते हथान ॥ राग होई जे उपरि जेह
 नोरे ॥ तेहनेत सब जमान ॥ ५ ॥ बी० ॥ कूसूम मालतं धोल विलेपणेरे ॥ मुंके
 विलासवई सखिसाथ ॥ पुर्वठतां पणिते अंगी कस्यारे ॥ राग धरीनी जहाथ ॥ ६ ॥
 ॥ बी० ॥ अनंगसुंदरीने आप्यो कंठ थोरे ॥ हारते सूवन मांसार ॥ निज घर जाणी
 नीत २ आवज्योरे ॥ खेद मकर ज्योलगार ॥ ७ ॥ बी० ॥ इमत्ता पीनें वीसर जी
 ते प्रतेरे ॥ इमकरतां कोई काल ॥ एक दिन घर थोनी कलतां मनैरे ॥ दासी कहे उज
 माल ॥ ८ ॥ बी० ॥ अनंगवती नृपराणीं मोकलीरे ॥ तुम्हने ते मवाकाज ॥ आ
 पइळीं कुमर पधारीं रे ॥ पाउ धारो तुम्हे राज ॥ ९ ॥ बी० ॥ अंबा कहे ते क
 रवुं माहरेरे ॥ कुमर करेरे विचार ॥ राई संघले प्रवेश आणा करीरे ॥ चितवीचा
 द्योतिवार ॥ १० ॥ बी० ॥ वामन यन फूरक्युंत वमाहं रे ॥ नगण्युं ते मन मां
 हि ॥ जई दिठी शोकातूर बिडलारे ॥ प्रणमी धरीय उठाह ॥ ११ ॥ बी० ॥ रा
 णिक हे शरणागत ताहर रे ॥ कंदरपनोसय जोर ॥ मंदिर उद्यान थो जाता थका
 रे ॥ दिठा तुम्ह तिणोरे ॥ १२ ॥ बी० ॥ ते दिन थो पंचवाण पण माहरेरे ॥ थयो
 दशकोमी ते बाण ॥ तुम्ह गुण थो मुळ रुदय ते बांधी उरे ॥ सदय सहीत अप्रमाण ॥
 ॥ १३ ॥ बी० ॥ तुल्ल संयोगें मुळतनुंगारी रे ॥ शक्ती वंत जे होय ॥ ते पर प्रार्थ
 ना संग करे नहीरे ॥ दिन उधार करे सोय ॥ १४ ॥ बी० ॥ आपद आवती नगणें
 चित्त मारे ॥ पुरे पर अस्तीलाष ॥ उलटी प्रार्थना जुं तूळनें करे ॥ तिणें ए अनंग
 थो राषि ॥ १५ ॥ बी० ॥ वयण सुणी वज्रघात परें थयोरे ॥ बोड्योता मकुमार ॥
 मात स्युं बोड्यारें इमन वी बोली रे ॥ एतो महा अनाचार ॥ १६ ॥ बी० ॥ ईह प
 रलो कें दूर वदाय कघणैरे ॥ कूल आचार न एह ॥ संकलप जोनी मदन एसा पीउ

रे ॥ तिणेंसंकल्पतजेह ॥ १७ ॥ वी० ॥ तुम्हतनुसोगनोखपनहीमाहरेरे ॥
 शक्तीवंतानरतेह ॥ जेनीजधरमनंभेसत्वथीरे ॥ नविखंभेजीलरेह ॥ १८ ॥
 ॥ वी० ॥ नवीउलंघेनीजआचारनेरे ॥ नकरेनिदितकाम ॥ निजकरणीमांमु
 फाईनहीरे ॥ तेहनेंकिस्सुंकरेकाम ॥ १९ ॥ वी० ॥ यतः ॥ तेपंमीआजेवि
 रयाविरोहे ॥ तेसाझणोजेसमयंचरंती ॥ तेसत्तीणोजेनचलंतीधम्मे ॥ तेव
 धवाजेवसणेहवंती ॥ १ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ पहेरोवीवेकसन्नाहतूम्हेप्रेम
 स्युरे ॥ जेहथीअनंगसयजाय ॥ जोतुम्हवद्वलज्जुंमातजीरे ॥ तोकिमईमक
 हाय ॥ २० ॥ वी० ॥ ऋणसूखअरथेवज्जुदूखनरगमारे ॥ सोगववांबज्जकाला
 अवीवेकीजनअसीलाषाकरेरे ॥ भंभोएहजंजाल ॥ २१ ॥ वी० ॥ यतः ॥
 शिवणीत्तसूखावज्जकालदूरका ॥ पगामदूरकाअनीकामसूरका ॥ संशारमुक्क
 रसविपरकसूआ ॥ खाणिअण्णजाणउकामसोगा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ लाजकरा
 तवअणंगवतीकहेरे ॥ सलूं २ कस्युरेकूमार ॥ म्हेंतेमाव्योपरीझाकारणेरें ॥
 पणिधनतूम्हअवतार ॥ २२ ॥ वी० ॥ जाउसूरवेनीजथानिकईमसूणीरे ॥
 चाट्योकरिपरीणाम ॥ घरिआव्योकांयवेलाअतीक्रमीरे ॥ निपनुंतिणेंस
 मेआम ॥ २३ ॥ वी० ॥ विनयंधरकोटवालतेआवीउरे ॥ जसनरपतीघणं
 हेत ॥ तेकहेकुमसएकांतआणकरोरे ॥ कहेवीवातसंकेत ॥ २४ ॥ वी० ॥
 तवसल्लमीत्रगयानीजथानिकेरे ॥ हवेकहेस्येकोटवाल ॥ पद्मविजयकहापं
 चमखंभमारे ॥ चौथीढालरशाल ॥ २५ ॥ वी० ॥ डहा ॥ तुम्हराज्येशक्तीम
 ती ॥ सन्नीवेसठेसार ॥ विरसेनकूलपुत्रवमो ॥ दयावंतदातार ॥ २६ ॥ शर
 णागतराषणसपर ॥ असीमानीआधार ॥ सूरगंतीरसोहामणो ॥ सफलजन
 मसंशार ॥ २७ ॥ जाणिगरसजायातणो ॥ लेइनारीनेढहार ॥ सूतटपरीटत्त
 सामटो ॥ चाट्योचतूरविचार ॥ २८ ॥ जातानयरजयस्थले ॥ जिहांस्वसुर
 जनवास ॥ बाहिरस्येतांबीवने ॥ वेगेंकिधोवास ॥ २९ ॥ ढाल ॥ देवतलीरी
 धीसोगविआव्यो ॥ एदेजी ॥ शीणअवचारि एकचोरतेआव्यो ॥ मुहमेसासन
 माई ॥ सयकायरनयणानहीमाई ॥ कंठप्राणतसआयके ॥ ३० ॥ ताईजसूणो

होऊं रे अनाथी ॥ नही ईहां माहरो साथी के ॥ सा ॥ ए आंकणी ॥ शरण तूम्हा
 रे आव्यां शिंपरे ॥ तव बोले तेहवाणी ॥ सयम करे मुफवे गतारो ॥ केशन चो म्प्रा
 णिके ॥ ३१ ॥ सा ॥ घरिणी कहे अन्या ई होस्ये ॥ तिणें मकरो एकाम ॥ कु
 लपुत्र कहे जो ना ई होवे ॥ तो आवेस्ये कामके ॥ ३२ ॥ सा ॥ जेहवो होय तेह
 वो म्हें राप्यो ॥ कहे बे शितू ईहां साई ॥ तेक हे सयकायर जिमहरणे ॥ अंग धुजे अथी
 राईके ॥ ३३ ॥ सा ॥ नारी रूदय सयथी थरहरतूं ॥ तिम साथ लथरहरती ॥
 सज्जन ने परनिदावाणी ॥ तिम नवी गती विस्तरती के ॥ ३४ ॥ सा ॥ जाचक व
 चन परें पग खलता ॥ जम परें ए नरनाह ॥ तेहना चाकर पुठें आवे ॥ तेहनी सीती
 अथाहके ॥ ३५ ॥ सा ॥ पेदम करि कुलपुत्रें साप्युं ॥ वेसा रथो एकान्ते ॥
 रायपुरस आवि ईम साषे ॥ आपो चोर एकान्ते के ॥ ३६ ॥ सा ॥ जाई पाताले
 कें जलधी उलंधे ॥ शकनें शरणें जाई ॥ तोपणि नवी गोमी जें एहनें ॥ चोरी करी
 ३ जाईके ॥ ३७ ॥ सा ॥ कुलपुत्र कहे चोर राषवोन घटे ॥ शरणें गतन अ
 पाय ॥ जिम कहो तिम करी ईतव बोल्या ॥ आपो अम एसायके ॥ ३८ ॥
 सा ॥ रायको पानल मां हि पतंग सम ॥ मत्था उतूम्ह कहई ॥ कहे कुलपुत्र एके
 म अपाई ॥ शरणें गत जे लही ईके ॥ ३९ ॥ सा ॥ वृषनर कहे किम राषस्यो
 एहनें ॥ बलथी लहेस्युं एह ॥ कुलपुत्र कहे मुफप्रांण धरंतई ॥ नवी पंजा ईरेहके
 ॥ ४० ॥ सा ॥ इम कहौ खमगली धुं नीज करमां ॥ सनू होय परीवार ॥ रा
 जपुरुष पोहता वृषपासें ॥ साप्यो सर्व विचारके ॥ ४१ ॥ सा ॥ मुफ आणा
 लोपकनुं सरण ॥ जेह करेत समारो ॥ इम कहौ वृषे बज्र सैन्य मोकली उं ॥ कर
 ता बज्र होकाराके ॥ ४२ ॥ सा ॥ लागुं जुध परस्पर बेझनें ॥ ईण अवसर तिहां
 आयो ॥ राजकुमर जशोवर्म रमीनें ॥ बज्र अशवारें आयोके ॥ ४३ ॥ सा ॥
 पुढेत वसर वेसं सजाव्युं ॥ बोदयो सूतन रराय ॥ मुफमाखावी एसरणागत ॥
 वठलन वी अमरायके ॥ ४४ ॥ सा ॥ जुध सम्युं सूपति ईजाप्युं ॥ राईमां नी
 वात ॥ चोर बोला वी सज्जन जथानिक ॥ पेमें कुसले आयातके ॥ ४५ ॥ सा ॥
 अनुं कुमें जयथलन गरें पोहता ॥ प्रज्याव्यो पुत्र जंताम ॥ इम तूफताय मुफमाय

तायनें ॥ मुज्जपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेसूणीउ ॥ स
 घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतांदीनकाढे ॥ मानेबज्जउपगारके ॥ ४७ ॥
 ॥ सा० ॥ कारणएहकस्त्रानुंसूणीइ ॥ श्शानचंदजेराय ॥ रहवाभीरमीअनंग
 वतीघरे ॥ हरषधरीजवआयके ॥ ४८ ॥ सा० ॥ पंचमखंभेपद्मवीजयेकही ॥
 पंचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनरासमांसूणीइ ॥ सूणतामंगलमालके ॥ ४९ ॥
 सा० ॥ इह ॥ अनंगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूनांप
 ती ॥ नरपतीपुठेवयण ॥ ५० ॥ एस्युंतवकहेअंगना ॥ शीलराख्यानोस्वाद ॥
 रायकहेकीमउच्चरो ॥ अंगेधरीआढ्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास
 रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारेसूंखीइ ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२ ॥ राजा
 तवरीसेंचढ्यो ॥ कहेमुज्जनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारे ॥ नवीजाणेकोई
 नाम ॥ ५३ ॥ मंपणितेंतिहांमानीउं ॥ मनमांचित्युंआम ॥ जोढ्योमुज्जअकार्य
 मां ॥ मुज्जनरगेनहीगंम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इमचित्तचितनमा
 य ॥ किमहीकदीर्घायुथकी ॥ नमरेतोहोइन्धाय ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
 इक ॥ एदेडी ॥ नरपतीनीआणतोपणिकिमलंघाय ॥ पगलुंसरेजेहवेंते
 हवेठीकतेथाय ॥ करेवीलंबतेएहवस्तवएकनिमीत्तीउबोले ॥ ढीलनकरोह
 मणांनहीएठीकनेंतोले ॥ ५६ ॥ चुटक ॥ सोमानामएठीकतेसापीआगे
 ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वरूषींणिपरेंसाप्युंतेतिणेंदूरवदोहगकापे ॥ वलीनिमी
 तंतरथीजाणंनिदोषवस्तुमांआणि ॥ राजाइकीधीतेतोपणितूज्जमनमांअप्र
 मांण ॥ ५७ ॥ यतः ॥ पमीसेहमजत्तंवा ॥ हाणिवुढीखयंअसिद्धिच ॥ आ
 रोगमढ्ढलासं ॥ डीयमिपयाहिणंदिशासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूज्ज
 चित्तमांतेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूवहीलोहनांतोविपरिततेह ॥ तव
 म्हेमनचित्यूसिद्धदेखाएनांम ॥ एहनावज्जप्रत्ययदिठाठेकेईकाम ॥ ५८ ॥
 ॥ चु० ॥ इमचितीगयोजननीपासेंपुठेजननीमुज्ज ॥ देखुंउदवेगसरीपुं
 म्दानवदनतेतूज्ज ॥ माताथीनवीठानुंकरीइइमविचारीसाप्युं ॥ माताकहे
 एकूमरनेंतातेंताहंरूकूलसवीराप्युं ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्यइंसूणी

ऊंशहांआव्यो ॥ माहरोटतांतएतूम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥ आचारजसाषे
 सांसलीएम्हेंविचार्युं ॥ स्त्रीचरीत्रअहोजुउविषनेंवलीअवधार्युं ॥ ६० ॥
 ॥ त्रु० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुंउराषे ॥ मोहमेमीठी
 दीलेमांजुठीप्रेमविजज्युंदाषे ॥ सरीतापरेंउसयकूलहरणीगरहीतहिंशाजे
 हवी ॥ संगीनीदिक्कापरेंनलहेधर्मवाततेकेहवी ॥ ६१ ॥ एंचितानुंस्युंका
 मकहोठंमाहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥ अथवाजौवनव
 यमाहरीदेषीमानोखरीवातसंसदावुंजईराजानेंकानें ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥
 अथवाराणीमारीजाइंतिणेंएपणिकिमकरीइं ॥ एकतोमनवंढीततसनकस्युं
 वलिसंकटमांधरीइं ॥ राजानेंजोखरुंनसापुंतोकुलकलंकतेआवे ॥ तोपणि
 एहवुंकामतेनकरुंजिणेंपरपिमाथावे ॥ ६३ ॥ कहेवीनयंधरसूणोमुळ
 नेंस्युंफरमावो ॥ कुमरकहेतूम्हेंतोरायऊकमवजावो ॥ मुळजीवेस्युंठे
 एहवुंसाषेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंढीक्योताम ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ वली
 ब्राह्मणवऊमोहटेशब्दे ॥ वातोकरताचाले ॥ स्युंकहीइंधणंदोशनएहनें ॥ स
 मकरीइंजेआले ॥ सूणीविनयंधरबोद्योंइंणिपरें ॥ तूममांनहीकोशदोश ॥ सि
 श्चदेशढीकएशब्दे ॥ काढ्योसघलोसोस ॥ ६५ ॥ केहेस्युंबऊसापुंकहो
 जेहवुंहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेंदेवरावुंदंमदेह ॥ कस्युंम्हेंस्युंसापुंअं
 बाकहेतेप्रमाण ॥ तवकहेविनयंधरमुळनेंययुंविन्नाण ॥ ६६ ॥ त्रु० ॥
 मुळनेंययुंविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूष्टढेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
 रेसऊसमजाणी ॥ इमकहीउठ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंबेसाख्यो ॥ म्हेंकस्युंअं
 बाउपरिएवहुं ॥ नकरोकोपवकाख्यो ॥ ६७ ॥ एहचंचलजीवितकाजेकीम
 डखदीजें ॥ कहेवीनयंधरसूणिएवमीवातकीमपीजें ॥ मुंकोमुळजाउं
 तवम्हेंइमसाषीजें ॥ एहवातेंआग्रहअंशमात्रनवीकीजें ॥ ६८ ॥ त्रु० ॥
 इमकरतांजोबलथीकरस्यो ॥ तोऊंतजस्युंप्राण ॥ इमसांसलीनेंरोवालागो ॥
 विनयंधरअसमान ॥ अहोअवीचार्युंकारजनृपनुं ॥ एहवापुरुषमांशंका ॥
 म्हेंकस्युंतातनेंइमनकहिइं ॥ कर्मपरणतीमुळवंका ॥ ६९ ॥ तवविनयंधरक

हेङ्गपापीसीरदार ॥ झंर्यूंकंरुंसापोम्हेकद्युंतूंआणाकार ॥ करिनुपनी
 आणातवबोदयोतेतलार ॥ जिमतिमस्यूंबोदयोकिमतूमकर्मविकार ॥
 ॥ ७० ॥ त्रु० ॥ धन्यतूम्हेकृत्यपुन्यगुणकर ॥ सूरतरुसरीषोदाता ॥ जोन
 वीविनवुराजानें ॥ अनुकंपांशराता ॥ उगारवीराणीनेंजाणो ॥ तोचिंतवोउपा
 य ॥ तूम्हनेंउगारीआण्डं ॥ कोपनकरेवलीराय ॥ ७१ ॥ म्हेंकद्युंविचारी
 जोनकरेनुपआणि ॥ तोवसुसूतीस्युंजाउंदेशांतरगण ॥ तेमान्युंतलारे
 बोलेतवकोटवाल ॥ आजसुवरणसूमीजांफ्याजततकाल ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥
 संध्यासमयेविजुंनीकलीआ ॥ साथेवलीकोटवाल ॥ प्रवहणस्वामीसमुद्रदत्त
 नें ॥ सुंप्याथईउजमाल ॥ घणीसलामणदेईमुळप्रणमी ॥ कहेमुळकोपनकर
 ज्यो ॥ नेत्रेनीरऊरतांवलतां ॥ कहेतनुंजतनतेकरज्यो ॥ ७३ ॥ चाट्युंहवे
 प्रवहणउपयोगीकर्णधार ॥ वसूसूतीपुढेमीत्रएकिस्योवीचार ॥ तवस
 ऊसंसलामेअनंगवतीअधीकार ॥ नृपनेंनवीसाप्युंअनंगवतीउपगार ॥
 ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ सुवर्णसूमीपोहताअनुक्रमें ॥ दोयमाशनेंकाल ॥ उतरीश्री
 पुरनगरेंपहोता ॥ पंचमेखंमेढाल ॥ पद्मविजइंढीसापी ॥ समरादित्यनेंराश ॥
 गुणवंतागुणगातांहोवे ॥ घरि२दिलवीलास ॥ ७५ ॥ ॥आ॥ ॥आ॥
 उहा ॥ स्वेतांवीकावासीमित्यो ॥ समृधदत्तसूतसार ॥ वाणिऊअरथेंआ
 वीउ ॥ मनोरथदत्तमनोहार ॥ ७६ ॥ माहरोवालथीमीत्रते ॥ संभमपाम्यो
 सोय ॥ निश्चयउलषीप्रणमीउ ॥ हर्षवीषादमनहोय ॥ ७७ ॥ नृपनेंकुसलपु
 ङ्युंमनें ॥ निजघरलाव्योनेह ॥ सोजनउत्तरइंमंत्तणें ॥ कारणआगमकेह ॥
 ॥ ७८ ॥ रायनिर्वेदेनवीरहो ॥ आव्योआणेंगाम ॥ माउलथायेमाहरो ॥
 सीहलद्वीपनोस्वामि ॥ ७९ ॥ तिहांजावुंमुळततपिणें ॥ जोज्योजातूंजिहा
 ज ॥ मनोरथदत्तमानीउं ॥ जिमसापोमहाराज ॥ ८० ॥ मित्रवीजोगना
 मान्यथी ॥ काढ्योवळुतिणेंकाल ॥ उतावललहीएकदीन ॥ मुळनेंकहेमया
 ल ॥ ८१ ॥ जावुंतुमारेजोपस्युं ॥ तोप्रवहणजांशित ॥ तुम्हविजोगनें
 कातरे ॥ एतलादिवसअतीत ॥ ८२ ॥ आजजमाहरेजायवुं ॥ म्हेंसाप्युं

श्रमजाम ॥ पट एकलावीआपीउ ॥ उतपतीसाषेआम ॥ ८३ ॥ ढाल ॥ सो
 लीकारेहंशारेविषयनराचिं ॥ एदेशी ॥ कौतूकसहीतएपटस्वामीसूणो ॥ उठी
 जेजवएह ॥ कोशनदेषेरेआपणनेतदा ॥ तवम्हेंपुढ्युंसनेह ॥ ८४ ॥ पुण्यप्रमा
 णेरेसवीसुखसंपजे ॥ एआंकणी ॥ म्हेंतवउठ्योरेतीमहीजनीपनुं ॥ उतपती
 पुढीम्हेंताम ॥ तवतेसाषेरेइहाआव्यापढी ॥ सिद्धसेनएकनांम ॥ ८५ ॥
 पुन्य ॥ आणंदपुरनोवासीतेहठे ॥ बडवीद्याजससिद्ध ॥ तेसीरुपुत्रस्युंप्री
 तिथईघणी ॥ इकदिनम्हेंतसकीध ॥ ८६ ॥ पुन्य ॥ चमतकारकोईविद्यामां
 अठे ॥ केनहीकौतूकमुळ ॥ तवतिणेंसाण्यूरेंदेषामुंतने ॥ विद्याशाधनगुळ ॥
 ॥ ८७ ॥ पुन्य ॥ सरसवप्रमुखनीसामग्रीकरो ॥ जावुंठेशमसांन ॥ तैया
 रीकरीअमेबिडुंचाढीआ ॥ आयमीउतवसान ॥ ८८ ॥ पुन्य ॥ अंधकार
 मारिघूकगुहमकरे ॥ जइतिणेंमंमलकीध ॥ अगनीकुंमकरीमुळअप्रमत्तक
 र्यो ॥ मुळकरखमगतेंदीध ॥ ८९ ॥ पुन्य ॥ थोमीबेलारेमंत्रजापकस्यो ॥
 तवजहकन्यारेएक ॥ चंद्रमुखीमृगनयणीराजती ॥ कलशस्तनीवरटेके ॥
 ॥ ९० ॥ पुन्य ॥ सुरतरुकूसूमेरेवेणासोसती ॥ गगनथीउतरेतेह ॥ मंमन
 चित्यूरेंमंत्रसकतीगुरू ॥ सिद्धनेंप्रणमीरेएह ॥ ९१ ॥ पुण्य ॥ मुळसमर
 णनुरेकारणसाषीं ॥ सिद्धसेनकहेताम ॥ मित्रनेंदिव्यदर्शननारागथी ॥
 एहअमारेरेकाम ॥ ९२ ॥ पुण्य ॥ तवतेदेवीरेमुळनेंजोईकरी ॥ कहेंतूढी
 तुळआज ॥ मागितूंक्याकृतवम्हेंसाषीं ॥ तुम्हदरशनइंसर्युंकाज ॥
 ॥ ९३ ॥ पुण्य ॥ पालीनजाईदेवदर्शनकदा ॥ जहकंन्याकहीइंम ॥
 नयनमोहनपटरयणतेअपीउ ॥ प्रणमीलीधोरेप्रेम ॥ ९४ ॥ पुण्य ॥
 यतः ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघनीसीगर्जितं ॥ अमोघाउत्तमावाणी
 अमोघदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ गश्निजथानिकतेजरुहकन्यका ॥ विहा
 णेअम्हेपुरमांहि ॥ आव्याइंणिपरेंउतपतीएकही ॥ लिधोतेहउठाहि ॥ ९५ ॥
 पुण्य ॥ मनोरथदत्तस्यूरेंसायरतटगया ॥ देवविमानपरेंदिठ ॥ ध्वजमाला
 सोस्तीतवरजीहाजते ॥ अतीसयतेहविशिष्ट ॥ ९६ ॥ पुन्य ॥ इश्वरदत्त

तसञ्चधीपतीउगीउ ॥ आण्युञ्चाशनसार ॥ करीअप्रणामनेवेठातेसऊ ॥
 सूप्याअमनेसंसार ॥ ९७ ॥ पुण्य ० ॥ मनोरथदत्तकहेमुळवांधवा ॥
 स्वामीएवलीमीत्त ॥ जिवीतमाहहरेएहनेजाणज्यो ॥ जालवज्योवऊरी
 ति ॥ ९८ ॥ पु० ॥ पोतपतीकहेजाणूंसूंकहो ॥ मुळपणिएहवारेएह ॥
 वेठाज्याजेरेमनमोदेकरी ॥ दरीयानेवलीदेह ॥ ९९ ॥ पु० ॥ पवनेपुस्त्योरे
 सठउंचोकरी ॥ मनोरथदत्तपरिणाम ॥ करीउत्तोरसोवाहणचलाविआं ॥ नि
 रजामकेसऊताम ॥ १०० ॥ पु० ॥ तेरसमेदिनसायरमांजतां ॥ चढिउमेघअ
 काल ॥ बीजजबुकेरेगरजारवकरे ॥ अंधकारअसराल ॥ १ ॥ पु० ॥ साय
 रकंपेरेकछोलउढले ॥ वायुविषमारेवाय ॥ मदमत्तगजपरेंवसनहीजीहाज
 ते ॥ निरजामकतेपेदाय ॥ २ ॥ पु० ॥ तिणेसमेढ्यारेमेंधीरजधरी ॥ सठ
 नादोरसंतालि ॥ सठसंकेत्योरेनांगरमुंकीआं ॥ पणिसागरविकराल ॥ ३ ॥
 पु० ॥ सारगुरुतिणेंकर्मविपाकथी ॥ सागुजिहाजतिवार ॥ सघलाअलग
 रेश्याविजोगीआ ॥ पाम्याडस्कअपार ॥ ४ ॥ पु० ॥ फलकलधुंम्हरेआयु
 संबंधथी ॥ दिवसथ्यातिहांत्रणि ॥ तटदेपीनेरेनिकलीउहवें ॥ जाणंपु
 न्यअगन्य ॥ ५ ॥ पु० ॥ पंचमखंमेरेसातमीढालए ॥ पुरणऊईसूप्रमाण ॥
 पद्मविजयकहेसवशायरतरो ॥ जिमहोयकोमिकल्याण ॥ ६ ॥ पु० ॥
 दूहा ॥ जंबुदकृतलेजइ ॥ चितवेशणिपरेंचित्त ॥ वसुसूतीस्त्रोवेगलो ॥ मा
 हरोवधत्तमित्त ॥ ७ ॥ पनीउएहवेपयोनीधी ॥ कहोजीव्योऊंकेम ॥ मित्रविना
 हवेमाहरे ॥ नवीजिववुंएनेम ॥ ८ ॥ अथवांमुळपरेंएहपणि ॥ जिवंतो
 होयजोय ॥ तोमिलवुंथायतेहस्युं ॥ हवेंजोसावीहोय ॥ ९ ॥ जबजोधुं
 तवजाणिउं ॥ पलट्योनहीतेपट्ट ॥ विस्मयपाम्योवेगस्युं ॥ प्रेमथकीपरग
 ट्ट ॥ १० ॥ उत्तरसनमुखआवीउं ॥ सूपनीवेदनीतालि ॥ गिरिनदीनेकाठे
 गयो ॥ फनसफलादीसंतालि ॥ ११ ॥ आहारकरीअवनीतले ॥ समोराज
 कुमार ॥ वेठातवजोमेंविऊं ॥ सारसदिवांसार ॥ १२ ॥ दाळ ० ॥ घनदिन
 वेलाघनघमीतेह ॥ एदेशी ॥ दिठारेसारसशारसिदोय ॥ कीमारेकरतांलट

पटीअतीघणीरे ॥ चिंतूरेमनमांएरेस्वाधीन ॥ जायारेनवीरहेवेगलीनीजत
 णीरे ॥ १३ ॥ सूखमारेकाढेकाढनिचिंत ॥ इमविचारतांसहसकिरणगयोरे ॥
 संध्यानीकरणीकरीतेकूमार ॥ देवगुरुप्रणमीवामपासेंथयोरे ॥ १४ ॥ व
 जुदिनखेदथीआवीरेनीद ॥ रातगईनेजाग्योजुतदारे ॥ प्रणमीरेदेवगुरुनापा
 य ॥ चाढ्योवनवननीशोताजोउंयदारे ॥ १५ ॥ गिरिनदिकांठेजाउंरेंजाम ॥
 दिठीरेपदपंतीसोहामणीरे ॥ चक्रांकूशरेषाशोतीततेह ॥ लघुनेसूकमालथी
 जाणीस्त्रीतणीरे ॥ १६ ॥ चाढ्योरेपगलेपगलेतेह ॥ दिठीरेदूरथीतापसनीकनी
 रे ॥ वांकलांपहिस्थांवस्त्रनेंठामि ॥ सोवनवरणीदेहतेअतीबनीरे ॥ १७ ॥ अ
 लतेरेरंजीतचरणसरोज ॥ रसनारेजोग्यनीतंबसोहामणीरे ॥ सजनचितपरें
 नासीगंसीर ॥ सूकृतपरीणामपरेंउन्नतकूचघणारे ॥ १८ ॥ तपथीविनि
 र्जितमोहअंधार ॥ हृदयमांपेंशणवेंणमिसेंथयोरे ॥ रक्तअशोकपरेंकरजास ॥
 नयनतेहरणीनेत्रसागसयोरे ॥ १९ ॥ गलस्थलचंद्रमंमलपरेंजास ॥ अ
 धरतेपानलंकूसूमशोणीतपरें ॥ ढाबमीवामकरेंरहीजास ॥ फूलरेवेणतीते
 हदस्त्रीणकरेरे ॥ २० ॥ देषीनेंचितव्यूंम्हेंशणिसार्ति ॥ वनदूरवसहेपणिंला
 वण्यकेहबुरे ॥ आघोजईजालांतरेंजोयुंजाम ॥ देषुरेरुपवीलासवतीजेह
 बुरे ॥ २१ ॥ वनवासेंरहेतीएतलोफेर ॥ सूमरणपवनेंकांसंधूकीउरे ॥ फू
 लनीढाबमीलेईजवजाय ॥ तबजुंविकारगोपवीढूकीउरे ॥ २२ ॥ प्रणमी
 म्हेंसाण्युंतपनीथाउंठि ॥ तामलीमीनगरीथीआवोउरे ॥ स्वेतांबीनगरीवासी
 जुंजाणि ॥ सीहलद्वीपसणीजुंधावीउरे ॥ २३ ॥ ऊंयाजसागुंथयोएकाकीई
 म ॥ कहोकूणथानिकएकिहारहोतुम्हें ॥ संभांतथईकरीत्रीठीरेदृष्टि ॥ व
 चननोउत्तरनवीदीधोकीमेंरे ॥ २४ ॥ चालीरेनीजआअमत्तणीतेह ॥ मन
 मांम्हेंचित्युंनारीनेंएकलीरे ॥ वलिअतापसणीएहस्यूस्युकाम ॥ वलीरेपुढी
 सकोईनरनेंअठकलीरे ॥ २५ ॥ वलीउरेपाठोआव्योतेठाम ॥ वलीरेविचा
 र्युंजोउंएजाशंकीहारें ॥ जोतारेदिठीमंथरचालि ॥ चालतीपाठलजोतीतेतिहां
 रे ॥ २६ ॥ नवीरेदिठोकोईप्राणीताम ॥ मुंकीरेढाबमीवेंणिसमारतीरे ॥ पहे

ख्युपणवांकलूपहेखुरेफेर ॥ बाङ्ककरीउंचीअंगनेमरमतीरे ॥ २७ ॥ आवे
 बगासांकामवीकार ॥ म्हेंमनचित्युंएस्युंश्मकरेरे ॥ अथवारेविरुधविचारस्यो
 मुळ ॥ श्मकरीचाट्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवृत्तीकरीदिवसग
 माय ॥ सूतारेरयणींस्सूपनुंतवलसुरे ॥ दिव्यस्त्रींएककुसूमनीमाल ॥ आवी
 नेंशणपरेमुळनेतिणेंकसुरे ॥ २९ ॥ पुर्वेनीपजावीएठेरेमाल ॥ आपीरेम्हें
 तूळनेतिणेंलिजींरे ॥ म्हेंपणिलेईथापीकंठदेश ॥ पाठिलेपहोरेदेषीजागीजी
 रे ॥ ३० ॥ मनमांहरपीचितवुंश्म ॥ कन्यानोलाससूपनएसूचवेरे ॥ अट
 वीमंकेमहोस्येमुळलास ॥ चितव्युरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन
 सुकनअनुंसारेरेश्म ॥ चितवुंअन्यपरीचयमुळनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती
 नुरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥
 विधीरेविचित्रप्रकारेघटेशदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोश्तोहोय ॥ नहितोकि
 ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यतः ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥
 सूघटितघटितानीजर्झरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानैवचि
 तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणित्रतणीसाथेरेसोग ॥ नघटेपणएहनुंदर्श
 नपामीउरे ॥ शंणिकरयुंमाहरेकरवुंढेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावधुकामीउ
 रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटव्यारेविजोग ॥ पंचमखंमैसासलज्योगुणीरे ॥
 समरादित्यनारासमांएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥श्र॥
 ॥ डहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेषीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥
 जोवालागोजान ॥ ३६ ॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ क्लेशेंगयोवज्जकाल ॥ आंवात
 लेआवीकरी ॥ वेठोळंनृपबाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ शंणिअवसरि
 आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ दृष्टिजोयुंदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवयेआवीम
 हा ॥ तापसणीएकताम ॥ सूतितिलकसाळेंकरयुं ॥ कमंमलकरवाम ॥ ३९ ॥
 पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमांजोय ॥ जटाकलापवांध्योजकन ॥ वक्र
 लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकशतनुंथयो ॥ अठ्ठीचर्मअवशेश ॥ देवी
 गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोमी ॥ देवीआ

देसरनीवीनतीनी ॥ मुऊनेदेपीतासरे ॥ आंसूंआवीआं ॥ बेठिचीरंजीवकही
 ए ॥ ४२ ॥ एस्यूंउलषेमुऊरे ॥ इममेंचितव्युं ॥ अथवाज्ञानीहोयवतीए ॥
 ॥ ४३ ॥ स्यूंनवीजाणेंएहरे ॥ इणअवसरकहे ॥ बेसोकूमरएसूतलेए ॥ ४४ ॥
 पुंजीधरतीतेहरे ॥ बेठीतापसी ॥ कहेऊंकऊतेसांसलोए ॥ ४५ ॥ इणिसरतेवै
 ताढ्यरे ॥ पर्वतमध्यवे ॥ उंचोपचविसजोअणंए ॥ ४६ ॥ जोजनपहोलोपं
 चासरे ॥ तेहरजततणो ॥ पूर्वापरशायरअम्योए ॥ ४७ ॥ विद्याधरनीश्रेणी
 रे ॥ दक्षीणउत्तरे ॥ धरतीथीदसजोअणंए ॥ ४८ ॥ दक्षीणनगरपंचासरे ॥
 साठिउत्तरदिशे ॥ गंधसमृधपुरतेहमांए ॥ ४९ ॥ सहेसबलतिहारायरे ॥ सू
 प्रसासारया ॥ मंदनमंजरीऊंसूताए ॥ ५० ॥ जौवनपांमीजामरे ॥ परणावी
 मनें ॥ पवनगतीराजाप्रतिंए ॥ ५१ ॥ रमतांतेहस्यूरंगरे ॥ कालगयोबऊ ॥
 गगनमारगएकदिनहवेए ॥ ५२ ॥ किमाकरवाकाजरे ॥ नंदनवनगयां ॥ बे
 ठाकनकशिलातलेए ॥ ५३ ॥ सहसापमीउहेठिरे ॥ मरणलक्षोतदा ॥ आयु
 अथीरथीमुऊपतीए ॥ ५४ ॥ मुऊनेउपनोशोकरे ॥ समतीसूइपमी ॥ मुठ्ठाथीचेत
 नलहीए ॥ ५५ ॥ उमवाजाउंजांमरे ॥ उमाइनही ॥ विद्यापणिचालीनहीए ॥
 ॥ ५६ ॥ दाधाउपरिंदूणरे ॥ एस्यूंवलीथयुं ॥ इणअवशरितिहांआवीउंए ॥
 ॥ ५७ ॥ देवानंदइणिनामरे ॥ मित्रमुऊतातनो ॥ तापसव्रतअंगीकर्युए ॥ ५८ ॥
 कस्योमाहरोवृत्तांतरे ॥ सरतामरीगयो ॥ गगनगामीनीतिमगईए ॥ ५९ ॥ ज
 लआसूंसरनीनयणरे ॥ मुऊनेइमकहे ॥ वढसंसारएएहवोए ॥ ६० ॥ कृणसं
 गुरसंजोगरे ॥ इंद्रियचपलवे ॥ जिवलोकअसाश्वतोए ॥ ६१ ॥ इमजांणीक
 रेंधर्मरे ॥ उत्तमप्राणीआ ॥ त्रणिलोकबांधवसमोए ॥ ६२ ॥ दिक्काआपोमुऊरो
 म्हेंइणिपरेंकस्युं ॥ तापसबोढ्यातेहवेए ॥ ६३ ॥ विद्याकिमगईतूऊरे ॥ मेंक
 स्युंनवीलऊं ॥ तवज्ञानेंकरीबोलीआए ॥ ६४ ॥ शोकेंकरीसीरूकूठरे ॥ उलं
 ध्योतूम्हे ॥ कुसूमदामशीषेरेंपमीए ॥ ६५ ॥ विद्यागईतूऊइमरे ॥ आशातन
 थकी ॥ तवम्हेसाण्युंसांसलोए ॥ ६६ ॥ उपगारीइहलोकरे ॥ विद्याइसर्युं ॥
 व्रतआपीअनुग्रहकरोए ॥ ६७ ॥ तवपुढीमुऊतातरे ॥ आचारसंसलावी ॥

लावीशहांमुज्ज्वतदीउए ॥ ६८ ॥ शकदिनपुजएदेवरे ॥ सायरउपकंठे ॥ गर्इ
 तवदिहुंपाटिउंए ॥ ६९ ॥ कन्यावलगीएकरे ॥ जलकल्लोलमां ॥ चंद्रलेखाप
 रेंनिरमलीए ॥ ७० ॥ आचारजकहेतामरे ॥ ऊंहरषितथयो ॥ मनोरथतस्तूफू
 लउगीआंए ॥ ७१ ॥ तापसणीकहेतामरे ॥ जोयुंमहेजई ॥ जाणितवएजीव
 तीए ॥ ७२ ॥ कमंमलजलढाटेरे ॥ नेत्रउघानीआं ॥ लावण्यथीकूलवतील
 हीए ॥ ७३ ॥ धीरीयातुंवठेरे ॥ अमहेतापसअतुं ॥ ईमकहीफलआणीदिआं
 ए ॥ ७४ ॥ पवराव्युंमहेप्रांणैरे ॥ लईआश्रमगई ॥ देषानीकुलपतीसणीए ॥
 ॥ ७५ ॥ कुलपतीनेपरणामरे ॥ करीनेतेरही ॥ तवआशीशदिशंकुलपतीए ॥
 ॥ ७६ ॥ पंचमेखंढेढालेरे ॥ नवमीएकही ॥ पद्मविजयएहरासमांए ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥ किहांथीआव्यातिकहो ॥ महेपुण्युंइमजांम ॥ तामलिनीथीतेकहे ॥
 महेपुण्युंफिरीतांम ॥ ७९ ॥ किहांजाईनेकुलकिस्युं ॥ तवनवीबोलीतेह ॥
 नांषीदिर्घनीशासनै ॥ तवमहेचित्युंएह ॥ ८० ॥ उत्तमकुलमांउपनी ॥ आ
 पइंनहीतिणैआप ॥ पुठिसकूलपतीनेपठे ॥ पामीसतिहांजवाप ॥ ८१ ॥ कु
 लपतीआवश्यककरी ॥ संध्यासमयसमाधी ॥ पासंकूलपतीपुठिउं ॥ बेनीने
 निराबाध ॥ ८२ ॥ कन्याएकुंणकिमलही ॥ एहअवस्थाआज ॥ आगलिके
 हवुंएहने ॥ कहोनीपजस्येकाज ॥ ८३ ॥ ढाल ॥ सांसलितेतूसजनीम्हारी
 रजनीकिहेणिपरैरमीइजी ॥ एदेशी ॥ मुज्जनैकहेकूलपतीसांसलितू ॥ तपप
 रस्तावेजाणंजी ॥ तामलिनीनरपतीनीपुत्री ॥ रुपतणंजेठाणं ॥ ८४ ॥ नृप
 सूतसूणीइजी ॥ एआंकणी ॥ सरतास्नेहैएमअवस्था ॥ पामीनेनिरधारजी ॥
 महेपुण्युंकिमकन्यानहीए ॥ कूलपतीकहेतीवार ॥ ८५ ॥ नृप ॥ द्रव्यथीक
 न्यासावेपरणी ॥ महेपुण्युंकिमंइमजी ॥ तवसघलंधुरथीसंसलाव्युं ॥ पतीजा
 वानीसीम ॥ ८६ ॥ नृप ॥ एकदिनसूणीउलोकवयणथी ॥ कूमरनेमाख्योरा
 इजी ॥ इणिइंचित्युंमोहेकरीने ॥ सिगतीहवेमुज्जथाय ॥ ८७ ॥ नृप ॥ तेहज
 समसानेजईजोई ॥ करवोप्राणबीजोगजी ॥ प्राणअधीकमुज्जवल्लसकेरी ॥
 वात करेइमलोग ॥ ८८ ॥ नृप ॥ अरधीरातितेएकाकीणी ॥ घरमांथीतेचा

लिजी ॥ तस्करलुंटीअचलसार्थपने ॥ वेचाथीतिणेआली ॥ ८८ ॥ नृप ॥
 फ्याजबेशारीबवरकूले ॥ जातांसागुंफ्याजजी ॥ एकंपाटिउंएहनाकरमां ॥
 आव्युंजिवीतकाज ॥ ८९ ॥ नृ ॥ त्रणेदिवसेएतटपांमी ॥ हवेआगलसूणे
 वातजी ॥ सरतालहेस्येसोगसोगवस्ये ॥ आस्येजगतवीख्यात ॥ ९० ॥ नृ ॥
 परसवशाधीमानवनोसव ॥ सफलोकरस्येएहजी ॥ इंसंसांसीनेकुंघणहर
 षी ॥ रातिगईजवतेह ॥ ९१ ॥ नृ ॥ सूरजउदइंहेकहुंकूमरी ॥ एसंशार
 अनीत्यजी ॥ जौवनचंचलअथीरएलपमी ॥ धैर्यधरेसुवीदित्त ॥ ९२ ॥ नृ ॥
 साकहेस्वामीनीसाचुंसाषो ॥ व्रतआपोउपगारीजी ॥ म्हेंकहुंजौवनवयोपहे
 ली ॥ मदननसकीइंवारी ॥ ९३ ॥ नृ ॥ ज्ञानसूरयकूलपतीनेपुढ्यो ॥ तूफ
 वृत्तांतमनआणीजी ॥ अतीतअनागतसघलूंसाष्युं ॥ तूफपतीमिलनप्रमाणी
 ॥ ९४ ॥ नृ ॥ सत्तातूफजीवेठेकूशले ॥ सांसलीविस्मयधारीजी ॥ अण
 कुंतापणिकटकयुगलदिशंकलपनाइंतारी ॥ ९५ ॥ नृ ॥ हारलतादेवाजबकोटें ॥
 हाथनांष्योतवनांहिजी ॥ चित्तगामिआव्युंतवविलषी ॥ थईअतीसंभममां
 ही ॥ ९६ ॥ नृ ॥ म्हेंसाष्युंसंभममतकरतूं ॥ ताहलूंचित्तउदारजी ॥ व्रत
 नोअवशरहिमणांतुफनही ॥ सांसदयोएहविचार ॥ ९७ ॥ नृ ॥ तापस
 कंन्यावेषेविचरे ॥ इंसकरतांगयोकाजजी ॥ एकदिनकूलपतीसीरुपवर्ते ॥ ग
 यादर्शनकिरपाल ॥ ९८ ॥ नृ ॥ एतोफूलविणवाचाली ॥ मोमीतीहांथीआवी
 जी ॥ पाठलजोतीपरस्येदेकरी ॥ देहमीसीनीलावी ॥ ९९ ॥ नृ ॥ म्हेंपुढ्युंतुं
 किमखेदाणी ॥ तवतेबोडिइंसजी ॥ म्हारांबांधवसांसत्यामुफने ॥ तेहनोमु
 फघणोप्रेम ॥ १०० ॥ नृ ॥ म्हेंसाष्युंकुलपतीआवणदइं ॥ तुफबांधवमेलव
 स्येजी ॥ इंससूंणीमौनकरीतेदिनथी ॥ निजआंतमनहीवस्ये १ ॥ नृ ॥ अ
 तिथीनवीबहुमानेदेवनुं ॥ पुजनपणिनवीकरतीजी ॥ फूलविणवापणिनबीजा
 इं ॥ नविअकुतासननमती ॥ २ ॥ नृ ॥ विद्याधरनांजुगलआलेषे ॥ सारस
 जुगलतेजोवेजी ॥ स्त्रिसरतारपुराणीवातो ॥ सूणवातत्परहोवे ॥ ३ ॥ नृ ॥ म्हेंमन
 चित्युंजौवनआव्युं ॥ जौवनेमदबहुवाधेजी ॥ मदथीमदनविदासमदनथी ॥

केमविकारनबाधइ ॥ ४ ॥ नृ० ॥ यतः ॥ नविअडिणवियहोही ॥ पाएणंती
 ऊअणंमीसोजीवो ॥ जोजोवणमणंपत्तो ॥ विआररहीउसयाहोई ॥ १ ॥
 ॥ पूर्वढाल ॥ दशमीढालएपंचमखंमे ॥ मदनपराजयकरस्येजी ॥ प
 चविजयकहेतेसवीप्राणी ॥ सवशायरलघुकरस्ये ॥ ५ ॥ नृ० ॥ उहा ॥
 वलगीनागरबेलमी ॥ वरुअसोकअवधारि ॥ हंसलीक्रीडाहंसस्यू ॥ जो
 मेदीठजीवार ॥ ६ ॥ नाषीनीसासोनिकली ॥ तपोवनबाहिरतेह ॥ देषीजा
 तीदृष्टिथी ॥ सलक्योमुफसनेह ॥ ७ ॥ आजनेदेपुंएहनो ॥ अवलतनुंआ
 कार ॥ जोउंकीहाएजायबे ॥ चालिऊंमविचार ॥ ८ ॥ ढटकीलईनेंठावमी ॥
 गईजीहांकूसूमनीजागि ॥ चपलताराषीचूंपस्यू ॥ लपतीचिऊदिशलागि ॥
 ॥ ९ ॥ अशोकवृक्षतलेअवनीइ ॥ जईउसीरहीजाम ॥ कदलिवनअंतर
 करी ॥ रहिऊपुंठैराम ॥ १० ॥ ढाल ॥ उठिकढालणिसरघमोहे ॥ दास
 मारोमुलबतावी ॥ एदेशी ॥ मोहटेश्वरथीरोवतीहे ॥ बोलेइणिपरेंवाणि ॥
 सांसलज्योवनदेवताहे ॥ एहेतेतेहजठाण ॥ ११ ॥ म्हाराकर्मवीपाकनीहे ॥
 गतीनवीसाषीजाया ॥ प्राणवल्लसविणमाहरीहे ॥ गतीतेसीपरेंथाय ॥ १२ ॥ म्हारा ॥
 आरजपुत्रभिल्याइहाहे ॥ तापसणिमुफजाणि ॥ प्रणम्योनेउलपावीउहे ॥ ना
 मअनेनीजठाणि ॥ १३ ॥ म्हा० ॥ म्हेंउत्तरनवीवालीउहे ॥ नारीमतिथीरेऊणा
 मदनसेदाणीबोलीनहीहे ॥ हवेकहोगतिमुफकूणा ॥ १४ ॥ म्हा० ॥ पुठेमेंजोयूंचणं
 हे ॥ पणिनविदीठोकोया ॥ आर्यपुत्रतेकेंनहीहे ॥ देववेषधरहोय ॥ १५ ॥ म्हा० ॥
 हवेतोजेहोयतेऊज्योहे ॥ पणिनवीजोगखमाय ॥ मदनअनलवलतीथकीहे ॥
 कोईरितेनजीवाय ॥ १६ ॥ म्हा० ॥ अयमत्तालताबेलमीहे ॥ बांधीनेंगलपासा
 मरवुंमाहरेइणिपरेंहे ॥ जिवननीनहीआस ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ सारकरेज्योमुफ
 पतीहे ॥ तापसणीमुफमात ॥ सरिषीनेंसंलदावज्योहे ॥ एमाहरोअवदात ॥
 ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ लाजथीऊंनवीकहीसकुंहे ॥ इमकहीदीधोपासा ॥ देवगुरुप्रण
 मीकरीहे ॥ फूलाव्योतेनीरास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥ इणेंअवशरऊंमोतीहे ॥ ज
 ईठेद्योतसपास ॥ परलोकेपणिजायताहे ॥ नवीपुठेस्याबासि ॥ २० ॥ म्हा०

तवसाचितेधिगुमनेहें ॥ सांसल्यूसघलूंएण ॥ मुखनीचुंकरीनेंकहेहे ॥ नवीक
 झुलझाविशेण ॥ २१ ॥ म्हा० ॥ कस्योमकोपमोजपरिहे ॥ तवम्हेसाणुंता
 स ॥ तपसीकोपकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसूविलास ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ कुलप
 तीवचनअमोघठेहे ॥ तूरतजमिलस्येतेहा ॥ चालिआअमप्रतिजाईहे ॥ गयां
 अस्तेइमकरीनेह ॥ २३ ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवातणीहे ॥ मोकलीआति
 णीवार ॥ कथाविनोदकरतांथकांहे ॥ बेगीपासेंनारि ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ तापस
 कुमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीगोकोय ॥ कुमरीसऊनेंसलाविनेहे ॥ चाली
 खोलवासोय ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ सवितव्यताइंदेषामीउहे ॥ मुऊनेंदर्शन
 तुऊ ॥ आअमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाओएहगुऊ ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ इम
 सांसलीऊंचालीउहे ॥ आगळिगईतिणिवार ॥ आसनमुऊनेंआपीउहे ॥ दि
 गीतएउमेनारि ॥ २७ ॥ म्हा० ॥ विदासवतीमुऊदेषीनेहे ॥ उगीउत्तीया
 य ॥ सखिउसाथेमोकलेहे ॥ अर्थतेचौचनेंजाय ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ थयो
 मध्याह्नसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकराविनेहे ॥
 आलीतापसणितेठाण ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥ अमघरि
 पोहतआय ॥ सिप्राऊणागतितूम्हकरुंहे ॥ वसतवाकलफलखाय ॥ ३० ॥
 म्हा० ॥ पणिएविदासवतीअठेहे ॥ अधिकीजीवितपाहिं ॥ विधिइंपूरवेदी
 धलीहे ॥ फिरीअस्तेदिधउठाहिं ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ इमकहीनेंरोवेघणुहे ॥
 वारिम्हेतिणीवार ॥ सगवतीइमनकीजीइहे ॥ जाणोस्वरुपसंशार ॥ ३२ ॥
 म्हा० ॥ अगनीशाखिपरणाविआंहे ॥ फेराफरीआरेताम ॥ सगवतीनीआ
 णालहीहे ॥ गयासुंदरवनताम ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराढामलीहे ॥ दे
 षीधाम्याउळास ॥ सूतापल्लवआथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ ३४ ॥ म्हा० ॥
 इणिपरिरजनीनीगमीहे ॥ इमअनुक्रमेंकोईकाल ॥ एकदिनशोसावनतणी
 हे ॥ देषेस्त्रीअसराल ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ सुएपंचमखंडमांहे ॥ साषीअग्या
 रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहे ॥ सूणतांमंगलमाळ ॥ ३६ ॥ म्हा० ॥
 सोसावनतणी ॥ जोतीनषसेजांम ॥ कुसुमविणतीकिमहीके ॥

उत्तरनदिशंआम ॥ ३७ ॥ उहुंपटङ्गएटले ॥ नविदेषेमुऊनारि ॥ अचरीजथी
 इमउठिउ ॥ तरुणीनदेषेतिवार ॥ ३८ ॥ आर्यपुत्रहाइमलवे ॥ पमीतेमुठा
 पामि ॥ मनचित्युंमेंमाहरे ॥ किधूअवजुंकांम ॥ ३९ ॥ पटउठयोप्पठोकरी ॥
 सिच्योजलेशरी ॥ सङ्गथईकहेशब्दथी ॥ नयणेंऊरतीनीर ॥ ४० ॥ नविदि
 ठातूम्हनयणथी ॥ तवम्हेंसाण्युंतास ॥ ऊस्युंजाण्णएहमां ॥ साषेनारिविसा
 स ॥ ४१ ॥ किमनविजाणोकहोतुम्हे ॥ सर्वकसुंतवसाच ॥ कामीनीपणिपरि
 ण्हाकरे ॥ वस्त्रनीवातअवाच्य ॥ ४२ ॥ कालगमावीकेतलो ॥ इंकदिनम्हेक
 सुंइम ॥ सुणिसुंदरीनिजदेशमां ॥ पोहचीइंतिमकरोप्रेम ॥ ४३ ॥ ढाल ० ॥
 देशीअढीआनी ॥ पुठेसगवतितांम ॥ जइइनिजपुरठांम ॥ जोआण्णकरोए ॥
 महिरनीजरधरोए ॥ ४४ ॥ तेणीइंआण्णदिध ॥ सिन्नपोतध्वजकीध ॥ के
 ईकदीनगयाए ॥ केलीकरेसयाए ॥ ४५ ॥ इण्णिअवशरतिहांआय ॥ नि
 रजामकचितलाय ॥ नावमेवेसीनेंए ॥ पानीमांपेशीनेंए ॥ ४६ ॥ मुऊनेंक
 हैइमवात ॥ द्विपकमाहविख्यात ॥ रहेतेवाणिउए ॥ सार्यपजाणीउए ॥
 ॥ ४७ ॥ मलयदेशतणीजाय ॥ तूम्हएध्वजदेषाय ॥ मोकलीआअम्हेए ॥
 चालोतिहांतूम्हेए ॥ ४८ ॥ म्हेकसूम्हारेनारि ॥ कहोतोआविइंहारि ॥ ते
 कहंचालीइंए ॥ विलंबनसालीइंए ॥ ४९ ॥ पोहतामोहटेजीहाज ॥ सारथ
 वाहसमाज ॥ तिणेंआदरकस्योए ॥ शुत्तस्थानकधस्योए ॥ ५० ॥ एकदिन
 पाळलोजाम ॥ रातिशेषरहीताम ॥ लघुशंकाथईए ॥ उठयोऊतईए ॥ ५१ ॥
 तिणसमेसारथवाह ॥ जाग्योदेषीलाह ॥ चित्तेएरुअमीए ॥ नारीनकुअमी
 ए ॥ ५२ ॥ रातीसमयठेएहाकोईनजाणेंरेहादरिआमांधरुंए ॥ नारिअंगीकरुंए
 ॥ ५३ ॥ लघुशंकानेकांम ॥ वेठोजवतिणेंठांम ॥ नांभ्योऊंफयोए ॥ पुन्येफलक
 जफ्योए ॥ ५४ ॥ पंचरातीरक्षोमांहि ॥ मलयकूलउठांहि ॥ जलनिधीउतस्योए ॥
 तवनवेअवतस्योए ॥ ५५ ॥ मेंमनचित्युंइम ॥ सार्यवाहेंकस्युंकेम ॥ ना
 रीलोसेंकरीए ॥ नहिप्रयोजनवरीए ॥ ५६ ॥ एहविलासवतीनारि ॥ मुऊवि
 योगचित्तधारि ॥ नहिजीवितधरेए ॥ आपघातकरेए ॥ ५७ ॥ नविजाणे

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ नीचुंकरीनेकहेहे ॥ नवीक
 नीबपादपतिहांदेषि ॥ गयोऊंसर्वउवेसी ॥ मरभोजपरिहे ॥ तवम्हेंसाण्युता
 रीए ॥ ५९ ॥ दीतुंदूरसीताम ॥ सरोवरएकअस् ॥ २२ ॥ म्हा ॥ कुलप
 मानुंएरोवतूँए ॥ ६० ॥ भ्रमरगुंजारवेंगाय ॥ मानुंभ्रमप्रतिजाईंहे ॥ गयां
 लमीसधरीए ॥ उंचिबाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिगोहंशपितणीहे ॥ मोकलीआति
 ठेक ॥ कलूणश्वरेंरुइँए ॥ आंषिंआसूंचुइँए ॥ ६२ ॥ २४ ॥ म्हा ॥ तापस
 न्यहंसीजोईंथाय ॥ विभ्रमआणतोए ॥ निजस्त्रीमाननेंसलाविनेहे ॥ चाली
 सीअन्य ॥ षेदकरेतेविपिन्न ॥ मरवामन्नकरेए ॥ शोभीउहे ॥ मुऊनेंदर्शन
 मुरगापामेतेह ॥ बलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसऊए ॥ ६३ ॥ म्हा ॥ इम
 ॥ ६५ ॥ करयोविचारमेंतांम ॥ उषाउंएपणिआम ॥ मेंआपीउहे ॥ दि
 पंमीतेपरिहरीए ॥ ६६ ॥ इणिपरेंचितवुंजाम ॥ फिरतोहे ॥ उठीउसीथा
 लिनेमिदयोए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरबल्हा ॥ थयो
 नकरेचंग ॥ शोकेंशकतीनहिए ॥ बिऊंहरप्यांसहीए ॥ ६८ ॥ कराविनेहे ॥
 चिताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥ कांत ॥ अमघरि
 ॥ ६९ ॥ कुलपतिइंकद्युंनारि ॥ सुखसोगवीसंसार ॥ परत्तवसाध ॥ ३० ॥
 वसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअवडंपूरवेदी
 हनेंषोलविए ॥ नविजाइंसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥ कोरे
 फिरेअपार ॥ सायरनेंतटें ॥ डखजिणथीमिटेए ॥ ७२ ॥ पंचमखंमेढाल ॥
 बारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ तविजनेंसद्धहीए ॥ ७३ ॥
 ॥ डहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतूंकलकतेएक ॥ दिवुंतेमेंदृष्टिथी ॥
 तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७४ ॥ तिरेआव्यूंतेतूरस्त ॥ विलासवतीविलग ॥ नयणें
 दिठिनेहस्यूं ॥ उपनोअंतीउमंग ॥ ७५ ॥ अबलाइंमुऊंउलप्यो ॥ आसासना
 म्हेंआपि ॥ पुढ्युंएस्यूंनिपनुं ॥ पत्तणेंतेमुऊपाप ॥ ७६ ॥ स्वामीपंमीआसा
 यरें ॥ जाण्युंसघलेजांम ॥ सार्थवाहधरीशोकनें ॥ कहेमुऊपमवाकांम ॥
 ॥ ७७ ॥ परिजनस्यूंऊंपरिवरी ॥ वास्योसारथवाह ॥ रातगईंजग्योरवी ॥ थ

उत्तरनदिशंआम ॥ ३७ ॥ उडुआजसागुंजनसङ्गयां ॥ म्हेतूमपून्त्यप्रमाण ॥
 इमउडिउ ॥ तरुणीनदेपेतिवार ॥ नीधीलंघीजाए ॥ ७९ ॥ ढोल ॥ ढोलारहोतोऊं
 पांमि ॥ मनचित्यूंमेंमाहरे ॥ हांमेंमनिंणिपरेंचितव्यूं ॥ अहोमायावीशीरदार ॥
 सिच्योजलेंशरीर ॥ सङ्गयशांयहीणाघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८० ॥
 ठातूमहनयणथी ॥ तवमंडवणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥
 स ॥ ४१ ॥ किमनविनही ॥ कांयकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण
 काकरे ॥ वस्त्रनीवातकांयपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुठे
 ह्युंम ॥ सुणिसुंदरीमपम्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोषनकहि
 देवीअदीआनी ॥ तवीबोड्योतिवार ॥ सा० ॥ ८२ ॥ जु० ॥ परमादेऊंपुमी
 महिरनीजरधरोए ॥ कितेतूऊपरमुऊ ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीधीअनुंकमें ॥ फ
 ईकदीनगयाए ॥ केऊ ॥ सा० ॥ ८३ ॥ जु० ॥ कहेनारीऊंतरसीबुंघणी ॥ त
 रजामकचितलायात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकुंइहांथकी ॥ चालोतिहांजईसुख
 हैइमवात ॥ द्वि ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कांयनारिनीतंवनासारथी ॥ बलीसमुद्रमांउप
 ॥ ४७ ॥ मल्ला ॥ थोमुंचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुंसूणोवाक ॥ सा० ॥
 चालोतिहांतु ॥ तवम्हेंकहुंएवमतले ॥ तूवेसिलेईआवुंनीर ॥ सा० ॥ नलि
 कहेचालीनीउकरी ॥ तवबोलीथईतेधीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूमहदर्शन
 नासूखआगलें ॥ मुऊतरसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकहुंधीरजधारीई ॥ जा
 एजेजललेईनेआय ॥ सा० ॥ ८७ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउठतूं ॥ जिमअ
 ठविमांविधननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशङ्कापाथरी ॥ न्यग्रोधहेठलितेठाय ॥
 ॥ सा० ॥ ८८ ॥ जु० ॥ वातमनावीबलथकी ॥ गयोंजललेवातिणीवारि ॥
 ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलप्रतें ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥ ८९ ॥
 ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटमुंकिंतूं ॥ पीउपाणीलाव्योतेह ॥ सा० ॥ तोहीउत्तरनवी
 दिइ ॥ म्हेंकहुंहासीकरोकेह ॥ सा० ॥ ९० ॥ जु० ॥ तोपणिजबबोलीनही ॥
 तवम्हेईमचितनकीध ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्यया
 दीध ॥ सा० ॥ ९१ ॥ जु० ॥ साथरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवी-

थि ॥ सा० ॥ वलिमावुंलोचनफरकीउं ॥ पमीउंकरमांथीपाथ ॥ सा० ॥ १२ ॥
 ॥ जु० ॥ पेदलस्योशंकाथई ॥ खोलवामांमीतेनारि ॥ सा० ॥ देवीदेवीमुखजं
 पतो ॥ किहांगईमुऊप्राणआधार ॥ सा० ॥ १३ ॥ जु० ॥ वेदूथलेदेपेतिहां ॥
 अजगरघसणीदूरवदाय ॥ सा० ॥ तेअनुंशारेऊंचालीउं ॥ दिगोवनगहनसगा
 य ॥ सा० ॥ १४ ॥ जु० ॥ कृष्णढवीनेत्ररातमां ॥ गलतोवलीतेहजपट्ट ॥ सा० ॥
 महाकायाअजगरतिहां ॥ देषीथईमुऊचटपट्ट ॥ सा० ॥ १५ ॥ जु० ॥ मा
 रीवीलासवतीएणें ॥ तिणेंअवसरमुऊगईसांन ॥ सा० ॥ रातदिवसशीतउष्ण
 नें ॥ नलऊंवशतीकेरान ॥ सा० ॥ १६ ॥ जु० ॥ सूरखदूरखउंढवआपदा ॥ व
 लीचालतोकेरस्योगाय ॥ सा० ॥ कांयमरणजीवितपणिनवीलऊं ॥ एअवस्था
 कांयनकहाय ॥ सा० ॥ १७ ॥ जु० ॥ मुरठाईधरणीढल्यो ॥ जाणिइंगया
 तिहांमुऊप्रांण ॥ सा० ॥ वलिशायरनीलहेरेंकरी ॥ चेतनालहीरोउंअजाण ॥
 सा० ॥ १८ ॥ जु० ॥ एदेहसंपूअजगरप्रते ॥ थाइउंदरमांदेवीसंग ॥ सा० ॥
 जबअजगरपासेंऊंगयो ॥ तिणेंसंकोच्यूंनीजअंग ॥ सा० ॥ १९ ॥ जु० ॥
 मेंजाण्युंमुआंपणिदोहिदूं ॥ एनारीनुंमिलवुंथाय ॥ सा० ॥ अजगरनेंक्रोध
 पमागवा ॥ कस्योमस्तकउपरिघाय ॥ सा० ॥ २० ॥ जु० ॥ सयथीतिणेंप्र
 दृपागोवम्यो ॥ लेईनारीतणेंबऊमांन ॥ सा० ॥ रुदयेदेईमनचितवे ॥ एपट
 फांसैतजुंप्रांण ॥ सा० ॥ २१ ॥ जु० ॥ प्रेमविदूधोएप्रांणीउं ॥ मनचितवे
 आलपंपाल ॥ सा० ॥ सूषीआनीसनेहीमुनी ॥ जिणेंगेमीसयलजंजाल ॥
 सा० ॥ २२ ॥ जु० ॥ पंचमखंमेएतेरमी ॥ कहीढालअतीसुरशाल ॥ सा० ॥
 कविपद्मकहेओतामूणो ॥ सूनतांहोयमंगलमाल ॥ सा० ॥ २३ ॥ जु० ॥
 ॥ डहा ॥ सुतिजीहांस्यामाहती ॥ तिहांवन्तलेततकाल ॥ शाषास्यूंफांसोदा
 उं ॥ करवानेमेंकाल ॥ ४ ॥ ऊलायोऊंजेतले ॥ रुंधायोतिणेंरान ॥ कंगतिणें
 काननसम्युं ॥ सघलीगईतवशान ॥ ५ ॥ पेंसंगनपातालमां ॥ नयनते
 नीकलीयाह ॥ अननुंसूततेअनुसव्यूं ॥ मुंजाणोमनमाहिं ॥ ६ ॥ पाणिवल
 नेंपांतरे ॥ सूपनपरेंसूरववास ॥ दिगोरिषीएकदृष्टिथी ॥ सिंचेजलआसास ॥

॥ ७ ॥ चेतनापांसीचितवुं ॥ अहोनमुजंआज ॥ तापसनेकसुंएतूम्हे ॥ किधूं
 स्यानेकाज ॥ ८ ॥ ढाल ॥ सोनानेकरुंमाहंवेमलूरेलो ॥ रुपलाइंदोणीहाथ ॥
 म्हारावाहलाजीरे ॥ हवेनगेमुंतोरीचाकरीरेलो ॥ एदेशी ॥ तापसकहेसूणिवा
 तमीरेलो ॥ दूरथीदीगेतूफ ॥ म्हारावालाजीरे ॥ कूसुमलेवाङ्गंआवीउरेलो ॥ करु
 णाउपनीमुफ ॥ म्हा ० ॥ ९ ॥ इममरणनवीकीजीरेलो ॥ एआंकणी ॥ कोई
 उत्तमजनआचरेरेलो ॥ नंदितमारगएह ॥ म्हारा ० ॥ कारणपुढीनीवारीरेलो ॥
 चितव्यूंइमधरीनेह ॥ म्हा ० ॥ १० ॥ इम ० ॥ उतावलांआवतांथकारेलो ॥
 तेंतोकीधूंएकांम ॥ म्हा ० ॥ मासाहसेइमबोलतोरेलो ॥ दोमीआव्योआम ॥
 म्हा ० ॥ ११ ॥ इम ० ॥ ताहरोपासत्रुटिगयोरेलो ॥ तूपमीउतवहेठि ॥ म्हा ० ॥
 म्हेंसिच्योजलथीतूनेरेलो ॥ आयुप्रमाणेंहोयनेठ ॥ म्हा ० ॥ १२ ॥ इम ॥
 एहवुंतूंकिमआचरेरेलो ॥ तापसपूढेइम ॥ म्हा ० ॥ लाजेंउत्तरनवीम्हेदि
 उरेलो ॥ तापसकहेधरीप्रेम ॥ म्हा ० ॥ १३ ॥ इम ० ॥ तपसीमातपीतासमारे
 लो ॥ कहोमुंकीखलपंच ॥ म्हा ० ॥ अणजाण्योतेस्यूंकरेरेलो ॥ कारजनो
 परपंच ॥ म्हा ० ॥ १४ ॥ इम ० ॥ तवम्हेधूरथीसापीउरेलो ॥ निपनोजेद
 तांत ॥ म्हा ० ॥ तवचांसारअसारतारेलो ॥ सापेतेहमहांत ॥ म्हा ० ॥ १५ ॥
 इम ० ॥ शरदमेघसमआउपुरेलो ॥ कुसुमिततरुसमरुद्रि ॥ म्हा ० ॥ विषय
 सूपनसमसापीआरेलो ॥ संजोगविजोगस्यूंगिद्रि ॥ म्हा ० ॥ १६ ॥ इम ॥
 गांमिंतूएव्यवसायनेरेलो ॥ धर्मवीनाकिमसूरक ॥ म्हा ० ॥ म्हेंकसुंसाचुंरी
 पीकहोरेलो ॥ पणिमुऊप्रेयसीदूरक ॥ म्हा ० ॥ १७ ॥ इम ० ॥ तिणेंनवी
 वीरहषमीसकुरेलो ॥ मरणअधीकमुऊडूरक ॥ म्हा ० ॥ तिणेंमुऊमुआंजिमए
 मिलेरेलो ॥ तिमसाषोकरोसूरक ॥ म्हा ० ॥ १८ ॥ इम ० ॥ तपसीकहेतूम्हे
 सांसलोरेलो ॥ मलयपर्वतएनाम ॥ म्हा ० ॥ मनोरथपुरकटुकठेरेलो ॥ म
 नचितितकरेंकांम ॥ म्हा ० ॥ १९ ॥ इम ० ॥ तेहउपरिचढीचितवोरेलो ॥
 जेमनमांअसीप्राय ॥ म्हा ० ॥ ऊंपाकरीतेहपामीरेलो ॥ सुणिप्रणम्योरि
 पीपाय ॥ म्हा ० ॥ २० ॥ इम ० ॥ चाल्योऊंतेपर्वतेरेलो ॥ पोहतोत्रिजे

न्न ॥ म्हा० ॥ तिहांचमीम्हेंचितव्युरेलो ॥ प्रियाउपरिमुऊमन्न ॥ म्हा० ॥
 ॥ २१ ॥ इम० ॥ ऊंपाकस्योम्हेंजेतलेरेलो ॥ अहोअहोएहप्रमाद ॥ म्हा० ॥
 विद्याधरेंइमबोलतारेलो ॥ ऊमप्योधरीविषवाद ॥ म्हा० ॥ २२ ॥ इम० ॥
 चंदनलतानागेहमारेलो ॥ लाविआस्वास्योतेण ॥ म्हा० ॥ रेमहापुरुषस्युं
 तूंकरेरेलो ॥ उत्तमआकारेण ॥ म्हा० ॥ २३ ॥ इम० ॥ कहेतूऊकारणस्युं
 अढेरेलो ॥ तवम्हेंकस्योसंबंध ॥ म्हा० ॥ रिषीइएहबतावीउरेलो ॥ कामि
 तपणनिबंध्य ॥ म्हा० ॥ २४ ॥ इम० ॥ तवकांयकहशनेंकहेरेलो ॥ वि
 द्याधरइमवांणि ॥ म्हा० ॥ स्नेहकायरअहोमानवीरेलो ॥ स्नेहतेदूरवनी
 खाणि ॥ म्हा० ॥ २५ ॥ इम० ॥ स्नेहेंविवेकरहेवेगलारेलो ॥ दूरगतीवां
 धवस्नेह ॥ म्हा० ॥ कुशलपक्षशत्रुकस्योरेलो ॥ निर्दत्तिअर्गलाएह ॥ म्हा० ॥
 ॥ २६ ॥ इम० ॥ स्नेहेंपरासव्याप्राणिआरेलो ॥ नगणेंआयतीकाळ ॥
 म्हा० ॥ काळोचितनवीतेजुइरेलो ॥ धर्मनसेवेरशाळ ॥ म्हा० ॥ २७ ॥ इम० ॥
 सिंहपंजरगतनीपरेरेलो ॥ समरथथकोसीदाय ॥ म्हा० ॥ तिणेंतजीइएस्ने
 हनेरेलो ॥ विवेकदिपकेंजुउसाय ॥ म्हा० ॥ २८ ॥ इम० ॥ कर्मविचित्र
 सविजीवनारेलो ॥ किमगतीहोवइएक ॥ म्हा० ॥ मनवंडितफलसाधवारे
 लो ॥ चउविहधर्मविवेक ॥ म्हा० ॥ २९ ॥ इम० ॥ पंचमखंभेंचौदमीरे
 लो ॥ पद्मविजयकहीढाळ ॥ म्हा० ॥ समरादित्यनारासमारेलो ॥ धर्मथी
 मंगलमाळ ॥ ॥ म्हा० ॥ ३० ॥ इम० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

स्येकहो ॥ दंपतीनीःसंदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहअ
 काज ॥ सूणीजाण्युंमेंसयणए ॥ एहवुंसाषेआज ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ योगमा
 यागरवेरमेजो ॥ एदेवी ॥ अजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसंतलावीतसकानि
 जो ॥ त्रिजोदिनआजतेहनेंजो ॥ कहेपेचरसूणोसूप्रमाणजो ॥ ३८ ॥ धीर
 जथीसवीसंपजेजो ॥ एआंकणी ॥ केतलेवेगलूतेबन्युंजो ॥ म्हेंकसुंदराजो
 जनथायजो ॥ तवविद्याधरबोलीउजो ॥ तूंपेदमकरिमनसायजो ॥ ३९ ॥ धी० ॥
 जीवेंठेतूऊप्रेयसीजो ॥ तेहनोसांसलअधीकारजो ॥ विद्याधरनोअधीपतीजो ॥
 चकसेननामेंअवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंअप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
 महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वशेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसकेतजो ॥
 ॥ ४१ ॥ धी० ॥ अमतालीसजोजनतणीजो ॥ कांयषेचशुशिकरीसारजो ॥
 असयदेईसऊजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
 समजेविद्याधराजो ॥ तेहनेंईमऊकमंतेकीधजो ॥ सातदिवशलग्नीसांसलोजो ॥
 सऊजीवनीहिसानिषिऊजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
 सिद्धिनिलयाअसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरक्षोतिणें
 थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाख्योजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
 तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाणंकुशलनीवातजो ॥ ४५ ॥ धी० ॥
 एतलाषेचमांमरेनहीजो ॥ एकाममांसऊसावधानजो ॥ सांसलीम्हेंपाणचित
 व्युंजो ॥ एवातयुक्तपरधानजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउढ्योहतोईणिईजो ॥
 किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगढ्युंहोयजोएणेंजो ॥ तोसंकोचाईकिम
 देहजो ॥ ४७ ॥ धी० ॥ म्हेंकसुंषेचरनेंतिहांजो ॥ मुऊआशासनातूम्हेदिय
 जो ॥ थाउमनोरथतूमतणजो ॥ मुऊअकुसलपद्मनिषिऊजो ॥ ४८ ॥ धी० ॥
 षोलीलावुंमाहरीप्रीयाजो ॥ मुऊबोलेषेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
 जो ॥ आजतोअमनेंएहकामजो ॥ ४९ ॥ धी० ॥ कालिसऊसेलामिलेजो ॥
 पामीस्युंषवरितेतासजो ॥ मेलवस्युंअमेतूम्हनेंजो ॥ तूम्हेंरहोईहांसरववासजो
 ॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युंवचनम्हेंतेहनुंजो ॥ अईपहोररातिरहीसेसजो ॥ गग

नेउद्योतथयोतदाजो ॥ गायेंमंगलगीतविशेशजो ॥ ५१ ॥ धी० ॥ देवविमा
 नपरेंदिपतूंजो ॥ आव्युंविद्याधरनुंविमानजो ॥ कहेखेचरमुऊदेषज्यो ॥
 विद्यासिद्धस्वामिनिसानजो ॥ ५२ ॥ धी० ॥ गयुंविमानतिहांकणेंजो ॥ बड
 विद्याधरपरीवारजो ॥ विहाणेमुऊनेंतेमीगयोजो ॥ चक्रशेनशमीपउदारजो ॥
 ॥ ५३ ॥ धी० ॥ करीयप्रणामउसारह्याजो ॥ वरुआसनदिधूतांमजो ॥ वात
 सूणावीवेशीनेंजो ॥ तवबोदयोषेचरस्वामिजो ॥ ५४ ॥ धी० ॥ मतसंतापक
 रोटूम्हेजो ॥ तूम्हमेळवस्युंआजनारिजो ॥ इणेंसमेदोयविद्याधराजो ॥ प्रण
 मिकहेएकतिवारजो ॥ ५५ ॥ धी० ॥ तुमआणाथीवनांतरेजो ॥ समतांएक
 दिठीनारिजो ॥ अजगरसयथीनासतीजो ॥ आर्यपुत्रहाकरतिपोकारजो ॥
 ॥ ५६ ॥ धी० ॥ वस्त्रदिधुंतिणेंअजगरेंजो ॥ लाव्यामलयशिपरअम्हेनारि
 जो ॥ सून्यरुदयरुणरहीकरीजो ॥ उठिरुणनयनमांवारिजो ॥ ५७ ॥ धी० ॥
 अम्हेकयुंसंयनकरोतूम्हेजो ॥ तूऊकिहांगयोसरतारजो ॥ साकहेपाणिदेवा
 गयोजो ॥ तवअम्हेकरीशोधिअपारजो ॥ ५८ ॥ धी० ॥ पणिनवीअमनेंते
 मट्योजो ॥ सानवीलीइअन्ननेंपांनजो ॥ हाहाआर्यपुत्रराषीइजो ॥ इमकहे
 तीरहेतिणेंथानजो ॥ ५९ ॥ धी० ॥ षेचरपतीमुऊनेंकहेजो ॥ तूम्हेजुउतूम
 चीकेनांहिजो ॥ साथेष्चेचरऊंतिहांगयोजो ॥ जोइपाम्योअतिउठांहजो ॥
 ॥ ६० ॥ धी० ॥ देइआसासनातिहांकिणेंजो ॥ लाविदिइषेचरआहारजो ॥
 षेचरपतीनेंआवीकसुजो ॥ महाराजएमाहरीनारिजो ॥ ६१ ॥ धी० ॥ वात
 घणीरुअमीथइजो ॥ तूम्हसागांदूरववियोगजो ॥ कहोतेवलीतूम्हस्युंकंरूंजो ॥
 तूम्हेदीसोउत्तमकोश्लोगजो ॥ ६२ ॥ धी० ॥ समरादित्यनारासमांजो ॥ क
 हीपंचमखंजेरशालजो ॥ पद्मविजयसोहामणीजो ॥ रुमीपनरमीएहढालजो
 ॥ ६३ ॥ धी० ॥ उहा ॥ देषीलरुणदेहनां ॥ इणिपरेंचित्युंआप ॥ विद्याधर
 पतीवल्लहो ॥ पामीसप्रबलप्रताप ॥ ६४ ॥ अजितबलाविद्याअठे ॥ तेआपु
 ऊंतूऊं ॥ उत्तमपुरुषम्हेउलषी ॥ मोदथयोइममुऊ ॥ ६५ ॥ प्राइअविघ
 नपामस्यो ॥ परंगटजासप्रसाव ॥ बालपणेंबतलावीउ ॥ जोसीइएहजमाव ॥

॥ ६६ ॥ उदयतेहनोआवीउ ॥ इमविचारीआप ॥ विद्यालीधीवेगस्युं ॥ उत्त
 मसूणीआलाप ॥ ६७ ॥ विद्याधरगयावेगस्युं ॥ आपीसाधनआम ॥ साधन
 पेत्रसीरोमणी ॥ किमकहूविकटएकांम ॥ ६८ ॥ उत्तरसाधकनहीइहां ॥
 संतास्योवसूतूति ॥ इणिअवसरिआवीमीले ॥ आपुंतेअदसूत ॥ ६९ ॥ ठा
 ल ॥ वावाकिसनपुरीतूमविनामत्रीआउऊरपमी ॥ एदेउी ॥ विद्यासिद्धिसूच
 वेतेह ॥ आव्यावसूतूतीससनेह ॥ मनहरषनमाय ॥ आव्याजीसलेरतूम्हेअ
 होजीअहो ॥ तापसनोपहेस्योवेवेस ॥ आलिगनकस्योहर्षवीशेश ॥ ७० ॥
 ॥ मन० ॥ म्हेंमनचितव्यूतापसआम ॥ आलिगनदिइस्यानेकांम ॥ मन० ॥
 देवीसहीतऊंप्रणम्योतास ॥ चिरंजीवकहेमुऊनेतास ॥ ७१ ॥ मन० ॥ अवि
 धवाथाउंनारीआसीस ॥ शब्देउलषीधुण्युंम्हेंशीश ॥ मन० ॥ आणंदआं
 सुनयणेनमाय ॥ आसनआप्युंवेगठाय ॥ मन० ॥ ७२ ॥ चरणपपाळे
 नारीतिवार ॥ वृत्तांतपूठेकरावीआहार ॥ मन० ॥ किहांथीआव्यानेंशायरत
 स्याकेम ॥ तेकहेफलकलद्युंयुंमेम ॥ ७३ ॥ मन० ॥ पांचेदिवसेंपाम्योपा
 र ॥ मलयतटेउतरयोतिणीवार ॥ मन० ॥ आष्योतापसजोवातिर ॥ आस्वा
 स्योमुऊदेपीपीर ॥ ७४ ॥ मन० ॥ कुलपतीपासेंमुऊलेइजाय ॥ म्हेंवंधातव
 आशीसदाय ॥ मन० ॥ आहारकरावीपुढीवात ॥ म्हेंपणिकस्योसघलोअव
 दात ॥ ७५ ॥ मन० ॥ म्हेंकद्युंतापसकीजेस्वामि ॥ मित्रविजोगीनेएअसीरा
 म ॥ मन० ॥ कुलपतीकहेकर्त्तव्यठेएह ॥ पणिनवीचुटेतंतूशनंहे ॥ ७६ ॥ मन० ॥
 डःकरकर्मतणारेविवाग ॥ डःकरस्योविषयनोत्याग ॥ मन० ॥ मुनीनोमारग
 दोहीजोजाणी ॥ पालवुंदोहिलूंवलीअपीठाणी ॥ ७७ ॥ मन० ॥ समझिनेंत
 जीइंसंशार ॥ पणिएकसांसलीवीजोप्रकार ॥ मन० ॥ ज्ञानेंकरीजाणुंइंसा
 मित्रताहरोमिलस्येसूखषेम ॥ ७८ ॥ मन० ॥ सेवाकरतोरहेअमपासांमुनीव
 चनेथईमिलवानीआस ॥ मन० ॥ तिहांरहेतांथयोएतलोकाल ॥ कुलपतीसे
 वाकरतोविशाल ॥ ७९ ॥ मन० ॥ आजथीत्रीजेदिवसअतीत ॥ एकतापस
 कहेवातप्रतीत ॥ मन० ॥ कुलपतीआगलिहरपधरेह ॥ मुऊसांसलतांसर्वक

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ ताहरोवृत्तांतम्हेंसूणीउकानि ॥ म्हेंकसुंमीत्रएमाहरो
 ठांन ॥ मन० ॥ कुलपतीनीआणालहीतांम ॥ कालिजुंआव्योतेतिरथठामा ॥ ८१ ॥
 ॥ मन० ॥ खेचरकसोमुजतूजअधीकारा ॥ षोडतोआव्योइणहिजगर ॥ मन० ॥
 तवमेविद्याप्रापतीवात ॥ संसलावीतसहायतेथात ॥ ८२ ॥ मन० ॥ ज्योतिषी
 वचनमीथ्यानवीथाय ॥ अहोसाबीसजुबणतूजाय ॥ मन० ॥ करोम
 नशितिएतूम्हेकाम ॥ थास्योअवस्थविद्याधरस्वामि ॥ ८३ ॥ मन० ॥ पु
 र्वसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअत्यास ॥ मन० ॥ मौनपणें
 ब्रम्हंचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ कसुंम्हे
 विलासवतीथयुंकाम ॥ षटमासदूःकरगयामुजआम ॥ मन० ॥ हवेअ
 होरातीनुंकांमठेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणोसोय ॥ ८५ ॥ मन० ॥ तु
 म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेला२थाउषेचरराउ ॥ मन० ॥ कायरहृदयजाणी
 म्हेंतेह ॥ मलयगिरीदरीमांठवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांमीप्रधानसेवाह
 वेतउ ॥ देवताठवीकरीकूसूमनोजउ ॥ मन० ॥ दिशापालकरयोवसूती ॥
 पदमासनबांध्युंअदसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामंजुकीधांआप ॥ मंत्रल
 कनोमांम्योजाप ॥ मन० ॥ कांईकवेलावीतीजाम ॥ आकासहसवालागो
 तांम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअकालेकेंसायरहोत ॥ पृथ्वीकंपकेदेषी
 अथोत ॥ मन० ॥ मदमातोमयगलसकषाय ॥ जलकणीआशीतलठंडाय ॥
 ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेंआक्रमेतेह ॥ क्रोधेंकूंमलीतसूढिकरेह ॥
 मन० ॥ गुलगुलकरतोअंकुसकान ॥ ससुखआवतोदेषेतेथान ॥ ९० ॥
 ॥ मन० ॥ हाआर्यपूत्रश्मकरतीनारि ॥ नविअपोसाणोधीरजधारी ॥
 मन० ॥ एहबिस्तीतिकागईअसराज ॥ आविपिशाचिणीअतीवीकराल ॥ ९१ ॥
 ॥ मन० ॥ वरणेंकालीरातांनयण ॥ अठाठवहास्यकरेनीजवयण ॥ मन० ॥ क
 रपदनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरेतिणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥ शोणित
 परम्युंचरमतेजाणि ॥ वस्त्रतेपहेस्युंदूःखनीषांणि ॥ मन० ॥ रुधीरपीतीसा
 जनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंताल ॥ ९३ ॥ मन० ॥ रेरेदूष्टविद्याधरसं

ग ॥ दूरविदग्धययोमनरंग ॥ मन० ॥ किहांजाईसमुखकहेतींम ॥ कोस
 नाकरतीआवीतेंम ॥ १४ ॥ मन० ॥ तेहथीनवीखोसाणोधीर ॥ हवेंमाकि
 एआविकरेपीर ॥ मन० ॥ विणवादलगरजारवथाय ॥ नाचेघमवेतालवज्रधा
 य ॥ १५ ॥ मन० ॥ वरसेरूधीरधाराअशराल ॥ नगनउरधकेशअतीवीक
 राल ॥ मन० ॥ बोझेंशिवाकस्तीफेतकार ॥ तोपणिनवीषोत्तयोऊलंगार ॥
 ॥ १६ ॥ मन० ॥ हवेचोथोउपसर्गतेथाय ॥ राषसणीआवीदेईजाय ॥ मन०
 कुपमांनांप्योजेमपाताल ॥ चंद्रसूरयनाठासमकाल ॥ १७ ॥ मन० ॥ दाढा
 जेहनीअतीवीकराल ॥ मनुप्यमस्तकनीपहेरीमाल ॥ मन० ॥ नासिदगेंघण
 लटकेजास ॥ मनुंजकलेवरकापेविलास ॥ १८ ॥ मन० ॥ मारि २ कहेमु
 खेंआलाप ॥ महाविकरालतएकनहीमाप ॥ मन० ॥ तोपणिनवीबीहनोऊल
 गार ॥ च्यारघमीरहेरातितिवार ॥ १९ ॥ मन० ॥ मंत्रथयोसमापतप्राय ॥
 सूरंगधतववायराहवेवाय ॥ मन० ॥ फूलवृष्टीजय २ रवथाय ॥ किनरीउति
 हांमंगलगाय ॥ २० ॥ मन० ॥ थयोउद्योतआकासेंजाम ॥ अजीतबलाआ
 व्यांहवेंताम ॥ मन० ॥ देवदेवीबज्रपरीवस्थांतेह ॥ स्तवनाकरेसूतमाहरीएह
 ॥ १ ॥ मन० ॥ पंचमखंमेसोलमीढाल ॥ सांसलतांहोयमंगलमाल ॥ मन० ॥
 समरादित्यनारासमांसार ॥ पद्मविजयकहेजय २ कार ॥ २ ॥ मन० ॥
 ॥ ३ ॥ अहोताहरोउपयोगए ॥ अहोव्यवशायअनंत ॥ अहोपुरुषात्तम
 पणंअती ॥ सिधथईऊंसंत ॥ ३ ॥ विरमितूंएव्यवशायथी ॥ तवम्हेंचित्यूंइं
 म ॥ मंत्रअधुरोमाहरे ॥ कहोउदमांपमुंकेम ॥ ४ ॥ मंत्रपुरोकरीप्रणमीउ ॥
 इणिअवसरितिहांआय ॥ विद्याधरनाटंदजे ॥ रूपमनोहरराय ॥ ५ ॥ सृणि
 देवीकहेएसऊ ॥ प्रेमेंतूऊप्रणमंत ॥ चंमसीहप्रमुखाचतूर ॥ भृत्यसावसावंत ॥
 ॥ ६ ॥ तूमपशायइंमकहीतूरत ॥ अंगीकरेअतरिक ॥ कहेदेवीतूऊकिजीइं ॥
 पेचरपतीअसीषेक ॥ ७ ॥ ढाल ॥ सीरोहीरोसावूहोकेउपरिजोधपूरी ॥ एदेसी ॥
 म्हेंकसुंमुऊमीत्रनेहोकेवलिनारीदेपे ॥ तवबोलाव्योतसहोकेनबिबोलेरेपे ॥
 तसजोयोजइंनेहोकेनवीदीगोजाम ॥ वज्रविद्याधरस्यूंहोकेगगनगयोताम ॥

॥ ८ ॥ तिहां एकनीकुंजमां होके अरहो परहो समतो ॥ अमदेषी को धें होके अती
 सयधमधमतो ॥ दोयकरमां रूषनी होके शाषाले शकहे ॥ मुऊमीत्रनी नारी हो
 के दूष्टो के मरहे ॥ ९ ॥ तेसां सलीचि तव्यू होके देवी अपहरी ॥ मुऊफोक परी अ
 महो के पुतुंवात परी ॥ रेवसूतू की कहो होके देवी की हांगई ॥ वसूतूतिन शां सले हो
 के वचन ते थीरथई ॥ १० ॥ षेचरनी माया होके एमनमां धरी ॥ करयो घामुऊउ
 परि होके तिणें आकर्षकरी ॥ वंचावी घातनें होके शाषा अपहरी ॥ करपकमी
 सापुं होके देवी किणें हरी ॥ ११ ॥ फिरी २ जब पुतुं होके तव उपयोग करी ॥ मुऊउ
 लषी बोढ्यो होके सां सल्लिवात परी ॥ तुऊ विद्या साधंतां होके राती ते दोय जामा ॥ वि
 द्या धरटो लूं होके आव्यू एकतां म ॥ १२ ॥ उपसर्गनी शंका होके म्हे मनमां आं
 णी ॥ थोमी थई वेला होके तव बोले राणी ॥ हाहा आरजसूत होके मुऊनें लेई जा
 य ॥ राषि २ वसूतूति होके मुऊ आपं दयाय ॥ १३ ॥ सुणी मुऊ आशंका होके
 संभ्रम थी थई ॥ तव ते हगुफामां होके में जोयूं जई ॥ नवी दी गीज्यारें होके धायो वि
 मान पुंठे ॥ नविजाणं की हांगई होके तव चितूं रुठे ॥ १४ ॥ हरिषे चरे देवी
 होके पणिए किहां जास्ये ॥ मुऊ क्रोध अगनीमां होके एह पतंग थास्ये ॥ किंसी
 फकरमकरस्यो होके अजीत बलासीधी ॥ कहे देवी तीणें समे होके सी चितालीधी ॥
 ॥ १५ ॥ कहिवात सवेतस होके देवी को धें चढी ॥ दिशदिश तिणें मुंकी होके
 षेचर ओणीवमी ॥ एक षेचर आवी होके पवन गती साषे ॥ एखी म्हे दिगी होके अन
 गरती राषे ॥ १६ ॥ सूणो नगवैताढ्ये होके तू म्हे अणायो ॥ रहने उरचक्र बाढ
 होके नयर तिहां सयो ॥ उदवेग घणो करे होके तिहां ना सज्जलोका ॥ ठामि २ पु
 जाबली होके होम हवन थोका ॥ १७ ॥ एक षेचरनें म्हे होके पुढ्यो अवदात ॥
 कहे ते अम्ह स्वामी होके अनगर तीथात ॥ कंदरपनावस थी होके एक दीन अपह
 री ॥ विद्या साधकनी होके नारी ते सूचरी ॥ १८ ॥ नविशे नारी होके तव ते हठक
 री ॥ देवा परवर्त्यो होके सूणी जंघे पधरी ॥ कहुं ठे कोई पासें होके लावोष मगमुदा ॥
 इम करीनें उठ्यो होके क्रोध धरी तदा ॥ १९ ॥ कहे पवन गती तव होके प्रसन्न थ
 ई सुणो ॥ एवात कजुं होके नही प्रत्यक्ष मुणो ॥ सिंहणिनं श्वानज होके केमप

रासवें ॥ तवम्हेकसूत्रागलिहोकेवातकहोहवई ॥ २० ॥ ऊंवेठेतिहारेहो
 केवातकहेआगे ॥ असमंजसदेवीहोकेशीलतणेंरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ
 हाउपसर्गकरे ॥ सूमीकंपनेंवीजलीहोकेबज्जनीर्घातधरे ॥ २१ ॥ आवीकहे
 नृपनेंहोकेउत्तमपुरुषथई ॥ किमनिचनुंकारयहोकेकरेंतूज्जमतिगई ॥ तवअ
 लगोजसोहोकेकायाइकरी ॥ पणिनहीकांयमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥
 ॥ २२ ॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांझ्यांहोकेशांतीक
 रमनगरें ॥ तवम्हेतसपुढ्युंहोकेकहोसाकिहांरहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेआ
 भतलेतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊंतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरह्यो ॥ तेहनेंऊंदे
 वीहोकेमनमांगहगह्यो ॥ विद्याधरवंदेहोकेपरवरोतेरही ॥ करदेईगलोथोहो
 केसूषतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणआणाहोकेऊंनगयोपासैं ॥ तिहांथीतू
 म्हपासैंहोकेआव्योउल्लासैं ॥ हवइंतुम्हमनगमतूंहोकेकामतेकीजीई ॥ पुढेव
 सूसूतीनेंहोकेतवतेवदिजीई ॥ २५ ॥ देवताउपदेशेहोकेलाज्योतेहघण्टं ॥ तिणे
 दूतनेंमुंकीहोकेकिजेजाणपणं ॥ ढालपंचमखंमैंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम
 रादित्यरासमांहोकेपद्मविजयसणी ॥ २६ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥
 ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥
 ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥ ॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥ ॥ १२१ ॥
 ॥ १२२ ॥ ॥ १२३ ॥ ॥ १२४ ॥ ॥ १२५ ॥ ॥ १२६ ॥ ॥ १२७ ॥ ॥ १२८ ॥ ॥ १२९ ॥
 ॥ १३० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ १३२ ॥ ॥ १३३ ॥ ॥ १३४ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ १३६ ॥ ॥ १३७ ॥
 ॥ १३८ ॥ ॥ १३९ ॥ ॥ १४० ॥ ॥ १४१ ॥ ॥ १४२ ॥ ॥ १४३ ॥ ॥ १४४ ॥ ॥ १४५ ॥
 ॥ १४६ ॥ ॥ १४७ ॥ ॥ १४८ ॥ ॥ १४९ ॥ ॥ १५० ॥ ॥ १५१ ॥ ॥ १५२ ॥ ॥ १५३ ॥
 ॥ १५४ ॥ ॥ १५५ ॥ ॥ १५६ ॥ ॥ १५७ ॥ ॥ १५८ ॥ ॥ १५९ ॥ ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥
 ॥ १६२ ॥ ॥ १६३ ॥ ॥ १६४ ॥ ॥ १६५ ॥ ॥ १६६ ॥ ॥ १६७ ॥ ॥ १६८ ॥ ॥ १६९ ॥
 ॥ १७० ॥ ॥ १७१ ॥ ॥ १७२ ॥ ॥ १७३ ॥ ॥ १७४ ॥ ॥ १७५ ॥ ॥ १७६ ॥ ॥ १७७ ॥
 ॥ १७८ ॥ ॥ १७९ ॥ ॥ १८० ॥ ॥ १८१ ॥ ॥ १८२ ॥ ॥ १८३ ॥ ॥ १८४ ॥ ॥ १८५ ॥
 ॥ १८६ ॥ ॥ १८७ ॥ ॥ १८८ ॥ ॥ १८९ ॥ ॥ १९० ॥ ॥ १९१ ॥ ॥ १९२ ॥ ॥ १९३ ॥
 ॥ १९४ ॥ ॥ १९५ ॥ ॥ १९६ ॥ ॥ १९७ ॥ ॥ १९८ ॥ ॥ १९९ ॥ ॥ २०० ॥

विरुध ॥ कूएआचिरेकहोमहामतीमुख ॥ सा० ॥ परदाराहरवीमहापाप ॥
 चित्तविचारोराजनआप ॥ सा० ॥ ३४ ॥ मुंकोएमागेव्यवहार ॥ इमकहे
 वरावेसनतकुमार ॥ सा० ॥ आपोमुऊजायानूम्हेआप ॥ स्यानेउपजावोसं
 ताप ॥ ३५ ॥ सा० ॥ बोढ्योतेहअनंगरतीराय ॥ कहेजेतूतूऊरायनेजाय ॥
 नारीनापीई ॥ एतोपटराणीकरीघरिथापीई ॥ सूचरमुऊमनावेआण ॥ सद
 सदव्यवहारनोएजाण ॥ नारी ॥ ३६ ॥ जिणेअंगीकरीतेहनीनारि ॥ पर
 नारीअमनहीअलगार ॥ ना० ॥ पापपुन्यतोतिहांगणाय ॥ घरमुंकीनेरणमां
 जाय ॥ ३७ ॥ नारी ॥ कहेवुंहोयतसकहेजेजाय ॥ आविसऊरणसनमुख
 धाय ॥ नारी ॥ सांसलीडततेवलीउखिप्प ॥ पोहतोवीलासवतीनेंसमीप ॥ ३८ ॥
 नारीसांसलो ॥ खेदमकरज्योमनमारेह ॥ सोधीलाधीठेतूमचीएह ॥ नारी
 ॥ थोमादिनमांडलस्येविजोग ॥ मतकरज्योमनमांकांयसोग ॥ नारी ॥ ३९ ॥
 बोलीविलासवतीहवेताम ॥ आर्यपूत्रघरणीमुऊनाम ॥ सा ॥ तिणेमुऊनेन
 वीखेदतेकांय ॥ पूढज्योआर्यपूत्रनेसूखसाय ॥ ४० ॥ सा० ॥ वलीआव्यो
 दूतबीजेदिन्न ॥ संसलावेसनतकुमारनेकन्न ॥ सा० ॥ कटुकवयणसूणीजां
 ग्योक्रोध ॥ थयाउजमालतेसघलाजोध ॥ सा० ॥ ४१ ॥ अमरषधरतोमुंके
 ऊंकार ॥ ब्रह्मदत्तनेरणरसबऊसार ॥ सा० ॥ समरसेनकरेसूजआस्फाड ॥
 रोसेनयणकरयांविकराल ॥ सा० ॥ ४२ ॥ भूकूटीचढावीनांपेदृष्टी ॥ वायुवे
 गखमगेंकरीमुष्टि ॥ सा० ॥ रिपूऊदयेकरेतिहांथीप्रहार ॥ वायुमीत्रतेहमां
 सिरदार ॥ ४३ ॥ सा० ॥ मुखअंधारकरेचंफांसिह ॥ क्रोधानलजलतोअबिह ॥
 सा० ॥ पिंगलगंधारउढालेबाहिं ॥ मतंगधरतीकंपावेत्यांहि ॥ ४४ ॥ सा० ॥
 अतीमेघहरण्योमनमांहि ॥ संगरआशनजाणीउढाह ॥ सा० ॥ गिरिदरीमांपम
 ढंदाथाय ॥ देवोसहहसीउतिमत्ताय ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मरणआव्यूंहवेहुकुमुं
 तास ॥ तूम्हेकोप्यासंग्रामनीवास ॥ सा० ॥ तूम्हेरहोऊंजाउंखमगसहाय ॥
 आवुंसूचरनुंवीरयदेखाय ॥ ४६ ॥ सा० ॥ सऊकहेतूमचाकरजोजाय ॥ ते
 हनुंतेजतेहथीनखमाय ॥ सा० ॥ तोतूमचीसीवातकहाय ॥ इणसमेंअजीत

बलातीहांआय ॥ ४७ ॥ सा० ॥ माहरेकाजेंरचिउंविमान ॥ मित्रसहीतवे
 ठेतिणेंथान ॥ सा० ॥ वागांसमरनांमंगलतूर ॥ चाट्याविमानचढ्याबलसू
 रि ॥ ४८ ॥ सा० ॥ जयजयहोवेतिणीवार ॥ गामनगरपूरजोताउदार ॥ सा०
 ॥ पोहतावैताढ्यपर्वतपास ॥ देवीआदेशेंकस्यांहेठिआवास ॥ ४९ ॥ सा०
 सर्वविद्यावसकरवाकाज ॥ अठमकरीकरेपुजासमाज ॥ सा० ॥ संसवीद्याध
 रआव्यापास ॥ वातपोहतीअम्हसत्रुसकासि ॥ ५० ॥ सा० ॥ डुर्मुखनाम
 सेनापतीजेह ॥ मोकलीउंअमसनमुखतेह ॥ सा० ॥ पांचमेंखंढेअढारमी
 ढाल ॥ सापिएवररागबंगाळ ॥ ५१ ॥ सा० ॥ समरादित्यनारासमांसार ॥
 पद्मविजयकहीजय २ कार ॥ सा० ॥ कायरतेथरहरकंपाय ॥ सूरवीरस
 नरुतेथाय ॥ ५२ ॥ सा० ॥ डुल्ला ॥ सनमुखआव्योबलसबल ॥ सांसली
 थयोबळशोर ॥ खडगमेंलीधुंखातिस्यूंजालिमकरवाजोर ॥ ५३ ॥ डतआ
 व्योडुरमुखतणो ॥ बोढ्योआवीवाणी ॥ अनंगरतीनोआवीउं ॥ सेनानीसप
 राण ॥ ५४ ॥ सांसलज्योएकमनसवे ॥ सूमीचरनाभृत्य ॥ कहेवरव्युंति
 णेंकोमिस्यूं ॥ सङ्गथाउंशुसरीती ॥ ५५ ॥ अनंगरतीस्यूंआवीआ ॥ जुध
 करणजयकाज ॥ पणिमुळकरतूम्हेपामिज्यो ॥ परीउताहंषांज ॥ ५६ ॥
 अनंगरतीनवीआवीउंसांसलीसनतकुमार ॥ मुंक्युंखडगतेमांनथी ॥ वेचरवो
 द्यावार ॥ ५७ ॥ चंमसिहउढ्योचटक ॥ सेनानीथईसार ॥ आणाआपोअ
 म्हसणी ॥ बलतीमकरोवार ॥ ५८ ॥ आणाआपीआदरें ॥ कुसूममालतसकं
 ठ ॥ नांषीसेनानीकीउं ॥ आव्योबलहीउळंठ ॥ ५९ ॥ ढाला ॥ कडधानीदेगी ॥ सूर
 रसपुरमुखनूरआणीघणो ॥ चालीआसमरवरकरणदेश ॥ सिद्धगंधर्वसूरअसू
 रजोवामिढ्या ॥ सूरवरेंगगनसरीउंविशेस ॥ ६० ॥ सू० ॥ षचरेंसंगसोळविमानें
 रस्यो ॥ सारतरवारपरहारपढतां ॥ माहोमांहिसडलमेवेऊनायकअफे ॥ करतवे
 ऊंहतप्रहतरोसेचढतां ॥ ६१ ॥ सू० ॥ चंमसीहोअवीहोकहेएहनें ॥ डम्मुहो
 संमुहोआंहीआयो ॥ रेडराचारपरहारकरीआगले ॥ तुळपराक्रमेंमनेंस्तयन
 लायो ॥ ६२ ॥ सू० ॥ करेगदाजुधमांमीतदातेकरो ॥ चंमसिहउपरेंघातविरसो ॥ ते

हवंचावीउक्रोधथीचाविउ॥घातंषमीहवेजमरायसरीसो॥६३॥सू०॥उत्तमांगें
 दिउरंगेपरहारतीमा॥रुधीरवमतोमहादूरखस्वमतो॥जय २ रवथयोतेहजमघ
 रिगयो॥दलसयलजायदशदिशिसमतो॥६४॥सू०॥कुसूमवृत्तिसर्तूविचंमसी
 हनें॥चढिउंवेयदहवइंकूमरनीरतो॥रथनेउरचक्रवालयालपोहतावही॥दो
 यंषचरतसपासधरतो॥६५॥सू०॥तेहजईनेकहेंतूहजीकिमरहे॥जातपोवन
 जपोदेवजाणं॥अहवमुळकोहअनलोहपतंगसम॥थाहवेआहवेकरतनाणं
 ॥६६॥सू०॥सांसलीतिहांबलीदेहलीतेहनी॥धरणीआस्फालतोवयणजंपे॥
 एहसूगोयरोपोयरोस्यूलहो॥आणिमुळमाणिइंमकिमपयंपे॥६७॥सू०॥मुळ
 करवायानलेंएबलेकिमनही॥देषिअंतरहवेरेषनांही॥सूमीअतिआवीउंनर
 मुळनावीउं॥तूमहेंपणिकेमअन्नाणमांहि॥६८॥सू०॥इंमकहीक्रोधल
 हीसैन्यनीजमांतदा॥तूरीवजमावतासमरसेरी॥पढमरणदेषवासक्तिनीजले
 षवा॥सज्जहोयसूतटसज्जकवचपहेरी॥६९॥सू०॥केईकरवालमहाकालजंम
 जीहसो॥सुहृदवररुहीरपीवाअतिती॥करग्रहीमहागयाजाणंअसणील
 या॥धणंकुटीलषलपरेंधरेंअमीती॥७०॥सू०॥केईनीजनारिस्तनफरसन
 व्यग्रथी॥विगरसन्नाहउठाहकीनो॥केईरमणीमृगनयणीआंसूऊरे॥पणि
 सूतटविकटतिहांमननदीनो॥७१॥सू०॥केईरमणीरमणविधनजावाक
 रे॥किममरेमनधरेतूरतआयो॥अपररमणीजलपानकरतांसरे॥सायणन
 यणआंसूऊरायो॥७२॥सू०॥कांईमुठाअतूठावहीरागलो॥दाषवेनारी
 सरतारआंगें॥इंमतिहांदेषीउवेषीफरीआवीआ॥सनतकुमारपुरकहतरांगें॥
 ७३॥सू०॥कटुककर्णेंसूणीरक्तवर्णेंथयो॥सेरीवजमावतोसमरकेरी॥
 प्रलयनोजलयजिमशब्दतिमसज्जकरो॥सजकरेसज्जएकएकपेरी॥७४॥सू०॥
 पीवतांआसवाअमलआरोगता॥शत्रुसंशाकरीफरीजगावे॥ब्रजचामरध्वजा
 प्रगुणकरीसज्जसज्या॥केईचंदनादीअंगेलगावे॥७५॥सू०॥शब्दजय २
 करेअमरषवज्जधरो॥चलतवीमानमनमांनधारी॥पद्मव्यूहेंरच्योसैन्यशुत्तपरेंम
 च्यो॥वामपासेंसमरसेनसारी॥७६॥सू०॥चंमसीहोअवीहोरसोआगलो॥

गायोदेवोसहोजीमणैसायो ॥ भिगलगंधारविचमांरस्योषेचरो ॥ गगनमांग
 नपणैऊंरहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ अत्रुबलसयलतिहांनिकटदेपीवीकट ॥ वेगें
 वायुवेगनेंपुनुंश्म ॥ नामनेंगमशत्रुतणासापीं ॥ तेहकहेगहगहेसूणोप्रेम ॥
 ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कंचनदाढएउगमुहआगलै ॥ वामपासैअशोकोशशो
 को ॥ कालजीहदषिणैलप्यणैहीणो ॥ मध्येविरुपनयणैविलोको ॥ ७९ ॥
 ॥ सू० ॥ पुठैअनंगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमांहिलागा ॥ सू
 रीरणतूरपुरेलेमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीससं
 कुलमहीबज्जलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावई ॥ कूंतअसीसक्तिबज्ज
 हेतिनाषंतिते ॥ सिंहसीआलपरेंबीहलावई ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस
 तालमांहिदिउ ॥ कंचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सौरमहाघोरथयोअनंगरतीसै
 न्यसां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसैं ॥ ८२ ॥ सू० ॥ उठिउठुगीउअनंगरईदूठमई
 समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ ताससनमुखधस्योसमरेऊंनवीखस्यो ॥ सुत
 टअतीवीकटलेईसाथिकेई ॥ ८३ ॥ सू० ॥ म्हेंकसुंखेचरासैन्यबज्जकयलसुं॥ वाद
 तूऊसाथिअवीवादलागो ॥ सूतटमेंकीमहणैपापपुन्यनवीगणै ॥ केममुऊरस्यूं
 जाइंडरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूऊरस्यूंऊऊमुऊएहवो ॥ पेचरांतूचरां
 वादकेहो ॥ समरमांबोलुंमकरतूंएहवुं ॥ जयविजयसापीआकहेस्येएहो ॥
 ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसीहवालएदेपीं ॥ असनीनोमेहमुऊदेहमाथे ॥
 वरसीउकरसीउचमैरयणैकरी ॥ सगवतीगुणवतीमुऊहाथे ॥ ८६ ॥ सू० ॥
 केममायाबलेंइमतूंऊऊतो ॥ आविनीजसूजबलसबलकीजें ॥ इममेंसापीउं
 सिरूसूरसापीउं ॥ इमकहीमाहोमांघाकरीजें ॥ ८७ ॥ सू० ॥ मारीउंसक्तीइंध
 रणीमुऊपानीउं ॥ सयविदूरसैन्यमुऊदैन्यकीधुं ॥ हर्षतरउठेसोरबज्जतेकरो
 जाणैअमेएहनुराज्यलीधुं ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीशिरमांजदा ॥
 तेपफ्योरफवफ्योधरणीपीठें ॥ कललखकारीउतेहनेंवारीउं ॥ ऊंगयोतेहनेपा
 सदिते ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठव्योतेहनेदेईआसासना ॥ जुऊवाऊंजुऊकरतां
 नथाकूं ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोउलहताकूं ॥

॥ १० ॥ सू० ॥ जीतीजेतेहवीद्याबलेषेचरो ॥ जयजयशब्दआकासबोले ॥
 सूरअसूरसिद्धविद्याहरासज्जमिली ॥ कुसूमदृष्टीकरेबहुअमोले ॥ ११ ॥ सू० ॥
 खंमएपंचमेढालजंगणीसमी ॥ सरसरससमरनीएहतापी ॥ समरआदित्यना
 रासमांसली ॥ पद्मविजइंधरीचित्तरापी ॥ १२ ॥ सू० ॥ ॥ १३ ॥
 ॥ दूहा ॥ जयवाजांतिहांवाजीआं ॥ अनंगरतीतवआप ॥ आपतांपणिई
 व्युंनही ॥ जाणीराज्यसंताप ॥ १३ ॥ गयोतपोवनगेदिस्युं ॥ विद्याधरनेंद
 द ॥ परीवरीउपरीवारस्युं ॥ आणिहर्षअमंद ॥ १४ ॥ पुरप्रवेशकीधापठे ॥
 दिठीदूरबलअंग ॥ नारीनयणेंनिरतर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ १५ ॥ विद्याधर
 विस्मयलक्षा ॥ श्रीरूपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचाना ॥
 ॥ १६ ॥ मुऊनेहयंकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायनितीथीदिनम
 मुं ॥ वारुवधतेवाक ॥ १७ ॥ ढाल ॥ वैणमवाज्योरेविठलवारुंतूऊनें ॥ एदेशी ॥
 इमकरतांकोईकलगयोतव ॥ इकदिनपाठलीराते ॥ विलासवतीइंसूपनेंसूतां ॥
 गजदिठोवरगाते ॥ १८ ॥ सवीतूम्हेजोज्योरेपुण्यतणांकलमीठां ॥ एआंक
 णी ॥ ऐरावणसखिषोचउदंतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवयणें
 पेठो ॥ जागीतेहवेतसम ॥ १९ ॥ सवी० ॥ हरषवसेंमुऊनेंसंसलावे ॥ म्हेंपणि
 साप्युंतास ॥ सयलववीद्याधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूऊगुणनीराशि ॥ २० ॥
 सवी० ॥ सांसलीहर्षलहेतेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुंकमेंशुतदिने
 जायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेधेरुंती ॥ १ ॥ सवी० ॥ मंजरीकादासीइंसूतनें ॥ ज
 नमेंरायवधाव्यो ॥ दानदेईतेहनेंसंतोषी ॥ दालिद्रदूरंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी० ॥
 अजीतबलापरसावेंपांम्यो ॥ राज्यलवलीसूतएह ॥ मासथयोतवाचितीअजी
 तबल ॥ नामठव्युंगुणगेह ॥ ३ ॥ सवी० ॥ अनुंकमेंकुमरसावतेपांम्यो ॥ इण
 अबसरम्हेविचार्युं ॥ बहुदिनमातपीतामिलीयाथ्या ॥ तिणेंमिलवुंइमधा
 र्युं ॥ ४ ॥ स० ॥ मावित्रडःप्रतीकारजसाण्यां ॥ २१ ॥ इतिह्येलेषे ॥ सद्ध
 नस्युंसोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतबला
 देवीनेंआसय ॥ साप्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्युंविमानतेतेहमां ॥ वेठोलेई

[illegible]

॥ ए० ॥ सू० ॥ जीतीउतेहवीद्याबलेषेचरो ॥ जयजयशब्दआकासबोले ॥
 सूरअसूरसिद्धविद्याहरासकुमिली ॥ कुसूमदृष्टीकरेबहुअमोले ॥ ए१ ॥ सू० ॥
 खंफएपंचमेढालउगणीसमी ॥ सरसरससमरनीएहतापी ॥ समरआदित्यना
 रासमांसली ॥ पद्मविजइंधरीचित्तरापी ॥ ए२ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ दूहा ॥ जयवाजांतिहांवाजीआं ॥ अनंगरतीतवआप ॥ आपतांपण्डि
 ब्युंनही ॥ जाणीराज्यसंताप ॥ ए३ ॥ गयोतपोवनगेदिस्युं ॥ विद्याधरनेदं
 द ॥ परीवरीउपरीवारस्युं ॥ आणिहर्षअमंद ॥ ए४ ॥ पुरप्रवेशकीधापठे ॥
 दिठीदूरबलअंग ॥ नारीनयणेंनिरसर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ए५ ॥ विद्याधर
 विस्मयलक्षा ॥ श्रीरूपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचाना ॥
 ॥ ए६ ॥ मुऊनेकैयकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायनितीथीदिना
 मुं ॥ वारुवधतेवाज ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ वैणमवाज्योरेविठलवारुंतूऊनें ॥ एदेशी ॥
 इमकरतांकोईकालगयोतव ॥ इकदिनपाढलीराते ॥ विलासवतीइंसूपनेंसूतां ॥
 गजदिठोवरगाते ॥ ए८ ॥ सवीतूम्हेजो ज्योरेपुण्यतणांफलमीठां ॥ एआंक
 णी ॥ ऐरावणसर्षिषोचउदंतो ॥ धनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवयणें
 पेठो ॥ जागीतेहवेताम ॥ ए९ ॥ सवी ॥ हरषवसेंमुऊनेंसंतलावे ॥ म्हेंपणि
 साण्युंतास ॥ सयलवदीयाधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूऊगुणीराशि ॥ ६०० ॥
 सवी ॥ सांसलीहर्षलहतेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुक्रमेंशुलदिवे
 जायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेधरंती ॥ १ ॥ सवी ॥ मंजरीकादासीइंसूतनें ॥ ज
 नमेंरायवधाव्यो ॥ दांनदेइतेहनेंसंतोषी ॥ दालिप्रदूरेंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी ॥
 अजीतबलापरसावेंपांम्यो ॥ राज्यलवाम्हीसूतएह ॥ मासथयोतवचित्तीअजी
 तबल ॥ नामठव्युंगुणगेह ॥ ३ ॥ सवी ॥ अनुक्रमेंकुमरसावतेपांम्यो ॥ इण
 अवसरम्हेविचार्युं ॥ बहुदिनमातपीतामिलीयाथ्या ॥ तिणेंमिलवुंइमधा
 र्युं ॥ ४ ॥ स० ॥ माविचडःप्रतीकारजसाण्यां ॥ शीकृष्णस्थेलेषे ॥ सद्ध
 नस्युंसोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी ॥ अजीतबला
 देवीनेंआसय ॥ साप्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्युंविमानतेतेहमां ॥ बेठोलेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ तवी० ॥ पोहतोत्वेतंबिकाउद्याने ॥ पवनगतीमोकलिउ ॥
 वातसूणीजबतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउ ॥ ७ ॥ तवि० ॥ नृप
 देवीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ ऊनिजबऊपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेवीनेमावोत्र ॥
 अतीआणंददीलधारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआमंवरेंकीधो ॥ रहिति
 हांकेईकदिन ॥ तामलिमिनयरीइपोहतो ॥ स्वसूरनेमीलवामन ॥ ९ ॥
 ॥ स० ॥ विलासवतीजेदिनथीगई ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिद्धादेशवचनथी
 सधलो ॥ परमारथजिएंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनंगवतीउपरिवऊरीसें ॥
 धमधम्योईज्ञानचंद ॥ तेहनेंबऊप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ११
 ॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहारहीआ ॥ कालक्रमें
 मुऊमाततातनें ॥ धरमसूपतीइपहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुऊलघुसाईजश
 कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोसार ॥ वेअठगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल
 पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूरवमांतिहांऊराज्यपालंतो ॥ इणअवसरतिहांआ
 व्या ॥ अमणगुणेंशोतीतचउनाणी ॥ वऊशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥
 त्रिआंगदनामेंआचारय ॥ मुऊनेंकसुंपरीवारें ॥ जईआमंवरस्युंम्हेंवंध्या ॥ ध
 र्मेलासदिउत्यारें ॥ १५ ॥ स० ॥ मुनीकहेमुऊनेंसांसलिसूपती ॥ पुण्यकर्याते
 पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥ स० ॥
 पुण्यकहोकीमकरीइगुरुजी ॥ इमम्हेंपुण्युंजांम ॥ समसंवेगमुलजिनदरशी
 त ॥ धर्मकहेगुरुताम ॥ १७ ॥ स० ॥ धरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अ
 णंव्रतलीधांवार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुण्युं ॥ कहोप्रसूकरोउपगार ॥ १८ ॥
 ॥ स० ॥ प्रियाविरहदूखजनीतसंतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वसवेसी
 करणीकीधी ॥ किमफिरीरीक्षिप्रीयापामी ॥ १९ ॥ स० ॥ वीशमीढालएपंचमे
 खंमे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांसलोगुरुमुखपद्मथीसाषे ॥ पुरवसवसूवीला
 स ॥ २० ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ सरतषेचइणमेंसुं ॥ नयरकंपिलपुरनाम ॥ चंद्रगुप्तराजाचतूर ॥
 वारूतेहनेंवांम ॥ २१ ॥ जयासुंदरीजगजाणीई ॥ रामगुप्तअसीराम ॥ नामें

सूततूंगुणनीलो ॥ रुपवंतजोमराम ॥ २२ ॥ उत्तरापयप्रवनीपती ॥ धुआता
 सगुणधाम ॥ हारप्रसाजिमहरप्रीया ॥ वारुतेकरीवाम ॥ २३ ॥ आव्योवसंत
 तेअन्यदा ॥ सवनदिधिकासावि ॥ नरनारीनिरतांबिडं ॥ किमाकरेतिऐंकाल
 ॥ २४ ॥ वाविकांठेरंसावनें ॥ कुंकुमरागकृतअंग ॥ बेठाजबवेऊंजणां ॥ स्त्री
 सरतारसुसंग ॥ २५ ॥ ढाल ॥ सावरमतींआवीलांतरपुरजो ॥ एदेशी ॥ इ
 णअवसरि एकहंसजुगलतिहांआवीउरें ॥ तेंकरलीधीहंशलीकौतूककामजो ॥
 हंशतेलीधोनारींकरमारंगस्थूरे ॥ कुंकुमरंगथीफसल्यांहायथीतामजो ॥ २६ ॥
 ॥ सांसलज्योतूम्हेअदपनीदानंफलेधणरे ॥ एआंकणी ॥ एकएकनेंउलषेन
 हीकुंकुमरागथीरे ॥ विरहेंपिमीतमरवानापरिणामजो ॥ करेतेरुंधीसाशनइंपा
 णीमांपज्यारे ॥ पणिकोईविचित्रजाणोकर्मपरिणामजो ॥ २७ ॥ सां ॥ कं
 ठगतप्राणथयातवडखउपनुंघणरे ॥ वलीतेनीरेंकुंकूमरंगधोवायजो ॥ सा
 वीसावथीउंचुंजोइंतवबिडुरें ॥ तवअन्योन्येरागथकीउलषायजो ॥ २८ ॥
 ॥ सां ॥ एहकरमतूम्हेबांध्युंविरहनुंआकरुंजो ॥ एहतेजाणोतूमचोकर्मप
 रीणामजो ॥ म्हेंचित्युंअहोअदपनिदानबळफलेरो ॥ तिऐंहेवेमाहरेपरब्रज्यास्युं
 कामजो ॥ २९ ॥ सां ॥ म्हेंकसुंसगवनमुळउपरिकिरपाकरीजो ॥ सांसलतांनिज
 चरीत्रथयोवैरागजो ॥ सवअटवीउतारोदिहाआपिनेंजो ॥ गुरुकहेजिमसुखउ
 पजेतिममहासागजो ॥ ३० ॥ सां ॥ देईराज्यअजीतबलकूमरनेंमेंतदाजो ॥ करी
 उदघोषणापूर्वकदिधुंदानजो ॥ वसूसूतीराणीपरीजनपरीवारस्थूरे ॥ त्रिधीदिहा
 सूणिजयकुमरनिदानजो ॥ ३१ ॥ सां ॥ एहविशेषकारणम्हेम्हासुंसाषीउंजो ॥
 जयकहेशोसनकारणएहवीशेसजो ॥ सवअटविथीउतरीइंप्रसूकिणीपरेंजो ॥
 उतरीनेंकहोजावुंकिऐदेशजो ॥ ३२ ॥ सां ॥ गुरुकहेअटवीद्रव्यसावडसे
 दथीजो ॥ द्रव्यअटवीनोसांसलितूंदृष्टांतजो ॥ कोईनगरथीनगरांतरजावात
 णीजो ॥ कोईसार्थपउदघोषणांणिवृत्तांतजो ॥ ३३ ॥ सां ॥ मुळसाथेजे
 आवेतेहनेंपोहचवुरें ॥ इमसांसलीबळसाथययोतससाथिजो ॥ मारगनागु
 णदोषतेसाथनेंदाषवेरे ॥ सांसलज्योइंणमारगढेदोयपायजो ॥ ३४ ॥ सां ॥

एकसरलनेवीजोवक्रतेजाणींजो ॥ पणितेवक्रैवक्रकालेपोहचायजो ॥ सू
 खथीजातांअंतेंशुजुमांअवतरेजो ॥ लहींश्रुतिपुरसूखनोसमुदायजो ॥ ३५ ॥
 ॥ सां० ॥ रीजुमारगवक्रपासेंपणिअतिसांकमोजो ॥ वक्रकष्टेपोहचांश्रुति
 तसहेरजो ॥ अतीवीषमतीहांउतरतांवीहामणोजो ॥ वाटेवीधनकारीहरीवाघ
 नमहेरजो ॥ ३६ ॥ सां० ॥ मारगमांपणिउतरवातेनवीदींजो ॥ तेहनैआप
 पराक्रमथीकरीध्वंशजो ॥ जईस्युंपणिपूँठि२ आवस्येजो ॥ पुरमांपोहवी
 श्रुतिहांलगेएहनोअंसजो ॥ ३७ ॥ सां० ॥ उनमारगेपगमुंकेतोलेमुलथी
 जो ॥ मारगेहीमेंतेउपरिनहीजोरजो ॥ आगळिजातांरुषमनोहरआवस्येजो ॥
 स्निग्धसुगंधीपत्रकुसूमवक्रमोहोरजो ॥ ३८ ॥ सां० ॥ शीतलढायाओसेजे
 हनीरुअमीजो ॥ पणितिहांवेठापामेंजीवविणसजो ॥ तोषावानीवाततोजाणो
 वेगलीजो ॥ तिहांनवीबेसज्योजोधरोजीवनआसिजो ॥ ३९ ॥ सां० ॥ वली
 बीजांपणिफामशम्यांपम्यांआवस्येजो ॥ पांफुपत्रकूसूमफलवर्जिततेहजो ॥
 नहिमनोहरवीसामोकरवोपमेजो ॥ मुहूर्तमात्रतोकरज्योशुभमनरेहजो ॥
 ॥ ४० ॥ सां० ॥ मारगकाठेवेठापुरुषघणाहस्येजो ॥ रूपमनोहरनेवली
 मीठांवयणजो ॥ तुम्हनेतेमस्येआवोश्रंहापणिमार्गवेजो ॥ तेहनुंवचननसू
 एवुंनजोवुंनयणजो ॥ ४१ ॥ सां० ॥ रुणपणसाथथीमंतरहेज्योकोईवे
 गलारे ॥ एकाकीनेंतयनीश्वयहोयप्रायजो ॥ दावानलथोमोपणिअप्रमादी
 यईर ॥ उलववोअन्यथावक्रअनरथथायजो ॥ ४२ ॥ सां० ॥ उंचोपर्वत
 उपयोगेंउलंघवोजो ॥ तेउपयोगवीनाजांश्रंहाणतेठामजो ॥ वंशजालअतीगढ़
 रगुपीलउलंघवीजो ॥ उपद्रवहोयतिणेंनवीकरवोविश्रामजो ॥ ४३ ॥ सां० ॥
 एकषाजिलघुमारगजातांआवस्येजो ॥ नाममनोरथसटवेठोनीतपासजो ॥
 तेकहेस्येएषामलगारेकपुरज्योजो ॥ पणिनवीपुरज्योमनमांआणीतासजो ॥
 ॥ ४४ ॥ सां० ॥ जोपुरस्योतोमोहटीवधतीतेजस्येरे ॥ तिणेंअवगणनाकरी
 नेंजावुंसायजो ॥ फलकिपाकनांपंचजातीनांमनोहरूजो ॥ नवीजोवांनवीषा
 वांस्वादवणायजो ॥ ४५ ॥ सां० ॥ महावीकरालपिशाचतेवावीसवाटिमांजो ॥

षण् २ उपद्रवकरस्तांगणवानाहिजो ॥ निरसविरससातपाणीतेपणिदोहीदूजो ॥
 पेदनकरवोवावरतांतेमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणतेकरवुंमुञ्जआ
 णावहीजो ॥ वहेवुंनियमासतेपणिदोयजांमजो ॥ इमजातांअटवीषेमैंउलंघा
 इजो ॥ निवृत्तिपुरपांमीजेंसूखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ क्लेशउपद्रवतिण
 नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहत्त्रेउपनयककुंसारजो ॥ सारथवाहतेत्रणिलो
 कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोदेवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सां० ॥ आह
 पणी १ विह्वेपणी २ संवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ
 तेयजो ॥ तेउदयोषणामोरुनाअरथीजीवमाजो ॥ साधनालोकतेसाथेंयया
 अमेयजो ॥ ४९ ॥ सां० ॥ अटवीचिङ्गतीभ्रमणकरणनीजाणीइजो ॥ सा
 धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ आवकधर्मतेवांकोमोमुपोहोचवुंजो ॥ पणिअंते
 मुनीधर्ममांआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सां० ॥ इतिपुरतेशीवनगरीसोहामणी
 जो ॥ जिहांनहीजनममरणनेंसोगनसोगजो ॥ वार्धासिधदोयरागद्वेषबहुउपद्र
 वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइसंजमजोगजो ॥ ५१ ॥ सा० ॥ अमणपणंदीधेपणिके
 मिमुंकेनहीजो ॥ जिनवस्मारगचुकानेंगलीजायंजो ॥ नारीपशुपंमगसंजुत
 वसतीयकाजो ॥ तेहजरुंषजाणोजसमनोहरढायजो ॥ ५२ ॥ सा० ॥ निरवय
 वसतीशमितपंमुरदलरुंषमांजो ॥ पासढादीकजेउपदेशविरुधजो ॥ दायकतेमा
 रगतटबेंठाबहुजनाजो ॥ तेवयरीसमबोलावेथईशुखजो ॥ ५३ ॥ सा० ॥ साथीजन
 तेंअमणशीलंगरथधारकूजो ॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो ॥ वंशजालमा
 यालघुषामीतेलोसनीजो ॥ मनोरथसटतेईढारूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥
 थोमीपणिपुरीइंतोपारनपामीइजो ॥ शब्दादिक्रनाविषयतेफलकिंपाकजो ॥
 जेहवावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ संजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो
 ॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिइंअरसविरसमुनीआहारजेंजो ॥ नित्यप्रयाणते
 जाणोअप्रमादजो ॥ वेपहोररातेंपणिसजायतेनीतकरेजो ॥ पणिपरेंअटवीउ
 लंघेआढ्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंअनुंकमेशीवनगरीसूखशाश्वतेंजो ॥
 सांस्तलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामजो ॥ जयकूमरेंगुरुपासेंतेअंगीकस्यां

जो ॥ पेठोनयरीमांपोहतोनीजठामजो ॥ ५७ ॥ सा ॥ जुवराज्येंयाप्योनि
 जतातेतेहनेंजो ॥ नीत २ सेवेमुनीवरसनतकुमारजो ॥ सापीपद्मविजयएपं
 चमखंममांजो ॥ ढालश्वीसमीसूणतांजयजयकारयो ॥ ५८ ॥ सा० ॥
 ॥ ५९ ॥ मासकलपकरीमुनीवरू ॥ विचस्याश्रीसगवंता ॥ आवेंघणसिरींहाकि
 ऐ ॥ तेसूणज्योवीरतंत ॥ ५९ ॥ नारकमांथीनीकली ॥ संसरीवज्रसंशार ॥ अ
 नंतरसवेअनुंसव्यो ॥ अज्ञानकष्टअपार ॥ ६० ॥ मरणलहीजयकूमर
 नो ॥ अनुजययोघणईठ ॥ विजयनामतसगवीठ ॥ कूमरथयोजकीठ ॥
 ॥ ६१ ॥ विजयनेंजयवल्लसनही ॥ कालगयोश्मकांय ॥ कर्मविचित्रथकी
 लस्यो ॥ मरणतेहमहाराय ॥ ६२ ॥ जयकुमारराज्येंठव्या ॥ सऊंमिली
 सामंत ॥ विजयद्वेषलहीबिलपिठ ॥ सऊंथईनासंत ॥ ६३ ॥ सामंतमं
 गलेंसमझिनें ॥ बांध्योमरनीबाहिं ॥ वारवटिउजेवाहिरे ॥ दूरवेदेवेदिलमांहिं
 ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ थाहरामोहलाउपरिमेहजुबुकेवीजलीहोला ॥ ऊठु० ॥
 एदेसी ॥ शिणअवसरिप्रतीहारीआवींमवीनवेहोला ॥ आव० ॥ द्वार
 देशेंतूमजननीआवीठेहवइंहोला ॥ आवी० ॥ कांयककार्यउदेसीदरीशण
 असीलपेंहोला ॥ दरि० ॥ तववृपसंभमपामीगयोतससनमुखेंहोला ॥
 ॥ ६५ ॥ गयो० ॥ कहेमातातूम्हेकेमपथास्यांइहालगेंहोला ॥ प० ॥ तवरो
 तीकहेसूतशोकानलबज्रजगेंहोला ॥ शो० ॥ सूतनेंजीवीतदानआपोतव
 वृपवदेहोला ॥ आ० ॥ कुणथीसयएकूमरनेंतवराणीवदेहोला ॥ त० ॥
 ॥ ६६ ॥ प्रतीपक्षीनेंजतनथीराषवोवृपथितीहोला ॥ रा० ॥ अन्यसामंतप्रे
 र्थाथीउपप्रवनीततीहोला ॥ उ० ॥ मतकरोइंमवीचारीराज्यचितकनरेंहो
 ला ॥ रा० ॥ किधुंकामतेमुळपणिगमतूंआदरेंहोला ॥ ग० ॥ ६७ ॥ पणि
 एहनेंतनुंबाधानथांतिमकरोहोला ॥ न० ॥ तववृपकहेजोमातप्रतीपक्षी
 एषरोहोला ॥ प्रति० ॥ तोकूणनिजपक्षीकहेमातजीमाहरेहोलाके ॥ मा० ॥
 किमकरोवातउसांइहांआवीपादरेंहोला ॥ इ० ॥ ६८ ॥ मांहीलावीदेईआ
 शनवेठोशिणपरेंहोलाके ॥ वे० ॥ रेरेलावोकुमारनेंरोक्योजिणपरेंहोलाके ॥

रो० ॥ तेहनेतेमवापुरसगयातवन्पमनेहोलालके ॥ ग० ॥ चितवैराज्यएके
 हवुंजेहथीइमबनेहोलालके ॥ जे० ॥ ६९ ॥ राज्यमहंतनरेजुजवातएसीकरी
 होलालके ॥ बा० ॥ बंधुजननेराज्यलढीएदूरवकरीहोलालके ॥ ल० ॥ परम
 प्रमादहेतूफलकमुंआजेहनांहोलालके ॥ क० ॥ विदितसंशारस्वरुपनेकि
 ममानेमनांहोलालके ॥ कि० ॥ ७० ॥ राज्यदेईकुमारनेमातनेसुखकरुंहोला
 लके ॥ मा० ॥ एहराज्यबहुदोषनीधाननेपरीहरुंहोलालके ॥ नी० ॥ इणअ
 वसरपूरवकृतकर्मनादोषथीहोलालके ॥ क० ॥ वधपरीणामवध्योनुपउपरि
 रोषथीहोलालके ॥ उ० ॥ ७१ ॥ आव्योसूपतीपाससिहांसणैयापीउहोला
 लके ॥ सि० ॥ कनककलससरीनीरसूगंधेव्यापीउहोलालके ॥ सू० ॥ एकदि
 इनिजहाथिबिजासामंतनेहोलालके ॥ बि० ॥ करीअस्तीषेकनमीपदपुढेमा
 तनेहोलालके ॥ पु० ॥ ७२ ॥ मातगयोशोकानलतबजननीकहेहोलालके ॥
 त० ॥ इंधणथीकहोअनलतेकिमहानिलहेहोलालके ॥ की० ॥ सूपतीकहे
 कारणकिस्यूनवीजाणंअम्होहोलालके ॥ न० ॥ मातकहेनरकांतएराज्य
 जाणोतूम्होहोलालके ॥ रा० ॥ ७३ ॥ नगणैसूकृतकापुरुषउचितजाणैनहीहो
 लालके ॥ उ० ॥ कालअनागतदेषेनवीषयमुज्योसहीहोलाल ॥ न० ॥ स्वर्ग
 तथाअपवर्गस्वाधीनजेसुखअढेहोलालके ॥ स्वा० ॥ तेतेआचरेराज्यांधपुरु
 षजीमसवीगढेहोलाल ॥ पु० ॥ ७४ ॥ अचितचितामणीरत्नसमानएनरस
 वोहोलाल ॥ स० ॥ हारीनेएराज्यथकीनरगेंजवोहोलाल ॥ थ० ॥ तूतोराज्य
 नेयोग्यजाणंतूजलरुणैहोलाल ॥ जा० ॥ राज्यमांपापपुण्यतुजअनुंजतेन
 हीगणैहोलालके ॥ अ० ॥ ७५ ॥ मित्रकुमीत्रमलेतिणैपापतेआचरेहोलाल
 के ॥ पा० ॥ तेहवुंपापनहीजगजेएहनवीकरेहोलालके ॥ जे० ॥ तिणैआशं
 कतीएहनैतेतूजनीपजेहोलालके ॥ ते० ॥ किमसोकानलबुकेनेंटाढिकसंप
 जेहोलालके ॥ टा० ॥ ७६ ॥ सूपतिकहेसूणोमातस्यानेतूम्हेंदूरवधरोहोला
 लके ॥ स्या० ॥ कुमरविचरुणनेलेउंचरणतेऊंषरोहोलालके ॥ च० ॥ योआ
 णामुजमातजीआतमहीतकरुंहोलालके ॥ आ० ॥ मातकहेसूणोपुत्तजीएनही

प्राधं होला ॥ ए० ॥ ७७ ॥ पालोप्रजाजुवराज्यवो कुमरप्रते होला
 ॥ उ० ॥ सूपकहे एहवातवीरुधते सांप्रती होला ॥ वि० ॥ करीराज्यनो असी
 षेकं हवे किमपादटे होला ॥ ह० ॥ चित्तविरक्तसंशरथीति ऐं मुं ऊं एघटे हो
 ला ॥ ति० ॥ ७८ ॥ द्योआणामुजअमणपणंजिमलीजीं होला ॥ प० ॥ श्मकही
 मातनें चरणविचें शिरदिजीं होला ॥ वि० ॥ मातकहे जीमतूममनमानें तीमकरो
 होला ॥ मा० ॥ पिणमुं नेतुमें साथिले शें संचरो होला ॥ दि० ॥ ७९ ॥ नृपकहे
 जीवीतमरणसंजुत्तवषाणीं होला ॥ सं० ॥ सूकृतकर्याविणं दूरकसंस्थां शें प्रां
 णिं होला ॥ स० ॥ डरलसनरत्तवधर्मजीणं दनोदोहीलो होला ॥ जि० ॥ तव २
 एसंसारसंजोगते सोहि होला ॥ सं० ॥ ८० ॥ तिणें अंबातुम्हे जुक्तविचार्युं
 चित्तस्युं होला ॥ वि० ॥ हवे ते विजयकुमारनें शिष्येनीति स्युं होला के ॥
 शी० ॥ एहप्रजाप्रतीपादणकरज्योहे जस्युं होला के ॥ क० ॥ जिमनसंता
 रेतातनें लहीउदवे जस्युं होला ॥ ल० ॥ ८१ ॥ पूर्वपुरुषअजितजसमदिनन
 कीजीं होला के ॥ म० ॥ राजरीषीनुंचरीवसदां धरीजीं होला ॥ स० ॥
 जिमनरत्तवसफलोहो श्तेमकरीजीं होला के ॥ ते० ॥ हवे सामंतनें शीष्ये
 मचरीजीं होला के ॥ इ० ॥ ८२ ॥ तुमचो एराजानतात परें लेषज्यो होला ॥
 ॥ ता० ॥ कुमारप्रजानें हीतकरमतउवेषज्यो होला ॥ म० ॥ उत्तयलोकसूख
 कारकतूमेवर्तावज्यो होला ॥ तू ॥ श्मकरीकुलअनुरुपसदाजसपावज्यो हो
 ला ॥ स० ॥ ८३ ॥ केईकहेतुमविरहें अम्हे डखआणीआ होला ॥ अ० ॥
 पणितूमश्रुतिविघ्नकरकुणप्राणीआ होला ॥ क० ॥ वलिपरलोकसाधनस
 णीनरपतीउठीआ होला के ॥ न० ॥ तवतसवचनप्रसंसकरे नृपपूठीआ होला
 ॥ क० ॥ ८४ ॥ सनतकुमारआचार्यसमीपें जायवा होला ॥ स० ॥ जिणेसमेउ
 ठीयाआतमतत्वनीपायवा होला ॥ त० ॥ पद्मविजयकहे तिणेंसमेजेवण्युं तेक
 ऊं होला के ॥ जे० ॥ पंचमखंममांढालवावीसमीं श्मलऊं होला ॥ वा० ॥ ८५ ॥
 ॥ उह ॥ प्रवृत्तिमुनीनीपेषवा ॥ मुं क्योमाहणजेहासीधारयनामें सखर ॥ तव
 तिहां आव्योतेह ॥ ८६ ॥ स्वामीमनोरथसीधला ॥ सनतकुमारसूरीस ॥ आ

व्यातिडकवनइहां ॥ उठेसूणीअवनीश ॥ ८७ ॥ सातआठपदसनमुखें ॥
 रोमांचितजईराय ॥ बंदिचाट्योवांदवा ॥ साथेंसऊसमवाय ॥ ८८ ॥
 सामंतादिकसऊमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतंत ॥ महादानमहामोठवें ॥
 दिनादिकनेंदित ॥ ८९ ॥ पुजाविवीधप्रकारनी ॥ विरचावेविधीसार ॥
 देहरेसर्वजीणंदनें ॥ आदरधरीअपार ॥ ९० ॥ सुततिथीकरणदीवसलही ॥
 रथबेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यूं ॥ जुगतीथकीनृपजाय ॥ ९१ ॥ ठा
 च ॥ टुंकअनेंढोलाविचरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुंपस्युरे ॥ नरपतीचाट्यो
 जाय ॥ संजमरंगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतारे ॥ अरथीइतिदाय ॥ ९२
 ॥ सं० ॥ लोकअठेरूंदेष्टतारे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ सं० ॥ कालनहीदीक्षा
 तणारे ॥ अहोदघुवयसूविचार ॥ ९३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ ड
 रकधरेबंजलोक ॥ सं० ॥ अंगुलीइंशेषावतारे ॥ लोकधरेमनशोक ॥ ९४ ॥
 सं० ॥ तूरसबदथाइंघणारे ॥ केईकहर्षधरंत ॥ सं० ॥ धन२ एहनीमावनीरोधन
 २ तातकहंत ॥ ९५ ॥ सं० ॥ बंदिबोलेविरुदावलीरे ॥ इममोटेमंजाण ॥ सं० ॥
 गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिडूकवनउद्यान ॥ ९६ ॥ सं० ॥ सनतकुमारसूरी
 कनेरे ॥ मातसहीतसूपाळ ॥ सं० ॥ मुख्यप्रधानेंपरवरयोरे ॥ चारित्रलिशंत
 काल ॥ ९७ ॥ सं० ॥ रायनयरनाजनसऊरे ॥ बंदिनिजघरिजाय ॥ सं० ॥
 मासकलपपुरेथयेरे ॥ गुरुविचरेअन्यथाय ॥ ९८ ॥ सं० ॥ सूत्रसण्याबऊ
 षांतिस्युरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ अमणपणंतेपाळतारे ॥ निरतू
 नीरतीचार ॥ ९९ ॥ सं० ॥ विजयसूपतीहवेचितवेंरे ॥ अहोनवीमारयोए
 ह ॥ सं० ॥ जातोरस्योएहाथिथीरे ॥ हवेकरूंकारणकेंह ॥ १०० ॥ सं० ॥
 निजविश्वासीनरप्रतरे ॥ घातकमुंकेराय ॥ सं० ॥ घातकनरचितचित
 वेंरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ सं० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीइरे ॥ इमकरी
 पाठाजाय ॥ सं० ॥ नृपनेंकहेअमेमारीउरे ॥ तवचपहरषीतथाय ॥ २ ॥
 सं० ॥ हवेजयमुनीइमचितवेंरे ॥ जईप्रतिबोधूंसाय ॥ सं० ॥ सावीस्म
 वसंबंधथीरे ॥ संजमसनमुखथाय ॥ ३ ॥ सं० ॥ आणामागीगुरुतणीरे ॥ के

ईकमुनीपरीवार ॥ सं० ॥ स्वजनआलोकनकारणैरे ॥ आव्यापुरनेवार ॥
 ॥ ४ ॥ सं० ॥ सुणिकोप्योधातकप्रतेरे ॥ तेनाव्यानरतेह ॥ सं० ॥ पुढेकहो
 कीममारिउरे ॥ कुणयानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी
 रे ॥ बोल्यातेनरतांम ॥ सं० ॥ केशअलंकारविणअम्हरे ॥ नविउलपीआ
 जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूठिउरे ॥ कोईदेपीअणगार ॥ सं० ॥ जय
 मुनीकहोतूमेकिहांअठेरे ॥ तिणेंदेषाम्योठार ॥ सं० ॥ आनागदेहरेएरखोरे ॥ क
 रतोनीश्वलध्यान ॥ सं० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मांरयोअमेतिणेंथान ॥
 ॥ ८ ॥ सं० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरखोइंम ॥ सं० ॥ नहितो
 आवेकिहांथकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ए ॥ सं० ॥ पणिहजीकांयगयुंन
 थोरे ॥ मारस्युंहवइंणठाम ॥ सं० ॥ मान्युंतेपुरसेंतिहारे ॥ हवेवंदननेकांम
 ॥ १० ॥ सं० ॥ जईमुनीचरणनेवंदिआरे ॥ चर्मलासदिउंताम ॥ सं० ॥ ११ ॥
 करुणाईसंसलावीउरे ॥ जिनवरसापीतधर्म ॥ सं० ॥ नविविरम्योसंशारथीरे ॥
 मुनीजाण्योतसमर्म ॥ सं० ॥ १२ ॥ पंचमखंमेएकहीरे ॥ चेवीसमीवरढाल ॥
 सं० ॥ पद्मविजयकहेरासमारै ॥ मृणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ सं० ॥ ॥था॥
 ॥ १४ ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूरखडखकर्मपसाय ॥ संशारीसज्ज
 सत्वने ॥ निरतोजाणैन्याय ॥ १४ ॥ सूरखइंतेप्राणीसयल ॥ सूरखनुंमुलसूध
 र्मातेहुनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसंजोगपरम्म ॥ १५ ॥ लोगवीपुलसोसाग्यता ॥
 निरोगतानिरधार ॥ अवलंवनकरीआकरुं ॥ चर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥
 सज्जस्युंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीइं ॥
 ॥ १७ ॥ धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल ॥ देगीहमचमोनी ॥ सांसलीसूपतीइंणियरे
 ते ॥ मरणनोसयइंणेंलागो ॥ तिणेंइंमवोलेठेपणिसांसलो ॥ हवइं ॥ हांजा
 सागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ इमचितीकहेस्यामीसाचूं ॥ पणिमुणेंज्योमुअ
 वात ॥ जेदिनथीतूम्हेदिक्कालोधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥ १९ ॥ ह ॥ चर्मक
 रवामांम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुमुंकीधुं ॥ इहीयोमीवेलापठीचाट्यो ॥ गेहसली
 दीलदीधुरे ॥ २० ॥ ह ॥ एहडराचारीनेमारुं ॥ आजजहाथेंरातां ॥ साईमुनी

व्यातिडकवनइहां ॥ उवेसूणीअवनीश ॥ ८७ ॥ सातआठपदसनमुखें ॥
 रोमांचितजईराय ॥ वंदिचाव्योवांदवा ॥ साथेंसऊसमवाय ॥ ८८ ॥
 सामंतादिकसऊमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतंत ॥ महादानमहामोठवें ॥
 दिनादिकनेंदित ॥ ८९ ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥ विरचावेविधीसार ॥
 देहरेसर्वजीणंदनें ॥ आदूरधरीअपार ॥ ९० ॥ सुततिथीकरणदीवसलही ॥
 रथवेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यू ॥ जुगतीथकीनृपजाय ॥ ९१ ॥ ठा
 ल ॥ हुंकअनेंदोमाविचरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुंपस्युरे ॥ नरपतीचाव्यो
 जाय ॥ संजमरंगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतारे ॥ अरथीश्रितदाय ॥ ९२ ॥
 ॥ सं० ॥ लोकअठेहंदेपतारे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ सं० ॥ कालनहीदीक्षा
 तणारे ॥ अहोलघुवयसूविचार ॥ ९३ ॥ सं० ॥ आजअनाथयईपुरीरे ॥ ड
 रकधरेवजलोक ॥ सं० ॥ अंगुलीइंदेपावतारे ॥ लोकधरेमनशोक ॥ ९४ ॥
 सं० ॥ तूरसवदयाइघणारे ॥ केईकहर्षधरंत ॥ सं० ॥ धन२ एहनीमावमीरो ॥ धन
 २ नातकहंत ॥ ९५ ॥ सं० ॥ वंदिवोलेविरुदावलीरे ॥ इममोटेमंमाण ॥ सं० ॥
 गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिदूकवनउद्यान ॥ ९६ ॥ सं० ॥ सनतकुमारसूरी
 कनेरे ॥ मातसहीततूपाळ ॥ सं० ॥ मुख्यप्रधानेंपरवरयोरे ॥ चारित्रलिशंत
 काल ॥ ९७ ॥ सं० ॥ रायनयरनाजनसऊरे ॥ वंदिनिजघरिजाय ॥ सं० ॥
 मासकलपपुरेथयेरे ॥ गुरुविचरेअन्यगय ॥ ९८ ॥ सं० ॥ सूत्रतण्याबऊ
 पांतिर्युरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ अमणपणंतपालतारे ॥ निरतूं
 नीरतीचार ॥ ९९ ॥ सं० ॥ विजयसूपतीहवेचितवेंरे ॥ अहोनवीमारयोए
 ह ॥ सं० ॥ जातोरयोएहाथिथीरे ॥ हवेकरुंकारणकेंह ॥ १०० ॥ सं० ॥
 निजविश्वासीनरप्रतेरे ॥ घातकमुंकेराय ॥ सं० ॥ घातकनरचितांचित
 वेंरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ सं० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीशे ॥ इमकरी
 पाठाजाय ॥ १ ॥ पनेंक ॥ २ ॥ तबनृपहरषीतथाय ॥ २ ॥
 सं० ॥ हरे ॥ धूंसाय ॥ सं० ॥ तावीस
 वसंवंधय ॥ ॥ आणामागीगुरुतणीरे ॥ के

ईकमुनीपरीवार ॥ सं० ॥ स्वजनआलोकनकारणैरे ॥ आव्यापुरनेंवार ॥
 ॥ ४ ॥ सं० सुणिकोप्योघातकप्रतेरे ॥ तेमाव्यानरतेह ॥ सं० ॥ पुढेकहो
 कीममारिउरे ॥ कुणयानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी
 रे ॥ बोढ्यातेनरतांम ॥ सं० ॥ केशअलंकारविणअम्हेरे ॥ नविउलषीआ
 जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूठिउरे ॥ कोईदेषीअणगार ॥ सं० ॥ जय
 मुनीकहोतूमेकिहांअठेरे ॥ तिणेंदेषाम्योठार ॥ सं० ॥ आनागदेहरेएरस्योरे ॥ क
 रतोनीअलध्यान ॥ सं० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मांरयोअमेतिणेंथान ॥
 ॥ ८ ॥ सं० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरस्योईम ॥ सं० ॥ नहितो
 आवेकिहांथकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ९ ॥ सं० ॥ पणिहजीकांयगयुंन
 थिरे ॥ मारस्युंहवईंणगाम ॥ सं० ॥ मान्युंतेपुरसेंतिहारै ॥ हवेवंदननेंकांम
 ॥ १० ॥ सं० ॥ जईमुनीचरणनेंवदिआरे ॥ धर्मलासदिउंताम ॥ सं० ॥ ११ ॥
 करुणाईंसंतलावीउरे ॥ जिनवरसापीतधर्म ॥ सं० ॥ नविविरम्योसंशारथीरे ॥
 मुनीजाण्योतसमर्म ॥ सं० ॥ १२ ॥ पंचमखंमेएकहीरे ॥ चेवीसमीवरढाल ॥
 सं० ॥ पद्मविजयकहेरासमारै ॥ सृणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ सं० ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूरवडखकर्मपसाय ॥ संशारीसऊ
 सत्वनें ॥ निरतोजाणेंन्याय ॥ १४ ॥ सूरवइठेप्राणीसयल ॥ सूरवनुंमुलसूध
 र्मातेहनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसंजोगपरम्म ॥ १५ ॥ सोगवीपुलसोसाग्यता ॥
 निरोगतानिरधार ॥ अवलंबनकरीआकरुं ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥
 सऊस्युंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीई ॥ सयल
 धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल ॥ ॥ देशीहमचमीनी ॥ सांसलीनूपतींणिपरेचि
 ते ॥ मरणनोसयइणेंलागो ॥ तिणेंईमबोलेठेपणिसांसलो ॥ हवईंकिहांजास्ये
 सागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ ईमचितीकहेस्वामीसाचूं ॥ पणिसुणेंज्योमुऊ
 वात ॥ जेदिनथीतूम्हेदिक्कालोधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥ १९ ॥ ह ॥ धर्मक
 रवामांम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुमुंकीधुं ॥ ह्दीथोमीवेलापढीचाढ्यो ॥ गेहत्तणी
 दीलदीधुरे ॥ २० ॥ ह ॥ एहडराचारीनेंमारुं ॥ आजजहाथैराते ॥ साईमुनी

उपरिंमउपजे ॥ क्लिष्टकरमनीवातेरे ॥ २१ ॥ ह० ॥ पुरवघातकपुरुषने
 तेम्या ॥ रयणींस्कस्योविचारा ॥ चालोआपणमारींएहने ॥ एहउष्टआचारो ॥
 ॥ २२ ॥ ह० ॥ चंद्रआथम्योजिणीवेलाइ ॥ तवतेपुरुषनेंलेई ॥ जयअणगार
 समीपेपोहतो ॥ दिठोचितमुंदेईरे ॥ २३ ॥ ह० ॥ पवनरहितथानीकजिमदि
 वो ॥ तिममुनीकाणमांलीनो ॥ तिब्रकरवायउदयथीतिणें ॥ नरगेंजवामनकी
 नोरे ॥ २४ ॥ ह० ॥ अधीककरवांस्वमगतैकाढ्युं ॥ सुकृतवासनानाठी ॥
 करमपरिणतेआषोगंलीउ ॥ कोपअनलचढीसाठीरे ॥ २५ ॥ ह० ॥ ग्रीवादे
 शेएकप्रहारें ॥ मस्तकदूरेंनांप्युं ॥ विजयरायनांएहअकारज ॥ इंसज्जमु
 नींआष्युरे ॥ २६ ॥ ह० ॥ अहो२कर्मतणीगतीजुउ ॥ जिवचरीत्रविचि
 त्र ॥ इमकहीसज्जमुनीवरखसीआ ॥ जयअणगारपवित्ररे ॥ २७ ॥ ह० ॥ मै
 त्रीसावसंयलजीवउपरि ॥ ध्यानथकीनवीचढीआ ॥ निजतनुउपरिममतन
 आण्यो ॥ हिलीमिलीसमतामिलीआरे ॥ २८ ॥ ह० ॥ ढीणप्रायहवेपापकर
 मढे ॥ लेश्याशुस्वसाव ॥ संजमथिरताधीरजधोरी ॥ आसनसीद्धिस्वसावरे ॥
 ॥ २९ ॥ ह० ॥ शुत्तपरीणामेंकायतजीनें ॥ सूरलोकआनतनामें ॥ नवमेदेवलोकेंते
 पहोता ॥ सूरवसागरनेंधामेरे ॥ ३० ॥ ह० ॥ सिरिप्रत्तनामविमानेंआयु ॥
 सागरतासअठार ॥ सांसलज्योहवेविजयरायनो ॥ जेकज्जुंअधिकाररे ॥ ३१
 ॥ ह० ॥ महापुरुषनोघातकरीनें ॥ आत्मकृतारथमानें ॥ निजमंदिरआवीनें
 नीत २ ॥ वरतेपापसथानेरो ॥ ३२ ॥ ह० ॥ साधुविहाणेंविहारकरीनें ॥ गयागुरुनें
 पासें ॥ सज्जवत्तांतसूणाव्योगुरुनें ॥ तिमसमताअन्त्यासैरे ॥ ३३ ॥ ह० ॥
 पश्चात्तापघणोगुरुकीधो ॥ अहोसीससूसीसो ॥ तेदिनथीतेवीजयरायनें ॥
 पापउदयसूजगीसोरे ॥ ३४ ॥ ह० ॥ व्याधीवेदनावज्जअनुंसवतो ॥ हत्याअ
 नुमोदंतो ॥ आयुषइतेचोथीनरगें ॥ पंकप्रसाइपोहतोरे ॥ ३५ ॥ ह० ॥ दस
 सागरआयुसोगवतो ॥ जयविजयएदोय ॥ साईनोअधिकारकस्योहवे ॥ दं
 पतीजिणीपरेहोयरे ॥ ३६ ॥ ह० ॥ ढालचोविसमींइणिपरेंसाषी ॥ पंचमेखं
 मेपुरी ॥ पंचमखंमसंपुरणकुउ ॥ वातनरहीअधुरीरे ॥ ३७ ॥ ह० ॥ वैशा

पवदिविजेणपुरो ॥ विसलनगरेंकिधो ॥ श्रीबीजयांसहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
 बीजयसूप्रसीधोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तांसकपुरविजयवरकोविंद ॥ विमावि
 जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोतागी ॥ जिनविजयसुजगीसरो ॥ ३९ ॥ ह० ॥
 उत्तमउत्तमविजयकहायां ॥ ताससिसमतिवंतो ॥ गीतारथसमतानासाग
 र ॥ जेमहिमाईमहंतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपाससूपसाई ॥ समरा
 दित्यनोरासं ॥ पद्मविजयगणीताषेसूणतां ॥ घरि २ लिखवीडासरे ॥ ४१ ॥
 ॥ ह० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्रियपंतीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयंग० त्रिप्यपं० पद्म
 बीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेजयविजयसहोदरयोः
 संगतयोःपंचमोनेरस्त्रःसमाप्तः ॥ सर्वगाथापंचमखंमे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
 थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ उहा ॥ श्रीकल्याणप्रसूपासजी ॥ करनासवीकल्याण ॥ पादपदमतसूप्रण
 मीई ॥ महीभाजसमंजाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुंसदा ॥ समरादित्यसरूप ॥
 वर्णवंतांमुळवदनमां ॥ आवीवशोअनुरूप ॥ २ ॥ पंचमखंमप्रेमेकरी ॥ पुर
 णकस्योप्रमाण ॥ हवेढगेखंमऊंसिथी ॥ ओतासूणोसूजाण ॥ ३ ॥ जंबुद्धी
 पलषजोयणो ॥ तेहमांसारतषेत ॥ माकंदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसंकेत ॥
 ॥ ४ ॥ अधरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक
 ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥ ५ ॥ प्रियबोलेसऊप्राणीआ ॥ सरलस्वतावीसार ॥
 धर्मिनेहीव्रतधणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकस्यो ॥ बैरी
 नैविकराल ॥ सऊननयननेंससीसमो ॥ करुणावंतंकुपोल ॥ ७ ॥ ढाल ॥
 सावआवकनाताषीई ॥ एदेशी ॥ नगरसेउचुनामणी ॥ बंधुदत्ततिहांकृगुणो ॥
 परतणी ॥ नारिथिउपरांगोरहई ॥ ८ ॥ पणिप्रारथनाईनही ॥ परधनेनीरलो
 सीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणंमानहीए ॥ ९ ॥ असंतूटपरउपगारें ॥
 धनआगममानहीक्यारें ॥ तेप्यारें ॥ दलिडीनहीवीत्तवथीए ॥ १० ॥ सूरतरूप
 रिखंधउपरि ॥ पादमुंकीफलवऊपरें ॥ तिणिपरें ॥ अर्थनिवहफलसोगवेए ॥
 ॥ ११ ॥ हारप्रसातसत्तामिनी ॥ कुलरूपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ साथें

सुखनेसोगवेए ॥ १२ ॥ आनतकटपथीअवतरयो ॥ सूरआउषोपुरोकरयोधि
 उरधरयोधि ॥ हारप्रसांसुपनलस्योए ॥ १३ ॥ उज्वलकरिवरेकनकने ॥ कल
 सेजेसीचंतीरे ॥ सोहंतीरे ॥ मुक्ताफलहारेंकरीए ॥ १४ ॥ दिव्यकमलउपरि
 रहि ॥ चिवरधवलधरंतीरे ॥ पहेरंतीरे ॥ विविधरतनकटिमेखलाए ॥ १५ ॥
 उत्तरवस्त्रेढांकीआ ॥ स्तनजुगकमलकरैरस्यारि ॥ बज्रमहमस्यारि ॥ भ्रमरगुंजार
 वतिहांकरेए ॥ १६ ॥ एहवीलषमीदेवता ॥ उदरपेसतीदीगीरे ॥ मीगीरे ॥
 लागीजागीहरषस्युंए ॥ १७ ॥ संसदाव्युत्तरतारने ॥ तवत्तरतातसस्तासेरे ॥ था
 स्येरे ॥ लषमीनीवाससूतताहरेए ॥ १८ ॥ सांसलोधर्मकरेसदा ॥ प्रसवस
 मयक्रमेआयोरे ॥ जायोरे ॥ बालकपुरणदिहामलेए ॥ १९ ॥ सेठवधाव्योदा
 सीइ ॥ दिधुंदांसंतोसरे ॥ पोसरे ॥ किधोहरषतणोघणोए ॥ २० ॥ मासथयो
 जबतेहने ॥ तवनामधरणतसदीधुरो ॥ सिधुरो ॥ पीतामहनुंजेहतूँए ॥ २१ ॥ कुमरता
 वपाम्योजदा ॥ कलाग्रहीतिणेंबज्रतदरी ॥ एसदा ॥ जब्धिपदानुंसारीनीपनोए ॥
 ॥ २२ ॥ विजयजिवहवेनारकी ॥ नरकमांथीनीकलीउरे ॥ रुलिउरे ॥ बज्र
 संशारमांअनुक्रमेए ॥ २३ ॥ लगतेसर्वेकांयतपकरी ॥ इणपुरेकार्तिकनामेरे ॥
 शुसधामेरे ॥ जयासायाकूषेंउपनोए ॥ २४ ॥ पुत्रीपणेंतेअनुक्रमे ॥ लषमीइ
 णेंअस्तीधानेरे ॥ शुसवानेरे ॥ जौवनपांमीबादीकाए ॥ २५ ॥ कर्मपरीणांम
 अचिंतथी ॥ वलिस्ताबीस्तावनाजोगथी ॥ कर्मसोगथी ॥ महाआमंभरेपरणीयांए
 ॥ २६ ॥ रागघणोलढीउपरि ॥ धरणनेपणिनाहितासरे ॥ मुऊपासरे ॥ रषेआ
 वेइमाचिंतवेए ॥ २७ ॥ इमविषयविटंवणासारीषा ॥ सोगवतांगयोकोईका
 लरे ॥ सूरसाजरे ॥ मदनमोहबवआव्योअन्यदाए ॥ २८ ॥ मलयसुंदरउद्या
 नमां ॥ क्रिमाकरवाहेतेरे ॥ सूसंकेतेरे ॥ रथवेशीधरणोगयोए ॥ २९ ॥ पोह
 तोदरवाजेहवे ॥ इणेंअवशरेदेवनंदीरे ॥ पंचनंदीरे ॥ सेठनोपुत्रसोहामणोए
 ॥ ३० ॥ क्रीमाकरीउद्यानमां ॥ रथवेशीवट्योपाठोरे ॥ आठोरे ॥ तेदरवाजे
 आवीउए ॥ ३१ ॥ आमोसाहमाबिजुंमिट्या ॥ ठेखंमेठोगाजारे ॥ मठराजारे ॥
 ठालप्रथमपदमेंकहिए ॥ ३२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ६८ ॥ मारगलघुरथमोटिका ॥ समकालेनशमाय ॥ देवनंदीकहेदावथी ॥
 धरणनेसाहमोधाय ॥ ३३ ॥ उत्सारोरथशंथकी ॥ आवेमुजरथआम ॥ कहे
 धरणसंकमासिमां ॥ नफरेमुजरथनाम ॥ ३४ ॥ तिणेंउसारोतूमतणो ॥ रथ
 जिमथांश्राह ॥ तवेदेवनंदीत्रामीउ ॥ आणीअंगउठाह ॥ ३५ ॥ कहोतूमथी
 उणिमकीसी ॥ अममांढंकांइआज ॥ रथतिणेंकुंकिमफेरवुं ॥ धरणकहेधरी
 लाज ॥ ३६ ॥ एतोसमबिजुनेअठे ॥ बिजुंथाकावलवंत ॥ राजपंथरोक्योर
 थें ॥ कोईकोईनेनकहंत ॥ ३७ ॥ वातनगरमांविस्तरी ॥ कारणआनेकानि ॥
 पोहतीतवपंचेमली ॥ न्यांकरतान्यान ॥ ३८ ॥ ढाल ॥ अठोरंगलाज्योरेमां
 णिगरमहाराजा ॥ एदेशी ॥ आठोन्यायकरज्योरेचातूरचोवटीआ ॥ एआं
 कणी ॥ आलोचकरतारेनयरीमहर्षिका ॥ एतोदोयशेठमहंतमहंत ॥ आ ॥ गोरु
 तेहनारेअतिउठांढला ॥ वारीनसकीइएहनेतंता ॥ ३९ ॥ आ ॥ जईनिभंगोरेदोयकु
 मारने ॥ इमसीषामणअतीघणीदेह ॥ आ ॥ च्यारजणमुक्यारेवयथीपरणम्या ॥
 धरमारथमांविशारदतेह ॥ ४० ॥ आ ॥ वचनविन्यासकुसलसमताघणी ॥
 धरमीधरमसहाय ॥ आ ॥ इहपरलोकअपायदेषायवा ॥ निपुणघणाकृत
 न्याय ॥ ४१ ॥ आ ॥ बळमतजननेरेतेच्यारेजण ॥ आव्यातेकुंअरपासा ॥ आ ॥
 उत्साथईनेरेआदरदेघणो ॥ हवेशिक्कादिशंतास ॥ ४२ ॥ आ ॥ पुरव
 जकेरारेधनथीमानस्यो ॥ नविअकमायातूमैकोय ॥ आ ॥ केणेंकमाईनेरे
 दानदिधुंघणं ॥ जिणेंजसजगतमांहोय ॥ ४३ ॥ आ ॥ मातपीतानेरेकेणेंशं
 तोषीआ ॥ केकरयोदिनडखीनोउधार ॥ आ ॥ केकांयधर्मनुरेकाजकरावी
 उं ॥ फोकटस्योरेअहंकार ॥ ४४ ॥ आ ॥ बुधजनतूमचीरेहासीकरेशदा ॥
 उत्सारोतूमेशणाम ॥ आ ॥ निज २ ठामथीरेरथपाठाकरो ॥ तूमचोवकर
 जाइआंम ॥ ४५ ॥ आ ॥ हरप्योत्तापेरेदेवनंदिपरुं ॥ लाज्योधरणकुमार ॥
 आ ॥ कहेतूमहेअमनेरेशीषदीधीपरी ॥ मुऊनेपमोरेधीकार ॥ आ ॥ ४६ ॥
 हासीऊरेएहचरीवथी ॥ काचागरससमान ॥ आ ॥ मानुंमाहरोरेआतमशंणिप
 रो ॥ तूमहेतोबुधीनीधान ॥ ४७ ॥ आ ॥ रथउत्सारोरेजईदेशांतरे ॥ पांमीप्रव्य

अपार ॥ वरसेंदिवसेंजेकरस्येघणो ॥ दिनअनाथजधारा ॥ ४८ ॥ आ० ॥ पेससे
 तेहनोरैरथआगलियकी ॥ तवतेबोढ्यामहंत ॥ एहहवाग्रहरेस्यानेंतूम्हेंकरो ॥
 तवतिहांधरणबोलंत ॥ ४९ ॥ आ० ॥ आताअमनेरेतेविणनवीहोई ॥ तवबो
 ढ्यातेहच्यार ॥ एतोजाणैरेनयरमहर्षिका ॥ धरणकहेधरीप्यार ॥ ५० ॥ आ०
 जणवोतेहनेरेअमेंजास्युंषरा ॥ देवनंदीकहेआम ॥ दोषनएहमारिसूषेईमज
 करो ॥ संसलावेतसतांम ॥ ५१ ॥ आ० ॥ सेठनयरनारेमिलीबोलावीआ ॥
 तेहनामातनेंतात ॥ वातसूणावीरेतवअंगीकरे ॥ समदिधासूवीख्यात ॥ ५२ ॥
 आ० ॥ साहाज्यनकरवुंरेनीजसूतनुंतूम्हें ॥ बोलाव्यातिहांदोय ॥ दिनारपण
 लखरेबिऊनेंजुजुआ ॥ आपेमहाजनसोय ॥ ५३ ॥ आ० ॥ पत्रलिखाव्यो
 रेबिऊनाहायनो ॥ वरसेंदिवसेंजेकोईआया ॥ अधीकपराक्रमरेनिजद्रव्येंकरी ॥
 फोरवस्येजेहसांया ॥ ५४ ॥ आ० ॥ तेहनोरथवररेआगलिचालस्ये ॥ मुद्रितकिथो
 तेहनोपत्त ॥ मुंक्योकागलरेपुरसंमारमां ॥ हवश्चालेतेहजत्त ॥ ५५ ॥ आ०
 सांमतेलीधारेयोग्यजेहनेंहतां ॥ उत्तरापंथेंचाढ्योएक ॥ बिजोपुरवरेदीशत
 णीचालीउ ॥ मनमांधरतोतेटेक ॥ ५६ ॥ आ० ॥ चितवेलठिरेगयोदेशांतरे ॥
 मलस्येकहोहवेकेम ॥ मारीनसकीरेहवेकिममारीई ॥ उपनोषेदतेईम ॥ ५७ ॥
 आ० ॥ एकप्रयाणतेहवेपोहचीआ ॥ तवतसमातनेंतात ॥ पुत्रतनुंनीरेचिता
 करणें ॥ पुढिमहर्षिकनेंसवीवांत ॥ ५८ ॥ आ० ॥ वडूरोबिऊनीरेमोकली
 पुंठिथि ॥ साथेंसबलपरीवार ॥ निज २ पतिनेरेतेआवीमिली ॥ पाम्याहरष
 अपार ॥ ५९ ॥ आ० ॥ ठेखंमेरेढालबिजीकही ॥ एतोसलीसमरादित्यनेंरा
 स ॥ पद्मकहेरेसूणोआगले ॥ सूणतांलीलवीदास ॥ ६० ॥ आ० ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ इहा ॥ नितप्रयाणनवनंबुं ॥ एकदिनदिवूंईम ॥ साथवहंतेंसामटे ॥ धर
 णेधारीप्रेम ॥ ६१ ॥ वनमांएकविद्याधरो ॥ सौम्यरुपसीरदार ॥ उपमे
 नेअवनीपमे ॥ पासगयोधरीप्यार ॥ ६२ ॥ पंषबिऊणोपंषिउ ॥ उपमेपमे
 अपार ॥ तिणिपरेंकेमकरोतूमे ॥ पुढेएहप्रकार ॥ ६३ ॥ गमनउठक
 गगनेंघणा ॥ पणिनजवांईप्राय ॥ वातकहोवहेलायई ॥ कहेवाजेहवीकांय ॥

॥ ६४ ॥ आरुतिदेषीएहनी ॥ बलिवचनविन्यास ॥ चमत्कारलहीचित्तमां ॥
 सणेंतेएहवीसास ॥ ६५ ॥ ढाल ॥ वीरवषाणीराणीचलणंजी ॥ एदेशी ॥
 अमरपुरवैताढ्यपरवतेंजी ॥ तिहांजुंवीद्याधरपुत्त ॥ हेमकुंफलइंणनामथी
 जी ॥ नांहीवीद्याधरसूत ॥ ६६ ॥ अमर ॥ एकदिनएकविद्याधरुजी ॥ वि
 धूनमालीतीहांआय ॥ तातनोमीत्रतिणेंपुठिउंजी ॥ आमणडमणाकीमसाय ॥
 ॥ ६७ ॥ अम ॥ तेहपगकहेमुळतातनेंजी ॥ विंऊथीआवीउंएथ ॥ वाटिमां
 उजेणीनयरीइंजी ॥ सिरिप्रसनामनृपतेथ ॥ ६८ ॥ अम ॥ जयसीरीनामते
 हनेंधुआजी ॥ कोकणनृपसूतनाम ॥ नवीअशिसूपालनेंदिधलीजी ॥ जाच
 तांपणितिणेंतांम ॥ ६९ ॥ अम ॥ वठनृपपुत्रश्रीवीजयनेंजी ॥ आपतोतेह
 नोतात ॥ क्रोधचढीउंशिमुपालनेंजी ॥ आवीउंचितवीघात ॥ ७० ॥ अ ॥
 विवाहअवसरेंनीकलीजी ॥ मयएनीपुजनीमीत्त ॥ तेहविचमांथीहरीगयो
 जी ॥ पामीआसऊतिहांसीत ॥ ७१ ॥ अम ॥ श्रीवीजइंकेलीकीधीघणी
 जी ॥ युइलागुंतेअपार ॥ गोमविजयसिरीदेईवड्योजी ॥ पणितसगाढपरहा
 र ॥ ७२ ॥ अ ॥ वेदनाथीघणंज्याकूलोजी ॥ नारीदेषीकहेइंम ॥ एहजी
 मस्येंतवजीमस्यूंजी ॥ अन्यथामाहरेनेम ॥ ७३ ॥ अम ॥ तेहमहाडखमां
 हिंपमीजी ॥ तांसदूरखदेषीऊंएम ॥ तातसंशारकहेएहवोजी ॥ डःखदायकन
 हिखेम ॥ ७४ ॥ अम ॥ खेदमकरोएहवातमांजी ॥ सांसड्युंहेतवते
 ह ॥ त्रितव्युंकारिहिमवंतगयोजी ॥ उषधीनोनगगेह ॥ ७५ ॥ अम ॥
 गंधर्वरतीमुळमीत्रस्यूंजी ॥ तेहगांधर्वकूमार ॥ उषधीबलयउग्युंतीहांजी ॥
 एकवरगुफामऊरि ॥ ७६ ॥ आ ॥ तेकहेमुळनेंसांसडोजी ॥ लोकनीसा
 चलीवात ॥ मंत्रमणीउषधीकेरमोजी ॥ मोटोप्रसावकहेवात ॥ ७७ ॥ अ ॥
 एहउषधीनोमहीमासूणोजी ॥ खडगप्रहारेकरीजास ॥ हाफजोकापीआंहो
 यतोजी ॥ जिवीतनीनहीआस ॥ ७८ ॥ अ ॥ नीरमांएहपवालीनेंजी ॥
 ठांठिइंएहजोवारि ॥ वेदनानेंवणरुऊवेजी ॥ ततषीणदिवप्रतीकार ॥ ७९ ॥
 अ ॥ तेसणीतिहांजईलावीइंजी ॥ टालिइंसिरीवीजयदूरक ॥ विद्यासंसारि

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीलस्रोसूरक ॥ ८० ॥ अम ० ॥ उषधीलेई
 तिहांथीवद्योजी ॥ रषेश्रीजयदूरवथाय ॥ तिणेंकरीवेगथीचालतांजी ॥
 आवीउंइंहीजठाय ॥ ८१ ॥ अह ० ॥ विश्रामनिमीत्तइंहांउत्तरयोजी ॥ शौ
 चकस्युंचरणनुंतांम ॥ कृणेरहीचालवामनकस्युंजी ॥ विद्यासंतारीतेजांम
 ॥ ८२ ॥ अम ० ॥ अस्तीनवत्तण्योतिणेंवीसस्युंजी ॥ वलीगमनसंभममुळ ॥
 पदएकसांत्तरयुंनहीमुनेंजी ॥ तिणेपहुंएकस्युंतुळ ॥ ८३ ॥ अम ॥ धरणक
 हेस्युंकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेंकरीनृपसूतविणससेजी ॥
 एमुळडरकबळथाय ॥ ८४ ॥ अम ० ॥ पेदबळउपजेचित्तमांजी ॥ नवीय
 योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेधरणकूमार ॥ ८५ ॥
 अम ० ॥ कल्पसंतलाववानोहोइंजी ॥ तोमुळआगलेंताषि ॥ तेहपदजोकदी
 मुळजमेजी ॥ तोमानुंपांमीआलाष ॥ ८६ ॥ अम ० ॥ तेहविद्यासंतलावतो
 जी ॥ तुरतपदपुरीउंतेण ॥ हरषीउंहेमकुंमलघणंजी ॥ नृपसूतजीवीउंजेण ॥
 ॥ ८७ ॥ अम ० ॥ स्युंतुळउपगरीइंकहोजी ॥ बोलीउंधरणकूमार ॥ जाउंइ
 णितकरोसीवथीजी ॥ तिणेंथयोमुळउपगार ॥ ८८ ॥ अम ० ॥ हेमकुंमलक
 हेसांतलोजी ॥ तूम्हेतोमोहटामहाताग ॥ उषधीवलयषंमआपीउंजी ॥ कर
 ज्योउपगारधरीराग ॥ ८९ ॥ अम ० ॥ प्रार्थनासंगकीमकीजीइंजी ॥ लीधीउषधी
 तिणेंतांम ॥ साथसेलाथयाधरणतेजी ॥ हेमकुंमलगयोठाम ॥ ९० ॥ अ ० ॥
 खंमठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजइंएढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
 सूणतांहोयमंगलमाल ॥ ९१ ॥ अ ० ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥
 ॥ उहा ॥ केईकवासरव्यतीकम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ साथसऊआवासीउं ॥
 धरणोसाहसधीर ॥ ९५ ॥ इणिअवसरिआमाजतां ॥ दिठांत्तीलतेदीन ॥ वसवृद्ध
 नीगलिनां ॥ जलविनुंहोयजिममीन ॥ ९६ ॥ कृष्णवरणकोदंमकरे ॥ शुनकदं
 दवलीसाथ ॥ रीतानरहेरानमां ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९७ ॥ पासतेमीनेंपुढिउं ॥
 कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९८ ॥ कालसे
 नकंलीउंअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ फोकटनसरे

फाल ॥ ६ ॥ ठाल ॥ शीताहोप्रीयाशीतारामप्रसाती ॥ एदेशी ॥ एकदिन
 होप्रसूएकदिनसृणिउंकांनि ॥ केसरीहोइहांकेसरीआव्योउद्यांनमांजी ॥ ए
 कलोहोतेहएकलोनीकल्योबाहारी ॥ सरधनुंहोलेइसरधनुंपुस्योमानमांजी
 ॥ ७ ॥ अंतरेंहोरस्योअंतरेंवमनेंसीह ॥ दिगोहोनवीदीगोतिऐंपासंगयोजी ॥
 सीहेंहोकरयोसीहेंपुठिथीघात ॥ लेईहोसीललेईकटारीसाहमोथयोजी ॥ ८ ॥
 मारयोहोतेहसीहनेंमारयोताम ॥ मस्तकहोखंमस्तकखंमजोमेहरीजी ॥ चि
 तवेंहोतवचितवेअमचोस्वामि ॥ निश्वयहोअमेनीश्वयथीजास्यूंमरीजी ॥
 ॥ ९ ॥ बलस्यूंहोअमेबलस्युंअगनीमांपेसि ॥ नारीहोसृणेंनारीतासगरस्तव
 तीजी ॥ वारीहोपणिवारीनरहेतेह ॥ बलवाहोहवइबलवानेंआवीउतीजी ॥
 ॥ १० ॥ तातनेंहोतसतातनेंतेमवाअम्ह ॥ मुक्याहोतिऐंमुक्यानारीउगार
 वाजी ॥ यास्येंहोकिमयास्येंअमपतीसूर ॥ शकतीनहोअमशकतीनतेहउगा
 रवाजी ॥ १ ॥ इखीआहोअम्हेदूषीआनहीउपाय ॥ स्त्रीपरंहोअम्हेस्त्रीपरें
 केवलरोईंजी ॥ बोल्याहोतवबोल्याधरणकूमार ॥ नरनुंहोइमनरनुंपत्यसवी
 षोईंजी ॥ २ ॥ दाषवोहोमुऊदाषवोपल्लीनाथ ॥ जीवेहोकदीजीवेतोजीवा
 मीईंजी ॥ पमीआहोतेहपमीआचरणेंताम ॥ चालोहोप्रसूचालोतूम्हनेंदेशानी
 ईंजी ॥ ३ ॥ जोतूम्हहोप्रसूजोतूम्हअनुंगहबुद्धि ॥ तोतूम्हेहोप्रसूतोतूम्हेचालो
 उतावलाजी ॥ रखेहोप्रसूररकेयायवीनाश ॥ उषधीहोयहीउषधीनेंधस्यांपा
 वलांजी ॥ ४ ॥ परवस्योहोनीजपुरपेंपरवस्योतेह ॥ बेसरहोवरवेसरअसवारी
 करीजी ॥ पोहतोहोतीहांपोहतोदिगोतेह ॥ वमनेहोतलेंवमनेंपासेंचयधरीजी ॥
 ॥ ५ ॥ रुधीरेंहोतसरुधीरेसीचीदेह ॥ स्नेहेंहोवलीस्नेहेंनारीतीहांरुईंजी ॥ सव
 रेहोकहीसबरेंस्वामीनेंवात ॥ उठवाहोजायउठवातवसूईंईंजी ॥ ६ ॥ धरणें
 होतवधरणेंमाग्यूंनीर ॥ आण्यूंहोजलआण्यूंनलिनीपानमांजी ॥ उषधीहो
 तिहांउषधीनाषीमाहि ॥ शिरनोहोखंमशिरखंमजोम्योसांनमांजी ॥ ७ ॥
 पांणिहोगांठ्युंपांणीगांठ्युंत ॥ व्रणनवीहोतवव्रणनवीतिहांदिगोजराजी ॥
 महीमाहोतसमहीमाअगमअपार ॥ उठिहोतेहउठीनेंवेगोधराजी ॥ ८ ॥ अ

धीकुं होय युं अर्धी कूं पूर्व थी रूप ॥ घरणी होवली घरणी हरषी अती धणी जी ॥ ला
 गो होहवे ला गो पल्ली पती पाय ॥ साषे होतू म्है साषे जी वीत दी उं मुळ तणी जी ॥ १० ॥ किं जे
 नारी हो प्रसूनारी सग सा एह ॥ उगरी हो प्रसू उगरी अम आसा फली जी ॥ करीं होह
 वं करीं जेक होतेह ॥ बोले होतव बोले धरण करी मती सली जी ॥ १० ॥ किं जे
 हो दया की जे दया सवी जीव ॥ बोळ्यो होतव बोळ्यो काल से न आणी मया जी ॥ पा
 रधी हो कर्म पारधी न करुं कांम ॥ जिवुं हो जिहां जिवुं तिहां पालुं दया जी ॥ ११ ॥
 धरण हो कहे धरण कर्युं सवी कांम ॥ इम कही होतेह इम कही नी जथानि क गया
 जी ॥ नवन वां होतेह नवन वां करतां प्रयाण ॥ जातां होहवे जातां के ई क दिन थ
 या जी ॥ १२ ॥ पोहता होतेह पोहता आयामुही गाम ॥ सूप मां होहवे सूप मां
 साथ ते उतर्यो जी ॥ पाषी नो हो कस्यो पाषी नो कस्यो उपवास ॥ धरणे हो निजे ध
 रणे आतम उधर्यो जी ॥ १३ ॥ तिणे स मे हो तिहां तिणे स मे एक चं माल ॥ तिषी
 होत स तिषी पधेशूली धरी जी ॥ गेरु होत स गेरु इली प्यो गात्र ॥ चोरन हो पणि चो
 रन चोर पसो करी जी ॥ १४ ॥ विरसुं होवली विरसुं मि मि म वाय ॥ जाये हो ले ई
 जाये जुवान ने मारवा जी ॥ देषी होतेह देषी मोह टो साथ ॥ बोले हो नही बोले मुळ
 डख वारवा जी ॥ १५ ॥ सुणज्यो हो सऊ सुणज्यो महा सरगाम ॥ वासी हो नामे
 वासी नामे मोरी उं जी ॥ कामे हो जतां कां मे कू स स्थल गाम ॥ तल वरे हो मुळ तल
 वरे इणी परे धोरी उं जी ॥ १६ ॥ दोष हो मुळ दोष नथी इहां कांय ॥ गोमवो हो मुळ
 गोमवो सरणांगत प्रते जी ॥ सुणज्यो हो वली सुणज्यो एक मुळ वात ॥ मरणथी हो
 बळ मरणथी डख बळ सांगत प्रते जी ॥ १७ ॥ पुरवज हो मुळ पुरवज थयानी कलं
 क ॥ मेळूं हो कस्युं मेळूं कूल मे माहरुं जी ॥ गोमवो हो तिणे गोमवो दिन दयाल ॥ बी
 रूद हो कांय बीरूद दयानुं ताहरुं जी ॥ १८ ॥ सांसली होतव सांसली धरण कू मा
 र ॥ चितवे हो चित चितवे चोरन एह ठे जी ॥ वचने हो करी वचने जाण इम ॥ त
 लवर हो कहेत लवरने कहे जेह ठे जी ॥ १९ ॥ खमज्यो होतू म्है खमज्यो मुळ स
 मात्र ॥ सूप ने हो प्रव्य सूप ने प्रव्य दे ई करी जी ॥ गोमवुं हो कदी गोमवुं सांग्य जो होया
 तेक हे हो जाउतेक हे जाउसी घज चरी जी ॥ २० ॥ माला होली इमाला मुक्ती फल

साथ ॥ सहसहोदयसहसदीनारनीतेतलीजी ॥ सेटीहोतपसेटीनेकहेवत्तां
 त ॥ किधोहोतपेकिधोपसायनरअटकलीजी ॥ २१ ॥ आवीहोतिहाआवी
 मुंकाव्योचोर ॥ जिवितहोतूहेजिवीतदिधुंमुत्तपरेजी ॥ तापिहोश्मतापीतल
 वरनेवाणि ॥ पाणेनेहोतेहपाणेनेआसासनाकरेजी ॥ २२ ॥ बरेहोखेमेबरे
 चोयीढाल ॥ तापीहोएहतापीअतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोतबीजाणोदया
 लूश्म ॥ वाणीहोएहवाणीपद्यविजयमणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५५ ॥
 ॥ उहा ॥ संबलतसदेईसपर ॥ बोलाव्योतेताम ॥ एहअवस्थाआर्यतूम ॥ मत
 होजीऐमुजकाम ॥ २४ ॥ गयोचंमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकूमर ॥ उ
 त्तरापंथअचलपुरे ॥ सुखमांपहोतासार ॥ २५ ॥ आदरराईआपीउ ॥ वेचि
 सघलीवस्त ॥ अठगुणलासआसादिउ ॥ सघलूकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद
 यतसपाधरो ॥ चातुरव्यारेमास ॥ करतांकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणेवि
 लास ॥ २७ ॥ माकंदीपुरमोषनु ॥ तरीउतिऐंलंन ॥ साथकरीतसामदो ॥ चा
 ल्योतेजप्रचंन ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ अनुचरसाथिअपार ॥ का
 दंबरीअटवीकने ॥ तंबुकस्यातयार ॥ २९ ॥ दाज ॥ जाउ २ रेठमानायतू
 मर्यूनहीबोलू ॥ एदेसी ॥ दपस्तमुकेतिऐंवने ॥ कांयसोरकरेसीआलरे ॥
 कांयवनसेसामांहेमांहिलमे ॥ कांयवानरेताफाला ॥ ३० ॥ सांतलोवातमीआं ॥
 जोज्यो२रेकर्मनीदान ॥ सां० ॥ रीधीचंचलकुंजरकीन ॥ सां० ॥ जेहवुक
 पटीनुंध्यान ॥ सां० ॥ नरपतीनुंजेहवुंनान ॥ सां० ॥ एआंकणी ॥ सीहना
 दकेसरीकरे ॥ वलिकिहायकेगजवरदंदरे ॥ तालतमालचंदनघणा ॥ क्यांहि
 दकुवलीमाकंद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ अजगरफणीधरमणीधरा ॥ कांयसीमअ
 टवीमहाघोरे ॥ त्रणदिनसाथवहोतिहां ॥ कांयफिरताचिऊंदिशचोरा ॥ ३२ ॥
 सां० ॥ जलथानिकआव्युयदा ॥ कांयउतरयातेहनेतीरे ॥ नाहीघोईजीमीआ
 सऊ ॥ कांयसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सां० ॥ चोकीमुंकीचीऊंदिशें ॥ कां
 यसूतासघलालोकरे ॥ चरमजामयथोरातिनो ॥ तवसवरनाआव्याथोक ॥
 ॥ ३४ ॥ सां० ॥ मारि२करताथका ॥ कांयवरसेतीरअपारे ॥ जाग्यां

सङ्गजनसाथना ॥ तवजुळेजोधजुळार ॥ ३५ ॥ सा० ॥ मास्यासूतटेसाथ
 ने ॥ कांयनागतीलतेजायरे ॥ वलिसेलामिलीआवीआ ॥ कांयकरतांबङ्ग
 जनघाय ॥ ३६ ॥ सा० ॥ सूतटथोमातेसाथमां ॥ कांयसबरसेनानहीपारो ॥
 सेलिपानीनेंलुंठिउ ॥ कांयत्रासवेबङ्गनरनारि ॥ ३७ ॥ सा० ॥ बंदिपकम्याके
 ईनें ॥ वलिप्रव्यलेईग्यातेहरे ॥ पल्लिपतीनेंसूपता ॥ सवीसूक्ष्मबादरजेह ॥
 ॥ ३८ ॥ सा० ॥ कालसेनपल्लिपती ॥ कांयपुढेबंदिवांनरे ॥ किहांथीसाथ
 एआवीउ ॥ वलिकोहनोसाथनिदांन ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणअवसरतिहांउ
 लप्यो ॥ भृतसंगमनांमेतासरे ॥ साथेसड्वाहपुत्रनें ॥ तेहआव्योहतोगुण
 राशि ॥ ४० ॥ सा० ॥ सीहप्रहारनेंटाळवा ॥ कांयसंतारीतेवातरे ॥ पुढेक
 हीदीगोहतो ॥ तेकहेनवीजाणंख्यात ॥ ४१ ॥ सा० ॥ कालसेनकहेसांत
 लो ॥ मुळप्रांणदीआजुंताजेणरे ॥ उत्तरापंथत्तणीचाळतां ॥ पणिनवीजाणं
 नामेंण ॥ ४२ ॥ सा० ॥ तवतूम्हनेंदिठाहता ॥ एग्यावरसनीवातरे ॥ जमप
 रेंसीहमनेंमढ्यो ॥ मुळकिधोहतोप्राणांत ॥ ४३ ॥ सा० ॥ उत्तरापंथजातां
 थकां ॥ मुळकिधोतिणेउपगाररे ॥ किंमजिवाढ्योमुळनें ॥ कांयनलसोंतास
 प्रकार ॥ ४४ ॥ सा० ॥ संतारीसंगमकहे ॥ एसघळीसाचीवाणिरे ॥ कालसे
 नतवबोलीउ ॥ कहोतेहग्याकिणगण ॥ ४५ ॥ सा० ॥ संगमआंसूरेमतो ॥ कहेंदे
 वनेंपुढोएहरे ॥ पल्लिपतीकहेतेहकीम ॥ तवसंगमबोढ्योतेह ॥ ४६ ॥ सा० ॥
 साथतेऊनोजाणज्यो ॥ इहांधादिपमाअमजामरे ॥ दिठासरधनुंलेईनें ॥ कांय
 दोमतांसाहमाताम ॥ ४७ ॥ सा० ॥ तेहनीषबरिहवेंनही ॥ तेसांतलीपल्लिना
 हरो ॥ मुर्गालहीधरणीढल्यो ॥ कांयधरतोदूरवअथाहा ॥ ४८ ॥ सां० ॥ वलकलवाय
 रेंविजतां ॥ कांयचेतनालाधीजामरे ॥ मास्योकेनविमारीउ ॥ कोईपुढेसबरनें
 ताम ॥ ४९ ॥ सां० ॥ सबरकहेनवीमारीउ ॥ पणिएकनेंकिधप्रहाररे ॥ तवबंदिजो
 यातिणें ॥ पणिनलसोतेहमज्जारि ॥ ५० ॥ सां० ॥ तेधनसङ्गएकत्रकरीनें ॥ आस्था
 स्योसङ्गसाथरे ॥ व्रणकारयकरेलोकनां ॥ तेसाथनापल्लिनाथा ॥ ५१ ॥ सा० ॥
 दसदिशसबरनेंमोकढ्या ॥ कांयषोडवाधरणकूमारे ॥ आपगयोतसषोड

वा ॥ कांयधरतोदूखअपार ॥ ५२ ॥ सा ॥ ठरेखंमैंपांचमी ॥ रुनीपद्मवि
 जयकहीढालरे ॥ समरादित्यनारासमां ॥ कांयसूणतांमंगलमाल ॥ ५३ ॥ सा ॥
 ॥ ५४ ॥ नविलाधाकोईथानिकें ॥ आव्योफिरीआवास ॥ सवरआव्यादशोदिशी
 यकी ॥ सऊइंयईनीरास ॥ ५४ ॥ शोकलक्षोकावशेनतव ॥ बोलेइंमजवाप ॥ डर
 जननेंजोसूखदिइं ॥ सऊनहोइंसंताप ॥ ५५ ॥ पन्नगनेंपयपानजे ॥ तेविष
 वृद्धिनुहेत ॥ दूखदायकऊंदेषज्यो ॥ तिणीपरेंमुऊसंकेत ॥ ५६ ॥ स्यूंवऊबो
 लेसऊसूणो ॥ एहप्रतिज्ञाआज ॥ पांचदिवसमांएपुरुष ॥ संपदमेखवुंसाज
 ॥ ५७ ॥ इमकरतांजोएनही ॥ मीलेतोकरस्यूंइंम ॥ अगनीमांपेसीआपणा ॥
 प्राणतजेस्यूंपेमा ॥ ५८ ॥ कुलदेवीकादंबरी ॥ अठवीनीआधारा ॥ दशनरनीबली
 देयस्यूं ॥ लहीइंजोएलिगारा ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ हरीयांमनलागो ॥ एदेशी ॥ एहवीमा
 नीमानता ॥ बऊदिनसंवलदिधरे ॥ कूंअरमतीवंतो ॥ मोकट्यासवरदिशोदिशो ॥
 षोलवाकेमितेकीधरे ॥ ६० ॥ कुं ॥ षोलकरणेनेंनीकट्यो ॥ आमणदूमणो
 आपरे ॥ कुं ॥ जिम २ तेहजमेंनही ॥ तिम २ धरेसंतापरे ॥ ६१ ॥ कुं ॥
 धरणोपणिहवइंसाथथी ॥ नागोलढीलेयरे ॥ कुं ॥ द्रव्यमांउषधीबल्यढे ॥
 पासेंपथेंएयरे ॥ ६२ ॥ कुं ॥ दिगमुंढचालतांथकां ॥ दिवसरसोचमीदोय
 रे ॥ कुं ॥ सिणिधनिलयगिरीगयो ॥ सयस्थानकबडुहोयरे ॥ ६३ ॥ कुं ॥
 हस्तिकलेवरवऊजिहां ॥ सीहकरेसीहनादरे ॥ कुं ॥ दावानललागेघणा ॥
 वनसेंसाउनमादरे ॥ ६४ ॥ कुं ॥ अजगरवाघअहिघणा ॥ कात्यायनीह
 रेप्राणरे ॥ कुं ॥ थाकीलषमीवाटिमां ॥ वयणप्रस्वेदपीठाणरे ॥ ६५ ॥
 कुं ॥ अहो २ माहराकर्मनी ॥ परिणतीविचित्रप्रकाररे ॥ कुं ॥ प्राणप्रि
 यादूखइंमलहे ॥ चितवेधरणकुमाररे ॥ ६६ ॥ कुं ॥ लेखयीपणिचितचि
 तवे ॥ डखपणिमुऊसूकरे ॥ कुं ॥ जिहांएआपदपामीउ ॥ धरणलक्षो
 महाडकरे ॥ ६७ ॥ कुं ॥ उदकफलादिकनवीमढ्यां ॥ जिणेंहोयलषमीनें
 त्राणरे ॥ कुं ॥ सूतांपालवसाथरे ॥ अस्तथयोजवसाणरे ॥ ६८ ॥ कुं ॥
 रातिगईबिजेदिनें ॥ दिवसरसोएकजामरे ॥ कुं ॥ वगुगयाहेउलिपनी ॥

मुर्गानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुळाणीतसचेतना ॥ तावूजीतसकायरे ॥
 कु० ॥ धरणविचारेएहवुं ॥ जिवलोकदूरवदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥ प्राणआ
 पुंजतेहनें ॥ सझकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अंगेतसकरफेरवे ॥ मुंकतो
 आंसूधाररे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवडमकहे ॥ लागीतरसअपाररे ॥
 कु० ॥ जलदावुंधीरीयजे ॥ रहेजेशणहिजठाररे ॥ ७२ ॥ कु० ॥ दुरुप
 रिचढिजोईउं ॥ पणिनवीजलकहिदररे ॥ कु० ॥ तामउतरीनीजकरतणी ॥
 लेइनसातिणेंविदरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥ किधुंउदकसमान
 रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुंमांसजे ॥ वनदवेंपचव्युंजामरे ॥ ७४ ॥ कु० ॥
 नारीमाटेएसवीकस्युं ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥ उषधींश्वणरुज्यो ॥
 आव्योनारीनेंठायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउएलावीउं ॥ वनदवमांएसी
 ररे ॥ कु० ॥ शशकमांसएलावीउं ॥ इणिपरेंकुंअरेंकीधरे ॥ ७६ ॥ कु० ॥
 आहारकस्योतिणींइहवडं ॥ कांयककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाअनुंमां
 नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥ अर्कअस्तं
 गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेठांतिणेंनयरमां ॥ जरुदेउलमांठायरो ॥ ७८ ॥ कु० ॥
 पहोररातिगईतवडमकहे ॥ लढिअलढीअवताररे ॥ कु० ॥ आर्यपुत्रतरसी
 घणं ॥ तवबोदयोतेकुमाररे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणंउदकनदीथकी ॥ तूरहेजे
 सूरवसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउं ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
 सूतांधरणलढीहवें ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥ लढीजागीतिणेंसमो ॥ चित
 वेमनमांआमरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउं ॥ मुळवीधीअनुंकुलरे ॥
 कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमंजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥ उ
 ठिठठाखंममां ॥ पद्मविजयकहीठालरे ॥ कु० ॥ डरजनसजनपटंतरो ॥ सृणज्यो
 तवीसूवीसाळरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ डहा ॥ इणअवशरतिहांआवीउं ॥ चंमरुए
 कचोर ॥ रयणतांमलेईरयणीई ॥ किधुंकर्मकठोर ॥ ८४ ॥ कोटवालकेमंययो ॥
 नासीनसक्योनेम ॥ देहरामांहिदमवनी ॥ पेठोजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥ पेठोदेई
 बारणां ॥ आररुकनरआय ॥ बडंगबोलेबारणें ॥ अप्रमादीहोसाय ॥ ८६ ॥

सांसट्यूलडिंतेसवे ॥ तस्करपगरवतेम ॥ चितवेनारीचित्तमां ॥ कारणएठे
 केम ॥ ८७ ॥ पुतुंजोपुगेकदा ॥ मनहमनोरथमुळ ॥ तासनीकटगईतेहवे ॥ पु
 ठेईणपरेंगुळ ॥ ८८ ॥ दाय ॥ जीणामारुजीनीकरहजमीनोदेशी ॥ नृपकहे
 नीजपुत्रीतणी ॥ फीटपापिणीहतीआरी ॥ मुखमुंकांयदेषामेहोराजि ॥ एदे
 शी ॥ लषमीकहेतूंकुणअठे ॥ बारणैहालकलोलएवमोकेहनोथाईहोराज ॥
 तेहकहेकहेस्युं पठे ॥ पणिमुळआपेपाणीमाहंकाजसथाईहोराज ॥ ८९ ॥
 साकहेजलदेस्युंअम्हे ॥ कारणमुळनेसापोतवतेचित्तमांचितेहोराजि ॥ कुं
 सवरावरठीकरी ॥ माहरेजोग्यएदीसेतापेतेईणिसांतेहोराजि ॥ ९० ॥ चंमरु
 झंजोरुं ॥ कंजसंषेपेवातवीस्तारेनकहाईहोराजि ॥ नृपनोरतनकरंमीउ ॥
 चोरीनेंजलाव्योतलवरजाणजथाईहोराज ॥ ९१ ॥ तेमुळपुंठेआवीआ ॥ तेह
 बझंजएकषीणशकतीवलीजावाहोराजि ॥ जिवीतनीआसावमी ॥ रयणीएअ
 धारीआव्योएमुळरावाहोराजि ॥ ९२ ॥ बोलेवाहिरतेनरा ॥ तवलढीमनचिं
 तेमुळविधीजोअनुकूलहोराजि ॥ तोईठितमुळनीपनुं ॥ इमांचितीकहेसूणजेतू
 ळनहीहोईमंगुलहोराजि ॥ ९३ ॥ पांणीनूंस्युंकांमठे ॥ तुळजीवाहुंमाहंकाव
 चनकरेजोप्यारेहोराजि ॥ तेकहेदाषिउतावली ॥ साकहेपुरीमाकंदीकार्ति
 कसेवधनधारेहोराजि ॥ ९४ ॥ नामेंलषमीझंतसधूआ ॥ पुरवनेंजीमवेरी
 धरणेंमुळनेपरणीहोराजि ॥ मुळअनिष्टसूतोईहां ॥ मुकितूंएधनचोरस्युंजंथा
 उंतूळघरणीहोराज ॥ ९५ ॥ एएहुनंकस्युंपांस्ये ॥ पुढस्येजोकंदीराजाते
 हनेउत्तरदेस्युंहोराज ॥ आमाहरोत्तारठे ॥ एतोनवीउलषीईंमकरीजममु
 खदेस्युंहोराजि ॥ ९६ ॥ चोरकहेसाचूंक्युं ॥ पणिपुरीनोवासीमुळउ
 लषेसझप्राणिहोराजि ॥ साकहेतासउपायस्यो ॥ तस्करकहेचोरगुटीकामाह
 रोपासवषाणीहोराजि ॥ ९७ ॥ दिगोप्रत्ययजेहनो ॥ चितामणिनेंसरिषी
 आजुंउदकसंजोगेंहोराजि ॥ नविदेषेकोईमुळनें ॥ सहसनयनजोईदोजोवा
 आवेंरंगेहोराजि ॥ ९८ ॥ पंधरुडसगवाननी ॥ आपीतेनेनरनीवातनोक
 हिंकेहीहोराजि ॥ अर्लाडिजलतसआपीउं ॥ अंजनकीधुंविजंईंनानीरापीदेही

होराजि ॥ ११ ॥ रतनकरंमकुंकीउ ॥ धरणनीपासेतैणेरहियातैएकदे
 शेंहोराजि ॥ विहाणेंधरणतेउगीउ ॥ कोठवालेतवदिगोरयएकरंमविशेशेंहोरा
 जि ॥ २० ॥ देवकुलमांहिथीकाढिउ ॥ बांधीकीधोआगेंचितेएस्युंसाइ
 होराजि ॥ अथवाविधीप्रतीकुलथी ॥ अमृततेविषहोयगोपयसायरथाइहोरा
 जि ॥ १ ॥ रजुकृष्णसरपहोय ॥ परमाणंपणिमेरुसूतपणिवयरीथाय
 होराजि ॥ मुषकविवररसातलं ॥ होयप्रकाशअंधारुसापिणसरिषीमाय
 होराजि ॥ २ ॥ खंतीकोहमद्ववमाण ॥ आर्यवमायाथायतोषतेलोत्तरायहो
 राजि ॥ सत्यतेअलीकसमोवमे ॥ बाधिएसरिषीनारिजाऊंस्युंकहेवायहो
 राजि ॥ ३ ॥ अथवाएहथीनढुटीइ ॥ पणिएपिमाकरतांअधीकीमुऊने
 सालेहोराजि ॥ नवीदिसेलगीकिहां ॥ सीगतीहोस्येएहनीविरहनलहीकोईका
 लेहोराजि ॥ ४ ॥ अथवारुमुंएथयुं ॥ एपणिआपदलहेतीजोहोतीमुऊसंगे
 होराजि ॥ अनुंकमेंरायकुलेलावीआ ॥ अवशरेंनृपनेविनव्योपकम्योमहा
 तूजंगहोराजि ॥ ५ ॥ मायाविवाणीगवेसें ॥ चोरयाधननीसाथेंजेहआणिते
 करीइहोराजी ॥ संपोएचंमालनें ॥ कहेज्योनृपनीआणिएहनेंजमघरेंधरी
 इहोराजि ॥ ६ ॥ तिमजकस्युतेतलवरे ॥ कहेमहत्तरचंमालकेहनोठेआजवा
 रोहोराजि ॥ कहेचंमालमोरीआतणो ॥ महत्तरेंतवतेमाव्योआव्योतसकहे
 मारोहोराजि ॥ ७ ॥ पहेरदिवसरसोपाठिलो ॥ जोएहनेंनवीमारोनासी
 जाइकिवारेंहोराजि ॥ नृपनीआणिदूकरघणी ॥ लेईजाउमसाणेंमोरीइ
 मान्युंत्यारेहोराजि ॥ ८ ॥ मोरीउलेईचाव्योतिहां ॥ मुऊजिवीतनोदातासब
 वाहसूतएहहोराजि ॥ उलप्योतेहनेंसलीपरें ॥ अहोअहोकर्मवीचीत्रएहअव
 स्थाकेहहोराजि ॥ ९ ॥ तिहांजईबंधनगोमीआं ॥ चरणेंलागीबौल्योमुऊनें
 उलपोस्वामीहोराजि ॥ धरणकहेनवीसांतरे ॥ तवधुरथीसवीसाप्युंतूमपरें
 ऊलसोषामीहोराजि ॥ १० ॥ द्रव्यदेईनृपनेंबहु ॥ विणअपराधीमुऊनेंउगा
 स्योसलीसांतेंहोराजि ॥ धरणकहेएकेतलूं ॥ मोरीउबोलेतामठामलहीएकां
 तेंहोराजि ॥ ११ ॥ ठवेखंमेसातमी ॥ पद्मवीजयएसोषीढालअधीकउ

छासें होराजि ॥ श्रीसमरादित्यनारासमां ॥ सांसलज्योहवेआगेमंगलमाला
 थास्ये होराजि ॥ १२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ उहा ॥ आवीकीमएआपदा ॥ मोरीउंकहेमहाराज ॥ पूढोदैवनेसांप्रते ॥ कहे
 वानुंनहीकाज ॥ १३ ॥ मनमांचितेमोरीउ ॥ नहिवोलेएनाथ ॥ कचपचनुं
 कामजनही ॥ हमणांवाजीहाथि ॥ १४ ॥ पाणकहेप्रणमीकरी ॥ निश्चयइ
 हांथीनास ॥ कालहेपकरतांयकां ॥ पकीइकोइकपास ॥ १५ ॥ धरणकहेधी
 रजधरी ॥ मुळनेसूरवेथीमारि ॥ आणिकरोअवनीपती ॥ दिलमांडखनधा
 रि ॥ १६ ॥ पणितूककष्टेप्राणमुळ ॥ नहिराहुंनीरधार ॥ मोरीउंकहेमुळप्राण
 नी ॥ वातनकांयविचार ॥ १७ ॥ सातपेढिनोसंसरो ॥ अमचोअवनीपाल ॥
 शतअवगुणअमचासहे ॥ कोपेनहीकोईकाल ॥ १८ ॥ नवीजाइजेनाशीनें ॥
 मरवुंतोमुळनेम ॥ सज्जनस्नेहईस्यांहोइ ॥ जलपयमिदीआंजेम ॥ १९ ॥
 ॥ यतः ॥ क्षीरेणात्मगतोदकायसुगुणादत्तापुरातेखिला ॥ खीरेतापमवेक्ष्यतेनप
 यस्वात्माकृद्यानौकृतः ॥ गंतुपावकमुन्मनस्तदसवदृष्ट्वाचमित्रापदं ॥ युक्तेतेन
 जलेनशाम्यतिसतांमैत्रीपुनस्त्वीदृशी ॥ १ ॥ उहा ॥ इमविचारीआत्मस्यूं ॥ धर
 णकहेसूणिधीर ॥ तूमवयणेंजाउतूरत ॥ पाणकहेगईपीर ॥ २० ॥ पंथदेप्रा
 न्योपाधरो ॥ प्रणमीधरणनापाय ॥ पाढोवलीउप्रेमस्यूं ॥ जलदिधरणोजाया ॥
 ॥ २१ ॥ दाल ॥ सोनानेकेरुंमारुंवेजलूं ॥ मारुजीवाविपोदावि ॥ एदेशी ॥ जा
 तांइणिपरिचितवें ॥ किहांगईमाहरीनारि ॥ लघुनीतीकरवाकामउठिनज
 गामीउ ॥ मुळरागेरेतिणीवार ॥ २२ ॥ मुसीकोईकतस्करें ॥ लेईगयानीरधारा ॥
 बोलीनहीमुळघातविचारीचित्तमां ॥ रागघणोरेमुळनारी ॥ २३ ॥ नवीदेपुं
 जोनारीनें ॥ तोमुळअफलसंशार ॥ इमचितवतोतेहजोवालागोहवे ॥ रेमतो
 आंसूरेधार ॥ २४ ॥ रीजुवालिकामांन्हाईउ ॥ इणअवसरतेहचोर ॥ रिजु
 वालीकाइआवीविचारेइणिपरि ॥ नारीएकर्मकठोर ॥ २५ ॥ तुरतगंम्यो
 नीजधवप्रते ॥ महाआपदमांनाषि ॥ निजकूलनकस्थोविचारआविमुळ
 सांप्रति ॥ नवीउलषतिरेसाषि ॥ २६ ॥ एहनीसंगिऊरही ॥ जिबुंकेतोकाळ ॥ डर

गतीद्वारएनारीअनर्थनीषाणिठे ॥ सापणसमवीकराव ॥ २७ ॥ चंचलच
 पलानीपरें ॥ मुखिसीठीअसराव ॥ एहनाचरीत्रनोपारनलहीइंपंतीते ॥ जीम
 तीमबोलेरेआव ॥ २८ ॥ यतः ॥ सवईउ ॥ भिनुमेंहसतीभिनुमेरुदतीभिनुमें
 बळबोलकटुकसहे ॥ भिनुमेंअतिरंगविरंगभिनु ॥ भिनुमेंदगनीरसूआयरहे ॥
 भिनुमेंकटुवातसहेअपनी ॥ भिनुमेंमधुरोपणिनांहीसहे ॥ कवीपदकहेजग
 दिसविनात्रियकीकरनीकहोकोनलहे ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंएनारियकी
 सस्युं ॥ जिणीवातेजाइंप्राण ॥ अंगआसूषणलेईगयोतसठोमीनें ॥ शुभ
 विचारीरेंजाण ॥ २९ ॥ लढीविचारेएहवुं ॥ रुमीथईएहवात ॥ धरणमुउरिपू
 मुळजाउंअन्यस्थले ॥ रहेस्यूरहवेसूखशात ॥ ३० ॥ कांठइंचालतांए
 हवें ॥ दिठीधरणकूमार ॥ रोमरायउल्लासकरीनेंपुढतो ॥ किमरेमिलीतूनारि ॥
 ॥ ३१ ॥ तवरोवालागोधणं ॥ धरणकहेएसंसार ॥ आपदसाजनजाणिनरो
 ईइंइणिपरि ॥ आपदगईंइणवार ॥ ३२ ॥ तूळमिलोउंऊधन्यथयो ॥ तवबोली
 तेहवाम ॥ पकमीतसकरेंमुळऊंउठीलघुनीती ॥ करवाकेरेरेकांम ॥ ३३ ॥
 सिलसंगकरवातिणें ॥ किधाघणारेप्रकार ॥ म्हेंनवीमान्युंतेहगयोमुळमु
 सीनें ॥ बलथीकिमरेलेनारि ॥ ३४ ॥ चोरकदर्थनाथीमुंनें ॥ उपनुंदूखअपा
 र ॥ जेतूम्हदिठाइंमअवस्थादूखकरी ॥ सृणिचितेरेकूमार ॥ ३५ ॥ म्हें
 चितचितव्युंतिमथयुं ॥ कहेनारीनेरेइंम ॥ फिकरनकरीइंकांयचाळोतूम्हेत
 वलढी ॥ चितेरेयईगयुंकेम ॥ ३६ ॥ आव्योक्ततांतनामुखयकी ॥ पापनीप
 रणतीएह ॥ गयांविचारपुरगामसूरजतवआथम्यो ॥ रयणिरेगईपणितेह ॥
 ॥ ३७ ॥ नविरहेवुंइणथानिकें ॥ जईइंदंतपूरगाम ॥ तिहांमुळमाउलगेहमुंकी
 तूळनेंपठोकरस्यूरकांयककाम ॥ ३८ ॥ मान्युंलढिइंतवजवा ॥ माफ्युंदंतपुरे
 दोय ॥ इणअवशरहवेवातपछिपतीनीसूणो ॥ जोज्योरेकिणीपरेंहोय ॥
 ॥ ३९ ॥ सारथवाहसूतनबीजम्यो ॥ चितउपनोरेसंताप ॥ निजनरनेंतेहसा
 थसलावीसलीपरें ॥ इणिपरेंकरेरेआलाप ॥ ४० ॥ एहनामाबापनेंतूम्हे ॥
 पोहचावज्योधरिषांति ॥ हवइंचितेइंमचित्तकादंबरीदेवीतेह ॥ मान्युंगेरे

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामययुंनहिपणिदेवी ॥ बलिनेदेवीनेकाज ॥ तेहप्रति
 ज्ञाकिधतेकरस्युंतवपठे ॥ मांमयोतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ ठेखंमेआठमी
 पद्मवीजयकहीढाल ॥ सद्गनकृतगुंणजाण ॥ होइजुअहवा ॥ होस्येरेमंग
 लमाल ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥ पुरुषबलीनेपाठव्या ॥ कादंबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
 आमंवरथीइध ॥ ४९ ॥ स्नानकरयुंसरीतातटे ॥ बलकलपहेरयांवास ॥ कण
 बीरमालकरीसीरे ॥ चयविरचावेपास ॥ ५० ॥ चंढीकादेहेरेतेचट्यो ॥ ध
 रतोधरणनुंध्यान ॥ इण्णिअवसरितेअटवीइ ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ५१ ॥
 सबरेदीठसरोदइ ॥ लळिधरणनेद्वारि ॥ बांधीसबरेतेविऊं ॥ आण्यतेहउदा
 र ॥ ५२ ॥ दाज ॥ दहिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेसी ॥ आवइजेतेहोराजि ॥
 देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेखेतेरे ॥ वट्ठेरुधीरत्रिशूलकरयां ॥ समीआपमीआहो
 राजि ॥ वट्ठेघमीआहोराजि ॥ उदेहीजमीआरे ॥ शिषरमांसर्पजुगलध
 र्यां ॥ ५३ ॥ जिववधयायहोराजि ॥ रुधीरसीचायहोराजि ॥ नृपतीपा
 यरोपहसूतजकराषसघणा ॥ आघोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि ॥ स
 बसमुंदायरेकोटबणायोनहीमणां ॥ ५४ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ धमविक
 रालाहोराजि ॥ तोरणशालारेकीधीतिहांवीहामणी ॥ गजवरदंताहोराजि ॥
 दिसेमहंताहोराजि ॥ महासयदितारे ॥ हामचामडरगंधघणी ॥ ५५ ॥ सवर
 जुवानहोराजि ॥ रक्षातिणेंथानहोराजि ॥ खड्गदेईपाणिरे ॥ तिलमीरोवेडखध
 री ॥ नरनेकपालेहोराजि ॥ दिपेविशालहोराजि ॥ तिहांततकाले ॥ मंगलदिप
 ओणीकरी ॥ ५६ ॥ चामरलटकेहोराजि ॥ पुंढमेंफटकेहोराजि ॥ किधासट
 केरेगजमुक्ताफलसाथीआ ॥ गुगलगंधहोराजि ॥ होयसंबंधहोराजि ॥ मदवरगंध
 रेदिशेफिरताहाथीआ ॥ ५७ ॥ खड्गकोदंमहोराजि ॥ करधरघोघंटहोराजि ॥
 पुंढमहीषखंमरे ॥ शोसेकात्यायनीकरे ॥ देखीवीचारेहोराजि ॥ धरणतिवारे
 होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ बलीउकोईकतत्परें ॥ ५८ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
 जि ॥ जेऊईगपहोराजि ॥ तससंतापरे ॥ टालिशकिइंकिणीपरें ॥ इण्णिपरें

करतां होराजि ॥ जईनें धरता होराजि ॥ जिहां थर थरतारे ॥ नरसमुदाय धरया
 घरे ॥ ५४ ॥ पाईलागी होराजि ॥ काळशेनसागी होराजि ॥ कुमरनोरागीरे
 आवीगदगदउचरे ॥ मेलव्योनमुऊनें होराजि ॥ स्यूंकजंतूऊनें होराजि ॥ पणि
 इमबुलीनेरे ॥ जनमांतरे हवें मतकरे ॥ ५५ ॥ मेंडखदिधुं होराजि ॥ अबलूंकिधुं
 होराजि ॥ तेडखसीधुरे ॥ जाणेंतूही कात्यायनी ॥ चित्तिचंग होराजि ॥ नाम
 कुरंग होराजि ॥ बोलावें संगरे ॥ लावोबलिसुत्तायनी ॥ ५६ ॥ डगिलनामें होरा
 जि ॥ कासिदठामें होराजि ॥ काढ्योतामेरे ॥ पकनीकेशमाथातणा ॥ थर २
 धुजे होराजि ॥ कांयनसूऊे होराजि ॥ रतांजणीपुजेरे ॥ काढिषमगपल्लिपती
 सण्या ॥ ५७ ॥ लोकएजोय होराजि ॥ मनमांजे होय होराजि ॥ मागजेंको
 यरे ॥ जिवितविणतूऊदिजीई ॥ सयथीतेह होराजि ॥ बोढ्योनरेह होराजि ॥
 फिरीनें एहरे बोलाव्योनविबोलीजीई ॥ ५८ ॥ पल्लिनाह होराजि ॥ चितेसंराह होरा
 जि ॥ मननोलाहरे ॥ पुस्याविणकिममारीई ॥ चितेधरणो होराजि ॥ अंतेमर
 णो होराजि ॥ उपगूरकरणेरे ॥ रुणइकमात्रजगारीई ॥ ५९ ॥ चितीकुरंग हो
 राजि ॥ बोलाव्योरंग होराजि ॥ जईनें शंगरे ॥ तूम्हस्वामीनें वीनवो ॥ एहनें
 ममारो होराजि ॥ सयथीसारो होराजि ॥ मुऊअवधारो ॥ वातआपरमुऊनें रीऊतो
 ॥ ६० ॥ परदूरखनजरे होराजि ॥ देषीसूपरे होराजि ॥ खमीई किणिपरेंरे ॥ मारोआग
 लथीमुऊनें ॥ पल्लिपतिनयण होराजि ॥ जलसरीवयण होराजि ॥ बोदेसयणरेकु
 णएहवुंकहेगुऊने ॥ ६१ ॥ मुर्नानमीउ होराजि ॥ धरणीपमीउ होराजि ॥ चेतन
 जमीउरे ॥ तवईणिपरें बोलावतो ॥ जुउतिहांजाई होराजि ॥ मनमांजाई होरा
 जि ॥ कूणएत्ताईरेसबवाहसूतपरें चालतो ॥ ६२ ॥ जुइतेठोर होराजि ॥ जई
 किओर होराजि ॥ कोईनउरेतेह जनरएइमकहे ॥ पोतेनीरषे होराजी ॥ तवतेहर
 षे होराजी ॥ ओमेपरषीरेबंधनतेह नांगहगहे ॥ ६३ ॥ प्रणमें चरण होराजि ॥ सांसलो
 धरण होराजी ॥ ताहंरुं चरणे ॥ खमिअपराधतूं माहरो ॥ धरणतेसाषे होराजि ॥
 अपराधआषे होराजि ॥ एकसराषेरे दोषनहिठेताहरो ॥ ६४ ॥ किधुं काम होराजि ॥
 अपराधगम होराजि ॥ पल्लिपतीतामेरे ॥ कहेस्यूं कामकस्युं अमें ॥ नयरनविमा

स्थोहोराजि॥मुळवचधास्थोहोराजि॥कामसूधास्थोरे॥मुळमनोरथपुरतांतमे॥
 ॥६५॥ पल्लिपतीचितेहोराजि॥उलषेनततेहोराजि॥सयनीभ्रातेरेबोलेढेएंशणिप
 रें॥पुढेतांसहोराजि॥साषितूसासहोराजि॥मरणअन्त्यासरेस्याडखथीतूआदरे
 ॥६६॥ कहेकुमारहोराजि॥वातविस्तारहोराजि॥स्थोअधीकाररे॥कामक
 रीतूम्हेनिजतणं॥काळसेनजाणिहोराजि॥करेउलषाणहोराजि॥कृतगुण
 हाणिरकरनारोऊंअतीघणं॥६७॥ तुम्हेजिवाम्योहोराजि॥तुळविण
 साम्योहोराजि॥डखथीकाढ्योरेनागबोलपरेंमुळनें॥ऊंमहापापीहोराजि॥
 तुळसंतापीहोराजि॥इमविलापीरेकृतघ्नोपरऊंययोतुळनें॥६८॥ कुंअरजां
 णीहोराजिलाजतेआणीहोराजि॥कहेमुषवाणीरे॥जिव्यानीजपुन्येकरी॥
 ठेरजालहोराजि॥खंमेविजालहोराजि॥नवमीढालरेपद्मविजयपुरीकरी॥
 ॥६९॥ इहा॥कृतघ्नकिमतुळनेंकऊं॥सज्जनमांसीरदार॥अज्ञा
 नेंकरींशणिपरि॥पश्चात्तापप्रकार॥७०॥ पणितेस्युंप्रारंतीउं॥एहकहोअ
 वदात॥पल्लिपतीतवकहेपढे॥वारुधुरयीवात॥७१॥सारथवाहसूतसांस
 ली॥अहोथीरस्नेहअपार॥कृतज्ञताकऊंकेतली॥वर्णवश्वारंवार॥७२॥
 पणिसांसलोपल्लिपती॥देउतूळउपदेश॥पूजोदेवगुरुपते॥बलिपुण्यादिक
 वेश॥७३॥ काल॥बेबेमुनीवरविहरणपांगर्यांजी॥एदेशी॥धर्मनहोई
 जीवहण्याथकीजी॥जलयकीअनलनहोयरे॥गायनाश्रंगथीदूधनसंसवे
 जी॥विषयकीअमृतकिमजोयरे॥७४॥धर्म॥यतः॥सकमलवनमग्रे
 वासरंसास्थदस्ताद॥मृतमुरगवक्रातसाधुवादविवादात॥रुगपंगममजीणीत
 जिवितकालकूटात॥असिलखतिवधात्यःप्राणिनांधर्ममिठेत्॥१॥पूर्व
 ढालो॥नरगेंतेपोहचेजिवहिसाथकीजी॥तिणेंएपापयकीरहोडररे॥महिष
 नेमेषप्रमुखहणतांयकांजी॥पापेंपिमतेहोवेपुररे॥७५॥धर्म०॥कहेका
 लसेननकरस्युंएहवुंजी॥अन्ननमलस्येअमनेंजामरे॥तोअमेअन्नविनाले
 स्यूनहीजी॥इणअटवीमेंआव्याकेरुनामरे॥७६॥धर्म०॥जिवनीहिसाजी
 वुंतिहांलगेजी॥नहिकरुंतूमकेरेउपगाररे॥फूलबलीगंधचंदनस्युंदेवताजी॥

पुजीनेंकीधोअतीसतकारे ॥ ७७ ॥ धर्म० ॥ बंदिसहितेधरणेलावीउजी ॥
 निजघरिकीधोउचितआहाररे ॥ सोजनकीधांमननेसावतांजी ॥ लूट्योहतो
 जेप्रव्यअपाररे ॥ ७८ ॥ ध० ॥ तेसवीलावीनेप्रव्यनोढगकस्योजी ॥ गजकुंसमुक्ता
 फलश्रीकाररे ॥ गजवरदंतनेचामरआपीआंजी ॥ लिधोतेसघलोनिजसंसारि
 रो ॥ ७९ ॥ ध० ॥ बंदिनेकांयकदेश्विसर्जिआजी ॥ आप्रहथीरहीआकेइकदिनरो ॥
 आणिलहीनेनिजनगरेगयाजी ॥ जाणेंमावीत्रनेवलीमहाजनरे ॥ ८० ॥ ध० ॥
 हर्षधरीनेसाहमाआवीआंजी ॥ सांमनामुलनीसंख्याकिधरे ॥ कोमीसवाधन
 नीसंख्याईजी ॥ मननामनोरथसघलासीररे ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ देवनंदिए
 कपरवपठेआवीउजी ॥ साहमाजईजोयुंतेहनुंसंमरे ॥ कोमीअरधधनतेहनुंनी
 पुनुंजी ॥ मनमांतेखेदलसोपरचंमरे ॥ ८२ ॥ धर्म० ॥ सांमनुंमुलतेआप्युंमु
 लंगुंजी ॥ शेषधनेंकरेदाननेपुन्यरे ॥ मदनतेरसीआवीइणअवशरिजी ॥ आ
 वीमहांततेन्याइपुन्यरे ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ कहेरथतूमचोकाढोआगलेजी ॥ धरण
 कहेएक्रीमाबालरे ॥ कुणकरेतेसूणीपरसंसीउजी ॥ इमकरतांवितोकेईककाल
 रे ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ कोमीसवातेप्राइपरचिआजी ॥ करतांतेपरनेंबळउपगा
 ररे ॥ चितेमनमांत्रणिवर्गसाध्यावीनाजी ॥ जाइअफलअवताररे ॥ ८५ ॥
 धर्म० ॥ तेहमांपणिगृहीनेअर्थतेमुख्यठेजी ॥ जेहथीसधाइधर्मनेकांमरे ॥ रु
 पबळमानसोसाग्यतेअर्थठेजी ॥ प्रव्येहोइसवीपरनुंकांमरे ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥
 यतः ॥ वयोवृश्चास्तपोवृश्चा ॥ येचवृश्चाःबळश्रुताः ॥ सर्वेतेधनवृश्चस्य ॥ द्वारे
 तिष्ठंतिकिकराः ॥ १ ॥ बुत्तुक्तिवैर्याकरणंसुज्यते ॥ पिपासितैःकाव्यरसो
 नपीयते ॥ नढंद्वाकेनचिउधृतंकुलं ॥ हिरण्यमेवार्जयनिष्फलाकला ॥ २ ॥
 ॥ पूर्वढाल ॥ तेपणितातनीमातपरेंनहीजी ॥ मुळनेंसोगववीकिणहीरीतीरे ॥
 मातपीतानीआणायीहवेजी ॥ चाट्योबळसाथलेईशुस्तनितीरे ॥ ८७ ॥ धर्म० ॥
 लषमीपणिसाथिलेईनेआविउजी ॥ सायरकांवेनगरीनामरे ॥ रुमीवैजयंतीन
 रपतीनेमट्योजी ॥ दिधुंबळमाननेआप्युंठांमरे ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ लास्तथा
 विधनथयोचितवेजी ॥ जाउंपरतिरेपामुरीझीरे ॥ ज्याजकरीनेकिरियाणां

सस्यांजी ॥ लगनमुज्जुर्त्तजोईपरसीधरे ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥ सायरकाठेंआवीपू
 जीउंजी ॥ दिधांबहुअरथीजननेंदानरे ॥ देवगुरुप्रणमीवेठाफ्याजमांजी ॥
 उपास्यांनांगरजलअसमानरे ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ पुस्यांतिसिढनेवाहणचादी
 आंजी ॥ उठेतेखंमैदशमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेचिनद्वीपेजवाजी ॥ धरणे
 जीचित्तमांअतीउजमालरे ॥ ९१ ॥ धर्म० ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 ॥ उह ॥ वाहणतीरवेगेवहे ॥ केईकदिनअतिकांत ॥ मध्याङ्गेमारुतघणो ॥
 एकदिनअतिउद्गांत ॥ ९२ ॥ गाजेशायरगजपरे ॥ संकेट्यासढताम ॥ जि
 वितनीआशाजथा ॥ नांगरमुंक्यानाम ॥ ९३ ॥ अथमातूतेअनुक्रमे ॥ वाह
 णसागुंवेग ॥ आउसंबंधइअनुक्रमे ॥ आव्युंफलगतेएग ॥ ९४ ॥ तिऐंकरी
 एकअहोरातिमां ॥ पोहतोसोवनदिव ॥ मनचितेमुळमानिनी ॥ डखदिवुंहा
 देव ॥ ९५ ॥ परिजनपणपरहोगयो ॥ करीविदापतिऐंकाळ ॥ कदलीफलकेरो
 करे ॥ रुमोआहाररसाल ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ प्रणमीसदगुरुपाय ॥ गायस्थूरा
 जिमतीसतिजी ॥ ९७ ॥ सूरजआथम्योजाम ॥ पल्लवसाथरोपाथरीजी ॥ ता
 ढिउमावणकाजि ॥ अरणीथीअगनीपेदाकरीजी ॥ ९८ ॥ प्रणमीश्रीगुरुनेदेव ॥
 सुतोनेप्रातसमयथयोजी ॥ जाग्योजामप्रसात ॥ सूरयरायजवजगजयोजी
 ॥ ९९ ॥ अगनीफरसीतसूमि ॥ दिठिकनकमयीथईजी ॥ देषिचितेइंम ॥ धातु
 पेत्रएशुत्तमईजी ॥ १०० ॥ किथीईटयोताम ॥ धरणनामअंकितकरीजी ॥ कि
 धासंपुटथाई ॥ कनककस्युंअग्नीमांधरीजी ॥ ३०० ॥ कस्यांदससहससंपु
 ट ॥ सिन्नपोतध्वजबांधीउंजी ॥ चिनथकीएकजीहाज ॥ पुन्येलावीसांधीउं
 जी ॥ १ ॥ सूवचनसारथवाहात्तांमअसारतिहांसस्यांजी ॥ कोईकद्वीपथीपां
 मि ॥ लढीस्थूदेवपुरेसंचस्यांजी ॥ २ ॥ आव्याजवतिऐंगंम ॥ सिन्नपोत
 ध्वजनीरषीउंजी ॥ मुंक्यांनांगरताम ॥ मुंक्यानिर्जामकहरषीउंजी ॥ ३ ॥
 दीगधरणकूमार ॥ वातसूणावेतेहनेजी ॥ सूवचनसारथवाह ॥ नामेदयाव
 हुएहनेजी ॥ ४ ॥ चिनद्वीपजसवास ॥ देवपुरजावामनकरेजी ॥ तूमहकहे
 वरावेइंम ॥ आवोतोफ्याजमाहिधरेजी ॥ ५ ॥ बोल्यातामकूमार ॥ तांमस

रयुंस्युं एह मांजी ॥ निजामककहेतांम ॥ द्रव्यशकतीनहीतेह मांजी ॥ ६ ॥
 विधीवसैयोनिरद्रव्य ॥ पणिव्यवसायनठमीउजी ॥ तादृशतोनहीतांम ॥ ध
 रणकहेतवमेंमीउजी ॥ ७ ॥ एऊनीईगजोहोय ॥ एतलीसूमीआवोअहीजी ॥
 तेमीलाव्योतेह ॥ धरणकहेकोपस्योनहीजी ॥ ८ ॥ कांयककारणपांमि ॥
 पुढूतूम्हनेंईणपरेंजी ॥ ऊयाजमांकेतलोद्रव्य ॥ सापोमुऊनेंशुतपरेंजी ॥ ९ ॥
 तवतेबोल्यासाय ॥ कर्मनीवातमाहरीसूणोजी ॥ द्रव्यगयोमुऊसर्व ॥ पणिउ
 यमकहूंदूगुणोजी ॥ १० ॥ सोवनटंकहजार ॥ लेईनेंसांमऊंआवीउजी ॥
 धरणकहेसूणोवात ॥ हुंतूम्हनेंसलेपावीउजी ॥ ११ ॥ काढीनांषोसांम ॥
 सोवनथीवाहणसरोजी ॥ पोहचीस्युंजवतिर ॥ लाषद्रव्यदेस्युंपरोजी ॥ १२ ॥
 कहेसूवचनतवसेठ ॥ सारकिस्योसोवनतणोजी ॥ तूंबऊमांनठेमुऊ ॥ सय
 लकहूजेमुखितणोजी ॥ १३ ॥ काढीनांष्युंसांम ॥ वाहणकनकगणीस्युं
 जी ॥ बेठोवाहणजाम ॥ तवलढीदरसणकस्युंजी ॥ १४ ॥ हरष्योचितमऊ
 रि ॥ दूसाणीलषमीघणीजी ॥ एठेमाहरीनारी ॥ धरणकहेसूवचनसणीजी ॥
 ॥ १५ ॥ आणंद्योतवसेठ ॥ वाहणचालेअनुक्रमेंजी ॥ पंचजोजनगयाजा
 म ॥ एकअचरीजहोयतिणसमेजी ॥ १६ ॥ सुवर्णद्वीपनीस्वामि ॥ सुवर्ण
 नामावाणमंतरीजी ॥ कंपावेतेसमुद्ध ॥ मानुंअकालनीवीजरीजी ॥ १७ ॥
 रेंरेसारथवाह ॥ कांयउपचारकरयोनहीजी ॥ मुऊआणाविएह ॥ कनक
 लेईजाईसकहीजी ॥ १८ ॥ धरीउंतेणीईजिहाज ॥ निजामकनेंईमकहेजी ॥
 बलियोपुरुषनीमुऊ ॥ तेविणद्रव्यएकुणलहेजी ॥ १९ ॥ अथवामाहूहाथि ॥
 धरणवीचारेईमसूणीजी ॥ नांषीदेवाम्योद्रव्य ॥ लषमीमुऊआपीगुणीजी ॥
 ॥ २० ॥ उपगारीमुऊएह ॥ देवितोईणपरेंसणेंजी ॥ बलियाउंऊंआज ॥ प्रा
 णआअवशरकुंणगणेंजी ॥ २१ ॥ देविनेंकहेवांणि ॥ एहअजणपणेंथयुं
 जी ॥ प्रसन्नयईल्योमुऊ ॥ बलितूमेकांयनवीगयुंजी ॥ २२ ॥ देविबोलेताम ॥
 सायरमांऊंफादिउजी ॥ लषमीचितेईम ॥ देविईमुऊअनुंयहकिउजी ॥ २३ ॥
 सारथवाहनेंईम ॥ लढिसलावीईमकहेजी ॥ संपज्योअममायताय ॥ ईमकरी

सायरमांवहेजी ॥ २४ ॥ विध्योतामत्रिसूल ॥ देवीसोवनद्वीपेलावतीजी ॥
 देवीयज्ञपज्ञांत ॥ बाहणनेनवीबोलावतीजी ॥ २५ ॥ बाहणचाट्यांजाय ॥
 हेमकुंमलज्ञेअवसरेंजी ॥ रयणद्वीपेतेंजाय ॥ दिगेनेंउलप्योसलीपरेंजी ॥
 ॥ २६ ॥ देविपरीचीततास ॥ मागीजपधींसजकस्योजी ॥ पुण्यप्रमाणेंतामा
 जिवितजोसैंआयुधस्योजी ॥ २७ ॥ यतः ॥ वनेरणेशत्रुजलाग्रिमध्ये ॥ महा
 एविपर्वतमस्तकेवा ॥ सुप्तप्रमत्तंविषमस्थितंवा ॥ रंहतिपुण्यानिपुराकृतानि ॥
 ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अग्यारमीएढाल ॥ ठगेखंमेसोहामणीजी ॥ समरादित्यनें
 रास ॥ पद्यबीजयत्तावेत्तणीजी ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ ५३ ॥ हेमकुंमलउलप्योहवे ॥ पुढेधरणपवित्त ॥ सिरीविजयसंबंधकहो ॥
 तवकहेतेहत्वरित ॥ २९ ॥ जिवाफ्योम्हेतिहांजई ॥ सूणीधरणसंतूष्ट ॥ धर
 णलेईवीद्याधरो ॥ गुणसंस्तारीगरीष्ट ॥ ३० ॥ रयणसाररलिआमणो ॥ द्विपअती
 उद्दाम ॥ रतनगरीअतीरुअमो ॥ नानाविधतरूनाम ॥ ३१ ॥ विद्याधरकि
 माविषे ॥ तत्परतरूणीगीत ॥ सूस्तीवासनादिसदिसें ॥ आवेपणनहिंशत ॥
 ॥ ३२ ॥ सरोवरतिरेंसहंकरू ॥ हंसादिकनीहाशि ॥ दुरुश्रेणीवारूपरें ॥ जोसेअती
 श्रीकार ॥ ३३ ॥ वाविकांठेरूणविसम्या ॥ संयहेफलसहकार ॥ वाविमां
 नाहिवावरे ॥ पुढेवातप्रकार ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ एंमिनीकिहांराषिरे ॥ एदेशी ॥
 हेमकुंमलपुढेधरणनें ॥ किमतूमनेंमलीएह ॥ तवधुरथीमांमीतेसघली ॥ वा
 तकहीहतीजेहरे ॥ ३५ ॥ प्राणीपुन्यतणांफलजोज्यो ॥ डरजनसज्जनदोयप
 टंतर ॥ अणंमेरुसमहोज्योरे ॥ प्राणी ॥ अहो २ दूष्टताव्यंतरीकेरी ॥ किधुं
 मोहटुंअकाज ॥ हवेतूम्हेकहोतेकरीइंतवकहे ॥ किधुंसघलूंकाजरे ॥ ३६ ॥
 ॥ प्रा० ॥ पणिमुळजायाडखणीहोस्ये ॥ किजेंताससंजोग ॥ हेमकुंमलमन
 मांंहिविचारे ॥ रयणतणोकहंसोगरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ हेमकुंमलकहेमेलवुं
 रमणी ॥ पणिएकसांसलोवात ॥ रतनगरीनामेशहांपरवत ॥ सुलोचनसूर
 ख्यातरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ किन्नरतेमुळमीत्रवरवाण्यो ॥ तेहनेंमिलवुंमाहरे ॥
 तुम्हनेदेवपुरेंपठेंमुंकीस ॥ मिलस्येनारीतीहारेरे ॥ ३९ ॥ प्रा० ॥ धरणकहे

जिमतूममनजाणो॥तवतेधरणेनेलेई॥पहोतोरयणगीरीतससोत्ता॥वर्णवीशंकहो
 केईरो॥४०॥प्रा०॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरि॥ रुचिरसवनअतिदिपे॥ गोष
 सीत्तिप्राकारनीशोत्ता॥सूरविमाननेंजीपेरे ॥४१॥प्रा०॥ उत्तोथईनेंआदरदिधो॥
 किधोजचितउपचार ॥ किहांथीआव्यानेंएकुणठे ॥ कहोवलीहेतूविचाररे ॥
 ॥४२॥ प्रा० ॥ आशयनीजविद्याधरसाषे ॥ रयणअपाववालाव्यो ॥ हर
 षीतथईतेसांतलीराप्यो ॥ केईकदिनमनसाव्योरो॥ प्रा० ॥४३॥ रयणलेईनें
 धरणेनेंलाव्यो ॥ देवपुरनयरनेंबारी ॥ रतनआपीनेंईणिपरेंसाषे ॥ सोधज्येई
 हांनिजनारीरे ॥४४॥प्रा०॥ हेमकुंमलनीजथानीकपोहतो ॥ धरणगयापुर
 मांहि ॥ टोपसेठहवेदेपेतेहनें ॥ मनमालहेउठाहरे ॥४५॥ प्रा० ॥ अहो
 आकारअपुरवदिशे ॥ एकाकीकिमएह॥सूरवशातापुढिघरिलाव्यो॥ सेठकहे
 हवेतेहरे ॥४६॥ प्रा० ॥ किहांथीआव्यातूमहेईणनयरो॥ तवतेधरणेंसाप्यो॥
 माकंदीनिकट्याथीमांमी ॥ देवपुरपर्यंतदाप्योरे ॥४७॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें
 राषवाआप्यां ॥ राषज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो ॥ धरणप
 म्यापढीजेहरे ॥४८॥ प्रा० ॥ आसासनालषमीनेंकरतो॥ सूवचनसारथवा
 ह ॥ एसंशारअशारठेसुंदरी ॥ सऊनेंएहजराहरे ॥४९॥ प्रा०॥ जिहांसंजोग
 वियोगत्यांदिशे ॥ षेदमकरस्योनारी ॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां ॥ जाणजे
 गईठेमाहरीरे ॥५०॥प्रा०॥ एलषमीतूलषमीबिऊनें॥पोचामुंतूमगेहा॥तवनयनें
 आंसूंस्तरीबोली॥लषमीमायागेहरे॥५१॥प्रा०॥तुंमजिवतांमुऊनेंसीचिता॥ एक
 दिनसेठविचारो॥एहद्रव्यनेंसुंदरीसुंदर ॥ हाथिआवीकुंणहाररे ॥५२॥ प्रा०॥ते
 हतोमरणतपश्वीपांम्यो ॥ एहनुंमनमुऊसाथें॥ कुंणमुरखकरआव्युंठांमे॥चि
 त्तकरूंमुऊहाथेंरे ॥५३॥ प्रा० ॥ हास्यकरंतानीजवशकीधी ॥ लंपटनेंसी
 वार ॥ धरणीकरीनेंराषीधरमां ॥ धनपणिराप्युंशाररे ॥५४॥ प्रा० ॥ केई
 कदिनपोहतूंअनुंकरमें ॥ देवपुरेंतेजिहाज ॥ सेटांकेईराजानेंमिलिउ ॥ तूगे
 तेनरराजरे ॥५५॥ प्रा०॥ तेहनुंदाणमुंक्युंनरराई ॥ पोहतोजीहाजमऊारि ॥
 ठेठेखमेंबारमीठालें ॥ पद्मकहेअधीकाररे ॥५६॥ प्रा० ॥ ॥५७॥

॥ उहा ॥ चिनथीआव्युंचालतूं ॥ जिहाजएसांसल्युंजांम ॥ निकल्योघरणे
 नीरखवा॥दोयजणदिठांतांम ॥ ५७ ॥ हरप्योहैयमेहेजस्थूं ॥ दूसाणतेदोया॥
 पणिआसनदेइपुठिउ ॥ पूर्वटत्तांतपलोय ॥ ५८ ॥ संसलाव्योतिणेंसामठो ॥
 सूवचनचितेसेठ ॥ अहो २ कर्मनीगतीअजव ॥ हैहैदेवथीहेठि ॥ ५९ ॥
 केवलकिधअकाजम्हें ॥ समीहितपणिनवीसीध ॥ चितिआपवेंचनथी ॥
 कारजसुंदरकीध ॥ ६० ॥ जिवंतातूम्हजोईआ ॥ द्योतूम्हसघलीलाठि ॥
 कहेधरणतूम्हेसवीकस्थूं ॥ पाठिनराषीपाठि ॥ ६१ ॥ मुऊनेंजायामेलवी ॥
 किधुंसघलूंकाम ॥ जायानेंकहेजाईई ॥ आबोपुरमांआम ॥ ६२ ॥ टाळा ॥
 बापमलीरेजीसमलीतूंकानवीबोलेमीठुं ॥ एदेशी ॥ सांसलज्योताईनारीचरीअ
 हकामकरेठेकेहवां ॥ लषमीकहेकालिनयरीमां ॥ आपणजास्यूरहेवारे ॥
 ॥ ६३ ॥ सा० ॥ आजतूम्हेपणिशहंरहेवुं ॥ धरणेंमानीवात ॥ स्नानकरावि
 नेंदोयचितें ॥ करवोएहनोघातरे ॥ ६४ ॥ सा० ॥ मदिरापाईनेंआहारकरा
 व्यो ॥ आवीजेहवेरयणी ॥ सख्यासुंदरपायरीसूतां ॥ धरणतथानीजधरणीरे ॥
 ॥ ६५ ॥ सा० ॥ मुंजाणोमदिरानेंजोरे ॥ तेहवेअवसरजाणी ॥ फांसोदिधो
 पणितेफसदयो ॥ लषमीहर्षत्तराणीरे ॥ ६६ ॥ सा० ॥ मुउंजाणीवेऊंमिळीनें ॥
 सायरकांठेंठांम्यो ॥ तेथानिकगयातेहवेशीतल ॥ वायरोआववामांम्योरे ॥
 ॥ ६७ ॥ सा० ॥ चेतनलाधुंतवतेचितें ॥ स्थूंएसूपनुंदेपुं ॥ इंद्रजालअथवामति
 विभ्रम ॥ अथवासत्यएपेपुंरे ॥ ६८ ॥ सा० ॥ सायरतटदेपीनेंविचोरे ॥ नि
 श्रयसाचुंएह ॥ उठिनेंचितेलढीनुं ॥ चरीअअहोदूरखरेहरे ॥ ६९ ॥ सा० ॥
 उनमारगेंएकेंमप्रवर्त्या ॥ डखदायकएसोग ॥ मुखिमिठीवलीदिलथीजुठी ॥
 महिलाचालतोरोगरे ॥ ७० ॥ सा० ॥ अगनीपवननेंसूजंगयहेवाई ॥ नारीचि
 त्तनकलाई ॥ दोखनीषांणिकलेसनुंकारण ॥ मोहेंजगतढलाईरे ॥ ७१ ॥ सा० ॥
 ॥ यतः ॥ अतृंतसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोत्ता ॥ अशौचंनिर्दयत्वंच ॥
 स्त्रीणांदोषास्वत्तावजाः ॥ १ ॥ त्वस्यबीजंनरक ॥ द्वारमार्गस्यदिपीका ॥ शु
 चांकंदःकलेर्मूलां ॥ डखानांखानीरंगना ॥ २ ॥ जलणोविधेष्पइसूहां ॥ पवणोसूय

यगोयकेणश्नएणं ॥ महीलामणेनघेप्पई ॥ बज्जएहिंविनयसहस्सेहिं ॥ ३ ॥
 ॥ पूर्वढाल ॥ अथवासूवचनसेठनेनघटे ॥ पणएहनोस्योदोस ॥ विषयराम
 वासोनारीस्युं ॥ तेकारणएरोसरे ॥ ७२ ॥ सा ॥ इणिअवशरिंतीहांटोपसे
 ठना ॥ पुरसरखोलताआव्या ॥ देषिनयणेंआसूरैमी ॥ इणिपरेंतिणेंबोलाव्यारो ॥
 ॥ ७३ ॥ सा ॥ रातेपणितूम्हेकिमनवीआव्या ॥ सेठनेंउपनीचिता ॥ अमनें
 जोवामोकदयासेठें ॥ आव्याइहांखोलंतारो ॥ ७४ ॥ सा ॥ चालोसेठनेंदरसणआ
 पो ॥ सेठनीचितासागो ॥ अहोपुरुषनोअंतरदेषो ॥ कुमरविचारवालागोरे ॥
 ॥ ७५ ॥ सा ॥ यतः ॥ वाजिवारणलोहानां ॥ काष्ठपाषाणवाससां ॥ नराणांरमणीनां
 चाअंतरंमहदंतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तेनरसाथेंधरणतेचादया ॥ मिलिआसेठनें
 जाम ॥ एकांतेवेशारीसेठें ॥ वाततेपुढीतामरे ॥ ७६ ॥ सा ॥ आंमणदूम
 एइमकिमदिशो ॥ होयतेसाषोसाचुं ॥ तवतेधरणविचारेमनमां ॥ किमकरी
 फाटेमाचुरे ॥ ७७ ॥ सा ॥ वातलज्जामणीनवीकहेवानी ॥ नयणेंनीरत्तरा
 य ॥ कहेंकांईइनहीसेठकहेसूणो ॥ चिनथीऊयाजजेआयरे ॥ ७८ ॥ सा ॥
 तेतूमनेंमलिउंकेनांही ॥ तवतेगदगदवाणी ॥ मिळिउंकुमरकहीनेरेमे ॥ आंसूं
 धारवहाणीरे ॥ ७९ ॥ सा ॥ मानुंनारीमरणलहीएहनी ॥ अन्यथाएहवोन
 शोक ॥ सेठकहेठेकुसलप्रीयानें ॥ जिहाजतेहजकेफोकरो ॥ ८० ॥ सा ॥ वा
 हणतेहजनंनारीजीवें ॥ सेठकहेतवइम ॥ तुमनेंशोककहोहवेस्योठें ॥ जब
 सज्जनेंठेपेमेरे ॥ ८१ ॥ सा ॥ जिमतिमउत्तरनेंपणउत्तर ॥ बोलेकुमरजिवा
 रें ॥ सेठकहेसूंनेंमनेंसाषे ॥ मनमांतूंस्युंधारेरे ॥ ८२ ॥ सा ॥ तेमुऊगुरुता
 वेंपमिवजिउ ॥ किमगुरुआणापंमे ॥ नविकहेवानुंपणितेधरणो ॥ आणाइं
 कहेवामंमेरे ॥ ८३ ॥ सा ॥ जिवितथीनारीजीवेठे ॥ पणिशीलेंनवीजीवें ॥
 सेठकहेकिमजाण्युंतवकहे ॥ काय्यथीजिमदिवेरे ॥ ८४ ॥ सा ॥ किणी
 परेंनीपनुंतवतेधरणें ॥ सोजनजिमणथीमांमी ॥ सयलकझुंजिमठेहलीवारे ॥
 सायरतटगयांठांमीरे ॥ ८५ ॥ सा ॥ अनुक्रमेंजीवतोतूमनेंमिळीउ ॥ वात
 तेसर्वप्रकासी ॥ ठेठेखंमेतेरमीढालें ॥ पद्वेंवाततेसासीरे ॥ ८६ ॥ सा ॥ ॥ ७७ ॥

॥ ५५ ॥ सूवचनउपरिसेठजी ॥ कोप्याजेमकृतांत ॥ धरणधरीनिजधाम
 मां ॥ आव्योरायउपांति ॥ ८७ ॥ वातसयलतिहांविनवी ॥ नरपतीकरवा
 न्याय ॥ तेमाव्योसूवयणतदा ॥ प्रणमेंआवीपाय ॥ ८८ ॥ पुढेचपपरगटक
 हो ॥ सूणींरीधीसफार ॥ केमकमाणतवकहे ॥ हरषीहैयामऊार ॥ ८९ ॥
 आविरीक्षिकुलअनुक्रमें ॥ नृपकहेकिहांथीनारि ॥ मातपीतांमुण्णें ॥ परणा
 वीवळुप्यारि ॥ ९० ॥ सनमुखनरपतीसेठनें ॥ जोवेसांसलीजाम ॥ सेठक
 हेसूणिसाहिबा ॥ अलिककहेएआंम ॥ ९१ ॥ सूवचनकहेसाचुंकिर्यूं ॥ सेठ
 कहेतवशार ॥ कंचननेंएकांमिनी ॥ धरणतणिअवधारी ॥ ९२ ॥ साचुंएह
 जसांसले ॥ सांसलीउपनीशंक ॥ पणिवोलेपरगटपणें ॥ मानुंमननिशंक ॥
 ॥ ९३ ॥ दाव ॥ श्रीनमिजिननीसेवाकरतां ॥ एदेवी ॥ अहोअपुरवतूंहीनि
 मीत्तिउ ॥ कहोईहांप्रत्ययताससाचोजी ॥ राजद्वारएठेतवबोले ॥ सेठसा
 धारणसासवाचोजी ॥ ९४ ॥ अहो ॥ एहप्रत्ययजेतेहजजीवे ॥ सु
 वचनबोलेतामरायाजी ॥ धरणनामकानेंनवीसुणीउं ॥ एतोकहेठेआमसा
 याजी ॥ ९५ ॥ अहो ॥ परषोतूम्हेतवतेनरराई ॥ धरणतेमाव्योपासते
 हजी ॥ निजनरमुंकिनारितेमावी ॥ आवितिहांउल्लासएहजी ॥ ९६ ॥
 ॥ अहो ॥ शठावीनसेठनेंउपरोवें ॥ आव्योरायहजुरजामजी ॥ पुढेरनारी
 एनरनो ॥ दिठोकेनहीनुरतामजी ॥ ९७ ॥ अहो ॥ नारीकहेकहीईन
 वीदीठो ॥ पुढेधरणनेंरायहेजेंजी ॥ एतूमचीधरणीकेनांही ॥ तवकहेधरणतेठाय
 तेजेंजी ॥ ९८ ॥ अहो ॥ जेहएणेंकसुंतेसवीसूणीउं ॥ हवेपुढ्यानुंकांम
 र्युंठेजी ॥ नृपकहेतेहजमाटेपुतुं ॥ वचनकेनारोसामतूठेजी ॥ ९९ ॥ अ
 हो ॥ धरणकहेतूमआग्रहेंसाषुं ॥ नारीहतीमुळएहआगेंजी ॥ नृपकहेध
 रणसणीएसूवचन ॥ उलषेकेनहीकेहमागेजी ॥ १०० ॥ अहो ॥ धर
 णकहेनृपएहनेंपुठो ॥ एहकहेतेप्रमाणमाहरेजी ॥ तवसुवयणनेंपुठेसूपती ॥
 ठेकांईउलषांणताहरेजी ॥ १ ॥ अहो ॥ सूवचनकहेएकुणनेंऊकुंण ॥ रा
 यकहेएवातरहीजी ॥ वाहणमांअव्यकिस्योठेदाषो ॥ सूवचनकहेनरतातअही

जी॥२॥आ०॥ कनकंष्टयोदससहससंपुटो॥ पुढ्यापढीकहेइमधरणोजी॥ रा
 यकहेतसतोलकहोतूम्हे॥ कहेनवीजाणेंनेमकरणोजी॥३॥आ०॥ निजवस्तुनुं
 तोलनजाणो॥ तवकहेइमजएहकिधांजी ॥ सूवचननेंसाषेतवबोले ॥ धर
 णेंवचनकहांजेहसिधांजी ॥४॥आ०॥ नरपतीयाकोन्यायकरंता॥ तवकहेधर
 णविचारीरंगेंजी ॥ अलिकवादिऊंएहनेंआपो ॥ एधननेंएनारीसंगेंजी ॥ ५ ॥
 ॥ अ० ॥ सूवचनकहेमुळआलदेईनें ॥ बोलेजेजुंकेमसाईजी ॥ टोप्पसें
 ठतवन्नटकीबोले॥ रेपापीकहेइमकांईजी॥६॥आ०॥ एहवुंकरीनेंइमतूंबोले॥
 सेठकहेवलीरोसआणीजी ॥ स्यूंबळबोलेजोएनारी ॥ धरणनोसघलोकोसजा
 णीजी ॥ ७ ॥ अहो० ॥ कळंएहमांजोजुतुंहोवे ॥ तोघरबारस्यूंजीवआपुं
 जी ॥ धीजकरावोतेअम्हेंकरीई ॥ पणिएहनेंअम्हेंखीवनापुंजी॥८॥ अ० ॥
 धरणविचारेएमुळस्नेहें ॥ बोलेइणिपरेंतेणमाहरेजी ॥ नघटेउदासपसणंकरी
 जंपे ॥ सूणोत्पसस्थुंदिव्येणवारेजी ॥ ९ ॥ अहो० ॥ वाहणमांसोवनसं
 पुटजेठे ॥ तेहमांधरणमुळनांमहोस्येजी ॥ जोसूवचननिकलेतोएहनुं ॥ रा
 यकहेथयुंकामतोस्येंजी ॥ १० ॥ अहो० ॥ पंचोलीलेवामोकलिआ ॥
 लाव्यासंपुटतांमनीरप्याजी ॥ धरणनांमदिठुंनहीजीहारे ॥ लोकथयासज्जता
 मविदषाजी ॥ ११ ॥ आ० ॥ रायकहेनवीअसीधादिशे ॥ सूवचनकहेनर
 रायजाणोजी ॥ पणितूमआगलिअलिककहीनें ॥ किमधारेएठायप्राणोजी ॥
 १२ ॥ अ० ॥ घरबारनेंजीवकबुलकस्थोठे ॥ धरणनेंकहेएकेमरायजी ॥ ध
 रणकहेजुतुंनवीबोलूं ॥ फोफोसंपुटनेंइमतायजी॥१३॥आ०॥ फोफ्यासंपुटना
 मतेदीतुं ॥ कोप्योरायअपारतामजी ॥ महाचोरएवाणीगवेसें ॥ करेअन्याय
 प्रकारकामजी ॥ १४ ॥ अ० ॥ जमघरिसुवचनसेठपोचावो ॥ अलठिनेंदेअ
 नीकालदिजेजी ॥ धरणनेंप्रव्यसर्वएसूपो ॥ वलिकहोकांयततकालकीजेजी
 ॥ १५ ॥ अ० ॥ धरणकहेप्रसूद्रव्येंसरीजं ॥ सूवचनअसयप्रधानकरिई
 जी ॥ चितेरायअहोनरअंतर ॥ स्युंएहनेंउपमांधरीईजी ॥ १६ ॥
 ॥ आ० ॥ नृपकहेधरणएवातअघटती ॥ पणितुजवचनलंघायतिणेंजी ॥

तुममनमानेंतिमकरतवते ॥ बोड्योकिधपशायवयणेंजी ॥ १७ ॥ अहो ॥
 ठोखंढेढालचौदमी ॥ समरादित्यनेरासतापीजी ॥ पंजीतजतमविजयसू
 सेवक ॥ पञ्चविजयसूविदासरापीजी ॥ १८ ॥ अहो ॥ ॥ सऊपं
 चातीसेठीआ ॥ सूवचनदेईसाथि ॥ धरणलेईप्रथवीधणी ॥ सऊगयासरीता
 नाथ ॥ १९ ॥ संपुढधरणेसूंपीआ ॥ सेठंगणीनेसर्व ॥ धरणसूवयणनेधी
 रता ॥ आपेइमजीगर्व ॥ २० ॥ कुंणनेदैववशेंकहो ॥ वातरखलीतनवीहोय ॥
 पेदमुंकिनेपांतिस्यू ॥ साहसधरीइसोय ॥ २१ ॥ लाखसोवनतूमेनवीलप्या ॥
 आदरमुळनेआप ॥ इममुळनेतूमेआपीजं ॥ लावनोस्योआलाप ॥ २२ ॥ ए
 हसंभमवयणेंअम्हें ॥ ताषुंतूमंशितांति ॥ तुममनमानेंतेतडुं ॥ सोवनढ्यो
 यईशांति ॥ २३ ॥ लाज्योसूवचननविलव्यो ॥ धरणथईतवधीर ॥ अठलखशा
 वनआपीआ ॥ परनीतांजेपीर ॥ २४ ॥ दाज ॥ गद २ ॥ जांजांजतनोवति
 बाजइ ॥ एदेशी ॥ नृपनेदैशनमानं ॥ टोप्पसेठस्यूंआव्याथानरे ॥ जसनो
 बतिजगमांवाजी ॥ एआंकणी ॥ करीत्माननेसोजनकिधां ॥ वऊदानजाचक
 नेदिधारे ॥ २५ ॥ जस ॥ टोप्पसेठनेचरणेंलागो ॥ टोपसेठकहेस्यूंमागो
 रे ॥ जस ॥ कहेधरणजोनकहोनाकारो ॥ तोमांगुंएकजवारोरे ॥ जस ॥
 ॥ २६ ॥ हरषेंकरीचितेसेठ ॥ ऊंधन्यसऊमुळहेठिरे ॥ जस ॥ सूरतरुचितामणी
 तुत ॥ मुळपासमांगेअदसूतरे ॥ २७ ॥ ज ॥ कहेसेठसूणोसुविनीत ॥ पुत्रक
 लत्रनेएसविवित्तरे ॥ ज ॥ दासत्वनिमीत्तेजाचो ॥ तोहीमुळमननवीकाचो
 रे ॥ २८ ॥ जस ॥ कहेधरणजोइमविचारो ॥ त्रणिवचनआपोसूखकारो
 रे ॥ जस ॥ त्रणवचनदियांतवमांगे ॥ मुळसहसरतनद्योरागेरे ॥ जस ॥
 ॥ २९ ॥ दिधांतिहारयणहेजार ॥ तेहमांथीधरणकुमाररे ॥ जस ॥ लेई
 आठरतनकरीपुजा ॥ सेठजीतुमसमनहीडजारे ॥ ३० ॥ जस ॥ इणिपरें
 गुणस्तर्बनाकरतो ॥ पगविचमांनिजशिरधरतोरे ॥ जस ॥ मुळएहप्रारथ
 नाजाणे ॥ सेठचितेतवसमजाणेरे ॥ ३१ ॥ जस ॥ त्रिउमुळवचनेंएणें ॥ कि
 मनाकहेवाइंइणेंतिणेंरे ॥ जस ॥ सेठंबऊआदरकरीजा ॥ निजनयरत्तणीसंचरी

उरे ॥ ३२ ॥ जस ० ॥ निजनघरनेबाहिरआवी ॥ मेरादिधासूतसावीरे ॥ ज ० ॥
 नरपतीतवसाहमोआवई ॥ महामहोवस्युं पधरावेरे ॥ ३३ ॥ जस ० ॥ नि
 जसूवनेंदावेराया ॥ स्नानसोजनकरतपसायारे ॥ जस ० ॥ बडूसूषणनें
 वीमानं ॥ पोहचाफ्यानिजघरिथानरे ॥ ३४ ॥ जस ० ॥ मायतायनेंहरषन
 माय ॥ सऊचैत्येंपुजाविरचायारे ॥ जस ० ॥ तेफ्यावलीरायनेंघेर ॥ सतकार
 कस्योबडूपेरे ॥ ३५ ॥ जस ० ॥ परधानपाणीआजेह ॥ सऊसतकार्या
 सुत्तरेहरे ॥ जस ० ॥ पुढेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥
 ॥ ३६ ॥ जस ० ॥ कहेधरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुढेअवदातरे ॥ जस ० ॥
 जेनारीनेंउचिततेकिधुं ॥ जनकादीवीचारेएसीधुरे ॥ जस ० ॥ ३७ ॥ मुद्रा
 देउंएहनेंआज ॥ इमंचितवीतेपुरराजरे ॥ जस ० ॥ आव्योघरिउठिराय ॥ तव
 धरणउचितकस्सायरे ॥ ३८ ॥ जस ० ॥ आगमनप्रयोजनकहीई ॥ नृपक
 हेमुद्रातूमेजहीईरे ॥ जस ० ॥ कहेधरणनमुद्राकाम ॥ एकवातसूणोगुणकाम
 रे ॥ ३९ ॥ जस ० ॥ कहेरायकहोतेकरीई ॥ कहेधरणजोमुऊआदरीईरे ॥
 ॥ जस ० ॥ तोमुंकोबंदिवान ॥ तुमराज्यमांअसयनुंदानरे ॥ ४० ॥ जस ० ॥
 रायेंदीधीतवआणि ॥ मुऊराज्यमांकिजेंजांणरे ॥ जस ० ॥ हिस्थानविकर
 ज्योकोय ॥ नहिरनृपदंमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस ० ॥ नरपतीनिजथानिक
 आव्या ॥ गुणधरणतणचितलाव्यारे ॥ जस ० ॥ बडूकालेंमीत्रजेमलीआ ॥
 तेहस्युंक्रीमामांहलीआरे ॥ जस ० ॥ ४२ ॥ गयामलयसुंदरउद्यान ॥ तिहां
 नागलतानेंथानरे ॥ जस ० ॥ नामेरेविलगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायारे ॥
 ॥ जस ० ॥ ४३ ॥ बडूदादिपालिकरेतास ॥ देषीनेंघरणउदासरे ॥ जस ० ॥ सां
 सरीलषमीतिठाम ॥ चितेअहोडर्जयकामरे ॥ ४४ ॥ जस ० ॥ कामीपरमार्थनदे
 षे ॥ वैराग्ययकीइमलेषेरे ॥ जस ० ॥ जायआगलिधरणकुमार ॥ अशोकश्रेणी
 तिणीठारे ॥ ४५ ॥ जस ० ॥ प्रासुकथानिकतिहांदिठ ॥ हैयमांलागामीठारे
 ॥ जस ० ॥ बडूजीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकारे ॥ ज ० ॥ ४६ ॥
 अर्हदत्तआचारयनाम ॥ नाणीसुत्तचित्तपरीणामरे ॥ जस ० ॥ जित्योजिणे

पुबअनंग ॥ पण्डितहेअनंगसूखरंगरे ॥ जस ० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजासस
 रीर ॥ जोईधरणविचारेधीरे ॥ जस ० ॥ पनरमीठेखमे ॥ पदमेकहीढाल
 अखंमेरे ॥ जस ० ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥ आचारजअवलोकितने ॥ धरणविचारेधन्या ॥ जिवितसफळूजगतमां
 गुणगणजासअगन्य ॥ ५३ ॥ कंचननेवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसज्जलोक ॥
 इंद्रजालपरेंडलपे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५४ ॥ उपगारीमुजएहमे ॥ पा
 लुंजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५५ ॥ निय
 माकरीसकींनही ॥ धरमतेरहेतांधाम ॥ आरंतेहिंसाअती ॥ नहितिहांधर्म
 नुनाम ॥ ५६ ॥ अंतैत्यजवोआपणें ॥ कामनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
 चारीत्रने ॥ समझूंआव्युंशोय ॥ ५७ ॥ चरणकमलनमीचूपस्यूं ॥ वारुसा
 थिवयंस ॥ धरमलातदिधोधुरे ॥ आचारयअवतंस ॥ ५८ ॥ ढाल ॥ जी
 रेजरेस्वामीसमोसस्था ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजबउपविसे ॥ गुरुकहेकिहा
 यकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूंअम्हेसाव्यारे ॥
 ॥ ५९ ॥ श्रीगुरुसजकपाकरो ॥ एआंकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ ए
 हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ बोढ्यामुनीवरठेकरे ॥ ६० ॥
 श्री ० ॥ इंद्रीयंढालचिंतांमवी ॥ नविकरवोतेकखायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
 री ॥ संजमपालबुंधायरे ॥ ६१ ॥ श्री ० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवी
 दोहिदीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ गंधयुंनगंधयुंसमाणरे ॥ ६२ ॥
 श्री ० ॥ कर्मदोषेनपालीसके ॥ असदालंबनकरतारो ॥ संजमगंधेतेनवीगृहि ॥
 मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ६३ ॥ श्री ० ॥ बेसवनिःफलतसगया ॥ तिणेंतू
 लणाकस्यापाधेरे ॥ नपट्टेधरतूळगंधुं ॥ धरणोतवश्मसापेरे ॥ ६४ ॥ श्री ० ॥
 सगवनतूमेसाचुंकहुं ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रठे ॥ तूलनावि
 वेकनुंकारे ॥ ६५ ॥ श्री ० ॥ आचारयमनचितवे ॥ जाण्योजथार्थसंशार
 रे ॥ बोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशंसावीस्ताररे ॥ ६६ ॥ श्री ० ॥ बुझेजि
 ममीत्रएहना ॥ बोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ वडधन्यमाता

उरे ॥ ३२ ॥ जस ॥ निजनघरनेंवाहिरआवी ॥ मेरादिधासूतसावीरे ॥ ज ॥
 नरपतीतवसाहमोआवई ॥ महामहोठवर्युं पधरावरे ॥ ३३ ॥ जस ॥ नि
 जसूवनेंदावेराया ॥ स्नानसोजनकरतपसायारे ॥ जस ॥ बडूसूषणनें
 दीमांन ॥ पोहचाम्यानिजघरिथानरे ॥ ३४ ॥ जस ॥ मायतायनेंहरषन
 माय ॥ सऊचैत्येंपुजाविरचायरे ॥ जस ॥ तेम्यावलीरायनेंघेर ॥ सतकार
 कस्योबडूपेरे ॥ ३५ ॥ जस ॥ परधानपगगीआजेह ॥ सऊसतकास्या
 सुत्तरेहरे ॥ जस ॥ पुढेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥
 ॥ ३६ ॥ जस ॥ कहेधरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुढोअवदातरे ॥ जस ॥
 जेनारीनेंउचिततेकिधुं ॥ जनकादीवीचारेएसीधुरे ॥ जस ॥ ३७ ॥ मुद्रा
 देउंएहनेंआज ॥ इमंचितवीतेपुरराजरे ॥ जस ॥ आव्योघरिउठिराय ॥ तव
 धरणउचितकरेसायरे ॥ ३८ ॥ जस ॥ आगमनप्रयोजनकहीई ॥ नृपक
 हेमुद्रातूमेदहीईरे ॥ जस ॥ कहेधरणनमुद्राकाम ॥ एकवांतसूणोगुणकाम
 रे ॥ ३९ ॥ जस ॥ कहेरायकहोतेकरीई ॥ कहेधरणजोमुऊआदरीईरे ॥
 ॥ जस ॥ तोमुंकोबंदिवान ॥ तुमराज्यमांअसयनुंदानरे ॥ ४० ॥ जस ॥
 रायेंदीधीतवआणि ॥ मुऊराज्यमांकिजेंजांणरे ॥ जस ॥ हिंस्थानविकर
 ज्योकोय ॥ नहितरनृपदंमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस ॥ नरपतीनिजथानिक
 आव्या ॥ गुणधरणतणचितलाव्यारे ॥ जस ॥ बडुकादेंमीत्रजेमलीआ ॥
 तेहस्युंकीमामांहलीआरे ॥ जस ॥ ४२ ॥ गयामलयसुंदरउद्यान ॥ तिहां
 नागदतानेंथानरे ॥ जस ॥ नामेरेविदगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायारे ॥
 ॥ जस ॥ ४३ ॥ बडुदालिपादिकरेतास ॥ देषीनेंधरणउदासरे ॥ जस ॥ सां
 तरीलषमीतिठाम ॥ चितेअहोउर्जयकामरे ॥ ४४ ॥ जस ॥ कामीपरमार्थनवे
 पे ॥ वैराग्ययकीइमलेषेरे ॥ जस ॥ जायआगविधरणकुमार ॥ अशोकश्रेणी
 तिणीठारे ॥ ४५ ॥ जस ॥ प्रासुकथानिकतिहांदिठा ॥ हैयमांजागामीठारे
 ॥ जस ॥ बडुशीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकाररे ॥ ज ॥ ४६ ॥
 अर्हदत्तआचारयनाम ॥ नाणीसुतचित्तपरीणामरे ॥ जस ॥ जित्योजिणे

पुबअनंग ॥ पण्डितहेअनंगसूखरंगरे ॥ जस ० ॥ ४७ ॥ तपसोपीतजासस
 रीर ॥ जोईधरणविचारेधीरे ॥ जस ० ॥ पनरमीठेरवंगे ॥ पदमेकहीढाल
 अखंगेरे ॥ जस ० ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥ आचारजअवलोकिते ॥ धरणविचारेधन्या ॥ जिवितसफलंजगतमां
 गुणगणजासअगन्य ॥ ५३ ॥ कंचननेचलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसज्जलोक ॥
 इंद्रजालपरेंडलपे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५४ ॥ उपगारीमुजएहठे ॥ पा
 लुंजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५५ ॥ निय
 माकरीसकीइन्ह ॥ धरमतेरहेतांधाम ॥ आरंसेहिंसाअती ॥ नहिंतिहांधर्म
 नुंनाम ॥ ५६ ॥ अंतैत्यजवोआपणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
 चारीत्रने ॥ समजूंआव्युंशोय ॥ ५७ ॥ चरणकमलनमीचूंपस्यूं ॥ वारुसा
 यिवयंस ॥ धरमदासदिधोधुरे ॥ आचारयअवतंस ॥ ५८ ॥ डाज ॥ जी
 रेजीरेस्वामीसमोसस्था ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजबउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां
 यकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांयकी ॥ चारीत्रस्यूंअम्हेसाव्यारे ॥
 ॥ ५९ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआंकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ ए
 हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ बोल्यामुनीवरठेकरे ॥ ६० ॥
 श्री ० ॥ इंद्रीयलालचिंतांमवी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
 री ॥ संजमपालबुंधायरे ॥ ६१ ॥ श्री ० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवी
 दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ गंधुंनगंधुंसमाणरे ॥ ६२ ॥
 श्री ० ॥ कर्मदोषेनपालीसके ॥ असदालंबनकरतारे ॥ संजमगंधेतेनवीगृहि ॥
 मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ६३ ॥ श्री ० ॥ बेसवनिःफलतसगया ॥ तिणेंतू
 लणाकस्यापाषेरे ॥ नघट्टेघरतूळगंधुं ॥ धरणोतवइमसाषेरे ॥ ६४ ॥ श्री ० ॥
 सगवनतूमेसाचुंकहुं ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रठे ॥ तूलनावि
 वेकनुंकामरे ॥ ६५ ॥ श्री ० ॥ आचारयमनचितवे ॥ जाण्योजयार्थसंशार
 रे ॥ बोधिलहेजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशंसावीस्तारे ॥ ६६ ॥ श्री ० ॥ बुळेजि
 ममीत्रएहना ॥ बोलेइमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ वडवन्धमाता

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ डरलसवोधितेतेंलही ॥ करीसफलोअवतारे ॥ ता
 हरुंकारयसीऊस्ये ॥ लेतूंसंजमताररे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयनालावचीजी
 वमा ॥ परमारथनवीदेपेरे ॥ इहांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांतलोचित्तविशेषेरे ॥ ६५ ॥
 ॥ श्री० ॥ इणहीजषेत्रमांहीवसे ॥ अचलपुरीनामैनयरीरे ॥ जितशत्रुतिहांन
 रपती ॥ जिणेंजीत्यासऊवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसूततेहनें ॥ स
 मरकेतूबिजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ बिजोकूमरनेंठाणरे ॥ ६७ ॥
 ॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्युंजजेणीनुं ॥ तोगववांतलुंराजरे ॥ समरकेसरीनामैरा
 जीउ ॥ थयोउल्लंठतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजिततेउपरें ॥ चढिउए
 कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाढोवढ्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥ ६९ ॥ श्री० ॥
 धरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेषतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुंपरगमो ॥ सूरीसर
 रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देशीसंवेगतेउपनो ॥ पुढेधर्मविचाररे ॥ देशनादि
 इंगुरुतेहनें ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ चारीत्रषयउपसमय्युं ॥
 इंद्रजातसमजाणीरे ॥ सविसंशारदिकादिइं ॥ तपसंजमकरेनाणीरे ॥ ७२ ॥
 ॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरतां ॥ पोहतानगरागामैरे ॥ तिहांउजेणीथीआ
 वीआ ॥ साधुवंदनकामैरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्यराऊ
 गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहढे ॥ वैदगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुढेगुरु
 उळेणीमां ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुंनीकहेसुंदरविहारढे ॥ पणिएकवातवि
 चाररे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ ठेखेंमेसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढाळरे ॥ ओताज
 नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरशाळरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥
 ॥ इहा ॥ पणितपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ सद्रकनहीतसत्ताव ॥ मुनीउपसर्गम
 हाकरे ॥ देशीनेंनिजदाव ॥ ७९ ॥ अपराजीतमुनीइंसुणी ॥ चित्तमांकरे
 विचार ॥ समरकेतूसमफिणविना ॥ अहोप्रमादअपार ॥ ८० ॥ पुत्रनेंपणि
 नवीपाळवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउंऊंउळेणीइं ॥ समजावुंमुत्तसाज ॥
 ॥ ८१ ॥ साधुद्वेषथीमुत्तनही ॥ बोधविजबलिजाय ॥ सकतीअढेसमजाव
 वा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८२ ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउळेणी ॥

आर्यराजगन्धर्वनुंसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ टाव ॥ सुजरोत्सोने
 जालिमजाटणी ॥ एवेनी ॥ गोचरीवेलाइमुनीवरबोलीआ ॥ तूम्हेप्राज्ञणाअ
 णगार ॥ आहारआणीतूम्हनेअमेआपीइ ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥
 मुनिवरस्याद्वादिसमजेसऊ ॥ एआंकणी ॥ कहेऊंआत्मलब्धिकुंतिणेंकरी ॥
 देषामोतूमजेह ॥ आपनाकुलतिहांजावुंनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥
 ॥ मु० ॥ कुलदेषामीनेवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकुंतेह ॥ इमकहीनेचेलोपा
 गोबल्यो ॥ पेठातिहांहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेअब्धेधर्मलासदिउ ॥ दे
 षीअंतेउरताम ॥ अहोमुनीनेकरस्येंकदर्शना ॥ जाणस्येकूमरतेजाम ॥ ८५ ॥
 मु० ॥ संज्ञाकरेजेजाउवहेलाफरी ॥ बधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलासकरस्योतेह
 षीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोम्या
 तिहां ॥ मनमांहरपनमाय ॥ देईद्वारनेअतीसयमुनीतणें ॥ वंधामुनीतणापा
 य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलासदिधोतवबोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी
 कहेगीतवाजिअविणनाचवुं ॥ किमसोतेसुविदास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर
 कहेअमेगीतवाजीअकरुं ॥ मुनीकहेतामश्रीकार ॥ विषमतालगीतवाजिअइ
 णेंकरयुं ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरपगोपनागोकरा ॥
 नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेनचाववाऊंसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा
 ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोमीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवंत ॥ अ
 वरउपायनहिंहांकामनो ॥ चितवेशेणपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलय
 णंनिजुधव्यापारमां ॥ हलूइएकनेंजाति ॥ सांध्योसर्वउतारीअंगनी ॥ वि
 जोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिइंकस्यो ॥ उघा
 मीहवेवार ॥ निजठामेंजईएकांतेकरे ॥ सजायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु
 मरपम्याहवेहालेचालेनही ॥ दिठासहुपरीवार ॥ पांणीइंसीचेंतनुंउलासतां ॥
 बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंसंतलावता ॥ सूणोइणिव्यति
 करेएह ॥ साधुइंकुमरकरयाणविधयकी ॥ सूपतिखबरिकरेह ॥ ९५ ॥
 मु० ॥ सूपसूरीपासेंजईअणमीआ ॥ तगवनखमोअपराध ॥ कहेवालक

नोतवसूरीबोलीआ ॥ अमेजाएनहीसाध ॥ १६ ॥ मु० ॥ तववृत्तांतस
ऊराइंकसो ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ अप्रतीबंधीनिजतनुउपरें ॥ साधेतत्वअ
माय ॥ १७ ॥ मु० ॥ नितपरलोकथीविहेमुनीवरा ॥ स्वमतासमतारेसाव ॥
प्राणनासयथीइखदेवेनही ॥ एउत्सर्गस्वसाव ॥ १८ ॥ मु० ॥ पणिकोईआच
रीउंअपवादथी ॥ होयतोपुढुरेसाध ॥ इमकरीपुढेसघलासाधनें ॥ पणितेक
हेनिरावाध ॥ १९ ॥ मु० ॥ एहवातमांअमेजाएनही ॥ सूरीकहेमहाराय ॥
एअममुनीइंतोकिधुंनही ॥ नृपकहेजुठनथाय ॥ २० ॥ मु० ॥ सूरीक
हेएकमुनीवरप्राकण ॥ किधुंहोयजोतेण ॥ रायकहेतेसाधुकिहांअढे ॥ ज
इनेंपुढुंजंजेण ॥ २१ ॥ मु० ॥ एकमुनीवरेंजइतेहनेंदापव्या ॥ सालतरुतलेता
म ॥ ध्यानधरमनुंमुनीवरधारता ॥ देपेनरपतीजाम ॥ २२ ॥ मु० ॥ उलषीमु
नीवरनेंचितलाजिउं ॥ प्रणम्योसायनापाय ॥ धर्मलासदेइनेइमकहे ॥ सांत
द्विरेमहाराय ॥ २३ ॥ मु० ॥ ढेखेवंमेसत्तरमीकही ॥ ऊत्तमएहवीढाल ॥ प
द्यविजयकहेओतासांसलो ॥ आगलिवातरसाल ॥ २४ ॥ मु० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ इहा ॥ जुगतूकारजजावव्युं ॥ मुनीउपसर्गमहंत ॥ करतांवाख्याकांयन
हि ॥ निजराज्येनिरपंत ॥ २५ ॥ कुमरअनाथतेकिधला ॥ तवजलसरी
आनेत ॥ नृपकहेलाज्योमुनीवरु ॥ अधिककर्युंअमहेत ॥ २६ ॥ अनुग्रह
कीजेंअमसणी ॥ दोषतेखमोदयाव ॥ कुमरअंगसाजांकरो ॥ एहवुंनहीकरे
आव ॥ २७ ॥ संध्योतोसाजीकहूं ॥ मुनिवरकहेमहाराय ॥ अमचीदिक्काआ
दरे ॥ नकरेफरीअन्याय ॥ २८ ॥ नृपकहेम्हेंआज्ञाकरी ॥ पणतसजोउंपरि
णाम ॥ मुनीकहेपुढेकुमरनें ॥ सूपतीपसणेंताम ॥ २९ ॥ बोलीनसकेबाप्रता ॥
साधुइंकस्योपसाय ॥ अवनीपतीस्युंआवीआ ॥ गावाकुमरनेंगाय ॥ ३० ॥
जोगीसरध्यानैजिस्यो ॥ दिठाकाष्टदजाय ॥ बोलेप्राणेंबलथकी ॥ एह
वाकीधाआय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ सेत्रुजागढनावासीरेमुजरोमानज्योरे ॥
एदेशी ॥ मुनिवरकहेसूणोवाणीरेमुनीकदर्यनारे ॥ तेतरुफूलएफलतोनरगनी
वेदनारे ॥ तेहनोपश्वातापजोहोय ॥ तोसास्यकारीथाउंपरलोय ॥ ३२ ॥ चर

एनीसेवासारीरेसवडखकापस्येरे ॥ उपद्रवसघलाटालीरेजीवसूखआपस्ये
 रे ॥ कुमारकहेप्रसूकरोउपगार ॥ लाज्याअम्हेअमचेआचार ॥ १३ ॥
 ॥ च० ॥ लेस्युंदिक्कापामीरेमातपीतातणीरे ॥ आणातवतेबोद्यारेदिधागुरुत्तणी
 रे ॥ जोफयांअंगनेंगुणसंघात ॥ लिधीप्रव्रज्याकरीप्रणीपात ॥ १४ ॥ च० ॥
 दिक्कापाततासावेरेविज्जणनेतदारे ॥ केईकदिनगयाजामरेहवेसूणोएकदोरो
 कर्मउदइंपुरोहीतकुमार ॥ जाण्युंजयपीधर्मनुसार ॥ १५ ॥ च॥ प्राणेंदिक्का
 दिधीरेइंममनआविउरे ॥ गुरुउपरिद्वेषजाम्योरेपणिनखमावीउरे ॥ इशानदे
 वलोकेउपनोदेव ॥ रतिसागरमांपमयोततषेव ॥ १६ ॥ च॥ एकदिनअप्स
 रासाथेरेवेठाउपनोरे ॥ दिनसाववलीनीघारेकामरागनीपनोरे ॥ कंप्याकलपट
 ऋदेषाय ॥ सूरसीकुसूममालाकमलाय ॥ १७ ॥ च॥ लाजनेंसोसानाठीरेदे
 वडप्यजपस्यारे ॥ कोपकरेघणोअरतीरेनयनसम्यांजीस्यारे ॥ हेइउपनोषेद
 तिवार ॥ देविउविदपेतिमपरीवार ॥ १८ ॥ च॥ इमअज्ञानेंविजपुरेसातासीइ
 हारे ॥ तिढंकरपअनासरेपुबुंजईतिहारे ॥ किहांउपजीसऊंचितेदेव ॥ सूलस
 डलसबोधीजीनदेव ॥ १९ ॥ च० ॥ आव्योपूर्वविदेहेरेजिनवरनेनम्योरे ॥ पु
 ढ्यापढीकहेजिनजीरेउपजस्योतूम्होरे ॥ जंबुधीपनासरतमजारि ॥ कोसंबी
 नगरीअवधार ॥ २० ॥ च० ॥ आईसतुडलसबोधीरेगुरुद्वेषेकरीरे ॥ इत्यादिक
 सवपहीदोरेसाप्योतसचरीरे ॥ सांसलीकहेअहोगुरुप्रत्यनीक ॥ अट्पेंएवमां
 उदयनीसीक ॥ २१ ॥ च० ॥ आलोकनोउपगारीरेजिनकहेजाणीइरे ॥ स्यो
 तसप्रत्युपकोरेरेकहोनेवषाणीइरे ॥ परलोकउपगारनीसीवात ॥ टालेअन्नाण
 नेमीथ्यात ॥ २२ ॥ च० ॥ सूवीहीतकिरियाआपेरेथापेगुणत्तणारे ॥ जनम
 जरानेंमरणेरोगसोगअवगुणीरे ॥ टालेजेसंशारआवास ॥ शाश्वतसूखपामे
 सूविदास ॥ २३ ॥ च० ॥ एहवागुरुनेद्वेषेरेगुणद्वेषीययोरे ॥ पूर्वथीविपरी
 तथाइरेअतीसंशारतयोरे ॥ देवकहेप्रसूसाचुंएह ॥ किहारेएकहोकर्मनोढह
 ॥ २४ ॥ च० ॥ प्रसूकहेलगतासवमारेअंतएहनोअस्येरे ॥ मुगोविजुंनामरे
 तुफभ्रातावस्येरे ॥ देवकहेपहेलूस्युंनाम ॥ जिणेंबीजुएसाषोस्वामि ॥ २५ ॥

च० ॥ पहेलुं नाम अशोकरे जिन जी कहै हतूरे ॥ सां सलिते हुनं हेतूरे मुंगोजि
 मयतूरे ॥ कोसंबी एह जपुरसार ॥ अतित काल नीवात विचार ॥ २६ ॥ च० ॥
 तापस नामे सेठरे दानादिक करे ॥ पणि परमादिते हरे प्रव्यघणो धरे ॥ करतो
 नीत २ बज्र व्यापार ॥ आरत ध्यान धरे ते अपार ॥ २७ ॥ च० ॥ घरसू अरय
 यो मरी नैरे निज घर देषी नैरे ॥ जातिस मरण ज्ञान रेता सविशेषी नैरे ॥ एक दिन बा
 पनो दिवश ते आय ॥ सो जननी बेला ज बयाय ॥ २८ ॥ च० ॥ पीर सबा बेला
 जामरे आवी ठुक मीरे ॥ मांश लेई मार्जार रे चाट्यो दमव मीरे ॥ तव सूप कारी चिते
 मन्न ॥ बेला अतिक्रम चढ्यो बज्र दिन ॥ २९ ॥ च० ॥ गृह पतीना तव सयथी
 रे सू अर मारी उरे ॥ मांश ते राध्युं तामरे को धेह कारी उरे ॥ उपनो मरी नै ते हजगे
 ह ॥ सू अर नाग पणें थयो तेह ॥ ३० ॥ च० ॥ एह घर नै सूप कारी रे देषी उपनुं
 रे ॥ जातिस मरण ज्ञान रे नाग नै निपनुं ॥ कर्म विचित्र थीन थयो क्रोध ॥ अनु
 कं पा उपनी थयो बोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधिण साप नै देषी रे कोलाहल कस्योरे ॥
 सज्जति हांदो मी आव्यारे अही जम घरि धस्योरे ॥ तिहांत सनी र्ज राथ ई अकाम ॥
 मनुज आयु बांध्युं असी राम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नाग दत्त ईणि नामे रे नीज सूत का
 मिनी रे ॥ बंधु दत्ता उरें आयो रे जनम्यो जा मिनी रे ॥ अशोक दत्त दिधुं असी धा
 न ॥ वरस एक बोले थई सान ॥ ३३ ॥ च० ॥ मात पिता सूप कारी रे देषी नै बली
 रे ॥ जातिस मरण पा म्यो रे ईम कहै केवली रे ॥ कर्म अचित्य नी शक्ति निहालि ॥
 पुत्र वधु ते माता तालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूत नै तात नी हादी रे महा वैरागी उरे ॥
 माता पीता किम साधु रे ईम मन सागी उरे ॥ मौन पणें धस्युं जाणी जाम ॥ मुगो ना
 म प्रसी थयो ताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढाल अठार मी एह रे ठग खंम मारे ॥
 समरा दित्य नै रासै रे रंग अखंम मारे ॥ श्रीगुरु उत्तम बीज यनो सीस ॥ पद्म विजय
 कहै सु एत जगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ इहा ॥ केवल ज्ञानी ईम कहै ॥ बोल्या बारवरीस ॥ चौनाणी चारी त्रीउ ॥ मे
 घनाद सू मुनीश ॥ ३७ ॥ आव्या ते उद्यान मां ॥ वारु वयण विन्यास ॥ समं
 गल साधु श्रीं ॥ सिष विआसू तसास ॥ ३८ ॥ नाग दत्त घरि निरषज्यो ॥ आं

गणेंवेगोआय ॥ अशोकदततसंमकहे ॥ चेतनसूणिचितलाय ॥ ३९ ॥ गु
 रुजितुऊनैंग्यानथी ॥ कहेसुणितापसकाम ॥ मौनधरेस्युंमनयकी ॥ धर्मक
 रोगुणधाम ॥ ४० ॥ सूअरसापनेपुत्रसुत ॥ मरीनेकरमपशाय ॥ तहत्तीक
 रीमुनीतिहांगया ॥ संसलाव्योसदस्ताव ॥ ४१ ॥ यतः ॥ तावसकिमिमिणा
 मुणवएण ॥ पमीवक्काजाणिउंधम्मं ॥ मरीउणसुअरोरगा ॥ जाउपुत्तसपुत्तोत्ति
 ॥ १ ॥ दाद ॥ मूनमोहनांजिनराया ॥ पुंदेसी ॥ कहेमुंगोकरीपरिणाम ॥ क
 होतेंगुरुठेकिणठामरे ॥ गुरुवंदिइंगुस्ततावे ॥ जिमसवत्तयडखमांनावेरे ॥
 ॥ गुरु ॥ एआंकणी ॥ इहांचैत्यठेशकावतार ॥ मुनीकहेतिहांगुरुगुणधाररे ॥
 ॥ ४२ ॥ गु ॥ मुंगोकहेचालोजई ॥ गुरुप्रणमीनेसूरवपईरे ॥ गुरु ॥
 विस्मीतमुंगानोपरीवार ॥ जाणेंजायतोअवजविचाररे ॥ ४३ ॥ गु ॥ जई
 प्रणम्योगुरुनापाय ॥ धर्मलासदिइंगुरायरे ॥ गु ॥ पुढेतवमुंगोस्वामी ॥ कि
 मअतितवाततुमेपामीरे ॥ ४४ ॥ गु ॥ गुरुकहेअमेनाणथीजाणं ॥ नाएअ
 तिसयएहवषाणरे ॥ गु ॥ प्रतिबोधथस्येइमजाणी ॥ गुरुसापेंधर्मनीवाणी
 रे ॥ ४५ ॥ गु ॥ मुंगोप्रतीबोधतेपाम्यो ॥ पणिमुंगोनामनवाम्योरे ॥ गु ॥
 इमविजुंनामतेजाणो ॥ सांसलीकहेहर्षसराणोरे ॥ ४६ ॥ गु ॥ प्रतिबोधद
 हीससीरीते ॥ प्रसूपअनासकहेनीतेरे ॥ गु ॥ वैताढ्यमांहितूम्हेदेषी ॥ निज
 कुंमलजुगलवीशेषीरे ॥ ४७ ॥ गु ॥ प्रतिबोधतीहांतूमथास्ये ॥ मीथ्यामत
 दूरपलास्येरे ॥ गु ॥ सुणीवंदनाप्रसूनेकीधी ॥ गयोकोसंबीसुप्रसीरीरे ॥
 ॥ ४८ ॥ गु ॥ मुंगानेदेषीसापे ॥ तूऊथीप्रतीबोधप्रसूदापेरे ॥ गु ॥ मुऊबुऊ
 वजेनिरधार ॥ तवबोढ्योमुंकविचाररे ॥ ४९ ॥ गु ॥ उद्यमकरुंसक्तिप्रमा
 णें ॥ सुरलेईगयोवेअठठाणरे ॥ गु ॥ कुटसीशायतनदेपाव्यो ॥ बलिवाततेइ
 मसुणाव्योरे ॥ ५० ॥ गु ॥ रयणावतंशकनाम ॥ एकुंमलजुगलउद्दामरे ॥
 गु ॥ कुंमलवलीकुटएदोय ॥ मुऊअतीसयवज्जसजोयरे ॥ ५१ ॥ गु ॥
 शल्लासमुहविवरनेदेशें ॥ तिहांकुंमलदेवनीवेशेरे ॥ गु ॥ आपेचितामणीर
 यण ॥ पठेसापेंएहुंवयणरे ॥ ५२ ॥ गु ॥ जेचिताकरीइतेह ॥ एकदिने

एकपुरेतेहरे ॥ गु० ॥ एहनीशकतेवैताडेंजाजे ॥ मुऊनेंकुंमलदेवाजेरे ॥
 ॥ ५३ ॥ गु० ॥ मानीएणेंएवात ॥ कोसंबिगयासूखसातरे ॥ गु० ॥ देवताग
 योआपवीमान ॥ अनुंकमेंचवीउतिणथानरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ बंधुमतीकुषे
 आयो ॥ एकदोहदताससुहायोरे ॥ गु० ॥ सरदकाळेंसहकारनीश्रुता ॥ पणि
 नीपजेनवीतसवंठारे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ गरसपीमापाम्योतास ॥ डुरबलयईना
 रीनीरासरे ॥ गु० ॥ मरस्येंएनीश्रव्यनारी ॥ इमलोकेवातविचारीरे ॥ ५६ ॥ गु० ॥
 मुंगोचितेमायस्नेह ॥ जिनवाणीनअन्यथारेहरे ॥ गु० ॥ अन्यथावैअठन
 जवाई ॥ इमचिंताचित्तमांलायरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ चिंतामणीपासेंमांगी ॥ दो
 हदपुरेबभसागीरे ॥ गु० ॥ अनुंकरमेंजायोपुत्तानामअरहदत्तदिउजुत्तरे ॥ ५८
 ॥ गु० ॥ अशोकदत्तगुरुनेंचरणें ॥ बालकनेंलगवेजारणें ॥ गु० ॥ तवबाल
 करेवामांमे ॥ नित २ इमकालगमांमेरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ कुमरपणंपाम्यो
 जिहारें ॥ नितधर्मसूणावेतिहारें ॥ गु० ॥ गयोकाळकेतोइकइम ॥ नवीला
 गोधर्मनोप्रेमरे ॥ ६० ॥ गु० ॥ एकदिनवलीअशोकदत्त ॥ पुरवसवनीकहे
 वत्तरे ॥ गु० ॥ पणिअरहदत्तनेंअंग ॥ नवीलागोधरमनोरंगरे ॥ ६१ ॥ गु० ॥
 उलटुंकहेमुकनेंइम ॥ विलापकरेठेकेंमरे ॥ गु० ॥ अहोकरमपरणतीनीश
 क्ती ॥ अशोकदत्तकरेव्यक्तीरे ॥ ६२ ॥ गु० ॥ इमचितवीवैराग्यपांमी ॥ आरंस
 परीग्रहवामीरे ॥ गु० ॥ लिधोशणिसंजमत्सार ॥ अरहदत्तपरण्योवधुच्यारे
 ॥ ६३ ॥ गु० ॥ सोगसोगवतांकेईकाल ॥ थयोदूरलसबोधीनिहालरे ॥ गु० ॥
 चारित्रनीरतीचारपाली ॥ अशोकदत्तपापनेंगाळीरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ काल
 करीनेदेवताथाय ॥ अशोकदत्तमुनीरायरे ॥ गु० ॥ पञ्चेंउंगणीसमीढाल ॥
 कहीठेठेधंमेरशाळरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ ॥ इहा ॥ पंचत्वभातापामीउ ॥ अर
 हदत्तेंसूण्युंइम ॥ शोकथयोतेहनेंसबल ॥ पामीबहुलोप्रेम ॥ ६६ ॥ पंचम
 कटपतेपामीउ ॥ आव्योतसउपयोग ॥ अरहदत्तनोअवधिथी ॥ जाण्योसघ
 लोजोग ॥ ६७ ॥ कहुंउपायहवेआकरो ॥ जिमबुजेएजीव ॥ व्याधीविकु
 विवेगस्युं ॥ आण्युंदूरवअतीव ॥ ६८ ॥ ढाल ॥ बेमलेसारंघणोठेराजवातां

केमकरोगे ॥ एदेयी ॥ पगसूजिनेयांताऊआ ॥ बांहितेजेहवीदोरमी ॥
 लोचनमीचाणांजमजीहा ॥ पेटजीसिगागरमी ॥ ६९ ॥ श्रीगुरुआशातन
 फलएहप्राणीकिमहीनबुजे ॥ एआंकणी ॥ निदानाविआवीअरति ॥ वेदना
 थीलसोषेद ॥ वैद्यतेमावीप्रव्यसऊघरनो ॥ आपीकहेतससेद ॥ ७० ॥ श्री० ॥
 टालोवेदनतिणेंपणिमांमया ॥ उपधनाउपचार ॥ कांयविशेषथयोनहीतेह
 थी ॥ वैद्येंकरयोपरीहार ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ तिब्रवेदनथींशणिपरेंबोले ॥ इक
 दिनपणिनरहाई ॥ तिणेंऊंअगनीमांपेसीमरस्यूं ॥ सूणिबांधवखेदाय ॥ ७२ ॥
 श्री० ॥ मुर्गापामीपत्नीरोवे ॥ रोवेसऊपरीवार ॥ शंणिसमेंसबरवैद्यनेरूपें ॥
 आव्योसुरअवतार ॥ ७३ ॥ श्री ॥ पांधेंकोथलोअरहदत्तना ॥ घरपासेंजई
 बोले ॥ सबरवैद्यऊंविद्यासागर ॥ कोईनहीमुक्तोले ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ सी
 सवेदनाटालुंषसनें ॥ बहिरतिमिरवलीटालूं ॥ शूलनेंउदरव्यथामलव्याधी ॥
 टालुंकऊंतेपालूं ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ बोलाव्योसूणीनेबऊमानें ॥ परीजनकहेसू
 णिवैद्य ॥ मुहमांग्युंतुमनेंआपीस्यूं ॥ जलोदरटालोएसद्य ॥ ७६ ॥ श्री० ॥
 तेहकहेऊंधरमवैद्युं ॥ नहिऊंप्रव्यनोलोही ॥ कटसाध्यएव्याधीठेसुणज्यो ॥ ति
 णेंसूषथीनवीसोही ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ इहसवनेंपरसवनीआणं ॥ त्यजवुं प
 मस्येत्ताई ॥ इहलोकेंकुपथ्यआहारादिक ॥ धातूकोपजिणेंवाई ॥ ७८ ॥ श्री० ॥
 परसवनुंजेपापनकरवुं ॥ तेहनियाणंटालो ॥ इहलोकपणिपरलोकसंबंधे ॥
 तिणेंइहलोकअजुआलो ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ तेहमांमुख्यमीथ्यातनीवारो ॥
 समकीतस्युंचितलावो ॥ ज्ञानक्रीयाअन्यासकरावो ॥ आरंससऊवरजावो ॥
 ॥ ८० ॥ श्री० ॥ प्रथमचरमपोरसींकरवो ॥ चितमलशोधनकारी ॥ जिन
 वरवयणसजायसलेरो ॥ बिजौपोरसीअर्थकारी ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ हिंसाअ
 लिक्अदत्तनेंअब्रम्ह ॥ मूर्गापरीग्रहवारो ॥ करवुंनहीवलीरात्रिसोजना ॥ सम
 तामार्दवधारो ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ मायाटालीलोत्तनकरवो ॥ वसवुंवनसमजां
 नें ॥ चित्तनीरीहपणेंवलीरहेवुं ॥ अप्रतीबंधविधानें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ ताव
 जलोदरटालूंशणिपरि ॥ तोप्रव्यनोस्योत्तार ॥ सांत्तलिपरिजनइमविचारे ॥ मर

वार्थीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनेंसाषेपरीजन ॥ मरणथीएहजवा
 रु ॥ अरहदत्तचितेएमरणथी ॥ अधिकीवातविचारु ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ प
 णिउपायनहिबीजोएहनो ॥ तिणेंहाकारकहायो ॥ वैद्यकहेमुऊशकतीतो
 देषो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतूम्हेंसघला ॥
 कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसंगत्यजजेइहतवनी ॥ वस्तुनमनमांमुणजे
 ॥ ८७ ॥ श्री० ॥ मुऊनेंमतमुंकेतूमाहरुं ॥ कछुंतेकरज्येसाई ॥ इमकही
 मंत्रमंमलआलेप्युं ॥ अरहदत्ततिहांठाई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नगरलोकसङ्गम
 लिउजोवा ॥ उषधमंज्यांतिणें ॥ उज्वलवस्त्रउठामकरीनें ॥ मंत्रजप्योहवेंइ
 णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवशकतिथीकोलाहलकरे ॥ तेरवशब्दतेमुंके ॥
 पृथ्वीआलोटीनेंउठे ॥ देवशकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ विसमीढालें
 एठेखंमे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पंमोतउत्तमबीजयनोजंपे ॥ पद्मविजयसू
 विदास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥ रुपधरीव्याधीरस्यो ॥ बङ्गकलीमलजंवाल ॥ डरतीगंधदयामणो ॥
 तीसणअतीसयसाव ॥ ९६ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरुपपरीवार
 ॥ पापविपाकमानुंपरिवस्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ ९७ ॥ अचरिजजनदेवी
 इंस्युं ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दिवुंनहींनहींदेपस्युं ॥ जोपेंएहवुंजोय ॥ ९८ ॥
 रोगरूपकुणेंनिरपीउ ॥ सवरवैद्यसूखकार ॥ आविउंघअवलपरें ॥ पांम्यो
 डखनोपार ॥ ९९ ॥ वैद्यपंमीबोझोवली ॥ सासेइणपरेंसास ॥ पापव्याधीतूपेप
 ज्ये ॥ काढितुऊसकासि ॥ १०० ॥ ढाला ॥ केसरवरणोहोकेकाढिकसूंबोमेराला
 ल ॥ एदेशी ॥ हवेंइमकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ मारालाल ॥ फिरीनवीव
 लगेहोकेइष्टउपाधी ॥ मा० ॥ आरोग्यसूखनोहोकेदेशतूंपाम्यो ॥ मा० ॥ पापक
 रमनिहोकेव्याधीतेवाम्यो ॥ मा० ॥ १०१ ॥ हवेतूकरजेहोकेइणपरेंकाम ॥ मा० ॥
 मुलउठेदेहोकेपापनुंठाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसूखअनंत ॥ मा० ॥ ज
 नमजरानेंहोकेमरणनङ्गंत ॥ मा० ॥ १०२ ॥ तुऊपरेंमुऊनेंहोकेइणइंमहीउ ॥
 मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेडखबङ्गसहीउ ॥ मा० ॥ करतांमुऊनेंहोकेतासउ

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा० ॥ ११ ॥ शेषटाववा
 होकेऊंअजोग ॥ मा० ॥ वरतूंशणीपरेंहोकेमाहरासोग ॥ मा० ॥ तूंपणिउत्तम
 होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुऊपरेंहोकेचालोसाय ॥ मा० ॥ ६०० ॥
 लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सवरवैद्यकहेहोकेसूणोउगाह ॥ मा० ॥
 जिनशासनमाहोकेदिक्कालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥ मा०
 ॥ १ ॥ अनुक्रमेसयलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुऊजातिनोहोके
 वांकतेथाय ॥ मा० ॥ संजममुऊथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम
 होकेजातिथीयाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसंजमहोकेअथवाचालो ॥ मा० ॥
 माहरीसाथेंहोकेमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूऊहोकेसाईशिवी ॥ मा० ॥
 दिक्कतुऊपणिहोकेलेवीसीधी ॥ मा० ॥ ३ ॥ अरहदत्तंतवहोकेमान्युएह ॥ मा० ॥
 कोईकमुनीवरहोकेपासेलेह ॥ मा० ॥ इव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावे ॥
 मा० ॥ सवरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेथई
 तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेनिद्याहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिगतेगंमीहो
 केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणोहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेहोके
 व्याधीकीधो ॥ मा० ॥ लोकेनंथोहोकेडखवऊदिधो ॥ मा० ॥ वैद्यनेषोलेहोकेतसप
 रीवारामा० ॥ लाधोतेहहोकेदैवविचारामा० ॥ ६ ॥ वैद्यनेसाषेहोकेफिरीरोगआ
 व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप
 थ्यकिधुं ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेडखइणिदीधुं ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच
 रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा० ॥ पणिउपगारीइहोकेमोहटातूम्हे ॥ मा० ॥ सव
 रकहेएहहोकेलेवेदिक्का ॥ मा० ॥ करीप्रपंचहोकेसूरदिइसीक्का ॥ मा० ॥ ८ ॥
 व्रतइगाविण्होकेलीधुफेरी ॥ मा० ॥ शातीकरीगयोहोकेवैद्यतेपेरी ॥ मा० ॥ वलीघ
 रिआव्योहोकेचारीत्रमुंकी ॥ मा० ॥ देवताइजाण्युंहोकेगलिउंथुंकी ॥ मा०
 ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावे ॥ मा० ॥ बांधवबोल्याहोकेकिमफिरी
 आवे ॥ मा० ॥ अवगुणयाइहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुंवयणतेहो
 केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुंदिशे ॥ मा० ॥ बो

द्योतवतेहोकेविशवाविसं ॥ मा० ॥ लावौवैद्यनेंहोकेकहेस्येजेह ॥ मा० ॥
 करस्यूप्रेमंहोकेसाचुंतेह ॥ मा० ॥ ११ ॥ बंधवेषोलतांहोकेदिठोजामा॥मा०॥
 कहेमुखनीचुंहोकेकरीनेताम ॥ मा० ॥ मातुंकीधुंहोकेकिरीयानकरी॥मा०॥
 रोगउपनाहोकेकायाविफरी ॥ मा० ॥ १२ ॥ कहोउपायहोकेसवरतेबोले ॥
 मा० ॥ विषयलोदपहोकेएहअतोले ॥ मा० ॥ उद्यमहीणहोकेनहीउपाय ॥
 मा० ॥ यास्येआगलिहोकेबहुअपाय॥मा०॥ १३ ॥ नरकतिरीनांहोकेदूरवबहु
 खमस्यें ॥ मा० ॥ पुढेएहनेंहोकेजुउकांयगमस्यें ॥ मा० ॥ तूमआपहथीहोके
 करंवलीसाजो ॥ मा० ॥ मुऊस्युंहिमेहोकेतोरहेताजो॥मा०॥ १४ ॥ जईसंतदा
 व्युंहोकेमान्युंप्रांणें ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणिहोकेहवेमममांणें ॥ मा० ॥ जेजे
 ऊंकऊंहोकेतेतेकरज्ये ॥ मा० ॥ मुऊथीअलगोहोकेपणमतरहेज्ये ॥ १५ ॥
 मा० ॥ हाहासएतोहोकेकीउनीरोगी ॥ मा० ॥ लोकेंताप्योहोकेमथएसोगी ॥
 मा० ॥ वैद्येआप्योहोकेकोथलोहाथें ॥ मा० ॥ नयरथीनीकड्योहोकेलेईनें
 साथें ॥ मा० ॥ १६ ॥ ठेठेखंमेहोकेसाषीढाल ॥ मा० ॥ एएकवीसमीहोके
 वातरसाल ॥ मा० ॥ दोहिलोबुजेहोकेडरलसबोही ॥ मा० ॥ पणितसदेवताहो
 केकरस्येसोही ॥ मा० ॥ १७ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ३३ ॥
 ॥ उहा ॥ गांमांतरहवेतेगयो ॥ सूरमायाकरेसार ॥ धुअतणाअंधारथी ॥ द
 टिडखदातार ॥ १८ ॥ वंसफूटेज्वालावली ॥ शुशुचलेअसमान ॥ बलतूंगा
 मबतावीनें ॥ चाट्योतेहअचान ॥ १९ ॥ तृणसारोशिरतोलीनें ॥ अरहदत्त
 कहेआंम ॥ उट्हाइंतृणथीअगनी ॥ कहोकिमकरोएकाम ॥ २० ॥ सूरक
 हेतूंइंसमऊणो ॥ अगनीनबुजेइंस ॥ देहइंधणलेईदाहमां ॥ कहोघरिजाइके
 म ॥ २१ ॥ क्रोधअनलजिहांकिणघणी ॥ आवेपवनअन्नाण ॥ बहुप्राणीब
 लतातीहां ॥ नवीआवेतूऊनाण ॥ २२ ॥ बोलीनसक्योबापमो ॥ पणिनवीबु
 ञ्योपहाण ॥ आगलिचाळीआविआ ॥ महोकमकरीमंमाण ॥ २३ ॥ ढाल ॥
 बलीहारीस्तूऊवेषनीरे ॥ एदेशी ॥ हारेदेवतारे ॥ उनमारगतिहांचाळीउरे ॥
 कंठकाकुलसूगमरेला ॥ किमपंथथीकुपंथेब्रजोरे ॥ अरहदत्तकहेतामरेला

ल ॥ २४ ॥ गुरुआशातनमतकरोरे ॥ एआंकणी ॥ हारे २ देवकहेतूजाणें म
 पसरे ॥ नविजाईं जनमगरेला ॥ तो किममोक्षमारगतजोरे ॥ किमसंसार
 मांलगरेला ॥ २५ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ इमसूणीमौनकरयुंतिणें ॥ पणिनवीबुज्यो
 तेहरेला ॥ आर्गाजिजायतवदेखतोरे ॥ सूअररूपकरेहरेला ॥ २६ ॥ गु० ॥ हां
 रे २ दे० ॥ विविधजातिकणकुंमनेरे ॥ बांढीअशुचीडुर्गधरेला ॥ विष्टास्यूरा
 चिरस्योरे ॥ करीगाढोप्रतिबंधरेला ॥ २७ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ अरहदत्तदेवी
 वदेरे ॥ अहोएहनोअविवेकरेला ॥ कणमुंकीविष्टासपेरे ॥ सूरकहेसूणि
 ठेकरेला ॥ २८ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ कहेतूजाणें ठेपरोरे ॥ तेकहेस्युंजअ
 जाणरेला ॥ सुरकहेमुनीसुखबांढीनेरे ॥ तू किमथयोअन्नाणरेला ॥ २९ ॥
 गु० ॥ हारे २ दे० ॥ अशुचिविषयडुर्गधीआरे ॥ तेहमांतूबज्जमांनरेला ॥
 सांसलीमौनकरीरस्योरे ॥ पणिनवीबुज्योअज्ञानरेला ॥ ३० ॥ गु० ॥ हां
 रे २ चालतारे एकगामें जईनेरस्यारे ॥ देवकूलमांधरीप्रीतीरेला ॥ तेवंत
 रहेगोपमेरे ॥ लोकदेखेविपरीतरेला ॥ ३१ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ लोकवेशा
 रेथानीकेरे ॥ वलितेपमतोहेठरेला ॥ वली २ पमेमुंकेवलीरे ॥ एहनीतिहांगई
 पेठरेला ॥ ३२ ॥ गु० ॥ हारे २ बोलतोरे अरहदत्तएमुरखोरे ॥ किम
 पमेहेगोएहरेला ॥ अर्चापुजानवीआदरेरे ॥ तवसूरबोलेतेहरेला ॥ ३३ ॥
 गु० ॥ हारे २ तू किमरेजाणें एहबुंखरुंरे ॥ तेकहेएहमांकांयरेला ॥ सुर
 कहेतोतूविचारजेरे ॥ संजमढोनीपलायरेला ॥ ३४ ॥ गु० ॥ हारे २ सुरत्रि
 वरेगतीपूजनीकतेढोनीनेरे ॥ नरकादिकनोउपायरेला ॥ करतो किमजाणें
 हीरे ॥ सांसलीमौनतेथायरेला ॥ ३५ ॥ गु० ॥ हारे २ देवतारेमायाएकविकुर्व
 तोरे ॥ फीजुंजचारीअनंतरेला ॥ षेत्रस्युंतेहनुंरे ॥ कुपकएकतसअंतरे
 ला ॥ ३६ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ सुकोविषमजग्याघणीरे ॥ तिहांएकलेस
 प्रवालरेला ॥ एकबलदतिहांपायवारे ॥ चारिमुंकिअसराखरेला ॥ ३७ ॥
 गु० ॥ हारे २ दे० ॥ जातांलमथमीनेपम्योरे ॥ सागांअंगउपांगरेला ॥ देवी
 अरहदत्तबोलीजरे ॥ अहोएबेलविरंगरेला ॥ ३८ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ फीजुंआ

चारीनें गंभिनेरे ॥ किहां पावा एजायरेला ॥ सुरकहे जाऐतूं परोरे ॥ तेकहे एत
 लून गायरेला ॥ ३९ ॥ गु० ॥ हारि २ दे० ॥ किमतूं सूरसूरखं गंभिनेरे ॥ जेह
 जीऊं मई चारिरेला ॥ एक प्रवाल लवजारी पारे ॥ माणस सुख अवधारेलाल ॥
 ॥ ४० ॥ गु० ॥ हारि २ दे० ॥ तस अस्तीला खाईं आतमारे ॥ किम पांम डरगती
 कुपरेला ॥ तेसूंणी कर्म संचय गढ्योरो ॥ चित वेईं मसरुपरेला ॥ ४१ ॥ गु० ॥ हारि २
 जाणिं रे एह माणसन ही देवतारो ॥ मुळ कहे ईं मवारं वारेलाल ॥ वातरुमी संसलाव
 तोरे ॥ साइपण एह विचारेलाल ॥ ४२ ॥ गु० ॥ हारि २ पुढुं एरेता सप
 रमारथ एह नेरे ॥ चित वी पुढ्युंतां मरेला ॥ तूं कुं एगे मुळ साईं परेरे ॥ वातसूणा
 वे आमरेला ॥ ४३ ॥ गु० ॥ हारि २ देवतारे कहे ऊं परजायां तरेरे ॥ अशो
 क दत्त तूं जाणिरेला ॥ अरह दत्त तव बोली जेरे ॥ कहो प्रत्यय अही ना एरेला ॥
 ॥ ४४ ॥ गु० ॥ हारि २ दे० ॥ कहे आपण बिऊं ईं मलिरे ॥ वैताढ्य पर्वत गम
 रेलाल ॥ कुं मल जुगल जे थापी जेरे ॥ प्रती बोधन नें कामरेला ॥ ४५ ॥ गु० ॥
 हारि २ देवतारे कहे देषां तुं तुज नेरे ॥ मानी अरह दत्तें वाणिरेला ॥ दिव्य सरुप
 करी लेईं गयोरे ॥ देषा म्यां तिणें गणिरेला ॥ ४६ ॥ गु० ॥ हारि २ तेह नेरे कु
 टकुं मल सज्ज देषी नेरे ॥ जातिस मरण ज्ञानरेला ॥ उपनुं कर्म विचित्र थोरे ॥ जा
 ग्युं सांग्य प्रधानरेला ॥ ४७ ॥ गु० ॥ हारि २ तेह वेरे सावथी दिक्का आदरेरे ॥
 देवष मावीता मरेला ॥ निज थानिक गयो देवतारे ॥ करी नीज सघळूं कामरेला
 ॥ ४८ ॥ गु० ॥ हारि २ तेह मारे पुरोहीत सूत ऊं जाण जेरे ॥ धरणसूणो मुळ
 वातरेला ॥ विराधक प्राणी तणारे ॥ नहीतूळ सम अवदातरेला ॥ ४९ ॥ गु० ॥
 हारि २ जेहो ईं रे अवीराधक प्राणी सलोरे ॥ तेसूखें करे निरवाहरेला ॥ तिणे सं
 जमतुं म्हे आवरीरे ॥ तरो संशार अगाहरेला ॥ ५० ॥ गु० ॥ हारि २ रुअमीरे
 ठेठे खंमै एक हीरे ॥ बाविसमी वर ढालरेला ॥ पद्म कहे ओता घेरेरे ॥ होयो मंगल
 मालरेला ॥ ५१ ॥ गु० ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥ कर जो मी धरणो कहे ॥ आणिक रुं अणगार ॥ संसलावुं मावी त्रसवे ॥
 उत्तमतूम अधीकार ॥ ५७ ॥ बुजे जो पुण्य जवळें ॥ मुनी कहे सूरखें महासाग ॥

बुज्यामीत्रलेख्वरु ॥ वहेलोतेवमसाग ॥ ५३ ॥ आविमावीत्रआगले ॥ आला
 प्योअधीकार ॥ बुज्यांबऊमानेनही ॥ सारोएसंशार ॥ ५४ ॥ जननीमीत्र
 जनकवली ॥ विधीपूर्वकवमवीर ॥ व्रतसऊसाथेसंयहे ॥ धरणोसाहसधीर ॥
 ॥ ५५ ॥ अरहदत्तगुरुआदरे ॥ सिषाव्यावऊसूत ॥ किरीयापणिवऊविधक
 रे ॥ गितारथगुरुगुत्त ॥ ५६ ॥ ढाल ॥ गोवाउरुआंचारति ॥ आहिरनोअव
 तार ॥ रुढुंगोकलीउं ॥ एदेत्री ॥ एकलमलपमीमातणी ॥ जोग्यययारीषीरा
 य ॥ डःकरतपकारी ॥ इठाकरतांतेहनी ॥ आणागुरुनीयाय ॥ ५७ ॥ ड० ॥
 सावीतेहनीसावना ॥ तपसूआदिकजेह ॥ ड० ॥ एकलविहारअंगीकर्यो ॥
 विहारकरेरीषीतेह ॥ ५८ ॥ ड० ॥ एकरातिगामेवसे ॥ नयरेंवसेपंचराति
 ॥ ड० ॥ तामलीप्तिपुरीआविआ ॥ काउसग्गेमुनीगत ॥ ड० ॥ ५९ ॥ वांतसूणो
 लपमीतणी ॥ काढिदेवपुरबाहर ॥ ड० ॥ सूवचनेंषोलीतदा ॥ करीप्रयत्नअपार
 ॥ ६० ॥ ड० ॥ नंदिवर्द्धनगाममे ॥ थयोविऊनोसंजोग ॥ ड० ॥ निजस्त्रोपे
 लेईगयो ॥ लोगवतोसूरवसोग ॥ ड० ॥ ६१ ॥ कोईककालव्यतीक्रमें ॥ साथी
 लेईतेनारि ॥ ड० ॥ तामलिप्तिपुरबाहिरे ॥ उत्तरीउपरीवार ॥ ६२ ॥ ड० ॥ फि
 रति२तिहांगई ॥ लढीजिहांमुनीराय ॥ ड० ॥ उलषीयारीषीराजनें ॥
 मनमांबऊषेदाय ॥ ६३ ॥ ड० ॥ पापकरमनाजोरथी ॥ क्रोधलहीमनमांहि ॥
 ॥ ड० ॥ वज्जघातपरेंतेथई ॥ चितेकिमएआहि ॥ ६४ ॥ ड० ॥ दिगोमेंमुऊपापथी ॥
 कांयकदेउंकलंक ॥ ड० ॥ कंगत्तर्णत्रोमीठवुं ॥ एहनीपासनीःसंक ॥ ६५ ॥
 ड० ॥ कोलाहलकरस्युंपढी ॥ ठरस्येंतवएचोर ॥ ड० ॥ चंमसासनठेसूपती ॥
 हणस्येंएशंगोर ॥ ६६ ॥ ड० ॥ सिक्षुरूपेंमहीचोरने ॥ लोप्रसहितहण्याका
 ल ॥ ड० ॥ लिगीपणचोरीकरे ॥ एहप्रसिद्धीतालि ॥ ६७ ॥ ड० ॥ जिममन
 चित्युंतिमकस्युं ॥ आव्योधाईकाढवाल ॥ ड० ॥ आविमुनीबोलाविआ ॥ कां
 यकउत्तरआलि ॥ ६८ ॥ ड० ॥ नविबोलेजवतेरीषी ॥ सूपणषोलेताम ॥ ड० ॥
 णिन्नकेंकर्णपासेंपयुं ॥ दिवुंदूरनगम ॥ ६९ ॥ ड० ॥ नयरीजनबोलावीआ ॥
 वातदेषामीतेह ॥ ड० ॥ नरपतीनेंजईविनव्यो ॥ चोरअपुरवएह ॥ ७० ॥

५० ॥ विस्मितबोलेसूपती ॥ षोडिकरीषरीरिति ॥ ५० ॥ मारोएहनेतवतिहां ॥
 पुढेपुस्वनीती ॥ ७१ ॥ ५० ॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोतसकोप ॥ ५० ॥
 अहोकपटवेसेरस्यो ॥ नवीबोदयेकरीलोप ॥ ७२ ॥ ५० ॥ मारणथानकला
 वीआ ॥ शुलीइंदियोसाध ॥ ५० ॥ करेचंमालउदघोषणा ॥ सूणोपापअगाध
 ॥ ७३ ॥ ५० ॥ साधुवेसेचोरीकरी ॥ तिणेंएमास्योजाय ॥ ५० ॥ वलिको
 ईकरस्येइणिपरें ॥ तसपणिवधइंमयाय ॥ ७४ ॥ ५० ॥ तपपरसावेंमुनीत
 णें ॥ शूलीधरतीमांहि ॥ ५० ॥ पेठीमुनिविध्यानही ॥ कूसूमवृष्टीथईत्यांहि
 ॥ ७५ ॥ ५० ॥ धर्मतेजयवंतोअठे ॥ इमथईलोकमांवाणि ॥ ५० ॥ रायनेंमई
 वधामणी ॥ आव्योत्तपतेठाण ॥ ७६ ॥ ५० ॥ हरषेंकरतोवंदना ॥ पुढेविस्म
 यवाता ॥ ५० ॥ किमएस्वामीनीपनुं ॥ साषोमुजअवदात ॥ ७७ ॥ ५० ॥ नवि
 बोल्याजवतेमुनी ॥ तवनरकहैपरधानं ॥ ५० ॥ व्रतविशेषवंतारीषी ॥ नक
 रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ ५० ॥ ठोखेंमेएकही ॥ त्रैवीसमीवरढाल ॥ ८० ॥ स
 मरादित्यनारासमां ॥ पद्मनेंमंगलमाल ॥ ७९ ॥ ५० ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥ पुढेतेनारीप्रते ॥ तवउपमुंकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि
 लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ सूपतीकहेतवसास ॥ सोधि
 करोसम्यगपरें ॥ तवषोडणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउद्यानमां ॥ दे
 वकूलेनवीदीठ ॥ पणितसस्तर्त्तापेष्ठीउ ॥ नासंतोथोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप
 कमीकरी ॥ नृपनेंआण्योनयण ॥ पकम्योनारीतणोपती ॥ सेठएलहोसुवय
 ण ॥ ८३ ॥ नारितोइणिनगरीनथी ॥ नासंतांपकम्योनाथ ॥ तुममनमानें
 तिमकरो ॥ हेंसऊतूमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाला ॥ साहिबामोतिथोनेंहमा
 रो ॥ एदेजी ॥ सूपकहेतुजकिहांढेनारि ॥ तेकहेऊंनजाणंनिरधार ॥ साहिबा
 तूम्हेंसूणज्योसाचुं ॥ मोहनांतूमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठो
 केंम ॥ तेकहेसयलहीनाठोइंम ॥ ८५ ॥ सा ॥ विणअपराधेंसयकिमला
 गो ॥ सूपपुढ्यापढीकहेएकआगो ॥ सा ॥ उष्टनारीयहीदूखनुंमुल ॥ तेहज
 मुजअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा ॥ असयदिउतूजनेंनृपसाषे ॥ जोमुज

व्यतीकरसघलोदाषे ॥ सा० ॥ कोणरीषीएकोणवलीनारी ॥ सूवयणदेपेतव
 अणमार ॥ ८७ ॥ सा० ॥ जलषीआंसूनयणेंतरीआं ॥ मुनीवरचरीतदेषीचि
 तठरीआं ॥ सा० ॥ विस्मयलहीकहेरायनेंश्म ॥ नविकहेवाजेहवुंभसूनेम ॥
 ॥ ८८ ॥ सा० ॥ रायकहेसंशारएहवो ॥ एहमांअचरीजलहेवोकेहवो ॥
 सा० ॥ सूवयणकहेएकांतकरीजें ॥ तवनृपपरीजनदूरिधरीजें ॥ ८९ ॥ सा० ॥
 मुनीदेषीनेंघणंपठतायो ॥ नृपनेंकहेऊंपापेंतरायो ॥ सा० ॥ पुरषस्वानऊंपुरुष
 मजाणो ॥ सत्यसंधामुनिपुरषवषाणो ॥ ९० ॥ सा० ॥ कृतगुणजाणअपरउपगा
 री ॥ व्रतधर्युंसर्वअकारजकारी ॥ सा० ॥ एहमांसर्ववातमुजसाषी ॥ रायआग
 लिपुरीनवीक्षाषी ॥ ९१ ॥ सा० ॥ तुजसमपुरुषतेस्वाननकहिई ॥ प्रस्तुतवातक
 होजिमलहिई ॥ सा० ॥ वातकहीतवसघलीजाम ॥ नरपतितूटमांनथयोता
 म ॥ ९२ ॥ सा० ॥ मुंक्योसूवयणमुनीनमीचाढ्यो ॥ आर्यमंगुपासेंमीथ्यात
 टाढ्यो ॥ सा० ॥ धर्मसांसलीकरयोपश्चाताप ॥ धरणेंरागेंअमणथयोआप
 ॥ ९३ ॥ सा० ॥ नरपतीप्रणमीमुनीवरपाय ॥ हरषेनीजसूवनेंतेआया ॥ सा० ॥
 सयपांमीतीहांनाठीलषमी ॥ जातांवाटिपमीतीहांविषमी ॥ ९४ ॥ सा० ॥
 लुंढ्यांवस्त्रात्तरणतेचोरें ॥ रातिपाठिलीएकजपोहरें ॥ सा० ॥ पोहतीनामकुस
 र्यलगाम ॥ तसनरपतीमांद्युंएककांम ॥ ९५ ॥ सा० ॥ राणीनेंविघननिवा
 रणमाटे ॥ पुरोहितगामबाहिरंणवाटें ॥ सा० ॥ अगनीकरीचोवटेचरूरांधें ॥
 चोकिमुंकीचिऊंदिशबांधें ॥ ९६ ॥ सा० ॥ नखसेदिततंडलकरीमुंक्या ॥ मंत्र
 जापकरतांनवीचुक्या ॥ सा० ॥ इणअवशरदेषीतेज्वाला ॥ इणमारगआवी
 सांवाला ॥ ९७ ॥ सा० ॥ उतरयोसाथजाणीनेंआवी ॥ दिठीदिशापालेंतवठा
 वी ॥ सा० ॥ सीवारुतनेंलगतीदेषी ॥ सयपाम्याराषसणीलेषी ॥ ९८ ॥ सा० ॥
 थंत्त्यापगनेंपमीकरवाल ॥ करंकंप्यामानुंजिवितसाल ॥ सा० ॥ पमीआधर
 तीतवतेनारी ॥ बोलेमतबिहोमनहारी ॥ ९९ ॥ सा० ॥ ऊंभुंमनुष्यणींश्मकही
 आवे ॥ पुरोहितपासनगननेंसावें ॥ सा० ॥ देषीधीर्यधरीतसकेश ॥ पकमी
 कहेबिहोमतलेश ॥ १०० ॥ सा० ॥ दिशापालतवउंठीआया ॥ बांधीनयर

मांलेईसिधाया ॥ सा० ॥ सूपतिनेंजणव्युंकहेत्यारें ॥ करज्योविटंबणाविविध
 प्रकारें ॥ १ ॥ सा० ॥ एहनुंमांशएहनेंखवराव्युं ॥ लेईअशुचीमुखमांधराव्युं
 ॥ सा० ॥ करीयविटंबणाअतिहिंनिभंढी ॥ गांममांथीकाढीतेअलढी ॥ सा०
 ॥ २ ॥ पेसवानवीपांमीकोईगांमें ॥ अटवीमांफिरतीगमठामें ॥ सा० ॥ पुर्व
 कर्मनेंउदईमारी ॥ गजवरेंपापकरीअतीसारी ॥ ३ ॥ सा० ॥ धुमप्रत्ताइंउप
 नीतेह ॥ घोरपापनांफलेअह ॥ सा० ॥ सत्तरसागरतेहनुंआय ॥ संजमपा
 लेधरणमुनीराय ॥ ४ ॥ सा० ॥ करीसंलेषणाशुतपरीणाम ॥ पादपोपंकरेअ
 णसणताम ॥ सा० ॥ कालकरीउपनाअणगर ॥ आरणदेवलोकमांअवध ॥
 ॥ सा० ॥ ५ ॥ चंद्रकांतीवीमानेंएह ॥ एकविससागरआयुधरेहा ॥ ६ ॥ सा० ॥
 धरणलढीदंपतीनोसाण्यो ॥ तवढेखंमैचीतराण्यो ॥ सा० ॥ चौवीसमीढादें
 एपुरो ॥ किधोढेखंमसनुरो ॥ ७ ॥ सा० ॥ ताद्रवावददशमेंगुरूवारें ॥ वि
 सलनगरचोमासुंतिवारें ॥ सा० ॥ अढारसेंएकतालावरषें ॥ शांतीजीनेस्वरसा
 सथीहरषें ॥ ८ ॥ सा० ॥ विजयसिहसूरीसीशसवायो ॥ सत्यविजयगुरुज
 गमांगवायो ॥ सा० ॥ श्रीगुरुकपुरविजयतसशीसो ॥ बीमाबीजयतसशीस
 जगीसो ॥ ९ ॥ सा० ॥ पंमीतजीनविजयजयवंतो ॥ विद्याविचरुणलरुण
 वंतो ॥ सा० ॥ उत्तमविजयसुशीससोसागी ॥ तत्वज्ञानमांजसमतीलागी ॥
 ॥ १० ॥ सा० ॥ उत्तमसमरादित्यनोरास ॥ पद्मविजयकहेलीलविलास ॥ सा० ॥
 सांतलतांहोयमंगलमाळा ॥ पुण्यमहोदयसूखसुबीशाला ॥ ११ ॥ सा० ॥
 इतिश्रीसंविज्ञपद्मीयपंमीतप्रवरमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मविजय
 ग० विरचितेसमरादित्यचरीत्रेप्राकृत्यप्रबंधेधरणलक्ष्मीवधुवरयोःसंगतयोः
 ष्टोनरत्नवःसमाप्तःसर्वांग्याषष्टपदे ॥ ११ ॥ ११ ॥ उक्तगाथा काव्य ॥ १० ॥
 सवइउ ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ८० ॥ इहा ॥ शान्तिकरणश्रीशान्तिजी ॥ समरूखदातारा ॥ प्रणमुंसंखेसरप्रसू ॥
 अमवनीआंआधार ॥ १ ॥ सातमोखंमसोहामणो ॥ समरादित्यसंबंध ॥ से
 नविसेनदोयभातसूत ॥ पीतराईपरबंध ॥ २ ॥ जंबुधीपदखजोअणो ॥ वा
 रुत्तारहवास ॥ तिहांचंपानयरीतणो ॥ उत्तमढेआवास ॥ ३ ॥ सेसफणासो
 गजसमो ॥ पोढोढेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावतां ॥ सूवनतणोसंतार ॥
 ॥ ४ ॥ नंदनवनवनेजीतीउं ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहांअमत्सरी ॥
 दक्षघणंदातार ॥ ५ ॥ रुपवंतरलिआमणी ॥ सुंदरघणंसुकमाल ॥ लज्जावंत
 म्महिजातिहां ॥ विनयवंतसूवित्राल ॥ ६ ॥ अमरसेनअवनीपती ॥ साधीत
 दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याईंआवीवरी ॥ लषमीपणितसद्वहार ॥ ७ ॥ जायातस
 जयसुंदरी ॥ सयलअंतेउरसीउं ॥ अनुसवतोतेहस्युंअवल ॥ विषयसोगसू
 विशिठ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ क्रीडाकरीघरिआविउं ॥ एदेसी ॥ इणिअवसरदेवलो
 कथी ॥ चविउंपालीआयरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरो ॥
 ॥ ९ ॥ इणि ॥ दंमकनकमयदिपतो ॥ रयणविसूषीततूंगरे ॥ देवडुप्यध्वज
 लहकतो ॥ गयणसूषणमानुंचंगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनंउदरमांपेसतो ॥ वि
 स्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइंदेपीकरी ॥ जागीनींदअतीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥
 हर्षेपतिसंस्लावती ॥ कहेतवनरपतीइमरे ॥ सकलनरिद्रकेतुशमो ॥ पुत्रथ
 स्येतुज्जनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहअंगीकरे ॥ अनुंकमेंसाधेत्रिवर्ग
 रे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउं ॥ सुखमांतेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरषम
 तीदासीतदा ॥ दिधवधाश्रायरे ॥ दानसंतोषनुंनृपदिइं ॥ मासएकवीहिजाय
 रे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउं ॥ वरसएकथयूंजामरे ॥ नरकथ
 कीहवेनिकल्यो ॥ जिवलढीनोतामरे ॥ १५ ॥ इणि ॥ समीउतेहसंशारमां ॥
 अनंतरसवेनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहां ॥ नरपतीकुलमांआयरे ॥ १६ ॥
 इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ तार्ईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातसत्तारया ॥ त
 सकुषेगंसेणरे ॥ १७ ॥ इणि ॥ जबजनम्योतवथापीउं ॥ नामविसेनकुमा
 ररे ॥ सेनकुमारमहेकला ॥ करतोविसेनस्युंप्याररे ॥ १८ ॥ इणि ॥ पणि

नहिसेनस्युंतेहने ॥ इमकरतांकेईकाखरे ॥ इकदिनजय २ रवथयो ॥ कुसु
 मवृष्टीसूविशाखरे ॥ १९ ॥ इणि ० ॥ सूरसिद्धविद्याधरथकी ॥ व्यापीरसोआ
 कासरे ॥ रायपुठेनिजपुरुषने ॥ कहोएकिस्योप्रकासरे ॥ २० ॥ इणि ० ॥ ख
 बरकरीप्रतीहारते ॥ साषेतासनीदानरे ॥ इणनयरीमांपांमीआं ॥ साधवीकेव
 लज्ञानरे ॥ २१ ॥ इणि ० ॥ जाणेंलोकालोकना ॥ त्रणिकावनासावरे ॥ सूर
 विद्याधरबहुयुणें ॥ सांतलीनरपतीतावरे ॥ २२ ॥ इणि ० ॥ हरषीचाव्योवां
 दवा ॥ आब्योउपाश्रयद्वारे ॥ तोरणयंतनेपुतली ॥ ज्युंविद्युतजातकाररे ॥ २३ ॥
 ॥ इणि ० ॥ किहांयकफटिकविद्रुमकिहां ॥ किहांयकचामरखेतरे ॥ ध्वन
 त्रिरउपरफरकतो ॥ कनककिंकिणीसमवेतरे ॥ २४ ॥ इणि ० ॥ बहुसामणिइपर
 वर्यां ॥ तिमआवीकासमुदायरे ॥ श्रीसमरूपेंसोततां ॥ गुरुणीतिहादिषायरे
 ॥ २५ ॥ इणि ० ॥ तवसायरतरियांजिके ॥ गुणमणीरयणसंभाररे ॥ ससीश
 मवयणशोतामली ॥ नासीततमअंधकाररे ॥ २६ ॥ इणि ० ॥ स्वेतांबर
 थीसाहुणी ॥ स्तवतासूपतीतामरे ॥ कुसुमवरसीकरेधुपनें ॥ करेपंचांगप्र
 णामरे ॥ २७ ॥ इणि ० ॥ बेठोधर्मश्रवणतणि ॥ धर्मकथाकहेजामरे ॥ आ
 व्यादोयतिणेंसमे ॥ सारथवाहसूततामरे ॥ २८ ॥ इणि ० ॥ बंधुदेवशागरनामें ॥
 लेईनीज २ नारिरे ॥ परमगुरुप्रणमीकरी ॥ साहुणीप्रणमेशाररे ॥ २९ ॥ इणि ० ॥ सात
 मेखंमेढालण ॥ पहेलीपापनीवाररे ॥ पद्मविजयकहेसांतलो ॥ सृणतांजय २ काररे
 ॥ ३० ॥ इणि ० ॥ डहा ॥ सागरकहेचपसांतलो ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ अ
 दसूतएकदिउंअम्हे ॥ सांतलज्योतससेद ॥ ३१ ॥ सांतलतांविस्मयथस्ये ॥
 रहिनसकुंडराज्य ॥ विस्मयप्रेरयोविसमी ॥ अर्थनजाणंआज ॥ ३२ ॥
 पुहुंएसगवतीप्रते ॥ ठावोचपकहेठीक ॥ असंताव्यअद्भुतकिस्युं ॥ तेता
 षोतहकीक ॥ ३३ ॥ सागरकहेमुळसहचरी ॥ हाथेंपोयोहार ॥ अतितकाल
 कोईउपरें ॥ विसरीउंइणवार ॥ ३४ ॥ आजसोजनकरीआवीउ ॥ चित्रसा
 लीचीत्रकार ॥ एकययुंअचरीजइहां ॥ तांभुंतेअधीकार ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
 अरज २ सृणनेंरुमाराजीआहोजी ॥ एदेशी ॥ एहवे २ मोरएकचित्रमां

होजी ॥ देवेउंचोरसाश ॥ पिणमां२कोटिहलावतोहोजी ॥ किधोपिठविदा
 स ॥ ३६ ॥ एह ॥ पांष २ पंपेरीउतरयोहोजी ॥ रातावस्त्रमांहार ॥ मुकि २
 गयोनिजथानिकेंहोजी ॥ ऊउचित्रप्रकार ॥ ३७ ॥ एह ॥ देषी २ विस्मय
 उपनोहोजी ॥ कहोएस्यंकहेवाय ॥ एहवे २ जय २ रवथयोहोजी ॥ कुसुम
 दष्टितेथाय ॥ ३८ ॥ एह ॥ सूरवर २ विद्याधरमट्याहोजी ॥ सांसलीलोकनी
 वाणि ॥ पाम्यांपाम्यांकेवलसाऊणीहोजी ॥ आव्योऊंइण्ठाण ॥ ३९ ॥ एह ॥
 बोले २ नरपतीसांसलोहोजी ॥ साचुंअचरीजएह ॥ एहबुं २ संसवींनही
 होजी ॥ पुढेसगवतीनेह ॥ ४० ॥ एह ॥ ताषे २ तवतेहसाधवीहोजी ॥ ए
 हमांअचरीजकांय ॥ करमें २ स्यूनवीसंतवेहोजी ॥ नियमासफलांतेथा
 य ॥ ४१ ॥ एह ॥ जेहवां २ गुताशुसबांधीआंहोजी ॥ तेहवांउदरेथाया ॥
 अगुसे २ जलअगनीहोइंहोजी ॥ न्यायतेथायअन्याय ॥ ४२ ॥ एह ॥
 चंद २ तिमिरहेतूहोइंहोजी ॥ घरमांथीमरीजाय ॥ अर्थ २ अनर्थमीत्रवेरी
 उहोजी ॥ नसथीअगनीवरशाय ॥ ४३ ॥ एह ॥ शुसथी २ विषअमृतहो
 इंहोजी ॥ डरिजनसऊनहोय ॥ अपजस २ तेजसनीपजेहोजी ॥ नहणे
 जुधमांकोय ॥ ४४ ॥ एह ॥ पामें २ अचितीसंपदाहोजी ॥ सृणीबोलेनर
 नाह ॥ कोहना २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेसाऊणीराह ॥ ४५ ॥ एह ॥
 माहरा २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेतामसूपाळ ॥ किमते २ स्युंनिमोत्तक
 होहोजी ॥ साऊणीसाषेरशाल ॥ ४६ ॥ एह ॥ जंबु २ द्वीपनासरतमांहो
 जी ॥ संखवईननाम ॥ नयर २ संपपाळसूपतीहोजी ॥ धनसार्थपउदाम ॥
 ४७ ॥ एह ॥ धन्या २ तेहनेंसारजाहोजी ॥ दोयपुत्रढेतास ॥ धनपती २
 धनावहनामथीहोजी ॥ पुत्रीधनसिरीषास ॥ ४८ ॥ एह ॥ जाणो २ तेऊंराजी
 आहोजी ॥ परणावीपुरमांहि ॥ तातें २ तिहांसोमदेवनेंहोजी ॥ सरताउपरत
 तांहि ॥ ४९ ॥ एह ॥ सोग २ नीवातलहीनहीहोजी ॥ उपनोमुऊनीरवेद ॥
 चंद्र २ कांतासीधसाऊणीहोजी ॥ पाउधास्यांगतषेद ॥ ५० ॥ एह ॥ सषीं२
 मुऊजणव्युंजदाहोजी ॥ गईऊवंदनकाम ॥ जिनघरे २ दिठांतेगुणीहोजी ॥

सुंदरपणिदस्योकाम ॥ ५१ ॥ एह ॥ कला २ कुसलमांजीनहीहोजी ॥ श्रुतदेवी
 परेजेह ॥ धरम २ कहेतीआवीकासणीहोजी ॥ विस्मयथयोमुऊदेह ॥ ५२ ॥
 एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतदाहोजी ॥ घंटाचादीमेहाथि ॥ दिवो २ करी
 फूलवरसीआंहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २ करीप्र
 सूवंदिआहोजी ॥ आविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मदासतिऐंदिउहोजी ॥
 बेठीताससकास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुढे २ मुऊतूम्हेकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक
 झुंझाथीआय ॥ साप्यो २ सपीईमाहरोहोजी ॥ जनकजननीठाय ॥ ५५ ॥
 एह ॥ करमें २ परणीततपीऐंहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा
 सबऊकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह ॥ देह २ मीगादेंइणिपरें
 होजी ॥ सांसलीतुमवीरतंत ॥ सक्ति २ आवीवंदवाहोजी ॥ मावितआणि
 लहंत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खंम २ सातमेबीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहढाल ॥
 पंढीत २ उत्तमबीजयनोहोजी ॥ साषेपन्नएबाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ५९ ॥
 ॥ इहा ॥ साधवीकहेसारुंकस्थुं ॥ आभ्यांतूम्हेईहांआज ॥ बलीवैराग्यघणोवहो ॥
 करतांआतमकाज ॥ ५९ ॥ एसंसारअशारढई ॥ इखसाजनइखदाय ॥ धर्म
 कहेतेधरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥
 केतोक्वितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्यूंचित्तविचाल ॥
 ६१ ॥ साधुपण्ढेउंसखर ॥ पुढुंभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवीयाई
 किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविजं ॥ रहिनेघरआवास ॥ प्रतीमासरा
 वीपरवमी ॥ करुंनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचंदनगंधफल ॥ ध्व्य
 नोव्ययतेदेषि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेअतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
 पीउजी २ नामजपुदिनरातीआं ॥ एदेडी ॥ म्हेंमनचितव्यूंसाईचित्तजोउंपरी ॥
 स्यूंमूऊएहस्यूंकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेतेवाससूवनआगलिरही ॥ धन
 पतीआव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसांसलेसोजाईनेतिमक
 हे ॥ धर्मदेशनामिसथीजीमशंसयलहे ॥ सामीराषज्येआपणीस्यूंकहिइंधण ॥
 सांसलीचितवेतासपतिकुशीलपण्ढ ॥ ६६ ॥ सगनीजुठनसासेतिऐंएहथीस

स्युं ॥ आवीजबतेनारिवदनअवलूंकस्युं ॥ पायउलासीदिवोसमारीतंबोलधरो ॥
 नारीनीधारीमतशय्यापरपगधरे ॥ ६७ ॥ मनचिंतेस्त्रीहासीमुऊकरताहस्ये ॥
 जवसूतीतवसरतारउठयोधसमस्ये ॥ नारीकहेस्युंकारणतवकहेइंणिपरो ॥ कां
 यनहीपणिनीसरमुऊघरबाहिरे ॥ ६८ ॥ साचिंतेमेडण्कतकांयकिधूंपहं ॥
 चितविउठिशय्याथीचित्तआलोचकहं ॥ बड्ढाचिताअंतेपतीनीडावशययो ॥
 सापणिसंतारेमुऊदोषनकोईसयो ॥ ६९ ॥ शोकातूरयईंचितवेमुऊजिववुंन
 ही ॥ जिणथीपतिडहवाइंअथवाइंसही ॥ मरतांसरतानुंहोयलघुताईपणं ॥
 लोककरेविकहपआहुंअवलूंधणं ॥ ७० ॥ एडखसहेवाइंसहीकहोस्युंकी
 जीइं ॥ अहवानणंदमुऊमाहीकामएदिजीइं ॥ बुद्धिघणीजुगताजुगतुंमुऊसा
 पस्ये ॥ करस्युंपठेतेकामनणंदजेआषस्ये ॥ ७१ ॥ मनडखनेंवलीआषि
 आंसूधारावहे ॥ रातिमाहिंपिणमात्रननिंघातेलहे ॥ वासतूवनयकीआमण
 डमणीनीकली ॥ म्हेंपुठ्युंतसंणिपरेकिमरहेटलवली ॥ ७२ ॥ रोतेवदनेकहे
 अपराधजाणंनही ॥ रुठोसरतारकहेमुऊनिकलतूंबही ॥ मेकसुंधोरीयाकहं
 कामजुंताहं ॥ ईमकरीसाईनेंकजंसूणिवचनतेमाहं ॥ ७३ ॥ स्योअपराध
 कस्योतूऊनारीतेकहो ॥ तेकहेडष्टशीलानोनामतेमतलहो ॥ एहथीसंततीविग
 मेअपजसवीस्तरे ॥ मलिनकरेवलीकुलनेंसरतासंहरे ॥ ७४ ॥ उत्तयलोकवि
 गमेतिणेंकामनएहनुं ॥ म्हेंकसुंकिमजाण्युंतवचरीकहेतेहनुं ॥ सांसल्युंतुम
 पासेदेशनामीसकसुं ॥ तवम्हेंकसुंतूऊपंमीतपणंरुमुंलसुं ॥ ७५ ॥ अहोतुऊ
 माहपणनेंमुऊस्युंस्नेहजघणो ॥ म्हेंकसोसामान्येंएहमांदोषजघणो ॥ पणि
 नविएहनोदोषदेषामवाजाणजे ॥ एतलेतूंतुऊनारीमांदोषमलावजे ॥ ७६ ॥ स
 रमायोनेपश्चातापकरेअती ॥ अहोमाहुंकस्युंकाममनावीतेसती ॥ म्हेंइमथा
 स्युंमानस्येंकृष्णधवलसऊ ॥ एहसाईहवेंबिजानीपणजेवऊ ॥ ७७ ॥ इंणि
 परेसाण्युंहायठेकाणेंराषज्यो ॥ बिजुंसर्वपूरवपरेएहनेंसाषज्यो ॥ कपटेक
 रमबंधाणंमुऊनेंतिणेंसमें ॥ अन्यदादिहामेंलहीजिणेंसवनवीसमें ॥ ७८ ॥
 साईसोजाईस्युंव्रतपालूंसदा ॥ आयुपइंसूरलोकेंययाअमेंअन्यदा ॥ आ

गलिथीमुळत्ताईचवीइहांआवीआ ॥ सेठपुरणदत्तपुत्रपणेंनामठावीआ ॥
 ॥ ७९ ॥ सागरनेबंधुदेववधंताअनुक्रमें ॥ ऊंपणितपनीगजपुरनगरेंतिणस
 में ॥ शंषशेठनीशुत्तकांतानारीउरे ॥ पुत्रीपणेंथईनांमसर्वांगसुंदरीधरें ॥ ८० ॥
 सोजाईउपणिदेवलोकमांथीचवी ॥ कोसलापुरमांनंदनसेठघरेहवी ॥ देविला
 कूबेनारीपणेंविऊंअवतरी ॥ श्रीमतिकांतिमतीअसीधाअनुक्रमेंधरी ॥ ८१ ॥
 जैनधर्मिहुंआवककुलउपनाथकी ॥ जौवनवयलहीतिणेंमुळदेषेसऊठकी ॥
 बंधुदेवगजपुरमांएकदिनआविउ ॥ मुळनेंदेपीकाममांहिचितलावीउ ॥
 ॥ ८२ ॥ पुढ्योमुळवृत्तांतवर्द्धननरनेंजदा ॥ सर्वांगसुंदरीएशंषधुआकहेत
 दा ॥ तासपीताकनेंमांगीतवतेइमकहे ॥ जोग्यतुम्हेओपणिएसाधर्मिकलहे ॥
 ॥ ८३ ॥ आवकविणजोगनकरूंसूतनेंदिकरी ॥ म्हेंइमगुरूनेंपासेसुखअगम
 धरी ॥ तवतेकहेमुळनेंपणिसाधर्मिककरो ॥ तातकहेसूणोजीनवाणीहृदइ
 धरो ॥ ८४ ॥ सावथीआवकयाउतवतेशांतली ॥ मुळलोसेगयोसाधुशमी
 पेंतेवली ॥ धर्मसूणीनेंकपटेंआवकतेथयो ॥ क्रियाकरेदानादीदिइएमका
 लगयो ॥ ८५ ॥ एकदिनतातनीपासेंआविवीनवे ॥ धन्यथयोऊंमतजाणो
 कहेकेतवे ॥ तूम्हेउपदेसदिधोऊंपणिपामीउ ॥ जैनधर्मनेंमिथ्यामतसवी
 बामीउ ॥ ८६ ॥ मुळपरलोकनोबांधवदेवगुरुसमो ॥ तूमसमअवरनहोय
 अहोतूऊनेंनमो ॥ विदितसंशारस्वसावऊंतिणेंमुळषपनही ॥ कन्यानोतिणेंनि
 जदेशेंजस्यूसही ॥ ८७ ॥ शासनरागेंमुळनेंमतवीशारज्यो ॥ उचित्तकाममु
 ळलिखज्योदृढधर्मधारज्यो ॥ पोतानोगणज्योइमकहीपाइपमे ॥ सूखस्वसा
 वथीतातसत्यचितमांधमे ॥ ८८ ॥ बऊमानेंवलीतातकहेधन्यओतूम्हे ॥ जि
 णेंलाधोजैनधर्मघणस्युंकहीइअम्हे ॥ सातमेखंमेढालएचीजीमनधरो ॥ पद्म
 कहेसवीलोककेसऊजय२करो ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥ परमारथतूम्हेपामीआ ॥ मतकरज्योपरमाइ ॥ इमकहीनीकलीउइ
 स्यें ॥ नवीकीधोकांयनाइ ॥ १०१ ॥ सजनमेलावोसर्वनो ॥ करीनेंपूठेंकांमा
 परणावुंकहोतोपठें ॥ तूममनमानेंताम ॥ १०२ ॥ सऊकहेआवकसाचलो ॥

सर्वांगसुंदरीसंग ॥ जोग्यलक्षोहवेजीमतूम्हे ॥ मनमानेसोउमंग ॥ ९२ ॥ पर
 णावेतवमुऊपीता ॥ काढ्योकेईककाल ॥ निजघरिआव्योनारिस्थूं ॥ करेउ
 ढवततकाल ॥ ९३ ॥ वासरगयोवेलाथई ॥ मंगलदिपमंजाण ॥ कुसुमदृष्टी
 कीधीतीहां ॥ वासआवासवषाण ॥ ९४ ॥ धुपघमीतिहांधगधगी ॥ लटका
 वीफूलमाल ॥ आव्योसत्ताईणसमे ॥ सूणोवातसमकाल ॥ ९५ ॥ ढाल ॥
 जिनबचनेवैरामीउहोयना ॥ एदेसी ॥ इणिअवशरउदइयुंहोप्राणी ॥ वां
 ध्युप्रथमजेकर्म ॥ सोगव्याविणबुटेनहीहोप्राणी ॥ कर्मनराषेसर्मरेहो ॥ सू
 णज्योप्राणीकर्मनकिजेवे ॥ ९६ ॥ पेत्रपालफिरतोयकोहोप्राणी ॥ आव्यो
 तीणहीजदेश ॥ कर्मपरिणामअचित्येहोप्राणी ॥ दिठांदंपतीनववेशरेहो ॥
 सू० ॥ कर्म० ॥ ९७ ॥ कौतिकजोउंएइहांहोप्राणी ॥ जिमनवीथायसंजोगा
 रूपकरीअन्यपुरुषनुंहोप्राणी ॥ पामवातासविजोगरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९८ ॥
 गोषमांवदनकरीकहेहोप्राणी ॥ सर्वांगसुंदरीकाम ॥ बंधुदेवेंतेनिरषीउहोप्रा
 णी ॥ आव्योकषायनेंधामरेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ ९९ ॥ अरतिथईमुऊउप
 रिहोप्राणि ॥ जाण्युंकुसीलढेनारि ॥ कोईकबोलावीकिमगयोहोप्राणी ॥ इणि
 परेंकरतविचाररेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ १०० ॥ स्नेहबंधनचुटीगयोहोप्राणी ॥
 ऊंआवीतीहांतांम ॥ चेष्टाकीधसूवातणीहोप्राणी ॥ सषीउंगईनिजठामरेहो ॥
 सू० ॥ क० ॥ १ ॥ द्वारदेईशय्यातणेंहोप्राणी ॥ वेठीएकजदेश ॥ पतीउठयो
 सहसातदाहोप्राणी ॥ ऊंपणिउठीविशेषरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ २ ॥ म्हेंअपरा
 धनपुढीउहोप्राणी ॥ पतितवसूतोतेथी ॥ करतोविकल्पकोम्योगमेंहोप्राणी ॥
 निद्राआवीएथीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ३ ॥ ऊंपणिमहाशोकेंपहीहोप्राणी ॥ ध
 रतिईवेगीताम ॥ रातिगईडखणीघणीहोप्राणी ॥ जाणेंत्रिसूवनस्वामीरेहो ॥
 सू० ॥ क० ॥ ४ ॥ सहिउंआवीसरतागयोहोप्राणी ॥ पुढेसहीउंवात ॥ कि
 मतूमेआमणडमणंहोप्राणी ॥ तवनवीबोड्युंजातरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ५ ॥
 वातकहेवाजेहवीनहीहोप्राणी ॥ शोकथीकंठनीरुद्ध ॥ सुद्धिबुद्धिपणनासीग
 ईहोप्राणी ॥ फिरीपुढेसखिअुरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ६ ॥ व्यतीकरसर्वसू

णावीउहोप्राणी ॥ तर्वांचितेसरिवंश ॥ स्वामीनीमांडखणनहीहोप्राणी ॥ पति
 पणिनीपुणनेमेरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ७ ॥ कर्मदोषपरस्तवतणोहोप्राणी ॥ निश्चय
 कारणएह ॥ स्वजनपुढ्याविणपतिगयोहोप्राणी ॥ आव्योचंपांतेहरेहो ॥ सू० ॥
 ॥ क० ॥ ८ ॥ मातपीतापतीउपरेंहोप्राणी ॥ कोप्यांमाहरेरेराग ॥ व्यवहार
 टाट्योतेहस्यूंहोप्राणी ॥ मुळउपनोवैरागरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९ ॥ एसंशार
 असारमांहोप्राणी ॥ डखतोसोहिलूंहोय ॥ चारीत्रधर्मतेदोहिलोहोप्राणी ॥ चंचल
 जीवीतजोयरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १० ॥ गृहआश्रमयीहवेसस्युंहोप्राणी ॥ जे
 हथीबळजंजाल ॥ चारित्रलेवुंमाहरेहोप्राणी ॥ जिणयीसूखअसरालरेहो ॥
 ॥ सू० ॥ क० ॥ ११ ॥ इणअवशरतिहांआवीयांहोप्राणी ॥ गुरुणीजसव
 तीनाम ॥ मातपीताआणालहीहोप्राणी ॥ दिक्कायहीअस्तीरामरेहो ॥ सू० ॥
 ॥ क० ॥ १२ ॥ बंधुदेवपरण्योहवेहोप्राणी ॥ श्रीमतीनामेंनारि ॥ कोसलापु
 रेंनंदसेठनीहोप्राणी ॥ धुयागुणसंनाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १३ ॥ सागरपर
 ण्योतेहनीहोप्राणी ॥ सगनीकांतीमतीनाम ॥ तेवधुबिऊलेईआवीआहोप्राणी
 ॥ इणहिजचंपाठामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १४ ॥ गुरणीसाथिविचरतांहोप्रा
 णी ॥ आव्यांतुमपुरेराय ॥ फिरतांगोचरीगाममांहोप्राणी ॥ बंधुदेवघरिआय
 रेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १५ ॥ मुनीनेवयरनराषवुंहोप्राणी ॥ दिठांतेबिऊनारि ॥
 पुरवस्तवअत्यासथीहोप्राणी ॥ प्रीतीथईतेअपाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १६ ॥
 यतः ॥ जंअत्यसेईजीवो ॥ गुणंचदोसंचईजम्मंमी ॥ तंपावईपरलोए ॥
 तेणयअसासजोएणं ॥ १ ॥ अत्यासेनकीयाःसर्वा ॥ अत्यासात्सकलाःक
 लाः ॥ अत्यास्याश्वानमौनादी ॥ किमत्यासस्यडष्करं ॥ २ ॥ पुर्वढाल ॥
 पमीलात्यांअन्नपाणीइहोप्राणी ॥ आव्यांउपाअंतेह ॥ धर्मसूणाव्योदोय
 नेंहोप्राणी ॥ परणम्योविकसीदेहरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १७ ॥ आविकाथई
 हवेवीनवेहोप्राणी ॥ किजेअमउपंगार ॥ धर्मकहोघरआविनेंहोप्राणी ॥ बुळे
 अमपरीवाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १८ ॥ आणालहीगुरुणीतणीहोप्राणी ॥ गम
 नागमनकरेय ॥ सातमेखंमेचोयीकहीहोप्राणी ॥ पचेंढालतेअयेरेहो ॥

॥ सू० ॥ कर्म ॥ १७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ४४ ॥ इणअवशरिआव्युंदय ॥ कर्मजेविजुंकिध ॥ रागघणोबिजुंनारी
नो ॥ सासनसक्तीशीध ॥ २० ॥ व्यंतरआश्रितसूवननो ॥ चितइंइणिपरचि
त्त ॥ साधवीउपरसाचलो ॥ सक्तिसावसलीरीति ॥ २१ ॥ जोउंरागजोपेंकरी ॥
इणअवशरएकदिन ॥ गईजुंएहनागेहमां ॥ वाहवाससवन ॥ २२ ॥ हारप
रोवेहर्षस्युं ॥ कांतिमतीनिजकाम ॥ उत्तीयइआदरदिइं ॥ आसनदेवेआम
॥ २३ ॥ साजणीउबेगीसखर ॥ मुळपुठेमहाराय ॥ दिधीधर्मनोदेशना ॥ उगी
अवसरठाया ॥ २४ ॥ दाज ॥ नंदसल्लणनंदनरेलो ॥ एदगी ॥ जावामान्युंजेतले
रेलो ॥ कांतिमतीकहेतेतलेरेलो ॥ आजतूमारेपारणरेलो ॥ असनलीउदेहधा
रणरेलो ॥ २५ ॥ आणिकरीसाजणीसणीरेलो ॥ म्हेंतिहांआहारलेवातणीरेलो ॥
कांतिमतिस्थुंगयांहवेरेलो ॥ आहारनाधरमांएहवेरेलो ॥ २६ ॥ चित्रमोरमां
अवतरस्योरेलो ॥ व्यंतरमोरेतेउतस्योरेलो ॥ हारगलीथानिकेंगयोरेलो ॥ मुळनें
विसंसमवज्जययोरेलो ॥ २७ ॥ पुठस्युंगुरुणीनेंजइरेलो ॥ इमचित्तवीआलयगई
रेलो ॥ बोहरावीनेंकांतीमतीरेलो ॥ वाससूवनमांआवतीरेलो ॥ २८ ॥ हार
जोयोदिगेनहीरेलो ॥ मनचित्तेएस्युंसहीरेलो ॥ कौतूकमोहटुंउपनुरेलो ॥ क
होसाईएस्युंनीपनुरेलो ॥ २९ ॥ पुठेतवपरीवारनेंरेलो ॥ दिगेकोईइंहांहारनेंरेलो ॥
परीजनकहेजाणनहीरेलो ॥ पणिकोईआव्युंनहीरेलो ॥ ३० ॥ इहांआर्या
आव्यांहतरेलो ॥ तूम्हेतीहांजाउजोयतारेलो ॥ कांतिमतीकहेस्युंकहोरेलो ॥
एऊनेंतूणमणीसमलहोरेलो ॥ ३१ ॥ असंबद्धकहोतेहनेरेलो ॥ कनकपथरंस
मजेहनेरेलो ॥ वातचालीपुरमांघणीरेलो ॥ कस्युंमंआवीगुरुणीसणीरेलो ॥
॥ ३२ ॥ गुरुणीकहेमुळनेंइस्युरेलो ॥ कर्मनिपजेसज्जुकिस्स्युरेलो ॥ तपचारी
अअधीकांकरोरेलो ॥ मतइणघरिपगलूंधरोरेलो ॥ ३३ ॥ प्रवचनलाघवजाणी
इरेलो ॥ तेतोप्रयलयोनाणीइरेलो ॥ शरदचंदशाशनतणरेलो ॥ मलिनपणया
इंघणरेलो ॥ ३४ ॥ अधर्मलहेधरमीनवारेलो ॥ सज्जहोइंदूरगतीजवारेलो ॥
लंघेजिनआणावलीरेलो ॥ संशारहेतूसज्जनेंसलीरेलो ॥ ३५ ॥ गुणठांमीअगु

णीयईरेलो ॥ धरमनीवाततोवहीगईरेलो ॥ बोधीवालीसंसारमारेलो ॥ रऊले
 उयुंपारावारमारेलो ॥ ३६ ॥ सांसलीसंवेगसावनारेलो ॥ उपनीआतमपाव
 नारेलो ॥ तपकरेसुविसेषेहवैरेलो ॥ तसघरवरजेविणजवैरेलो ॥ ३७ ॥ परी
 जनमनशंकाघणीरेलो ॥ आवीकानेनहीएककणीरेलो ॥ आविकाचितवेइणि
 परेरेलो ॥ गुरणींवातजाणीपरैरेलो ॥ ३८ ॥ संकटजाणीनआवीआरेलो ॥
 धरमेंआपणसावीआरेलो ॥ दोषअनेकपरधरजतारेलो ॥ इहलोकनानिस्पृह
 यतारेलो ॥ ३९ ॥ आव्यांनहीतिकारणैरेलो ॥ अम्हेजस्युंगुरूणीबारणैरेलो ॥
 केइककालइमवहीगयोरेलो ॥ एकदिनचित्तनीरमलथयोरेलो ॥ ४० ॥ कर्मरा
 शिपातलीपनीरेलो ॥ शुक्लध्यानमांहिचढीरेलो ॥ जिववीरजउल्लस्युंजदारेलो ॥
 अपुर्वकरणथयुंतदारेलो ॥ ४१ ॥ रूपकओणिमांहिलहीरेलो ॥ केवलज्ञानगं
 नुनहीरेलो ॥ कर्मचुटुंजवमाहसूरेलो ॥ व्यंतरचित्तथयुंपाधसूरेलो ॥ ४२ ॥ प
 श्वातापेहारनेरेलो ॥ मुंक्योकर्मनीवारणैरेलो ॥ कर्मविपाकमुऊदाषीउरेलो ॥
 सांसलीसङ्गजनहरषीउरेलो ॥ ४३ ॥ विस्मितथईकहेएहवुरेलो ॥ अहोएत
 लाथीइखकेहवुरेलो ॥ राजादिककहेस्वामिनीरेलो ॥ बऊदूरवनीखमीजामिनी
 रेलो ॥ ४४ ॥ चिङ्गतीमांसमतांथकारेलो ॥ इखतेकहोकीमकहीसकारेलो ॥
 नरकतिरीदूरवतोरझारेलो ॥ मनुंप्यनांपणिकिमजाइसझारेलो ॥ ४५ ॥ गरसनै
 जनममरणजरारेलो ॥ प्रियविरहादिकदूहकरारेलो ॥ मैथुनसुखमानेंजिकेरे
 लो ॥ खरजरवननसमठेतिकेरेलो ॥ ४६ ॥ मुखमीगविरसापठेरेलो ॥ धर्म
 थकीसङ्गअघगठेरेलो ॥ बुझीसत्तातवसूपतीरेलो ॥ बंधुदेवकहेसत्समतीरेलो ॥
 ॥ ४७ ॥ धरमअमेअंगीकरेरेलो ॥ तूमआणाअमेझीरधरुरेलो ॥ जिमसूख
 देवाणंप्रियारेलो ॥ विलंबनकीजेंएक्रीयारेलो ॥ ४८ ॥ अगईमहोडवकरेरे
 लो ॥ दानदेइनेउधरेरेलो ॥ हरीसेननेराज्येंगवरेलो ॥ दिहालिइंज्यूसूरगवी
 रेलो ॥ ४९ ॥ पुरुषचंद्रसूरीनेकनेरेलो ॥ साथेप्रधाननेपरीजनेरेलो ॥ पांचमी
 ढालपदमेंकहीरेलो ॥ सातमेखंमेएसहीरेलो ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥
 ॥ इहा ॥ पेदधरीढलषोलतो ॥ सेनतणांवीसेण ॥ णिइनलाधुंढलथकी ॥

तवकस्युंमौनजतेण ॥ ५१ ॥ एकदिनसूरजआयमें ॥ फूल्याअकालेफार ॥
 सवनउद्यानमांसूपना ॥ वनपालकतिणीवार ॥ ५२ ॥ आवीप्रधाननेउलगे ॥
 तिमजदिठातिणेंताम ॥ पागामुलप्रकृतिथया ॥ जाणींचितेजाम ॥ ५३ ॥ अं
 बमअष्टांगनिमित्तिउ ॥ सिद्धपुत्रसूचीचार ॥ एकांतेआदरकरी ॥ पुढेप्रधान
 प्रकार ॥ ५४ ॥ कुसूमविचारसावीकहो ॥ तवबोड्योततकाल ॥ कोपनक
 रस्योकोपरें ॥ शास्त्रवचनसंताल ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ चउसद्वहणातीलिगळे ॥
 एदेशी ॥ कोपकिस्योदैवपरिणती ॥ साषेइमप्रधानोजी ॥ कहोजेहवुंहोयते
 हवुं ॥ तवबोड्योतेविज्ञानजी ॥ ५६ ॥ त्रु० ॥ विज्ञानथीकहेकुसूमउग्यां ॥
 अकालेफलतासए ॥ राज्यउलटपलटथास्यें ॥ सांसलोसूविलासए ॥ तुरतसह
 जस्वसावझुआं ॥ तिणेंथोमोकाळए ॥ षीणवेलावलथकीवली ॥ प्रसूतकालनि
 हालए ॥ ५७ ॥ कहेपरधानकरवुंकिस्युं ॥ साषोतासउपायजी ॥ दानप्रमु
 खशांतीकर्मथी ॥ विघनविमारणयायजी ॥ ५८ ॥ त्रु० ॥ यायइणिपरेंनीमी
 तीउकहे ॥ देवगुरुपुजाकरो ॥ जावजीवकांयपापगंमो ॥ गुणअधीकअं
 गिधरो ॥ पमीहारनृपनोइणिअवशरे ॥ आवीकहेमहारायए ॥ बोलावेतूमेशी
 मआवो ॥ तवप्रधानकहायए ॥ ५९ ॥ कहोनृपनेंजइंइणिपरें ॥ आव्यो
 आणिप्रमाणजी ॥ पुढेतामनीमीत्तीउ ॥ स्येकारणनृपआणिजी ॥ ६० ॥
 त्रु० ॥ नैमितीउकहेराजपुरथी ॥ आव्योनृपनरएकए ॥ कल्याणकारीतिणें
 तूम्हनें ॥ तेमाव्याढेढेकए ॥ संकेपथीऊंएहजाणं ॥ तवकहेपरधानए ॥ क
 ल्याणकारीकहोस्युंढे ॥ बोलेतववरज्ञानए ॥ ६१ ॥ उचरोकांयकमुख
 थकी ॥ तवतेशणिपरेंसासेजी ॥ जयइजयलढीनीलय ॥ सूणीनीमीत्तीउ
 विमासेजी ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥ विमासीकहेनृपकुमरनें ॥ कन्यादेवाकाजए ॥ आव्यो
 तिणेंआणंदहेतू ॥ बलिसूणोएकआजए ॥ जेहपरणस्येएहकुमरी ॥ तेहया
 स्येरायए ॥ एहतूमचाराज्यकेरो ॥ बलिअन्यनोथायए ॥ ६३ ॥ नैमितीउ
 विसर्जिउ ॥ पुजीहर्षलहीनेंजी ॥ शांतीकर्मआणकरी ॥ गयोनृपपासेवही
 नेंजी ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ रायउगीआशनआप्युं ॥ दिगेनयणेंडतए ॥ नृपकहे

रायपुरसूपनरए ॥ सृणोतसआकुतए ॥ शंषनरपतीइमकहावे ॥ सूतामुज्ज्वा
 तीमती ॥ आपीतूम्हसूतगमेतेहने ॥ वाहलीजिवीतथीअती ॥ ६५ ॥ कहेमं
 त्रीअनुंकूलए ॥ किजेतासवचनजी ॥ रायकहेमानोसूखें ॥ सेनकुमारनेंदि
 नजी ॥ ६६ ॥ ॥ ॥ सामंतनयरीजननेंजएवे ॥ मंत्रीवर्षापनकरे ॥ बाजेमं
 गलतूरनाचे ॥ अंतेउरोआणंदधरे ॥ आणंदसऊनेंउपनोपणि ॥ उहवाणेवि
 सेणए ॥ सृणिनसकुंएहव्यतीकर ॥ देषीसकीइंकेणए ॥ ६७ ॥ केइकदिनप
 ठीमोकलोपरणवासेनकुमारोजी ॥ बऊआमंवरेंपरवस्यो ॥ मंत्रीप्रमुखपरीवा
 रोजी ॥ ६८ ॥ ॥ ॥ परीवारसेतीगयोतीहारें ॥ सामईउंतेनृपकरे ॥ गोमाव्या
 सऊबंदिजननें ॥ दानदेवेषुत्तपरें ॥ राजमारगशुद्धकीधो ॥ पात्रनाचेंपगपगें
 ॥ इत्यादिकपरवेशमहोठव ॥ आमंवरथीऊगमगे ॥ ६९ ॥ उतरेनृपदत्तसूव
 नमां ॥ लगनदिवसवरतावेजी ॥ अनुंकमेगजशीरवेशीनें ॥ विवाहमांमवे
 आवेजी ॥ ७० ॥ ॥ ॥ बऊपरिशिणगारकरीनें ॥ पहेरीवस्त्रअलंकारए ॥
 रुपअदत्तदेषींचिते ॥ तामसेनकुमारए ॥ तवअनादिअत्यासदोषें ॥ जा
 ग्योप्रेमअंकुरए ॥ अहोएहवासावजगमां ॥ उपजेत्तरपुरए ॥ ७१ ॥ पाणि
 पहणययुंतीहां ॥ फेराफरतांतामजी ॥ दानदिइंबऊनरपती ॥ सूखसोगवेषु
 सधामोजी ॥ ७२ ॥ ॥ ॥ बोलावीआकेईदीवसरहीनें ॥ आव्यानिजपुरीउमही ॥
 नरपतीअंतेउरनगरजनसऊ ॥ आव्याशनमुखगहगही ॥ पेशारामहोठवक
 रीनें ॥ लाव्यानीजआवासए ॥ तवविसेनकूमरडुत्ताणो ॥ पुरववैरअत्यास
 ए ॥ ७३ ॥ कालगयोवलीकेतलो ॥ आव्योमासवशंतोजी ॥ कामिनीजनम
 दनाकूली ॥ मलयअनीलवायंतोजी ॥ ७४ ॥ ॥ ॥ कोकीलरवेंकरीपथीक
 त्रसव्या ॥ केसूमाफूलिरक्षां ॥ अबमंजरीतणेंपरीमल ॥ अमरअतीआणंदल
 खां ॥ राढामिलीतिहांअतीअनोपम ॥ तामसेनकुमारए ॥ वस्त्रउज्वलअनें
 आसूषण ॥ साथेबऊपरीवारए ॥ ७५ ॥ अमरनंदनउद्यानमां ॥ कनककट
 कधस्यांहायोजी ॥ बाजुबंधनेंकुंमल ॥ केमेकटीसूत्रतेसाथोजी ॥ ७६ ॥
 ॥ ॥ तीणेंसाथिमाथेमुगटपहिर्यो ॥ वेठोगजवरउपरें ॥ बाजतेबाजेबंदिज

नस्युं ॥ परवस्योजवनीशरे ॥ खंमशातमेपमविजइ ॥ कहिठ्ठीढालए ॥ स
 मरादीत्यनारासमांहि ॥ सूएतांमंगलमादए ॥ ७७ ॥ ॥७८॥ ॥७९॥
 ॥ ७८॥ ॥ ऐरावणपरिंइंद्रजिम ॥ सूरपरीवततिमशेना ॥ शांतिमतीपणिसोहती ॥
 सूपणवज्जतरणेण ॥ ७८ ॥ रसणामणीनेउरवर ॥ हारकुंमलशोहंत ॥ चंद्रमु
 षीचतुरायणं ॥ माननीजनमोहंत ॥ ७९ ॥ जमीतरतनजंपानमां ॥ वेठी
 बाजातेह ॥ उहवाणोदेषीइस्युं ॥ जमोविसेनोजेह ॥ ८० ॥ पुरवकर्मविपाक
 स्युं ॥ अवलूंसूजेआम ॥ माहंएहनेंमुलथी ॥ ठावोफेमुंगाम ॥ ८१ ॥ अमर
 नंदनउद्यानमां ॥ आव्योकुमरआराम ॥ वाविसरोवरवृक्षनें ॥ देषीहर्षउदाम
 ॥ ८२ ॥ उतरीउअवनीतले ॥ क्रिमाविविधप्रकार ॥ करतांदिनसवीनिक
 द्यो ॥ आव्यानीजआगार ॥ ८३ ॥ इमनितरमवाआवतो ॥ सेनकुमरसुहम
 ल ॥ मारापुठेंमुकतो ॥ विसेनकुमरविषिन्न ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ लोहारणीजायो
 द्विकरो ॥ लोहारीहे ॥ तेहनुंजूलणीउदिउनामकोलाडसूरंगीहे ॥ एदेसी ॥ इम
 करतांवज्जदिनगया ॥ सूणोप्राणीहे ॥ एकदिनथयामध्याङ्क ॥ ढालगुणषाणी
 हे ॥ परीजनसज्जविरलायया ॥ सु० ॥ रसोनिजस्तवननेंथान ॥ ढाल० ॥ ८५ ॥
 निज २ कामेंचरगया ॥ सु० ॥ हवेधरीतापसवेस ॥ ढाल० ॥ आव्याविसे
 णकुमारना ॥ सु० ॥ कपटकरीकायक्लेश ॥ ढाल० ॥ ८६ ॥ नलीकाप्रयो
 गेंषमगधरी ॥ सु० ॥ देषेसेनकुमार ॥ ला० ॥ ज्जकमकरयोआववातणो ॥ सु० ॥
 आव्याजामतिवार ॥ ला० ॥ ८७ ॥ स्येकारणतूमेआवीआ ॥ सु० ॥ इमपुठे
 सेनकुमार ॥ ला० ॥ तेकहेगुरूआणायकी ॥ सु० ॥ आवोएकांतेठार ॥ ला० ॥
 ॥ ८८ ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ सु० ॥ तपसीगुरूवचकार ॥ ला० ॥ थोमो
 इंदोषएहमांनही ॥ सु० ॥ गुरुहृदयइमधारि ॥ ला० ॥ ८९ ॥ गयाएकां
 तेंजेतले ॥ सु० ॥ बुरीफूटावीदीध ॥ ला० ॥ काढिषमगपंधदेशमां ॥ सु० ॥
 गाढप्रहारतेकीध ॥ ला० ॥ ९० ॥ कोप्योकुमरचित्तेंस्युंथयुं ॥ सु० ॥ वलिआमावे
 पास ॥ ला० ॥ अचलीतवीर्यकूमरघणं ॥ सु० ॥ पमीआतेहनेंपास ॥ ला० ॥
 ॥ ९१ ॥ घातकषोसायाघणं ॥ सु० ॥ जित्याएकेंच्यार ॥ ला० ॥ खमगफूटा

वीनेंलीआं ॥ सु० ॥ देषीएहप्रकार ॥ ला० ॥ १२ ॥ शोरकरचोवनपालीका
 ॥ सु० ॥ तवआव्याचोकीआत ॥ ला० ॥ खमगथीमारवामांमीआ ॥ सु० ॥
 तवकुमरनिषेधकरात ॥ ला० ॥ १३ ॥ दोसजहानबलायया ॥ सु० ॥ जीवी
 तनीनहीआस ॥ ला० ॥ मारेमुआनेंसुंहोई ॥ सु० ॥ आस्याअफलथईजास
 ॥ ला० ॥ १४ ॥ रायसुणीतीहांआवीआ ॥ सु० ॥ बंधाव्यातेचोर ॥ ला० ॥
 सूपकहेएस्युंययुं ॥ सु० ॥ कुमरकहेतिणेंठोर ॥ ला० ॥ १५ ॥ कांयअमेजा
 णंनही ॥ सु० ॥ घातकनेंकहेताम ॥ ला० ॥ स्युंएकस्युंकोणेंमोकल्या ॥ सु० ॥
 निमीत्तविनानहीकाम ॥ ला० ॥ १६ ॥ नवीबोल्यातेतवफिरी ॥ सू० ॥ पुढेई
 मत्राणिवार ॥ ला० ॥ तोपणिजवनवीबोलीआ ॥ सु० ॥ तबतसदिधोमार ॥
 ला० ॥ १७ ॥ नवीअपमाणकोरमा ॥ सु० ॥ जिवीतनीवलीआस ॥ ला० ॥
 सूपकोपनखसीसक्या ॥ सु० ॥ वातकहीसवीतास ॥ ला० ॥ १८ ॥ कुमरवि
 सेनेंमोकल्या ॥ सू० ॥ किधुंएहअकाज ॥ ला० ॥ कोप्योवीसेनकुमरतणी
 ॥ सु० ॥ सेनकहेसुणोराज ॥ ला० ॥ १९ ॥ कुमरवीसेनएनबोकरे ॥ सु० ॥
 स्वजनतणोहीतकार ॥ ला० ॥ तातनोसुतजसअरथीउ ॥ सु० ॥ नकरेविरुद्ध
 कुमार ॥ ला० ॥ २० ॥ जीवीतईठकइमकहे ॥ सु० ॥ तिणेंकिजेंसुपशाय
 ॥ ला० ॥ घातकमुंकोतातजी ॥ सु० ॥ तामगवेषेराय ॥ ला० ॥ २१ ॥ कुमर
 विज्ञेननानीश्वर्ये ॥ सु० ॥ कोप्योरायअपार ॥ ला० ॥ काढीमुंकोमुजराज्य
 थी ॥ सु० ॥ कुलडषकएकुमार ॥ ला० ॥ २२ ॥ काढोएघातकजीवथी
 ॥ सु० ॥ तवपमीउसेनपाय ॥ ला० ॥ साषेजोएइमकरो ॥ सु० ॥ तोमुजड
 खअतीयाय ॥ ला० ॥ २३ ॥ यास्येअवस्थामुजतणी ॥ सु० ॥ जिणेंतूमउ
 पजेओक ॥ ला० ॥ तेहसूणीनृपचितवे ॥ सु० ॥ अहोअंतरजुडओक ॥ ला० ॥
 ॥ २४ ॥ नृपकहेतुऊनेंजेगमे ॥ सु० ॥ पणिनहीजुगतीवात ॥ ला० ॥ कुम
 रकहेअनुंयहकरयो ॥ सु० ॥ करतांएअवदात ॥ ला० ॥ २५ ॥ मुंक्याथा
 तकजीवता ॥ सु० ॥ कुमरराप्योजिणेंपास ॥ ला० ॥ ब्रणकर्मनीआ
 णाकरी ॥ सु० ॥ सूपगयोनीजवास ॥ ला० ॥ २६ ॥ लोकवादएहवोययो

॥ सु० ॥ अहोहिणंकस्युंकांम ॥ ला० ॥ इमअपजसविसेननो ॥ सु० ॥
 सेनसूणीडखधाम ॥ ला० ॥ ७ ॥ विणअपराधेअहोजुउ ॥ सु० ॥ अपज
 सताजनथाय ॥ ला० ॥ निदितडर्जनआचरे ॥ सु० ॥ तेएहथीनकराय ॥
 ॥ ८ ॥ ला० ॥ लोकनीरंकुसनवीचारे ॥ सु० ॥ जुक्ताजुगतुंजेह ॥ ला० ॥
 अथवापुरवकर्मथी ॥ सु० ॥ निपजेसघटुंएह ॥ ला० ॥ ए ॥ उहवाणो
 सेनशणीपरे ॥ सु० ॥ हवेरुफाणोपरहार ॥ ला० ॥ सुतदिवसेन्हायोवली ॥
 ॥ सु० ॥ दानदिशंअपार ॥ ला० ॥ १० ॥ मुंक्याबंदिलोकने ॥ सु० ॥ पूज्या
 नयरीनादेव ॥ ला० ॥ मंगलतूरबजावीआं ॥ सु० ॥ वधामणंकरेहेव ॥
 ॥ ला० ॥ ११ ॥ सातमैखंसेसातमी ॥ सु० ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ ला० ॥
 श्रीसमरादित्यरासमां ॥ सु० ॥ धर्मथीमंगलमाल ॥ ला० ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ नरपतीदर्शननवीलहे ॥ कुमरविशेनकिवार ॥ नविमनचिंतेनीप
 नुं ॥ ईडितकामएवार ॥ १३ ॥ उचितकरेनहीएकपणि ॥ परिजनपरीचय
 त्याग ॥ उठवमांनवीआवीउ ॥ किमहंशामांकाग ॥ १४ ॥ सेनकुमरतेसां
 सली ॥ चित्तमांकरेवीचार ॥ अठुंतुआलदिशंजना ॥ नसहाशंनीरधार ॥ १५ ॥
 तिहांजईनेंकहितातने ॥ लावुंचरणलगाय ॥ जगतिपतीजईवीनव्यो ॥ कहे
 मुफकरोपसाय ॥ १६ ॥ कुमरविनाआणंदकीस्यो ॥ नृपकहेसांसलन्याय ॥
 कुलकलंकनीवातकीम ॥ करतांजसकहेवाय ॥ १७ ॥ सेनकहेसाचोनही ॥
 विकलपतणोविचार ॥ आचरेनहीअकार्यनइ ॥ आणिकरोएवार ॥ १८ ॥
 सोलोतुंतोलायगे ॥ देपेसघटुंइध ॥ पणिएकूटिलपराक्रमी ॥ लागेमुफमन
 लूथ ॥ १९ ॥ कहेकुमरसाषोकिस्थूं ॥ गुणथीअतीगंसीर ॥ बालसत्ताववाहि
 रकस्यो ॥ पणिधरेअपजसपीर ॥ २० ॥ रायकहेतूफमनरूचे ॥ तिमकरि
 सूरवेतेमावि ॥ तवस्वयमेवतिहांगयो ॥ आषेइणिपरेआवि ॥ २१ ॥ ढाल ॥
 मालाकिहांठेरे ॥ एदेशी ॥ आमणडमणनेवलीडर्वला ॥ बाढहामारा ॥ आसूषण
 नहीअंगरे ॥ वदनकमलकमलाणंजेहनुं ॥ देषेणेनविरंगरे ॥ २२ ॥ उत्तम
 एहवारे ॥ अपराधीस्थूंनेह ॥ करेसुखदेवारे ॥ एआंकणी ॥ चुटीजुनीखाटे

सूतो ॥ वा० ॥ देषीविसेननेचिरे ॥ अठताअवगुणजनजबसाषे ॥ उषनावे
 किणीरीतेरे ॥ २३ ॥ ऊ० ॥ यतः ॥ संतगुणविष्पणासो ॥ असंतदोसुजवेय
 जंडखं ॥ तंसोसेईसमुदं ॥ किंपुणहिययंमण्णस्ताणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ रेताई
 ठोण्टपपासें ॥ वा० ॥ बालचेष्टानवीकीजे ॥ पापचितानकरोघटमांहि ॥ चि
 त्तउठाहधरीजेरे ॥ २४ ॥ ऊ० ॥ ईठाविणअलंकारकरावे ॥ वा० ॥ चंदनच
 रचेअंगेरे ॥ होमजुगलपहिराव्युंसेनें ॥ दिउतंबोडउमंगेरे ॥ २५ ॥ ऊ० ॥
 लाविनृपनेंपायलगाम्यो ॥ वा० ॥ हवेउठववर्त्ताव्यो ॥ अनुक्रमेकेईककाल
 गयाथी ॥ सेनविश्वासेताव्योरे ॥ २६ ॥ ऊ० ॥ एकदिनकौमुदीमहोठवकरवा ॥
 वा० ॥ नृपचाट्याउद्यानें ॥ नगरलोकक्रीडामांमंढ्या ॥ जुउअचरीजइंणथाने
 रे ॥ २७ ॥ उ० ॥ मत्तमतंगजडुटोयंतथी ॥ वा० ॥ आदानथंतउषेमी ॥
 पादपत्तांजतोलोकनेंसनमुख ॥ चाट्योमीठठेमीरे ॥ २८ ॥ ऊ० ॥ हाटिअ
 णीतांजेथयोकलकल ॥ वा० ॥ लोकतेचिऊदिशनाठ ॥ रायजाणीकहेपक
 मोएहनें ॥ किमबलथीसऊघाठारे ॥ २९ ॥ ऊ० ॥ आणालहीतवशेनकुमा
 रह ॥ वा० ॥ तेहनेंसनमुखधायो ॥ सिंहकिसोरपरेंगजदेषी ॥ मदसवीडर
 पलायोरे ॥ ३० ॥ ऊ० ॥ करीअसवारीअंकुशमहीनें ॥ वा० ॥ कुंसस्थ
 लेतेदीधी ॥ गुल२शब्दकस्योगजराजे ॥ जसकिरतीबऊदीधीरे ॥ ३१ ॥ ऊ० ॥
 उत्ताणोएजससांतलीनें ॥ वा० ॥ चितेविसेनकुमार ॥ एडखतोमेंखम्युंनवी
 जाई ॥ करीइंकिस्योप्रकाररे ॥ ३२ ॥ ऊ० ॥ जेथानारतेथाज्योपणजावा०
 माहंमाहरेहाथे ॥ एकदिनशेनकुमरउद्यानें ॥ रक्षाशांतीमतीशाथेरे ॥ ३३ ॥
 ऊ० ॥ संध्यासमयेकेईनरसाथें ॥ वा० ॥ सेनसकतीनवीचारी ॥ क्रोधवसें
 नीजबलअणतोली ॥ चाट्योमारवुंधारीरे ॥ ३४ ॥ ऊ० ॥ चंदनलताघरमां
 हिपेठो ॥ वा० ॥ दिठोकुमरएकाकि ॥ शांतिमतीसुतीदेषीनें ॥ काढ्युंषणगते
 ताकीरे ॥ ३५ ॥ ऊ० ॥ शांतिमतीदेषीकहेपीउनें ॥ वा० ॥ तवसंभांततेपामी ॥
 घातकरथोतेवंचावीलीधो ॥ कलबलठलनहीषांमीरे ॥ ३६ ॥ ऊ० ॥ एस्युंइम
 सुन्यरुदयेकरीनें ॥ वा० ॥ खमगतेअपहरीलीधुं ॥ काढिबुरीबलीमारण

कामें ॥ कामअकारजकिधुरे ॥ ३७ ॥ ऊ० ॥ करमरमीनेतेहफूटावी ॥ वा० ॥
 लीधीसेनकुमारें ॥ तेहनीपीमाइंमयोहेगो ॥ उठावेजेनत्यारेरे ॥ ३८ ॥ ऊ० ॥
 हाथफाडीसज्याइवेशारी ॥ वा० ॥ पुढेसंभमवातो ॥ कंठरुंधांणोउत्तरनदि
 धो ॥ उठयोचित्तथीहारीरे ॥ ३९ ॥ ऊ० ॥ नीकलीउहवेतीहांथोत्यारे ॥ वा० ॥
 शांतीमतीपतीपुढे ॥ सीएवातकहेतवमुऊने ॥ खवरनहीएस्युंठेरे ॥ ४० ॥
 ऊ० ॥ पणिसामान्येएहवुंजाणं ॥ वा० ॥ राज्यअरथेकोइप्रेस्यो ॥ इणेत्या
 निकरहेवुंमुऊनघटे ॥ जिणेंसाईडषथीघेरयोरे ॥ ४१ ॥ ऊ० ॥ जोकदी
 नृपजाणेंकोईलिंगे ॥ वा० ॥ तोघरमांथीकाढे ॥ अंबाशोकधरेकुललाघव ॥
 कुपुरुषकलंकएचाढेरे ॥ ४२ ॥ ऊ० ॥ कुलनिंदाराषेतेसुपुरिस ॥ वा० ॥ इंसु
 णीबोलेनारी ॥ तूमहनेंकिमनृपजावादेस्ये ॥ कुमरकहेसुणिप्यारीरे ॥ ४३ ॥
 ऊ० ॥ गुरुनेंसाप्याविणजावुंठे ॥ तेहमांगुणबहुजाणी ॥ शांतीमतीकहेहे
 स्वामीजी ॥ परमाणूतूमचीवाणीरे ॥ ४४ ॥ ऊ० ॥ सेनकूमारकहेचालोहव
 इ ॥ वा० ॥ रषेकूमारतेनासे ॥ लख्यापरीसहनांहिषमाइ ॥ तिणेंनवीरहेएवासे
 रे ॥ ४५ ॥ ऊ० ॥ सातमेखंमेआठमीढालें ॥ वा ॥ सज्जनवातएजोज्यो ॥ पद्म
 विजयकहेडरजनसरीषा ॥ तविकाकोइमतहोयोरे ॥ ४६ ॥ ऊ० ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ इहा ॥ सज्जनशेलेमीशारीषा ॥ आपेरसअसराल ॥ पीन्यापणपिमेनही ॥
 मोहटातेहमयाल ॥ ४७ ॥ अर्कहवइतिहांआथम्यो ॥ परीजननेंकहेप्रेम ॥
 आजइहांवसवुंअठे ॥ जाउसज्जइजेम ॥ ४८ ॥ सज्याहवेतिहांसजकरी ॥
 मस्तकदूखेमुऊ ॥ इमकहीसज्जअलगांकस्यां ॥ गांविचित्तमांगुऊ ॥ ४९ ॥
 उंध्यासज्जइएतले ॥ अबलानेकहेइम ॥ देशांतरदिरघघणां ॥ निकलवुंतोने
 म ॥ ५० ॥ आपदपणिआवेकदा ॥ कर्मवीचिअनांकांम ॥ अबलानोअवस
 रनही ॥ नपमेसुऊनुनाम ॥ ५१ ॥ शांतीमतीकहेस्वामीजी ॥ फिकरनकरी
 इफोक ॥ तूमसाथेंमुऊवर्ततां ॥ स्योमुऊनेंठेशोक ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ धन २
 संप्रतीसाचोराजा ॥ एदेशी ॥ शांतिमतिस्वूंचाट्योतिहांथी ॥ नकहीकोईने
 वातरे ॥ चंपावासगाममाहिआव्या ॥ चालिरातोरातिरे ॥ ५३ ॥ सज्जनपरी

कांशणीपरेकीजें ॥ एआंकणी ॥ अर्कज्योनेंथाकीअबला ॥ बेठांएकवनमां
 हिरे ॥ रायपुरवासीसारथवाहसूत ॥ सानुदेवआव्योत्यांहिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥
 उलषीनेंचित्तमांश्मचितें ॥ किहांथीरतीनेंकामरे ॥ रायतोकाढिनमुंकेएहनें ॥
 एहमहागुणधामरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ गुणपदपातीहरीषेणराजा ॥ तिणेंकारण
 कोईअन्यरे ॥ कोईसमर्थनकाढवाएहनें ॥ पणकोईउदवेगमन्धरे ॥ ५६ ॥
 ॥ स० ॥ प्रणमीपुढुंश्मवीचारी ॥ पुढेकरीपरणामरे ॥ खेदमकरज्योअजा
 एयोपुढुं ॥ कूंअरबोलेतामरे ॥ ५७ ॥ स० ॥ पेदतणोअवचरनहीसाषो ॥ त
 वबोव्योसानुदेवरे ॥ तूम्हसुसरापुरनोजंवासी ॥ तामलीमीजाउंहेवरे ॥ ५८ ॥
 स० ॥ माहरोसाथइहांउतरीउ ॥ आव्योआचमननेंकाजरे ॥ पासेसरोवरठे
 अतीसुंदर ॥ आव्योतेहनीपाजिरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एहनीकुंजमांपेसतांउप
 नो ॥ मुऊनेंअतीआणंदरे ॥ म्हेंजाण्युंइहांहरषतेथास्ये ॥ दिठातूममुखचंदरो ॥
 ॥ ६० ॥ स० ॥ रायपुरेम्हेंदिठातूमनें ॥ उलष्याकारणतेणरे ॥ हरषदद्योप
 णिषेदउपनो ॥ दिठाएकाकीजेणरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ कहेवाजेहवीहोयतोसा
 षो ॥ चितेतामकुमाररे ॥ अहोअनुरागवचनचतुराई ॥ साषेइमउदाररे ॥ ६२ ॥
 ॥ स० ॥ सांत्तिकारणपुढेकहेस्युं ॥ पणितामलीमीइंजावुरे ॥ सार्थपकहेमु
 ऊसाथेंआवो ॥ कूमरकहेतेनावुरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ ताततणाअसवारजोआ
 वे ॥ तोमुऊनेंलेइंजावरे ॥ सानुदेवकहेरहेस्युंइहां ॥ जबतेआवीनेजावरे ॥
 ॥ ६४ ॥ स० ॥ नानाकरतांपणितेरहीजातवचेनकूमरतेसासेरो ॥ जाउंसाथमांकोई
 नेमकहेज्यो ॥ मतआवज्योइंणवासेरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ सार्थपचाव्योआप
 साथमां ॥ आव्यातेअसवारोरे ॥ पुढेसाथनेंनरनारीकोई ॥ दिठांइंणहीप्रकारो
 रे ॥ ६६ ॥ स० ॥ साथकहेइहांकोईनआव्युं ॥ तवकहेमाहोमांहिरे ॥ कूमर
 नोएहनमारगजावा ॥ म्हेंसाण्युंहतूत्यांहिरे ॥ ६७ ॥ स० ॥ रायपुरमारगचा
 लोइहांथी ॥ इमकहीगयाअसवारोरे ॥ थोमीवेलाइंमोकलेसार्थप ॥ दंपतीनें
 आहारोरे ॥ ६८ ॥ स० ॥ वातकहेसार्थपआवीनें ॥ सूर्यआथम्योजामरे ॥
 लाव्योसाथमांपाढलीरति ॥ किधप्रयाणतेतामरे ॥ ६९ ॥ स० ॥ शांतिमती

स्युंकुमरनेत्रापे ॥ बेसवानेजंपानरे ॥ मारगजातामेरादेईनइं ॥ उत्तरीयाकोईथा
 नरो ॥ ७० ॥ स० ॥ इमनीतनीतप्रयाणकरतां ॥ वोढ्याकेईकदीनरे ॥ एकदिनदत्त
 रतीअटवीमां ॥ उत्तस्योसाथतेवन्नरे ॥ ७१ ॥ स० ॥ सयजाणीचोकीचिऊं
 पासें ॥ मुंकीथईसावधानरे ॥ प्रातसमयचोकीसऊउठी ॥ सऊगयानीज २
 थानरे ॥ ७२ ॥ स० ॥ चाकरसर्वेलादवालागा ॥ आवीसिलनीधाप्तिरे ॥ बा
 एतणोवरसातवरसावे ॥ सिंगनासब्दवजाप्तिरे ॥ ७३ ॥ स० ॥ मारि २ करताते
 आव्या ॥ खेदलह्याकर्मकाररे ॥ आमहथीआराआगलिदोम्या ॥ लागोजुझ
 अपाररे ॥ ७४ ॥ स० ॥ शांतिमतीनेंधोरजआपी ॥ चाढ्योसेनकूमारे ॥
 केसरीहरणजुथज्युंनसव्या ॥ सवरसेन्यपमीहारिरे ॥ ७५ ॥ स० ॥ बिजीदिस
 थोसाथनेसेढ्यो ॥ लुट्युंसांनजसाररे ॥ आमहथीआरापान्यासघला ॥ नाठी
 सघलीनारीरे ॥ ७६ ॥ स० ॥ कुमरआव्योजवएहदीशाइं ॥ सिद्धतणीपमी
 नासिरे ॥ एकाकीदेषीपल्लिपती ॥ आव्योताससकासिरे ॥ ७७ ॥ स० ॥ ना
 प्युंषमगकुमरवंचावे ॥ कुमरेदिधप्रहाररे ॥ मुर्गालहीपल्लिपतीपमीउ ॥ बीजे
 कूमरतिवाररे ॥ ७८ ॥ स० ॥ दुकनासरथीकमलिपत्रें ॥ लाविसिंचेनीरे ॥
 नयनउघामीतामविलोके ॥ कुणएसाहसधीरे ॥ ७९ ॥ स० ॥ रुपेंमयणपराक्रमे
 केसरी ॥ दयाईमुनीकुमाररे ॥ ठेसूकमालपणिदृढप्रहारी ॥ सत्रुनेमीत्रअनुं
 हारे ॥ ८० ॥ स० ॥ परमेसरएदीसेसाचो ॥ कामअजुक्तूकीधुरे ॥ एहवा
 पुरुषनेआपणेंइणपरे ॥ साथलूटिडखदिधुरे ॥ ८१ ॥ स० ॥ सातमेखंदे
 समरादित्यना ॥ रासमानवमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेसांसलोओता ॥ आग
 लिवातरशाखरे ॥ ८२ ॥ स० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ ७३ ॥ ॥ कुमरकहेमतआकूला ॥ सद्रथाउत्ताग्यवंत ॥ कहेपल्लिपतीकेहवुं ॥
 स्वस्थपणंअमसंत ॥ ८३ ॥ ॥ स्तिलसेन्येआवीसणें ॥ इणअवशरकोईईमा ॥ पल्लि
 पतीनेंपानीउ ॥ करस्यूंकहोहवेकम ॥ ८४ ॥ मार २ करतामनुंज ॥ तिहां
 सवरनाताम ॥ आव्यादेषीआफणी ॥ सानकरेपल्लिस्वामि ॥ ८५ ॥ मुळजी
 त्योएमहापुरुष ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ सिआलीकरीतेसुणी ॥ उपनोवऊआ

लहाद ॥ ८६ ॥ हाथजोमीमुंकीहवे ॥ धनुंषतीरधरीकंध ॥ परसूतेहवेपाणी
 नें ॥ आब्यांअंजलीबंधि ॥ ८७ ॥ असयतेआपोअमसणी ॥ सेनकहेसूवी
 चार ॥ आयुधरहीतनेअसयठे ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ८८ ॥ ढाल ॥
 सखोहोतेऊअनाथी ॥ एदेशी ॥ पछिपतीपाएपमे ॥ कहेखमोमुऊअपराध ॥
 साथतूमारोलूटिउ ॥ तिणेंकिधुरेपापअगाध ॥ ८९ ॥ कुमरजीकिधोरेअम
 उपगार ॥ तूमसरीषाजगमांदूव्यार ॥ कु ॥ एआंकणी ॥ इमकहीकरीउद
 घोषणा ॥ संग्रामकीधोदूर ॥ जिणेंजेलीधुंहोइते ॥ लावोरेमुऊहजुर ॥ ९० ॥
 कु ॥ कोईकनेकांईरहेस्येकदा ॥ तोटाखूतेहनोठाम ॥ ततकालसऊसेलूंक
 री ॥ कहेजुउरेएदाम ॥ ९१ ॥ कु ॥ कहेकुमरनहीस्वामीअम्यो ॥ सडवाहसू
 तजोआय ॥ तोउलषीनेंसघलूंलहे ॥ सूणीतेहनेरेपोलवाजाय ॥ ९२ ॥ कु ॥
 एकवननीकूंजेतेलखो ॥ लाविआतेहनेतांम ॥ कहेपछीपतीनवीजाणीउ ॥
 एहवारुमारपेरूपएठाम ॥ ९३ ॥ कु ॥ इणेंजीत्याअमनेएकले ॥ अम्हेप
 मीवज्योएनाथा ॥ एऊनातूमहेअम्हेतूमतणो ॥ लूटिलीधोरेइणिपरेंसाथ ॥ ९४ ॥
 कु ॥ चिजसावएतूमतणी ॥ लेज्योसंतालीसाय ॥ सार्थपवीचारेचित्तमां ॥
 इणएकेंरेकिधपशाय ॥ ९५ ॥ कु ॥ सार्थपकहेसऊआवीउ ॥ हरष्योतेप
 छीस्वामि ॥ कूमरविचारेएहनी ॥ सऊनतारेजुउआम ॥ ९६ ॥ कु ॥ प्रहा
 रतससंजावीआ ॥ दिधोकंदोरोआप ॥ जाणीप्रशादअंगीकस्यो ॥ पछिनाथें
 रेमोहटानीठाप ॥ ९७ ॥ कु ॥ वणकर्मवीजापुरुषनां॥वलीकरावेतेकूमर ॥ क
 हेपछीढेढुकमी ॥ मुऊपालिरेचालोएवार ॥ ९८ ॥ कु ॥ उपगारकीजेंमुऊस
 णी ॥ बोलेतेशेनवीचार ॥ सार्थपप्रमाणएवातमां ॥ सानुंदेवरेसाषेतीवार ॥
 ॥ ९९ ॥ कु ॥ तुमदरीसणेंदिठीअम्हें ॥ तूमचीमनोहरपालि ॥ इणसमेंसा
 नुंदेवनो ॥ सूपकाररेआव्योतेकालि ॥ १०० ॥ कु ॥ आंसूनीधारषंचेनही ॥
 कहेगयुंसर्वजसार ॥ नृपसूताकहींदिसेनही ॥ सूणीऊउरेआकुलोकूमर ॥
 ॥ १ ॥ कु ॥ सानुंदेवविलषोथयो ॥ पछिपतीथयोमुंढ ॥ कहेराजपुत्री
 कुणअठे ॥ मुऊसाषोरेतेहनुंगुढ ॥ २ ॥ कु ॥ कहेसानुंदेवराजपुरतणो ॥

शंषपालनामैराय ॥ तेहनीसूताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीयाय ॥ ३ ॥
 कु० ॥ पल्लिपतीकहेकिमबन्यु ॥ तवकहेतेसूपकार ॥ संघाममांसाहमोग
 यो ॥ जबधारैरेणकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ बिजीदीशायीसेलीउ ॥ लुटिउ
 सघलोसार ॥ आनहथीआरापामीआ ॥ तवविहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥
 कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हाआर्यसूतगयाक्यांहि ॥ मुळतलावीहती
 तीऐंकरी ॥ पुंठेचाढ्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीतणीजातांथकां ॥
 एकसवरमुळनेंआय ॥ लकुटमारयोचरणमां ॥ झंतोपम्योरेतिणहीजगय ॥
 ॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्गलहीवलीचेतना ॥ लाधीतेउठ्योताम ॥ खोलिघणीपणि
 नबीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकांम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइंसतणी ॥ मु
 र्गलसोतेकुमार ॥ पल्लिपतीइंआसासीउ ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥
 वेलाचइठेभोली ॥ अटवीतेनांहीदूर ॥ देविनबऊर्हीमीसके ॥ मुळसीजरेसेनासू
 रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालतां ॥ नहीअजाण्युंकोईगम ॥ हिमणादा
 बीनेंमेलवुं ॥ इमकहीरेमुंक्याताम ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपल्लिपतीकहे ॥
 झंजाईसरखोलवानारि ॥ निजपुरुषकेईकसुंपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥
 ॥ १२ ॥ कु० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतूम्हेआज ॥ हिव
 णांखोलीलावीइं ॥ जिहांहोस्थेरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इमकरीसहुइंचा
 लीआ ॥ केईसुतटलेईसंग ॥ सातमेखांदिदशमीकही ॥ ढालपळेंरेचढतेरंग ॥
 ॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥
 ॥ उहा ॥ संसरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआथम्यो ॥
 पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचितेमाहरोपती ॥ आवीनमीढ्योआंहि ॥
 विरहेकहोकीमजीवीइं ॥ मरवुंआवनमांहि ॥ १६ ॥ अशोकदरुअवल
 बीनें ॥ दिउपासडपरासी ॥ वनदेवीवाणीसूणो ॥ एहवीमाहरीआशि ॥ १७ ॥
 आर्यपुत्रमुंकीअवर ॥ नवीचींत्योमनमांहि ॥ जोजनमांतरेआर्यसूत ॥ तो
 पतीथाज्योत्यांहि ॥ १८ ॥ इमनीआण्णआदरी ॥ आतमअधरकरेअ ॥ पा
 सत्रुढोधरणीपमी ॥ मुर्गताममलेय ॥ १९ ॥ ढाल ॥ ठेनोनांजी ॥ एदेशी ॥

तापसकुमरआयोशंणिअवसरि ॥ संध्यासेवनकाज ॥ देषीचितवेतामिनीकु
 एए ॥ रूपैरतीशिताज ॥ २० ॥ अलगारहिइं ॥ वनदेवीपरेंएआज ॥
 अलग ॥ ऐआंकणी ॥ अथवास्युंमुऊनारीनुंकारज ॥ जाउंअवरठेकाणें ॥
 शास्त्रमांवास्युंनारिनुंदरसण ॥ पंतीतइंमवषाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयणेंलो
 हचलाकाताती ॥ अंजनकरवीरुमी ॥ पणिजेअंगोपांगसंगणह ॥ नारीनीरष
 वीत्तूमी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषत्तषीइंपणितोगिनत्तजीइं ॥ रसनाढेदवलीरू
 मो ॥ पणनवीअलिकवचनजंपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥
 मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउरार ॥ करवोतेपणिशास्त्रेंबोद्यों ॥
 जिवदयाविस्तार ॥ २४ ॥ अ० ॥ यतः ॥ नधम्मकज्जापरमठिकज्जं ॥ नपाण
 हिसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमठिवंधो ॥ नबोहीलातापरमठ्ठीलातो ॥
 ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमांएकाकी ॥ सूतितिणेंएदीन ॥ विद्याध
 रीठेकेएकुणठे ॥ देषीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरूपेनेपासगलेंस्यो ॥
 वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मैस्युंनवीयाइं ॥ कर्मविचित्रकरेह ॥ २६ ॥
 अ० ॥ कमंदलजलेदिधआसूषो ॥ आउषेचेतनआव्यूं ॥ आंषिउघामेतवमु
 नीतापस ॥ देषीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुनीवर ॥
 ऊंतापसकुमार ॥ सुणीप्रणमीतवआसीसत्ताषे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥
 अ० ॥ तूम्हेंइहांकिहांथितवमुनीताषे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका
 कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इमसांतलीशांति
 मतीचितें ॥ किमकहिइंनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिनीजउ
 णिमथात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराजा ॥ शंखपालनोवे
 टी ॥ साथदुटाणेतिएंएकाकीनी ॥ सत्तागयोमुऊमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ ता
 सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेरोवालागी ॥ तपसीकहेमतरोसोतागिण ॥
 नहीसंसारसोतागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिमनाटकीआकेरीबाजी ॥ षिणमांहो
 यविजोगा ॥ षिणसंयोगरूणेकमांमोदज ॥ षिणमांहोवतशोगा ॥ ३३ ॥
 अल० ॥ षिणमांआपदरूणिमांसंपद ॥ बुशीवंतेंइमजाणी ॥ नकरेविषादवि

षमवेला मां। अनुचित्तनकरे प्राणी ॥ ३४ ॥ अल० ॥ धीरजधरतां आपदजाई ॥
 तिणेतूंगे निवीषाद ॥ वलीतूजलरुणथीऊंजाणं ॥ सूरिकऊंकरी प्रसाद ॥ ३५ ॥
 अल० ॥ तुजसरतानवी मरणलसोभें ॥ कहेतूजसोवनकांती ॥ कोकीलस्वरसू
 प्रतीष्टीतचरणं ॥ नासीदरुणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितंबफलकसूवी
 शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणी ठवीमधुगुलीका ॥ श
 रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूषीतसालमंगलसोहे ॥ कुटिल
 केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणं तिणेतूजसापुं। तुंगेंसाग्यवीशाला ॥ ३८ ॥ अल० ॥
 अवीधवातूबेलीबीजुं ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेतूम्हे आवीवंदो ॥ सू
 णीचालीतसद्वहार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदे आशीशदिधी ॥ मुनीश्वर
 तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमततपज्येवढे ॥ हवेदूरखडरेंनाप्यो ॥ ४० ॥
 अल० ॥ योनादिनमांपतीतूजमिलस्यें ॥ शण्हिजजाणिउद्यान ॥ ज्ञानेंकरी
 जाणंहुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥ अल० ॥ ४१ ॥ तापसणीपासेंतेरहेतां ॥
 वितोकेतोकाळासातमेखंमेपयविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥
 अल० ॥ ४३ ॥ अटविमांशेणअवशरि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीव
 ऊषांतिस्थुं ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४४ ॥ वासरतोवोलीगयो ॥ नमलीतेहनी
 नारि ॥ वेदलहीविलपायया ॥ मित्याअरण्यमऊारि ॥ ४५ ॥ कहेपल्लिपती
 कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्रयमानिनी ॥ सण्हेतेसांतलिसेद
 ॥ ४६ ॥ सऊनेंदिवसनसारीषा ॥ कालरूपपणिकांय ॥ आहारकरोतुमेअ
 म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४७ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी
 करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमंधारि ॥ ४८ ॥ ढाल ॥
 महाविरजममाजीत्योजी ॥ एदेजी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुंक्याचोकी
 दार ॥ तिणेंसमेसवरआवीनेंशेणपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४९ ॥ सूरुणो
 हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधनुंखलीउंताणीजी ॥ पुढे २ वातसूजाण
 कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेषवरपमेनहीअमनें ॥ पणिसामा
 न्येंजाण्यो ॥ साथआव्योअटवीमांजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥ ५० ॥ सुणी ॥

जाण्युं पल्लिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीतिणेंधाणि ॥ कहेपल्लिपतीमुळमनकेरी ॥
 पोहतीनां हिरुहामी ॥ ५० ॥ सू० ॥ स्वामीकारयसाध्युंनाही ॥ तोपणिजावुं
 तळ ॥ रषेसाथएआवीलूटें ॥ थाइंतोअतीअअनळ ॥ ५१ ॥ सू० ॥ सानुंदे
 वनेतेहसूणावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डुरथीकुमरनेंप्रणमीचाट्यो ॥ जा
 णेंतेहकुमार ॥ ५२ ॥ सू० ॥ जुउंगुरुतापल्लिपतीकेरी ॥ इमविचारीताम ॥
 खमगलेईकहेसानुंदेवने ॥ पणयसंगनहीकांम ॥ ५३ ॥ सू० ॥ तूमहेंसूरखशा
 ताईईहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योप्रयाण ॥ ऊंपल्लिपतीखबरकरेवा ॥ जाउंनुं
 सृणिजाण ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुंदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकहेताम ॥
 बोलवाजेहवीवातनहीठपें ॥ इमधरीचाट्योहाम ॥ ५५ ॥ सु० ॥ अनुक्रमें
 जुधलागुंतिहांसबलूं ॥ गगनांगणतरयुंबाणें ॥ पल्लिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
 जुउंमुळशक्तीवीनाण ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणखमगलेईनें ॥ चाट्यो
 सत्रुसाहमो ॥ सिंहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरषपल्लिपतीपांम्यो ॥ ५७ ॥ सु० ॥
 अनुक्रमेंजुधकरंतांहास्या ॥ पल्लिपतीकुमार ॥ पकंमीनेलेईचाट्याशिवपुर ॥
 आव्याहरषअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणएककुमरनुंदेपीपराक्रम ॥ सऊचम
 क्याचित्तमांहि ॥ समरकेतूराजानेंसथलो ॥ कहेअधीकारउगाहि ॥ ५९ ॥
 सु० ॥ रुपंपराक्रमदेपीराज ॥ विस्मयपांम्योचितें ॥ कूणएपुरुषलोकोत्तरदि
 शे ॥ कहुंगवेषणांतें ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसुतहोस्येसहीनीश्वें ॥ इमांचती
 नृपबोले ॥ मारोपल्लिपतीएतस्कर ॥ डुटनहीइणेतोले ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेमुळ
 सीमोटाई ॥ एहमेरुंजीवुं ॥ तिणेंमुळनेंमारोईमत्तापें ॥ नहीतरजलनवीपीवुं
 ॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविचारेस्युंमुखबोले ॥ एहमहानुंताग ॥ अथवाएहनेंई
 मजजुगतूं ॥ रायकहेधरीराग ॥ ६३ ॥ सू० ॥ जातीवंशतापोतूमकेरां ॥ त
 वतिहांसेनकूमार ॥ पासेंआमुंअवलूंजोतो ॥ उत्तमधरीआचार ॥ ६४ ॥ सू० ॥
 सानुंदेवइणअवशेरेंआव्यो ॥ सेटणंसाथेंलाव्यो ॥ वातकुमरनीकहेवासाह ॥
 केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ नृपआणाइपेसणदेवे ॥ समरकेतूपमीहार ॥
 जईनरपतिनेंसेटणंआप्युं ॥ सूपदिईसतकार ॥ ६६ ॥ सू० ॥ आसननृपआ

पीबेसारथ्यो ॥ दिगोसेनकूमार ॥ पिपीतअनेकप्रहारेंदेषी ॥ शोकधरेतिणीवार
 ॥ ६७ ॥ सू० ॥ मुर्छालहीनेधरणीढलीउ ॥ स्युंथयुंरायविमासे ॥ शितलउपचा
 रेंलक्षोचेतन ॥ पुढेनृपतसपासे ॥ ६८ ॥ सु० ॥ तुमनेएहययुंस्युंताषो ॥ त
 वबोद्योंसत्तवाह ॥ एहसंसारमांसारनहीकांय ॥ आपदहोयअथाह ॥ ६९ ॥
 ॥ सु० ॥ चंपाधीपसुतएहवीआपद ॥ पाम्योतिणेंमुंऊशोक ॥ तवनृपचिते
 जेहकलपना ॥ किधीतेनहीफोक ॥ ७० ॥ सु० ॥ पुढेसकहोएकिणीपरें ॥
 अटविमांएकाकी ॥ सानुंदेवकहेमिलीउवाटें ॥ वातनजाणंवाकी ॥ ७१ ॥
 सु० ॥ वननीकुंजमांनारीस्युंदिगो ॥ इत्यादिकसज्जताप्युं ॥ कुमरनीषवरद
 हीऊंआव्यो ॥ जेहवुंथयुंतेहदाप्युं ॥ ७२ ॥ सु० ॥ रायकहेएरुमुंकिधुं ॥
 सातमेंखंमेढाल ॥ पद्मविजयकहेवारमीताषी ॥ सुणतांमंगलमाला ॥ ७३ ॥ सू० ॥
 ॥ उहा ॥ ससकहेनीजनरप्रतें ॥ एहनेंकरोअवल्ल ॥ सांसलितेपणिसज्ज
 आ ॥ निरताकरणनवल्ल ॥ ७४ ॥ बिजाधरमांबेऊनें ॥ सज्याकिधीसार ॥
 वैद्यबोलाव्यावेगस्युं ॥ ब्रह्मकर्मकरेतिणीवार ॥ ७५ ॥ शांतिमतीनेंसोध
 वा ॥ निजनरनेंनरराय ॥ मुंकिनेंमहिपतीहवे ॥ सार्थपनेंसमजाय ॥ ७६ ॥
 सायतूमारोविसमथल ॥ डरेंजावुदेश ॥ अवशरमेधनोआविउ ॥ सांसलज्यो
 सुविशेष ॥ ७७ ॥ राजकुंअरेमुंऊघरे ॥ चितानकरोचित्त ॥ जाउसूषेजि
 मसुखहोई ॥ सार्थपदूखथीसित्त ॥ ७८ ॥ पगनवहेपार्थिवसूणो ॥ कुमरवि
 नामुंऊकोय ॥ संसलावेतेसेनने ॥ सार्थपआवीसोय ॥ ७९ ॥ सेनकहेसार्थ
 पसूणो ॥ नरपतीकहेठेन्याय ॥ कायरपणंनविकिजीई ॥ नरपतीवयणन
 जाय ॥ ८० ॥ नकरोवयणजोनृपतणं ॥ निवृत्तिअमनवीथाय ॥ वचनप्र
 माणकरीवदे ॥ नवीतूमवचनलोपाय ॥ ८१ ॥ दास० ॥ अवशरपामीनेरे
 किजेनवआविलनीउली ॥ एदेशी ॥ अवसरदेषीनेरेचाद्योंसारथवाहसूजा
 ए ॥ वर्षाकालआव्योतिणसमे ॥ निपनांसघलांधान ॥ अनुंकमेवर्षाययो
 व्यतीक्रम ॥ निरमलययांनिवाण ॥ ८२ ॥ अव० ॥ कुमरपक्षिप
 तीसाजाऊआ ॥ कस्यांवधामणांसार ॥ रायकुमरनेंकहेमेमुक्या ॥ षोडवा

नरतूफनारी ॥ ८३ ॥ अव० ॥ केईकआव्यानेकेईनाव्या ॥ इणअवशर
 नरदोय ॥ सोमसूरनामेंइमजंपे ॥ सांसलोवाततेमोय ॥ ८४ ॥ अव० ॥ कु
 मरनारीसंजोगनुंकारण ॥ रायकहेकहोतेह ॥ सोमसूरकहेकादंबरीमां ॥
 प्रियमेलकतिथजेह ॥ ८५ ॥ अव० ॥ तेहनीउतपतीसांसलोनें ॥ एहज
 अटवीमांहि ॥ विशाषवर्द्धननामेंनगरें ॥ सूपअजीतबलत्यांहि ॥ ८६ ॥ अव० ॥
 सेठवसुंधरनामेंरुफो ॥ प्रियमित्रसूततास ॥ ईश्वरखंधसेठनीठेपुत्री ॥ निलुआ
 कन्यावास ॥ ८७ ॥ अव० ॥ तेहनेंदिधीपणिनविपरण्या ॥ वितोकेतोकका
 ल ॥ यौवनपाम्याएहवेवरना ॥ बापनुंधनवीसराळ ॥ ८८ ॥ अव० ॥ सेठव
 सुंधरपोहतोपरसव ॥ हवेप्रियमीत्रकूमर ॥ मानेंनहिकोईदलीपणायी ॥ प
 रीजनकरेअपकार ॥ ८९ ॥ अव० ॥ जेजेकरेतेनीफळजाई ॥ पाम्योमन
 विषवाद ॥ निकलिउतेनयरनेंमुंकी ॥ मुंकितिहांआट्हाद ॥ ९० ॥ अव० ॥
 शून्यसमुठिमनीपरेंचाट्यो ॥ उत्तरपंथसूजाण ॥ पंढरसीक्षुनागदेवनामें ॥ म
 लिउमीत्रप्रमाण ॥ ९१ ॥ अव० ॥ तिक्षुइंउलषीनेंबोलाव्यो ॥ एहअवस्था
 तुळ ॥ किमठेनेंकिहांजायएकाकी ॥ साषेतूंमुळनेगुळ ॥ ९२ ॥ अव० ॥ प्री
 यमित्रकहेदैवनेंपुठो ॥ सघलीमाहरीवात ॥ नागदेवकहेताहरातातनें ॥ ठेकेन
 हीसुखशात ॥ ९३ ॥ अव० ॥ प्रियमीत्रकहेपरसवपोहता ॥ तेहनेंनितसुखसा
 त ॥ पणिप्रियमीत्रजघन्यपुरुषना ॥ देषोएअवदात ॥ ९४ ॥ अव० ॥ इहपर
 लोकएकेनसधाई ॥ एहवोअवसरआज ॥ नागदेवकहेशोकनधरीई ॥ जम
 राजानेंराज ॥ ९५ ॥ अव० ॥ तासनीवारककोईनलहीई ॥ धर्मरायविणजाण ॥
 इत्यादिकउपदेशदेईनई ॥ दिक्षादिइंतिणगाण ॥ ९६ ॥ अव० ॥ गोरसत्यागप्रमु
 खकरेकिरीया ॥ केईकदिनगयाजाम ॥ निलुआनारीवातसूणीनें ॥ मनमांचि
 तेताम ॥ ९७ ॥ अव० ॥ सरतामारगचालेनारी ॥ इमचितीकरेधम्म ॥ विषयपी
 पासाविणसरतानुं ॥ दर्शनमनथयुंरम्म ॥ ९८ ॥ अव० ॥ विरहयकीतेडुर्बलऊई
 अनुक्रमेतेविचरंत ॥ तिणेंनयरेंआव्योतससर्त्ता ॥ निलुआजइप्रणमंता ॥ ९९ ॥
 अव० ॥ ध्यानयोगमांदिठोतेहनें ॥ मुठाआवीताम ॥ ध्यानयोगमुंकीतेसी

क्षाकहेस्युंयुंएआम ॥ ४०० ॥ अ० ॥ सखिउकहेईसरखंधनी ॥ पुत्रीनीनु
 आनाम ॥ तूम्हनेदिधीपणिनवीपरणी ॥ मोहेमुठितआम ॥ १ ॥ अ० ॥
 सांसलीशोकातुरथयोतेहवे ॥ स्नेहवध्योगयुंध्याना ॥ पाणीकमंनलनुंठांटीने ॥
 आणीतेहनेसान ॥ २ ॥ अ० ॥ रागघणोनारीनोदेषी ॥ वलीकटारुनांबांणा
 अंगउपांगजोतांनारीनां ॥ बींघाणातसप्राण ॥ ३ ॥ अ० ॥ मदनविकारअ
 तीडर्जयवे ॥ रमणीकतरुणीविलास ॥ एकांतथानिकवननुंजाणी ॥ चित्तवि
 डलथयुंतास ॥ ४ ॥ अ० ॥ गुरुवचलोपुंकेएहगांमुं ॥ डप्करवातएदोय ॥
 अथवाव्रतपाळूंतोएमुळ ॥ जनमांतरेंपणिहोय ॥ ५ ॥ अ० ॥ मनश्चितपा
 मेंव्रतपाळें ॥ एहविगुरुनीवाच ॥ व्रतरहस्येनेंएपणिमलस्ये ॥ एहबुंधास्युंसा
 च ॥ ६ ॥ अ० ॥ सातमेंखंमंतरमीत्तापी ॥ पळेंढालरजाल ॥ समरादित्य
 नारासमांरुमी ॥ सुणतांमंगलमाल ॥ ७ ॥ अ० ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥
 ॥ उहा ॥ बलिविनीतानावसयकी ॥ चलिउंएहनुंचित्त ॥ बोलावुंअवलाप्रते ॥
 जोउंजंपणरीती ॥ ८ ॥ इमंचितीआपेंशस्युं ॥ मतडखआणेंमन ॥ तूजस्ने
 हेंऊंतमफु ॥ कऊंतेसांसलिकन ॥ ९ ॥ व्रतलीधुंकिमवरजीई ॥ गुरुवच
 किमनगणाय ॥ पणिसांसल्युंगुरुपासथी ॥ व्रतथीवंढीतथाय ॥ १० ॥ उत्त
 यवातव्रतथीअवे ॥ एहलोकेंगुरुआण ॥ परसवतूजसंगमपण ॥ मिलस्येए
 हप्रमाण ॥ ११ ॥ निदुआकहेनिरतूंकरो ॥ माहरेतूमेप्रमाण ॥ अणसणवि
 ऊंइंआदर्युं ॥ स्नेहपरस्परआण ॥ १२ ॥ सरताआसयत्तामिनी ॥ नरआसय
 घरेनारी ॥ जनमांतरहेज्योअमे ॥ इणपरिचित्तअवधारि ॥ १३ ॥ ढाल ॥
 सरतीमहिनानी ॥ चैत्रेचतूरसूजनाव्या ॥ राधाजीकरेरविचार ॥ एदेशी ॥ व
 रुअशोकनेहेठलिअणसणकिधउदार ॥ बऊवारंतीसरवीजनपणितेमननवि
 धारि ॥ तेकोलाहलसांसलीआव्यागुरुनागदेव ॥ लाज्योप्रियमीत्रउरुथईवं
 द्याततषेव ॥ १४ ॥ मनवठिततूमनिपजोइंणिपरेंदिइंआशीश ॥ मनचितेकुण
 नारीएरुपसमानवरीस ॥ रागघणोप्रियमीत्रनेउपरिलपीइंइम ॥ तवसरवी
 इंकसोमांमीधुरथीजिणीपरेंप्रेम ॥ १५ ॥ नागदेवतवचितवेअहो२मदनवी

कार ॥ मदनसेदाणाप्राणीआसर्वकरेपरकार ॥ उसरीइहवेइहांथीनहीउपदेश
 नोलाग ॥ चितवीकहेप्रीयमीत्रनेसांसलतूंमहासाग ॥ १६ ॥ स्नेहालुहोयस
 ज्ञानतिणेंतेंएकरयूंकाम ॥ पणस्यावासठेतूऊनेव्रतनवीखंमयुआम ॥ खेदम
 करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकहीनागदेवगयोहवइंप्रियमीत्रनेनारि ॥
 ॥ १७ ॥ नरनारीनृपवंदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणामेंकरीकालदो
 किन्नरथाय ॥ जोईपुरवसवअवधिथीआव्योतेहउद्यान ॥ पुजाकरीउद्यान
 नीकरयुंदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनंगनेनिर्वतीदेवीथापीतांहि ॥ नंदनव
 नगयातिहांथीहर्षधरीउगाहि ॥ तिहांएकदिग्विद्याधरीतासप्रीतमनोविजो
 ग ॥ तिणेंअतीडबलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुढेतेहनेंतूंकुणकिमए
 काकीइम ॥ साकहेमदनमंजुषाषेचरीऊंनुनेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीपु
 जानक्रीध ॥ सत्ताविजोगसरापठमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहनिमीत्तेतू
 ऊपतीकेरोयास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवममांसमीसतूंअरतीसंजोग ॥ च
 रणेंपमीतवमेंकयूंस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपददेपा
 य ॥ २१ ॥ तिणेंतेंरुमुंकामनकीधलूंपणिसुणिवाता ॥ नंदनवनतूंजायज्येउपज
 स्येसुखशात ॥ प्रीयमेलकहंपउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवीद
 ताआलिगीतहेठलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूऊमीलस्येसरताइमसुणीआवीएथ ॥
 पणिनवोलासेथानिकनविजाणंढेकेथ ॥ किन्नरकहेधीरीथाऊंतूऊदाषुतेह ॥
 अनुंकमेंषोलीदेषाम्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीमी
 लीउतसस्तरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकस्योअधीकार ॥ विद्याधरकि
 नरनेंप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयांसऊनीज २ गार ॥ २४ ॥
 किन्नरीकहेनिजस्वामीनेंएडखतो नखमाय ॥ निजप्रीयविरहतणंतिणेंकिजें
 तांसउपाय ॥ जनमलस्यानुंफलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएवढवोजीहांआ
 पणमिलीआंसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकठव्योनीजकतदेवलपासा ॥ गमि
 २ जणव्युंइमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकनीआशापुरणकीध ॥ ति
 णेंप्रीयमेलकतिरथनामयुंप्रशीरु ॥ २६ ॥ तेकारणऊंजाणंकूमरएतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्तथीनारीनुंभिलुंयाय ॥ रायकुमरमनहरप्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुंनिजनरस्युंशुसवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुठेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसद्यूंतपवनढुकुंथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनईजाउत्तह ॥ पणितूम्हेघरणीवहीनईनिश्वयआवुंइह ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयएतेचालीउंकरतोनीत्यप्रघाण ॥ अनुंक्रमेंतपोवनढुक
मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीथोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेवं
दिआदिईंआशिसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाप्योराजकुमार ॥ व
ऊपादपउपशोत्तीततेदेउजनेंद्वार ॥ कटपपादपनवीउंलपुंणिसामान्येएवा
य ॥ पल्लिपतीवचसांसलीचित्तनीरासतेयाय ॥ ३० ॥ संसारेशांतिमतीनां
षीदीर्घनीशासासापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहांप्रियमेळकनेंठाम ॥ ३१ ॥ नागरवेदि
आलिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ संसारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनइंणअवशरेफूरकयुंतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेळकठार ॥
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बड्कालेमदयोतिणेंउतकंठीतघ
नज्युंमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलझाताम ॥ परीक्षाकरुंइमउद्विज
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहांथीआव्याइंमकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीषेदअपार ॥ परीप्रतितथीस्वस्थथईतिणेंबड्जरससावा
वेदतीमुर्तापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युंथयुरेदतीआंस
धार ॥ पाणिइंसीचीपणिनवीबोलेतेहलगार ॥ तववड्कआकंदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोम्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसंशारनो
बोलेतामकुमार ॥ किमआकंदकस्योतववातकहेधरीप्यार ॥ सातमेखंफेएप
दमेंसाषीचौदमीढाल ॥ वातसुणंतांहोस्येसऊनेंमंगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७३ ॥
॥ इहा ॥ रायपुरपतीशंखरायनी ॥ पुत्रीपावनअंग ॥ सांतीमतीएसोहामणी ॥
आरतिविरहएकांग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदित ॥
कुलपतीनेंलाव्योनीकट ॥ इणेंपणिइंमआईव ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेदोणाप्राणीआसर्वकरेपरकार ॥ उसरीइहवेइहांथीनहीउपदेश
 नोलाग ॥ चितवीकहेप्रीयमीत्रनेसांसलतूमहासाग ॥ १६ ॥ स्नेहालुहोयसं
 ज्ञानतिणेंतेंएकरयूंकाम ॥ पणस्यावासठेतूजनेव्रतनवीखंमयुंआम ॥ खेदम
 करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकहीनागदेवगयोहवइंप्रियमीत्रनेनारि ॥
 ॥ १७ ॥ नरनारीनृपवंदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणामेंकरीकालदो
 किन्नरथाय ॥ जोईपुरवत्सवअवधिथीआव्योतेहउद्यान ॥ पुजाकरीउद्यान
 नीकरयुंदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनंगनेनिर्वृतीदेवीथापीतांहि ॥ नंदनव
 नगदातिहांथीहर्षधरीउगाहि ॥ तिहांएकदिठिवीद्याधरीतासप्रीतमनोविजो
 ग ॥ तिणेंअतीडवलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुढेतेहनेतूंकुणकिमए
 काकीइम ॥ साकहेमदनमंजुषाषेचरीजुंनुनेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीपु
 जानक्रीध ॥ सत्ताविजोगसरापढमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहनिमीतेंतू
 ऊपतीकेरोयांस्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवपमांसमीसतूंअरतीसंजोग ॥ च
 रणेंपमीतवमेंकहूंस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपददेवा
 य ॥ २१ ॥ तिणेंतेंरुमुंकामनकीधलंपणिसुणिवाता ॥ नंदनवनतूंजायज्येउपज
 स्येसुरवशात ॥ प्रीयमेलकरूंषउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवील
 ताआदिगीतहेठलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूफमीलस्येसरताइमसुणीआवीएथ ॥
 पणिनवीलासेथानिकनविजाणंढेकेथ ॥ किन्नरकहेधीरीथाजंतूफदापुंतेह ॥
 अनुंक्रमेंप्रोलीदेषाम्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीमी
 लीउंतससरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकह्योअधीकार ॥ विद्याधरकिं
 नरनेंप्रीतीयईतेअपार ॥ कांयकंकालगमावीगयांसजनीज २ठार ॥ २४ ॥
 किन्नरीकहेनिजस्वामीनेंएडखतो नखमाय ॥ निजप्रीयविरहतणंतिणेंकिजें
 तांसउपाय ॥ जनमलक्षानुंफलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएवढवोजीहांआ
 पणमिलीआंसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकठव्योनीजकृतदेवलपासा ॥ गमि
 २ जणव्युंइमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकनीआशापुरणकीध ॥ ति
 णेंप्रीयमेलकतिरथनामथयुंप्रशीर ॥ २६ ॥ तेकारणजंजाणंकूमरएतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्यथीनारीनुंभिलवुंयाय ॥ रायकुमरमनहरप्या
 वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुंनिजनरस्युंशुसवाच ॥ २७ ॥ पछिप
 तीनेपुठेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसल्युंतपवनढुकमुंथानीकएह ॥ राय
 कहेतूमेंपरीकरलेईनइंजाउत्तव ॥ पणिनूस्हेघरणीलहीनइंनिश्वयआववुंइव ॥
 ॥ २८ ॥ सांसलीवयएतेचालीउकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुंकमेंतपोवनढुक
 मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीथोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेवं
 दिआदिइंआशिसतिवार ॥ २९ ॥ पछिपतीतेहथानीकलाभ्योराजकुमार ॥ ब
 ड्ढपादपउपशोसीततेदेउलनेंद्वार ॥ कट्टपादपनवीउलपुंपणिसामान्येएउ
 य ॥ पछिपतीवचसांसलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ संसारेशांतिमतीनां
 षीदीर्घनीशासासापणिकुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
 कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहांप्रियमेळकनेंठाम ॥ ३१ ॥ नागरवेदि
 आदिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ संसारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
 मलोचनइंणअवशरेफूरकयुंतामकुमार ॥ समतो २ आवीउतेप्रीयमेळकठार ॥
 ॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बड्ढकालेमल्योतिणेंउतकंठीतघ
 नज्युंमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलज्जाताम ॥ परीक्षाकरुंइमउद्विज
 होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहांथीआव्याइंमकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
 सूपनहस्येकेकिमएपामीषेदअपार ॥ परीप्रतितथीस्वस्थयईतिणेंबड्ढरससावा
 वेदतीमुठ्ठापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युंययुरेमतीआंसू
 धार ॥ पाणिइंसीचीपणिनवीबोलेतेहलगार ॥ तवबड्ढआकंदकरीनेंरोवादागीते
 ह ॥ दोस्त्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेतयसंशारनो
 बोलेतामकुमार ॥ किमआकंदकस्योतववातकहेधरीप्यार ॥ सातमेखंमेएप
 दमेंसाषीचौदमीढाल ॥ वातसुणंतांहोस्येसज्जनेंमंगलमाळ ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ इहा ॥ रायपुरपतीशंखरायनी ॥ पुत्रीपावनअंग ॥ सांतीमतीएसोहामणी ॥
 आरतिविरहएकांग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदित ॥
 कुलपतीनेंलाव्योनीकट ॥ इणेंपणिइंमआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

रें ॥ तपोवनमांततषेव ॥ कुसुमकारणइहांअनुक्रमें ॥ वलतीआवोहेव ॥
 ॥ ३९ ॥ बेगीतवबिहामणी ॥ मुर्ठापांमीइम ॥ कारणतोकलीइंनही ॥ पणि
 अमनेंअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकंदतिऐंकिधोअमें ॥ सांसलीसेनकूमार ॥ ह
 रषविषादनेंअणहवइं ॥ ॥ पामीइखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्ठावलीहवेमानिनी ॥
 स्नेहेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयणकूनुनही ॥ तरुणीसाषेताम ॥ ४२ ॥ चा
 लोकुलपतीचरणनें ॥ पामेपरमाणंद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपगारीतेअ
 मंद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारधीआनी ॥ मनवंसीआएदेशी ॥ तापसणी
 उचितवेंरे ॥ एएहनोसरतारे ॥ पुण्यवंतो ॥ नहितोइंमकीमबोदतीरे ॥ सूं
 दरअंगआकारे ॥ गुणवंतो ॥ ४४ ॥ अहोविधातामेलवेंरे ॥ जेहनेंजुगतूंजेहरे ॥
 पु० ॥ आणंदआंसूसरहवेंरे ॥ उठेशांतिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पल्लिपती
 जोईरीजीउरे ॥ अहो २ रूपनीधानरे ॥ पु० ॥ पुरुषरतननेंएहवीरे ॥ नारीरत
 नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपल्लिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
 पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यबुरे ॥ ग्रहणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥
 सुंदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतूमेसूपशायरे ॥ पु० ॥ इमंकहीजोयुंपतीस
 णीरे ॥ सेनकहेतिऐंठांयरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपशायकरीजीरे ॥ एहवुं
 नहीकांयशारे ॥ पु० ॥ लाज्योपल्लिपतीघणरे ॥ हवेमनचितेकुमाररे ॥
 ४९ ॥ गु० ॥ अणचितव्युंएकिमययुरे ॥ पादपदिठोतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
 वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुठेपल्लिनाथ
 नेरे ॥ स्युंएदकनुंनामरे ॥ पु० ॥ तेकहेऊंजाणनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
 रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुठेतापसणीप्रतेंरे ॥ तिऐंपणिसाष्युतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
 तूमहुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरे ॥
 थोमोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येबळकालनोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
 वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकषरोरे ॥ धवलकुसूमजुगदीठरे ॥
 पु० ॥ पल्लिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिऐंपणिदिठउकीठरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुजाक
 रूएहदकनीरे ॥ लावोउपगणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिअचित्यठेएहनीरे ॥ पुगी

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमंगावीआरे ॥ फूलचंदननेनीररे ॥
 पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीजे ॥ कटपटकनेंधीररे ॥ ५६ ॥ गु० ॥ आवरजी
 एहनेगुणें ॥ षेचदेवीआशानरे ॥ पु० ॥ कहेतूगीतुऊपररे ॥ मांगितुंजेहोय
 मन्त्रे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यतः ॥ अमोघावासरेवियुत् ॥ अमोघंनिशीर्गाजितं ॥
 अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघंदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्युं
 पठेरे ॥ अधीकूठेमुऊआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नविमांगेंकाई
 काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआयहकरीआपीशे ॥ रयणएकअसीसमरे ॥
 पु० ॥ विषसघलांअपहरीलीशे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम
 चितीकहेदेवतारे ॥ तुंनीरलोत्तीसाररे ॥ पु० ॥ मुऊवळुमानेंलिजीशे ॥ करवा
 परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहुरे ॥ सांसलीकरेविचाररे ॥ गु० ॥
 देवतामान्यहोईसदारे ॥ इमकरीयहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत
 वइमकहेरे ॥ चिरंजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृश्यइतेदेवतारे ॥ बाधीकूमरज
 गीसरे ॥ ६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्युंअमेगायरे ॥ पु० ॥
 थयामध्याङ्गसमयहवशे ॥ तिणेंअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती
 नेंऊवंदवारे ॥ आविसतुमचेसंगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवदिआरे ॥ दिई
 आशीशसुचंगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईवेशानीजे ॥ परीजनस्युंतेसेनरे
 ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविवृत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप
 योगनेंउलपीरे ॥ कुलपतीआदरकिधरे ॥ पु० ॥ सारयासूंपीतेहनोरे ॥ बली
 शीकाईमदिधरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआअमठांम्योअठेरे ॥ पणिएहस्युंप्र
 तिवंधरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरूपथीदिषज्योरे ॥ स्योकहीईपरबंधरे ॥ ६७ ॥ गु० ॥
 वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेखंमेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु
 एतांमंगलमाळरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ इहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अवलाविलपेइम ॥ कुलपतिसमजावी
 कहे ॥ प्राणिनकरीइपेम ॥ ६९ ॥ तुऊरुदइऊंनीतवसूं ॥ नितपासेंवसुंनारि ॥
 तेहसुंणिकुलपतीप्रते ॥ प्रणमेवळुलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुढीतापसणीप्रते ॥ दंपती

मिलीयांदोय ॥ दानादिकबहुदेईने ॥ सरक्योतिहांथीसोय ॥ ७१ ॥ विश्वपुरेंते
 आवीउं ॥ संसलावेसवीवात ॥ नरपतीनेतेनारीनी ॥ सुणीहरष्योसगधात ॥
 ॥ ७२ ॥ वधामणांकीधांवली ॥ करीआदरसतकार ॥ पद्धिपतीनेपाठव्यो ॥
 सेनरह्यातीहांसार ॥ ७३ ॥ पितुराज्यपरेंप्रेमस्युं ॥ सांतीमतीस्युंसोग ॥ विल
 संतावासरगया ॥ शुसअनुकूलसंयोग ॥ ७४ ॥ छल ॥ तूनेगोकलबोलावेरे
 काङ्गगोवालनागोपीरे ॥ एदेशी ॥ हवेकर्मविचीत्रथरोगसूपतीनेथावेरे ॥ न
 यणेंआवेबहुशूलसंध्योकंपावेरे ॥ व्यापीसीरवेदनजामदांतसवीहालेरे ॥ बहु
 सासवचननिरोधनयणेंनवीसालेरे ॥ ७५ ॥ तेमाव्यवैद्यसुजाणउषधअती
 कीधारे ॥ पणिगुणनथयोतेलगारबंढीतनवीसीधारे ॥ वैद्यखेदलक्षानेंअंतेउरी
 घणंरुईरे ॥ पद्मीखबरकूमरनेतांमसूरवेनवीसूईरे ॥ ७६ ॥ मुळउपगारीएरा
 यलहेदूखएहवुरे ॥ किमजीवंतांएखमायकरुंहवेकेहवुरे ॥ धीगजीवीतमा
 हरुंजेणनहीउपायरे ॥ इमकरतांसेनकूमरनेमुर्ठाथायरे ॥ ७७ ॥ करीवाय
 आशासनाशांतीमतीइमसासेरे ॥ आरोग्यमणीवररयणअठेतूमपासेरे ॥ सलूं
 संसारयुंतेनारीहरषथीलेईरे ॥ मणीरयणचाढ्योतवतासंसकुनशुसदेईरे ॥ ७८ ॥
 कोईककहेरहोचिरंजीवशीघ्रचाढ्योरे ॥ नरपतीपासेंजईहाथनेपायपरवाढ्यो
 रे ॥ उंज्योमणीरयणेंरायसम्युंतवशूलरे ॥ थिरदांतययागईशीशनीवेदनामुलरे ॥
 ॥ ७९ ॥ सम्योसासनेंउघम्यांनयणसंध्योयईसाजीरे ॥ बोलवालागोनृपजा
 मसहुययाराजीरे ॥ आविश्क्तिनेंउठ्योरायकुमरपरसंस्योरे ॥ राणीउंमंत्रि
 लक्षामोदकिणेंनवीखीस्योरे ॥ ८० ॥ नृपपुढेमुळनेकांयखबरनहीएहरे ॥ उ
 पगारकस्योकिणेंमुळसाषोतूमेतेहरे ॥ कहुंजिवाणेंदेसर्वबोढ्यातवरायरे ॥
 अमृतसमएहकुमारमरणकीमथायरे ॥ ८१ ॥ देवगुरुसुपसाइएहकहेतेकु
 माररे ॥ नृपपसणेंप्राणएतूळकहुस्युंवारवाररे ॥ कहेकुमरगुरुतूमेतामनृपती
 कहेसाचुरे ॥ जोगुरुतोवचनप्रमाणकरोअमेंराचुरे ॥ ८२ ॥ कहेकुमरकरुंतू
 मआणकहेतवसूपरे ॥ जावुंनहीमुळथीदूरकहुअनुरुपरे ॥ करेकूमरप्रमाण
 तेतामविसरजेकुमाररे ॥ तेमावीपरीजनलोककहेनीरधाररे ॥ ८३ ॥ आवेकुम

रनेतेमवाकोयतोमुज्जविणसाषेरे ॥ मतकहेज्योकुमरनेवातसज्जनेंमदाषेरे ॥
 एकदिनआव्योमंत्रीपुत्रअमरगुरुनामरे ॥ थईखबरसूपतिनेतामतेमयोनीज
 ग्रामरे ॥ ८४ ॥ कहेतेहनेनरपतीमवाढहोमुज्जएहरे ॥ इणपमीवजीउंमुज्जपास
 रहेवुंतूंमहगेहरे ॥ इमजाणीकरज्योतेमसज्जसुखपामेरे ॥ कहेअमरगुरुध
 न्यएतूमसरीषाकामेरे ॥ ८५ ॥ जिमज्जकमकरोढोदेवकरीस्युंतेमरे ॥ जणवेह
 वेकूमरनेंसूपअधीकधरीप्रेमरे ॥ जातांहवइंकूमरनीपासअमरगुरुचित्तेरे ॥
 नवीमुंकेकुमरनेंरायअधिकगुणसंतेरे ॥ ८६ ॥ करयुंनिजवशराज्यविशेनेंतिणे
 नउपायरे ॥ नृपदीक्षादेतांमुज्जकहीगयातायरे ॥ राज्यहारस्येएहविसेनउर
 रस्येसेनरे ॥ नैमितीआनोआदेशअठेवलीतेणरे ॥ ८७ ॥ सामंतनेंदइअपमान
 उलंघेआचाररे ॥ वज्जवाध्योलोसअशारविशेनकुमाररे ॥ तिणेरहेवुंजुगतूनअ
 त्रविचारएकीधरे ॥ चरपुरुषेकुमरनेतामवधार्शदीधरे ॥ ८८ ॥ आववानोज्जक
 मतेकीधअनुक्रमेआव्यारे ॥ सेनकूमरेउगीताममाहिपधराव्यारे ॥ पुढेइमकु
 सलढेतातकूमरनेंदाषेरे ॥ कहेकूसलढेसज्जनेंतोयकज्जतेचित्तराषेरे ॥ ८९ ॥
 सूपतीइंतूमनेंनदिठययोवैराग्यरे ॥ तवसंजमस्युंमनलायमहासोसागरे ॥ नि
 जसुतनेंआपीराज्यसाथेपरधानेरे ॥ परिजनस्युंसंजमलीधधरीशुसध्यानरे ॥
 ॥ ९० ॥ तवचित्तेसेनकुमारअहोमुज्जरागरे ॥ सांइअमकुलनीस्थितिएहअंतेवै
 रागरे ॥ कहेकुमरप्रजानेतेहकेहवांढेसाषेरे ॥ तवअमरगुरुकहेवातथोमामा
 लाषेरे ॥ ९१ ॥ नृपेलिधीप्रव्रज्याजामथयुंडरवएहरे ॥ तूमहेपरदेजोगयातास
 विजुंडरवतेहरे ॥ मनमानेढेइमतेहनहीअमनाथरे ॥ कहेसेनवीसेनढेतेकेमप्र
 जाअनाथरे ॥ ९२ ॥ एहवेठिक्कोपमीहारअमात्यसुततामरे ॥ कहेचिरंजी
 वोवलीआपफुरक्युनेत्रवामरे ॥ थईचिताकुमरनेतामअहोस्युंथास्येरे ॥ अथ
 वासलुंकरस्येदेवविघनसज्जजास्येरे ॥ ९३ ॥ कहिसांतिमतीनेंताससोजननें
 स्नानरे ॥ सुखथीदिइंनिजअधीकारचढतेनीतवानरे ॥ नित्यखवरिमगावेरा
 ज्यतणीनीजसाररे ॥ एकदिनशांतिमतीनारीनेंसुपनउद्धाररे ॥ ९४ ॥
 कहिसातमेखंढेढालतेसोलमीसारीरे ॥ एतोसमरादित्यनेंरासलागेंधाणंप्या

रीरे ॥ गुरुउत्तमविजयनोशीसमुकोमलवांणीरे ॥ कहेपद्मविजयधरीप्यार
 सूणोत्तवीप्राणीरे ॥ १५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ अंजनभमरनेंअनुंसरे ॥ पत्रतणोनहीपार ॥ अंबकमनआणंदक
 रूं ॥ कटपट्टसूखकार ॥ १६ ॥ सुपनेंघणंसोहामणो ॥ चितितचित्ताचुर ॥
 पेपेउदरमांपेसतो ॥ शांतिमतीससनुर ॥ १७ ॥ जागीपतीनेंजणावती ॥ तसफ
 लदापेतेह ॥ सोसागीसूतहोयस्ये ॥ जगतनमावेजेह ॥ १८ ॥ सांसलीधर्ममां
 सजहोइ ॥ कांयकवितोकाळ ॥ पुरेमासेसूतप्रसवीउ ॥ करेउठवततकाळ ॥
 ॥ १९ ॥ रायकुमरसझुरिजीआ ॥ अमरसेनअसीधांन ॥ उविउंतेहनुंठाउं
 कुं ॥ सुणोहवइंयइसावधान ॥ २० ॥ ढाल ॥ तिरयतेनमुंरे ॥ एदेशी ॥ चंपा
 नयरथीआवीउ ॥ वातदावीउरे ॥ एकदिनअनुंचरएक ॥ वाततेसांसलोरे ॥
 ॥ १ ॥ जोवाप्रवृत्तिराज्यनी ॥ सुखकाजनीरे ॥ मुंय्योअमरगुरुतास ॥
 ॥ २ ॥ वा ॥ हाळीमुहाळीविरचिआ ॥ नविअरचिआरे ॥ जाणीअचलपुर
 नाथ ॥ ३ ॥ वा ॥ मुक्तापीठेवलकरी ॥ चंपापुरीरे ॥ लिथीथोमादिनमां
 हिं ॥ ४ ॥ वा ॥ हाथकरयोत्तमारनें ॥ अधिकारनेंरे ॥ हवेजाणोकरोते
 म ॥ ५ ॥ वा ॥ विज्ञेननाशीनेंगयो ॥ दूरवबळययोरे ॥ तेहनीषवरिनही
 कोय ॥ ६ ॥ वा ॥ कोप्योअमरगुरुसांसली ॥ आवीवलीरे ॥ कुमरनेंक
 हेअवदात ॥ ७ ॥ वा ॥ बोलेअमर्षथीइणिपरें ॥ कुणइंमकरेरे ॥ साईपरात्तवइंम
 ॥ ८ ॥ वा ॥ निजपदेउवुंविज्ञेननें ॥ अरीसेननेंरे ॥ सांजवुंतोषरीवात ॥
 ॥ ९ ॥ वा ॥ दाहीणकरफूरक्योतदा ॥ जयकहेसदारे ॥ बोल्योतदागज
 राज ॥ १० ॥ वा ॥ कुमरकहेएजीतीउ ॥ दूरववितीउरे ॥ नृपनेंकरावेजा
 ण ॥ ११ ॥ वा ॥ म्हारेतिहांजावुंलळुं ॥ तूमनेंकळुरे ॥ कोप्योरायअपारा ॥
 ॥ १२ ॥ वा ॥ एनहीकुमरनेंपरितव्यो ॥ मुळनेंहवारे ॥ पणिमुळसेनासाथ्य
 ॥ १३ ॥ वा ॥ अमरगुरुकहेसाचळुं ॥ साप्युंसळुरे ॥ पणिकुमरेनखमाय ॥ १४ ॥
 वा ॥ समरकेतूनरपतीकहे ॥ चितगहगहेरो ॥ असकरव्योअमसाथि ॥ वा ॥ १५ ॥
 उत्रचामरमुगटेकरी ॥ चढिउंकरीरे ॥ कूंमलहारसोहंत ॥ १६ ॥ वा ॥ सा

मयीवज्जसजकरी ॥ अमरषधरीरे ॥ शकुनमुज्जरतशुस्तजोग ॥ १७ ॥ वा०
 चाल्योअनुक्रमेआवीउ ॥ सुखपावीउरे ॥ देशसीमाठेजठ ॥ १८ ॥ वा० ॥
 मुक्तापीठनेमोकल्यो ॥ दूतएकसलोरे ॥ बोलेवीचकणबोल ॥ १९ ॥ वा० ॥
 कहेवराव्युंमुज्जतणं ॥ स्युंकज्जघणरे ॥ आपोराज्यउदार ॥ २० ॥ वा० ॥
 इमंतूमप्रीतमीबाधस्ये ॥ नवीबाधस्येरे ॥ नहितोकरज्येजुध ॥ २१ ॥ वा० ॥
 सांसलीकोपेकलकल्यो ॥ कहेमतीचल्योरे ॥ मुंकवालीधुनराज्य ॥ २२ ॥
 वा० ॥ जुधथीअप्रीतीउपजे ॥ बज्जनीपजेरे ॥ उत्तमसूतटसंहार ॥ २३ ॥
 वा० ॥ तोपणिजुक्कहंअमे ॥ सूणज्योतूमहेरे ॥ दूतकहेतवइम ॥ २४ ॥ वा० ॥
 जमलोकेजावातणी ॥ मतीतूमहतणीरे ॥ दिसेढेनीरधार ॥ २५ ॥ वा० ॥
 आवीकुमारनेविनवे ॥ जिमतेखवेरे ॥ जईएकान्तेदूत ॥ २६ ॥ वा० ॥ सांस
 लिनेपणिकोपीउ ॥ चित्तरोपीउरे ॥ अमरषवीरसअपार ॥ २७ ॥ वा० ॥ ढाल
 सत्तरमीएतली ॥ सवीसांसलीरे ॥ सातमेखंमेरशाल ॥ २८ ॥ वा० ॥ ॥३॥
 ॥ इहा ॥ भकुटीचढावीनेसणं ॥ कोपेयईवीकराल ॥ सौम्यवयणपणिसहज
 थी ॥ सीपणनसकेतालि ॥ २९ ॥ करनेआस्फालीकरे ॥ वरणखलातेवाणि
 एहमनोरथअमअठे ॥ हमचीनहीकोईहांणि ॥ ३० ॥ बिज्जंबलमांबीजेदीनोशोर
 करेसंगाम ॥ सुसटनेदिधासामठा ॥ सिरपाबिज्जसीरगाम ॥ ३१ ॥ दानबज्जप
 रेदिधलां ॥ जाचकपाम्याजोर ॥ रातिगईरवीउगीउ ॥ सबलोमांफ्योसोर ॥
 ॥ ३२ ॥ मयगलगाजेमलपता ॥ तुरंगघणातेजाल ॥ रथआरोहाराजवी ॥ कर
 लेईकरवाल ॥ ३३ ॥ सुसटथयातिहांसजघण ॥ कुंततिरकरलेय ॥ विरुदावली
 बोलीजते ॥ वाजीत्रबज्जवाजेय ॥ ३४ ॥ अमरषवसेआवीमिट्यां ॥ वागेवी
 रनीहाक ॥ केईककायरकंपता ॥ वारुसांसलीवाक ॥ ३५ ॥ ताकीमुकेतीर
 ने ॥ खंमेकेईकरुप्प ॥ उवध्वजाकेईदेता ॥ साचुंसूरसरुप्प ॥ ३६ ॥ सूत
 टकबंधतिहांसामठा ॥ रुधीरलित्तवरगात ॥ नाचेनाटिकनीपरें ॥ विस्मयज
 नविख्यात ॥ ३७ ॥ आमीषलोलुपआवीआ ॥ कंकगृधनेकाकागगनतेठायो
 विहगस्युं ॥ उलतीवज्जलीढाक ॥ ३८ ॥ बलवंतीसेनाबज्ज ॥ सेनतणीसपरा

ए॥ पणिमुक्तापिठेप्रथमा॥ जित्योसेनसूजाण॥ ३॥ ढाला॥ रमतांतेफाटोघाघरोरो॥
 दसगजफाटोचिरेरे ॥ ऊंवे॥ आवोरेओलंगाणाताहरीकांकणीरो॥ ऊंवे॥ एदेसी॥
 सेनप्रसंसीसुसटनेरे ॥ उठावेसंगामरे ॥ करवा ॥ जाणेंजमराजाउज्योनीजघे
 रधरवा ॥ ४० ॥ कुंततिरतरवारनारे ॥ घालेघातअपाररे ॥ तिणें॥ मानुंकट्ठां
 तकालआयोसमएणें॥ ४१ ॥ रणतूरवाजेवेगस्युरे ॥ करीकुंतस्यलसेदेरथाई ॥
 कायरलोककेईडरथीपलाई ॥ ४२ ॥ मुक्तापीठलस्करतणारे ॥ ठेठेअनीशाण
 रे ॥ ताकी ॥ मुगटठेदेकेईमदीरास्युंठाकी ॥ ४३ ॥ इमकरतांविटीदीशेरे ॥ मु
 क्तापीठनेसेनरे ॥ राजा॥ तोहेप्रहारकरेसूरथईफाजा ॥ ४४ ॥ सूरसीरूपणिचि
 त्तचमकीआरे ॥ देषीएसंगामरे ॥ वारु ॥ एहवेसेनहणेंखमगेदीदारु ॥ ४५ ॥
 पनीउप्रथवीउपरेरो॥ जय२रवकरेलोकरे ॥ मिलाआ ॥ सेनकुमरजसबोलवा
 रेहीलीआ ॥ ४६ ॥ मंगलतूरवजावीआरे॥ सेनआव्योतसपास ॥ गुणराणो ॥
 मुक्तापीठदेषीचित्तहरषाणो ॥ ४७ ॥ विजणेंवायरोवीजीउरे ॥ चंदनसीच्यां
 तासरेअंगें ॥ चेतनावलीथईस्वस्थतारंगे ॥ ४८ ॥ कुमरकहेरुमुंकरयुरे ॥ सूप
 नेघटतूंजेहरो॥ किधुं॥ दिनपणंतूंम्हेचित्तमानलीधुं॥ ४९ ॥ पूर्वपुरुषतेअजुआली
 आरे ॥ म्हेंलीधंमुजराज्यरे ॥ साई ॥ ताहसंतूजकुसलूरहोसदाई ॥ ५० ॥ तूं
 मुजसाईसमोवनेरे ॥ लाव्योनीजआवासरे ॥ मानें ॥ करीवधाईवोलावीउव
 ऊमानें ॥ ५१ ॥ अमरगुरुनेकुमरकहेरे ॥ लावोबिसेनसूपालरे ॥ खोली ॥
 थापोचंपाईचित्तमांहितोली ॥ ५२ ॥ अमरगुरुकहेतिमकहरे ॥ पणिरहेज्यो
 तुम्हेचंपरे ॥ स्वामी ॥ सेनकहेतववातअसीरामी ॥ ५३ ॥ रहेस्युंचंपाईपरा
 रे ॥ पणिनृपतोबिसेनरे ॥ जाणो ॥ नरपतींजिणेंकीधलोठेराणो ॥ ५४ ॥
 वातप्रमाणकरीहवईरे ॥ मोकलेनीजनरइमरेसाषी ॥ इमकहेठेतूमदेवहितरा
 षी ॥ ५५ ॥ पुरवजनुंएराज्यठेरे ॥ सोगवोआविण्यरे ॥ साई ॥ तेपणगयात
 सपाससुखदाई ॥ ५६ ॥ सेनगयाचंपासणीरे ॥ महाजनआव्यूतामरे ॥ साह
 मुं ॥ पाउधारोअमेजेमसूखपामुं ॥ ५७ ॥ सेनकहेकिमआवीशेरे ॥ विनावी
 सेनसूपालरे ॥ अम्हे ॥ महाजनकहेप्रसूस्युकहोठेतूंम्हे ॥ ५८ ॥ अमस्तवि

तव्यताएहवीरे ॥ इमांचितवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येअमेएहवाजसर
 जा ॥ ५९ ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे
 नपासेंनरजेपठाया ॥ ६० ॥ अमरगुरुनेतेकहेरे ॥ कयंगलानयरींतेहरेदिगो ॥
 तिणेंपाणिंसांसत्योसेनजेउकीगो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनइंतापीउरे ॥ तूम
 चोजेसमाचारतेआगें ॥ सांसलीतेअंगोअंगथीरे ॥ सागे ॥ ६२ ॥ उताणोमन
 थीघण्हेरे ॥ कमलाणंमुखतासरेपापें ॥ मठरथीयस्योतेहसूणोआपें ॥ ६३ ॥
 बोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेइमरे ॥ वात ॥ परसूजबलथी
 राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविसोगवुंजंकिमेरे ॥ जाउतुमेनीजगामिस्यान
 आया ॥ फिरीमतआवज्योस्युंकजंसाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो
 रे ॥ चितवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥
 आबीकुमरनेंकद्युरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातसाईवीनावातनीविराणी
 ॥ ६७ ॥ अंधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमांआजरे ॥ धारो ॥ अमर
 गुरुकहेबुधीनोसंमारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे ॥ महापुरुषनोधर्मएह
 सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६९ ॥ सातमेखंमंसोहामणीरे ॥
 एहअठारमीठालरेसापी ॥ पद्मेओतासूणोचित्तथीररापी ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥
 ॥ उहो ॥ हरीसेनराजऋषीहवे ॥ काकासेनकुमारा ॥ सघलोव्यतीकरसांसली ॥
 चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसंजमनेंजाणीइं ॥ अधीकरणकरयुंइं ॥
 उरुरीइंएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ सायेंसाधुअनेकथी ॥ आ
 व्यातिणेंउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउधरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे
 ईवंदनत्तणी ॥ अमरगुरुस्युंआय ॥ नष्टशोकउद्यानमां ॥ दिठामुनीसूखदाय
 ॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवदत्तागीआ ॥ संजतसज्जसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहंतनी ॥
 निरवहेतांनिरधार ॥ ७५ ॥ ठाल ॥ जंबुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी
 आराधता ॥ मोहतीमीरत्तरनासहो ॥ मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपद
 तामोहपासहो ॥ ७६ ॥ मुनी ॥ एहवामुनीनीतूवंदीशां ॥ आंकणी ॥ जेहनीरंजनशं
 षड्युं ॥ सावनासावतावारहो ॥ मु ॥ शारदजलज्युंरूदयथी ॥ प्रणमुंतेअण

गारहो ॥ ७७ ॥ मु० ॥ एह० ॥ सीसनेचितामणीसमा ॥ मुगतीमारगमुत्तिवं
 तहो ॥ मु० ॥ शांतीसुधारसजलनीधी ॥ वंद्यातेसगवंतहो ॥ मु० ॥ ७८ ॥ एह॥
 धर्मलासदिधोधुरे ॥ रोमांचिततेकुमारहो ॥ मु० ॥ आणंदआंसूआव्यांतदा ॥
 मुनीकहेसूणितूकुमारहो ॥ मु० ॥ ७९ ॥ एह० ॥ सावधरमपरेंताहरी ॥ वा
 तसुंदरसुवीचारहो ॥ मु० ॥ तुऊनीरवेदेंमुनीपणं ॥ आव्युंमुऊएवारहो ॥ मु०
 ॥ ८० ॥ एह० ॥ एहअसारसंशारमां ॥ संजमतेहजसारहो ॥ मु० ॥ जिवी
 तएहमानवतणं ॥ केवलक्लेशआधारहो ॥ मु० ॥ ८१ ॥ एह० ॥ इव्यउपा
 र्जनक्लेशजे ॥ नवीलहीशंतसपारहो ॥ मु० ॥ देवदानवनेपणिसदा ॥ मृत्युत
 णोशिरमारहो ॥ मु० ॥ ८२ ॥ एह० ॥ करवोप्रमादजेथोमलो ॥ तेपणिअन
 रथमुलहो ॥ मु० ॥ गुरुसापीतकज्जेतहनो ॥ संबंधआमलचुलहो ॥ मु० ॥
 ॥ ८३ ॥ एह० ॥ एहजजंबुतरतमां ॥ उत्तरपंथअपारहो ॥ मु० ॥ वर्द्धना
 पुरमांराजीउ ॥ अजीतवर्द्धनअवधारिहो ॥ मु० ॥ ८४ ॥ एह० ॥ सख्खना
 मगाथापती ॥ चंदातेहनीनारिहो ॥ मु० ॥ सर्गनामैसुततेहनो ॥ निरधनतेह
 अपारहो ॥ मु० ॥ ८५ ॥ एह० ॥ सख्खमरणलस्योहवे ॥ किधांमरणनांकाम
 हो ॥ मु० ॥ आजीवीकाहेतेंकरे ॥ चंदापरघरकामहो ॥ मु० ॥ ८६ ॥ ए० ॥
 अटवीमांहिथीदावतो ॥ इंधणसागप्रमुखहो ॥ मु० ॥ विक्रयथीआजीवी
 का ॥ इमदिनकाढेडरकहो ॥ मु० ॥ ८७ ॥ ए० ॥ एकपामोसीतेहनें ॥ पासंमना
 मेसेठहो ॥ मु० ॥ आव्योजमार्तसघरे ॥ तेहनीकरवावेठहो ॥ मु० ॥ ८८ ॥ ए० ॥
 बोलावीचंदातदा ॥ पाणीतरणीमीत्तहो ॥ मु० ॥ पुत्रसूष्योघरिआवस्ये ॥
 चितनधारीचीत्तहो ॥ मु० ॥ ८९ ॥ ए० ॥ सोजनासिकेथापीनें ॥ कटीकादेई
 डवारहो ॥ मु० ॥ स्वानादिकनासयथकी ॥ चंदाचाळीजिवारहो ॥ मु० ॥ ९० ॥
 ए० ॥ सर्गतूरतआव्योतदा ॥ मुक्योइंधणत्सारहो ॥ मु० ॥ मातषोलीपणिन
 वीजमी ॥ करतोकोपअपारहो ॥ मु० ॥ ९१ ॥ ए० ॥ कामकस्थूं
 हवेसेठुनुं ॥ पणनवीदिधूकांयहो ॥ मु० ॥ आवीनिजघरजेतले ॥ कर
 तीमहाविसायहो ॥ मु० ॥ ९२ ॥ ए० ॥ दिनमुषीदेषीकरी ॥ कोपथीबोढ्यो

सगगहो ॥ मु० ॥ किमसूलीशंतूऊदीधली ॥ सूषपीमाअमलगहो ॥
 ॥ मु० ॥ ए३ ॥ ए० ॥ तेकीमतूऊनेविसरयुं ॥ तवतसबोलीमातहो ॥ मु० ॥ हाथ
 कपाणाताहरा ॥ एहसीकैरधुंसातहो ॥ मु० ॥ ए४ ॥ ए० ॥ लेईनेकेमपाधुं
 नही ॥ एहवांवचनउच्चारहो ॥ मु० ॥ करतांकर्मवांध्यांतिणें ॥ जासविपाक
 अपारहो ॥ मु० ॥ ए५ ॥ ए० ॥ एकदिनकर्मवीचित्रथी ॥ सावीसावनेंजो
 गहो ॥ मु० ॥ बोधिबिजपाम्यातीहां ॥ मानतूंगसूरीसंजोगहो ॥ मु० ॥ ए६ ॥
 ए० ॥ आवकपणंपाम्यावली ॥ चढतेशुसपरीणामहो ॥ मु० ॥ चरणधरम
 वलीपनिवज्यां ॥ गुणगणकेरांधांमहो ॥ मु० ॥ ए७ ॥ ए० ॥ करीयसंलेप
 णाढेहे ॥ आगमउक्तविधानहो ॥ मु० ॥ कालकरीनेउपना ॥ दोयतेस्वर्ग
 विमानहो ॥ मु० ॥ ए८ ॥ ए० ॥ समरादित्यचरीत्रमां ॥ पद्मचीजयकहीढालहो ॥
 ॥ मु० ॥ सातमेखंमेसोहामणी ॥ उंगणीसमीसूविज्ञालहो ॥ मु० ॥ ए९ ॥ ए०
 ॥ डहा ॥ तामलीमीईणसरतमां ॥ नयरीध्रव्यनीधान ॥ कुमारदेवइत्यकामिनी ॥
 जुजीआनामजुवान ॥ ६० ॥ सर्गदेवहवेस्वर्गथी ॥ आविलीइअवतार ॥ तेह
 नीकूपेंततपिणें ॥ जनमथयोक्रमेज्यार ॥ १ ॥ अरुणदेवअस्तीधाठव्युं ॥ क्र
 में २ ॥ ययोकुमार ॥ चंदाईणअवचारिचवी ॥ सूरवरथीसूवीचार ॥ २ ॥ नामें
 पानलापयनयर ॥ सेठजसादित्यसार ॥ अदसूतनारीइलूआ ॥ तसकुपेंअवता
 र ॥ ३ ॥ पुत्रीअनुक्रमेंप्रसवती ॥ देशिनामतेदीध ॥ अनुक्रमेंदीधीअरुणनें ॥
 सधलूंसावीसीइ ॥ ४ ॥ ढाल ॥ विधातावैरणेठ्ठीमांस्युरेलीप्युरे ॥ एदेशी ॥ वि
 धातावांकोजाणारे ॥ जुउस्युस्युरेथांशे ॥ परण्याविणचढिउऊयाजेंरे ॥ अरु
 णदेवध्रव्यनेंध्यांशे ॥ ५ ॥ कमाहधीपेगयाकमावारे ॥ कमाईतेरेवलीउरे ॥
 ऊयाजतेवाढिमांसागुरे ॥ कर्मजुउस्युरेथयुरे ॥ आव्युंएकपाढिउंहायेरे ॥ ति
 णेंदूरवसऊइंगयुरे ॥ ६ ॥ महेसरसाथेबिजोरे ॥ तेपणितीहांसायरतरीउरे ॥
 आव्याजबसायरकांठेरे ॥ पानलावहवाहिरचरीउरे ॥ ७ ॥ महेसरतिहां
 बोढ्योरे ॥ तूमारेसासरेजईशे ॥ कुंअरतवईणपरिस्ताषेरे ॥ ईणिवेलाइम
 किमकहीशे ॥ ८ ॥ तवतेकहेवेसोबाहिररे ॥ नयरमांऊरेजास्युरे ॥ सोजन

ज्ञजईनइंआणरे ॥ कहेतेसुपमांगस्युरे ॥ ए ॥ देवकूलमांजईनेसूतारे ॥ याकें
 करीउंघ्योसारोरे ॥ महेसरतोलेवागयोआहाररे ॥ हाटिसेरीइंफिरतोअपारोरे ॥
 ॥ १० ॥ इणअवसरउदइंआव्युरे ॥ देइणीनेकर्मबंधाणरे ॥ निजसवनउद्या
 नेबेठीरे ॥ तस्करनुंययुरेटाणरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलबज्जमुळारे ॥ तस्करति
 हांलेवाआव्योरे ॥ गाढांतिणेंनवीनिकलीआरे ॥ साथेंबुरीकारेलाव्योरे ॥
 ॥ १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेलीधारे ॥ लेइनासवारेमाफ्युरे ॥ वनपाळीइंबुंबजपा
 ळीरे ॥ जाणेंआव्युरेधादुरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतोआगे
 रेनासेरे ॥ नासतांहवइंथाकोचोरे ॥ जाण्युहवेकिहारेजास्येरो ॥ १४ ॥ पे
 ठेदेवकूलमांहिरे ॥ अरुणदेवजीहारेसूतारे ॥ उदेंतसकर्मआव्युरे ॥ सज्ज
 नकर्मेषूतारे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमांहिंचितरी ॥ कहांमुंक्यांतेहनीपासेरे ॥ पो
 तेशीषरअंधारेठपायोरे ॥ बुरीमुंकीहीणेंआसेरे ॥ १६ ॥ उठ्योअरुणदेवतवदी
 ठारे ॥ जाण्युदेवतारेतूठारे ॥ लेइफांदिमाहिसंगोपेरे ॥ बुरीदिषींचितेंअपुठारे ॥
 ॥ १७ ॥ तवआव्योतिहांतलारे ॥ मनमांकोत्तनारेथईरे ॥ कहेकिहांजाई
 सदूराचारीरे ॥ बुरीकापलीरेगईरे ॥ १८ ॥ पकम्योतवबोलेतेहरे ॥ मेंअपराध
 स्योरेकीधारे ॥ तेकहेद्योकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरुणनमहेरेलीधारे ॥ १९ ॥
 आणीक्रोधनेत्रामयोतीणेंरे ॥ तवपत्नीआंकटकसूपीठेरे ॥ उलप्यांकोटवालें
 तामरे ॥ सूपतीपुरधरीउनीठेरे ॥ २० ॥ संसलाव्योव्यतीकररायरे ॥ दिठोइव्य
 स्युरेतेहरो ॥ कहेद्योसूलीइंएचोरो ॥ तलवरपणिसांसलीएहरे ॥ २१ ॥ लाव्योजीहां
 सूलीनुठामरे ॥ सुलीइंएरेदिधोरो ॥ इणअवसरत्तोजनलाव्योरो ॥ देवकूलमांएरेसा
 धोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंपोलिघणीकीधारे ॥ नदिठोकोईरेठामेरे ॥ तवआसनदे
 शेजोयोरे ॥ नलह्योकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेपुठेरे ॥ एहवोकी
 हारेसाव्योरे ॥ तेकहेनवीदिठोकोईरे ॥ पणिएकचोरफाव्योरे ॥ २४ ॥ हम
 णांतसमाखोसाईरे ॥ कदातिहारेगयोरें ॥ कौतूकनोलिधोजायरे ॥ सुणीसो
 करेथयोरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकूलघणोथाईरे ॥ साईएरेस्यूंकद्युरे ॥ साईमु
 ळनेंठामदेषामोरे ॥ माहूहईदुरेदद्युरे ॥ २६ ॥ तवठामदेषामयोतिणेंरे ॥ तिहां

खोसाणोआयोरे ॥ सूलींसेठपूत्रनेदिगोरे ॥ अरुणदेवरेसायोरे ॥ २७ ॥ इम
 कर्मविचित्रताजुउरे ॥ सातमेखंमेरेसुणोरे ॥ कहेपद्मवीसमीढावेरे ॥ करयां
 कर्मएरेमुणोरे ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ इहा ॥ कर्मविपाककमुआघणा ॥ मूर्गापामेमन्न ॥ पमीउप्रथवीउपरें ॥ तम
 फमतोतेतन्न ॥ २९ ॥ प्रेरुकलोकआव्यापठें ॥ पुढेफालीपाणि ॥ स्योएकहो
 संबंधठे ॥ आपोउत्तरआणि ॥ ३० ॥ महेसरबज्जलेमोहथी ॥ बोलेगदगदबो
 ल ॥ वाटिउठिएवातमी ॥ अवलोथयोअतोळ ॥ ३१ ॥ तामलिमीइंतिलकसमा
 कुमारदेवकहेवाय ॥ तेहनोसूततूमेजाणजो ॥ अरुणदेवअसीधाय ॥ ३२ ॥
 इणनयरीवासीअवल ॥ जसादित्यजगजाण ॥ जामातातसजांणज्यो ॥ आ
 व्योइणहीजगाण ॥ ३३ ॥ जिहाजसागुंप्रीयजनगया ॥ मनमांधरतोमाम ॥
 नगयोसूसरानेधरे ॥ अवजारजाणीआम ॥ ३४ ॥ बेसाख्योम्हेबाहिरें ॥ पुर
 मांगयोपीगाण ॥ आहारलेईनइंआवीउ ॥ ठावोषोढ्योगाण ॥ ३५ ॥ पापउद
 यपरगटथयो ॥ आव्योखोलतोआंहि ॥ दिगोइणीपरेंदृष्टिथी ॥ किहांएसूली
 क्याहि ॥ ३६ ॥ ठाल ॥ ईमम्हाराधणंसवाईढोला ॥ एदेची ॥ ईमकहेतांमु
 रठानमीउ ॥ प्रथवीउपरितेपमीउरे ॥ सवीकाकर्मतणीगतीन्यारी ॥ नसकेको
 ईकर्मनेंवारो ॥ ३७ ॥ पुरानीपरेंतमफमतो ॥ उठ्योकीमहीकलमथमतोरे ॥ ३७ ॥
 सवि० ॥ निजवधकरवानेमांने ॥ लेईपथरसीरस्युंपठांने ॥ सवि० ॥ प्रेरुकलो
 केधरीराप्यो ॥ इणिपरेजेसंबंधदाप्योरे ॥ ३८ ॥ नगरीमांथयोविस्तार
 ॥ जसादित्येसूण्योअधीकारे ॥ ३९ ॥ नीजपुत्रीलेईतीहांआयो ॥ दिगोअ
 रुणदेवमनसायोरे ॥ ३९ ॥ सवि० ॥ अहोअहोएवाततेकेहवी ॥ सेठपुत्रनीजो
 वाजेहवीरे ॥ सवी० ॥ मुर्गालखांडहीतानेतात ॥ ठांटयांचंदनविजणेंवातरे ॥
 ॥ ४० ॥ स० ॥ काढोमुळकष्टरेसाय ॥ नवीशोकसंतापखमायरे ॥ स० ॥
 मरस्युंनीश्वयततकाळ ॥ सूणीवातएप्रथवीपालरे ॥ स० ॥ ४१ ॥ कोटवाल
 स्युंकरतोरीस ॥ कोटवालकहेसूणोईसरे ॥ स० ॥ चोरीतवस्तुस्युंएह ॥ पक
 म्योअमेकरीइंकेहरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ जसादित्यपासेवधगाम ॥ नरपतीआ

वीसणेंआमरे ॥ स० ॥ साईदेवनोएअपराधा ॥ अमबुझीतणोनहोबाधरो ॥ ४३ ॥
 स० ॥ कोईसावीसावविचार ॥ ईमबोलेसूतरताररे ॥ स० ॥ सूलिइंथीजता
 रथोतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ प्रतिबोधनोअवसरजा
 णी ॥ आव्यासूरीचज्जनाणीरे ॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम ॥ तपअतीसयथी
 असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सऊनागयाशोकशंताप
 रे ॥ स० ॥ देवताइंप्रथवीसमारी ॥ गंधोदकवरसेधारीरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ बली
 कनककमलपणिवीरचे ॥ फूलवरसेनेंमुंनीनेंअरचेरे ॥ स० ॥ तिहांवेसीनेंदेसना
 देता ॥ उपदेशमाहिईमकहेतारे ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीझामकरोप्राणी ॥
 धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअठारो ॥ दशवीधजती
 धर्मनईंधारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीइंवयरीअंतरंग ॥ डखदिइंपरमादप्रसंग
 रे ॥ स० ॥ थोमोपणिकरिइंपमाय ॥ तेहथीबळकर्मबंधायरे ॥ ४९ ॥ स० ॥
 डखदायकतासविवाग ॥ मानसतनुडःखअतागरे ॥ स० ॥ देशणीनेंअरुणदे
 वजेम ॥ तवपुढेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसंबंध ॥ विस्तार
 थीकहेपूरबंधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडकृतकेरो ॥ विपाकआव्योअधीकेरो
 रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांसलीकेईप्रतीबुझ्या ॥ संवेगथीकर्मस्युंफुझ्यारे ॥
 स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुगींगतततषीणहोयरे ॥ ५२ ॥ स० ॥ चेत
 नावहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुत्तध्यानरे ॥ स० ॥ आदाननिदानसऊ
 जाण्यो ॥ शुत्तपरीणामेंपरमाण्योरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ प्रसूजेतूम्हेसाण्युंतेम ॥
 अमेज्ञानेंदितुंइंमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईकरो
 अम्हजोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टाढोसं
 सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवात ॥ डर्गतीजाइंसदगतीयातरे
 ॥ ५५ ॥ सवी० ॥ सूरनरसूखसाधेएह ॥ निरवांणदिइंवलीजेहरे ॥ स० ॥
 अणसणदिइंनृपसेठसाधे ॥ सऊधन्य २ मुखिसाधेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेवि
 ऊंजणगुरूनेंस्वामी ॥ वलिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस
 घळूंकिधुं ॥ मानवसवनुंफललीधुरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ बलीगंमोममतडखमु

ल ॥ मैत्रीसङ्गस्थं अनुकुलरे ॥ स० ॥ पुरवडः कृतङ्गं गो ॥ एकरत्नत्रयीनेवं
 गोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूपकारोरे ॥
 स० ॥ शृणुअवशरकहेसूपाल ॥ संवेगयकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतदा
 नाएफलवतलावो ॥ तोअमनेकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेअमेपमी
 आ ॥ अम्हेकम्मजंजीरस्थंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीयीती
 एहवी ॥ फलेअधीक २ वरुजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधो
 तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडखघणांसोगवस्ये ॥ बड्ढका
 ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोहुंजाणो ॥ तिणेंसाषेंत्रोसूवनराणो
 रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेसाप ॥ शत्रुसंगदिशंडखव्यापरो ॥ स० ॥
 इहसवडखपणिपरमाद ॥ इहपरत्तवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
 थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
 गुरुउपरिनकरेप्यारे ॥ ६४ ॥ स० ॥ इमसंचीबड्ढलांपापा ॥ सहेवेदननरकेंआपरे
 ॥ स० ॥ पुढेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यग्कहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम
 सातमेखंमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमंशणिपरेंसापो
 नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ इहा ॥ सर्वआरंस्ततजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादने ॥ ना
 एवृक्षीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुंजेनही ॥ वर्द्धमानसंवेग ॥ पुरवसंचीत
 पेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निर्मीत्तवीनावांधेनही ॥ नवांकर्मनी
 रधार ॥ अनुक्रमेकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
 सने ॥ करथोनकीमअप्रमाद ॥ शृणुअप्रमादआराधीउ ॥ पणबड्ढलोपरमाद
 ॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणियोनाअप्रमादथी ॥
 मोक्षयांकर्ममहंत ॥ ७१ ॥ आदरीउअप्रमादने ॥ अशुत्तटव्योअनुबंध ॥
 विजअप्रमादनुवोईउ ॥ स्तविशंसबंध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो
 रेसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीतापो ॥ करवोनहीपरमादसराषे ॥ डःक
 तनिंदारेकरीई ॥ शृणुपरेंसवशायरसुखेतरीई ॥ ७३ ॥ तिणें ॥ आलोईई

गुरुपासे ॥ प्रायश्चित्तविधिपूर्वकअन्यासे ॥ इमसूणीबुज्योरेराय ॥ काराग
 रविमुक्तीकराय ॥ ७४ ॥ ति० ॥ जसादित्यमाहेश्वरसाथे ॥ चारीत्रलिङ्
 नृपसदगुरुहाथे ॥ एहसूणीअधीकार ॥ कटकचोरआव्योतिणेंगरा ॥ ७५ ॥ ति० ॥
 पश्वातापरेकरंतो ॥ गुरुनेंशणीपरेतेहवदंतो ॥ म्हेंपापींएकामा ॥ किधुंनीअंधसप
 रिणाम ॥ ७६ ॥ ति० ॥ धर्मउवेषीरेसार ॥ अधरमनोकीधोअधीकार ॥ मा
 नवतवएअहेलेंपोयो ॥ उखपरंपरानोमुखजोयो ॥ ७७ ॥ ति० ॥ स्योबज्जवच
 नविन्यास ॥ प्राणत्यागकरवोतूमपास ॥ कहोप्रसूजोग्यजेमाहरे ॥ दिधो
 गुरुउपयोगतिवारे ॥ ७८ ॥ ति० ॥ लौकिकसुंदरतासाव्यो ॥ पणिनवीसववै
 राग्यतेआव्यो ॥ इमवीचारीरेतास ॥ दिधुंअणसणशुतअन्यासा ॥ ७९ ॥ ति० ॥
 दिधोवलिनवकार ॥ चोरेपिणकरयोअंगीकार ॥ निद्योआतमआप ॥ गुरुवं
 दीनेधोयांपाप ॥ ८० ॥ ती० ॥ अरुणदेवेंकस्थोकाज ॥ देईणीतस्करपणित
 तकाज ॥ त्रणेंसूरवररेथाय ॥ तिणेंसुणीसेनकुमरजीराय ॥ ८१ ॥ ती० ॥ रा
 ज्यअसारनेंकाम ॥ किधोस्येकामेंसंयाम ॥ जुगतूंकामनकिधुं ॥ सेनकुमर
 पणिबोदयोसीधुं ॥ ८२ ॥ ती० ॥ कुलपरात्तवनसहाणो ॥ तिणेंअसुंदरकार्य
 कराणो ॥ जाण्युंहवइंतूमपास ॥ दिक्काथीउपसमहोयतास ॥ ८३ ॥ ती० ॥ आ
 पोजोग्यजोजाणो ॥ गुरुकहेयोग्यतणेंशिरगणो ॥ तजवाजोग्यसंशार ॥ किजेंल
 घुकारयनीरधारा ॥ ८४ ॥ ति० ॥ सेनकूमरकहेसाचा ॥ सूणोअमात्यगुरुनुंवाचा ॥ अ
 नुंमतीधोतूम्हेंसारी ॥ बोदयोतामअमात्यविचारी ॥ ८५ ॥ ति० ॥ विघनमहोयोरेतू
 मनें ॥ आठदिवसद्योमाग्यांअमनें ॥ अठाईमहोठवरेकीधो ॥ दानअतूजजाचकनें
 दीधो ॥ ८६ ॥ ती० ॥ राज्यठव्योनिजपुत्रा ॥ अमरसेनराषेघरसुत्रा ॥ शुतलगनेशुतवा
 रा ॥ शांतिमतीपणिसाथेंनारि ॥ ८७ ॥ ती० ॥ अमरगुरुमुखमंती ॥ शकुनसवेअनुंकु
 लनीपंती ॥ हरीसेनगुरुनेरेपासें ॥ दिक्कादेईनेंअतअन्यासे ॥ ८८ ॥ ती० ॥ अनुंकुमे
 सुत्रनेंकिरीया ॥ अर्थथस्योऊआगुणदरीआ ॥ तुलनाजिनकटपकेरी ॥ करेगु
 रुआणालहीयसलेरी ॥ ८९ ॥ ती० ॥ पांचप्रकारनीतेह ॥ तपनें १ सूत्र २ अ
 र्थ ३ गुणगेह ॥ एकांत ४ बल ५ पंचजाणो ॥ पाठांतरविजोपरमाणो ॥ ९० ॥

ती० ॥ यतः ॥ तवेणसूत्तेणअहेण ॥ एगंतेणबलेणय ॥ तूलणापंचहावुत्ता ॥
 जिणकप्पंपमीवस्यउ ॥ १ ॥ अत्रपाठांतरंविशेषावश्यके ॥ तवेणसूत्तेणसत्ते
 एगत्तेणबलेणय ॥ इत्यादी ॥ तत्रसावनापंचधा ॥ पूर्वढाल ॥ पहेलीउपा
 सरामांहि ॥ बिजीवाहिरधरतउगाहि ॥ त्रिजीचोकमांरहेतां ॥ चोथीसुनाधर
 मांसहेतां ॥ ए१ ॥ ती० ॥ पांचमीसमशानेजाशंसत्वसावनाइणीपरिथाय ॥ वृ
 हतकलपमांविस्तार ॥ जोज्योइहांथायग्रंथअपार ॥ ए२ ॥ ती० ॥ यतः ॥ पढ
 माउवस्सयंमी ॥ बियाबाहितइयाचउकंमी ॥ सुन्नहरंमीचउढी ॥ तहपंचमीया
 मसाणंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ किधीतूलनारेइम ॥ ढालेसंगसज्जस्युंप्रेम ॥ यामे
 एकजराति ॥ नगरेपंचरातीविख्याता ॥ ए३ ॥ ति० ॥ इकदिनविचरंताआया ॥ को
 ळागसंजिवेसेंमुनीराया ॥ काउसगगरह्याएकठामें ॥ प्रणमोएमुनीनीत्यसीरना
 मि ॥ ए४ ॥ ती० ॥ सातमेखंमेरेढाल ॥ बावीसमीसाषीसूरशांल ॥ समरादि
 त्यनेरास ॥ पद्मवीजयकहेधरीउल्लास ॥ ए५ ॥ तिणे० ॥ ॥ ५ ॥
 ॥ उहां ॥ राज्यविनाहवेरमेवमे ॥ नामविसेंनकुमार ॥ इणअवचारतिहांआवी
 उ ॥ धरतोद्वेषअपार ॥ ए६ ॥ मुनीवरदीगामोठिका ॥ पणिकोईकर्मप्रमाण ॥
 कोपेंचित्तमांकलकढयो ॥ बोलेइणिपरेवाणि ॥ ए७ ॥ दिठोवलिदुष्टिकरी ॥
 नहिंमुळपापनोपारा ॥ अथवाआअवसरसलो ॥ एकांकीअवधारि ॥ ए८ ॥ ए
 कांतेआयुधनही ॥ पोचामुंजमपाणि ॥ मनोरंथपुरुंसनतणा ॥ अथवामुळइं
 महाणि ॥ ए९ ॥ निजकुलपुत्रनेंनिरपतां ॥ कहोमाहंकिणरीती ॥ वधकरंस्वूं
 वलीअवसरो ॥ चाढ्योइंमधरीचित्त ॥ ७० ॥ ढाला ॥ पटोधरपाटीइंधारो ॥ एदे
 शी ॥ नवीकोईनेंव्यतीकरसाप्यो ॥ एद्वेपहैयामांराप्यो ॥ मुनीसमतारसचि
 त्तचाप्यो ॥ १ ॥ सवीजनवंदिइंमुनीसावे ॥ जिमसव २ पातिकजावे ॥ स
 दि ॥ एआंकणी ॥ देवकुलपीठीकाइंसुतो ॥ सूरजपेचांतरेंपोहोतो ॥ थयोरा
 तिनेंसागनिचंतो ॥ २ ॥ स० ॥ गयोखमगलेइंमध्यराते ॥ मुनीवरप्पसेएकां
 ते ॥ ध्याननीश्रवमुनीवरध्याते ॥ ३ ॥ स० ॥ एकअरतीनेंवीजुंअज्ञान ॥
 ज्वढ्योकोधनेंदिप्योमान ॥ काढ्युंखमगसूजंगसमान ॥ ४ ॥ स० ॥ कहे

सांत्तलिरैडराचार ॥ जिवलोकनयणेंअवधारि ॥ ऊंमारीसतूऊनीरधार ॥ स०
 ॥ ५ ॥ ध्यानमांनसूणेंमुनीराय ॥ पणिषेन्नदेवीतिणेंगय ॥ सूणेंगुणरागि
 णीचितलाय ॥ ६ ॥ स० ॥ विसेनकूमरनेंकोपी ॥ खमगवाहेजदालाज
 लोपी ॥ अपहरीलीइंदोषआरोपी ॥ ७ ॥ स० ॥ अंत्योवलीतेहजठाम ॥
 कहेधिगूसंक्केसपरीणाम ॥ अनार्यपणानोधाम ॥ ८ ॥ स० ॥ समसत्तुमि
 त्तमुनीएह ॥ वासीचंदनसमदेह ॥ तेउपरिकीमकरेएह ॥ ९ ॥ स० ॥ तूऊ
 मुखनवीजोवुंजार ॥ दयाआणीनेंमुक्योतिवार ॥ पणितिव्रकरमथयांलहार ॥
 ॥ १० ॥ स० ॥ नगणेंतेदेववचन ॥ फिरीमारणधाइंतन ॥ देवताइंजाणीशु
 तपन ॥ ११ ॥ स० ॥ लोहीवमतोनाप्योतास ॥ मुनीअवग्रहजाण्योपास ॥
 होतनालहीउठव्योतास ॥ १२ ॥ स० ॥ अवग्रहथीकाढ्योबाहिरें ॥ मुंक्यो
 वनमांजईत्यारें ॥ अदृश्ययादेवताज्यारे ॥ १३ ॥ स० ॥ पापनीपरणती
 जुउंमाहरी ॥ नविसकीउएहनेंमारी ॥ विसेनतेइंमवीचारी ॥ १४ ॥ स० ॥
 इमकरतोखूडतेध्यान ॥ अमरषधरतोअज्ञान ॥ थयुंनारकआयुबंधाणा ॥ स० ॥
 ॥ १५ ॥ अस्तिनिवेशथीदृढयाय ॥ क्रमेंकोईककालगमाय ॥ परीजनसऊ
 नीजघरिजाय ॥ १६ ॥ स० ॥ पीमाबऊसूषणीषमतो ॥ एकाकीमारगचल
 तो ॥ चोष्पीलाअटवीमांसमतो ॥ १७ ॥ स० ॥ सीद्धगृध्रआवणनेंकाज ॥
 मांससेलूंकरेतसव्याज ॥ मास्योतिणेंविसेणराज ॥ १८ ॥ स० ॥ मरीठगीन
 रगेंजायो ॥ मुनीआसातनफलपायो ॥ बावीससागरतसआयो ॥ १९ ॥ स० ॥
 हवेसेनरायअणगार ॥ पाळीसंजमनीरतीचार ॥ करीसंलेशणातजेआहार ॥
 ॥ २० ॥ स० ॥ प्रणमीवीतरागनापाय ॥ आदरेअणसणशुतगया ॥ प्रतीबंधरहीत
 नीरमांय ॥ २१ ॥ स० ॥ तावनाआराधीतावें ॥ देहपंजरमुंकीजावे ॥ नवमे
 थैवेयकेआवे ॥ २२ ॥ स० ॥ त्रीससागरआयुतास ॥ इमसत्तमसवसूविला
 स ॥ पित्तराईताईपणेंजास ॥ २३ ॥ स० ॥ सातमोकहोखंमरशाळ ॥ संवत
 अठारबेताळ ॥ जेठवदिठेठेवेवीसढाल ॥ २४ ॥ स० ॥ विजयसिंहसूरी
 ससवाया ॥ सत्यविजयसूसीसगवाया ॥ तससीसकपुरकहाया ॥ २५ ॥

त० ॥ तस्यीमावीजयगुह्याय ॥ जिनविजयवीबुधतसथाय ॥ सोतागीज
 नसूषदाय ॥ २६ ॥ त० ॥ तससिसमांउत्तमवीजयो ॥ जगमाहिजसजसवी
 जयो ॥ जसनामप्रसातेंदीजयो ॥ २७ ॥ त० ॥ समसदित्यनोएरास ॥ कहे
 पद्मविजयसूप्रकाश ॥ पुरेपासकल्याणजीआस ॥ २८ ॥ त० ॥ इतिश्री
 संविज्ञपक्षीयपंमीत्तप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विर
 चितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसेनवीसेनपितृव्यभ्रात्रौसप्तमोनरत्नवः
 समाप्तः ॥ तत्समाप्तौचसमाप्तोयंसप्तमःखंडः ॥ सप्तमखंडेसर्वगाथा ॥
 ॥ ७२८ ॥ श्लोक ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥

वधामणीकरीयपशाय ॥ ढोमोदींतीहांकारागर ॥ हरण्योजनपदचित्तउद
र ॥ १८ ॥ आणंदध्वजकिंवांधरसिरे ॥ पुजावीरचावेपरपरें ॥ घरिघरि
वाजेमंगलतूर ॥ रमणीगीतगाईससनुर ॥ १९ ॥ वधामणांलावेबहुलोक ॥
नाचेतरुणीजननाथोक ॥ रायदीश्वरुआदरतास ॥ कहेतूमकेरीटसीएषास ॥
॥ २० ॥ बळुआणंदमांगयोएकमाशा ॥ विविधउठवकरतांउल्लास ॥ नामठवेगुणचं
दकूमार ॥ अनुंकमेंकुमरसावलहेशार ॥ २१ ॥ सिखिकलाउंअनेकप्रकार ॥
लेखगणीतआलेखवीचार ॥ नाटिकगीतनेंवाजित्रयुत ॥ होराकाव्यनेंआर्या
जुत्त ॥ २२ ॥ प्रहेलीकामागधीकाश्लोक ॥ देषीअचरीजपामेलोक ॥ अय
नविधीवीधीअन्ननेंपान ॥ अष्टापदसमतालनुंमान ॥ २३ ॥ रमणीप्रतीक
र्मलकणनारी ॥ पुरुषतणालकणअवधारि ॥ हयगयगोएनेंकूकमतणं ॥ मेढ
लकणवलीजाणेंघणं ॥ २४ ॥ चक्रदंमणीअसीनेंठव ॥ कांगिणीचर्मल
कणकहेवत्त ॥ चंद्रसूरराजनाचार ॥ ग्रहनाचारअनेंप्रतिचार ॥ २५ ॥ मंत्र
तंत्रयंत्रकेरीवात ॥ व्युहप्रतीव्युहतणाअवदात ॥ स्वधाचारनांजाणेंमान ॥
नगरनीवेशजाणेतसथाना ॥ २६ ॥ हयगयसीकानेंधनुर्वेद ॥ धातूवांदवलीमणीना
सेदाबाहुदंममुठिअठिजुआवलितेजाणेंयुद्धनीयुद्धा ॥ सजीवनेंनीजिवउपाया ॥ ना
लिकारखेमशकुनरुतथाया ॥ २७ ॥ विषयप्रसंगसमयआविडा ॥ पणिकलासणवा
चित्तसावीजावलीआसनठेसिस्त्रिनांसूरका ॥ क्लिष्टकर्मउपसमीआंडरका ॥ २८ ॥
कन्यारूपप्रकर्षनदिठ ॥ तिणेंतसविषयप्रसंगअनीठ ॥ गुरुनेंउपजावतोआ
णंद ॥ साथेंचाकरनावहुटंद ॥ २९ ॥ नंदनवनउपमवनमाहि ॥ किंकाकरतो
अतीउठाहि ॥ पुण्यतणफलइंसोगवे ॥ दानयाचकनेंबहुउठवे ॥ ३० ॥
समरादित्यतणोएरास ॥ आठमेखंमेलिलवीलास ॥ पंढीत्तउत्तमविजयनो
वाल ॥ पद्मविजयकहेपेहेलीढाल ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥
॥ इहा ॥ जिवविसेणनारकजिके ॥ उदवत्योइणकाल ॥ संसरीउससारमा ॥
सहेतोडखअसराल ॥ ३२ ॥ अनंतरसवेतिणेंआचरुं ॥ कष्टतथाविधकाया ॥
वैताढ्यवारुपरवते ॥ अवतरीजतेआय ॥ ३३ ॥ रथनेंउरचक्रवावरम्य ॥ वि

द्याधरवरथाय ॥ असीधावाणमंतरईस्युं ॥ किधुंअनुक्रमेताय ॥ ३४ ॥ वा
 ध्योवयेवीद्याधरो ॥ रमतोरमतोरान ॥ मयणनंदननामैसलूं ॥ अयोध्या
 उद्यान ॥ ३५ ॥ तिहांआव्योतेततषीणे ॥ इणअवसरआवंत ॥ गुणचंद्रकूमर
 गुणीघणा ॥ चित्रकरणनिचित ॥ ३६ ॥ ढाल ॥ देशीआठेलाजनी ॥ दि
 ठोकूमरनेजाम ॥ पापउदयथयोताम ॥ सुंदरलाज ॥ ततषीणकोपेकलकल्यो
 जी ॥ ३७ ॥ चितवेचित्तस्युंश्म ॥ एपापीइहांकेम ॥ सूं ॥ कुणइखदा
 यकदेषीइंजी ॥ ३८ ॥ इहांकरवोस्योविचार ॥ माहूएदूष्टआचार ॥ सुं ॥ आ
 व्योनिकटकूमरनेजी ॥ ३९ ॥ कुमरनीहदिमांतेह ॥ आवीनशक्योएह ॥
 सूं ॥ तवांचितेइंहारहीहणंजी ॥ ४० ॥ रहीअदृश्यप्रकार ॥ विद्यासक्तिउदा
 र ॥ सूं ॥ तीषणसब्देतेषवुंजी ॥ ४१ ॥ सहजेंतजस्येप्राण ॥ श्मकरीते
 हअजाण ॥ सूं ॥ शब्दकरयोसैरवघणोजी ॥ ४२ ॥ वज्रप्रहारेजेम ॥ फू
 टेगिरीवरतेम ॥ सूं ॥ तोहिकुमरकोत्त्यानहीजी ॥ ४३ ॥ मित्रलक्ष्याति
 हांकोत्त ॥ तेहनेकरीथीरथोत्त ॥ सूं ॥ कोप्योअतीवाणमंतरोजी ॥ ४४ ॥
 अहोधीरजइणिकिध ॥ पापीइष्टप्रसीरु ॥ सूं ॥ फेरीपराक्रमदाषवुंजी ॥
 ॥ ४५ ॥ कंचनपादपनाम ॥ करीनाप्योसिरगंम ॥ सूं ॥ कुमरपुण्येंदूरे
 पम्योजी ॥ ४६ ॥ वाणमंतरदूत्ताय ॥ चिताइणिपरेंथाय ॥ सूं ॥ अहो
 पापीशकतीघणीजी ॥ ४७ ॥ अधिककरेमनषेद ॥ इणअवशरिथयोसेद ॥
 सूं ॥ खेत्रपालतिहादेवताजी ॥ ४८ ॥ वाणमंतरएदेव ॥ गमनरतीशुत्तटे
 व ॥ सूं ॥ तेदेषीबीहनोघणंजी ॥ ४९ ॥ विद्यानुंबलअद्वप ॥ नागेतेहअ
 जद्वप ॥ सुं ॥ विद्याधरवाणमंतरोजी ॥ ५० ॥ आव्यानयरमऊरि ॥ तेगुण
 चंदकूमर ॥ सूं ॥ इणअवसरिउत्तरापंथेजी ॥ ५१ ॥ पाटणसंषपुरथाय ॥
 शंषायनतिहाराय ॥ सूं ॥ कांतिमतीतसत्तारयाजी ॥ ५२ ॥ धुआरत
 नवतीतास ॥ मुनीपणपादेपास ॥ सूं ॥ रुपमनोहररतीसमीजी ॥ ५३ ॥
 कलालावण्यनिधान ॥ वरचित्ताअसमान ॥ सूं ॥ विधीइंधम्योकेनवीघ
 म्योजी ॥ ५४ ॥ चितवेइंणीपरेंमाय ॥ षोलावुंशुत्तगाय ॥ सूं ॥ प्रथवीव

ऊरयणेंसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसबलसूजाण ॥ जोवारूपविज्ञाण ॥ सू० ॥
 पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउंईणिरीति ॥ रूपकलापरतीत ॥
 सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकूमार ॥ करीचित्रांस
 फार ॥ सू० ॥ लावीमुफ्फेपामींजी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रे
 दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशट्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र
 माण ॥ गयादिशोदिशजाण ॥ सू० ॥ दिगानुपसुतबहुतिणेंजी ॥ ६० ॥ प
 णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकांयकजेलोग ॥ सू० ॥ तेचिच्याचित्राममांजी ॥
 ॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिगोगुणचंदकू
 मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअन्या
 सतोदेषीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥
 कुंअरनयरमांआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाई
 सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेषीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेखंढेढाल ॥ वि
 जीअतिहिरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेओतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ७७ ॥
 ॥ उहा ॥ चित्रमतीबोळ्योचतूर ॥ सूपणअदसूतसालि ॥ तेकहेदिठुंतोपरुं ॥
 एहमांनहीकोईआल ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीइंकहोकेम ॥
 पद्मढंदोनवीनिपजे ॥ अमनेंखेदठेंइंम ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलूं ॥ अ
 मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूंएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव
 तीपरंनित्यरही ॥ प्रतिढंदकरूपांण ॥ सूपणकहेएसावतूं ॥ जोपणिडःकरजा
 णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुरुप ॥ आलेषीनेंआपणे ॥
 अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीबादली ॥ एदेउी ॥ चित्रका
 रसूतमिसथई ॥ जईमीलीइंराजकुमार ॥ सूपणकहेरुमोकस्यो ॥ मिलवानो
 एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तूम्हबुधीतणोनवीपामीं
 वरपार ॥ एआंकणी ॥ इमकरतांमालिमथस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥
 नयरमांपेठाइंसकरी ॥ पटआलेषीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशोंगया
 जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणथीबेसीहवे ॥ पटकाढ्योहरषीतवयण ॥
 देषामीकहेशंणिपरें ॥ शंषपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥ तूम्ह
 गुणसांसलीआवीआ ॥ दिठाजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाथतूमहेअगो ॥ पण
 अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवअमेजाणीं ॥ तेतूमपय
 सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचंद्रकुमारगेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
 एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसंपूरणहोय ॥ चित्रकर्मएहउपरि ॥ जगमान
 वीदिशेंकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईंनदिगोएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
 मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ शतपत्रधस्युंसूविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ मयण
 घरिणीमानुंचित्रमां ॥ रहेतीहरतिअमचित्त ॥ दानवमानवदेवमां ॥ एहवी
 नारीहोशंकिममत्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपदावण्यरतीसमुं ॥ तूमेनीपुणप
 णंकस्युंजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितमातएठेचोर ॥ ८१ ॥ स
 लो० ॥ तेहकहेनीपजावीजरे ॥ विधींजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुणाईपणं ॥
 कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तूमेकिहां
 दिवुंएरूप ॥ त्रिसूवनविस्मयउपजे ॥ तेसापोताससरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
 तेकहेसांसलोकुमरजी ॥ संखपुरेंसंखायनराय ॥ तेहनीएठेकुंअरी ॥ रंसा
 षणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामैकरी ॥ कंदर्पमहोठवमांदि
 ठ ॥ जंपानेवेठीयकी ॥ शिरठत्रधस्युंसूविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ बझसरवी
 उईंपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेपोहोताघरे ॥ किधोसंसारी
 आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसुंदरपणं ॥ विश्वकर्माईनलिखा
 य ॥ तोमुरषजनैवचनथी ॥ कहोकिणीरीतैकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मद
 नवसेंगुणचंद्रजी ॥ ययापणिगोपविआकार ॥ कहेकांयप्रणउत्तरकहो ॥
 तवबोल्यातैहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्युंदिशंकामिनीकूणनम्या ॥ हरनें
 विषधरकरेकांय ॥ चंद्रमानीजकीरणैकरी ॥ स्युंधवजकरैकहोराय ॥ ८९ ॥
 ॥ सलो० ॥ एकेशब्देच्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहोतेह ॥ नहंगणासोयंकहे ॥
 गुणचंद्रकुमरधरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिबा ॥ तूमजहण

वेगअतीशार ॥ कुमरकहेबिजुंकहो ॥ कांयप्रणतेअतिहिउदार ॥ ११ ॥
 ॥ सलो० ॥ बोल्योविलासबुशीतदा ॥ स्यूरयमांहायप्रधान ॥ बुशीबलेकुणलो
 कमां ॥ जितेधरतोअस्तीमान ॥ १२ ॥ सलो० ॥ स्यंकरतीबालाकहो ॥ ने
 उरनोशब्दकरंत ॥ हसीतवदनकुमरतदा ॥ चक्रमंतीश्मवदंत ॥ १३ ॥ स० ॥
 अहोअतीसयतूमबुशीनो ॥ ईत्यादिकप्रणजबाप ॥ सूषणप्रमुषनावालीआ ॥ स
 ऊरीऊयानीजचित्तआप ॥ १४ ॥ सलो० ॥ यंथविस्तारनासयथकी ॥ नवी
 कीधोईहांपरपंच ॥ कुअरपणिपरमोदथी ॥ अंग२थयोरोमांच ॥ १५ ॥
 ॥ सलो० ॥ धनदेवनामसंनारीनें ॥ करेऊकमतेलाखदिनार ॥ आपोईणिपरे
 सांसलो ॥ करीतहत्तिनेंकरेविचार ॥ १६ ॥ सलो० ॥ सोलाकुमरदानेसरी ॥
 नविलाखविनादिइंदांन ॥ पणिनवीजाणेंकेहुं ॥ लाखकेरुंहोस्येमान ॥
 ॥ १७ ॥ सलो० ॥ कुमरनेआगेढगकरुं ॥ तवजाणेंलाखप्रमाण ॥ फिरीथो
 मास्येककाममां ॥ नवीसाषेएहवीआणि ॥ १८ ॥ सलो० ॥ इमविचारीढग
 कस्यो ॥ तवपुढेएस्यंकुमार ॥ तेकहेचित्रकरसूतसणी ॥ देवराव्युंदानतेसा
 र ॥ १९ ॥ सलो० ॥ कुमरविचारेएहनें ॥ सासेढेदानअपार ॥ तिणेढगमुऊ
 देषावीनें ॥ कहेढेजेदाननीवार ॥ २० ॥ सलो० ॥ जाणेढेइमधनतणो ॥
 हलुंइं २ होइंनास ॥ पणिएहनीजुउमुंढता ॥ एकांतिवाह्यनीआशि ॥ २१ ॥
 सलो० ॥ त्रिजीआठमाखंदनी ॥ कहीपद्मविजयवरढाल ॥ वलिकुमरनांव
 यणमां ॥ सृणज्योसवीरंगरसाज ॥ २२ ॥ सलो० ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

वुंमठराय ॥ ८ ॥ एस्युंलाषतेएतला ॥ अल्पजदिशेआम ॥ दोयलाषतिऐ
 दिजीं ॥ तहत्तिसणेतताम ॥ ९ ॥ चित्रमतिसूषणचिंते ॥ चितमांकरेविचा
 र ॥ अहोउदारताएहनी ॥ अहोबुद्धिअवधारि ॥ १० ॥ उहासोरठी ॥ प्र
 णमीकुमरनापाय ॥ धनमोकलेधारीकरी ॥ जोरआवासंजाय ॥ चित्र
 मतीसूषणचतूर ॥ ११ ॥ ढाल ॥ कपुरहोइअतीउजलोरे ॥ एदेउरी ॥
 कालनिवेदीवयणथीरे ॥ श्रीगुणचंदकुमार ॥ जाणिमध्याङ्गनेउठीआरे ॥ जा
 यमङ्गनघरद्वारिरे ॥ १२ ॥ प्राणीपुण्यतणंफलजोय ॥ पुण्यथीसवीसूखहो
 यरे ॥ प्राणी० ॥ एआंकणी ॥ कनककलसगंधोदिकेरे ॥ मङ्गनप्रमुखअओ
 स ॥ कामकरेचित्तईठतारे ॥ रतनवतीसुवीशेषरे ॥ १३ ॥ प्राणी० ॥ एकांते
 शब्दारक्षारे ॥ चितवेअहोसानारि ॥ कन्याढेएकारणैरे ॥ करवोएहस्युंप्यार
 रे ॥ १४ ॥ प्राणी० ॥ तेहमांडषणकोनहीरे ॥ इणेंअवसरेंसङ्गमीत्त ॥ विज्ञा
 लबुद्धिप्रमुषआवीआरे ॥ मांफ्योविनोदसुंचित्तरे ॥ १५ ॥ प्रा० ॥ विद्याधर
 विद्याधरीरे ॥ आलेप्यांअदसूत ॥ नवनवांआसूषणरच्यांरे ॥ देषामेआकूतरे
 ॥ १६ ॥ प्रा० ॥ अस्तीनवनेहनेंसूचवेरे ॥ दृष्टिपरस्परस्नेह ॥ प्रेमआरोहोअंग
 मारे ॥ दिसेपरगटतेहरे ॥ १७ ॥ प्रा० ॥ चित्रमतीसूषणतदारे ॥ आव्यातेह
 जठाम ॥ दिठाकुमरनीरपतारे ॥ पेचरयुग्मअस्तीरामरे ॥ १८ ॥ प्रा० ॥ गुली
 इषरम्याकरवलीरे ॥ देषीप्रणमीतेह ॥ कहेएस्युंमहाराजीआरे ॥ कुमरकहे
 जुउएहरे ॥ १९ ॥ प्रा० ॥ देषीचमक्याचित्तमारे ॥ सर्वकलासावधान ॥ चि
 त्रमांसावदेषामवोरे ॥ मुसकलढेतेहतानरे ॥ २० ॥ प्रा० ॥ चित्रसास्त्रमांइमक
 हेरे ॥ जासनलहीइंचरीत्र ॥ वातकक्षाविणचित्रनोरे ॥ जाणींसावपवीत्ररे ॥
 २१ ॥ प्रा० ॥ तेहजचित्रकरधुरकक्षोरे ॥ इणसमेंथयोवीयाल ॥ कालनी
 वेदीबोलीजेरे ॥ संध्यासमयसंतालिरे ॥ २२ ॥ प्रा० ॥ संध्याउपरिनेहथीरे ॥
 अस्ताचलरवीजाय ॥ संकेतथानकनीपरैरे ॥ सूरगीरीगुंजमांठायरे ॥ २३ ॥
 प्रा० ॥ कुसूमसूगंधतेविस्तस्थोरे ॥ पुजेरमणीअनंग ॥ दिपज्योतीपरगटथई
 रे ॥ सांतलीतेहसूरंगरे ॥ २४ ॥ प्रा० ॥ गुरुपदनमनसमयथयोरे ॥ उठ्या

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणैरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकारे ॥ २५ ॥
 प्रा० ॥ मावित्रेवकुमानीउरे ॥ गयानीजवाससूचन ॥ आविनिद्राअवसरेरे ॥
 रतनवतीस्युमन्नेरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदितुंसूपनमारे ॥ दिव्यकुसुम
 नीमाल ॥ आनीकोईकईमकहेरे ॥ ल्योएअतीशुकमालेरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥
 तुममनगमतीएहवेरे ॥ सांसलीधरीनीजकठ ॥ तूरप्रसातनांवाजिआरे ॥ जा
 ग्योधरीजतकठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीबोलीउरे ॥ करतोतिमीरविना
 स ॥ चक्रवाकडखटालतोरे ॥ करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादि
 कसुणीहरषीउरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥ अन्यथासुपननपरीणमैरे ॥ मंगलशब्द
 शनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रसाव ॥ गुरुप
 दवंदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतावरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमी
 करीरे ॥ बेठाजबनिजठाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोष्टिचतूर्थगुढथाय
 रे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिबोड्यो ॥ यतः ॥ सुरयरमणस्सरईहरे ॥ ए
 यंबंसभिरंवधुधूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरी
 साषीउरे ॥ फिरीसाष्युंतिणैजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणीनीवारेआ
 मरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणस्सकरंनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्व
 ढाल ॥ विशालबुद्धिकहेरूयमैरे ॥ पुस्यूपदतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरं
 रे ॥ पुरोपदईणगमिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यतः ॥ सावियरईसाररसा ॥ समा
 णितुंमुक्कबहलसिक्कारा ॥ नतरइविवरीयरयं ॥ कुमरबोड्यायथा ॥ एयंव
 साराससासामा ॥ २ ॥ सूपणबोड्यो ॥ विजलमीमजलियती ॥ घणविस्संस
 स्ससामिणीसुंचिरं ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरबोड्या ॥ विसमईउर
 म्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ इमकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेईणिपरंप्रति
 हार ॥ सूपबोलावेतूम्हसणीरे ॥ रहेवामीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुक्रमे
 कुमरगयातिहारै ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवाशमारे ॥ शेषक
 त्यकरेगेरे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इमविनोदकरतांथकारे ॥ केईदिवसवहीजाया
 एकदिनरतनवतितण्हेरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ चोथीआठ

माखंमारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ सूणतांग
 लमालरे ॥ ३८ ॥ प्रा ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ इहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपारा ॥ उत्सूकजोवाअलजयो ॥
 नयनेतेनीरधार ॥ ३९ ॥ ॥ हेठिलिखीगाहावली ॥ इणअवसरितिहां
 आय ॥ सूषणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुश्चितलाय ॥ ४० ॥ विस्मयलहीवां
 चीतदागाहागुणसंनारा ॥ धन्यकूंअरीनृपनीधुआ ॥ करेजसचाहकुमार ॥ ४१ ॥
 अचरीजअथवानहीइहां ॥ जेबहुमानवाजोग ॥ देवीनेंजईदापीइं ॥ सुसमी
 लीउंसंजोग ॥ ४२ ॥ बुद्धिंततवबोलीउ ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ पणढोए
 अपूर्व ॥ अहोमुजअचरीजथाय ॥ ४३ ॥ दिगविणएदाषवी ॥ सूषणबो
 द्योसाय ॥ एतादशठेएहमां ॥ कूननविलिखीउंकांय ॥ ४४ ॥ ढाल ॥ मनमो
 हनमनमोहनपावनदेहनीजी ॥ एदेरी ॥ इणेंअवसर २ प्रतिहारआवीउंजी ॥
 नृपसायुं २ तेसूणींकुमारहो ॥ विश्वसूती २ गंधरवआवीउंजी ॥ तूमदरि
 सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ४५ ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ ए
 आंकणी ॥ कहेकुंअर २ तेमोकलोवेगस्युंजी ॥ तिणेंमुंक्यो २ आव्योताम
 हो ॥ करीमुजरो २ नेपासेंउपविसेजी ॥ कहेसूणिइं २ वाततेआमहो ॥ ४६ ॥
 स्वा ॥ नृपसाषे २ इणपरेंतूमहसणीजी ॥ गंधर्व २ विचारसंदेहहो ॥ पनी
 उ २ तेगुणचंद्रढालस्येजी ॥ सूणिहसीआ २ कुमारतेरेहहो ॥ ४७ ॥ स्वा ॥
 सूतनोजुउं २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवइंमहो ॥ गुणआदर २
 जाणोपणिनहीजी ॥ सूतमात्रे २ नृपनोंप्रेमहो ॥ ४८ ॥ स्वा ॥ चित्रमतिनें २ सू
 षणदोयकहेजी ॥ परीवात २ कहीठेएणहो ॥ कहेकुमार २ चालोआणकह
 जी ॥ उठिचाट्या २ विनइंजेणहो ॥ ४९ ॥ स्वा ॥ बिहुंहरप्या २ निज
 सवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवुं २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरनुंआले
 षीनेंजी ॥ कहेसूषण २ चालोगायहो ॥ ५० ॥ स्वा ॥ चित्रमतिकहे २
 कहीनेंजायतांजी ॥ स्युंथाइं २ तवकहेतेहहो ॥ नवीजावा २ दिइंतूमनेंकि
 मेंजी ॥ चित्रमईकहे २ सांचुएहहो ॥ ५१ ॥ स्वा ॥ आलेप्युं २ रूपकु

मारनुंजी ॥ कुमरेजे २ लिखिउंहाथिहो ॥ अयोध्या २ मां हिथीनीकल्याजी ॥
 लेईबिऊई २ पट्टिकासाथिहो ॥ ५२ ॥ स्वा० ॥ शंषपुरीई २ पोहताअनुं
 क्रमेंजी ॥ कस्योधुरथी २ कूमरयत्तांतहो ॥ सृणीराणी २ बिऊरूपदेवीनेंजी ॥
 चित्तहरषी २ तेहएकांतिहो ॥ ५३ ॥ स्वा० ॥ दानदिधुं २ ताससंतोषनुंजी ॥
 रूपजोई २ करयविचारहो ॥ अहोरूप २ अवस्थानकेहवुंजी ॥ अहोअतीश
 य २ देहआकारहो ॥ ५४ ॥ स्वा० ॥ रत्नवतीना २ रूपहेठलिलिखीजी ॥ जे
 हगाहा २ वांचीतिहो ॥ मनचिंते २ माहरीधुआजी ॥ इमई २ चित्तस्युंएहहो
 ॥ ५५ ॥ स्वा० ॥ मोकलीउं २ रूपकुमारनुंजी ॥ कूमरी २ नैपासेतामहो ॥ स
 र्वीमयण २ मंजुषातिहांगईजी ॥ चित्रपट्टिका २ दाषीजामहो ॥ ५६ ॥ स्वा० ॥
 कहेकुमरी २ एस्युंकेहोजी ॥ मोकल्युं २ तूममाईएहहो ॥ कहेवराव्युं २ ठेए
 सीषज्योजी ॥ कहेकुमरी २ कोहनोएलेहहो ॥ ५७ ॥ स्वा० ॥ तेबोली २ कांय
 जाणंनहीजी ॥ एइइ २ होस्येइमजाणिहो ॥ सहसनेत्र २ कहेसातेहनेंजी ॥
 तेबोली २ होस्येनाराणीहो ॥ ५८ ॥ स्वा० ॥ कृष्णवरणें २ तेठेतवकहेजी ॥ स
 खिवोली २ त्यारेंहोस्येचंदहो ॥ साताषे २ कलंकठेतहनेंजी ॥ सपिताषे २ कंद
 पंअमंदहो ॥ ५९ ॥ स्वा० ॥ बोलीरयण २ वतितेहबोलीउंजी ॥ महादेवई २
 कहोकीमहोयहो ॥ सषीताषे २ कहोतूमेआपथीजी ॥ अपुरव २ दरसनकोय
 हो ॥ ६० ॥ स्वा० ॥ कहेरयण २ वतीएनरअजेजी ॥ चढतीवय २ रूपसंभा
 रहो ॥ निकलंकी २ सोवनकांतीजेजी ॥ नेहालां २ नयणअपारहो ॥ ६१ ॥
 ॥ स्वा० ॥ बोलीमयण २ मंजुषासलूंकल्युंजी ॥ एहमांनही २ कांयसदेहहो ॥
 ऊंतोजाणं २ एतूम्हवरकस्येजी ॥ कोईएहवे २ कहेनिःसदेहहो ॥ ६२ ॥ स्वा० ॥
 हरषीते २ सांसलीशकुननेंजी ॥ आलेख्यो २ प्रतिबंदतेहहो ॥ कहेसखीनें २
 मातनेदाषवोजी ॥ सीषीके २ नहीकहोएहहो ॥ ६३ ॥ स्वा० ॥ जईदाण्युं २
 तवघणंहरषतीजी ॥ निजधुआ २ धन्यविन्नाणहो ॥ आलेषी २ कूमरेजे
 कूमरीजी ॥ लावीमुंकी २ तिणेंतसगणहो ॥ ६४ ॥ स्वा० ॥ अनुंरूप २ युग
 लदेषीकरीजी ॥ मनहरषी २ राणीकहेइमहो ॥ कहोरतन २ वतीनेंएठीकठे

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युं प्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुळनेपणि २ इणि
 परेंकुंअरेंजी ॥ आराधी २ ठेअनुरुपहो ॥ चित्रपट्टी २ काबिऊइमोकलीजी ॥
 तिणेंपणीजइ २ कस्युंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली २ म्हेंजेतूमक
 सुंजी ॥ राजकुमर २ तूमारेंजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेषीइजी ॥ ए
 हजोगें २ कोनवीशोगहो ॥ ६७ ॥ स्वा० ॥ पढढंदो २ देषीतूमतणोजी ॥ जु
 उंकेही २ रितेंकस्युरुपहो ॥ जाणुंनीश्रय २ मिलस्येंएहस्युंजी ॥ पाणीग्रहण
 २ जोगअनुंपहो ॥ ६८ ॥ स्वा० ॥ पांचमीकही २ ढाळएआठमेंजी ॥ खंमेरुनी
 २ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयकपाथकीजी ॥ पद्मविजयें २ ह
 र्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥ कुमरीचितेंकिहांथकी ॥ मीळवुंएहस्युंमुळ ॥ मंदसाग्यजेमांनवी ॥
 सुरमणीनवीहोइसुळ ॥ ७० ॥ अंबकफूरकयूंइणिसमें ॥ वामाकेहूवा
 म ॥ तूष्टमांनथइतेतदा ॥ कहेमुळसरीउंकाम ॥ ७१ ॥ मातळकमथी
 माननी ॥ करेआवश्यककर्म ॥ सोजनकरीचित्तसावतूं ॥ हरषेंरहेतीहर्म
 ॥ ७२ ॥ पढीढंदोलेइपाणिमां ॥ वदेअहोअंगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनि
 रषीइ ॥ अहो २ सर्वअन्यास ॥ ७३ ॥ इमकेश्वासरअतीक्रम्या ॥ गुणचंद
 पणिइमग्यान ॥ करतांदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ ७४ ॥ ढाळा
 सूरपतीसेवीतत्रीसूवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेंमैत्रीवलनरवरु ॥ परस्परेंवात
 मनोहरु ॥ मनांचितवेतवसूपाळ ॥ एयोग्यवातसूरशाल ॥ ७५ ॥ चुटक ० ॥
 योग्यवातरसाळजाणी ॥ कुसलनरनृपमुंकीआ ॥ रत्नवतीपणिकुमरकेहूं ॥
 ध्यानकबळुनचुकीआ ॥ ७६ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वठांमीतेणि
 इ ॥ रातिदीनउदवेगकरती ॥ शून्यताकरीजेणीइ ॥ ७७ ॥ षायवगासांअं
 गमरमे ॥ आवीतीहांमदनमंजुआ ॥ चिरंजीवतूंस्वामीनीहे ॥ सफलमनोरथ
 संजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकसुंम्हेतिमनीपनुंठे ॥ वरतूम्हारोएथस्ये ॥ कटिसूत्र
 आपीसांसलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ ७९ ॥ कहेमयणमंजुआतूमकनें
 थी ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीसूषणबिऊनें ॥ दिठाताससकासए ॥ ८० ॥

मुकुटहेराणीजाउकुमरी ॥ पाससापोईणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥
 कुमरगुणचंदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंठेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥
 किमअसंबद्धएहसाषे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥ ८२ ॥ राणीकहेआ
 राधीउतीणें ॥ प्रजापतीतूगेघणं ॥ तिणेंजोगमिद्व्योएसूणीने ॥ दिईआ
 सरणआपणं ॥ ८३ ॥ परमोदसरथीचिंतवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह
 सव्वसूणीसंतापह ॥ आपदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवंदीआवली ॥ दा
 नदिईमहारायए ॥ इमनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरबेंजायए ॥ ८५ ॥
 अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमासेंतेहपोहतो ॥ जा
 णेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबंधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा
 त्रनाचेदानदेवे ॥ जनमैनवीषुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रतंमारमांथी ॥ काढे
 आसूपणघणां ॥ घोटकशाळातिमसणगारे ॥ रथध्वजामंजीततणा ॥ ८८ ॥
 लगनशुसजोवराव्युंसलेखां ॥ देवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमंगलवाजीत्रसूणतो ॥ व
 दिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ इमखंमआठमेढालढी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥
 पद्मविजयेकहीरुनी ॥ सूणतांलीलविजासए ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥
 ॥ इहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ द्विपेतस
 दिदार ॥ आदित्यअस्तीनवउपनो ॥ ९३ ॥ ठाल ॥ केसरीयाचढोवरघोमे ॥
 सासनप्रतिवंदनजईई ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरवेगोसोहे ॥ लोकतणां
 चित्तमांअतीमोहे ॥ चंदसूरकामरामकेंकोहेंकें ॥ ९४ ॥ केसरींवागेवि
 राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्युंठाजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविशालबु
 क्षिमुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमंगलगीतकहेहके ॥ ९५ ॥
 ॥ के० ॥ नयररामाअस्तीनंदनाकरती ॥ चोकिं २ जोवेसंचरती ॥ गु
 णचंदनागुणगावेफीरतितो ॥ ९६ ॥ के० ॥ आन्यतोरणमंमपमाहिं ॥
 उतरीआकरीवरथीउगाहिं ॥ सासूकरेपुषणांविधीत्यांहितो ॥ ९७ ॥ के० ॥
 दिठिचित्रतणेंअणंहार ॥ रतनवतीनुरुपअपार ॥ अधरवीवीफलसममनो
 हारतो ॥ ९८ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्युंकुचराजे ॥ विस्तीरणनितंबजगा

जे ॥ मुषदेषीशसधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥ करपदतलशोणीतसम
 राता ॥ सर्वअंगगुणजगविख्याता ॥ लूणमांकरेलोकविधातातो ॥ ९८ ॥ के० ॥
 सर्वअंगेघणंदेषणजोग ॥ चित्तवादीजुइमुनीवरलोग ॥ देवतांजाइसघला
 शोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देवीहरष्योचित्तमफारि ॥ पाणिग्रहणकरेंशुसवा
 र ॥ मंगलसमीआंहर्षअपारके ॥ १०० ॥ के० ॥ दिनकरआथमीउससीउ
 गो ॥ लेईवधुवाससूवनेपुगो ॥ साथेवधुसखीपरीवृत्तरुगोके ॥ १ ॥ के० ॥
 कालथोमोरहीसहीसऊजाइ ॥ अंगअंगिमलिकीमाकराइ ॥ सूपसंशारतणां
 विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखनिद्राकरतांगईराति ॥ मंगलतूरवाजेपरसा
 ति ॥ कमलिनीतामवीकश्वरयातके ॥ ३ ॥ के० ॥ प्रातआवश्यककिधांकां
 म ॥ चादयाउद्यानजोवाअसीराम ॥ क्रिमाकरीआव्यानिजठामके ॥ ४ ॥
 के० ॥ देवपुजासोजनवीधीशारी ॥ साथेरतनवतीनीजनारी ॥ सोगवेसूखव
 रडुखनीवारीके ॥ ५ ॥ के० ॥ इमकरतांकेईदिनवहीजाया ॥ एकदिनहवेबलमैत्रीरा
 या ॥ विग्रहरायनीजसेवकप्रायके ॥ ६ ॥ के० ॥ आणिनमानेंतेनीजस्यामी ॥ सेनुमो
 कलेतामउदाम ॥ जित्योविग्रहकरीसंग्रामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योब
 लमैत्रीसूप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुप ॥ जाण्युकूमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
 के० ॥ सीहउपरीनवीगजेसीआलातेहसीआलसमोसूपाळ ॥ कहेचपनेंइमव
 यणरशाळके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिणेंतुमेतातजीद्योमुळआणि ॥ जिमतुमकोप
 अंगनीनेंठांण ॥ थायपतंगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिशतवल
 सकरसाथि ॥ कूमरकहेसांतलो नरनाथा ॥ खोलाणोविग्रहसऊसाथके ॥ ११ ॥ के० ॥
 जबलगेंजीतूनएहनरिंद ॥ तबलगेंतातपरासवदंद ॥ किमकहंविषयसंगसू
 खकंदके ॥ १२ ॥ के० ॥ इमचितीमुंकीतीहांनारी ॥ लेईलसकरकिधीअसवारी ॥
 एकमासेपोहोतोअवधारिके ॥ १३ ॥ के० ॥ आव्योकूमरविग्रहइमजाणी ॥
 गढरुहोकरिवेठोताणी ॥ कूमरेंविद्योजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
 विणसंसलवेतामकूमर ॥ विग्रहउपरिरोसअपार ॥ एहचाकरनोस्योठेसा
 रके ॥ १५ ॥ के० ॥ बलीउनाथअठेनीजपास ॥ तिणेंसऊसेनाधरीअउद्धा

स ॥ मांन्योजुश्चअत्तग्रसरासके ॥ १६ ॥ के० ॥ डर्वलेतेनवीजीताई ॥ तो
 हिमानथीअधीकसराई ॥ महासंग्रामकरेचित्तलायके ॥ १७ ॥ के० ॥ जा
 णीकूमरहवेकहेवरावे ॥ मतकरोजुश्चतूमेइणदावे ॥ एहनोयलविनाजयथावे
 के ॥ १८ ॥ के० ॥ जाणीअशाध्यपेठोकोटमांहि ॥ विटयोठेचोकफेरएप्रां
 हि ॥ नाससेएकहोकेणेरहेके ॥ १९ ॥ के० ॥ वाहलाप्राणथकीतूमोराय ॥
 तेहविनाससहजमांथाय ॥ एपणिसूपनेसेवकठायके ॥ २० ॥ के० ॥ नीती
 मांपहेलीसामवषाणो ॥ जुधकरणनोनहीएहटाणो ॥ स्वामीसेवकसंबंधपी
 ठाणोके ॥ २१ ॥ के० ॥ अविनयनाशनोकीधोउपाय ॥ तिणेंपराक्रयएह
 स्थूनवीथाय ॥ माहरासमतूम्हनेदेईसायके ॥ २२ ॥ के० ॥ हवेमतकरज्यो
 एहवुंकांमातेहकहेजिमतूम्हकहोस्वामि ॥ तिमहीजकरस्थूंप्रसूसिरनामीके ॥
 ॥ २३ ॥ के० ॥ आठमेखंमेएसातमीढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्यविशाल ॥
 सांसलतांहोयमंगलमालके ॥ २४ ॥ के० ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥ विशालबुद्धिनामेंवली ॥ इणिपरेंकरेउपाय ॥ राजपुत्रनेरीफिस्थूं ॥
 वेहेंचीदीइवताय ॥ २८ ॥ चोकिमुंकीचिऊंदिशें ॥ रूंधेंआहारनेनीर ॥ केई
 कदिनइमकाठिआ ॥ धरतोसाहसधीर ॥ २९ ॥ इणअवशरतिहांआवोउ ॥
 वाणमंतरवनमांहि ॥ रहवाजीरमतोकुंमर ॥ देषीउपनोदाह ॥ ३० ॥ अहो
 गुरुताएहनी ॥ विर्यवंतविशेस ॥ मुळशरिषोपणिमारवा ॥ अवशरनलहे
 अशेस ॥ ३१ ॥ पणिइखदेवापाधरो ॥ एअवसरठेआज ॥ इमविचारीआ
 वीउ ॥ विग्रहपासेव्याज ॥ ३२ ॥ प्राशादतलेवेठोप्रगट ॥ विग्रहकरेवषाणो
 किमआव्यापुठेकहो ॥ बलतीबोलेवाणि ॥ ३३ ॥ मलयजावाअमेंमांजीउ ॥
 दिठोविचमांदाव ॥ गुणचंदवयरीमुळगणो ॥ तुळपणतेहजमाव ॥ ३४ ॥ उ
 दयस्वमायनएहनो ॥ साहाज्यकरूंतूळसाच ॥ नयणेंआजएनिरषीउ ॥ मन
 मांतुंढवईमाच ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ तुम्हेतोसलेविराजोजीसंखेसरकेवासीशाहिव
 सलेविराजोजी ॥ एदेशी ॥ तुमेतोसलेपधारयाजी ॥ देवांसीकोईदीशो ॥ तुमेतोस
 लेपधारयाजी ॥ एआंकणी ॥ एहवुंजाणोसाहाज्यजकीजे ॥ तोकरीईइमका

म ॥ विग्रहकहेमुक्तीहांजईमुंको ॥ गुणचंदनूंजीहांगंम ॥ ३३ ॥ तू ॥ र
 यणीमाहिंकरवुंएहवुं ॥ वाणमंतरकहेतांम ॥ एतोआयतमाहरेदीसे ॥ जास्ये
 जवदोजाम ॥ ३४ ॥ तू ॥ च्यारजणास्यूसझायईने ॥ विग्रहरहीउजाम ॥
 विद्यापरसावेंपणजणने ॥ लेईचाट्योधरीमाम ॥ ३५ ॥ तूमे ॥ गुणचंदश
 ज्यापासेमुंक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचंदनेबोलावेएहवे ॥ विग्रहधरीअ
 हंकार ॥ ३६ ॥ तू ॥ मुळसाथेंतूवयरकरीने ॥ किमसूतोसूरवमांही ॥ करी
 करवालकरेंउठीने ॥ सुणीजाग्योउठाहि ॥ ३७ ॥ तू ॥ उठिनेकुंअरतवबो
 ट्यो ॥ सलो २ व्यवसाय ॥ खडगलीइकरमांशणेंअवसर ॥ अंगरदकतिणें
 गय ॥ ३८ ॥ तू ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहने ॥ वारेतामकुमार ॥ मत
 परहारकरेज्योकोई ॥ साहरासमंशणवार ॥ ३९ ॥ तू ॥ रहेज्योसाषीतुमेई
 णसमं ॥ झंकरस्युंसंयाम ॥ शिणअवशरवाणमंतरषणें ॥ दिइपरहारउद्दाम
 ॥ ४० ॥ तू ॥ मारि २ करतोतिमविग्रह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांख्यांश
 सळमोळतिणें ॥ पणिवंचावेकुमारा ॥ ४१ ॥ तू ॥ पुन्यषबलनेकलाकुशलबली ॥
 उतकटबलपरीणाम ॥ सिंहकिसोरपरेंकरीवरने ॥ किधासझविणधाम ॥ ४२ ॥
 ॥ तू ॥ उपगारीविग्रहनेजाणी ॥ नवीकिधोपरीहारा ॥ जालीकेशनेनांप्योहेठो ॥
 झुंतेजय २ कार ॥ ४३ ॥ तूमे ॥ विग्रहतोपरीवारनेजते ॥ कुमरतणोपरीवा
 र ॥ कोलाहलउपनोतवनागो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ ४४ ॥ तूमे ॥ वाणमं
 तरचितेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इ
 णिपरेंपणिनमराय ॥ ४५ ॥ तूमे ॥ पणिअयोध्यानयरेजाई ॥ संतलावुं
 परीवार ॥ गुणचंदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिस्येअपकार ॥ ४६ ॥ तू ॥
 इमविचारीचाट्योतीहांथी ॥ इणसमेकहेकुमार ॥ उठि २ महापुरिसकरेले ॥
 हरषधरीहथीआर ॥ ४७ ॥ तूमे ॥ इमकहिनेमुंक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
 व्योतेह ॥ कहेमुखवीवलींशिणपरेंवांणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ ४८ ॥ तू ॥
 तूमसाथेंहवेमुळनेनघटे ॥ हाथेंलेवाहथीआर ॥ पूर्वस्वामीहवणांजीत्यो ॥
 बळतूमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तूमे ॥ तुमवसतुपणितूमनवीमास्यो ॥ मास्यो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५० ॥ तूमे० ॥
विग्रहकहेस्थूंमुळवषाणो ॥ ऊंपापीसीरदार ॥ ऊऊंसाषेस्थूंकहोहोवे ॥ सां
सलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ ऊकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि
णीपरेमुळ ॥ मुळकापुरुषनीचेष्टादेशो ॥ घणेंरस्थूंकऊंतुळ ॥ ५२ ॥ तू० ॥
कुमरकहेकापुरुषगेरुना ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेनवीमाख्यो ॥
बलिअजगाम्योआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असंबधबोलोनहीमुखथी ॥ मुळने
दिधाप्राण ॥ तिणेंसूरवधिपणिमेतूममूंक्या ॥ तवबोड्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू० ॥
करीपशायनेंशेवककिजे ॥ बोड्योतामकुमार ॥ ताततणासेवकतूमेतिणें ॥
ज्येष्ठभातामुळसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें ॥ चाढोतातस
कास ॥ विग्रहकहेचाढोतिहांजइं ॥ सिकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ व
धामणांतिहांविग्रहेकिधां ॥ चाड्योकुंअरसाथि ॥ विजयधर्मआचारयइं
णिसमें ॥ पाउधारच्यामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीदेष्टुकंचनसमव
त् ॥ षट्जीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल
॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचंदनेंप्रतिबोधनोअवशार ॥ जाणीलासअपार ॥
राज्यतजीमिथीलानयरीनुं ॥ लिधोसंजमतार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥
गुणसंसंवज्यानैउतस्या ॥ लब्धिवंतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात
सुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसंधाते ॥
बंधागुरुनापाय ॥ सायरसमंगंसीरखीपरें ॥ तमटाळेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥
जिनवाणिपरेंजेनीकलंकि ॥ देशीशुप्तपरीणाम ॥ उपनोसर्वसंगत्यागीना ॥
वंदूपदअस्तीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुंदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापा
य ॥ विग्रहसहितसऊसाधुपणि ॥ धर्मदासदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ
मेखंजेआठमीठाळे ॥ गुरुवेशारेपास ॥ पद्मविजयपत्तणेंइणअवसरि ॥ वात
सुणोजळास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥

लिति ऐं पुरे ॥ हिमणां वात कहाय ॥ ६६ ॥ मार्गपास्याथीमांजीने ॥ आसवल
 गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवरवाणीउ ॥ तिहांऊंगयोतिवार ॥ ६७ ॥ जनमुखथी
 म्हेंजाणीउ ॥ संपेपेंसंबंध ॥ अचरीजसांसलवाअठे ॥ पत्तणोसऊपरबंध
 ॥ ६८ ॥ अंतरायअन्यलोकने ॥ नहोइंजोनीरधार ॥ अनुग्रहकिजेंअमत्त
 णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६९ ॥ अमनेपणिअनुग्रहहोस्ये ॥ एहकहेअव
 दात ॥ एइठाअमनेअठे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ ७० ॥ गुरुजीकहेगुणचं
 दने ॥ सांसलथईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊंतेसुणिदेईकान ॥
 ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिवजीश्रीविमलाचलसेटिइंहोजी ॥ एदेशी ॥ कुअरजी ॥
 एहसरतमांजाणिइंहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
 विजयधर्मतिहाराजीउहोजी ॥ राज्यकरूअवदात ॥ कु० ॥ ७२ ॥ कुअरजी ॥
 वातसोहामणीसांसलोहोजी ॥ एआंकणी ॥ कु० ॥ अग्रमहीषीमाहरेहोजी ॥
 चंद्रधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेहोजी ॥ इ
 ढीरयणमनधारि ॥ कु० ॥ ७३ ॥ कु० ॥ कुं० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥
 मंत्रसीइनांकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइंमुक्तसाषीउहोजी ॥ सां
 सलीमुरठाऊंपांमी ॥ कु० ॥ ७४ ॥ कु० ॥ कुं० ॥ शीतलचंदनसीचीआंहोजी ॥ कि
 धाविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीडस्वीउघणहोजी ॥ देषीपिणन
 शकूकांय ॥ कु० ॥ ७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
 आव्योचोथेदिन ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानवीहोजी ॥ तिव्रतपेपरी
 खिन्न ॥ कु० ॥ ७६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअंगमेंहोजी ॥ मंत्रशीइ
 कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥
 कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ तेहनोएहवोजीत
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसाषेलेईजायवीहोजी ॥ पणिशीलेसूपवीत्त ॥ कु० ॥
 ॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीमापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसंताप ॥
 राजनजी ॥ रा० ॥ मासठएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशययोआप ॥
 ॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्तालहीपुरवपरेंहोजी ॥ चितवलेकऊंइंम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ योप्रतीवचनतेप्रेम ॥ कु० ॥
 ॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकसाहोजी ॥ तेतेकरुंआलाप ॥ कु० ॥
 कु० ॥ राज्यतज्युंकांयनवीगमेंहोजी ॥ निशीदीनकरुंविलाप ॥ कु० ॥ ८१ ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ रुण २ मांमुरमालजुंहोजी ॥ डरकलजुंनरकसमान ॥ कु० ॥
 ॥ कु० ॥ पंचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पंचपद्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुंहोजी ॥ माहंरुडखअशराज ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ अंगोअंगआणंदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
 ॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ जमुजचित्तमांचितवुंहोजी ॥ कहोस्युंकारणहेव ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ वक्षामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिठंकरदेव ॥ कु० ॥
 ॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम २हरण्योघण्होजी ॥ सांसलीतेहनीवांणी ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूनमूपगयोहोजी ॥ संतोषीदिर्ददाण ॥ कु० ॥ ८५ ॥
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ वंदनाकरीनृपवंदस्युंहोजी ॥ दिधीसजुनेंआणि ॥ कु० ॥ कु० ॥
 हयगयरहसजुसजकरोहोजी ॥ जिनवरवंदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
 कु० ॥ वस्त्रतूषणपहेरोसजुहोजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
 मवसरणरचेदेवताहोजी ॥ साधुंकांयकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
 नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नंदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
 जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
 मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ शूनूरवरसेफू
 लनेंहोजी ॥ पंचवरणनारुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
 वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसूरविरचे
 तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
 नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यंतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणवेहो
 जी ॥ मध्येअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखंचा
 णातोसस्युंहोजी ॥ कुसूमसरेनमीमाज ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमांनी
 आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिणेत्रवर

उजलां होजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननाथठेसाहिबोहो
 जी ॥ विकसीतकुंदज्युंसाति ॥ कु० ॥ ए३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनकदंमसी
 हामणोहोजी ॥ पवनेनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्रध्वजमोटिको
 होजी ॥ गगनलिहनकरतेह ॥ कुं० ॥ ए४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरगननेचा
 लतां होजी ॥ उज्वलजिणीपरेंहंस ॥ कु० ॥ कु० ॥ देवडंडसीधनगाजतीहोजी ॥
 सज्जनकरेपरसंश ॥ कु० ॥ ए५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंदलपरेंदिपतूहो
 जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामंजसतेजेंतपेहोजी ॥ व्यंतर
 कृतसर्वीषास ॥ कु० ॥ ए६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननायकनुरचेहोजी ॥
 समवसरणेंमशार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलांठवेहोजी ॥ तेप
 णिनवसूत्रिचार ॥ कु० ॥ ए७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुंठेरहेहोजी ॥
 दीयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेहोजी ॥ तिरथनमेजी
 नराय ॥ कु० ॥ ए८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेठाप्रदक्षिणादेईनेहोजी ॥ पुरवस
 नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेहोजी ॥ जोगमुंदाईधरीहा
 य ॥ कु० ॥ ए९ ॥ कु० ॥ यतः ॥ संधाचारसाष्ये ॥ सिंहासणेनी
 सन्नो ॥ पाएठविजणपायपिढंमी ॥ करधरीयजोगमुद्दो ॥ जिणनाहोदेशणं
 कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिजुंदिशेंजिनशारीषाहोजी ॥ प्रतिबिंब
 धरेविष्यात ॥ कु० ॥ कु० ॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंघणीवा
 त ॥ कुं० ॥ ३०० ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जिनवरस
 मदेपाय ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ चामरढालेबिजुंदिशेंहोजी ॥ निरमलतिहांसूरराय ॥
 कु० ॥ १॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूणेंप्रसूजीयकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
 ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेसेजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु० ॥ २॥
 कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरववारणेंहोजी ॥ मुनीवैमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
 साधवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बेसेअगनीकूणेंगरी ॥ कु० ॥ ३॥ कु० ॥ कु० ॥
 सवणपतीवणजोतिषीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेदक्षिण
 वारणेंहोजी ॥ बेसेनैरतिकुणितेह ॥ कु० ॥ ४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सवणपती

वणजोतीषीहोजी ॥ पेसेपढीमद्वार ॥ कु० ॥ कु० ॥ वावकुणेंतेउपविसें
 होजी ॥ जिननेकरीनमस्कार ॥ कु० ॥ ५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वैमानो
 कसूरतिमवलीहोजी ॥ नरनेनरनीनारि ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसीउत्तरवारणें
 होजी ॥ बेशेईशानकुणेंगारि ॥ कु० ॥ ६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सापनकुलमृगमृ
 गपतिहोजी ॥ कुकमनेमार्जार ॥ कु० ॥ कु० ॥ जातिवैरविशारीनेहोजी ॥
 बेसेविजेशाकार ॥ कु० ॥ ७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ यानविमाननरदेवनांहोजी ॥
 रहेत्रीजागढमांहि ॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीदायककहेहोजी ॥ सांसलोवलोउठा
 हि ॥ कु० ॥ ८ ॥ कु० ॥ राजनजी ॥ दीठीराणीतीहांकिणेंहोजी ॥ सांस
 लीलसोउल्लास ॥ कु० ॥ कु० ॥ आठमेखंमेनवमीकहीहोजी ॥ ढालप
 दमेंपुरास ॥ कु० ॥ ९ ॥ कु० ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥
 ॥ उहा ॥ सामथीसऊसजकरी ॥ गजवरवेठोगेलि ॥ वाजीत्रबडूपरेंवाजते ॥
 करतांपरें२केलि ॥ १० ॥ नयरबाहिरजवनीकढ्यो ॥ परीवृतबडूपरीवार ॥
 समवसरणसोहामण ॥ दिवुंदरिसउदार ॥ ११ ॥ उत्तरद्वारेंआविज ॥ पुल
 कीतथईपवीठ ॥ जंगविख्यातजीनेसरु ॥ दरिसणनयणेंदिठ ॥ १२ ॥ प्रण
 मीजीनवरपाउले ॥ स्तवनाकरेरशाल ॥ सावधानथईसांसले ॥ स्वरपदवर्णवि
 शाल ॥ १३ ॥ ढाल ॥ लावो ॥ २ ॥ नेराजिमुंघांमुलांमोती ॥ एदेशी ॥ तवीतूमें
 बंदोरेअरीहादेवजिणंदा ॥ गुणगणकंदोरेनमतांजाइस्तवफंदा ॥ एआंकणी ॥
 जयपरमेश्वरजगदानंदन ॥ जयजगवत्तनाथ ॥ जयत्रीसूवनएकमंगलरू
 पी ॥ जयतूंशीवपुरसाथ ॥ १४ ॥ तवी ॥ जयजोगीसरसेवीतपदकज ॥ ज
 यशंदियगजसिंह ॥ जयडर्जयनिजितकंदर्पह ॥ जयतूंअकलअबीह ॥ १५ ॥
 त ॥ जयतवीकमलवीकाशनदिनकर ॥ जयसूरनरनतपाय ॥ जयमनवं
 ढीतपुरणसूरगवी ॥ जयतूंअमलअमाय ॥ १६ ॥ त ॥ जयपारंगतजयनी
 कलंकी ॥ जयस्थाद्वादसरुप ॥ जयगुणरहीतगुणाकरस्वामी ॥ जयअसरो
 रअरुप ॥ १७ ॥ त ॥ जयपरीसहफोजेंऐरावण ॥ जयअजरामरदेव ॥ जं
 यतवत्तयतंजनअविनाशी ॥ जयसूरतरुसमसेव ॥ १८ ॥ त ॥ जय

गतरागद्वेषगतवेदा ॥ जयगतरोगनेंशोग ॥ जयगतमानमत्सररतीअरती ॥
 जयगतजोगविजोग ॥ १९ ॥ स० ॥ जयसर्वज्ञतथासंवीदंशी ॥ जयतूंचरण
 अनंत ॥ जयअपुनर्सर्वजयजयनीरुपम ॥ जयसगवंतसदंत ॥ २० ॥ स० ॥
 जयतूंचलअनंतअखंडह ॥ जयअरुयअवीकार ॥ जयनीजगुणसोगीनें
 अयोगी ॥ जयतूंचमार्गदातार ॥ २१ ॥ स० ॥ जयजगबंधवजयजगरदुक ॥
 जयनीरीहनिःसंग ॥ जयशाश्वतसूखअव्याबाधह ॥ जयनीजआतमरं
 ग ॥ २२ ॥ स० ॥ जयपुरणानंदीपरमातम ॥ जयचिदअमृतपानि ॥ जयनि
 जगुणकर्त्ताहसोक्ता ॥ जयतूंचअकहकहानी ॥ २३ ॥ स० ॥ जयगु
 णानंतअलपमुळबुद्धी ॥ जयजीनवरकिमकहीई ॥ उत्तमगुणजोपद्मविज
 यकहे ॥ प्रगटेतोसवीलहीई ॥ २४ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ जनपतीइमजिनराजनी ॥ स्तवनाकरीशनाह ॥ प्रणमेगणधरमुनी
 पती ॥ इमअणगारउठाह ॥ २५ ॥ उचितथानिकेंउपविसे ॥ प्रथवीपतीपरी
 वार ॥ दिइप्रसूजीपणिदेशना ॥ सवसयसंजणहार ॥ २६ ॥ ठाल ॥ पांमव
 पाचेंवांदतांमनमोक्षुरे ॥ एदेशी ॥ प्राणोजीनवांणीसूणो ॥ तूमेठांमीमोहजं
 जालरे ॥ पामीनरसवदोहिलो ॥ मतरखोवोआलपंपालरे ॥ २७ ॥ मतरखोवो
 आलपंपाला ॥ फिरी २ दोहिलोजीनधर्मो ॥ जिनधर्मनोमर्मलहीकरोजिणीपरेंपा
 मीइजीवंशर्मरे ॥ एआंकणी ॥ जिवअनादीअनंतठे ॥ कर्मसंजुत्तपरवाहरे ॥
 पापंथीइरवीउधर्मथी ॥ सूखीउसवीदर्शनराहरे ॥ २८ ॥ सूख ० ॥ चारीत्र
 श्रतदोयसेदथी ॥ धर्मपरषीजेंत्रणितेयरे ॥ एककसनैबीजोढेदथी ॥ तापक
 नकपरेंपरषेयरो ॥ २९ ॥ ताप ० ॥ जिहांसावद्यनीषेधठे ॥ टालेरागादिकजिहां
 ध्यानरो ॥ एहकशोटीइसूखठे ॥ जिमकनककशोटीइदानरा ॥ ३० ॥ जीम ० ॥ सूक्ष्मबा
 दरजीवनी ॥ जिहांहिंसानोनहीत्यागरे ॥ तेहअशुधधर्मजाणीशावद्विरागादीकन
 हीत्यागरे ॥ ३१ ॥ वली ॥ जिहांसंयमअप्रमत्तता ॥ लिइआहारादीकजीहांशु
 रे ॥ ढेदशुस्तेधर्मठे ॥ शणिपरेंसासेस्वयंबुधरे ॥ ३२ ॥ इणो ० ॥ पंचसूमतित्र
 णिगुपतीजे ॥ सदाकालपालेसवीशुखरे ॥ एहथीविपरीतजेहोई ॥ तेढेदथीध

मन्त्रशुद्धे ॥ ३३ ॥ तेढे ॥ सोजनपरधरजायवुं ॥ वलिषमगादीकधरेजेह
 रे ॥ तेहधर्मउदेवो ॥ जुक्तिनवीथापेतेहरे ॥ ३४ ॥ जु ॥ जीवादिकस्याद्वा
 दथी ॥ घटेबंधादिकसदसावरे ॥ तेजुगतिवलीथापवुं ॥ एशुद्धरमढेतावरे ॥
 ॥ ३५ ॥ ए ॥ एहजुक्तीनखमीसके ॥ तेतापअशुद्धविचाररे ॥ तिणेंनी
 त्यानीत्यजाणीइ ॥ जीवअस्तीनास्तीपरकाररे ॥ ३६ ॥ जीव ॥ धर्मअने
 कइमजीवना ॥ ठरेसूखडखबंधनेमोखरे ॥ धर्मअनेकनमांणीइ ॥ तोउलटा
 होइदोषरे ॥ ३७ ॥ तो ॥ अस्तीस्वरुपेजाणीइ ॥ पररुपेनास्तीस्वसावरे ॥
 नहीतोवीसीष्टअसावथी ॥ सवीएकरुपहोयसावरे ॥ ३८ ॥ स ॥ नित्यए
 कांतेसाषीइ ॥ तोकिमडखरुयनेहेतरे ॥ अनुष्ठानकरेलोकए ॥ सूखलहेवा
 नेसंकेतरे ॥ ३९ ॥ सु ॥ कहिइएकांतेअनीत्यजो ॥ तोसवनअनंतरनाशरो ॥
 जिवपरिणामीअसावथी ॥ केहनेसूखडखनीआशिरे ॥ ४० ॥ के ॥ सेदा
 सेदइमजाणीइ ॥ तिमएकअनेकवीचाररे ॥ स्याद्वादरीतेकरी ॥ उलपोआत
 मनीरधाररे ॥ ४१ ॥ उ ॥ मिथ्यात्वादिकबंधनां ॥ हेतूइंकरीबांधइंकर्मरे ॥
 सम्यक्तादिकसावथी ॥ रुयकरीलहेशाश्वतसमरे ॥ ४२ ॥ रु ॥ सेदासे
 दजीवनेतनुं ॥ रुपीनेअरुपीतेमरे ॥ कर्त्तासोक्ताउत्तयढे ॥ बंधादिकपणिघटे
 इमरे ॥ ४३ ॥ ब ॥ जीवशरीरपणित्तिन्ढे ॥ जेकारणइणसवपापरे ॥ अन्य
 शरीरेआतमा ॥ परसवसोगवेसंतापरे ॥ ४४ ॥ प ॥ अन्यकरेअन्यसोगवे ॥ ते
 तोनघटेसर्वप्रकाररे ॥ तिणेंअसेदकोईरीतीढे ॥ इमसेदासेदउदाररे ॥ ४५ ॥
 इ ॥ बंधअनादीप्रवाहथी ॥ कंचनपत्तरसमतेहरे ॥ नहितोशुद्धस्वरुपने ॥
 कर्मवलगेइष्टनएहरे ॥ ४६ ॥ क ॥ तेहनोअंतपणित्तिव्यने ॥ होइपुत्रपीता
 परेंजाणिरे ॥ कुकमीअंमपरेंवली ॥ अत्तव्यनेनीत्यवषाणिरे ॥ ४७ ॥ अ ॥
 तासवीनासउपायने ॥ सेवीवरीआसीइअनंतरे ॥ तेहतणोनवीअंतढे ॥ प्रध्वं
 शअसावपरेंतंतरे ॥ ४८ ॥ प्र ॥ तेहकारणसवीकीजीइ ॥ तेहकर्मविनाशउपा
 यरे ॥ समकितधुरिअंगीकरो ॥ जिमसवीगुणथीरताथायरे ॥ ४९ ॥ जि ॥
 देवगुरुनेधर्मनी ॥ रुचीतेसमकीतकहेवायरे ॥ वितरागसर्वज्ञजे ॥ तेदेवपणें

गहेरायरे ॥ ५० ॥ ते० ॥ परीयहआरंस्तजिणेंतज्या ॥ जेतरणतारणसमरु
 रे ॥ उपगरणधर्मनाजेहो ॥ तेचारीत्ररुणअठरे ॥ ५१ ॥ ते० ॥ केवलिई
 जेताषीउ ॥ तेधर्मकहिजेसंतरे ॥ एसमकीतव्यवहारथी ॥ निश्चयेंनीजआ
 तमतंतरे ॥ ५२ ॥ नी० ॥ इमसमजीअंगीकरो ॥ तुम्हेसफलकरोअवताररे ॥
 देशनासांतलींणीपरें ॥ लहीपरषदाहर्षअपाररे ॥ ५३ ॥ ल० ॥ हाथजोमी
 प्रणमीकरी ॥ कहेप्रसूतूहवचनप्रमाणे ॥ तूमसमदेशककोनही ॥ धरिजाई
 इमकरतीवषाणरे ॥ ५४ ॥ घ० ॥ केईकसमकीतपामीआ ॥ केईदेशवीरमी
 लहेसत्वरे ॥ सकलसंगगांमीकरी ॥ केईचारीत्रलींलहीतत्वरे ॥ ५५ ॥ के० ॥
 केईस्तदकतावीथया ॥ कहीआउमेखंढेढालरे ॥ पदवीजयेदेशमीतली ॥ स
 णोआगलवातरसालरे ॥ ५६ ॥ सू० ॥

॥ ७७ ॥

॥ ७७ ॥

॥ उहा ॥ नयणेंदिगीनारीनें ॥ समवसरणमांसार ॥ चितायईमुक्तचित्तमां ॥
 निश्चयएमुक्तनारि ॥ ५७ ॥ किमएइहांआवीकहो ॥ बलीसंताखुंवयण ॥
 मंत्रसिखेंताण्युंमनें ॥ राणीदेवीरयण ॥ ५८ ॥ पुढुंजीनवरनेप्रसू ॥ परत्तव
 स्युंकस्युंपाप ॥ राणीवीरहथीरोवतां ॥ सबलययोसंताप ॥ ५९ ॥ इणपेरें
 धारीआदरे ॥ कुमरजीपुढुंकेम ॥ पूर्वकर्मविपाकजे ॥ अरीहात्तापेइम ॥
 ॥ ६० ॥ ढाल० ॥ होपीउपातलीआनारीगुणावलीतामजो ॥ पंजरीउंकरली
 धोकरतेलोयणेरेंलो ॥ एदेशी ॥ होसूणिराजनीआ ॥ जंबुद्वीपमजारीजो ॥
 विध्याचलइंणनामं परवतसोहतोरेंलो ॥ होसू० ॥ उंधीउंधणीतज्जो ॥ जा
 जुल्यमांनदिपकपरेंतिणेंमनमोहतोरेंलो ॥ ६१ ॥ होसू० ॥ चंदनप्रमुखसू
 गंधजो ॥ बज्रपंषीगणशब्दकरेसोहामणारेलो ॥ होसू० ॥ सिहरसेणतुक्ता
 मजो ॥ शबरतणोतूरायबलमांनहीमणारेलो ॥ ६२ ॥ होसू० ॥ बज्रजीव
 नोकरेघातजो ॥ विषयमुठिततूंअतीसयघरणीस्युरहेरेलो ॥ होसू० ॥ रोक
 हरिणनेंरीठजो ॥ करेविजोगजुगलनोमनमांसूखलहेरेलो ॥ ६३ ॥ होसू० ॥
 सुखअस्तीलाषीतेंहजो ॥ वनमारितेबीहतातूफथीथरहेरेलो ॥ होसू० ॥ श्री
 मंतीताहेरेनारिजो ॥ गुंजाफलमालानांआतरणांधरेरेलो ॥ ६४ ॥ होसू० ॥

पहरेवदकलवसजो ॥ रुनीरेतरुआनीचोटीकांनमारेलो ॥ होसु ॥ तेहनी
 सांभेनीत्यजो ॥ गिरीनीकुंजमांसुषसोगवतोमांनमारेलो ॥ ६५ ॥ होसु ॥
 धीषमरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगढमुनीवरनोतिहांकिणैरेलो ॥ होसु ॥
 पंथभटपरीखीनजो ॥ देषीनेअनुकंपाआवीतूजमनेरेलो ॥ ६६ ॥ होसु ॥
 तुजमनमांथईचित्तजो ॥ विषमगीरीकंतरमांकिमइणीपरेसमेरेलो ॥ होसु ॥
 जईपुण्ड्यंततकालजो ॥ मुनीकहेसूलापंथयीतिणैसमीइअमेरेलो ॥ ६७ ॥
 होसु ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीइरेलो ॥ हो
 सु ॥ विध्यनीअटवीसीमजो ॥ पारिवतारीएहतणांडखकापीइरेलो ॥ ६८ ॥
 ॥ होसु ॥ एहनीधानसमानजो ॥ किधरीतूजसेट्टिवीधाताइंवरिरेलो ॥ होसु ॥
 इमसांसलीतसवाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरषेसरिरेलो ॥ ६९ ॥ हो
 सु ॥ लाव्योमुलनेकंदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवइममुनीवरसणैरेलो ॥ हो
 सु ॥ नबीकलपेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउंतिणैरेलो ॥
 ॥ ७० ॥ होसु ॥ बोढ्योसबरसूपाजो ॥ अमउदवेगहोइंतिणैकारणदीजी
 इरेलो ॥ होसु ॥ मुनीवरुजाणीसावजो ॥ लासालासविचारीइमवदिजीइरेलो
 ॥ ७१ ॥ होसु ॥ लावोफलमुलकंदजो ॥ वरणगंधपलटाणांहोइंजेहनारेलो
 ॥ होसु ॥ जेबडकावनांलीधजो ॥ सबरसयतेसांसलीवयणांतेहनारेलो ॥
 ॥ ७२ ॥ होसु ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीला
 सीआरेलो ॥ होसु ॥ पंथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतशुसंतावथीधन्यनी
 जमानीआरेलो ॥ ७३ ॥ होसु ॥ मुनीइपणकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म
 बीवरथीतूमेअंगीकरयोरेलो ॥ होसु ॥ दिधोतूमनवक्रारजो ॥ शिवसुरवका
 रणेतूमेसक्तिहृदस्थोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥
 जाणैरेउपगारकहेवलीइणिपरेरेलो ॥ होसु ॥ पंथमांएकदिनसारजो ॥ सा
 वधआरंतवरजीनेइणीपरेकरेरेलो ॥ ७५ ॥ होसु ॥ एकांतरहीतामजो ॥ नव
 पदनैतूसंसारदृढमनकरीरेलो ॥ होसु ॥ तुजनेमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेबु
 समताशुसंआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु ॥ इमपाळीजीनधर्मजो ॥ पामस्यो

सुरसुरवयोनाकालमांहितूमेरेलो ॥ होसू ॥ अंगीकारकरेदोयजो ॥ साधुवय
 एएतेतिऐनीस्तरीयांअमेरेलो ॥ ७७ ॥ होसू ॥ मुनीशंकधविहारजो ॥
 एहअसीग्रहपादेबिज्जंजिममुनीकस्योरेलो ॥ होसू ॥ वर्डमानसंवैगजो ॥
 एकदिनपद्मीमापोसहतिहांदंपतीग्रस्योरेलो ॥ ७८ ॥ होसू ॥ तिहांआव्यो
 एकसीहजो ॥ गजकुंतस्थलदारणनेरीसीउघण्णरेलो ॥ होसू ॥ श्रीमतीबी
 हनीतामजो ॥ देवीनेंसीछउठ्योधरीसाहसपण्णरेलो ॥ ७९ ॥ होसू ॥
 धनुषतिरदिशंहाथिजो ॥ कहेमतबिहेनारीतूंकसरेहण्णरेलो ॥ होसू ॥
 श्रीमतीबोलेतामजो ॥ एहमानहीसदेहपराक्रमतूमतण्णरेलो ॥ ८० ॥ होसू ॥
 पणिगुरुवयणपलायजो ॥ गुरुशंकसूंप्राणांतकरेकोशिवधप्रतेरेलो ॥ होसू ॥
 तेखमज्योचित्तमांहिजो ॥ किमगुरुवयणवथाकरीशंसमरणठतेरेलो ॥ ८१ ॥
 होसू ॥ परसवबंधुसूतजो ॥ तेगुरुवयणरसायणकरीनेंजाणीशरेलो ॥ होसू ॥
 नारीनेंकहेइमसीछजो ॥ सत्यकसुंतेवयणगुरुबड्ढमानीशरेलो ॥ ८२ ॥
 होसू ॥ तूजमोहेकरयुंइमजो ॥ मुकयुंधनुषतीरम्हेगुरुवयणेरस्योरेलो ॥ होसू ॥
 शिण्णअवसरतेसीहजो ॥ उठालीलांगुलनेंतेसनमुखययोरेलो ॥ ८३ ॥ होसू ॥ तें
 चित्युंमनमांहिजो ॥ गुरुआणापरीपालणकसवटिएषरोरेलो ॥ होसू ॥ उप
 गारीएहसीहजो ॥ इमंचितनशूत्तकरतांआव्योइहकरोरेलो ॥ ८४ ॥ होसू ॥
 दंपतीदोयविनासजो ॥ किधोरेउपसर्गतेतूमेअहीआसीआरेलो ॥ होसू ॥
 सोहमदेवलोकमांहिजो ॥ दंपतीउपनाशुक्षीवंतआवासीआरेलो ॥ ८५ ॥
 होसू ॥ प्रदयोपमएकआयजो ॥ सोगवतांअग्यारमीढालसोहामणरेलो ॥
 होसू ॥ आठमेखंमेएहजो ॥ पद्मविजयकहेवातसूणोआगंघणरेलो ॥ ८६ ॥
 ॥ इहा ॥ जंबुक्षीपमांबिज्जंजणां ॥ अपरवीदेहअनुंप ॥ नयरचक्रपुरनिरषी
 इ ॥ सलोगुरुनृगांकसूप ॥ ८७ ॥ कामिनीबालचंदाकही ॥ तसकूषेअव
 तार ॥ समरनृगांकठवेसूखें ॥ नामगुरुनिरधार ॥ ८८ ॥ सालोनृपनोसोह
 तो ॥ सुसूषणसिरदार ॥ कुरुमतीनारीकूषमां ॥ तूजनारीअवतार ॥ ८९ ॥
 अशोकदेवीएहवुं ॥ थाप्युंनामथीरथाव ॥ कलाग्रहणकरतांबिज्जं ॥ जौवन

पाम्यांजाव ॥ ९० ॥ तुमविवाहथयोबिङ्गंतणो ॥ परण्यादिनसूपसत्त ॥ सू
 खसोगवतांस्वर्गनां ॥ जाणेकालनजत्त ॥ ९१ ॥ रागघणोस्त्रीरमणनें ॥ इम
 करतांएकदीन् ॥ पलिदेषीप्रथवीपती ॥ परसंवेगप्रपन्न ॥ ९२ ॥ राज्यदेई
 तूऊराजीउ ॥ देवीस्युंलिइंदिष ॥ राज्यपालेतूरंगस्युं ॥ सङ्गअरीनेंदिइंशी
 ष ॥ ९३ ॥ मास्यानीरदयमनकरी ॥ वलितीयंचवीजोग ॥ हवेविपाकसू
 णितेहना ॥ सघलाकटुकसंयोग ॥ ९४ ॥ ढाल ॥ पहेलीनेंजानेहोजीवि
 रजीनवरकहे ॥ एदेशी ॥ तिणहीजविजइंहोजीगंगानयरीइं ॥ सिरीबलरा
 जारेराज्यकरेतीहांजी ॥ तेहस्युंसहजेहोजीविग्रहतूऊथयो ॥ सूसटसनुरा
 रेगयासिखिलजीहांजी ॥ ९५ ॥ तोपणितेहस्युंहोजीसंयाममांमीउ ॥ शेष
 सैन्यपणितिणेमास्युंयदाजी ॥ तुऊपणिमास्योहोजीकालकरीतीहां ॥ रौद्र
 ध्यानथीरेगयोनरगेतदाजी ॥ ९६ ॥ सत्तरसागरहांजीआउपुंनाहरुं ॥ ता
 हरीराणीरेमरणतेसांसलीजी ॥ मुरठापामीहोजीचेतनावलीलही ॥ करेनिया
 ण्हेइंणिपरेंतेवलीजी ॥ ९७ ॥ जिहांमुऊस्वामीहोजीहोइंउपना ॥ तिहांमुऊ
 होज्योरेउपजबुंषरुंजि ॥ इमकहीपठीहोजीबलतीअगनीमां ॥ क्खिटचित्तथी
 रेकटसस्युंआकरूजी ॥ ९८ ॥ सत्तरसागरहोजीआउषेउपनी ॥ महाइख
 सहेतारेअनुंक्रमेंविङ्गजणांजी ॥ तिहांथीनीकलीहोजीपुकराअर्द्धमां ॥ सरत
 षेत्रमारेंनिरधनजेघणांजी ॥ ९९ ॥ तेविङ्गउपनाहांजीसीन् २ घरें ॥ वि
 ङ्गजणपरण्यारेअनुंक्रमेंदंपतीजी ॥ आजिविकानुंहोजीदूरवतूमेअनुंसवो ॥
 सिक्काइंआव्यारेएकदिनमहासतिजी ॥ १०० ॥ देषीतेहनंहोजीसरधावाधतें ॥
 प्रासूकसीकारेरोमांचितथईंजी ॥ आपीनेंपुढ्युंहोजीकिहारहोगेतूमहे ॥ त
 वतेबोलीरेमुख्यजेसंजईंजी ॥ १ ॥ वसूसेउघरनेहोजीपासेउपासरें ॥ नयरमां
 रहीशेइंसमूणीहरषीआंजी ॥ सांफेलेइंहोजीफूलतिहांगयां ॥ सूत्रतागु
 रुणारेनामैनीरषीआंजी ॥ २ ॥ पुस्तकसाहमीहोजीदृष्टीउवीकरी ॥ तनुं
 जसनाळारेसमरतेलोयणांजी ॥ सुवयणकमलाहोजीसोहेज्युंकमलिनी ॥ ह
 रषेवंयारेविस्मीतदोयजणांजी ॥ ३ ॥ अंगअग्यारेहोजीजीत्तनेंटेरुइं ॥ धर्म

लासदिधोरेकरउंचोकरजी ॥ प्रसूजीवंदोहोजीकुसुमवुठिकरी ॥ संशारसा
 गरसुखेंजाउतरीजी ॥ ४ ॥ इंसुणीजिनवरहोजीवंदिदेहरे ॥ गणिणीसमी
 पेरेंआवीउपवीसजी ॥ गणिणीपुढेहोजीकिहांतूमवासढई ॥ गोचरीआंकहे
 एऊतोइहांवसेजी ॥ ५ ॥ अम्हेंगयांगोचरीहोजीएहतणेंघरे ॥ सरधावं
 तघणाढेसामीनीजी ॥ सत्तेंआव्याहोजीजिनवरवांदवा ॥ गणिणीबोव्यारे
 वातकरीकामनीजी ॥ ६ ॥ धर्मतेजगमांहोजीसरणआधारढे ॥ धर्मनेंमुंकीरेडख
 टालेनहीजी ॥ इइजातसमहोजीकिसुपनासमो ॥ चलनेंअशारेनरसवएल
 हीजी ॥ ७ ॥ धर्मकरेनहीहोजीविषयनोलोडपी ॥ चंदनबालीरेअं
 गाराकरेजी ॥ धर्मथीलहीइंहोजीशाश्वतसुखघणां ॥ थोडेकाढेरेकसुंइमजी
 नवरेंजी ॥ ८ ॥ तिणेंतूमेआव्यांहोजीतेरुमुंकरयुं ॥ जिनमुनीदरीशणअ
 तीपावनकसुंजी ॥ इंसतुमेसांसलीहोजीशुरूहृदययकी ॥ मांसनेंमधुनुरे
 पचखाणतुमेलसुंजी ॥ ९ ॥ उठवावेलाहोजीगणिणीइंकसुं ॥ नित २ आव
 ज्योरेसुणवाधर्मनइंजी ॥ डखसऊजास्येहोजीतूमचाअंगथी ॥ वचनतेमा
 न्यरेजाणीममनेंजी ॥ १० ॥ घरेहवेआव्यांहोजीधर्मतेनीतकरो ॥ अनुक
 मेंतुम्हनेरेशुरूआवकपणंजी ॥ विषयनिमुखथीहोजीपालीधर्मनें ॥ म
 रीब्रह्मलोकेरेलसुंसुखसुरतणंजी ॥ ११ ॥ सातसागरनुंहोजीजाळेरुंआउपुं ॥
 तिहांथोचवीनेरेआव्यांनृपघरेजी ॥ सबरजनममांहाजीकर्मकरयांतुम्हें ॥
 डखतसनरगेरेसहीयांपरपरेंजी ॥ १२ ॥ मनुंजनासवमांहोजीडरककांयसोग
 व्यांउदयेआव्यूरेशेरसुंतिकेजी ॥ इंसजाणिनेंहोजीकर्मनकीजीशातासउदय
 थीनरबिहेजीकेजी ॥ १३ ॥ लाकनाथनीहोजीसांसलीवाणीनें ॥ परमसं
 वेगेरआतमसावीउंजी ॥ कहेजीनवरजीहोजीधर्मसलोकसो ॥ प्रसूजीपशाई
 रेंवैरागआवीउंजी ॥ १४ ॥ दिहालेस्युंहोजीप्रसूजीपाउले ॥ जगगुरुबोलेरे
 प्रतीबंधमतकरोजी ॥ लिधीदीक्षारेसूवनगुरुकनें ॥ एहवृत्तांतरेकसोमेंमाह
 रोजी ॥ १५ ॥ कनकपुरेम्हेंहोजीतेतुम्हनेंकसा ॥ संवेगउपनोरेसांसलीवा
 तमीजी ॥ गुणचंद्रचितेहोजीडष्टवीपाकढ ॥ धिगू २ कहिइरेमोहनीजात

मीजी ॥ १६ ॥ आठमेखं होजी ढालवारमी ॥ साषींमहरेपयवीजयकहेजी ॥
 समरादित्यनें होजी रासें सोहामणी ॥ सुएतांमंगलमालसवीजहेजी ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥ गुणचंदकुमरकहेगुणी ॥ अम्हनेकरयोउपगार ॥ कहेतांआपकथातू
 म्हे ॥ प्रगटउतास्थापार ॥ १८ ॥ धरमअमेधास्योपरो ॥ पामीतुम्हपञ्चाय ॥
 मिथ्यावीकल्पसवीमिदया ॥ अम्हनेदतज्ञाय ॥ १९ ॥ पणिगिहीधरमपञ्चा
 यकरि ॥ विप्रहकहेतववाणि ॥ महेरकरीतूम्हेमुऊनें ॥ आपोअनुंदत्तजाणि
 ॥ २० ॥ विधींआवकव्रतलीआं ॥ वंद्यागुरुबहुमान ॥ गुरुधर्मलासदेईगदे।
 सुणितूवातसयान ॥ २१ ॥ आव्याअवसरउलषी ॥ अमेतूजबोधनआज ॥
 रतनपुरीथीराजीआ ॥ कहेसीधुंअमकाज ॥ २२ ॥ पातुंतिहांजईपोहचवुं ॥
 मुनीवरतिहांबहुमुऊ ॥ वाटिजोतांहोस्येवली ॥ तिणेंसांसलिकऊंतूऊ ॥ २३ ॥
 अयोध्यामांअमतणो ॥ मिलवुंयस्येकुमार ॥ दृढव्रतहोज्येदाषवी ॥ अदसू
 तहवेअणगार ॥ २४ ॥ सऊसाधुस्युंसंचरया ॥ गगनपंथगुरुसाय ॥ वंदेकुम
 रविप्रहबिऊं ॥ अनुंकमेअदृशथाय ॥ २५ ॥ हवेअयोध्याहर्षस्युंचाट्याच
 तूरविचारि ॥ वाणमंतरनीवातनो ॥ पत्तणंहवेप्रकार ॥ २६ ॥ ढालाऊंकारीरंगढो
 लनां ॥ एवेशी ॥ तेहजदिवसेंतिहांगयोहोराजि ॥ वाणमंतरपगजेहरे ॥ उमा
 वेएहवीवातमी ॥ कुमरनापरीजनआगलेहोराजि ॥ कुमपपंचकरेतेहरे ॥
 ॥ २७ ॥ ३० ॥ विप्रहराईमारीउहोराजि ॥ संग्रामेंगुणचंदरे ॥ ३० ॥ अवणपरं
 पससांसलेहोराजि ॥ मैत्रीबलजेनरिंदरे ॥ २८ ॥ ३० ॥ नरपतीतेनवीसरद
 हेंहोराजि ॥ रतनवतीसूणेजामरे ॥ ३० ॥ मुर्गाजहीधरणीढलीहोराजि ॥ आ
 श्वासेपरीजनतामरे ॥ २९ ॥ ३० ॥ रायसूणीतीहांआवीउहोराजि ॥ नयणें
 नीरनमाघरे ॥ ३० ॥ रतनवतीचरणेंनमीहोराजि ॥ कहेसूणींमहारायरे ॥
 ॥ ३० ॥ ३० ॥ ऊंमंदसाग्यसीरोमणीहोराजि ॥ पेसूंअगनीमऊरिरे ॥ ३० ॥
 आणाओजीवीततजुंहोराजि ॥ गयोमुऊप्राणआधाररे ॥ ३१ ॥ ३० ॥ प्रा
 णनिवोरहजीरसाहोराजि ॥ योआणामुऊआजरे ॥ ३० ॥ सूरलोकेंसंगमहो
 इहोराजि ॥ आर्षपुत्रस्युंकाजरे ॥ ३२ ॥ ३० ॥ सोहागणसूणिवातमीहोरा

जि ॥ नृपकहेमकरोएशोकरे ॥ ३० ॥ संसवनहीएहवातनोहोराजि ॥ माने
 कोईनलोकरे ॥ ३३ ॥ ३० ॥ सिंहनेमारेसीआलीउहोराज ॥ एहमनाइकेम
 रे ॥ ३० ॥ सीआदेशोसाषीउहोराजि ॥ पुत्रजनमइमनेमरे ॥ ३४ ॥ ३० ॥ व
 चनअलीकनतेहनुहोराजि ॥ नहीमुऊआकुलचित्तरे ॥ ३० ॥ सूपनदिउंम्हे
 सोहामणहोराजि ॥ अविधवातूऊदित्तरे ॥ ३५ ॥ ३० ॥ जनमांतरकोईवै
 रीइहोराजि ॥ कुमकपटकस्युंएहरे ॥ ३० ॥ तिणेंएवातनकीजीइहोराजि ॥
 जिणीवातेजाइगेहरे ॥ ३६ ॥ ३० ॥ दैवनीवातअचित्यडेहोराजि ॥ वातहोस्येएह
 साचरे ॥ ३० ॥ तोअम्हेपणिकीमजीवस्युंहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥
 ॥ ३७ ॥ ३० ॥ पवनगतीकाशिदप्रतेहोराज ॥ मोकलीउठेआजरे ॥ ३० ॥
 पांचदिवसमांआवस्येहोराजि ॥ पठेजुक्तकरेस्युंकाजरे ॥ ३८ ॥ ३० ॥
 तिणेतथाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसंतापरे ॥ ३० ॥ रत्नवतिक
 हेतातजीहोराजि ॥ जिमतूमचोहोयगपरे ॥ ३९ ॥ ३० ॥ पणिजो
 तूमहआणहोइहोराज ॥ तोदेउंनीतदानरे ॥ ३० ॥ शांतिकरमवलीति
 मकरुंहोराजि ॥ देवपुजावज्जमानरे ॥ ४० ॥ ३० ॥ कुसलवातआर्यपुत्रनी
 होराजि ॥ सांसलीइत्यांसीमरे ॥ ३० ॥ माहरुंमनठेएहवुंहोराजि ॥ आहारत
 णोकरुंनेमरे ॥ ४१ ॥ ३० ॥ रायकहेकरीइसूषेहोराजि ॥ एहमांकोईनदोशरे
 ॥ ३० ॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरो ॥ ४२ ॥ ३० ॥ सूपती
 निजथानिकगयोहोराजि ॥ सागईपुजनहेतरे ॥ ३० ॥ इणेंअवशरिंतिणेंनीरषी
 आहोराजि ॥ पुरवपुण्यसंकेतरे ॥ संजमवंतीसाधवी ॥ एआंकणी ॥ ४३ ॥
 विचारसूमीथीआवतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ सं० ॥ ज्ञानीतपसी
 उपसमीहोराजि ॥ सुंदरअंगआकाररे ॥ ४४ ॥ सं० ॥ तावनासावेंपरिण
 म्यांहोराजि ॥ साऊणीनेंपरीवाररे ॥ सं० ॥ श्वेतांविकानृपनीधुआहोराजि ॥
 कोसलानृपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ सं० ॥ चरणसिरीइविग्रहधस्युंहोराजि ॥ सुसं
 गताजसनामरे ॥ सं० ॥ देषतारतनवतीतणोहोराजि ॥ नागोशोकउद्दामरे ॥
 ॥ ४६ ॥ सं० ॥ मनमांआणंदउपनोहोराजि ॥ आतमविर्यउल्लासरे ॥ सं० ॥

चितवेअहोसगवतीतणोहोराजि ॥ रुपनेविषयउडासरे ॥ सं० ॥ ४७ ॥ अ
 होकुसलताएहनीहोराजि ॥ कृतारथअहोएहरो ॥ सं० ॥ मुऊनेंदरीसणएथुं
 होराजि ॥ धन्ययईमुऊदेहरे ॥ ४८ ॥ सं० ॥ दरीसणमात्रेजेहनांहोराजि ॥
 पापपल्लजाइंदूररे ॥ सं० ॥ साधवीपासेतेगईहोराजि ॥ शुसध्यानेसंपुररे ॥
 ॥ ४९ ॥ सं० ॥ विनयथीगणिणीवांदियांहोराजि ॥ धर्मलासदिउतामरे ॥
 सं० ॥ फिरीवंदिनेबोलतीहोराजि ॥ विनतिसूणोएकआमरे ॥ ५० ॥ सं० ॥
 डखीजनबढलठोतूमेहोराजि ॥ किजेएकपशायरे ॥ सं० ॥ मुऊघरिआवो
 स्वामीनीहोराजि ॥ जोनबीरोधकोईथायरे ॥ ५१ ॥ सं० ॥ डखउपसमकां
 यकययोहोराजि ॥ तूम्हदरीसणथीआजरे ॥ सं० ॥ संतलावोमुऊधर्मनेहो
 राजि ॥ जिमहोवेमुऊकाजरे ॥ ५२ ॥ सं० ॥ धर्मशीलासुणीवातमीहोराजि ॥
 एहमांकांयनबीरोधरे ॥ सं० ॥ गुरुणीकहेअमेआवस्युंहोराजि ॥ जेहथी
 होयतूमबोधरे ॥ ५३ ॥ सं० ॥ कोईनेअप्रीतीनउपजेहोराजि ॥ रतनवतीकहेता
 मरे ॥ सं० ॥ धरमीमुऊगुरुजनअढेहोराजि ॥ नहिकोईअप्रीतीगामरे ॥ ५४ ॥
 ॥ सं० ॥ गणिणीकहेतोआवस्युंहोराजि ॥ साकहेकिधपशायरे ॥ सं० ॥
 चाट्यांसङ्गसाथेहवेहोराजि ॥ रतनवतीघरिजायरे ॥ ५५ ॥ सं० ॥ आठमे
 खंमेएकहीहोराजि ॥ तेरमीढालरसालरे ॥ सं० ॥ पद्मविजयकहेसांतलोहो
 राजि ॥ सुणतांमंगलमाजरे ॥ ५६ ॥ सं० ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥ विनयकरीविधिस्युंवली ॥ उत्तमआसनआपि ॥ अलवेआगलिउ
 पविसे ॥ सुणवानेसंलाप ॥ ५७ ॥ परिवारपणिवेठोपठे ॥ सुणवाधर्मसंकेत ॥
 ज्ञानीतवगुरुणीकहे ॥ हवेकरवातसहेत ॥ ५८ ॥ एसंसारअसारमां ॥ जन
 ममहाडखरवाण ॥ जरावलीजीरणकरे ॥ मरणडखअसमांण ॥ ५९ ॥ मोह
 विषयनेमांनतिम ॥ मठरकोधनेमाय ॥ लोत्तसायरलषडखदिइं ॥ इंद्रियवि
 षयउजाय ॥ ६० ॥ सूषीज्जन्हीसंसारमां ॥ परमारयथीपेव ॥ मुनीवरमुकीमानि
 नी ॥ दक्षपणेतूदेखी ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ सुंदरपापयातिकतजोसोलमुं ॥ एदे
 शी ॥ सुंदररोगीजिमवरवैद्यने ॥ करीयगवेषणासारहो ॥ सं० ॥ निजडुष

तासनिवेदिने ॥ करतेहनोउपचारहो ॥ ६२ ॥ सुंदरधर्मथीसवीसुखसंपजे ॥
 एआंकणी ॥ सुं० ॥ वैद्यवचनअंगीकरे ॥ सेवेकिरीयातेहहो ॥ सुं० ॥ कष्ट
 करेपथ्यसेवतां ॥ आरोग्यअस्थीजेहहो ॥ ६३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥
 डखपणबास्यगणेनही ॥ नविमुक्यापणिव्याधिहो ॥ सुं० ॥ निजमुषउ
 लषीउंजिणे ॥ अनुक्रमेथायअबाधहो ॥ सुं० ॥ ध० ॥ ६४ ॥ सुं० ॥ तिम
 मुनीवरसंसारमां ॥ जनमजरानेमरणहो ॥ सुं० ॥ व्याधेपीम्यावैद्यनुं ॥ वि
 तरागकरेसरणहो ॥ ६५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तेहनुंकथनतेआचरे ॥ लि
 धासंजमसारहो ॥ सुं० ॥ किरीयाकष्टकरेघणं ॥ सहेउपसर्गअपारहो ॥
 ॥ ६६ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ अंतरसमसंतोखना ॥ सुखथीनगणेडखहो
 ॥ सुं० ॥ अंतरअव्याबाधने ॥ जाण्युनीश्वयसुखहो ॥ ६७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥
 सुं० ॥ वितरागसुखीआघणं ॥ सावरोगनहीजासहो ॥ सुं० ॥ मोहतिमीरड
 रेंगयुं ॥ ज्ञानसूरयपरकासहो ॥ ६८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ त्रुटित्वनीवे
 लमी ॥ हूकमुंशिवसुखहो ॥ सुं० ॥ सुखिआतिणेंथोमाहो ॥ बडडखीआ
 लहेडरकहो ॥ ६९ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ पणिसंसारीजीवने ॥ सुखडख
 नोविपर्यासहो ॥ सुं० ॥ अंगनाआहारादिकथकी ॥ मानेंसुखविश्वासहो ॥ ७० ॥
 सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तुळडखकारणअमकहे ॥ तवकहीसघलीवातहो ॥ सुं० ॥
 परमारथेंजीमतूमेकहुं ॥ तिमसाचोअवदातहो ॥ ७१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥
 पणपतीवीरहसालेघणो ॥ गुरुणीबोल्यांतामहो ॥ सुं० ॥ कुसलअठेवढतेह
 ने ॥ धीरजधरिथिरथावहो ॥ परमाणेदेमिळावहो ॥ सुं० ॥ ७२ ॥ ध०
 सुं० ॥ साकहेकिमजाणोतूमे ॥ गुरुणीकहेस्वरतूळहो ॥ सुं० ॥ सोहागणि
 नेजोई ॥ एहवोठेएगुळहो ॥ ७३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ रतनवतीकहे
 सांसलो ॥ मतकरज्योतूम्हेक्रोधहो ॥ सुं० ॥ गुरुणीकहेमुनीलोकने ॥ क्रोध
 तणोहोईरोधहो ॥ ७४ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ साकहेप्रत्ययदाषवो ॥ गुरु
 णीकहेर्युकांमहो ॥ सुं० ॥ वितरागनांवयणमां ॥ नचलेसुणिअस्तीरामहो ॥
 ॥ ७५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ स्वरमंजलमांतापीउं ॥ तेहकहुंम्हेएहहो

॥ सुं० ॥ तिणेनवीयाइंएअन्यथा ॥ वलिप्रत्ययकज्जतेहहो ॥ ७६ ॥ सुं० ॥
 ध० ॥ सुं० ॥ तुज्जतावलेंसाषीइं ॥ मतकरज्येमनरीसहो ॥ सुं० ॥ गुज्जप्रदे
 शेमसहोस्ये ॥ जाणज्येविसवाविसहो ॥ ७७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ हवे
 तूताहरुजाणज्ये ॥ साकहेसाचिवाणिहो ॥ सुं० ॥ म्हेंआकुलपणेंसाषीउं ॥ ग
 णिणीकहेनहीहाणिहो ॥ ७८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ स्नेहिहोइंउतावला ॥
 पणिमुज्जपमज्येएहहो ॥ सुं० ॥ तुज्जतावलेंजेकसुं ॥ अणघटतूंम्हेजेहहो
 ॥ ७९ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ साकहेशोकनीवारीउं ॥ किधोमुज्जउपगार
 हो ॥ सुं० ॥ पुढेतूंम्हएकवातमी ॥ एकुणकर्मप्रकारहो ॥ ८० ॥ सुं० ॥
 ध० ॥ सुं० ॥ गणिणीकहेएथोमलो ॥ ठेअज्ञानविवागहो ॥ सुं० ॥ पणि
 रुद्रताकेतली ॥ सांसल्लिमाहरीवागहो ॥ ८१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ थोमे
 कर्मम्हेलथो ॥ जेहविपाकअपारहो ॥ सुं० ॥ साकहेसावधानअतुं ॥ कि
 जेंमुज्जउपगारहो ॥ ८२ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ आठमेखंमेचौदमी ॥ पद
 विजयकहीढालहो ॥ सुं० ॥ गणिणीकहेहवेनीजतण्ह ॥ सांसलोचरीचरसाज
 हो ॥ ८३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ उहा ॥ नयरीकोसलानोधणी ॥ नरसुंदरनरना
 ह ॥ अदसूतणहीजविजयमां ॥ अंगेंधरेउगाह ॥ ८४ ॥ आसवपर्याइंअ
 तुं ॥ धर्मपत्नीतसधारि ॥ एकदिनगयोअवनीपती ॥ रमवारानमजारि ॥ ८५ ॥
 अपहरीउंअश्वेतदा ॥ मुक्योअटवीमांहिं ॥ मध्याङ्गेतिहामाननी ॥ ततपि
 णदिठित्याहि ॥ ८६ ॥ तवआदरतेअतिकरे ॥ आवोअवनीपाल ॥ बेशोतूंम्हे
 णवेसणें ॥ सेवाकरूंसांसादि ॥ ८७ ॥ ढाला ॥ देशीवटाउनी ॥ एदेशी ॥ रायकहेतूं
 कुंणगेरे ॥ कुणएथानिकसार ॥ तवतेकहेजखणीअतुं ॥ मनोहरानामउदार
 रे ॥ एतोविंध्यनुरणअवधारिरे ॥ तवनरपतिकहेसुणिनारिरे ॥ तूंएकलीकिमइं
 णिठारिरे ॥ ८८ ॥ वलिहारीशीलवंतनीभैरेढाला ॥ एआंकणी ॥ जरिकणीकहेअमेदंप
 तीरो ॥ नंदनवनथीआज ॥ मखयात्रलजईआवतां ॥ इणियानिकआव्यांसमाज
 रे ॥ पतीकोप्योवीणकोईकाजरे ॥ एकाकिणीकीधीत्याजरे ॥ तवबोव्योश्मनर
 राजरे ॥ ८९ ॥ व० ॥ विज्जइंकांमहिणंकरयुरे ॥ तुज्जमुंकीगयोएह ॥ तूप

णिसाथेनवीगई ॥ सूणिबोलीजकणीतेहरे ॥ होइअन्यनुरागीजेहरे ॥ तिणस्यु
 नहीकारजरेहरे ॥ तवसूपकहेगुणगेहरे ॥ १० ॥ ब० ॥ धर्मसतीनोएनहीरे ॥
 बोलेजकणीताम ॥ दोषविनातजेरागीने ॥ तेहनेंसतिअपणानोस्योठामरे ॥
 नृपसाषेतवअसीरामरे ॥ कुणदोषवीनातजेआमरे ॥ साकहेमुरषनांकामरे ॥
 ॥ ११ ॥ ब० ॥ इमकहीनांषेकटाकनेरे ॥ जेवेषेतेहराय ॥ लाजमुंकीमोहें
 कहे ॥ निजबोड्युंइमनपलायरे ॥ अनुरागीनेकुणतजेसाथरे ॥ अनुरागीतजो
 मुळकांयरे ॥ नृपकहेपरस्त्रीतूथायरे ॥ १२ ॥ ब० ॥ पुरुषनेसघलीपरअठे
 रे ॥ निजघरिनजणीकोय ॥ रायकहेइममतकहो ॥ जेविरोधीपरलोयरे ॥ क
 हेनारीअलिकवचतोयरे ॥ परलोकविरुद्धएजोयरे ॥ कथुंअनुरागीतजेकोय
 रे ॥ १३ ॥ ब० ॥ रायकहेरागिणीकीसीरे ॥ डरगतीमोकलेइम ॥ दोषसरीते
 कारणें ॥ परलोकअपेक्षानकेमरे ॥ तवबोलीदेषामतीप्रेमरे ॥ मुळवचनकरें
 जोनेमरे ॥ नहीतोतूफनेनहीषेमरे ॥ १४ ॥ ब० ॥ रायकहेअमेनवीगणरें ॥
 रंभाकेरोसार ॥ कोपचढ्योथईसामुही ॥ सूपतिइहकारीतिवाररे ॥ तवअदृश
 थईतेनारिरे ॥ चाढ्योनीजनयरविचाररे ॥ हवेजोज्योमार्गमफारिरे ॥ १५ ॥
 ब० ॥ कंचनपादपमारवाररे ॥ नांष्योपमीउंदूर ॥ नृपजुइंजपरीजिस्थे ॥ तव
 दिठीजकणीकूररे ॥ साषेसाक्रोधनेपुररे ॥ भुकुटीकरीगगनेसूरीरे ॥ कुंनंषी
 सतूफनेचुरीरे ॥ १६ ॥ ब० ॥ ठुटिसतूवारकेतलीरे ॥ तवबोड्योराजान ॥ रे
 पापिणीगोचरनही ॥ नहीतोतूफफेमुंथानरे ॥ घंटिजिमचुरेधानरे ॥ इमजक
 णीसांसलीकानरे ॥ दिव्यजोगेअदृशपहिचानरे ॥ १७ ॥ ब० ॥ सैन्यमढ्युं
 नीजरायनुरे ॥ हरप्यांसघटांलोक ॥ करेवधामणांसकुजना ॥ सेटणांलावे
 थोंकेंथोकरे ॥ नृपसावधानगतशोकरे ॥ नविविश्वसेंचित्तएटोकरे ॥ रषेआवे
 गलामांतोकरे ॥ १८ ॥ ब० ॥ सांधवीकहेम्हेंपुठिउरे ॥ किमनधरोविसवा
 स ॥ रायकहेएसहजथी ॥ तवपुढ्युंफिरीनृपपासरे ॥ मुळप्रजलेचित्तवेषास
 रे ॥ अतीआग्रहेपुढ्युंतासरे ॥ तवसर्वकथुंसूरवकासरे ॥ १९ ॥ ब० ॥ वात
 मनोहरानीकहीरे ॥ म्हेंसाण्युंसृणोस्वामी ॥ किमएद्वेषणीतुमतणी ॥ कहेराय

कुंफेमुंगामरे ॥ जोमुऊकरआवेएवामरे ॥ एकदिनवलीनृपअसीरामरे ॥ वास
 तवनमांहिंगयोजामरे ॥ ५०० ॥ व० ॥ तवकुंवाससूवनगईरे ॥ दिगोतीहांम्हें
 राय ॥ मुऊसमरूपेंनारीस्युं ॥ दिगोमुऊमनसंकायरे ॥ उंसरवामांमुंपायरे ॥
 तूपनेथयोतांमकषायरे ॥ पापिणीमायाकरीआयरे ॥ १ ॥ व० ॥ रेदेवी
 एंपापिणीरे ॥ केहवीआवीआज ॥ इमकहीदोप्योपूठिथी ॥ केसपकमेतेन
 रराजरे ॥ मेंकद्युस्युंकरोएकाजरे ॥ तवबोलावेतेस्त्रीपाजिरे ॥ आवीजोतूमस
 मवेसव्याजरे ॥ २ ॥ व० ॥ मायास्त्रीकहेरायनेरे ॥ एदरीसएनहीलाग ॥ पा
 पिणीकाढीमुंकीईरे ॥ सूणीपत्तणेनरपतीवांगरे ॥ चोकीआततेमोमुऊपांगरे ॥
 आव्यातवसूपीअत्तांगरे ॥ एंहनोकरोरणमांतांगरे ॥ ३ ॥ व० ॥ करज्योक
 दर्थनाबहुपररे ॥ किधीआणाप्रमाण ॥ पुरववयरीनीपरें ॥ पापिणी २ कहे
 वाणीरे ॥ केईपकमेकेसनेंपाणिरे ॥ केईताणेंवस्त्रअन्नाणरे ॥ केईताणेंहाथपी
 ढानरे ॥ ४ ॥ व० ॥ नयरबाहिरलावीकरीरे ॥ किधीकदर्थनाफेर ॥ मुंकीरण
 मांएकली ॥ इणिपरेंताषेथईत्तेरे ॥ फरीपकमीसजोएसेरे ॥ तोहणस्युंएस
 मसेरे ॥ वलिआइमकहीतिणीवेरे ॥ ५ ॥ व० ॥ म्हेंमनमांइमचितव्युरे ॥
 अहोएपापवीकार ॥ विणअपराधेंएवमां ॥ प्रांणीलहेडखअपाररे ॥ पुरवक
 तकर्मविचाररे ॥ हवेजीववुंकेहीप्रकाररे ॥ मरवुंनीश्वयएधारीरे ॥ ६ ॥ व० ॥
 ऊंपापर्वतथीकररे ॥ इमनीश्वयकरीठीक ॥ पोहतीपर्वतेकेशथी ॥ चढवामां
 म्युंतहकीकरे ॥ मुनीवरदेषेगतसीकरे ॥ दरीमांरहातेहनजीकरे ॥ कंलप्रांते
 नबोलेअलिकरे ॥ ७ ॥ व० ॥ नामसुगृहीतसूरीअठेरे ॥ साथेंबहुपरीवार ॥
 संशाररणसार्थपसमो ॥ चिंतामणीसमहीतकाररे ॥ तपतेजेजीमदिनकाररे ॥
 गुणरयणतणोसंभाररे ॥ डुपीआनेंतेआधाररे ॥ ८ ॥ व० ॥ देषतांदिव्यज्ञानी
 मुनीरे ॥ नागोसर्वकिलेस ॥ वंद्याविनइमुनीवरु ॥ धर्मलात्तदिइसूवीशेसरे ॥
 कहेवठशांतलिउपदेशरे ॥ मनमांमतकरिसंक्लेशरे ॥ तूंशिलवंतोशुत्तवेशरे ॥
 ॥ ९ ॥ व० ॥ आठमेखमेएकहीरे ॥ वरपनरमीढाल ॥ समरादित्यनारासमां ॥
 गुरुउत्तमव्रीजयनोवाडरे ॥ हवेगुरुजीवयणरसाडरे ॥ कहेस्येसविजिवदयाल

रे ॥ जेहथीहोस्येमंगलमाखरे ॥ १० ॥ ब० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ इहा ॥ स्युंसंशारमांसारठे ॥ आपदसाजनएह ॥ मोहेमुंज्यामानवी ॥ त
 त्वनजांतेह ॥ ११ ॥ अवणेंजिनवचनवीसुणें ॥ अहितेबांधेआप ॥ तिब्र
 कर्मतेवेदतां ॥ सुधोहोइसंताप ॥ १२ ॥ वितरागवयणांवीना ॥ होइंइणिप
 रेंहाणि ॥ म्हेंकसुंतहतीमहामुनी ॥ बलिकहोएकवषांण ॥ १३ ॥ पापकस्युं
 क्रिस्युंपुरवें ॥ पामीईस्याप्रकार ॥ कहेगुरुसांतलितेकथा ॥ कज्जंशेषसूप्रकार
 ॥ १४ ॥ ढाल ॥ देशीचांदलीआनी ॥ एदेशी ॥ इणसरतेंउत्तरदेशें ॥ ब्रह्मपु
 रनगरेंसुवीशेंसे ॥ ब्रह्मसेनसुपतीसुतवेसरे ॥ १५ ॥ शीलवंती ॥ तसवी
 डरविप्रइणेंनाम ॥ नृपनेविश्वासनुंगंम ॥ पुरंदरातेहनीवामरे ॥ १६ ॥
 शी० ॥ चंद्रजशातेहनीपुत्ति ॥ इहाथीनवमेंसर्वेंऊति ॥ मावित्रजाणेअम्ह
 सूतीरे ॥ १७ ॥ शी० ॥ जिनवयणसावितमायताय ॥ तुळवाततेहीतनीक
 हाय ॥ तुळनेंपरिणमननथायरे ॥ १८ ॥ शी० ॥ सववासनाजेहअणार्इ ॥
 बालसाववलीडखदाई ॥ जसोदामवसेसेगईरे ॥ १९ ॥ शी० ॥ बंधुसुंदरीते
 हनीनारी ॥ तेहस्युंतूळप्रीतीअपार ॥ तेहनेंवाढोशंशाररे ॥ २० ॥ शी० ॥ अतिसं
 क्लेशीपरीणांम ॥ बल्लिगिरधस्तोगनेंकाम ॥ परसवनुंनजांणेंनामरे ॥ २१ ॥
 शी० ॥ तुळमावीत्रेंघण्णवारी ॥ एपापिणीडरगतीबारी ॥ एहनीसंगतीनही
 तूमसारीरे ॥ २२ ॥ शी० ॥ तेंवचननमान्युंतास ॥ एकदिनवलीगईतसपास ॥
 बंधुसुंदरीदीगीनीरासरे ॥ २३ ॥ शी० ॥ पुढ्युंतेंकीमतूंइमा ॥ साकहेपतीनोनहीप्रे
 म ॥ एहनेंमदिरावतीस्युंवेहेमरे ॥ २४ ॥ शी० ॥ माहरेनहीहजीअसंतान ॥
 स्युंजाणेंथस्येस्युंतान ॥ तेसांतलीसाण्युंकानरे ॥ २५ ॥ शी० ॥ नवीकरी
 इंसमविषाद ॥ उद्यमकरीइअवीवाद ॥ तवतेकहेजीणेंनादरे ॥ २६ ॥ शी० ॥
 नवीजाण्णकांयउपाय ॥ परीवाजिकाएकइणेंगाय ॥ उत्पलानामेंसूणाय
 रे ॥ २७ ॥ शी० ॥ एवातमांकुशलवषाणी ॥ पुरवाहिरपुरवगणी ॥ तेहनें
 लावोनुमेआणारे ॥ २८ ॥ शी० ॥ तुंतुरतगईतसगेह ॥ बंधुसुंदरीतेमेनेह ॥
 परीवाजिकाआवीतेहरे ॥ २९ ॥ शी० ॥ तूंतोसुंपीगईनिजघेर ॥ पुजीकहे

सांशणीपैर ॥ करोसगवतीमुजपरिमेरे ॥ ३० ॥ शी० ॥ शंसलाव्योनीजव
 तांत ॥ परीब्राजीकाकहेएकांत ॥ तूंधिरजधरिमनशांतिरे ॥ ३१ ॥ शी० ॥
 मदिरावतीउपरिपेद ॥ थांतिमकरस्युंसेद ॥ निश्वयकरीनेंतूवेदरे ॥ ३२ ॥
 शी० ॥ साकहेकिधोउपगार ॥ गर्डपरीब्राजिकाआगारं ॥ करेविजुनेंविजो
 गप्रकारे ॥ ३३ ॥ शी० ॥ केईउपधीशकतीअर्चांत ॥ वलिकर्मविचीत्रता
 संति ॥ थयुंकारजनिश्वयतंतरे ॥ ३४ ॥ शी० ॥ मदिरावतीठांमीसेठें ॥ शो
 केयहितेजुंहेठें ॥ तुळकर्मबंधाणतेनेठेरे ॥ ३५ ॥ शी० ॥ आजुपुतेअनुं
 क्रमेंपाली ॥ थईहाथिणोतूमतवाली ॥ युथाधीपनेंनहीवाहलीरे ॥ ३६ ॥
 शी० ॥ लहिमरणेनंवांनरीथाय ॥ युथाधीपनेंनसुहाय ॥ कस्यांकर्मतेक
 होकिहांजायरे ॥ ३७ ॥ शी० ॥ जुथाधीपेंदूरेंकीधी ॥ जरठाकूरेंपकमी
 लीधी ॥ सांकलवांधीडखेदीधीरे ॥ ३८ ॥ शी० ॥ तिहांमरीनेंकुतरीजाई ॥
 सविस्वाननेपणिनसूहाई ॥ रीतूकालेंपणडसगाईरे ॥ ३९ ॥ शी० ॥ कृतव
 लनेंविणगीदेह ॥ पमीआकीमाअतीरेह ॥ बळकेशसोगवतीजेहरे ॥ ४० ॥
 शी० ॥ तिहांथीमरीथईमार्जारी ॥ कोईमार्जारनेंनहीप्यारी ॥ घरअनलें
 बलीतिणीवारीरे ॥ ४१ ॥ शी० ॥ मरीचक्रवाकीथईजाम ॥ सरतारविजुणी
 ताम ॥ महाडखणीथईअवीरामरे ॥ ४२ ॥ शी० ॥ तिहांथीचंमालणीऊई ॥
 पतीअलपामणीरहेजुई ॥ अनुंकरमेंतीहांथीमुईरे ॥ ४३ ॥ शी० ॥ हवंसील
 मीनोसवआयो ॥ कोईसवरनेंसंगनसुहायो ॥ संक्लेशेंजेकर्मबंधायोरे ॥
 ॥ ४४ ॥ शी० ॥ पालिमांथीकाढीमुंकी ॥ कोईनजुंसाहमुंथुंकी ॥ हवेकर्म
 थितेथईटुकीरे ॥ ४५ ॥ शी० ॥ समतितिहांविषमप्रदेश ॥ शंहतीबळलांसं
 क्लेश ॥ दिठामुनीवरसुसलेशरे ॥ ४६ ॥ शी० ॥ आवमैंखंमैएढाल ॥ गुरु
 उत्तमविजयनोवाल ॥ सोलमीकहेरंगरशालरे ॥ ४७ ॥ शी० ॥ ॥ ४८ ॥
 ॥ ॥ ॥ मारगमांथाकामुनी ॥ सूलापंथसयाल ॥ तेमुनीइंदितूनें ॥ करुणावं
 तकुंपाल ॥ ४८ ॥ मोदययोताहरेमनें ॥ पुढेमुनीवरपंथ ॥ कुणएथानिकैते
 कहो ॥ अलीकनएहमांअंथ ॥ ४९ ॥ सज्जकंतरएसाधुजी ॥ पढिमदिशंतु

मपंथ ॥ अथवादेशामुंअमे ॥ एहमांअलीकनअंथ ॥ ५० ॥ मार्गदेशामेमानि
 नी ॥ चितेविस्मीतचित्त ॥ अहोअणगरअमठरी ॥ प्रियताषीसुपवित्र ॥
 ॥ ५१ ॥ संगकरेएहसाधुनो ॥ तेहनोधन्यअवतार ॥ शुत्तपरीणामेंइमसयत्ता ॥
 कर्मषप्यांइकतार ॥ ५२ ॥ धर्मलात्तसूणीधर्मिणी ॥ प्रणमीमुनीवरपाय ॥
 आरंत्तपरीग्रहतसअलप ॥ मार्ववलीअमाय ॥ ५३ ॥ तेकारणबांध्युतिहां ॥
 मनुजआयुमहासाग ॥ विहारकरयोतिहांमुनीवरें ॥ मुनीवरएहजमाग ॥
 ॥ ५४ ॥ ढाल ॥ आजआणंदययोप्रेमनांवादलवरस्यांदिहामासोहला ॥ ए
 देशी ॥ आजआणंदययोमुनीवरदरीसणदिठुंधन्यदिनआजने ॥ एआंकणी ॥
 मुनीवरविचर्यापणिनारीतणे ॥ शुत्ततावनटुटोजेहणो ॥ आ० ॥ स्वतां
 विकानंयरीरायतणे ॥ लहीमरणनेउपनीपुत्रीपणे ॥ ५५ ॥ आ० ॥ कोसला
 नयरीतूपेपरणी ॥ यौवनवयआवीतसकरणी ॥ आ० ॥ तेकर्मरसुंजेतूफ
 शेष ॥ जखिणीतसकारणसुविसेस ॥ ५६ ॥ आ० ॥ तूफरूपेकरिनेनृपठ
 लीउ ॥ तूफकर्मशेषजेरसोबलीउ ॥ आ० ॥ तसउदइकदर्थनाबळपामी ॥
 परीवाजिकाढाव्याथीपामी ॥ ५७ ॥ आ० ॥ इमशांतलीमोहतिमीरगयो ॥
 तवजातीसमरणमुफययो ॥ आ० ॥ संवेगथीगुरुप्रणमीकळ ॥ कबएहकर्म
 जअंतलळ ॥ ५८ ॥ आ० ॥ गुरुकहेएएकजअहोराते ॥ तवपुढ्युंमेवदिसुष
 साते ॥ आ० ॥ नृपजरुणीकहोजाणस्येक्यारे ॥ बलतूंगुरुजीबोदयात्यारे ॥
 ॥ ५९ ॥ आ० ॥ रातेजबजरुणीपासे ॥ नरपतीजासेअतीउल्लासे ॥ आ० ॥
 पणितूफस्वतावथीफेरफार ॥ देशीसंकासेसुवीचार ॥ ६० ॥ आ० ॥ मंत्री
 श्वरनेतेकहेवात ॥ तवपरीकाकरवाअवदात ॥ आ० ॥ उलंघीजिनप्रतीमा
 जाम ॥ जरुणीनुंकपटलधुंताम ॥ ६१ ॥ आ० ॥ मारिमरिकरेलेईकरवा
 ल ॥ अदृशजरुणीथईततकाल ॥ आ० ॥ पढेनृपकरस्येपश्चात्ताप ॥ अहो
 राणीकदर्थिम्हेआप ॥ ६२ ॥ आ० ॥ म्हैकसुंतगवननहीनृपदोष ॥ एकर्म
 कस्यांतेहनोरोष ॥ आ० ॥ गुरुकहेसाचुंपणिमोहवसे ॥ आवसेइहांविहाण
 वायतीसे ॥ ६३ ॥ आ० ॥ तूफदेशीतुफस्यूसुषीहोस्ये ॥ तेपिणसऊइनयणे

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसंताप ॥ म्हेंकसुंप्रसूगयांमाहरांपाप ॥
 ॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवसयटलीउ ॥ संयोगवियोगअकीमली
 उ ॥ आ० ॥ नृपअवेपणिमुऊनहीरंग ॥ जराभरणपिमीतकिमसुखसंग ॥
 ॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यंतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुंएलहीइ ॥
 ॥ आ० ॥ जराभरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्ये ॥ ६६ ॥
 ॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरह्याजबगुरुविरह्यात ॥
 ॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युंधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांतलितुंससनेह ॥ ६७ ॥
 ॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममंचचित्तमाधार ॥ आ० ॥ सवि
 तवटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआवीअंगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
 कसुंकिरपाकरोसारी ॥ ऊंजाउंतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुऊ
 वामदीशे ॥ गुरुकहेतुरहेशोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ ऊंविनइंनमतीइमजर
 ही ॥ जिनवरसंतारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्युंदिधो ॥
 उपयोगेम्हेंअंगीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुऊसयजाणंसवीदूरगयो ॥ मानुं
 मोरुतेमुऊशनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
 मांएकपासेंहेतां ॥ ७१ ॥ आ० ॥ मतधरजेसयमनमांकांइ ॥ हवेअमदरी
 सणविहाणेशांइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहतानीजगामि ॥ ऊंहरपीउपनोवि
 आंम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरो
 ॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
 ॥ आ० ॥ म्हेंकसुंतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवकृतशेषकरमआंहि ॥ आ० ॥
 नृपकहेऊंनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाण्युंकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ० ॥
 बऊसवसोगवीउंबऊरीत ॥ तिहांतोतूम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
 मुऊकर्मनोदोष ॥ इहांकरवोनहीकोईस्यूरुष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
 सामान्येऊंजाणं ॥ तुऊनाणविशेषऊंपरमाणं ॥ आ० ॥ तवधुरथीकहीमें
 सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसुविरह्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांने
 तेदेपावो ॥ म्हेंकसुंपासेंतेतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराया

हरषीवंध्यागुरुनापाय ॥ ७७ ॥ आ० ॥ गुरुइं पणिधर्मदासदिधो ॥ गुरुआ
 गेंसवीअवदातकीधो ॥ आ० ॥ अहोदूकृतथोहुंविपाकघणो ॥ तोमुजसी
 गतीथास्येतेतणो ॥ ७८ ॥ आ० ॥ तिणेंजेमुजकरवुंतेहकहो ॥ गुरुकहेसा
 वयंसर्वजहो ॥ आ० ॥ करोअतीतकालनुंपमीकमणं ॥ बलिवरतमाननुं
 संवरणं ॥ ७९ ॥ आ० ॥ धरोअनागतकालनुंपच्चरवाण ॥ इमटलस्येक
 र्मनुंबंधाण ॥ आ० ॥ इमसीवसूखयास्येकरतलें ॥ नृपसापेअनुंमहकरयो
 सलें ॥ ८० ॥ आ० ॥ इमकरीइंगुरुजीतुमआणि ॥ मुजनेंकहेसांतलोगुरु
 वाणि ॥ आ० ॥ गुरुधर्मसारथीसमनहीमले ॥ एहथीसव २ पातिकटले ॥
 ॥ ८१ ॥ आ० ॥ म्हेंकसूंजुगतुंतवनरराय ॥ महादानदिननेंदेवराय ॥ आ० ॥
 बलितीहांअगईमहोवयाय ॥ सुरसुंदरसुतराज्येंगाय ॥ ८२ ॥ आ० ॥ अमात्य
 साथेबहुसामंत ॥ मुजस्युंसहुअंतेउरवंत ॥ आ० ॥ व्रतलीधांअम्हेगुरुजी
 पासें ॥ विधीइंवरमानतेशुसआसें ॥ ८३ ॥ आ० ॥ इमआठमेखंमेसुविसा
 ल ॥ कहीरुमीसत्तरमीढाल ॥ आ० ॥ एसमरादित्यतणेंरासें ॥ वरपद्मविज
 यशुसअत्यासें ॥ ८४ ॥ आ० ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४४ ॥
 ॥ ८५ ॥ इणिपरेंगुरुणीआषवे ॥ करमविपाकएमुज ॥ तिणेंथोहुंकर्मतेक
 र्खुं ॥ तसवीपाकएतुज ॥ ८५ ॥ सोगवेबहुसयकारीउ ॥ नरकतिरीमानें
 म ॥ रतनवतीसुणिरंगस्युं ॥ कर्मकर्यांजाइकेम ॥ ८६ ॥ इकृतनिजनोदो
 षए ॥ जाणीनतपीइंतेण ॥ सम्यग्देशविरतीआविका ॥ साधवीवचनश्रवणे
 ण ॥ ८७ ॥ तुम्होधन्यजिणेंघरतज्युं ॥ इखदालिप्रकर्यांडारें ॥ ऊपणिधन्य
 थईहवे ॥ पामीदरसणपुर ॥ ८८ ॥ ढाल ॥ काहानआवोजीउरारेकहुं
 एकवातमली ॥ एदेजी ॥ गुरुणीजीमाहरारे ॥ स्वरनीवातमली ॥ तुम्हेसावोकेह
 वीरेसीढांतांतमली ॥ परमाणंदजोगैरेकेसरतातुजमले ॥ इमसाण्युंतमुजनेरे
 केसदेहकीमटले ॥ ८९ ॥ गु० ॥ स्युंपाम्यातेपिणरेकेजिनवरधर्मप्रतें ॥ गुरु
 णीकहेजाणंरेकेएहवुंसांप्रतें ॥ इणिअवशरहथिरेकेगुलगुलशब्दकरे ॥
 संध्यामंगलनारेकेतुरवाज्यांसुपरें ॥ ९० ॥ गु० ॥ बंदीजनबोट्यारेकेधर्मथो

स्यूनहोई ॥ नंदासंभारिणीरेकेलावीकटकदोई ॥ उज्ज्वलफूललाव्योरेकेपुरोही
 तईमकहे ॥ गुरुवंदनअवसररेकेसृणीचितगहगहे ॥ ११ ॥ गु० ॥ सज्जसकू
 नतेरुमारेकेदेषीनेचितवे ॥ लक्षांजिनवरवयणारेकेस्वामीईमसंसवो ॥ अतदेवी
 शरीषारेकेसगवतीईकछुं ॥ परमाणंदयोगेरेकेतेपणिसद्व्युं ॥ १२ ॥ गु० ॥ क
 रीवीनयनेंसाषेरेकेरातिइहांरहो ॥ गुरुणीकहेकटपेरेकेपणिएवातलहो ॥ आ
 लयठेपासेरेकेतिणेंअमेजास्युंतिहां ॥ फिरीअवसरेआवस्यूरेकेहोज्योधर्मला
 तईहां ॥ १३ ॥ गु० ॥ सावंदेपायारेउपासरेतेहगयां ॥ करिरातिनीकरणीरे
 वलीपरस्तातिथयां ॥ उगीनेपोहतारेकेगुरणीनेंपासें ॥ देशनाहीकसृणीनेरेकेग
 ईधरिउल्लासें ॥ १४ ॥ गु० ॥ इमवोल्यादिहामारेकेच्यारतेअनुंकरमें ॥ पांच
 मेदिनआवीरेवधामणीईप्रधरमें ॥ गुरुणीस्यूवेगरेआवीचंदसंदरी ॥ कहेताह
 रोतरतारेआव्योशवीकाजकरी ॥ १५ ॥ गु० ॥ सगवतीनुंअन्यथारेकेवयण
 होईनही ॥ रतनवतीहरषीरेकेदिधुंदानउमही ॥ गुणचंदजीआव्यारेमिद्व्याती
 हांरायनें ॥ विषहनीवातोरेकहीनमीपायनें ॥ १६ ॥ गु० ॥ नृपेंसनमानंदी
 धोरेगयोहवेधसमसी ॥ आवेरतनवतीनेरेपासेंजबउल्लासी ॥ तवदिठांगुरुणीरे
 केनमेंहरषेंकरी ॥ धर्मलास्ततेदिधोरेकुमरकहेचीत्तधरी ॥ १७ ॥ गु० ॥ मुज
 पुन्यनाउदयनारेकेपारनपामीई ॥ सुगृहीतगुरुपासेरेमीथ्यात्वमेंवामीई ॥ तू
 मपासेंदेवीरेधरमपामीअठे ॥ तूमहदरीसण्डरलसरेपाम्योऊंअधमठे ॥ १८ ॥
 गु० ॥ कुशलानुंबंधीरेपुन्यवीनाप्राणी ॥ एहवासावनलहेरगुरणीकहेईमवा
 णी ॥ अनुंकरमेंपासेंरेसुखतेमुक्तिताणं ॥ विजानुंस्यूकेहेबुरेकुमरकहेतवव
 यणं ॥ १९ ॥ गु० ॥ पुन्यपापनाक्यथारेययपिमोदलहे ॥ पणिकारणपुं
 न्यानुसेबंधीपुन्यकहे ॥ तेवीणनवीलहीरेआराधकपणं ॥ गुरुणीकहेरुमुरे
 तूमचुंजाणपणं ॥ २० ॥ गु० ॥ इमकरीधर्मचरचारेगुरणीगमगयां ॥ इंपती
 होईधरमीरेमनमांमनसयां ॥ हवेबिऊंजणसांसलेरेदेशनानीत्यतिहां ॥ जा
 ईधर्मआराधतारेकोईककालइहां ॥ २१ ॥ गु० ॥ रत्नवतीनेंउपनारेसूतएकसो
 तागी ॥ राज्येठवेराजारेगुणचंदवमस्तागी ॥ मैत्रीवलराजारेदिक्षाआदरो ॥ धर्म

थीसङ्गसामंतरेआणारायनीधरे ॥ २ ॥ गु० ॥ निकंटकपालेरेअलंकतराज्यगु
 णे ॥ त्रिणवर्गनइंसाधेरेअन्योन्यअबाधपणे ॥ सङ्गजनसूत्रशंसेरेदेवगुरुसेवे ॥
 इमराज्यपालंतारेंदानअतूलदेवे ॥ ३ ॥ गु० ॥ इणेंअवसरेंआव्योरेजलदकाल
 रुमो ॥ हंसनागादूरेरेवीरहीनेअतिसूंमो ॥ मोरमातिहांनाचैरगरजारवयाया ॥ ह
 रप्यावप्पइयारेविजलीचमकाय ॥ ४ ॥ गु० ॥ दाडुरबङ्गबोलेरेपृथिवीनीरव
 हे ॥ नदिउयइमातीरेसरोवरलहेरलहे ॥ बगलानीपंतीरेपंथीघरिचाट्यां ॥ मही
 धीनेंगायोरेटाढिकलहीमाहट्यां ॥ ५ ॥ गु० ॥ सरीतापुरजोवारेनिकलीउरा
 जा ॥ निजपरीवारसाथेरेअवलवेसताजा ॥ तूणकाष्टतणांणारेसरीतामांआवे ॥
 कलूषितबङ्गपाणारेकांठेनवीमावे ॥ ६ ॥ गु० ॥ विजंतटतिहांपानेरेलहेविस्ता
 रघणो ॥ आरामविनासेरेपारनपुरतणो ॥ जलचरबङ्गदिशेरेसमरीजलषावे ॥
 मरजादामुंकीरेबालनेविहावे ॥ ७ ॥ गु० ॥ इमदेधीतमासोरेआव्यानीजगेहा ॥
 ठालआठमेखंमेरेअठारमीएह ॥ गुरुउत्तमविजयनोरेपद्मविजयसीस ॥ सांस
 लज्योओतारेसूणतांसुजगीश ॥ ८ ॥ गु० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
 ॥ उहा ॥ केईकदिनवलीव्यतीक्रम्या ॥ शरदसमयसंतालि ॥ अश्ववाहनी
 आवीउ ॥ तूपतेसरितातालि ॥ ९ ॥ मुलस्वत्तावेनीरमली ॥ कुरनजलचरको
 य ॥ बुधजनसेवीततेबङ्ग ॥ सांसखुंदेपीसोय ॥ १० ॥ संवेगेनृपसंवरी ॥ चि
 त्तमांकरेवीचार ॥ रीधीआमंवरनवीरहे ॥ करेनीजपरअपकार ॥ ११ ॥ न
 दिदृष्टातेनीरषीइ ॥ पुरुषनोएहप्रकार ॥ तावनतटपासेली ॥ आतममलीन
 अपार ॥ १२ ॥ वलिआरंसपरीपहवधे ॥ करेउनमादकल्लोल ॥ चरणधर्म
 वादीचसे ॥ तजेकृत्यसीमआजोल ॥ १३ ॥ मोहतणीसमरीमहा ॥ परमार
 यअणपांमि ॥ अबुड्लोकधणंअमवमो ॥ बेपीअदसूतदामा ॥ १४ ॥ सरिताप
 रेंस्वसावषी ॥ अलगीजाइउपाधि ॥ अनुक्रमेंतारीआतमा ॥ अनुसर्वेअव्या
 बाध ॥ १५ ॥ ठाल ॥ सूलोमनसमरारेंकांयसमे ॥ एदेशी ॥ आपस्वसावमां
 हिरमे ॥ आवेजोरेवीवेक ॥ पापमीत्रनेपरीहरे ॥ सुत्तपरीणामनीटेका ॥ १६ ॥
 गुणचंदरायसंवेगीउ ॥ एआंकणी ॥ अध्ववशायसलाहोइ ॥ अर्थअनर्थनो

कार ॥ अंतरायपरलोकनो ॥ मिथ्यासीमानविस्तार ॥ १७ ॥ गु० ॥ क्लेशहो
 यजेहथीघणो ॥ ज्ञाननीपरणतीनाश ॥ कपटकरेवलीआकह ॥ दोसथीसर्व
 विनास ॥ १८ ॥ गु० ॥ कर्मादानव्यापारने ॥ सेवेपापअनेक ॥ कुसलजोग
 जाइवेगलो ॥ पापमतीअतीरेक ॥ १९ ॥ गु० ॥ द्रव्यउपगारहेयघपी ॥ प
 णिअद्वयकालिकएह ॥ परपीमाहोइघणी ॥ किमआदरीइतेह ॥ २० ॥ गु० ॥
 द्रव्यसावउपगारमां ॥ सावतेजाणिप्रधान ॥ इमचितवतावाधीउ ॥ शुसपरी
 णामनीदान ॥ २१ ॥ गु० ॥ आवीमंदिरनरपती ॥ संसलावेतेहवात ॥ रतन
 वतीमंत्रीप्रते ॥ बोलेतेअवदात ॥ २२ ॥ गु० ॥ जिमसाप्युंतुम्हेस्वामीजी ॥
 कीजेइगीतकाज ॥ कालकेपइहांनवीघटे ॥ चंचलजीवीतराज ॥ २३ ॥ गु० ॥
 जाइधरममांजेघमी ॥ तेहप्रशंसवालाग ॥ सांसलिउदघोषणाकरी ॥ देतोदा
 नअयाग ॥ २४ ॥ गु० ॥ सर्वदेहरेविरचावतो ॥ पुजाअनेकप्रकार ॥ ज्ञाता
 कटपसूत्रेकही ॥ रायपसेणीमजारि ॥ २५ ॥ गु० ॥ जिवास्तिगममांहिवली ॥
 पुजाकहेजिनराय ॥ तेहउवेपेजेप्राणीआ ॥ मुंढाडरगतीजाय ॥ २६ ॥ गु० ॥
 धृतीबलपुत्रराज्येउवी ॥ सज्जनेदेइसनमान ॥ पवरिगुरुनीकढावतो ॥ जाणी
 तेहनुंयान ॥ २७ ॥ गु० ॥ रतनवतोसाथेलेई ॥ सामंतनेपरधान ॥ चाट्या
 काशीदेशमां ॥ संयमनुंधरीध्यान ॥ २८ ॥ गु० ॥ बाणारसीनघरीवसे ॥
 विजयधर्मसूरीराय ॥ धर्मलाससूरीसरदिई ॥ जबबंधागुरुपाय ॥ २९ ॥ गु० ॥
 पुढ्यापठीसघलूंकहे ॥ आगमकारणसार ॥ बाणारसीपतीबज्जकरे ॥ द्रव्यय
 कीउपचार ॥ ३० ॥ गु० ॥ सज्जसाथेमहामहोउवे ॥ वधतेशुसपरीणाम ॥
 संजमलेवेनरवरू ॥ विचरेयामानुंयामा ॥ ३१ ॥ गु० ॥ सुत्रसण्याकोयाअन्त्यसी ॥
 समइथयाअसीप्राय ॥ एकलवीहारअंगीकह ॥ पुढ्याश्रीगुरुराय ॥ ३२ ॥
 गु० ॥ आणजवगुरुजीकरे ॥ तबसूत्रादिकजेह ॥ तुलनापंचप्रकारनी ॥
 करेपुरवेकहीतेहा ॥ ३३ ॥ गु० ॥ अंतः ॥ सूत्रेणअन्तेण ॥ इत्यादीतथापढमाउवस्सयं
 मी ॥ विहावाहीतइतइयाचउकमी ॥ सूतघरमीचउढी ॥ तहपंचमीआमसा
 णंमी ॥ ३४ ॥ पूर्वदाल ॥ इणिपरेंसत्वतोलीकरी ॥ एकलमल्लविहार ॥ सूत्रविधिअ

गीकरे ॥ पालेनीरतीचार ॥ ३४ ॥ मु० ॥ कालगयोश्मकेतलो ॥ इकंदिनकरत
 विहार ॥ कोलांगसनीवेसैंगया ॥ रहिआएकांतठारा ॥ ३५ ॥ गु० ॥ काउसगकरी
 नैरहो ॥ आठमैखंमेढाला ॥ उगणीसमीपदमैकही ॥ सुणतांमंगलमाला ॥ ३६ ॥ गु० ॥
 ॥ उहा ॥ मलयजातांवाणमंतरो ॥ मिलीयामुनीमाहंत ॥ कोपचढयोचित्तक
 लकढयो ॥ चितमांश्मचितंत ॥ ३७ ॥ पापीदिठोपापथी ॥ कपटकरेजुउ
 केंम ॥ मुंकुंशिलाइहांमोटिकी ॥ तूरतमरेएतेम ॥ ३८ ॥ मोरेएहनेंमाहळ ॥
 सफलवीद्याकुलशार ॥ रौद्रध्यानैअतीरोसथी ॥ वंढितकरेविकार ॥ ३९ ॥
 ढाल ॥ नवमीवामेनीवारयोरे ॥ साधुजीसणगार ॥ एदेई ॥ पासेंपरवत
 थीशिलारे ॥ विद्याबलथीरेलीध ॥ मुंकेगगनथीमुनीसिरेरे ॥ पिमाअतीसयकि
 ध ॥ ४० ॥ पणिनवीसावथीपीनीआरे ॥ जोवेषेचस्तेह ॥ जिवतादेषीको
 पीउरे ॥ चितवेअहोजुउएह ॥ ४१ ॥ जिवनशक्तिअहोघणीरे ॥ अहोपरस
 वपक्षपात ॥ अवज्ञामुऊउपरैरे ॥ एहनीअपुरववात ॥ ४२ ॥ मुंकीमोहटी
 शिलावलीरे ॥ तेहथीपीमीरेकाय ॥ पणिनवीसावपीमाईउरे ॥ देषीक्रोधस
 राय ॥ ४३ ॥ त्रिजीवारतूरततिणैरे ॥ मुंकीएकमहंत ॥ पणितिमहीजदेषीक
 रीरे ॥ अतिसयषेदलहंत ॥ ४४ ॥ चितवेमारीनवीशकुं ॥ करूधर्ममांअंत
 राय ॥ कोईकुनुंघरमुंशीनें ॥ मुंकुंएहनेपाय ॥ ४५ ॥ लोकनेंकजंमहापापी
 उ ॥ जुउकेहवांकरकाम ॥ लोकतेकरस्येकदर्थना ॥ आपदालहेस्येरेतांम ॥
 ॥ ४६ ॥ जिमचितव्यूतिमहीजकरयुरे ॥ संसलावेकोटवाल ॥ आव्योतला
 रदिठामुनी ॥ परमदयालमयाल ॥ ४७ ॥ तपशोषीततनुंएहनुरे ॥ दिशेमु
 तिशांति ॥ चित्तआकुलनहीएहनुरे ॥ सोगरहीतएकांति ॥ ४८ ॥ एकिम
 करस्येएहवुं ॥ अथवाकपटविचित्त ॥ करूंपरीक्षाएहनी ॥ यद्यपीदीशेफ
 वीत्त ॥ ४९ ॥ जामनीकुंजेनीहालीउ ॥ उपनीशंकरेताम ॥ पूढ्युंपणिनवी
 बोलीआ ॥ तर्जनाकरताप्रकाम ॥ ५० ॥ तोपणिनवीबोलेयदा ॥ तवषेच
 रहरषंत ॥ अध्यवशायनीकुरता ॥ नरकआयुबंधंत ॥ ५१ ॥ रौद्रध्यानै
 निकाचीउ ॥ हवेचितवेकोटवाल ॥ कहिइंनृपनेंजेगमे ॥ तेहकरोनरपाल ॥

॥ ५२ ॥ संसलाव्युत्सूपावने ॥ आव्योवीश्वसेनराय ॥ दिगातवतिऐंउलया ॥
 प्रणम्यासगतेरेपाय ॥ ५३ ॥ पुढेकोटवालनेतूम्हे ॥ किधुढेप्रतीकुल ॥ तेक
 हेतेहवुंकांयनही ॥ तवतृपकहेअनुंकूल ॥ ५४ ॥ राजरूषीएअम्हतणारे ॥
 स्वामीगुणचंदराय ॥ निरुपसरगत्सूपाविनेरे ॥ नरत्तवसफलकराय ॥ ५५ ॥
 सयलसंगत्यागीगुरु ॥ वरतेढेएहध्यान ॥ अप्रतीबंधपणेरहे ॥ किधाढेअनुं
 ष्टान ॥ ५६ ॥ एकल्लविहारअंगीकरथो ॥ बोळ्योतामतलार ॥ धन्य २ करी
 षामीउ ॥ तृपकहेस्योएविचार ॥ ५७ ॥ कोटवालकहेजिऐंकद्युं ॥ तेनरढेणो
 ठार ॥ तृपकहेकिहांढेदापवो ॥ अहशययोतेणीवार ॥ ५८ ॥ नजम्योतव
 तूपतीसणें ॥ कोईकउपसर्गकार ॥ सुरषेचरहोस्येसही ॥ उष्टतणोएप्रकार
 ॥ ५९ ॥ कहोअंतेउरनेतूम्हे ॥ जनपदनेंसूवीशेस ॥ आयास्वामीतुमतणा ॥
 गुणचंदजेहनरेश ॥ ६० ॥ धरममुरतिधरीआवीउ ॥ दिठेपापपदाय ॥ शि
 वसूरवकारणस्वामीजी ॥ निःसंगीमुनीराया ॥ ६१ ॥ विसवशक्तीसक्तिघणी ॥ वंदो
 नीजउपगार ॥ कोटवालेंजणव्युंसवे ॥ सऊनेंहर्षअपार ॥ ६२ ॥ आविसऊइं
 वंदिआ ॥ पुजाकरीविस्तार ॥ गुणस्तवनावलि २ करे ॥ दरीसणविस्मयंका
 र ॥ ६३ ॥ आठमेखंढेएकही ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पद्मवीजयएविसमी ॥
 सुणतांलीलवीलास ॥ ६४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ ७५ ॥ आव्योकवामींणसमे ॥ सुणोकहेवातसरुप ॥ एअणगारनेंउपरें ॥
 नांषीशिलाअनुंप ॥ ६५ ॥ आवीमार्गआकाशथो ॥ नवीदीठोनयणेन ॥ नवी
 नाठानेनविचल्या ॥ कोणजाऐंकस्युंकेण ॥ ६६ ॥ तसनीघातिंआसीउ ॥ मु
 ठालसोमहाराय ॥ आगलिनवीजाणंअवर ॥ किधुमुंननेंकांय ॥ ६७ ॥
 एहशिलाडगअपरजे ॥ तेपणिनाषोतेण ॥ महापापीविणमानवी ॥ जुठनेन
 करेजेण ॥ ६८ ॥ शोकातूरथयासांसली ॥ राणीपूरजनराय ॥ अहो२रूषीरा
 यनें ॥ उष्टमहाडखदाय ॥ ६९ ॥ अहोक्किष्टकर्माअहो ॥ अहोअलोकी
 कएह ॥ अहोनीरदयताएहनी ॥ नहिविवेकनेंनेह ॥ ७० ॥ अहोगुणद्वेषीआ
 करो ॥ मुनीवरमहाव्रतवंत ॥ अज्ञानीस्यूनआचरे ॥ मोहेसऊमुंजंत ॥ ७१ ॥

प्रथवीपतींमविलपतो ॥ जाणिमुनीवरजाण ॥ पुरेध्यानेंपारीउ ॥ काउस
 ग्गंमकहेवाण ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ तरतटपत्तावस्युंए ॥ एदेशी ॥ मुनीवरक
 हेसूणिराजिआए ॥ किधांकर्मनजाय ॥ आपोआपसोगवेए ॥ एहअलपडख
 राय ॥ ७३ ॥ नमोमुनीरायनेंए ॥ धन२एहनीमाय ॥ नमो० ॥ एआंक्रणी॥
 एहअनादिसंसारमांए ॥ कर्मशंतानअनादि ॥ डखेव्यापीरस्योए ॥ निजगु
 णअहिआढादि ॥ ७४ ॥ नमो० ॥ जनमजरामरणेंतस्योए ॥ दिनताइष्टबी
 जोग ॥ शोगबहुउपजेए ॥ वलितनुंमांअतीरोग ॥ ७५ ॥ नमो० ॥ इमजा
 णिवैराग्यथीए ॥ समकीतमुलवतवार ॥ बलीचारीत्रलिईए ॥ ढांमीनीजआ
 गार ॥ ७६ ॥ नमो० ॥ ठठअठमादिकतपकरेए ॥ सीलंगसहस्तअठार ॥
 प्रादिसूरसवलहेए ॥ शिवसुखअनुंकर्मेशार ॥ ७७ ॥ नमो० ॥ केईकक्कीव
 पुरुषवलीए ॥ कामसोगलपटाय ॥ बहुडखसोगवेए ॥ निचनीसेवकराय ॥
 ॥ ७८ ॥ नमो० ॥ सीमसंयाममांहेअमेए ॥ पेसेसमुद्रमजारि ॥ मित्रादिकनें
 ठगेए ॥ विषयासीलाषप्रकार ॥ ७९ ॥ नमो० ॥ परसवनरगेंसंचरेए ॥ ढां
 मीचंचलआय ॥ लसांम्हेंडखघणांए ॥ वारअनंतीप्राय ॥ ८० ॥ नमो० ॥
 सिन्न२सातेंधरीइं ॥ डखतणोनहीपार ॥ कुंसीपाकेंपच्योए ॥ तिवशस्त्रेंलसो
 मार ॥ ८१ ॥ नमो० ॥ करवतथीवेहस्योवलीए ॥ काष्टनेंजिमसूत्रधार ॥ से
 योत्रिशुलेंकरोए ॥ जंत्रेंपिढ्योअपार ॥ ८२ ॥ नमो० ॥ वज्रतुंमपंषीथईए ॥
 षाधोकरतोरीव ॥ तातांजोतरकरीए ॥ मुंक्यामाहरीथीव ॥ ८३ ॥ नमो० ॥
 इमकरीरथवहेवराविउंए ॥ तिल २ षंमकस्योकापि ॥ दिशोदिशबलीकरेए ॥
 हिंसानांएपाप ॥ ८४ ॥ नमो० ॥ जित्तालूथीकाढतांए ॥ एअलीकबोदया
 नोसेद ॥ वलिपरद्व्यलिउंए ॥ काननाककरेढेद ॥ ८५ ॥ नमो० ॥ धगधगती
 लोहपुत्रीकाए ॥ आलिगनदिशदेव ॥ वैतरणीमांठवेए ॥ उण्णनीरनितमेव ॥
 ॥ ८६ ॥ नमो० ॥ ढायजाणीसामलीतलेंए ॥ बेसवाजउंजाम ॥ पमेतसंपत्र
 जेए ॥ काननाकढेदेताम ॥ ८७ ॥ नमो० ॥ ताढि १ ताप २ सूष ३ तर
 स ४ नीए ॥ परजनें ५ परवसताप ६ ॥ शोगसय ८ ॥ ज्वर ९ घणोए ॥ दाह १०

अतीसयथाय ॥ ८८ ॥ नमो ० ॥ एदशवेदनानरगमांए ॥ वलिकंकशुनक
 नेकाक ॥ रोताचुंढेणंए ॥ पापकरमपरीपाक ॥ ८९ ॥ नमो ० ॥ आंषिभि
 चीउघामोईए ॥ नहिसुखतेतीवार ॥ तिरीगतीमांवलीए ॥ पाम्योडुखअपार
 ॥ ९० ॥ नमो ० ॥ म्हणखंडननेवधहोईए ॥ बळवहेवरावेसार ॥ पमीसूषतरस
 नेए ॥ नवीकरेकोइसूसार ॥ ९१ ॥ नमो ० ॥ नरत्सवमांपरवजपणंए ॥ नि
 रधननेवलीक्रीव ॥ तिणेंनरपतीसूणोए ॥ शोकनकरीइअतीव ॥ ९२ ॥ न
 मो ० ॥ रायकहेतुमेस्वामीजीए ॥ किधोसफलअवतार ॥ कस्योथीरआतमा
 ए ॥ अंतररिपुजयकार ॥ ९३ ॥ नमो ० ॥ शोचणयोग्यतूम्हेनहीए ॥ अं
 म्योप्रमादप्रसंग ॥ अंगितपसिरीकरीए ॥ प्राप्तप्रायजीवसंग ॥ ९४ ॥ नमो ० ॥
 शोचवायोग्यतेतेययोए ॥ जिणेंकीधोजपसर्ग ॥ गुरुकहेतवसूणोए ॥ एहवो
 संसारसंसर्ग ॥ ९५ ॥ नमो ० ॥ परचितातूस्युंकरेए ॥ करिनीजआतमाचित ॥
 सुणिचपउच्चरेए ॥ आणकरोसगवंत ॥ ९६ ॥ नमो ० ॥ कोपासेव्रतआदरं
 ए ॥ विजयधर्मगुरुपास ॥ मुनिशणीपरिकहेए ॥ करयुंप्रमाणवचतास ॥
 ॥ ९७ ॥ नमो ० ॥ गुणचंदमुंनीहवेविचरीआए ॥ वाणमंतरहवेतेह ॥ करी
 महाकर्मनेए ॥ रोगेंथईषीएदेह ॥ ९८ ॥ नमो ० ॥ इंद्रियहांणीलसाधणंए ॥ अशु
 तउदयथघोतास ॥ स्वत्तावफस्योवलीइ ॥ करेआक्रंदवेपास ॥ ९९ ॥ नमो ० ॥
 वैद्यनीपुणउपदेशथीइ ॥ विष्टाप्रमुखमुषदिध ॥ कंठकशज्याकरीए ॥ इंसकां
 यकसूरवसीइ ॥ १०० ॥ नमो ० ॥ रौद्रध्यानदोषेंकरीए ॥ तेत्रीससागरआ
 य ॥ सातमीनरगेंगयोए ॥ महाडुखनोसमुदाय ॥ १०१ ॥ नमो ० ॥ गुण
 चंदपणिरीषीराजीउए ॥ पालीसंजमशुइ ॥ करीसंलेषणाए ॥ सावनासावी
 वीवुइ ॥ १०२ ॥ नमो ० ॥ करमराजीबळपयकरीए ॥ स्वामीसघडाजीव ॥
 नमीवितरागनेंए ॥ थानिकजोईनिरजीव ॥ १०३ ॥ नमो ० ॥ पादपोपगमअण
 सणकरीए ॥ पालीनीरतीचार ॥ रुंधीचेष्टाप्रनेंए ॥ बळवंदेअणगार ॥ १०४ ॥
 नमो ० ॥ गाईदेवांगनागीतमांए ॥ स्तवनाकरेनरदेव ॥ त्यजिनीजदेहनेंए ॥
 थयासरवारथेदेव ॥ १०५ ॥ नमो ० ॥ तेत्रीससागरआउषेंए ॥ सुखशागरजी

लंत ॥ एनरत्नवत्प्राठमोए ॥ आठमोखंमएजंत ॥ ६ ॥ नमो० ॥ एकविस
 ठालेंसोहामणोए ॥ समरादित्यनेरास ॥ अठारबेंतालीसेंए ॥ सूदिदसमीताइ
 माश ॥ ७ ॥ नमो० ॥ श्रीविजयसिंहसूरीसनाए ॥ अंतेवासीमुख्य ॥ क्रि
 यानुशारकख्योए ॥ सत्यविजयसूसीप्य ॥ ८ ॥ नमो० ॥ कपुरविजयतस
 पाटवीए ॥ धीमावीजयतससीस ॥ धिमागुणथीतरयाए ॥ जिनवीजयस
 जगीस ॥ ९ ॥ नमो० ॥ उत्तमविजयजीतेहनाए ॥ सीप्यशीरोमणीशार ॥
 पंढीत्तगुंणेंआगलाए ॥ समतारसत्तनार ॥ १० ॥ नमो० ॥ कट्याणपासपशा
 यथोए ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ विसलनगरेंरहीए ॥ समरादित्यगुंणप्रेम ॥
 ॥ ११ ॥ नमो० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंढीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि
 शिष्यपं० पद्मवीजयगणि ॥ विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधगुणचं
 द्रनृपवाणमंतरासिधानविद्याधरयोः अष्टमनरत्नवः समाप्तः ॥ सर्वगाथा ॥
 ॥ ७११ ॥ उक्तगाथा ॥ ५ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥

॥ ८० ॥ इहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ शांतीसदासुखकार ॥ समरीसरसती
 सामिनी ॥ गुरुगुणज्ञानदातार ॥ १ ॥ आठखंमकस्त्रांणिपरें ॥ दिन२चढतेदा
 व ॥ नवमोखंमहवेनीरमलो ॥ तापुंआणीताव ॥ २ ॥ समरादित्यसोहामण ॥
 गुणद्वेषीगीरीसेण ॥ नृपसूतनेंचंमालनर ॥ सांतलीइंसयणेण ॥ ३ ॥ शंणिजं
 बुद्धिपेंअठइ ॥ तरतपेन्नतररीहि ॥ उद्येणीनयरीअवल ॥ प्रथिवीमांहिप्रसी
 रु ॥ ४ ॥ मंदिरगढमढमालीआं ॥ विहारआरामविशेष ॥ पोलीपागारमारगृ
 थु ॥ अमरजुइअनीमेष ॥ ५ ॥ ढाल ॥ उत्तीतावलदेराणीअरजकरेढे ॥ अब
 कोवरसालोघरिकिजेहो ॥ गढबुदीराहामावाढ्हाचंलणनदेस्यूं ॥ एदेशी ॥ लष

मीचलजाणीपरीषामीसविधीइं ॥ रजुपरेंमानुंवांधीहो ॥ सृणोसवीअणसाव
 इं ॥ गुणगुणवंतकेरा ॥ सज्जनगुणरयणेंकरीसूषीत ॥ रुपकलासज्जइंसाथी
 हो ॥ ६ ॥ सु० ॥ जेहनीसीमासरोवरसोहे ॥ नलिनीवनेंसरसोहेहो ॥ कम
 लेंनलीनीनेंकस्यतेभमरें ॥ भमरगुंजारवेमोहेहो ॥ ७ ॥ सु० ॥ नामेंपुरीस
 सिंहेतेहनोराणो ॥ सुंदरीराणीजाणोहो ॥ त्रिणवर्गशाधतांकादगमावे ॥ दंपती
 दोयवषाणोहो ॥ ८ ॥ सु० ॥ इणसमेसुरसरवारथवासी ॥ तिहांथीचव्याआयु
 पालीहो ॥ सुंदरीकुपेंउपनोजीहारे ॥ जागीसुपनैरवीसालीहो ॥ ९ ॥ सुं० ॥
 पतीनेंकहेम्हेंसुरयसूपनें ॥ दिगोआजप्रसातेंहो ॥ कमलाकरविकश्वरकरतो ॥
 किंनरतसगुणगतेहो ॥ १० ॥ सुं० ॥ गगनविसूषेदिमीरविणसे ॥ लोकक
 रेपरणामहो ॥ आतपेंसौम्यतेपेसतोउदरें ॥ तेहुनुंफलकहोस्यामीहो ॥ ११ ॥
 सुं० ॥ नृपहरषीरुहेतूऊसूतहोस्ये ॥ तिसूवनमांविख्यातहो ॥ तहतीकरीप
 तीवचनप्रमाणी ॥ अनुक्रमेंजनमतेजातहो ॥ १२ ॥ सुं० ॥ रुमेनपेतरेंकर
 णमुकुर्ते ॥ विणसंक्लेशेंआयोहो ॥ सिद्धिमतिदासीइंवधायो ॥ नृपमनहरषन
 मायोहो ॥ १३ ॥ सुं० ॥ दासीनेंदानदेईनेंकरावे ॥ बंदिमोचनरायहो ॥ अ
 नीवारीतदाननेंदेवरावे ॥ नयरम्होठवमंजायहो ॥ १४ ॥ सुं० ॥ पच्चरायप्र
 मुखजेनरदेवा ॥ तेहनेंकरताजाणहो ॥ बज्जउठवनित २ प्रतेंकरतां ॥ ऊउ
 मासप्रमाणहो ॥ १५ ॥ सुं० ॥ सुपनप्रमाणेंपीतामहकेहूं ॥ समरादित्यदिइं
 नामहो ॥ इणअवसरजीववाणमंतरनो ॥ नारकनीकल्योतामहो ॥ १६ ॥
 सू० ॥ नानासवतिरीगतिमांसटकी ॥ बज्जउठवपमतोतेहहो ॥ करमवसेंसी
 आलीउंऊउ ॥ मरणवहीवलीएहहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ इणहिजनयरीइंचं
 फालपाणे ॥ गंठीगनामचंमालहो ॥ जरुदेवानामेंतसनारी ॥ तांसकुपेंततका
 लहो ॥ १८ ॥ सू० ॥ गिरीसेननामेंपुत्रजऊउ ॥ जममतीडरवीउंदीनहो ॥
 कुरुपीपणेंकालगमावे ॥ पापराशिधनहीनहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ समरादि
 त्यपुण्यफलअनुसवता ॥ पुरवसूकृतअन्त्यासेंहो ॥ सयलकलावाकलाजेंशी
 प्यो ॥ साषीमात्रगुरुपासेंहो ॥ २० ॥ सू० ॥ कुमरपणेंपणिपुरवअन्त्यासें ॥

शास्त्रचितनघण्टातोहो ॥ तत्वजुक्तिश्वातवरावे ॥ सावेसावनाचवदातोहो ॥
॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रवृत्तहो ॥ पुण्या
नुबंधीपुन्यजदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाएनीरमल
नेत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसंपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीडक
त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर ॥
नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविषयनसेवे ॥ महावैरागीकुमारहो ॥ २४ ॥
सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चितवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकंदर्पनेंवीत्तअ
तूलठे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रवमां ॥ रा
यकन्याघण्टेश्ठेहो ॥ मुनीदरसनलक्षोपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनप्री
ठेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ सूषणनकरेमानोहो ॥ री
जुतानमुकैधर्मनचुके ॥ पुण्यसंसारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिन
थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुळचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमुळनेंहो
स्ये ॥ एहकल्याणनुंविजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखमें ॥ स
मरादित्यनेंरासेहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजपे ॥ आर्गलिवातविलासेहो ॥
२९ ॥ सू० ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥
॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥ ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥
॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥ ॥ १२१ ॥ ॥ १२२ ॥ ॥ १२३ ॥ ॥ १२४ ॥ ॥ १२५ ॥
॥ १२६ ॥ ॥ १२७ ॥ ॥ १२८ ॥ ॥ १२९ ॥ ॥ १३० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ १३२ ॥ ॥ १३३ ॥ ॥ १३४ ॥ ॥ १३५ ॥
॥ १३६ ॥ ॥ १३७ ॥ ॥ १३८ ॥ ॥ १३९ ॥ ॥ १४० ॥ ॥ १४१ ॥ ॥ १४२ ॥ ॥ १४३ ॥ ॥ १४४ ॥ ॥ १४५ ॥
॥ १४६ ॥ ॥ १४७ ॥ ॥ १४८ ॥ ॥ १४९ ॥ ॥ १५० ॥ ॥ १५१ ॥ ॥ १५२ ॥ ॥ १५३ ॥ ॥ १५४ ॥ ॥ १५५ ॥
॥ १५६ ॥ ॥ १५७ ॥ ॥ १५८ ॥ ॥ १५९ ॥ ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥ ॥ १६२ ॥ ॥ १६३ ॥ ॥ १६४ ॥ ॥ १६५ ॥
॥ १६६ ॥ ॥ १६७ ॥ ॥ १६८ ॥ ॥ १६९ ॥ ॥ १७० ॥ ॥ १७१ ॥ ॥ १७२ ॥ ॥ १७३ ॥ ॥ १७४ ॥ ॥ १७५ ॥
॥ १७६ ॥ ॥ १७७ ॥ ॥ १७८ ॥ ॥ १७९ ॥ ॥ १८० ॥ ॥ १८१ ॥ ॥ १८२ ॥ ॥ १८३ ॥ ॥ १८४ ॥ ॥ १८५ ॥
॥ १८६ ॥ ॥ १८७ ॥ ॥ १८८ ॥ ॥ १८९ ॥ ॥ १९० ॥ ॥ १९१ ॥ ॥ १९२ ॥ ॥ १९३ ॥ ॥ १९४ ॥ ॥ १९५ ॥
॥ १९६ ॥ ॥ १९७ ॥ ॥ १९८ ॥ ॥ १९९ ॥ ॥ २०० ॥ ॥ २०१ ॥ ॥ २०२ ॥ ॥ २०३ ॥ ॥ २०४ ॥ ॥ २०५ ॥
॥ २०६ ॥ ॥ २०७ ॥ ॥ २०८ ॥ ॥ २०९ ॥ ॥ २१० ॥ ॥ २११ ॥ ॥ २१२ ॥ ॥ २१३ ॥ ॥ २१४ ॥ ॥ २१५ ॥
॥ २१६ ॥ ॥ २१७ ॥ ॥ २१८ ॥ ॥ २१९ ॥ ॥ २२० ॥ ॥ २२१ ॥ ॥ २२२ ॥ ॥ २२३ ॥ ॥ २२४ ॥ ॥ २२५ ॥
॥ २२६ ॥ ॥ २२७ ॥ ॥ २२८ ॥ ॥ २२९ ॥ ॥ २३० ॥ ॥ २३१ ॥ ॥ २३२ ॥ ॥ २३३ ॥ ॥ २३४ ॥ ॥ २३५ ॥
॥ २३६ ॥ ॥ २३७ ॥ ॥ २३८ ॥ ॥ २३९ ॥ ॥ २४० ॥ ॥ २४१ ॥ ॥ २४२ ॥ ॥ २४३ ॥ ॥ २४४ ॥ ॥ २४५ ॥
॥ २४६ ॥ ॥ २४७ ॥ ॥ २४८ ॥ ॥ २४९ ॥ ॥ २५० ॥ ॥ २५१ ॥ ॥ २५२ ॥ ॥ २५३ ॥ ॥ २५४ ॥ ॥ २५५ ॥
॥ २५६ ॥ ॥ २५७ ॥ ॥ २५८ ॥ ॥ २५९ ॥ ॥ २६० ॥ ॥ २६१ ॥ ॥ २६२ ॥ ॥ २६३ ॥ ॥ २६४ ॥ ॥ २६५ ॥
॥ २६६ ॥ ॥ २६७ ॥ ॥ २६८ ॥ ॥ २६९ ॥ ॥ २७० ॥ ॥ २७१ ॥ ॥ २७२ ॥ ॥ २७३ ॥ ॥ २७४ ॥ ॥ २७५ ॥
॥ २७६ ॥ ॥ २७७ ॥ ॥ २७८ ॥ ॥ २७९ ॥ ॥ २८० ॥ ॥ २८१ ॥ ॥ २८२ ॥ ॥ २८३ ॥ ॥ २८४ ॥ ॥ २८५ ॥
॥ २८६ ॥ ॥ २८७ ॥ ॥ २८८ ॥ ॥ २८९ ॥ ॥ २९० ॥ ॥ २९१ ॥ ॥ २९२ ॥ ॥ २९३ ॥ ॥ २९४ ॥ ॥ २९५ ॥
॥ २९६ ॥ ॥ २९७

॥ ठै० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्युंहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
 ॥ ठै० ॥ वा० ॥ कामशास्त्रबोलेघणंहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ठै० ॥ ३६ ॥
 ॥ वा० ॥ बांधेंहिंथोलाहंषस्युंहोमीत्ता ॥ हिंचेतिहांधरीप्रीति ॥ ठै० ॥ वा० ॥ गित
 गांअतिरुअमांहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित ॥ ठै० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
 सुमसाथरापाथरेहोमीत्ता ॥ वरणवतापंचवाण ॥ ठै० ॥ वा० ॥ तेदेषीचित्तचितवे
 होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ठै० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वधतेसंवर्गेकरीहोमी
 त्ता ॥ अहोएकीमबोधाय ॥ ठै० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥
 किमउपगारतेथाय ॥ ठै० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥
 नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ठै० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणंहोमीत्ता ॥ आ
 चरयूंतसअनुंकुल ॥ ठै० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
 उपजाव्योविसवास ॥ ठै० ॥ वा० ॥ एकदिनसऊमीत्रेमीलीहोमीत्ता ॥ मां
 म्योवातविलास ॥ ठै० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकशंणिपरंहोमीत्ता ॥ का
 मशास्त्रसमनांहि ॥ ठै० ॥ वा० ॥ अवरकिस्युंतवबोलीउहोमीत्ता ॥ कामांकू
 रउगाहि ॥ ठै० ॥ ४२ ॥ वा० ॥ एहमांकांयनपुठवुंहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
 सधाय ॥ ठै० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुंहोमीत्ता ॥ तेहथीसंरक्षणथाय ॥
 ॥ ठै० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुखसंततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधम्म
 ॥ ठै० ॥ वा० ॥ दारासुतसूखथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनांसर्म ॥ ठै० ॥
 ॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपजेहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुंहेत ॥
 ॥ ठै० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसलुंकलुंहोमीत्ता ॥ एहमांदोसनदेत ॥ ठै० ॥
 ॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुंजाणज्योहोमीत्ता ॥ धरमअरथफलकां
 म ॥ ठै० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोरुनोनहीफलवांम ॥
 ॥ ठै० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गठेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
 ॥ ठै० ॥ वा० ॥ अशोककहेइहांसाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
 ॥ ठै० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएपरुंहोमीत्ता ॥ ललितांगकहेइम
 ताम ॥ ठै० ॥ वा० ॥ करीइपशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउदाम ॥

शास्त्रचितनघण्टरातोहो ॥ तत्वजुक्तिंश्वातठरावे ॥ सावेसावनाअवदातोहो ॥

॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रठन्नहो ॥ पुण्य

नुबंधीपुन्यउदयथी ॥ कुंसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाएनीरमा

नेत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसंपत्तिहो ॥ उतकठजीववीरयनहीड

त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआद

नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविषयनसेवो ॥ महावैरागीकुमारहो ॥ २४

सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चितवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकंदर्पनेंवी

तूलढे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रियप्रवमां

यकन्याघण्टंशेहो ॥ मुनीदरसनलक्ष्योपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीका

ढेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहरे ॥ तूषणनकरेमानोहो ॥

जुतानमुकेधर्मनचुके ॥ पुण्यसंतारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥

थीउपनांतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुळचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमु

स्ये ॥ एहकल्याणनुंविजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखंमैं

मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजंपे ॥ आगलिवातविला

२९ ॥ सू० ॥

॥ ३० ॥

॥ ३१ ॥

॥ ३२ ॥

॥ इहां ॥ उल्लितगोष्टीदेषीं ॥ संपुंतेहनेंसंग ॥ कलावंतक्रिमानीपुण

विशीष्टमत्तंग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससंगेततकाल ॥

दनुपजावस्ये ॥ मुळनेंतेहमयाळ ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअढे ॥

गनामलहंत ॥ चतूरचुडामणीचितवी ॥ कहेतेमीसूकंत ॥ ३२ ॥

तूम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीं ॥

आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकवीतोकाळ ॥

चरेसदा ॥ खेलेनवरख्याळ ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ विजाजीहोरतन

कमुंहोवीजा ॥ किमकरीकरुप्रवेशवयणवाढहासयणरुमा ॥

लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईंहोमिता ॥ इमकरीचाढ्यातेह ॥

सयणरुमा ॥ वा० ॥ विणप्रयोगेंदेखावताहोमीत्ता ॥ काव्य

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअंधकार ॥ ७० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
 लसूतठेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ ७१ ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
 लाघवहोइहोमीत्ता ॥ वलिअविस्वासनोगम ॥ ७२ ॥ वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइ
 कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ ७३ ॥ ६३ ॥ वा० ॥ बल्लसेवेजो
 विषयनेहोमीत्ता ॥ तोहोइरूयीमुखरोग ॥ ७४ ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
 होमीत्ता ॥ मिथ्यासीमाननेयोग ॥ ७५ ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखमैबिजीक
 हीहोमीत्ता ॥ मित्रबोधननीढाल ॥ ७६ ॥ वा० ॥ पद्मबीजयकहेआगलेहो
 मीत्ता ॥ दिइउपदेशरशाल ॥ ७७ ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ७८ ॥ ७९ ॥
 ॥ ७८ ॥ ७९ ॥
 ॥ ७८ ॥ मोरुअलोकीकमानीइ ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
 कवद्यो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ संपूरणकारयसवे ॥ अन्यावाधअ
 नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सुखउतरुष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
 गुणअठे ॥ धर्मरुपतेधारि ॥ क्योपशमकायकहोइ ॥ सफलतदासंशार ॥
 ॥ ६८ ॥ कामअनिदितकोशकहे ॥ पणितेनांहिप्रकार ॥ तिरिपणितोगवतां
 तूरत ॥ निदितठेनीरधार ॥ ६९ ॥ कामशास्त्रतेंकारणें ॥ करेअनाणप्रका
 स ॥ अदत्तापहणअवलोकीइ ॥ तापेंजीनवरत्तास ॥ ७० ॥ यतः ॥ तंना
 महोइसठं ॥ जंहियमडंजणस्सदंसेइ ॥ जंपुणअहियंतिसया ॥ तंणएकत्तो
 चयंसठं ॥ १ ॥ ताजंकामुद्धिरण ॥ समत्तसठंनतंबुहजणेण ॥ सुमीणेविजंपी
 यच्चं ॥ पसंसियवंचउवयणं ॥ २ ॥ ७८ ॥ सुखदाईसज्जसत्त्वे ॥ उपजावेउ
 पसम्म ॥ परसंसवुंनेजंपवुं ॥ रुदइजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यतः ॥ पसमाईसाव
 जणयं ॥ हियमेगंतेसत्ताणं ॥ निउणेणजंपीयवं ॥ पसंसियवंचसुवीसुइ ॥ ३ ॥
 ॥ ७८ ॥ सांसलीवीस्मयसज्जलया ॥ चित्तमांकरेविचार ॥ अहोविवेकअहोताव
 ना ॥ अहोवैराग्यअपार ॥ ७२ ॥ कृतज्ञगुणअहोकेहवो ॥ एहवाअध्यवशाया
 नविहोईमुनोवरमनें ॥ इमचित्तअचरीजथाय ॥ ७३ ॥ दादा ॥ आबोहरीदाहरी
 आवाहला ॥ मीतुं२बोलेतासारा ॥ दिवाएहवाजेरअकीयुतारा ॥ आबो ॥ एदे
 शी ॥ करेसज्जमीचमिलिवातो ॥ तेहमांअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुंमारकज्ज

॥ ॐ ॥ ४८ ॥ वा० ॥ कुमरकहेमतकोपज्योहोमीत्ता ॥ सापुंजुं परमत्त ॥
 ॥ ॐ ॥ वा० ॥ सज्जकहेकोपशहांकिस्योहोमीत्ता ॥ नाशअन्नाणनोजत्त ॥
 ॥ ॐ ॥ ४९ ॥ वा० ॥ कुमरकहेकामशास्त्रजेहोमीत्ता ॥ करनारनेंसूणनार
 ॥ ॐ ॥ वा० ॥ प्रगटकरेअन्नाणनेंहोमीत्ता ॥ तेसूणज्योअधीकार ॥ ॐ ॥
 ॥ ५० ॥ वा० ॥ प्रकृतिअशारविटंबणहोमीत्ता ॥ परसवविषउपमान ॥
 ॥ ॐ ॥ वा० ॥ मोहदोषेदेपेनहीहोमीत्ता ॥ कृत्याकृत्यअज्ञान ॥ ॐ ॥ ५१ ॥
 वा० ॥ रुधीरमांशअशुचीत्तरीहोमीत्ता ॥ रमणिकेरीकाय ॥ ॐ ॥ वा० ॥ ग
 र्त्ताशुकरनीपरेंहोमिक्ता ॥ रहेनित्यतिहांलपटाय ॥ ॐ ॥ ५२ ॥ वा० ॥ मं
 दबुद्धीदेषेनहीहोमीत्ता ॥ परमारथनीवात ॥ ॐ ॥ वा० ॥ बुधजनगरहीत
 जाणिं होमीत्ता ॥ प्रकृतीचपलनरहात ॥ ॐ ॥ ५३ ॥ वा० ॥ बालजीव
 मानेंघणं होमीत्ता ॥ कामसंपादनहेत ॥ ॐ ॥ वा० ॥ क्लेशकरेअकृत्यध
 रेहोमीत्ता ॥ ध्यांशुकुध्यांनसंकेत ॥ ॐ ॥ ५४ ॥ वा० ॥ कुशलमार्गमुंकेव
 लीहोमीत्ता ॥ पामेअतिउनमाद ॥ ॐ ॥ वा० ॥ गुरुजननीनिंदाकरेहोमीत्ता ॥
 लोकथीलहेअपवाद ॥ ॐ ॥ ५५ ॥ वा० ॥ अनुक्रमेजांनरगमां होमीत्ता ॥
 वलीएहसवडखदाय ॥ ॐ ॥ वा० ॥ वधबंधनपामेंघणं होमीत्ता ॥ ईर्ष्या
 कुलघरथाय ॥ ॐ ॥ ५६ ॥ वा० ॥ सयविषादनुषेत्रेहोमीत्ता ॥ क्रोधत
 णोरेनीवाश ॥ ॐ ॥ वा० ॥ धर्मशास्त्रनिंदेतिणें होमीत्ता ॥ रुमानकामवीलासा ॥
 ॥ ॐ ॥ ५७ ॥ वा० ॥ मध्यस्थईनेविचारज्योहोमीत्ता ॥ किमसाधेत्रणिवर्ग
 ॥ ॐ ॥ वा० ॥ द्रव्यउपार्जेकिणीपरेंहोमीत्ता ॥ किमवलीसाधेसर्ग ॥ ॐ ॥ ५८
 ॥ वा० ॥ कामकुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ कुलटादिशेनारि ॥ ॐ ॥ वा० ॥
 कामकुशलनहीतेहनीहोमीत्ता ॥ शिलवंतीसूविचार ॥ ॐ ॥ ५९ ॥ वा० ॥
 तिणेंकारणशुत्तसंततीहोमीत्ता ॥ इत्यादिकनएकांत ॥ ॐ ॥ वा० ॥ काम
 कुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ पुत्रतेअतिउर्दंत ॥ ॐ ॥ ६० ॥ वा० ॥ बलित
 स्करपणंतेहमां होमीत्ता ॥ इमअसमंजसवात ॥ ॐ ॥ वा० ॥ धरमअरथफल
 पणिनहिहोमीत्ता ॥ कामतेडखअवदात ॥ ॐ ॥ ६१ ॥ वा० ॥ खरजखन

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअंधकार ॥ ७० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
 लसूतठेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ ७१ ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
 लाघवहोइहोमीत्ता ॥ बलिअविस्वासनोगम ॥ ७२ ॥ वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइ
 कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्धाम ॥ ७३ ॥ ६३ ॥ वा० ॥ बज्रसेवेजो
 विषयनेहोमीत्ता ॥ तोहोइरुयीमुखरोग ॥ ७४ ॥ वा० ॥ मोहीनेएमनोहरु
 होमीत्ता ॥ मिथ्यासीमाननेयोग ॥ ७५ ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखमेविजीक
 हीहोमीत्ता ॥ मित्रबोधननीढाल ॥ ७६ ॥ वा० ॥ पद्मबीजयकहेआगलेहो
 मीत्ता ॥ दिइउपदेशरशाल ॥ ७७ ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥ मोरुअलोकीकमानीइ ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
 कवद्यो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ८१ ॥ संपूरणकारयसवे ॥ अव्याबाधअ
 नुप ॥ जनमजरानहीजेहने ॥ सुखउतकष्टसरुप ॥ ८२ ॥ ज्ञानध्यानपणि
 गुणअठे ॥ धर्मरुपतेधारि ॥ रुयोपशमकायकहोइ ॥ सफलतदासंशार ॥
 ॥ ८३ ॥ कामअनिदितकोइकहे ॥ पणितेनांहिप्रकार ॥ तिरिपणितोगवतां
 तूरत ॥ निदितठेनीरधार ॥ ८४ ॥ कामशास्त्रतेकारणें ॥ करेअनाणप्रका
 स ॥ अदत्ताग्रहणअवलोकई ॥ सार्वेजीनवरसास ॥ ८५ ॥ यतः ॥ तंना
 महोइसठं ॥ जंहियमठंजणस्सदंसेइ ॥ जंपुणअहियंतिसया ॥ तंणणंकत्तो
 चयंसठं ॥ १ ॥ ताजंकामुद्विरण ॥ समठसठंनतंबुहजणेण ॥ सुमीणेविजंपी
 यच्चं ॥ पसंसियवंचडवयणं ॥ २ ॥ ८६ ॥ ॥ सुखदोइसंजसत्त्वेने ॥ उपजावेउ
 पसम्म ॥ परसंसवुंनेजंपवुं ॥ रुदइजाणोरम्म ॥ ८७ ॥ यतः ॥ पसमाइसाव
 जंणयं ॥ हियमेगंतेसत्ताणं ॥ निउणेणजंपीयवं ॥ पसंसियवंचसुवीसुइं ॥ ३ ॥
 ॥ ८८ ॥ सांसलीवीस्मयसज्जलहा ॥ चित्तमांकरेविचार ॥ अहोविवेकअहोसाव
 ना ॥ अहोवैराग्यअपार ॥ ८९ ॥ कतज्ञगुणअहोकेहवो ॥ एहवाअध्यवशाया
 नविहोइमुनोवरमने ॥ इमचित्तअचरीजयाय ॥ ९० ॥ ८९ ॥ ॥ आवाहरीलाहरी
 आवाहला ॥ मीतुं२बोलेतासारा ॥ दिठाएहवाकेरयकीधुतारा ॥ आवा ॥ एदे
 शी ॥ करेसज्जमीत्रमिलिवातो ॥ तेहमांअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुंमारकडं

अवदातो ॥ ७४ ॥ करे ॥ तुम्हें कसुं लोकोत्तर एह ॥ इहां अधीकार कहो केह ॥
 लौकिक मां कां मशास्त्र गुणगेह ॥ ७५ ॥ करे ॥ कहे कां मां कुर एसां ॥ कसुं
 अशोकें अवधारुं ॥ कहे ललितांगलागेप्याहं ॥ ७६ ॥ करे ॥ बोले हवे कुं
 मरसूणोवाणी ॥ लहेन ही तत्व वात प्राणी ॥ घणा कंदीप बाल अलाणी ॥ ७७ ॥
 करे ॥ होइ कर्म बंध हेतू काम ॥ नहि ते हस्युं माहरे काम ॥ जाणि पदे कुपक
 हो कुण आमं ॥ ७८ ॥ करे ॥ देवाणो न उत्तर तिहां केणे ॥ कसुं अंगीकार
 सज्जतिणे ॥ गया केई दिन ने हसर नयणें ॥ ७९ ॥ करे ॥ सज्ज मलीशं मविचार कि
 धो ॥ एकुमार तो तपसी समसीधो ॥ आपणो एकी मजा इलीधो ॥ ८० ॥
 करे ॥ अठेउ पाय इहां एक ॥ दाहिण्य वंत एठेठेक ॥ आपण मित्र स्युं कि
 धाविवेक ॥ ८१ ॥ करे ॥ पाणिग्रहण करो कही इंसं ॥ माने जो वचन धरी
 प्रेम ॥ सज्ज इंधारी एहवो नेम ॥ ८२ ॥ करे ॥ बेशी एक दिन इणि परें ताषें ॥
 अशोक सुणो मीत्र सज्ज साषे ॥ एक पुढुंधरी मन असी लाषे ॥ ८३ ॥ करे ॥
 मानविके नही मीत्र नीवाच ॥ कहे कुमर मित्र नात्रणिताच ॥ अधम मध्यम उ
 त्तम साच ॥ ८४ ॥ करे ॥ एक मीत्र घणं लाड्या पाड्या ॥ कोई वात सीन वी अ
 लगाटाल्या ॥ पणि आपदा इंदूरें चाल्या ॥ ८५ ॥ करे ॥ एतो तूम्हे अधम मीत्र
 जाणो ॥ हव इंसूणो पर्व मीत्र श्याणो ॥ मिले कोई पर्व उठवटाणो ॥ ८६ ॥ करे ॥
 न विहाव साव कर वोतास ॥ पणिकष्टें ते करे वेषास ॥ राषे कांय लौकीक सू
 विलास ॥ ८७ ॥ करे ॥ कांय विलपी वीलंब करी मुंके ॥ एतो मध्यम मी
 त्र न वीचुके ॥ हवे उत्तम रुधीरे मेथुंके ॥ ८८ ॥ करे ॥ एक लटक सलाम हो
 इतेहां मुंकावेडः खय की एह ॥ गौरव पणं दाषवे बज्ज जेह ॥ ८९ ॥ करे ॥ यो
 मेउ पगार ते बज्ज मानें ॥ संपद पणिते तस घरि आणें ॥ आपदा इणि राषे दानें ॥
 ॥ ९० ॥ करे ॥ एह मां उत्तम सरीषुं थावुं ॥ कहे कां मां कुर नर हस्य पावुं ॥
 एतो जगत जीव जाणें ठावुं ॥ ९१ ॥ करे ॥ ललितांग कहे कसुं गंतीर ॥ कहो
 हवे ज्युं लहि इतिर ॥ कहे कुमर सूणो सज्ज यई धिर ॥ ९२ ॥ करे ॥ परमार्थ
 मीत्र नात्रणि तेय ॥ देह सजन धर्म जाणें ॥ जघन्य मित्र देह ने वेय ॥ ९३ ॥

करे० ॥ देहनीषीण २ करोसंताल ॥ सूषतरसनेंटाढिनापकाल ॥ संतालतां
 पणिहोयविकराल ॥ ९४ ॥ करे० ॥ निराखंवनमुंकोनेंजाई ॥ हवेंमध्यम
 मित्रसजनथायें ॥ मायतायकलत्रसगनीसाय ॥ ९५ ॥ करे० ॥ क्लेशअ
 वशरेंकरतांविदाप ॥ प्रस्तावेतेसंतारेआप ॥ जाईपरत्तवपुण्यतथापाप ॥
 ॥ ९६ ॥ करे० ॥ हवेधर्ममीत्रउत्तमजाणो ॥ तेतोकोईकअवसरमनआ
 णो ॥ पणिथायसखाईसपराणो ॥ ९७ ॥ करे० ॥ तेतोसयदासयसायेंटा
 लें ॥ फिरि २ तेपुरुषनेंसंतालें ॥ अनुंकरमेंशाश्वतसूखआले ॥ ९८ ॥ करे० ॥
 इमजाणीविषयनासूखढांमो ॥ एअसारस्युंमततूम्हेरढिमांमो ॥ एआतमसू
 रककरेखांमो ॥ ९९ ॥ करे० ॥ पांमीमानवनोत्तवश्रीकारो ॥ मोहमारग
 पांमीमतहारो ॥ वितरागवयणचित्तअवधारो ॥ १०० ॥ करे० ॥ उत्तमन
 रसेवितधर्मकरो ॥ तव २ नांपातिकदूरिंहरो ॥ संसारसायरसूखमांहित
 रो ॥ १ ॥ करे० ॥ नवमेखंमेत्रीजीढाल ॥ कहीपद्मवीजयअतीसूरशाल ॥
 आगदिहोस्येमंगलमाल ॥ २ ॥ करे० ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ॥ समरादित्यनांसांसली ॥ वारुरशालांवयण ॥ तेहअशोकादीकंत
 णां ॥ नेहेंसरीयांनयण ॥ ३ ॥ तथासव्यतातेहवी ॥ शुद्धवलीसंयोग ॥ क
 र्मविचित्रकक्षांतिणें ॥ उतकटविर्यअसोग ॥ ४ ॥ समरादित्यनीशक्तिथी ॥
 कर्मराशीकृतपीण ॥ उपसममिद्धतआवीउं ॥ परिणतीशुसथईपिण ॥ ५ ॥
 मोहवासनामिडिगई ॥ अशुस्तुटोअनुबंध ॥ गुणवंतगंठीसेदतां ॥ शुद्धसम
 कीतसंबंध ॥ ६ ॥ अशोककहेषरुंएहजे ॥ नहिसंदेहनुंनांम ॥ शोसनथीप
 णिशोसनं ॥ कामांकुरकहेकाम ॥ ७ ॥ अथवाशोसनएहजे ॥ निश्चयकां
 यनअन्य ॥ ललितांगकहेलखलोकमां ॥ अमचांपुन्यअगन्य ॥ ८ ॥ अ
 न्नाणनिद्राईउंचीआ ॥ अमनेंजगव्याआज ॥ हेतूवादअमहीतकरी ॥ कुमरें
 किधुंकाज ॥ ९ ॥ आतमहितअम्हेआदह ॥ शिष्यातूम्हसंतालि ॥ अशो
 ककहेएअतीतलूं ॥ साप्युंअवशरतालि ॥ १० ॥ कुमरकहोकरवुंजिके ॥
 ततपीणबोल्याताम ॥ संपेपेंसूणज्योतूम्हे ॥ साधुसंगविसराम ॥ ११ ॥ विप

यरागवलीवर्जवो ॥ तवसरूपनेंतावि ॥ कुसंगत्यागनीतकीजीई ॥ दानादिक
 चउदाव ॥ १२ ॥ साधु २ इमज्जकहे ॥ कस्युंअमेअंगीकार ॥ कुमरकहे
 कृतपुन्यठो ॥ सफलजनमतूमसार ॥ १३ ॥ धरमीथयातिणेंधन्यठो ॥ ते
 हबोल्यातिणीवार ॥ आपनुंदरीसनअधन्यनें ॥ नहोईमनीरधार ॥ १४ ॥
 कुमरप्रशंशाईमकरी ॥ गयातेनिज २ गेह ॥ केईकदिनईमअतीकम्या ॥ ई
 णिअवशरजुउएह ॥ १५ ॥ ढालना ॥ कठाराआयगुरुजीप्राकण ॥ एदेशी ॥
 आईवसंतरीतूअन्यदा ॥ वनसिरीअतिविलसंत ॥ म्हारासाजनवाहला ॥ चा
 लोवसंतजोवाजईई ॥ आंवेमंजरीउत्तई ॥ अतिमुक्तकउल्लसंत ॥ १६ ॥
 म्हा० ॥ तिलकादिकफूल्याघणं ॥ मलयाचलवायावाय ॥ म्हा० ॥ भ्रम
 रगुंजारवकरीरक्षा ॥ कोकिलशब्दसूणाय ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ मदनपीमेवाल
 वरुनें ॥ विकसीतकमलिणीथाय ॥ म्हा० ॥ काननसेवेवज्जना ॥ विरहन
 दंपतीखमाय ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ नगरमहर्षिकआवीआ ॥ इणिसमेसूपती
 पास ॥ म्हा० ॥ विनवेशिणपरैरायनें ॥ पुरोअम्हारीआस ॥ १९ ॥ म्हा० ॥
 नित्यउठवठेयद्यपी ॥ तोपणिआजवीसेस ॥ म्हा० ॥ उठवउपरिहोयस्ये ॥
 उठवजननेंअसेश ॥ २० ॥ म्हा० ॥ पाउधारोतिणेंराजीआ ॥ तवचितेम
 हाराय ॥ म्हा० ॥ मोकलुंसमरादित्यनें ॥ देषेविचित्रसमवाय ॥ २१ ॥
 म्हा० ॥ तोसमीहीतअम्हनिपजे ॥ उपजेकामविकार ॥ म्हा० ॥ इमवि
 चारीतेहनें ॥ ताषेसूणोपरकार ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ उठवबज्जुदेशावीआ ॥ ऊं
 लसोपरमाणंद ॥ म्हा० ॥ हवेदेषावोकुमरनें ॥ तुमचोएहनरिंद ॥ २३ ॥
 म्हा० ॥ कहेमहर्षिकरायनें ॥ किधोअमसूपसाय ॥ म्हा० ॥ इमकहिते
 निजघेरगया ॥ तेमावेकुमरनेंराय ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ वठस्थितीएआपणी ॥
 मधुउठवथाईआज ॥ म्हा० ॥ जोवाजाईनरपती ॥ इमताषेमहाराज ॥ २५ ॥
 म्हा० ॥ एमारगतुम्हेआचरो ॥ म्हेंजोयुंबज्जवार ॥ म्हा० ॥ हर्षथस्येप्रजा
 लोकनें ॥ तिमस्वजनपरीवार ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ कुमरप्रमाणकरेहवे ॥ हर
 प्योरायअत्यंत ॥ म्हा० ॥ आणीकरेप्रतीहारनें ॥ जईसंसलावोतंत ॥ २७ ॥

म्हा० ॥ ज्ञानगरगमुखमंत्रिने ॥ रथवरप्रमुखतयार ॥ म्हा० ॥ करीनेकुम
 रस्यूनिकलो ॥ एहआणाअवधारि ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ प्रतिहारेजईहर्षथी ॥
 संसदाव्योअवदात ॥ म्हा० ॥ तेपणिहरपेंतिमकरे ॥ रथवरतेहविख्यात ॥
 ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ घंत्रयोधथाप्यातिहां ॥ वलिवैजयंतीपताक ॥ म्हा० ॥
 घुघरीचिऊंदिशरणऊणें ॥ पुण्यतणापरिपाक ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ ठत्रचाम
 रघणंसोहतां ॥ लटकेरयणीदाम ॥ म्हा० ॥ आसनमांढ्युंतिहांकिणें ॥
 इणिअवसरतिणेंठाम ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ कुंकमवस्त्रपहेरीकरी ॥ पात्रलोक
 तिहांआय ॥ म्हा० ॥ विविधयानवेशीवली ॥ आवेसूजंगनप्राय ॥ ३२ ॥
 म्हा० ॥ कुमरजोवानेंकारणें ॥ वज्रतिहांराजकुमार ॥ म्हा० ॥ गोपेंरहिअं
 तेउरी ॥ कुमरदर्शननेशार ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सूपआणायीपरिवरयो ॥ निकट्यो
 तामकुमार ॥ म्हा० ॥ मीत्रअशोकादिकसज्ज ॥ चाट्याकुमरनीद्वार ॥ ३४ ॥
 म्हा० ॥ वेठारथवरउपरि ॥ मीत्रनीसाथेंतेह ॥ म्हा० ॥ रथचाट्योहवेजे
 तले ॥ जय २ शब्दकरेह ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ पात्रतेनाचेपंगि २ ॥ पुंठेराज
 कुमार ॥ म्हा० ॥ कौतूकविविधप्रकारनां ॥ देषतांअतिवीस्तार ॥ ३६ ॥
 म्हा० ॥ राजमारगतिहांआविआ ॥ निज २ लेईसमुदाय ॥ म्हा० ॥ रीश्चिवि
 शेसैंसोहेघणं ॥ अचरीजवीबुधनेथाय ॥ ३७ ॥ म्हा० ॥ वाजिन्नविविधप्र
 कारनां ॥ देषतांलहेवैराग ॥ म्हा० ॥ सावनासावेएहवी ॥ अहो २ मोहअ
 ताग ॥ ३८ ॥ म्हा० ॥ अहोअकार्यमांधीरतां ॥ अहोचेष्टापरमाद ॥ म्हा० ॥
 अहोदिरघदरसीनही ॥ अहोअणालोचितवाद ॥ ३९ ॥ म्हा० ॥ अहोसव
 नीअशुभता ॥ अहोसंशारनोसंग ॥ म्हा० ॥ इमंचितवतांचालतां ॥ वाधेवें
 राग्यतरंग ॥ ४० ॥ म्हा० ॥ तासस्वरूपविचारतो ॥ सारथीदापेंतासां ॥ म्हा० ॥
 सिन्न २ कौतूकप्रति ॥ वाधतेहर्षउल्लास ॥ ४१ ॥ म्हा० ॥ नवमाखंमंतणी
 कही ॥ चोथीढालरसाल ॥ म्हा० ॥ पद्मविजयएहरासमां ॥ सुणतांमंगल
 माल ॥ ४२ ॥ म्हा० ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥
 ॥ ५४ ॥ आगविजातांणसमें ॥ देउलपीठेदिठ ॥ रोगेंपिढ्योरगरगें ॥ नरए

कवेगोनीठ ॥ ४३ ॥ दिशेहायज्युंदोरमी ॥ परगटसूफ्यापाय ॥ अतिबीत्तठ
 अशुचीअती ॥ मांषीदेहनमाय ॥ ४४ ॥ निकलीआंरातांनयण ॥ नाशातेल
 हीनाश ॥ कुमरदेषीमनकर्मनी ॥ परिणतीचिंतेपास ॥ ४५ ॥ करुणाआणी
 कुमरजी ॥ बुजववाबज्जलोक ॥ सारथीनेंपुढेसपर ॥ रहोएसाषोरोक ॥ ४६ ॥
 नाटिकस्युंएनीरषीं ॥ तवआरथीकहेतेह ॥ नहिएनाटिकनाथजी ॥ अति
 व्याधेंयस्योएह ॥ ४७ ॥ कुमरकहेव्याधीकवण ॥ सारथीकहेसूजाण ॥ शरी
 रसुंदरअसुंदरकरे ॥ विणकालेंएवियाण ॥ ४८ ॥ कुमरकहेएकापुरिस ॥
 तातसहेकिमताम ॥ सारथीबोदयोसांसलो ॥ एहवध्यनहीआम ॥ ४९ ॥ कु
 मरकहेवध्यकिमनही ॥ मागेखमगमहंत ॥ व्याधीरहेतूवेगलो ॥ अलवेकहं
 तूजअंत ॥ ५० ॥ अथवाजुद्धनेंआवितू ॥ डष्टतूंदेडखलोक ॥ इमआषीनेंउत
 स्यो ॥ सघलोमुंकीशोक ॥ ५१ ॥ चादयोसनमुखतेचतूर ॥ तेदेषीनेंताम ॥
 मिलिआलोकमहाजना ॥ कुंअरस्युंकरेकांम ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ घरिआवोह
 रीनाबीरसूधीरसामलीआजीरे ॥ एदेशी ॥ सारथीकहेसूणिसाहिवा ॥ म्हारा
 वाहलाजीरे ॥ हणवायोग्यनएह ॥ डखरेह ॥ म्हा० ॥ व्याधीनामेंननरअठशं
 म्हा० ॥ कर्मनीपरिणतीजेह ॥ सज्जदेह ॥ ५३ ॥ म्हा० ॥ साधारणसज्जजी
 वनें ॥ म्हा० ॥ समरथनहीराणाराज ॥ जयकाज ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेपुर
 जनसूणो ॥ म्हा० ॥ एकिमठेकहोआज ॥ अतीभाज ॥ ५४ ॥ म्हा० ॥ पु
 रीजनकहेइमजप्रसू ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेसारकुमार ॥ म्हा० ॥ तोकिम
 एबेसीरस्यो ॥ म्हा० ॥ बलनवीफोरवेलगार ॥ इणीवार ॥ ५५ ॥ म्हा० ॥ सा
 रथीकहेशंणिग्रह्यां ॥ म्हा० ॥ बलशवीनाशीजाय ॥ नउठाय ॥ म्हा० ॥ जो
 रएहनंचालेनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतेकुणथाया ॥ सुषठाया ॥ ५६ ॥ म्हा० ॥ सारथी
 कहेधरमीतणी ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेसूणोलोक ॥ सज्जथोक ॥ म्हा० ॥ धर
 मतेकरवोश्रेयठे ॥ म्हा० ॥ परमार्थेएहशोक ॥ सज्जफोक ॥ ५७ ॥ म्हा० ॥
 पुरीजनकहेसाचुंकस्युं ॥ म्हा० ॥ पणिउठवनोहोयसंग ॥ एकंग ॥ म्हा० ॥
 लोकस्थितिनेंपालवा ॥ म्हा० ॥ नाटिकजोवोरंग ॥ सूचंग ॥ म्हा० ॥ ५८ ॥

सारथीकहेएसाचलूं ॥ म्हा० ॥ इमकहेचाट्याजाय ॥ त्यादिषाय ॥ म्हा० ॥
 एकनरनिजसवनेरस्यो ॥ म्हा० ॥ मुखमांसासनमाय ॥ शिथिलाय ॥ ५॥
 म्हा० ॥ केशगयाशीरनावली ॥ म्हा० ॥ नयणगलेअवेषास ॥ नहिकोपा
 स ॥ म्हा० ॥ दांतपट्यापरीजनसवे ॥ म्हा० ॥ करेउपद्रवतास ॥ डखवास
 ॥ ६० ॥ म्हा० ॥ सेठसेठाणीएहवां ॥ म्हा० ॥ देषिदहैवैराग्य ॥ महासाग्य
 ॥ म्हा० ॥ सारथीनेकहेएकिस्यूं ॥ म्हा० ॥ नाटिकअसीनवलाग ॥ अथाग
 ॥ ६१ ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेनाटिकनही ॥ म्हा० ॥ एजरापीनीतसेठ ॥
 ॥ डपवेठ ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेजराकुंणजे ॥ म्हा० ॥ डखदेवेइमनेठा ॥ सलीपेठा ॥ ६२ ॥
 म्हा० ॥ तेकहेनवजीरणकरे ॥ म्हा० ॥ लोकनेअहीतनीकारकुमार ॥ म्हा० ॥
 कहेकिमतातउवेपता ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेचित्तधारि ॥ तिवार ॥ ६३ ॥
 म्हा० ॥ तातनेआयत्तएनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतवइमधरीप्रेम ॥ म्हा० ॥
 लावोखमगहण्फअमे ॥ म्हा० ॥ नविआयतहोइकेम ॥ जुउनेमा ॥ ६४ ॥ म्हा० ॥
 कहेरेपापिणीतूंजरा ॥ म्हा० ॥ मुंकिंतूंएहनोख्याल ॥ संतालि ॥ म्हा० ॥ तुंजाते
 अवलाअठे ॥ मा० ॥ जोमाहरीकरवालविकराल ॥ ६५ ॥ मा० ॥ सनमुख
 उठ्योतेहने ॥ मा० ॥ लोकमिट्यांवळताम ॥ स्यूंआंम ॥ मा० ॥ सारथीक
 हेअवलानही ॥ मा० ॥ उदारीकपरीणामएठाम ॥ ६६ ॥ मा० ॥ काळवसें
 एनीपजे ॥ मा० ॥ उलंसोस्थोतास ॥ विमासि ॥ मा० ॥ सऊसाधारणएहठे
 ॥ मा० ॥ कुमरकहेसाचीतास ॥ केनास ॥ ६७ ॥ मा० ॥ पुरिजनकहेसाचूं
 कहे ॥ म्हा० ॥ तवकहेकुमरविचार ॥ धरीप्यार ॥ मा० ॥ खेदनकरस्यो
 कोतूम्हे ॥ मा० ॥ एहकरेअपकार ॥ जनवार ॥ ६८ ॥ मा० ॥ एहथीपरास
 वउपजे ॥ मा० ॥ हसवाजोग्यतेथायमुखजाय ॥ मा० ॥ धर्मरसायणभां
 मीनें ॥ मा० ॥ कुंणविजोसूखदाय ॥ कहोताय ॥ ६९ ॥ मा० ॥ सांसलीस
 ऊकहेइंणिपरें ॥ मा० ॥ अहो२कुमरविवेक ॥ जगएक ॥ मा० ॥ अहोपर
 मार्यदरसीपणं ॥ मा० ॥ अहो२धर्मनीटेक ॥ अतिरेक ॥ ७० ॥ मा० ॥
 नयरीलोकस्यूंसारथी ॥ मा० ॥ लक्षासंवेगमहंत ॥ कहेतंत ॥ मा० ॥ अति

अदसूततूम्हेंकसुं ॥ मा० ॥ पणिअम्हमोहअनंत ॥ नहीसंति ॥ ७१ ॥ मा० ॥
 सवअनादिअत्यासथी ॥ मा० ॥ मोहवासनानतजाय ॥ महाराय ॥ मा० ॥
 कुमरकहेजेतजेनही ॥ मा० ॥ परिसवकरेजराय ॥ जमराय ॥ ७२ ॥ मा० ॥
 इणसमेंदिउंएहवुं ॥ मा० ॥ दरिद्रपुरुषमृतकोय ॥ खाटेंसोय ॥ मा० ॥ वंस
 जीरणउठ्युंतिणें ॥ मा० ॥ दिनपुरुषेंलिउंजोय ॥ बळुरोय ॥ ७३ ॥ मा० ॥
 स्त्रीजनडखणीरोवती ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवदेखि ॥ सज्जपेखि ॥ मा० ॥ चिं
 तामोहवासनातणी ॥ मा० ॥ रहेवासोसुविशेष ॥ स्युंएष ॥ ७४ ॥ मा० ॥
 एनाटिकअचरीजजस्युं ॥ मा० ॥ सारथीकहेअवदात ॥ विख्यात ॥ मा० ॥
 मनचितेतेसारथी ॥ मा० ॥ संवेगकारणव्रात ॥ आयात ॥ ७५ ॥ मा० ॥
 अहोसंशारअशारता ॥ मा० ॥ प्रतिबोधननिमीत्त ॥ धरीहितं ॥ मा० ॥ अण
 जाण्यापरेपुढतो ॥ मा० ॥ साधुंयथारथरीति ॥ लहीप्रीति ॥ ७६ ॥ मा० ॥
 कुमरसुणोकहेसारथी ॥ मा० ॥ एमृत्युइंयस्योआज ॥ करेताज ॥ मा० ॥
 बंधुअणिराषेनही ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोस्युंकाज ॥ कहोराज ॥ ७७ ॥ मा० ॥
 किमराषेपुरीमांपीता ॥ मा० ॥ कहेसारथीनहीएह ॥ कोइदेह ॥ मा० ॥
 मारीकीमसकीइंप्रसू ॥ मा० ॥ खमगलावोकहेतेह ॥ हणंजेह ॥ ७८ ॥
 ॥ मा० ॥ रेरेमृत्युउसोरहे ॥ मा० ॥ जुळकरेमुळसंग ॥ धरेंरंग ॥ मा० ॥
 इमकहीसाहमोदोमीउ ॥ मा० ॥ सारथीकहेतवचंग ॥ एकंग ॥ ७९ ॥ मा० ॥
 हणवायोग्यनएहेढे ॥ मा० ॥ साधारणसज्जजिव ॥ अतीव ॥ मा० ॥ आयु
 करमनेवससवे ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवखीव ॥ अक्कीव ॥ ८० ॥ मा० ॥ नय
 रीजनपुढेकहे ॥ मा० ॥ सत्यप्रसूढेएह ॥ नसंदेह ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोसा
 रथी ॥ मा० ॥ बांधवढंकेह ॥ तसदेह ॥ ८१ ॥ मा० ॥ सारथीकहेजीव
 तोगयो ॥ म्हा० ॥ रसुंकलेवरतास ॥ डरवास ॥ मा० ॥ गुणसंतारीतेहना ॥
 मा० ॥ रोवेसज्जनीशास ॥ डखराशि ॥ ८२ ॥ मा० ॥ नवमेखंढेएकही ॥
 मा० ॥ रुमीपंचमीढाल ॥ रसाल ॥ मा० ॥ पद्मविजयएरासमां ॥ म्हा० ॥
 सृणतांमंगलमाल ॥ विशाल ॥ ८३ ॥ मा० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥

॥ उहा ॥ अतीवल्लसजोएहवे ॥ किमनवीजाइकेदि ॥ कुमरकहेजाइएककि
 म ॥ तेसजूनवीगयोतेदि ॥ ८४ ॥ सारथीकहेसूणिसाहिवा ॥ कहिनजाइकां
 य ॥ कर्मविचित्रकथाकही ॥ जिवविचित्रगतीजाय ॥ ८५ ॥ कुमरकहे
 जोइमकहो ॥ अहोहवेकिस्वोउपाय ॥ सारथीकहेतूम्हेसांसलो ॥ जोगीग
 म्यजणाय ॥ ८६ ॥ अम्हेनजाणंएअरथ ॥ समरादित्यकहेशार ॥ कहो
 लोकोएकिमअठे ॥ सज्जकहेकहेश्रीकार ॥ ८७ ॥ तवकहेकुमरततपीणें ॥
 एजोइमअधीकार ॥ सज्जएनाटिकथीसखुं ॥ वारुद्धयविचार ॥ ८८ ॥
 सांसलीसज्जसंवेगीआ ॥ पाम्याकेईप्रमाण ॥ समकितकेईशिवपंथनें ॥ जा
 णीकुंअरजाण ॥ ८९ ॥ माहणदेवसेनमुखें ॥ सांसल्योव्यतीकरसर्व ॥ अव
 नीपतीबिहतोअती ॥ गयोतेचितथीगर्व ॥ ९० ॥ ढाल ॥ सखीचैत्रजमहिनें
 चाट्या ॥ एदेडी ॥ तेमवामोकलेहवेराय ॥ बहेलाघरिआवोताय ॥ सूणिकु
 मरआव्यानिजगायहोराजि ॥ ९१ ॥ मानोवचनहमारो ॥ एआंकणी ॥ आ
 विबेसेरायनीपास ॥ सूपसाषेतवसूविलास ॥ मांगवुंकांयतूऊसकासिहोरा
 जि ॥ ९२ ॥ मा० ॥ तुऊमानवुंपमस्येतेह ॥ कहेकुअरतवशसनेह ॥ गुरुवयणलो
 पेकुणरेहहोराजि ॥ ९३ ॥ मा० ॥ नृपकहेतुऊठेपरतीत ॥ पणितूऊउपरि
 घणिप्रीती ॥ तिणेंकहिइंएइंणिरितीहोराजि ॥ ९४ ॥ मा० ॥ जाउंकहेस्युंअ
 वसरपामी ॥ उठ्याकुंअरनृपशीरनामी ॥ निजउचितकरेनवीषामीहोराजि ॥
 ॥ ९५ ॥ मा० ॥ वेठामित्रस्युंवलीएकदिन्ना ॥ करेधर्मकथाधनधन्या ॥ प्रतिहारआ
 वीकहेकन्जहोराजि ॥ ९६ ॥ मा० ॥ तुम्हमाउलपासथीआया ॥ कोईकामें
 महंतसोहाया ॥ तिणेंतूम्हतेमेनररायाहोराजि ॥ ९७ ॥ मा० ॥ सूणिमीत्र
 स्युंकुमरतेआया ॥ प्रणमीवेठानीजगाया ॥ नृपबोलेसांसलोजायाहोराजि
 ॥ ९८ ॥ मा० ॥ खडगसेनमाउलतुऊजेह ॥ कहेवरावेतुम्हनेंतेह ॥ दोयक
 न्यामुऊरूपरेहहोराजि ॥ ९९ ॥ मा० ॥ विभ्रमवतीविभ्रमआणें ॥ कामल
 ताकामीकरेप्राणें ॥ जीवथीअधिकितेवषाणेहोराजि ॥ १०० ॥ मा० ॥
 स्वयंवरातेदोयआई ॥ वरतोसज्जनीअनुंजाई ॥ परणोतूम्हेचित्तमांलाईहोरा

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिणेंदहेस्यूंअमेसंतोस ॥ तेनृपनेमोदनोपोस ॥ गुरुवयणें
 तूमहनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कन्यापणिलहेआणंद ॥ इमसाण्यूंजा
 मनरिंद ॥ चितेकुमरसूखकंदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वतातेंपणिऊंजाणं ॥
 साण्यूंतेएहजटाणं ॥ तातबोलेठेअतीशांणंहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय
 णतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमंगलथाय ॥ तवबोलेइमनररायहोराजि ॥
 ॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकांयविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करविअव
 स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ ॥ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ नृपहरण्योसातेधात ॥
 कहेउचितएतुऊअवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुऊधर्मतणोपरूपान ॥ प
 णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुंसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ
 पजेवलीजवसंतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेववुंव्रतअसमानहो
 राजि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुंअरकहेरुमुंथास्ये ॥ इणअवशरिघरनेंपासें ॥ सिद्धा
 र्थपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमांनहीकांयसंदेह ॥ गजगुल
 गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमंगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बंदिबोलेज
 य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसंजुजाणि ॥ हरण्योनरपतीगुणपाणिहोराजि ॥
 ॥ १२ ॥ मा० ॥ बोढ्योकाळनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोआम ॥ सूर
 यआव्योमध्यगमहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतात्मान ॥ केई
 देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान
 मुंकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराजि ॥
 ॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचिततेआपे ॥ प्रण
 मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राखंजुदिधांदांन ॥ नयरीशो
 साअसमांन ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपूजा
 उकिधी ॥ नाचेपगें२पात्रप्रसीधी ॥ अंतैउरीहरषमांगिहिहोराजि ॥ १८ ॥
 मा० ॥ मंगलवाजांबज्जवाजे ॥ नृपतैमणकसमाजें ॥ पुढेलगनविवाहनेंका
 जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपंचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहस
 मान ॥ वधावीलिशंराजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खंमनवमेठ्ठीढाल ॥

सृणतां होयमंगलमात्र ॥ कहे उत्तमबीजयनोवाखहोराजि ॥ २१ ॥ मा० ॥
 ॥ इहा ॥ आणिकरीअमात्यने ॥ सामग्रीकरोसज्ज ॥ तहतिकरीतेपणितूरत ॥
 करतातीमहिजकज्ज ॥ २२ ॥ शुसटनेआपेसामटा ॥ आयुधअतिअवद्ध ॥
 अंतेउरीनेआपतां ॥ नानाआसरणनवद्ध ॥ २३ ॥ रथवरशोसासूअमी ॥
 गाजेवलीगजराज ॥ अंवामीअंवरअमी ॥ सिंदूरादिकसाज ॥ २४ ॥ तुरंग
 तयारकरयाअती ॥ करणीउचीतकरेय ॥ तोरणवांध्यांमणितणां ॥ ध्वजप
 टकनकधरेय ॥ २५ ॥ सयलविधीकरयोसहजमां ॥ करीपुजाकुलदेव ॥
 प्रणमीमावीत्रपाउले ॥ मीत्रमानीस्वयमेव ॥ २६ ॥ रथवरवेठाकुंअरजी ॥
 साथेमीत्रनोसाथ ॥ परगटपरणवाचालीउ ॥ समरादित्यसनाथ ॥ २७ ॥
 ठाड ॥ कोमीसोनईकासीदे ॥ सहारावाहलाजीरे ॥ करनारोनहीकोय ॥
 जईनेकेज्यो ॥ मा० ॥ एदेजी ॥ परणवावरघोमेचढया ॥ वरराजाजीरे ॥ नाचेप
 गि २ पात्र ॥ जोवाचालोवरराजाजीरे ॥ मंगलतूरवजावते ॥ वर ॥ लोकमि
 द्यातेअमात्र ॥ २८ ॥ जोवा० ॥ अंतेउरीरथमांरही ॥ वर ॥ गावेमंगलगि
 त ॥ जोवा ॥ नयरीलोकआणंदिजा ॥ व ॥ रायनेहरषनमाय ॥ २९ ॥ जोवा०
 संवेगेसावीतमती ॥ वर ॥ वरमनअचरीजथाय ॥ जोवा० ॥ सवस्वरु
 पचितचितवे ॥ वर ॥ लोककरेपरसंश ॥ ३० ॥ जोवा० ॥ विवाहसवनेआवी
 आ ॥ वर ॥ उपनाउत्तमवंश ॥ जोवा ॥ माहिरामांहिआविआ ॥ वर० ॥ दिठीकन्या
 दोय ॥ ३१ ॥ जोवा० ॥ गजदंतमयीजिमपुतली ॥ वर० ॥ विधमवतीतिहांजोय ॥
 ॥ जो० ॥ वरआसरणेदेहमी ॥ वर० ॥ कुंकूमविलेपनहोय ॥ ३२ ॥ जो० ॥ कामलताव
 लीशोसती ॥ वर० ॥ इंद्रनिलमणीवाना ॥ जोवा० ॥ हरीचंदनविलेपीजा ॥ वर० ॥ राजेअ
 तीअसमान ॥ ३३ ॥ जो० ॥ कुमरदेपीमनचितवे ॥ वर० ॥ अहोसुंदरआ
 कार ॥ जो० ॥ अहोलावण्यनिकलंकता ॥ वर० ॥ अहो २ विनयप्रकार ॥
 ॥ ३४ ॥ जो० ॥ मुरतिशांतिघणीअठे ॥ वर० ॥ जाणहोस्येजोग्य ॥ जो० ॥
 करीशापीअगनीतणी ॥ वर० ॥ करेकंशारआरोग ॥ ३५ ॥ जो० ॥ पाणिग्रहणइं
 मनीपने ॥ वर० ॥ फेराफरिआताम ॥ जो० ॥ उचितदानसवीदीधलां ॥

वर० ॥ किधांसघलांकांम ॥ ३६ ॥ जो० ॥ शंखिअवशररवीआथिम्यो॥
 वर० ॥ उग्योनहंगणचंद ॥ जो० ॥ वाससूवनसजिउंतिहां ॥ वर० ॥ मणि
 दिपकनाटंद ॥ ३७ ॥ जो० ॥ कुसूमसज्यातिहांपाथरी ॥ वर० ॥ लठकेचं
 पकदाम ॥ जो० ॥ भमरावलीवलीरणणे ॥ वर० ॥ पद्मवासेगंधवाम ॥ ३८ ॥
 जो० ॥ दोयवधुबेठीजीहां ॥ वर० ॥ आव्यातिहांकुमार ॥ जो० ॥ मित्रअ
 शोकादिकेंकरी ॥ वर० ॥ परवरीउपरीवार ॥ ३९ ॥ जो० ॥ उत्तीथइतेदोय
 वधु ॥ वर० ॥ कुमरसज्याशनिपन्न ॥ जोवा० ॥ उचितथानिकवेठांसऊ ॥
 वर० ॥ मित्रनारीबडुपन्न ॥ ४० ॥ जो० ॥ कुंदलताप्रमुखाजीके ॥ वर० ॥
 सरखीउबेठीपास ॥ जो० ॥ विभमवतीनीकुंदलता ॥ वर० ॥ कामलतामानि
 नीपास ॥ ४१ ॥ जो० ॥ कुंदलतालावीदीई ॥ वर० ॥ तंबोलकुसूमनीमाल ॥
 जो० ॥ विभमवतीईमोकली ॥ वर० ॥ द्योतूमेकूमररआल ॥ ४२ ॥ जो० ॥ निज
 करथीगुंथीअठई ॥ वर० ॥ धरतिरागअत्यंत ॥ जो० ॥ मानिनीमाधवीकुसू
 मनी ॥ वर० ॥ मालामनमोहंत ॥ ४३ ॥ जो० ॥ कुमरनेआपीईमकहे ॥
 वर० ॥ करोसफलअनुराग ॥ जो० ॥ कुमरकहेकिमरागढे ॥ वर० ॥ तवसा
 कहेलहीलाग ॥ ४४ ॥ जो० ॥ हरषविषादेबोलती ॥ वर० ॥ कुमरगंतीरसू
 णीवाणी ॥ जो० ॥ नामतुमारुंसांसट्यूं ॥ वर० ॥ तेदिनथीतूमहकाण ॥ ४५ ॥
 जो० ॥ थाईदिन २ डबली ॥ वर० ॥ करेनीतूमचीवात ॥ जो० ॥ एहवी
 वातसूणीहवई ॥ वर० ॥ चितवेकन्यातात ॥ ४६ ॥ जो० ॥ जुगतोरागए
 जाणीने ॥ वर० ॥ मोकलीतूमनेपाणि ॥ जो० ॥ सफलमनोरथनीपनो ॥
 वर० ॥ आव्युंसघलुंठाणि ॥ ४७ ॥ जो० ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ वर० ॥
 ठेमुऊउपरिराग ॥ जो० ॥ रागीकहिइतेकरे ॥ वर० ॥ कार्यअकार्यविताग ॥
 ॥ ४८ ॥ जो० ॥ धर्मदेशनाकीजीई ॥ वर० ॥ अवसरहिमणांएह ॥ जोवा ॥
 ईमसमरादित्यचितवी ॥ वर० ॥ कहेजोअमपरिनेह ॥ ४९ ॥ जो० ॥ तो
 अहितेवरतावतां ॥ वर० ॥ किमलहिईअनुराग ॥ जो० ॥ मानिनीकहेईमकिम
 कहो ॥ वर० ॥ कुमरकहेसूणोवाग ॥ ५० ॥ जो० ॥ सातमीनवमारुंमां ॥

वर० ॥ समरादित्यनेरास ॥ जोवा० ॥ पद्मविजयसोहामणी ॥ वर० ॥ ढा
 लअधीकउल्लास ॥ ५१ ॥ जोवा० ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ उहा ॥ सूरणोदृष्टांतसोहामणी ॥ कामरुदेशकहंत ॥ नामेंमदनपुरवरनय
 र ॥ प्रद्युम्ननृपपत्तणंत ॥ ५२ ॥ रतिराणीरतीरुपथी ॥ विषयनोसूखविलसं
 त ॥ नृपरमवानेनीकल्यो ॥ रहवामीसूरमंत ॥ ५३ ॥ राणीतवगोषेरही ॥
 राजमारगनीरषंत ॥ विमलमतीसज्जवाहसूत ॥ शुसंकरनामसोहंत ॥ ५४ ॥
 जीवनवयतसजाणीने ॥ उपनोअतिअविवेक ॥ अवलोकेंआदरकरी ॥ अ
 सीलाषाअतीरेक ॥ ५५ ॥ तसदृष्टीथस्तेहपणि ॥ गिरधरथयोगमार ॥ चित्त
 जाणएअतीचतूर ॥ राणिशुद्धयविचार ॥ ५६ ॥ एकदेशेंउत्तोरसो ॥ जाणी
 जालनीनाम ॥ दाशीनेंदेषावती ॥ आणितुंएहनेंआम ॥ ५७ ॥ कामीशुद्धय
 होयअतीकठीन ॥ लेईआवितेल्हार ॥ पल्यंकेवेगेपठें ॥ वासगृहेतिणिवार ॥
 ॥ ५८ ॥ विमुंदिशंतबोलनुं ॥ अर्धग्रहंशुंणेंएह ॥ सूरिणउशब्दइंणिसमें ॥ कल
 यलबंदिकरेह ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ आजमईतीजंसमवसरणमां ॥ एदेशी ॥ राणी
 वीचारेएसूपतीआव्यो ॥ हवेनहीअन्यउपायरे ॥ घाल्योवाहिरजवानेंथानी
 क ॥ आव्योहवेनररायरे ॥ ६० ॥ शीलपालोत्तविस्तावधरीनें ॥ शिलेंशंदग
 तीहोयरे ॥ शीलविराधननांफलएहवां ॥ इहसवमांपणिजोयरे ॥ ६१ ॥ शी० ॥
 रायकहेवारकनरतेमो ॥ शौचकरेवाजावुरे ॥ शुसंकरसूणीचीत्तविचारें ॥ मर
 णअवस्यइहांपावुरे ॥ ६२ ॥ शी० ॥ मरणविकलहीपम्योसंभासे ॥ महाडर
 गंधअंधकारोरे ॥ विष्टाकूपकृमीकूलेंव्यापीत ॥ पमीउतेहमांकिनारोरे ॥
 ॥ ६३ ॥ शी० ॥ अशुचित्तरीजकृमीइंषाधो ॥ दृष्टीप्रशाररोकाणोरें ॥ अंग
 शंकोच्युवेदनपाम्यो ॥ आकुलहोयतिणटाणोरें ॥ ६४ ॥ शी० ॥ अंगरक्त
 कनृपनेंतिहांजोयुं ॥ आव्योउपतिणठायोरे ॥ शरीरस्थीतीकरीनेंफीरीआ
 यो ॥ राणीस्थूंकालगमायोरे ॥ ६५ ॥ शी० ॥ सांजेरायंसत्तामांपोहतो ॥
 राणीतवजोवरावेरे ॥ नविदीगेतवकहेइंमरांणी ॥ कहोताइंजकिहांजावेरे ॥
 ॥ ६६ ॥ शी० ॥ दाशीकहेएमरणनात्तयथी ॥ पमीउकूपमजासेरे ॥ चि

तातितथईतवराणी ॥ मृतजाण्योनीरधारोरे ॥ ६७ ॥ शी० ॥ तेहशुसंकरड
 खथीपीमयो ॥ सवितव्यतानेंजोगेरे ॥ आयुबलेंकोईकालगमावे ॥ अशुची
 रसपानसोगेरे ॥ ६८ ॥ शी० ॥ विष्टाकुपत्रोधननेंकाजें ॥ उघाम्योतेद्वार
 रे ॥ अशुचिनिर्गममारगेंनीकढ्यो ॥ रातिसमयतिणीवाररे ॥ ६९ ॥ शी० ॥
 देहढबीविण्ठीनेंनाठा ॥ नखनेंकेशवीरुपरे ॥ किमहीकअंगपषालीनिजघ
 रि ॥ पोहतोकष्टसरुपरे ॥ ७० ॥ शी० ॥ बीहनोपरीजनसयथीकूणए ॥ ते
 हकहेमतबीहोरे ॥ शुसंकरझंपितातवपुढे ॥ विमलमतीमतीलीहोरे ॥ ७१ ॥
 शी० ॥ स्यूतेंकीधुंजिएंइंमझुज ॥ तवकहेपुत्रविचारोरे ॥ मरणलक्ष्मोमतजा
 णोपीताजी ॥ तेहजझुअवधारोरे ॥ ७२ ॥ शी० ॥ पणजेकरणीथीइंमझुजातेसं
 सलावुंअसागरो ॥ करीएकांतनेंसाण्यूसंघळूं ॥ सांसलीतातविरागोरे ॥ ७३ ॥ शी० ॥
 वातरहीतघरमांतसथापे ॥ सहस्रपाकादिकतेलेरे ॥ परीमर्दनकरीनेंतसतातें ॥
 मुलस्वरुपकरीमेलेरे ॥ ७४ ॥ शी० ॥ एकदिनदेवतायतनेंजातां ॥ रतिराणीइं
 दिठोरे ॥ पुरवनीपरिंजालणीमुंकी ॥ तेभावेकहीमीठोरे ॥ ७५ ॥ शी० ॥ मो
 हदोषेंकरीतेपणिआव्यो ॥ थयुंवलीपुरवरीतेरे ॥ कुपथीनीकढ्योवलीसझ
 झुज ॥ केईककालव्यतीतेरे ॥ ७६ ॥ शी० ॥ वलिइंणिरितेंकस्युंफरीजीव्यो ॥
 इमबझुवारगयोआव्योरे ॥ एदृष्टांतकसोहवेपुढुं ॥ कहोचित्तमांजोसाव्योरे ॥
 ७७ ॥ शी० ॥ रतीनेंरागहतोकेनांही ॥ मानिनीकहेपरमार्थेरे ॥ रागनही
 वलीबुझीरहीतसा ॥ कुमरकहेतसअर्थेरे ॥ ७८ ॥ शी० ॥ रागनहीमुळउपरिं
 एहनो ॥ परमार्थेबुझीहीनरे ॥ इप्याकारणंचपलस्वसावे ॥ सोगवांढेएदीन
 रे ॥ ७९ ॥ शी० ॥ वस्तुतत्वनसमजेकांई ॥ डरलसनरअवताररे ॥ सवसमु
 द्रमांपांमीनकरे ॥ धर्मतेमुंढगमाररे ॥ ८० ॥ शी० ॥ संहरेत्रणिसूवननेंमृ
 त्यू ॥ सहेजेकूरस्वसावरे ॥ नविचारेएहनेंवशआपण ॥ किमधरेविषयवी
 सावरे ॥ ८१ ॥ शी० ॥ अहितेवरतावेतेकारण ॥ मुळउपरिनहिरागरे ॥ इंमसांस
 लीवझुउदोयबुझी ॥ लहेसंवेगविरागरे ॥ ८२ ॥ शी० ॥ शुद्धतावनाइंकर्म
 खप्यांबझ ॥ पामीदेशचारीत्तरे ॥ अक्षाअतीशयेंकुमरनापदजुग ॥ प्रणमे

अतीसूविनीतरें ॥ ८३ ॥ शी० ॥ विभ्रमवतीकहेमोहगयोअम ॥ उपनुंस
 म्यगनाणरे ॥ विषयरगटलीउत्तवत्तयथी ॥ पीउतूम्हवचनप्रमाणरे ॥ ८४ ॥
 शी० ॥ कामलतापणिइंमहीजसाषे ॥ तवसमरादीत्यसासेरे ॥ सलेंतूमेंमानव
 नोत्तवपांम्यां ॥ कुशलबुद्धीजिणेंपासैरे ॥ ८५ ॥ शी० ॥ तिणेंतूम्हविषय
 त्यागघटेकरवो ॥ मोहजनीतमोहहेतूरे ॥ मोहस्वरूपमोहानुबंधी ॥ संक्लेश
 तिमशमवेतूरे ॥ ८६ ॥ शी० ॥ संक्लेशजनीतनेशंक्लेशहेतू ॥ तिमसंक्लेशअ
 नुबंधेरे ॥ जावजीवठांमोमोहचेष्टा ॥ कुशलबुद्धीनेंशंधेरे ॥ ८७ ॥ शी० ॥
 इत्यादिकवयणांसूणीअवणें ॥ बोलेवधुटीदोयरे ॥ जावजीवपच्चख्यूंअमेंअ
 ब्रम्ह ॥ हरण्योकुमरतेसोयरे ॥ ८८ ॥ शी० ॥ नवमेखंमेढादअनोपम ॥
 ॥ आठमीअदसूतसाषीरे ॥ पद्मविजयकहेधन्यएदंपती ॥ जिणेंएहवीमतिरा
 पीरे ॥ ८९ ॥ शी० ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥

॥ इही ॥ हरण्योकुमरहैयाथकी ॥ कहेअहोहलूआंकर्म ॥ धन्यताउपसम
 धीरता ॥ धारकअहोपतिधर्म ॥ ९० ॥ इहलोकनीइहानही ॥ अहोगंतिर
 अपार ॥ इमंचित्तिआषेंइस्युं ॥ साधुकर्युंसुखकार ॥ ९१ ॥ मेंपणिजाव
 जीवमुणो ॥ चोथुंब्रतकर्युंचित्त ॥ अहो २ शोसनआदर्युं ॥ सुखथीकहे
 सज्जमीत्त ॥ ९२ ॥ कुसूमवट्टिदेवेंकरी ॥ उत्तमअध्यवशाय ॥ चितेकुमरवि
 चारइंम ॥ शुत्तपरिणामसूहाय ॥ ९३ ॥ तदावरणषइंतेहनें ॥ अवधीज्ञानउ
 प्पन्न ॥ त्रिजंकाळजाणेंतदा ॥ प्रगटसंवेगप्रपन्न ॥ ९४ ॥ व्यतिकरसूणिप्र
 थवीपती ॥ प्रतीहारनेंपासा ॥ सांसलीराणीपणिसवे ॥ वलतोकरेविषासा ॥ ९५ ॥ अण
 घटतुंअवनीपती ॥ कहेकामएकीधाराणीकहेरोतीथकी ॥ लाहविषयनविलीध ॥
 ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ पण्ठप्यारीनें धनोअेमस्युं होनारी ॥ सकुलीनी ॥ एदेशी ॥ इणसमे
 आवीदेवांगनाहो ॥ सूणीसूपती ॥ हैइंविराजेहार ॥ सज्जमनमोहेजिहोराजि ॥
 मुगटकुंमलकटकेंकरीहो ॥ सु० ॥ कटिमेखलाखलकार ॥ ९७ ॥ सज्ज ॥ देवड
 प्यथीसोहतीहो ॥ सु० ॥ मणिनेउररणकार ॥ स० ॥ वावनाचंदनलिपीउंहो
 ॥ सु० ॥ सूरतरुकुसूमनेधारि ॥ ९८ ॥ स० ॥ मणिदिवापरेंदिपतिहो ॥ सु० ॥

सोमवदनअत्यंत ॥ स० ॥ देवीवीरमयपामीआहो ॥ सु० ॥ हरषविषादेनमं
 त ॥ ए० ॥ स० ॥ बोलेतामदेवांगनाहो ॥ सु० ॥ मकरोचीनवीषाद ॥ स० ॥
 कुमरेंघणंजुगतूंकखुंहो ॥ सु० ॥ टाढ्योत्तवविषवाद ॥ ३०० ॥ स० ॥ मो
 क्कमारगंशंसिधाधीजहो ॥ सु० ॥ अमृतग्रथुंतज्युंजेर ॥ स० ॥ आपदाडरेंक
 रींशेंहो ॥ सु० ॥ पुरुषातमंशेपेर ॥ १ ॥ स० ॥ कूप्ताटादीउदारताहो
 ॥ सु० ॥ किधीअंगीकार ॥ स० ॥ तिणेंकतारथएहेहो ॥ सु० ॥ धन्यतूम
 कुलअवतार ॥ २ ॥ स० ॥ राणितूमहेंपणिगेमियोहो ॥ सु० ॥ नहिसो
 चवायोग्यजेह ॥ स० ॥ शाश्वतसूरवशंशेआदखुंहो ॥ सु० ॥ धन्यतूजकु
 खजिहांएह ॥ ३ ॥ स० ॥ बळजननेंशिवसूरवतणहो ॥ सु० ॥ कारणतूज
 सूतनेम ॥ स० ॥ तिणेंवेषासडरेंकरोहो ॥ सु० ॥ नरपतीकहेतवशंम ॥ ४ ॥
 स० ॥ कुंणतूमेगेतेकहोहो ॥ सु० ॥ देवीकहेसूणिवाणि ॥ स० ॥ खमगप्रह
 रणेंजळपीहो ॥ सु० ॥ सूदरीसणाअसीहांण ॥ ५ ॥ स० ॥ तुजसूतगुणअ
 नुरागिणीहो ॥ सु० ॥ रजंतूजस्तवनमजार ॥ स० ॥ रायराणीसुणीहरषीआं
 हो ॥ सु० ॥ धन्यगुणवंतकुमार ॥ ६ ॥ स० ॥ देवतापणिरामीहोशेंहो ॥ सु० ॥
 देवताबोलेतांम ॥ स० ॥ कुमरप्रसावघणोअठेहो ॥ सु० ॥ चालोजशेंतेठां
 म ॥ ७ ॥ स० ॥ धरमपिमनिहालिशेंहो ॥ सु० ॥ कहेतेकरीशंकांम ॥ स० ॥
 देवीप्रणमीनेंचालीआहो ॥ सु० ॥ कुमरसमीपेंजाम ॥ ८ ॥ स० ॥ अवधि
 कुमरेंजांणिजहो ॥ सु० ॥ हरषेंजसाथाय ॥ स० ॥ प्रणम्यामावीत्रपाजळेंहो ॥
 सु० ॥ बेठाआसणाय ॥ ९ ॥ स० ॥ प्रणमीपुढेतातनेंहो ॥ सु० ॥ किमआ
 व्यातूमेएथ ॥ स० ॥ अणघटतूंकिधळूंहो ॥ सु० ॥ मुज्जनवीतेम्योतेथ ॥
 ॥ १० ॥ स० ॥ नृपकहेदेवीशंसापीजहो ॥ सु० ॥ तूमवत्तांतअशेष ॥ स० ॥ रां
 णिकहेगुणवंततूंहो ॥ सु० ॥ किमदिजेंआदेश ॥ ११ ॥ स० ॥ कुमरकहेतुमे
 गुरुजनाहो ॥ सु० ॥ तूमआणाकहूंजेह ॥ स० ॥ गुणवंतपणंमुज्जतोरहेहो
 ॥ सु० ॥ रायकहेसुणोएह ॥ १२ ॥ सु० ॥ डःकरकामतूमहेंकखुंहो ॥ सु० ॥
 समरादित्यकहेवाणि ॥ स० ॥ नहीडःकरशंहांसांसलोहो ॥ सु० ॥ च्यारपुरुष

नुंकहांण ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकच्यारपुरुषहताहो ॥ सु० ॥ प्रव्यश्वकतिहां
 दोय ॥ स० ॥ दोयविषयनालोडपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
 ॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथांनिकपेपिउहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
 शि ॥ स० ॥ नारीदोयरंतासमीहो ॥ सु० ॥ करतीअतीसूबिदास ॥ १५ ॥ स० ॥
 जेपामवुंतेपामीआहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाट्याताम ॥ स० ॥ वांणियईईंण
 अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेष
 ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उंचुंजोतांदिषीउहो ॥ सु० ॥ रौ
 प्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरसोआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनश
 कींतेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेपीउहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
 स० ॥ इणिसमेवाणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेश्वेअठकाम ॥ स० ॥ मरण
 लहेतेइणिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेडखगम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
 यथीहो ॥ सू० ॥ तावेअसारतातास ॥ स० ॥ तोक्रमें२दूरेंषसेहो ॥ सू० ॥
 कावेउपप्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेचितवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
 तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीठोमीइंहो ॥ सू० ॥ सिधतेदेवाजाया ॥ २१ ॥ स० ॥
 बिजापणिमनचितवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविषयस्यूनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
 कविपाकठेहो ॥ सू० ॥ इमकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ डःकरकारकेहा
 कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवृत्तिआहो ॥ सू० ॥
 लेवाविषयनेंविता ॥ २३ ॥ स० ॥ डःकरकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
 जेविवाग ॥ स० ॥ बिजानुंडकरकिंस्थूंहो ॥ सु० ॥ जुक्तकरेजेतागा ॥ २४ ॥ स० ॥
 नवमीनवमाखंममांहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
 हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ २५ ॥ स० ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ डहा ॥ पर्वतपमतोपेपीउ ॥ तेआयुअसराख ॥ सूरअसुरांनहिआसरो ॥
 तिषणअतीतयाल ॥ २६ ॥ असमंजसकारकअती ॥ विषसमजासविपाका ॥
 विषयनोत्यागवषाणीउ ॥ अमृतसमआपाक ॥ २७ ॥ क्लेशरहीतकुंअरकहे ॥
 सूरवथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिइणिपरें ॥ स्थूंडःकरसमजाय ॥ २८ ॥ रा

यकहेरुमुंकयुं ॥ मोहमांपणिमुंजाय ॥ कुमरपीतानेतवकहे ॥ डरदंतएडरव
 दाय ॥ २९ ॥ मरणदेषेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगलेवाहूपरें ॥
 दिइंवलीगुरुउपदेश ॥ ३० ॥ दोषनआणेंदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांमा ॥ जि
 नवरदेषाक्योजीके ॥ नधरेधर्मनुनांम ॥ ३१ ॥ इमसांसलीअवनीपती ॥ तणें
 धरीशुससाव ॥ जेंमकयुंतेतिसजठे ॥ देविपणिंणिदाव ॥ ३२ ॥ ठाल ॥ मां
 पीनागीतजी ॥ साहिवसांसलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवठसांसलो ॥ अ
 मवरुपणिठेप्राय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवली ॥ चितानहीतिणेंकांया ॥
 कुं ॥ ३३ ॥ मां ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ बालायौवनवेस ॥ कुं ॥ मनवं
 ढिततसनवीथयुं ॥ तिणेंउदवेगवीशेश ॥ कुं ॥ ३४ ॥ मां ॥ कुंअरकहे
 नकरोतूमहे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवांढीतएहनुंथयुं ॥ धन्यए
 हनोअवतार ॥ मां ॥ ३५ ॥ मां ॥ मोहबिजएणिइंल्लुं ॥ सांसलीएहवीवात ॥
 माताजी ॥ वळमुखसाहमुंदेषीउं ॥ तवबोलीसूणोमात ॥ मां ॥ ३६ ॥ मां ॥
 तुम्हेस्नेहेंकरीइमकहो ॥ पणिसरीउंअम्हकाज ॥ मां ॥ आर्यपुत्रघरणीत
 णो ॥ सव्दल्लोअमेआज ॥ मां ॥ ३७ ॥ मां ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनुं ॥ अ
 ममनवंढीतजेह ॥ मां ॥ धर्मकस्योवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मां ॥
 ॥ ३८ ॥ मां ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइं ॥ राणिवीचोरताम ॥ कुं ॥ अहोरु
 पनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कुं ॥ ३९ ॥ मां ॥ गुरुसक्ति
 अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कुं ॥ अहोगंतीरताएहनी ॥ इम
 चितीकहेतास ॥ कुं ॥ ४० ॥ मां ॥ खडगसेनपुत्रीतणं ॥ उचिततेघटूंत
 इम ॥ कुं ॥ इणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कुं ॥ ४१ ॥
 मां ॥ विप्रपुरंदरनांमथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कुं ॥ कोलाहलतिहांबळथ
 यो ॥ जेहसूणीहोयत्राश ॥ कुं ॥ ४२ ॥ मां ॥ रायकहेनिजपुरुषनें ॥
 जाउंषवरकरोएहा ॥ कुं ॥ कुंअरकहेमतजायजो ॥ जाणंठुंजेह ॥ पीताजी
 ॥ ४३ ॥ कुंअरकहेतूमेंसांसलो ॥ एआंकणी ॥ एसंशारविदासठो ॥ रायकहेतेकेंम ॥
 कुं ॥ कुमरकहेएसहजो ॥ अरधमुउजबनेमा ॥ पिताजी ॥ ४४ ॥ कुं ॥ तिणेंसऊस

ज्ञानरोवतां ॥ नृपकहेदिगोआज ॥ कुं० ॥ कुं० अरकहेकारणनही ॥ मरणध
 भिनरराज ॥ पिता ॥ ४५ ॥ कुं० ॥ एहनेरोगहतोनही ॥ नृपकहेकिममुउं
 म ॥ कुं० ॥ कुमरकहेअवाच्यठे ॥ निंदितवेवलीतेम ॥ पिता ॥ ४६ ॥ कुं० ॥
 सूपकहेसंशारमां ॥ स्यूनहीनिंदितहोय ॥ कुं० ॥ पणिकौतिकमुऊएअठे ॥
 संसलावोतूहेशोय ॥ कुं० ॥ ४७ ॥ कुं० ॥ कोईविस्तारनहीलहे ॥ नहिदू
 रजनकोएथ ॥ कुं० ॥ कुं० अरकहेमतश्मकहो ॥ सूलोजेनीपनुंतेथ ॥ पीता ॥
 ॥ ४८ ॥ कुं० ॥ नर्मदानारीठेएहनें ॥ तिणेंदिधूंठेऊर ॥ पीता ॥ मोकलोवैद्य
 उतावला ॥ आंणीमनमांमहेर ॥ पीता ॥ ४९ ॥ कुं० ॥ उषधेजीवेतेजथा ॥
 वलीएहनीजेपोलि ॥ पीता ॥ नैश्रुतकुंणेंकूतरो ॥ एपणिएहनेंतोल ॥ पिता ॥
 ॥ ५० ॥ कुं० ॥ एहजऊरतेदिधवूं ॥ एहजविधीकरोतास ॥ पीता ॥ जिव
 स्येतिणेंएविजुंजणां ॥ रायनेथयोउल्लास ॥ पीता ॥ ५१ ॥ कुं० ॥ अहोज्ञान
 जुउकुमरनुं ॥ श्मकहीवैद्यनेतेमि ॥ पीता ॥ सीषवीनेंतीहांमुंकीआ ॥ नि
 जनरनेंतेकेमि ॥ पी० ॥ ५२ ॥ कुं० ॥ सूपपुठेहवेकुमरनें ॥ स्यूंइणमारणहे
 त ॥ पीता ॥ कुमरकहेअवीवेकठे ॥ तोपणिएसंकेत ॥ पीता ॥ ५३ ॥ कुं० ॥
 बाहलीपुरंदरनेघणी ॥ तोपणिनारीअज्ञान ॥ पी० ॥ अर्जूनदासजेनीजघरें ॥
 तेहस्यूंलागोतान ॥ पी० ॥ ५४ ॥ कुं० ॥ अवणपरंपरासांसल्यूं ॥ मान्यूं
 नविप्रेतोहिं ॥ पी० ॥ श्मकेईकालवहीगयो ॥ मातकहेहवेमोहिं ॥ पी० ॥ ५५ ॥
 कुं० ॥ पुत्रनसुंदरवज्रअठे ॥ उवेपेठेकेम ॥ पी० ॥ थायसंताननाशवली ॥
 सांसल्यूंविप्रेंश्म ॥ पी० ॥ ५६ ॥ कुं० ॥ सांसलीवामवांचितवे ॥ श्मसापेठे
 मात ॥ पी० ॥ प्राणप्रियाएनारीठे ॥ किमहोस्येएवात ॥ पी० ॥ ५७ ॥ कुं० ॥
 दशमीनवमाखंभमां ॥ पद्मवीजयकहीढाल ॥ पी० ॥ समरादित्यनारासमां ॥
 आगलिवातरसाल ॥ पी० ॥ ५८ ॥ कुं० ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 ॥ उहा ॥ सामुवज्रनेंसपनही ॥ एहवोपणिअवदात ॥ वलीविशेषथीगुणवती ॥
 मत्सरनहीमुऊमात ॥ ५९ ॥ एतलाकाललगेंअही ॥ तेदनजाण्योसाय ॥ नारीप
 णिठेनीरमली ॥ स्योकीजेव्यवसाय ॥ ६० ॥ चंचलनारीतेचीत्तथी ॥ श्मसा

षेअणगार ॥ तेपणिनवीथाइवितथ ॥ विषमाकामवीकार ॥ ६१ ॥ परीक्षा
 कसुंतिणेंपाधरी ॥ इमंचितीएकांत ॥ साषेनर्मदासामिनी ॥ स्वमज्योमनध
 रीखांति ॥ ६२ ॥ महिपतीआणाइमाहरे ॥ जवुंमाहेसरजाम ॥ शिघ्रआवी
 स्युंसुंदरी ॥ केईकदिनठेकांम ॥ ६३ ॥ रहेज्योरुमीरीतीस्युं ॥ नर्मदाकहे
 तवनारि ॥ आर्यपुत्रजुंआवस्युं ॥ नहिरजुंनिरंधार ॥ ६४ ॥ ठाल ॥ अईश्री
 तमस्युंएकवारसलूणीबोलोहो ॥ एदेशी ॥ तुमवीनजुंनवीरहीसकुरें ॥ इमक
 हीरुदनकरेय ॥ पुरंदरकहेसुंदरी ॥ स्नेहेकायरतामधरेय ॥ ६५ ॥ चरीवन
 हीरुमोहो ॥ अहोकोईनलहेएहनोपार ॥ चरी० ॥ माहरेतिहांकांयडखनथी
 रे ॥ तवकहेवचनप्रमाण ॥ पणिजोमोमाआवस्योतो ॥ माहराजास्येंप्राण ॥
 ॥ ६६ ॥ चरी० ॥ विजेदिवसेनिकट्योरे ॥ बाहिरदिवसगमाय ॥ रजनीइंपे
 ठेगेहमां ॥ करीमायारहोएकठाय ॥ ६७ ॥ चरी० ॥ मध्यरातिंवासगेहमां
 रे ॥ सूतांदिठांदोय ॥ सूरत्तप्रयासनाखेदथीरे ॥ निद्रामांआव्यांसोय ॥ ६८ ॥
 चरी० ॥ कोपेंअतीघणंकलकट्योरे ॥ नागेदूरिवीवेक ॥ चितवेजलस्युंपा
 लवी ॥ नारिनेंतेआपनीटेक ॥ ६९ ॥ च० ॥ पणिअर्जुनएडठेरे ॥ सोगवे
 माहरीनारि ॥ माहूएहनेंचितवी ॥ कस्योसूतानेंप्रहार ॥ ७० ॥ चरी० ॥ मा
 रीतेवासनागेहथीरे ॥ रहीउघरएकदेश ॥ जोउंनारीहवेस्युंकरे ॥ तिहांरुधीर
 फरसथयोवेश ॥ ७१ ॥ चरी० ॥ तेहथीजागीजोईउंरे ॥ मरणलखोतेजा
 र ॥ चितवेहाहामरीगयो ॥ मुज्जेहस्युंअतिशयप्यार ॥ ७२ ॥ चरी० ॥ मंद
 सागिणीजुंघणीरे ॥ किणेंमारयोमुज्ज्वामि ॥ मारिनमुज्जेनंपापिइं ॥ किमजी
 वतीरजुंइंणामि ॥ ७३ ॥ चरी० ॥ गर्इहवेरतीसूखनीकथारे ॥ इमंचितीषणें
 षामि ॥ घाल्योअर्जुननेंतिहां ॥ डखधरतीअतीगाढ ॥ ७४ ॥ चरी० ॥ जोइ
 नेंहवेनीकट्योरे ॥ पोहतोश्रितठाण ॥ सापणितिणथानिककरे ॥ वेदिकात
 सतनुंअहीनांण ॥ ७५ ॥ चरी० ॥ नारीनहीरुमीहो ॥ एआंकणी ॥ दिपक
 रेनेंवलीदीशे ॥ पुजेप्रतीदीनतास ॥ आलिगनवलीतीहांकरे ॥ इमस्नेहेअन्नां
 णवीलास ॥ ७६ ॥ ना० ॥ आव्योपुरंदरअन्यदारे ॥ देषाम्योनवीकार ॥ केइ

कदिनशंणिपरंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चितवेअहोएमुं
ढतारे ॥ अहोकेहवोढेराग ॥ अथवाएहवीसास्त्रमां ॥ सापीढेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ ऋषीइसास्त्रमजार ॥ तिणेंम
नमानेंतेकरो ॥ मुळकाजनतासलंगार ॥ ७९ ॥ नारी० ॥ इमंचितवीपुरवप
रेंरे ॥ सोगवेतेहस्युंसोग ॥ बारवरसइमवहीगयां ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपांचमेरे ॥ दिवसेंरांय्युंअन्न ॥ ब्राह्मणनेंजी
माझवा ॥ पणिनारिनुंजारमांमन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥
तिहांकस्युंवलीनुंदांन ॥ तवपुरंदरदेषीकरी ॥ हसीनेंकहेशंणिपरेंवाणि ॥ ८२ ॥
नारी० ॥ हजीअएस्युंकरोसुंदरीरे ॥ सांसलीकरेचीचार ॥ निश्वयमारयोमु
ऊपती ॥ तिणेंबोलेएइणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमातुंएहाथस्युरे ॥
तोलेवाइवैर ॥ इमचितीनेंआपीउंरे ॥ सोजनमाहिंजेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुढीउंरे ॥ सूपेंइमकुमारा ॥ स्वाननेंस्येकारणदीउंरे ॥ फेरकहोतेवी
चारा ॥ ८५ ॥ नारी० ॥ कुमरकहेएकुतरोरे ॥ आवीबेसेतेठामा ॥ निजप्रियउपद्रवजा
णीनेरे ॥ एहनेंपणिदिउंताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
स्योइंणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ क्रमीउपनोदेहमजारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहांथीगृहकोकिलथयोरे ॥ उंदरनेंवलीसेक ॥ वलीअलसीउंउपनुं ॥
तिमसरंपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातभेंसवतेकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिगू २ ऐशंशार ॥ ८९ ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुंकेकिमें ॥ अहोमो
हशकतीअप्रमाण ॥ ९० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोड
स्योसंवेग ॥ अहोसंशारअशारता ॥ कर्मवीचीत्रपणंअतीरेगा ॥ ९१ ॥ नारी० ॥
नवमाखंममांएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमां ॥ सु
एतांहोयमंगलमाळ ॥ ९२ ॥ नारी० ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥
॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥
अवशरि ॥ देवइंदूस्तीनदेतांम ॥ १११ ॥ सांसलेगीतसोहामणां ॥ कहेक

होरायकुमार ॥ एहकिस्युंअदसूतअढे ॥ वलिकहेकुमरवीचार ॥ १४ ॥
 गुणधर्मसेठनोसूतगुणी ॥ जिनधर्मनामेंजाण ॥ आजजसूरमांअवतरयो ॥
 निश्वयअवधीनाण ॥ १५ ॥ मीत्रनारीसमजाववा ॥ इहांतेआव्योएह ॥ प्र
 तिवोधीपाठांजतां ॥ रिशीवेषाणीरेह ॥ १६ ॥ सूरपदपाम्योकिमसखर ॥
 प्रतिवोध्याकेणीपेर ॥ कुमरकहेएकीमकऊं ॥ वाच्यनहीएघेर ॥ १७ ॥ तु
 म्हआयहथीतातजी ॥ पसण्णताशप्रकार ॥ जिनमतसावितजिनधरम ॥ व
 सेंनविषयविकार ॥ १८ ॥ जंजुसूतसूतामीनी ॥ एदेशीया ॥ ता
 वनासावेंसावस्युं ॥ नगमेंमनमांसंशारे ॥ धनदत्तमीत्रएकतेहनें ॥ बंधुला
 नांमेंनीजंनारीरे ॥ १९ ॥ पणितेधनदत्तस्यूरमें ॥ बळकालगमायोइमरे ॥
 जिनधर्मतोइहलोकनी ॥ नविराषेअपेक्षापेमरे ॥ ४०० ॥ विणसंसलावेकूटं
 बने ॥ सून्यघरमांकाउसगगरातेरे ॥ रहिआहवेजेबंधुला ॥ धनदत्तसैकैतक
 र्योवातेरे ॥ १ ॥ तेसून्यघरमांआवीआं ॥ एकपट्यंकलेइतेदूठरे ॥ पाई
 इंधीलालोहना ॥ ढाढ्योपट्यंकपापेंपुठरे ॥ २ ॥ जिनधर्मनापगउपरें ॥
 आव्योषीलोपगविंघाणोरे ॥ तेउपरिंविजंजणचढ्या ॥ करेआलिंगनअन्ना
 णोरे ॥ ३ ॥ मैथुनसेवेंमोहस्युं ॥ तससारेंसेयोअत्यंतरे ॥ षिळोपेठोपृथिवी
 मां ॥ जिनधर्मनेंवेदनाअनंतरे ॥ ४ ॥ कुशलबुद्धीतीहांचितवे ॥ अहोवीषय
 मुंजावेजीवरे ॥ शीलजाइंदूरगतीपमे ॥ तिहांदूरखसहेअतीवरे ॥ ५ ॥ धन्य
 मुनीसमसूरखवरया ॥ दूरिंढंम्यानारीनासंगरे ॥ कुंतोनतजुंएसंगनें ॥ घरमां
 रसोराषुंरंगरे ॥ ६ ॥ मीत्रनेंनीजसार्यासणी ॥ नकरीसकुंसावउपगाररे ॥
 तोबीजानीसीवारता ॥ आत्मसरीथाउंअशारोरे ॥ ७ ॥ अहो २ इरकहेतूथं
 यो ॥ अहोमुळसंगतीपणिएहरे ॥ क्लिष्टचेष्टाकरेएहवी ॥ इहलोकेपणिएख
 जेहरे ॥ ८ ॥ परसंवजाइंदूरगती ॥ कुंत्यानोकढ्याणमीत्रोरे ॥ कढ्याणमी
 त्रमंगलकरे ॥ तेतोकुंथयोइमअमीत्तोरे ॥ ९ ॥ चारनहीमुळएहमां ॥ तिणें
 समहंपंचनवकाररे ॥ इमकरीसमरेतेहनें ॥ वलीसंसारेदेवअणगाररे ॥ १० ॥
 पढमंहवईमंगलं ॥ कहेतांबुटातसप्राणरे ॥ ब्रह्मलोकमांउपनो ॥ प्रजुंजतो

अवधिनाणरे ॥ ११ ॥ देवकृत्यकिधावीनां ॥ आव्योकरूणामनप्राणीरे ॥
 मित्रनारीप्रतीबोधवा ॥ करेइमवीचारसृजांणरे ॥ १२ ॥ रागअतीएहनेअ
 ङइ ॥ तसत्तयविणनहिप्रतीबोधरे ॥ इमकरीमायामुकतो ॥ वेदनाअतीसु
 खविरोधरे ॥ १३ ॥ यहवाणीवीशूचिकाइं ॥ अशूचीचीकणंजंबाळरे ॥
 डरगंधअशुचित्सकसणी ॥ पणिलागेअतीवीकराळरे ॥ १४ ॥ दोयपासां
 सेदाईआं ॥ हाहामरणलङ्गूइंमरे ॥ बलगेधनदत्तनेवली ॥ जंबाळेपरमाइं
 तेंमरे ॥ १५ ॥ पापपरेंलीपाईउ ॥ महाअरतीउपनीअंगेरे ॥ अहो२एस्युंवनी
 गयुं ॥ इमचितवेमननेसंगेरे ॥ १६ ॥ उसरवाकांयमांमीउं ॥ साचितवेनेह
 स्युंएतोरे ॥ बोलेमहूंबळवेदना ॥ अंगत्तागेंडरकसमेतोरे ॥ १७ ॥ तेकहेऊं
 स्युंकहूंइहां ॥ माहरोनहीकांईचारोरे ॥ साकहेसरीरउलांसीइं ॥ उलांसेंतव
 तिणीवारोरे ॥ १८ ॥ कहेमुऊहाथचालेनही ॥ कोईमुरतीवंतएपापरे ॥ एसरीपुं
 तोदीतुंनही ॥ अरतिपहेवाणोआपरे ॥ १९ ॥ साचितेमुऊपापथी ॥ एउदई
 आव्यारोगरे ॥ देवसमोपतीवंचीउ ॥ कस्युंविहूउत्तयजोगरे ॥ २० ॥ पा
 मीसंवेगनेरोवती ॥ हाआर्यपुत्रइमकहेतीरे ॥ धनदत्तपणिइमचितवे ॥ अ
 होडखसमुदायवहेतीरे ॥ २१ ॥ एसंशारअसारढे ॥ एहकायाअशूचीसंभा
 ररे ॥ प्रियमित्रवयणतेसांसल्यां ॥ सुखसोगव्यांतसउपगाररे ॥ २२ ॥ जे
 हवीम्हेंचेष्टाकरी ॥ तेहनांफलऊएपाम्योरे ॥ रेमीत्रम्हेंमातुंकरयुं ॥ इमकहे
 तांमोहकांईवाम्योरे ॥ २३ ॥ जांणीसमयप्रतीबोधनो ॥ शंवपुजणमिसक
 रीआयोरे ॥ सूरनिजरूपप्रगटकरी ॥ पुजाकरेशंवनीरमायोरे ॥ २४ ॥ दरी
 सणदिनुंदोयजणें ॥ वेदनाथईउपशांतरे ॥ देषीदेषीदोइवंदीआ ॥ अहोसक्ति
 रूपनेकांतीरे ॥ २५ ॥ पुढेंस्वामीतूम्हेंकोणजे ॥ किमआव्याआणेंगामरे ॥ ते
 कहेऊंसूरआवीउ ॥ जिनधर्म्मबिंबपुजाकामरे ॥ २६ ॥ तेकहेकिहांजीनध
 र्म्मनी ॥ प्रतीमातवतिणेंदेषामीरे ॥ देषीचीत्तमांचितवे ॥ एजीवरहीतमानुंठा
 मीरे ॥ २७ ॥ दोसलहीकहेएकीस्युं ॥ इहांस्योपरमार्थवपांणोरे ॥ सूरपरमा
 र्थकहेतांथकां ॥ पायप्रणमेधरीबळमानोरे ॥ २८ ॥ नवमेखंमेवारमी ॥ कही

पद्मविजयईमढादरे॥समरादित्यनारासमां ॥ मूणोआगलवातरशादरे ॥२॥
 ॥५॥ पुढेसुरनेंइण्णिपरें ॥ जिनधर्मकिहांसूजांण ॥ देवकहेथयोदेवता ॥
 विंध्योकिंलविआंण ॥ ३० ॥ दिठोतीमहीजदकथी ॥ कहेअहोकीधअक
 ऊ ॥ मूर्गीविऊंजणपांमीआं ॥ सुरकरतोवलीसऊ ॥ ३१ ॥ लघुतापाम्याला
 जथी ॥ मरवानेंउजमाल ॥ देषीनीवारेदेवता ॥ स्येंकरोमरणसंतालि ॥ ३२ ॥
 तेकहेजाणोसवीतूम्हे ॥ अमस्युंपुढेआम ॥ सुरकहेमरणथकिसरयूं ॥ करो
 तंसउपदेशकाम ॥ ३३ ॥ उपदेशयोग्यअमेनही ॥ तेकहेगयातेमीत्र ॥ सुर
 कहेयोग्यअगोसरवर ॥ पश्चात्तापपवित्त ॥ ३४ ॥ पापकरेपणिपापीआ ॥
 पश्चात्तापनप्राय ॥ क्लिष्टकम्मतिहजकह्या ॥ शास्त्रेंसऊसमजाय ॥ ३५ ॥
 जिनधर्मगयानजांणज्यो ॥ तेहजऊंतूंमपास ॥ परिणतीकर्मनीपामीनें ॥ व
 रंतेमोहविलास ॥ ३६ ॥ धर्मसरणकरोधसमसी ॥ जिमनवीहोइंजंजाल ॥
 तेकहेकरस्युंतोहिपणिं ॥ करस्युंकालअकाल ॥ ३७ ॥ आजथीतूमवचनें
 अम्हे ॥ जाण्युंअकारयजाम ॥ किमजीवनधरीइंकहो ॥ निर्जरलहीपरिणा
 म ॥ ३८ ॥ जिनवरेंताप्योजिणीपरें ॥ दिधोतिमउपदेश ॥ सर्वविरतिकरी
 सामगी ॥ अणसणकीधअसेश ॥ ३९ ॥ सवसरुपतिहांतावतो ॥ संवेगेंकरी
 शुद्ध ॥ उकतनिद्यादाषतां ॥ अतिशयतेअवबुध ॥ ४० ॥ अमरइंहांथीउत
 पत्यो ॥ कस्युंजेधास्युंकाज ॥ सांसलीलस्योसंवेगनें ॥ रूमीपरेंमहाराज ॥
 ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ सेठसेनाप्रतीवारिंको ॥ पुरोहीतनेंपरधानबें ॥ केफिनमुंके
 कामिनी ॥ सहेसबत्रीसराजानवे ॥ प्राणजीवनधरेआउनां ॥ आउनांवेदील
 त्याउनांवे ॥ प्रा० ॥ एदेशी ॥ शयकहेवढसाचलूं ॥ सवत्रेष्टाअसराववे ॥
 जलकल्लोलपरेंदेषीइं ॥ साचिएइंजालवे ॥ ४२ ॥ कुमरसंवेगेंपुरीउ ॥ पुरी
 उवेडखचुरीउवे ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ कल्याणमीत्रतेदोहिला ॥ एहवा
 नेंपणिकीधवे ॥ एहवागुणनीयोग्यता ॥ शिवसुखकरतलदिधवे ॥ ४३ ॥
 ॥ कु० ॥ सऊकहेसत्यकशुंतूमें ॥ सऊइंलहावेरागवे ॥ नृपकहेउपजस्येकि
 हां ॥ कहोकुअरवमसागवे ॥ ४४ ॥ कु० ॥ सौधरमेंसुरवरथस्ये ॥ सूपकहे

अणुचारवे ॥ कुमरकहेतोस्युंयुं ॥ पश्चात्तापअपारवे ॥ ४५ ॥ कु० ॥
 विरतीपरीणामएहनाथया ॥ तिणेंडरगतोनवीजायवे ॥ जोअप्रमादथीआच
 रे ॥ तोशुत्तपरंपराथायवे ॥ ४६ ॥ कु० ॥ रायकहेएहवात्तणी ॥ किमएहोई
 जोगवे ॥ कुमरकहेविचित्रता ॥ कर्मपरीणामआसोगवे ॥ ४७ ॥ कु० ॥ एह
 नीप्रवृत्तीअकुसलतणी ॥ नहीअतीसंकिलेससारवे ॥ एकप्रवृत्तिमात्रजहतां ॥
 अनुबंधरहीतविचारवे ॥ ४८ ॥ कु० ॥ आगमरीतेंचालीआं ॥ लागोनहीअ
 तीचारवे ॥ नृपकहेसाचुंतेवीना ॥ किमत्तवढेदनसारवे ॥ ४९ ॥ कु० ॥ कु
 मरकहेधारयुं पत्तं ॥ विनतीकरूंवलीएकवे ॥ एसंशारअनर्थमां ॥ आपदवे
 अतीरेकवे ॥ ५० ॥ कु० ॥ मननरूचेइहांमाहं ॥ हरषइंआपोआणिवे ॥ गु
 रूआणाइंप्रवृत्ततां ॥ कामचढेपरमाणवे ॥ ५१ ॥ कु० ॥ तिणेंआणामुऊआ
 पीइं ॥ इमकहीपमीउपायवे ॥ रायकहेवढसांस्तलो ॥ आसपलोसमुदायवे ॥
 ॥ ५२ ॥ कु० ॥ सऊनाएहपरीणामवे ॥ तिणेंअम्हेंदिधीआणिवे ॥ अथवा
 अमगुरूढोतूम्हे ॥ अदसूतनीरमलनाणवे ॥ ५३ ॥ कु० ॥ कामनपुढेनुरंझूं ॥
 अल्लतूम्हकीजेंउचीतवे ॥ किधप्रशादतेतातजी ॥ कुमरकहेसूवीदितवे ॥ ५४
 ॥ कु० ॥ तूम्हेपणिजुगतूंआदरयुं ॥ इमकहेतांथयोसोरवे ॥ वाज्यांतूरप्रसाति
 नां ॥ बंदीजनकरेसोरवे ॥ ५५ ॥ कु० ॥ तमगंयुंनेरवीउगीउं ॥ वायाप्रसात
 नावायवे ॥ विरहटट्योचक्रवाकनो ॥ मिदीआअमात्यसमवायवे ॥ ५६ ॥
 ॥ कु० ॥ कुमरचरीत्रसंसदावीउं ॥ नृपेकस्योनीजअसीप्रायवे ॥ तेपणिहर
 प्यांसांस्तली ॥ घटतूंकीधुरायवे ॥ ५७ ॥ कु० ॥ कुमरचितामणसारिषा ॥ सूप
 कहेएइंमवे ॥ विलंबनकीजेंएहमां ॥ उचितकरोधरीप्रेमवे ॥ ५८ ॥ कु० ॥
 आणिप्रमाणकरीतीणें ॥ वरवरीआथोपायवे ॥ सऊदेहरेपूजारची ॥ दानम
 हादेवायवे ॥ ५९ ॥ कु० ॥ पुरजननेंसनमांनीउं ॥ बंदिवांनमुंकायवे ॥ रा
 ज्यठवेसाणेज्यने ॥ मुनीचंदनामसूहायवे ॥ ६० ॥ कुं० ॥ गुरूजननीपुजाक
 री ॥ शुसदिनकरणमुऊत्तवे ॥ रायराणीमीत्रदंडस्युं ॥ नारीविऊंसंजुत्तवे ॥
 ॥ ६१ ॥ कुं० ॥ सट्टपुरंदरस्यूंवली ॥ पुरीजननेंपरधानवे ॥ वेठासीबीकाइं

सङ्ग ॥ वलीसामंतराजानवे ॥ ६२ ॥ कुं० ॥ मंगलतूरवजावते ॥ नाचंतेवरपा
 त्रवे ॥ बंदिबीरूदबोलीजते ॥ लोकनेहर्षअमात्रवे ॥ ६३ ॥ कु० ॥ अथ्यव
 शायवधतेथके ॥ विस्मयपामेंलोकवे ॥ पापरासीनेषपावतो ॥ जोवेजनयो
 केंथोकवे ॥ ६४ ॥ कु० ॥ बङ्गआमंवरेंनीकट्यो ॥ नयरीबाहीरकुमारवे ॥ पु
 ष्पकरंमउद्यानमां ॥ आवेबङ्गपरीवारवे ॥ ६५ ॥ कु० ॥ नामप्रताससूरीत
 दा ॥ पाउधास्यातिणेंवारवे ॥ चौनाणीचारीत्रीआ ॥ वंदेतीहांअणगारवे ॥
 ॥ ६६ ॥ कु० ॥ सूरवरतसपुजाकरे ॥ विधीपुर्वकतसपासवे ॥ दिक्काजिननी
 आदरे ॥ पामीगुरूनोवासवे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ ईद्वेतीहांपुजाकरी ॥ तिममुनी
 चंदराजानवे ॥ पुरमांसङ्गदेहरेकरे ॥ अठाईमहोत्सवतानवे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
 पमहअमारिवजावीआ ॥ हरण्यापुरीजनसाथवे ॥ समरादीत्यप्रमुखसङ्ग ॥
 आणिपालेजगनाथवे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ नवमेखमैतेरमी ॥ ढालअधीकउद्धा
 सवे ॥ ताषीपद्मविजईसी ॥ समरादित्यनेरासवे ॥ ७० ॥ कु० ॥ ॥था॥
 ॥इहा ॥ लोकप्रसंशालस्वकरे ॥ सांतलीतेगीरीसेण ॥ कलूषीतचितक्रोधेंथयो ॥
 जाणेंइणिपरेंजेण ॥ ७१ ॥ मुंढलोकमातुंकरे ॥ मुरषनुंबङ्गमांन ॥ डरा
 चारएदेषीनें ॥ अधीकोहोइअसीमांन ॥ ७२ ॥ माहंएहनेंमुलथी ॥ तोसू
 खसाताथाय ॥ हाथेंमाहरेएहवइ ॥ निश्चयआवस्थेन्याय ॥ ७३ ॥ गानांखो
 लेढीघनें ॥ गिरीसेनतेहगमार ॥ मुनीवरसंजमहालता ॥ गुरूचरणेंगुणधार
 ॥ ७४ ॥ पुर्वान्यासपणेकरी ॥ अलपकालेंअदसूत ॥ तणिआद्वादशांगीत
 ला ॥ पुरवचौदप्रसूत ॥ ७५ ॥ क्रियाकलापंसङ्गकरया ॥ वाचकपदगावंत ॥
 विहारकरंतामुनीवरू ॥ ग्रामानुंग्रामगमंत ॥ ७६ ॥ साधुनासमुदायथी ॥ क
 रतासवीउपगार ॥ अयोध्यापुरीआवीआ ॥ आवकसाथेंसार ॥ ७७ ॥ ढाला
 टेकरहैरिसहेरसखअचिकेमेंदान ॥ एदेशी ॥ मुनीवरआयारेनंयरीअयोध्या
 मेंदान ॥ संघसङ्गलायारेनमवाचैत्यनीदान ॥ एआंकणी ॥ शक्रावतारचैत्य
 मनोहार ॥ रीषत्तदेवप्रतीमाअवधारि ॥ दिवुतेउद्यानमफार ॥ नयरीसोहरेइ
 एदेहरेनीरधार ॥ उज्ज्वलदीपेरेंशंषकुंदअनुंहार ॥ गगनेंअमीआरेध्वजपटअ

तिहिविस्तार ॥ ७८ ॥ मुनि ० ॥ दिशेमानुंदेववीमान ॥ तोरणमणीमयथंससूवा
 न ॥ शालितंजीकाकरतीतान ॥ रयणसमुहरेवांध्यूकोद्विमतास ॥ सोहेगंता
 रोरेयणनादिवप्रकास ॥ सूरतरूपूलैरेपुज्याजिनवरषास ॥ ७९ ॥ मुनी ॥
 सेवाकरवासूरवरआय ॥ तिमचारणजाणोरीषीराय ॥ नारीमधुरस्वरेंगीतगा
 य ॥ कृष्णागरनारेधूपअतीशयथाय ॥ दशदीसव्यापेरेमुनीकरेस्तवनाजीन
 राय ॥ सिद्धजनसुणतारेपरमारयनिरमाय ॥ ८० ॥ मुनी ॥ देवीमणीमयति
 हांसोपान ॥ चढिनेवंदेजिनत्तगवान ॥ लोकालोकजाणेंजेहज्ञान ॥ वंदिवेठा
 रेसमरादीत्यएकदेश ॥ चारणमुनीरेविद्याधरसुवीसेष ॥ आवीनमीयारेमुनीव
 रचरणअशेस ॥ ८१ ॥ मुनी ॥ इणअवशरिपरसन्नचंदराय ॥ स्वामीअयो
 ध्यानोतेथाय ॥ समरादित्यआव्यामुनीराय ॥ जाणीराजारेलेईनीजपरीवार ॥
 वंदवाआवेरेहैयमेहरषअपार ॥ प्रसूजीपुजरीआव्योजीहांअणगर ॥ ८२ ॥
 ॥ मुनी ० ॥ प्रणमीवेठेमुनीवरपास ॥ पुढेप्रश्नधरीउद्धास ॥ नात्तीनंदनइहांसू
 णीइवास ॥ धरमनाचक्रीरेप्रथमकक्षायंथेतेह ॥ तोर्यूपहेळारेधरमहतोनही
 एह ॥ जोहतोपहेळारेतोकीमप्रथमकहेह ॥ ८३ ॥ मुनी ० ॥ मुनीकहेसरत
 पेन्नमांजोय ॥ इणअवसर्पिणीपहेंळांहोय ॥ पणिधर्मनहोतोमतलहोकोय ॥
 ठेअनादीरेतीर्थकरत्तगवंत ॥ तेहनोत्ताप्योरेधर्मअनादिवहंत ॥ तूपतीत्तापेरे
 ताप्रोकसूणारेवंत ॥ ८४ ॥ मुनी ० ॥ सङ्गपेन्नअवसर्पिणीइम ॥ मुनीकहेए
 हवुंकहिइकेम ॥ सरतऐरवतेपंचेनेम ॥ महाविदेहेरेठेअवस्थितकाल ॥ जि
 नपतिनीत्येरेषट्जिउनाप्रतीपाल ॥ अंतरनांहीरेचकीवासुवलत्तालि ॥ ८५ ॥
 ॥ मुनी ० ॥ सरतऐरवतेअनीयत्तकाल ॥ बारआरेकालचक्रवीशाल ॥ चढतो
 पढतोहोयनरपाल ॥ सागरवीसरेहोइंतासप्रमाण ॥ अवसर्पिणीरेठेआरेकरी
 जाण ॥ उत्सर्पिणीरेतेहजरीतीवषाण ॥ ८६ ॥ मुनी ० ॥ अवसर्पिणीमांप
 हेळोजेह ॥ च्यारकोमाकोमिसागरतेह ॥ सूसमसूसमानामेंएह ॥ सूसमवीजो
 रेचणिकोमाकोमीमान ॥ सूसमडसमारेवेकोमाकोमीमान ॥ त्रिजाआरारेकेह
 एअस्तीधान ॥ ८७ ॥ मुनी ० ॥ उणांवेतालीसहजार ॥ वरससागरकोमाकोमी

धार ॥ दुषमसूषमांशपरकार ॥ पांचमोऽप्यारोरेवरससहसएकवीस ॥ उख
 मानांमेरेठेपणएवरीस ॥ उखमउखमारेमहाउखवंतमनीस ॥ ८८ ॥ मुनी ॥
 पहेलेऽप्यारेत्रणिपट्यआया ॥ त्रणिगाउजंचीतसकाया ॥ कटपट्टमनवंतीतदाया ॥
 दसठेजातिरेपहीलामत्तंगत ॥ मदिरासघडिरेतिणहीजठांमेंपस ॥ भंगमा
 दिसेरेसाजननीवीधीज ॥ ८९ ॥ मुनी ॥ ॥ त्रुटितांगेंवाजीत्रअनेक ॥ दिप
 शिषानांमेंवलीएक ॥ दिपपरेंदिपेंसूवीवेक ॥ जोईसनामेरेकरतातेहउद्योत ॥
 चित्रांगवट्टेरेफूलमालसवीहोत ॥ चित्ररसेंजाणोरेसोजनवीधीसुखसोत ॥
 ॥ ९० ॥ मुनी ॥ ॥ मणिअंगमांहोईअलंकार ॥ सवनरूपमांगेहप्रकार ॥ अ
 नीगणमांसजुवस्रवीचार ॥ संज्ञानांहीरेधर्माधर्मविशेष ॥ आरानीआदिरेजा
 णोएहअशेष ॥ घटतूंजाईरेतिहांथीसजुलवलेश ॥ ९१ ॥ मुनी ॥ ॥ विजेआ
 रेदोयपट्यआय ॥ दोयगाउनुंसरीरतेयाय ॥ लकणवंतानेनीरमाय ॥ घटतां
 आयुरेवलीप्रमाणशरीर ॥ त्रिजानीआदिरेसांसलितूनरवीर ॥ एकपट्यआयु
 रेएकगाउतनुंधीर ॥ ९२ ॥ मुनी ॥ ॥ तेहनेंअंतेपेहेलोराय ॥ जगततणीथि
 तीसजुबतलाय ॥ सुरअसुरांसजुपुजनीकथाय ॥ धरमनाचक्रीरेपहेलाअरी
 हाजीएंद ॥ चिंजुविधेधमरेउपदेशेसुखकंद ॥ अनुक्रमेंपांमेरेशिवसुखपरम
 आणंद ॥ ९३ ॥ मुनी ॥ ॥ नवमेखंमेचौदमीढाल ॥ साषेउत्तमविजयनोवा
 ल ॥ समरादित्यनोरासरजाल ॥ सुणतांहोवईरेघरघरिमंगलमाल ॥ सांसलो
 आगेरेसवीकाथईजजमाल ॥ जिमतूम्हेंपामोरेलीलालढीवीशाल ॥ ९४ ॥ मुनी ॥
 ॥ उहा ॥ आरोचोयोआदिते ॥ पंचसेधनुंषप्रमाण ॥ कायाआयुपुरवकहुं ॥
 चुलसीलरकपहीचाण ॥ ९५ ॥ वावरताअन्नवारिनें ॥ धर्माधर्मतेधारिं ॥
 तिर्थकरचक्रीतथा ॥ बलवासूदेवतिवार ॥ ९६ ॥ पंचमआरोपामतां ॥ आ
 युवरससतएक ॥ सातजहाथसरीरइं ॥ बालधर्मवीवेक ॥ ९७ ॥ तिरथअं
 तिमजिनतणं ॥ चाळेरूढीचाळि ॥ ठेअरेठटकीजं ॥ सरीरआयुसंतालि ॥
 ॥ ९८ ॥ वरससोलआयुवधूं ॥ उंचुंकरतनुंएक ॥ मांसाहारीअतीमलीन ॥
 वलिनहीधर्मवीवेक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ सरोवरसूकावेला ॥ हंसाडकधरे ॥

सरोवरउरेबेलाळ ॥ जाईचित्तधरे ॥ पुढेगी ॥ जलटिजाणोबेलाळ ॥ जस्तधिप
 णीवली ॥ कालचक्रजाणोबेलाळ ॥ इणिपरेदोयमली ॥ ५०० ॥ चुटक ॥ दो
 यमीलीधारोमतवीचारो ॥ धरमनहतोपुरवे ॥ मोहटाढ्योकरयोअनुंगह ॥ सू
 पइणीपरेवीनवे ॥ १ ॥ इणसमेआयोबेलाळ ॥ माहणएकसलो ॥ इ
 दसमानामेबेलाळ ॥ मज्जगुणनीलो ॥ २ ॥ चु० ॥ गुणनीलोगरढोबुद्धी
 वंतो ॥ वंदिपुढेइणीपरें ॥ तगवांनतूमचाशाखमाहि ॥ कर्मसाप्यांजीनवरें ॥
 ॥ ३ ॥ तेकर्मबेलाळ ॥ बांधेकीमकहो ॥ गुरूकहेसूणज्योबेलाळ ॥ सू
 णीनेसरदहो ॥ ४ ॥ चु० ॥ सरदहोनाणनीप्रत्यनीकता ॥ उलवेकरेअंतराय
 ए ॥ आशातनाकरेज्ञानीउपरि ॥ द्वेषकरतोधायए ॥ ५ ॥ सापेअव
 लूबेलाळ ॥ ज्ञानावरणने ॥ बांधेकर्मबेलाळ ॥ नवीजहेकरणने ॥ ६ ॥ चु० ॥
 दरसनतणीप्रत्यनीकताइम ॥ जावअवलूसापतो ॥ दर्शनावरणीकर्मबांधे ॥
 चित्तथीरनविरापतो ॥ ७ ॥ करेअनुंकपाबेलाळ ॥ डखनवीआपतो ॥ सोक
 संतापबेलाळ ॥ परनांकापतो ॥ ८ ॥ चु० ॥ कापतोपरनीवलीपीमा ॥ बांधे
 शातासुखसणी ॥ विपरीतथीअशातबांधे ॥ वातसांसलोमोहणी ॥ ९ ॥
 क्रोधनेमानबेलाळ ॥ मायालोहने ॥ मिथ्याचरणबेलाळ ॥ तिब्रकरेमोहने ॥
 ॥ १० ॥ चु० ॥ बांधेमोहनीकर्मइणिपरे ॥ हवैइपंचिदीवधकरे ॥ आरंसपरी
 ग्रहमहामेले ॥ मांशवलीजेवावरे ॥ ११ ॥ नारकआयुबेलाळ ॥ बांधेतनरा ॥
 मायाअलिकबेलाळ ॥ वंचवातत्परा ॥ १२ ॥ चु० ॥ तत्पराकूडामानकरवा ॥
 कूडांतोडकरेघणां ॥ आयुतिरयंचकेरूबांधे ॥ डखतणीजीहानहीमणां ॥
 ॥ १३ ॥ प्रकृतिविनीतबेलाळ ॥ पश्चातापीड ॥ मठरनकरेबेलाळ ॥
 मनुजआजयापीड ॥ १४ ॥ चु० ॥ बालनपअकामनीर्जर ॥ सरागसंजमजां
 णिइ ॥ देशवीरतीथकीबांधे ॥ देवआयुगणिइ ॥ १५ ॥ कायनेंसावबेलाळा
 ऋजुताजेहने ॥ अवीसंवादनबेलाळ ॥ योगहोइतेहने ॥ १६ ॥ चु० ॥ तेहने
 बंधशुसनांमकेरो ॥ अशुसवीपरीतएहथी ॥ आठजतीनामदजेतिच ॥ गोत्र
 बांधेतहथी ॥ १७ ॥ जातीकुलनेबेलाळ ॥ रूपनेतपतणो ॥ अतवल

लासबेलाल ॥ ऐश्वर्यमदघणो ॥ १८ ॥ ॐ ॥ मदएहनोजोकरेनांही ॥ उंच
 गोत्रबांधेसही ॥ दानादिकअंतरायकरतो ॥ अंतरायबांधेवही ॥ १९ ॥
 इणिपरेंबांधेबेलाल ॥ जिववीशेषथी ॥ आठप्रकारेंबेलाल ॥ कर्मअशेषथी ॥
 ॥ २० ॥ ॐ ॥ इंसंणीकहेइंद्रसर्मा ॥ स्वामिजीसाचुंकसुं ॥ हवेमो
 क्नुंबीजसापो ॥ तेहकिमजाइलसुं ॥ २१ ॥ पाठकबोलेबेलाल ॥ बि
 जकहीजीई ॥ सूरमणीसरीपुंबेलाल ॥ सम्यक्तलहीजीई ॥ २२ ॥ ॐ ॥ दि
 गतेहनुंसमसंवेगा ॥ दिकतेटालेकर्मनें ॥ हवेजहीइंतेहसूणज्यो ॥ सांतलेजीन
 धर्मनें ॥ २३ ॥ गुणिनीसंगतीबेलाल ॥ गुणपरूपातीउ ॥ तथात्तव्य
 ताबेलाल ॥ जोगेंअघातीउ ॥ २४ ॥ ॐ ॥ अनूंकंपादीकसावनाकरे ॥ कर्म
 खयउपशमेंलहे ॥ इंद्रसर्माकहेसकुं ॥ जेहपाठकजीकहे ॥ २५ ॥ पणिप्र
 सूसापोबेलाल ॥ मोक्षमांसूरखघणं ॥ संजमडखथीबेलाल ॥ किमलहेतेपणं
 ॥ २६ ॥ ॐ ॥ किमलहेतवगुरूकहेसांतलि ॥ जिमउषधथीनीरोगता ॥ अथ
 वापरमारथेंसंजमाडखनीनहीजोगता ॥ २ ॥ आठुत्तपरिणामबेलाल ॥ शुतलेस्या
 वली ॥ शाखेंसाषेबेलाल ॥ संजमसूरखकेवली ॥ २८ ॥ ॐ ॥ केवलीसाषेबारमासहा
 चरणऊजेहनुं ॥ अनुत्तरविमानसूरजे ॥ सूषउलंघेतेहनुं ॥ २९ ॥ यतः ॥ जेइमे
 अत्यताएसमणानियंथे ॥ एएणंकस्सतेउलेसं ॥ विश्वयंती ॥ मासपरियाएसमणे
 नियंथे ॥ बाणमंतराणदेवाणं ॥ तेउलेसंविश्वयंती ॥ एवंडमासपरीआएसम
 णेनीयंथे ॥ असूरिदवज्जिआणंतवणवासीणंतेउलेसंविश्वयंती ॥ तिमासपरी
 आए ॥ समणेनियंथे ॥ असूरकुमाराणदेवाणं ॥ तेउलेसंविश्वयंती ॥ चउमास
 परीपरीआए ॥ समणेनियंथे ॥ गहगणनरकत्तंताराहूवाणं ॥ जोईसीयाणं ॥
 तेउलेसंविश्वयंती ॥ पंचमासपरीआएसमणेनियंथे ॥ चंदिमसूरीयाणं ॥
 जोईसीदाणंजोईसरायाणं ॥ तेउलेसंविश्वयंती ॥ उमासपरीयाएसमणे
 नीयंथे ॥ सोहम्मीसाणदेवाणं ॥ तेउलेसंविश्वयंती ॥ सत्तमासपरीआ
 एसमणेनीयंथेसणंकुमारमाहिदाहिदाणदेवाणंतेउलेसंविश्वयई ॥ अठमास
 परीयाए ॥ समणेनीयंथे ॥ बंसलोगलंतगाणं ॥ तेउलेसंविश्वयई ॥ नव

मासपरीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ महासुक्तसहस्राराणदेवाणं ॥ तेउलेसं॥दसमास
 परीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ आरणचुआणदेवाणं ॥ तेउलेसं॥एकारसमासपरीआ
 एसमणेनिग्रंथेगेविस्त्राणदेवाणं ॥ तेउलेसं ॥ बारमासपरीआएसमणेनिग्रंथे ॥
 अणन्तरोववाशणं ॥ देवाणतेउलेसंवीईवयई ॥ तेणपरंसूकेसूकासीजाईसवी
 ता ॥ सिस्वईबुईसुच्चईसवडकाणमंतंकरेई ॥ इतिसगवतीसूत्रे ॥ पूर्वढाल ॥
 तेहउपरिवेला ॥ शुक्कसुरवसाषीउं ॥ शुक्कासीजात्यवेला ॥ सुरवईमदाषीउं
 ॥ ३० ॥ त्रु ॥ दाषीउंतिणेंमुनीराजसूषाआ ॥ परमार्थेईमधारजे ॥ कहेईइशरमा
 तहत्तिस्वामी ॥ किधोअमउपगारजे ॥ ३१ ॥ इणअवसरवेला ॥ पुरवेंआ
 वीज ॥ नामचित्रांगदवेला ॥ प्रणमेसावीज ॥ ३२ ॥ त्रु ॥ सावीउंकहेईमखंमन
 वमें ॥ ढालपन्नरमीसली ॥ पद्मकहेएसंसलीनें ॥ बुद्धिकिजेनीरमलि ॥ ३३ ॥
 ॥ उहा ॥ कुणप्राणीयीतीकेतली ॥ बांधेकतीविधबंध ॥ पुढेप्रणइणीपरें ॥
 सयलकहोसबंध ॥ ३४ ॥ समरादित्यकहेसूणो ॥ आयुवीनाअवधारि ॥
 सातकरमवांधेसदा ॥ आठवांधेजठआय ॥ ३५ ॥ बांधेंमोहआयुवीना ॥
 सूक्ष्मजेसंपराय ॥ बंधठनोवाकीरसो ॥ एकबंधहवेआय ॥ ३६ ॥ शाताबं
 धउपज्ञांतनें ॥ मुनीवरजेषीणमोह ॥ सयोगीपणिज्ञातनें ॥ बांधेईमपमीबोहा
 ॥ ३७ ॥ दाषीसमययीतीजेहनी ॥ नहिकषायजसनाम ॥ शैलेसीगतसाधु
 जी ॥ अवंधीअसीराम ॥ ३८ ॥ इत्यादिकबहुदाषीउं ॥ कर्मपयमीअधीका
 र ॥ जाणोसूत्रथकीजीके ॥ वधतोयाईविस्तार ॥ ३९ ॥ चित्रांगदलहीचीत्र
 नें ॥ मोहटल्योमहाराय ॥ अमनेंप्रसूअनुग्रहकस्यो ॥ शिंकाधस्तंशिरगाय
 ॥ ४० ॥ कालवेलाथईअनुक्रमें ॥ प्रणमीगुरूनापाय ॥ रायप्रमुखबहुरिजि
 थि ॥ ठावापोहतागाय ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ प्रीतीनीवातन्यारीउंधवजी ॥ प्रीत
 एदेशी ॥ जीनसासनगतीन्यारी ॥ सवीकजनजिन ॥ समरादित्यमुनीराज
 उचीतनीज ॥ क्रियाकरेअतीशारी ॥ सवि ॥ तेहजचैत्यमांवीजेदिवशें ॥
 वेठाआसनधारी ॥ ४२ ॥ त ॥ अशीसूतीब्राह्मणतिहांआयो ॥ विधीस्युंव
 दनकारी ॥ त ॥ चैत्यवांदिपाठकजीप्रणम्या ॥ वेठोनीजडखवारी ॥ ४३ ॥

स० ॥ विनयवीशेषथीकहेमुजसापो ॥ देवविशेषनीरधारी ॥ स० ॥ वलीते
 हनीसेवाविधीदापो ॥ तसफलकहोसूखकारी ॥ ४४ ॥ स० ॥ गुरुकहेदेवसू
 णोतूम्हेपहेलां ॥ सर्वज्ञपरमोपगारी ॥ स० ॥ रागद्वेषवर्जितसूरपुजीत ॥ कृतक
 त्यअनीयतचारी ॥ ४५ ॥ स० ॥ जनमजरानहीमहिमाअचितित ॥ देशना
 घनअनुकारी ॥ सवी० ॥ जसवयणेंसवशायरउतरे ॥ शरधावंतनरनारी ॥
 ॥ ४६ ॥ सवी० ॥ तेहनीसेवानीवीधीसूणज्यो ॥ अध्यवशायमुसधरिं ॥
 सविकजनजिनसेवाइमकरीं ॥ एआंकणी ॥ यथासकतीनिस्पृहताचितें ॥
 जिमआणास्युंमरीं ॥ ४७ ॥ सवि ॥ तपकरींश्वलीसाविंसावन ॥ निरती
 चारव्रतचरिं ॥ सवि ॥ आणाखंमनकबडुनकिजें ॥ तसफलकर्मविषरीं ॥
 ॥ ४८ ॥ सवि ॥ देवमहर्षिकमहावीमानें ॥ अपूठरास्युंपरवरीं ॥ सवि ॥ दि
 व्यसोगसोगवीउत्तमकूल ॥ आविनेंअवतरीं ॥ ४९ ॥ सवी ॥ रूपसुंदरवि
 सीष्टसोगवली ॥ अनुक्रमेंधर्मआदरीं ॥ सवि ॥ केवलज्ञानलहीहवे
 करमें ॥ शैलेसींचरीं ॥ ५० ॥ सवी ॥ पणलघुअरुजच्चरणकाले ॥ शिव
 सुंदरीवरवरीं ॥ सवी ॥ सांसलिपाठकजीनांवयणां ॥ हर्षेअग्नीसूतीसरीं ॥
 ॥ ५१ ॥ सवि ॥ वलिपुढेतेमध्यस्थहोवई ॥ जेहथयावितराग ॥ सविकजन
 सांसलोतूम्हेमहासाग ॥ एआंकणी ॥ तेउपगारकरेनहीकोयनें ॥ किमसवी
 जीवहीतलाग ॥ सवि ॥ ५२ ॥ गुरुकहेसुणोप्रसूदेशनादेवे ॥ तेहथीहोईमोह
 त्याग ॥ सवि ॥ एहथीउपगारकोईनमोहटो ॥ कोईजीवनोनहीजाग ॥ ५३ ॥
 ॥ स० ॥ अग्निसूतीकहेकिमउपगारह ॥ उपदेशनीएकवाग ॥ सवि ॥ गुरुकहे
 जोउपदेशकरेतो ॥ फललहेतेवमसाग ॥ ५४ ॥ सवि ॥ चिंतामणीमंत्रनेंवली
 अगनी ॥ सेवनजोकरेराग ॥ सवि ॥ जतनाईसेवेफलेतेहनें ॥ पणिनवीदोईते
 सराग ॥ ५५ ॥ सवि ॥ पणिनदिधुंइमनवीकहेवाइ ॥ इमसुणीलस्योवैराग ॥
 ॥ सवि ॥ कहेस्वामीमुजमोहगयोहवई ॥ वाध्योअधीकसोसाग ॥ ५६ ॥
 ॥ सवि ॥ इणअवशरएकअसीनवआवक ॥ साथेंसरवरपरीवार ॥ सविकज
 नजिनशासनसोहकार ॥ एआंकणी ॥ धनरिदिनामकरेप्रसूपुजा ॥ घोपदी

परेंनीरधार ॥ ५७ ॥ सवि ॥ बेठोवाचकजीनेंप्रणमी ॥ पुढेप्रणउदार ॥ सवि ॥
 मुनित्रिविधत्रिवीधेंव्रतपचखे ॥ अनुमतिपणिपरिहार ॥ ५८ ॥ सवी ॥ जब
 आवकनेंकरावेथुलथी अण्व्रतनोउच्चार ॥ सवि ॥ तवमुनीनेंअनुमतीकिम
 नावे ॥ सापेतवअणगार ॥ ५९ ॥ सवि ॥ विधिदेतांअनुमतीनवीआवे ॥ अ
 विधीअनर्थसंगार ॥ सवि ॥ सेठकहेविधीकहोगुरूमुज्जनें ॥ जिमहोश्मुज्जप
 गार ॥ ६० ॥ सवि ॥ गुरूकहेसुणिसंवेगसारतुं ॥ स्वरूपकहेशंसार ॥ सवि ॥
 डस्कपरंपरकारणसवठे ॥ तेडःखटाजणहार ॥ ६१ ॥ सवि ॥ अक्रेपेसी
 वसुखवलीलहीई ॥ संजमएहप्रमाण ॥ सविकजनजिनशासनमंमाण ॥
 एआंकणी ॥ प्रथमथीसुत्तसावनथीकरीई ॥ इणिपरेंचरणवखाण ॥
 ॥ ६२ ॥ सवि ॥ असमरथजोकदितेहनोहोई ॥ कर्मउदयपरीमाण ॥ सवि ॥
 अण्व्रतउच्चरवाउजमालह ॥ जाणिअवसरजाण ॥ ६३ ॥ सवी ॥ उच्चरावे
 अण्व्रततेजननें ॥ जोईप्रसस्तरखेत्राण ॥ सवी ॥ आगारादिकसुखधरावे ॥
 आपमध्यस्थवीनाण ॥ ६४ ॥ सवी ॥ सुणीकहेसेठतोहिकिमनावे ॥ अनुम
 तीकहोमहेरवाण ॥ सवि ॥ तवगाथापतीचोरदृष्टांतें ॥ गुरूकरेउत्तरदाण ॥
 ॥ ६५ ॥ सवी ॥ नवमेखेसोलमीढालें ॥ नांणउत्तमजिमसाण ॥ सवी ॥ पद्म
 विजयकहेसूणतांहोवे ॥ ओताघरिकल्याण ॥ ६६ ॥ सवि ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ वसंतपुरवारूवसे ॥ जितसत्रुरायसूजाण ॥ धारणीशीलनीधारणी ॥
 मनहरणीमहरोण ॥ ६७ ॥ नाटीककलानीरपीनृपे ॥ वरदिधोसुवीशेष ॥
 रांणीकहेरूपीपरें ॥ लषीआपोवरलेष ॥ ६८ ॥ करीश्महोठवकौमुदी ॥ अं
 तेउरश्माय ॥ आणादिइअवनीपती ॥ अनुक्रमेंसोदीनआय ॥ ६९ ॥ ईला
 पतीउदघोषणा ॥ करेसूणयोसऊक्रोय ॥ नरजेरहस्येनयरमां ॥ जमघरि
 जासेसोय ॥ ७० ॥ डरलसआणदेपीनें ॥ पुरुषवर्गपुरवाहरि ॥ निरणय
 करिनेंनीकल्यो ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ मीठामिठुबोली
 नेस्युंरीफवोरे ॥ एदेशी ॥ सूणोसेठजीवातसोहामणीरे ॥ तेहनयरमांसेठशि
 रोमणीरे ॥ सू ॥ षटपुत्रतेहनेंलायकघणारे ॥ व्यवहारकरेसोहामणीरे ॥

॥ ७२ ॥ सू० ॥ नविनीकलीआतेव्ययतारे ॥ दरबाजादिइंवलीशीघ्रतारे ॥ सू० ॥
 नृपस्यथीतेठांनारहारे ॥ उडवकस्योरयणीइंउमहारे ॥ ७३ ॥ सू० ॥ विजे
 दिननृपआणकरेरे ॥ जुउरस्योकोइठेठांनोघरेरे ॥ सू० ॥ जोइनेतेपणिआवीकहेरे ॥
 सेठनाषटपुत्रघरमांरहेरे ॥ ७४ ॥ सू० ॥ नृपकोपेवधआणादिइरे ॥ नरआविइंम
 वदिजीइरे ॥ सू० ॥ वधथानिकलेइंगयाहवइरे ॥ तसतातबिहनोनृपविनवेरे ॥
 ॥ ७५ ॥ सू० ॥ अपराधरखमोएस्वामीतूमहेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइंअम्हे
 रे ॥ सू० ॥ वलिदूजोपणिकरेइंणिपरैरे ॥ तिणेनृपनवीमुंकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
 सू० ॥ सेठवार २ इंसत्तापतारे ॥ वमोपुत्रमुंक्योबहुआपतारे ॥ सू० ॥ ब
 हुमान्योसेठतेहनेरे ॥ विजानेतोनरंपतीहणैरे ॥ ७७ ॥ सू० ॥ सेठनेतोसुतमा
 रयातणीरे ॥ अंशोपणिअनुंमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकस्योउपनयसु
 णोरे ॥ सूपतीसमआवकनेंमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ षटपुत्रसमाषटकायठे
 रे ॥ सेठतूदयमुनीवरथायठेरे ॥ सू० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि
 मुनीपणंलिइंशुंस्वेशनारे ॥ ७९ ॥ सू० ॥ तवआवकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
 विअसंजमअनुंमतीसावतारे ॥ सू० ॥ कस्योअवधीदोषइंणिपरैरे ॥ तिणेंजा
 नपुर्वककिरीआकरैरे ॥ ८० ॥ सू० ॥ यतः ॥ पढमंनाणंतउदया ॥ एवंवि
 ठइंसवसंजए ॥ अन्नाणीकिकाही ॥ किंवानाहीठेयपावगं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
 धणइंसिसेठहरषीनेकहेरे ॥ उपदेशतुमसूणीचित्तगहगहेरे ॥ सू० ॥ एक
 अशोकचंदनांमेंवलीरे ॥ पुरवेंआव्योनमेळलीललीरे ॥ ८१ ॥ सू० ॥ पुठे
 प्रश्नथोमेपरमादंथीरे ॥ दासूणविपाकविस्वादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेव
 लिअन्यथारे ॥ सुणिइंठिइंलोकमाहिंयथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग
 ममांकस्यारे ॥ तेतिमहिजाणोप्रांणीलस्यारे ॥ सु० ॥ जेआगमबाक्षकहेघणा
 रे ॥ तेतोपादठिकप्राणीसुण्यारे ॥ ८३ ॥ सू० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
 कहेअशोकचंदसूणज्योअहीरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरैरे ॥ पापथा
 निकसघलांआदरेरे ॥ ८४ ॥ सू० ॥ तेहनेंघनसंपदासुंदरुंरे ॥ वलीसोगआयुदी
 रघंधरुंरे ॥ सु० ॥ नविअनुंबंधनुठेतेहनारे ॥ सज्जवचनतेमानेंजेहनारे ॥ ८५ ॥

सू०॥ अपराधअलपएकप्राणीआरे ॥ सङ्गविपरितवातडखषाणीआरे ॥ सू०॥
 गुरूकहेसूणिकर्मविचित्रतारे ॥ जसपापानुबंधीकर्मजुक्ततारे ॥ ८६ ॥ सू० ॥
 डरगतिगामीक्षुद्रसत्वढेरे ॥ संशारमाहिंएकत्वढेरे ॥ सू० ॥ अनरथसाजन
 करीपापनेरे ॥ पापेंसरेपुरणआपनेरे ॥ ८७ ॥ सू० ॥ तिणेंईष्टलासलही
 जायढेरे ॥ डरगतिमांडखबङ्गथायढेरे ॥ सू० ॥ विपरीतनेंविपरीतजाणीशेरे ॥
 अशोकचंदभमनाणीशेरे ॥ ८८ ॥ सू० ॥ कहेअशोकचंदस्वामीषहरे ॥ तूमहे
 साधूंतेंअंगीकहरे ॥ सू० ॥ अज्ञानगयुं प्रसूमाहहरे ॥ नहिअणजाएयुंकां
 शताहहरे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ शंणअवशरिपुराविआविउरे ॥ त्रिलोचनप्रणमें
 साविउरे ॥ सू० ॥ करजोमीनें प्रश्नपुढेहवेरे ॥ प्रसूसांषोमुऊसंशयजवेरे ॥
 ॥ ९० ॥ सू० ॥ ढालसतरमीखंमनवमेकहीरे ॥ समरादित्यरासमांहिलहिरे
 ॥ सू० ॥ कहेपद्मविजयसूणज्योसवेरे ॥ जेपुढेतसउत्तरहवेरे ॥ ९१ ॥ सू० ॥
 ॥ ९२ ॥ असयदानएकआपीउं ॥ उपष्टंसवलीअन्य ॥ एहमांकोणकहुं
 अवल ॥ पाठककहोकयपुन्य ॥ ९२ ॥ वाचकजीकहेपरवहुं ॥ प्रथमअस
 यपरधान ॥ चोरदृष्टांतसूणोचतूर ॥ कहिंतेदेईकांन ॥ ९३ ॥ ढाल ॥
 उधवमाधवनें कहेज्यो ॥ एदेशी ॥ ब्रह्मपुरनयरेनरराय ॥ कूलध्वजनांमेवि
 ख्याया ॥ कमलूआपटराणीयायके ॥ ९४ ॥ सवितूमहेअसयदानदेज्यो ॥ महणो
 महणोइमकहेज्यो ॥ ९५ ॥ एआंकणी ॥ तारावलीप्रमुखाराणी ॥ विजीपण
 रूपनीखाणि ॥ किमेंज्युंइंद्राणीरे ॥ ९५ ॥ सवि ॥ सङ्गराणिस्थूंएकदिना ॥
 बेठोगोंपेंधरीमन ॥ सोगठपासेंरमेधनके ॥ ९६ ॥ सवी ॥ चोरलाव्योतिहां
 कोटवाल ॥ बांध्योगाढबंधनजाव ॥ कसप्रमुखेंअतीडरकादरे ॥ ९७ ॥ सवि ॥
 विनतीकरेनृपनेंइम ॥ परधनलिधुंशंणनेम ॥ करीइंस्वामीकहोतेम ॥ ९८ ॥
 ॥ सवि ॥ सूपतीकहेएहनेंमारो ॥ चाट्योतदारतिणीवारो ॥ तसकररोयोडख
 सारोरे ॥ ९९ ॥ सवि ॥ प्रथमचोरीमाख्योजाउं ॥ मननामनोरथनविपाउं ॥
 इमजअधन्यजाइंआउरे ॥ १०० ॥ सवि ॥ सूणिकहेराणिउंसूणोराय ॥ चोर
 नामनोरथनविथाय ॥ पणिजोकरोतूमहेसूपशायरे ॥ १ ॥ सवि ॥ एकरा

एकीहेमुजआज ॥ आपोजिमपुखंकाज ॥ ततषिणआपेमहाराजरो ॥ २ ॥ तवि ॥
 सहस्रपाकथीमरदाव्यो ॥ सुगंधउणजलेन्हवराव्यो ॥ ख्योमजुगततसपहे
 राव्योके ॥ ३ ॥ तवि ॥ दससहस्रप्रव्यएहनेलागो ॥ एतलोजप्रव्यमाहरेपा
 गो ॥ विजींतेमयोधरीरागोके ॥ ४ ॥ तवि ॥ कामितसोजनतिणेंदिधुं ॥ आ
 सवपानवलिसीधुं ॥ जरुकर्दमलिपनकिधुंके ॥ ५ ॥ तवि ॥ आप्योवलीए
 ककंदोरो ॥ किधोवलीतेहनेनोहरो ॥ एतलोजप्रव्यमाहरेकोरोके ॥ ६ ॥ तवि ॥
 लेखेविससहसगणीउ ॥ बलिविजींरपणिंमसणीउ ॥ आतूषणथीतनुंमणीउ
 के ॥ ७ ॥ तवि ॥ तंबोलआपेवलिशारो ॥ लाषप्रव्यइणिंउवारयो ॥ एटलूंमु
 जठेअवधारोके ॥ ८ ॥ तवि ॥ पटराणीनेंनृपसासे ॥ तुंकांईनविदिंइस्येआ
 से ॥ साकहेकांयनमुजपासेके ॥ ९ ॥ तवि ॥ रायकहेतूंपटराणी ॥ जिवअ
 धीकतूंमुजजाणी ॥ ताहरेसीवातनीहाणिके ॥ १० ॥ तवि ॥ जेमांगेतेतूजआ
 पुं ॥ ताहखंवयणरुदयथापुं ॥ कहेतेहनांडखमांकापुंके ॥ ११ ॥ तवि ॥ सा
 कहेकिधोसूपसाय ॥ आपुंएहनेंमनसाय ॥ जिमसूषतिमकरोकहेरायके
 ॥ १२ ॥ त० ॥ साकहेचोरनेंसूणिसाई ॥ उग्यांअकारयफूलआई ॥ दि
 ठांकहोएचितलाईके ॥ १३ ॥ तवि ॥ पश्वातापथीकहेचोर ॥ नविकरूंएहवुं
 कोईठोर ॥ जिणथीडरकहोयघोरके ॥ १४ ॥ तवि ॥ दिधुंअसयकहेदेवी ॥
 नृपकहेकोनकरेएहवी ॥ चोरकहेतूंमाजेहवीके ॥ १५ ॥ त० ॥ राणीहर
 षीततषेवा ॥ बिजीतोहसतीहेवादानदिधुंबज्जकरीसेवके ॥ १६ ॥ तवि ॥ राणीकहेकि
 मकरोहासी ॥ पूठोचोरनेंसुविदासी ॥ कहेचोरनेकहोविमासी ॥ १७ ॥ तवि ॥ चोर
 कहेम्हेंनवीजाण्यूं ॥ मरणनासयथीसूखठाणूं ॥ स्वस्थययोहवेपरमांणूंके ॥
 ॥ १८ ॥ तवी ॥ सांसलीसज्जराणीमानें ॥ एउपनयकसोव्याख्यानें ॥ हरप्यो
 त्रिलोचनसूणीकांनेंके ॥ १९ ॥ तवि ॥ स्वामीसत्यकहुंएह ॥ एहमांकांय
 नसंदेह ॥ सज्जइंगयानिज २ गेह ॥ २० ॥ तवी ॥ नवमेखंनैएढाल ॥ अ
 ढारमीकहिसूवीशाल ॥ उत्तमविजयतणोवालके ॥ २१ ॥ तवि ॥ ॥ ७४ ॥
 ॥ उहा ॥ देशदेशेइंमदेशेनां ॥ देतातेहदयाल ॥ कालकेतोइकअतिक्रम्यो ॥

करुणावंतकृपाव ॥ २२ ॥ अवंतीदेशेआविआ ॥ रेफबाहपुरसार ॥ सिस
 संपदासुगुणस्युं ॥ उद्यानेअवधारि ॥ २३ ॥ एकांतेजश्रआदस्यो ॥ अशोक
 वनेअतीरांम ॥ काउसगतिहांतावनकरे ॥ एकजआतमरांम ॥ २४ ॥ ढाला
 दोमरमलजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ एकांतेकाउसगगरक्षारे ॥ तिहांआव्योचंमाला
 मोहरायजीत्योजी ॥ जित्यो २ विर्यउल्लास ॥ मोह ॥ जीत्योजीत्योचरणवी
 लास ॥ मोह ॥ जीत्यो २ नाणप्रकास ॥ मोह ॥ एआंकणी ॥ गिरीसेनडुष्ट
 तेचितवेरे ॥ कोपेथईविकराल ॥ २५ ॥ मो० ॥ मुळवऊदिनरऊलावीउरे ॥ आ
 जदिगोनयणेण ॥ मो० ॥ इहांमाऊअवशरअठेरे ॥ जिममरेअतिडुकेण ॥
 ॥ २६ ॥ मो० ॥ लाव्योजुनांलुगमारे ॥ विठयूंरूपीनुंअंग ॥ मो० ॥ अलसी
 तेलवलीरेमीउरे ॥ रौद्रध्यानएकंग ॥ २७ ॥ मो० ॥ अगनीप्रजाद्व्योतिहां
 किणैरे ॥ मुनीवरध्यानमांलिन ॥ मो० ॥ जाण्युंपणिनहीचित्तमारे ॥ दाहय
 योजवदीन ॥ २८ ॥ मो० ॥ ध्याननोसंकमययोतदारे ॥ चितवेतवमुनीरा
 य ॥ मो० ॥ अहोएस्युंअनरयतणारे ॥ हेतूययोइणगय ॥ २९ ॥ मो० ॥
 डरगतीकारणनेहनेरे ॥ अहोदाकूणपरिणाम ॥ मो० ॥ अथवाएचिताकिसी
 रे ॥ समतानुंइहांकांम ॥ ३० ॥ मो० ॥ सामायिकठेमाहरेरे ॥ वलगानीर
 मलध्यान ॥ मो० ॥ महासामायिकउपनुरे ॥ अपूरवकरणेंतांन ॥ ३१ ॥
 ॥ मो० ॥ रूपकश्रेणीतिहांउल्लशीरे ॥ बाध्योविर्यउल्लास ॥ मो० ॥ हणतो
 कर्मसत्रुप्रतिरे ॥ संतारीदूरवतास ॥ ३२ ॥ मो० ॥ ध्यानअनलेमोहइंधणां
 रे ॥ बालिकिधाराष ॥ मो० ॥ विविधलब्धितिहांउपनीरे ॥ जोगमहिमएदा
 षि ॥ ३३ ॥ मो० ॥ निरमलथयोनीजआतमारे ॥ घातिकरमपपाय ॥ मो० ॥
 केवलनांणतेपामीआरे ॥ समरादित्यरीपीराय ॥ ३४ ॥ मो० ॥ सऊप्रयाससफ
 लोथयारे ॥ कृतकत्यथयाअणगार ॥ मो० ॥ उठवरंगवधांमणारे ॥ प्रगटयां
 निजआगार ॥ ३५ ॥ मो० ॥ मुनिवरनामहिमायकीरे ॥ तेहपेअसन्न ॥ मो० ॥
 वेलंधरकूंमारनुरे ॥ चलिउंतिहांआसन्न ॥ ३६ ॥ मो० ॥ अवधीनांणधी
 जोइनेरे ॥ लेईकुसुमनीराशि ॥ मो० ॥ देवअनेकस्युंपविस्त्रोरे ॥ आपेतिहां

उद्धास ॥ ३७ ॥ मो० ॥ प्रणमीकुसूमदृष्टिकरेरे ॥ उहलवेअगनिनेतांम ॥
 मो० ॥ काठिनांण्यांचुंथरारे ॥ करतोवलीपरणाम ॥ ३८ ॥ मो० ॥ खोसां
 णोगिरीसेनतदारे ॥ एस्योवातविचार ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापीआरे ॥ रेरे
 डष्टआचार ॥ ३९ ॥ मो० ॥ रेपुरुषाधमनीचतूरे ॥ तूंमहाशोचणजोग ॥
 मो० ॥ मुखनविजोईंस्ताहंररे ॥ होवेपापसंयोग ॥ ४० ॥ मो० ॥ एहकां
 मतेस्युंकर्युरे ॥ नहिआरयनुंकांम ॥ मो० ॥ इणअवशरतिहांआविउरे ॥
 मुनीचंदरायउद्धाम ॥ ४१ ॥ मो० ॥ नर्मदाप्रमुखारांणिउरे ॥ सार्थमहासा
 मंत ॥ मो० ॥ सक्तिसावधरीवंदिआरे ॥ आणंदअंगअनंत ॥ ४२ ॥ मो० ॥
 वेलंधरनेपूठिउरे ॥ स्योएवातवनाव ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापिनेरे ॥ निज
 आतमडखदाव ॥ ४३ ॥ मो० ॥ अमृतसूतसत्रुनहीरे ॥ मुनिनेअगनीप्र
 योग ॥ मो० ॥ प्राणंतअध्यवशायथीरे ॥ नहीएहनेदेवलोग ॥ ४४ ॥ मो० ॥
 रायकहेमातुंकस्युरे ॥ कारणकहोइंहांकांय ॥ मो० ॥ वाढव्यसज्जंतूतणारे ॥
 मोदहेतूमुनीराय ॥ ४५ ॥ मो० ॥ पिमानकरेकोयनेरे ॥ शीतलताजिमचं
 द ॥ मो० ॥ नविलहिंकारणकीस्युरे ॥ कहेवेलंधरइंद ॥ ४६ ॥ मो० ॥
 नवमेखंमेएकहीरे ॥ उंगणीसमवरढाल ॥ मो० ॥ विघनययांसविवेगलारे ॥
 पद्मनेमंगलमाल ॥ ४७ ॥ मो० ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥
 ॥ इहा ॥ जिणेंअसुंसेउदयजिके ॥ डखहेतुडखरूप ॥ तवअनंतकरवात्स
 णि ॥ कारणडरगतीकूप ॥ ४८ ॥ नृपकहेजुवूनहीजरा ॥ पणिपुढोमुनीपा
 य ॥ वेलंधरकहेवरकसुं ॥ सूनज्योसज्जसमवाय ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ रागरा
 मगिरी ॥ चौसठिमणनुंमोतिऊगमगेरे ॥ एदेशी ॥ सोहमइंदोआवेशिणसमें
 रे ॥ ऐरावणहाथीशीरवेगेतेहरे ॥ केवलज्ञाननामहिमाकारणेंरे ॥ देवसमु
 हेंपरवरीउवलजेहरे ॥ ५० ॥ रीषीजीचरित्रेंसज्जजनमोहिउरे ॥ एआंकणी ॥
 किनरगायनेनाचेअपठारारे ॥ हरपेंआविकिधोप्रथवीशोधरे ॥ गंधोदकसी
 चीकुसुमेंपुजतारे ॥ कनककमलउवेकरताविघननिरोधरे ॥ ५१ ॥ रीषी ॥
 देवतानेदेवीआणंधांसज्जरे ॥ वेठापदमेंसमरादित्यमुणिदरे ॥ सोहमइंदोस्त

वनाइमकरेरे ॥ हेस्वामीतूमहनागेमोहनरिंदरे ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ जित्याक
 र्मशत्रुक्लेशडरेंगयारे ॥ कृतारथज्जुआतूमहोत्सगवानरे ॥ चोमीसववलिशिव
 पुरपांमोआरे ॥ उग्योरवीजलहलतोकेवलज्ञानरे ॥ ५३ ॥ रीषी० ॥ सांस
 लीइमस्तवनारायनेदेवतारे ॥ तिमसामंतप्रमुखवंदेमुनीनापायरे ॥ अहो
 २ मुनीवरनांकारयनीपनारे ॥ अपठरानाचेकिंनरसूरगुणगायरे ॥ ५४ ॥
 रीषी० ॥ जनपदनालोकतेआव्यासांसलीरे ॥ हरपीतरांणावंदेनुनीमहाराज
 रें ॥ गिरीसेनचितेमहानुंसावनारे ॥ अहोएहनीम्हेंकिधुंकामअकाजरे ॥
 ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ आक्षेप्युंवीजकुशलपकूनुरें ॥ मोहटानीतंगतीनिष्फल
 नविथायरे ॥ पठरमारंतांआपेंफलप्रतरे ॥ अंवादिकजेउत्तमदृक्कहाय
 रे ॥ ५६ ॥ रीषी० ॥ चंदनकापतांआपेवासनारे ॥ मुनीअपकारेपाम्यो
 गुणनीराशिरे ॥ गिरीशेनचाट्योहवेनीजघरसणीरे ॥ मुनीवरेंजाण्योदेशना
 नोअवकाशरे ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ जिवनेकर्मनोजोगअनादीढेरे ॥ कनको
 पलदृष्टांतेतासविकाररे ॥ उपज्येवज्जोनीपामेंकदर्थनारे ॥ वलिसंयोगवी
 जोगतणोनहीपाररे ॥ ५८ ॥ रीषी० ॥ जरानेंमरणनीमोहटीआपदारे ॥ कू
 पथ्यसेवेनलहेहितअहीतरे ॥ मूढताढांमोतेकारणसणीरे ॥ तत्वविचारोकांजेंसज्ज
 जनमीत्तरे ॥ रीषी० ॥ ५९ ॥ पुजोदेवगुरूनेंदांनविधेंदिउरे ॥ पालोशीलकरोत
 पजपअन्यासरे ॥ सावनासावोध्याउसूतध्याननेरे ॥ ढांमोकदायहकर्ममें
 लकरोनासरे ॥ ६० ॥ रीषी० ॥ कर्मअसावेंनिरमलआतमारे ॥ तेहथीकां
 ईनवीपामेंविकाररे ॥ पामेंअव्याबाधसूखनिजपेत्रमारे ॥ निणेंउद्यमकिजे
 निजतत्वविचाररे ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ देशनासूणिनेंगुणपाम्याघणारे ॥ वंदि
 पोहताइंद्रतेनीजआवासरे ॥ मुनिचंदराजागुरूनेंविनवरे ॥ तूमउपसर्गक
 र्योकहोसंबंधतासरे ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ हेतूतोदिसेस्वामीकोनहिरे ॥ मुनी
 बोह्यामोहटोअकूशलअनुबंधरे ॥ गुणसेनअग्निसम्मत्तवयकीरे ॥ मांमीनें
 किधोसघलोसंबंधरे ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ सांसलिनेंराजासामंतदेविउरे ॥ तिमवेलांध
 रलक्षासंवेगरशाळरे ॥ चितेसज्जअहो २ दोषअन्नाणनारे ॥ अज्ञानेंदासूण

अशननोत्यागअणसणकसुं ॥ तेहनादोयप्रकारोजी ॥ अलपकालिकनेयावत
 कथा ॥ हवईउणोदरीधारजी ॥ ९४ ॥ ३० ॥ धारीइंत्रिणसेदतेहना ॥ पहेली
 उपगरणांतणी ॥ बिजीअशननीद्रव्यथीए ॥ सावेंक्रोधादिकतणी ॥ ९५ ॥
 द्रव्यहेत्रकावसावथी ॥ दत्तिसंवेपचउसेयजी ॥ सेंदअनेकरसत्यागना ॥ वि
 गयप्रमुखजेअमेयजी ॥ ९६ ॥ ३० ॥ अनेकवीरासनादिकथी ॥ लोचादिककाय
 क्लेशए ॥ संलिनताचउसेदसमजो ॥ सुणोतेहविसेसए ॥ ९७ ॥ ॥ इंदि
 यनीसंलीनता ॥ तिमवलियोगनीजाणोजी ॥ एकांतथानिकसेववुं ॥ कखाय
 लिनतावषाणोजी ॥ ९८ ॥ ३० ॥ हवईककुंअत्यंतरसेदषटतप ॥ प्रायठित
 दसजातीए ॥ बिजोवीनयप्रकारसाण्यो ॥ सेदतेहनासातए ॥ ९९ ॥
 ध्यानतेदोयनेंवरजवां ॥ आरतरौदरनामेंजी ॥ धर्मशुक्कदोयआदरो ॥ वेयाव
 च्चदशठामेंजी ॥ १०० ॥ ३० ॥ सजायतेंमपांचेंप्रकारे ॥ काउसगगहवेसा
 षीइं ॥ द्रव्यसावडसेदद्रव्यथी ॥ च्यारसेदेंआषोइं ॥ १ ॥ तनुउपधीगणआ
 हारनो ॥ काउसगगद्रव्यथीजाणोजी ॥ कर्मकषायशंसारथी ॥ त्रिविधसावम
 नआणोजी ॥ २ ॥ ३० ॥ आणोद्वादशसेदतपए ॥ कर्मतपावेतेतपकस्यो ॥
 कर्मक्यकारणेंकरीइं ॥ एहपरमारथलस्यो ॥ ३ ॥ इहसवपणिएहतपथ
 की ॥ विघनतेनाठांजायजी ॥ लक्ष्मिथीरथईनेंरहे ॥ किरतीदशदिशथायजी
 ॥ ४ ॥ ३० ॥ थायकिरतीसहजगुणए ॥ पणिनतसअरथेंकरे ॥ चउनाणसं
 जुततिर्यपतिपणि ॥ कर्मस्वपवाआदरे ॥ ५ ॥ कर्मनीकाचितनविहोइं ॥ त
 सउपक्रमकस्योगंथेंजी ॥ जायनिकाचीतपणिजिके ॥ साधंतांसीवपंथेजी ॥
 ॥ ६ ॥ ३० ॥ शिवपंथसाधेतेहजाणें ॥ मुळअणहारीधर्मए ॥ आहारकलंक
 अनादीसवनुंजेहथीवज्जकर्मए ॥ ७ ॥ दृढप्रहारीनेंसीमजी ॥ श्रीमांनदेवसूरी
 सोजी ॥ श्रीजगचंद्रसूरीवली ॥ गजसुकमालमुनीसोजी ॥ ८ ॥ ३० ॥ ढंढणामुनी
 तीमधनाशुषीजी ॥ कूरगमूतीमजाणीइं ॥ केईबाह्यअंतरदोयकरतां ॥ केईअ
 त्यंतरगणए ॥ ९ ॥ केवलबाह्यनफलकसुं ॥ फलतेशमतासारोजि ॥ निरवां
 ठकताइंजेकरे ॥ तेपामेंसवपारोजी ॥ १० ॥ ३० ॥ वज्जलब्धिपामेंअनुक्रमेंइं

स ॥ रूपकश्रेणीमांचढे ॥ बज्रविर्यज्ज्ञासैंकरीनें ॥ कर्मरीपुसायेंवढे ॥ ११ ॥
 घातीच्यारनोषयकरी ॥ पांमेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमंढलें ॥ करे
 उपगारजिमत्तानोजी ॥ १२ ॥ त्रु ॥ सानुंपरेंउपगारकरीनें ॥ आयुअंतआवेज
 दा ॥ योगसुंधीध्यांनतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पांचलघुअ
 करसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अंतसमयक
 यकारजी ॥ १४ ॥ त्रु ॥ क्यकरीसीझीवरयासमयें ॥ नवमेखंढेढालए ॥
 बाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतांमंगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ उहा ॥ सिद्धसरूपबज्रशास्त्रमा ॥ वचनअगोचरवातातेहनोलवसाधुंतया ॥
 जेहनुंसखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिवनेंउग्योरेहरीणीआधमीरे ॥
 एदेसी ॥ सवितूम्हेवंदोरेसीइस्वामीसणीरे ॥ गुणप्रगट्याएकत्रीश ॥ ज्ञानावरणक
 येपणगुणयथारे ॥ ज्ञानअनंतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्येगु
 णनवयथारे ॥ वेदनीनाशथीदोय ॥ पायकदरशनचारित्रगुणयथारे ॥ मोहक
 येदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो
 नाश ॥ दोदोगुणपणअंतरायक्यकरीरे ॥ इमइंकत्रीसगुणराशि ॥ १९ ॥ त ॥
 वरणगंधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पांचसंठाणगयाथी
 पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपां
 मीआरे ॥ बलिअशरीरअसंग ॥ अरुहथयाइमएकत्रिशजाणीरे ॥ ध्यानक
 रोरुत्तरंग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येगुणआठरे ॥ केवलज्ञानअनंत ॥
 केवलदर्शनअव्याबाधनेरे ॥ कायिकसमकितवंत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्य
 स्थितीनेंअरूपीजेथयारे ॥ अग्रहूलघूअवगाह ॥ विर्यअनंतूविघ्नवीनाशथीरे ॥
 किजेएहजनाह ॥ २३ ॥ त ॥ त्रणिकालसूरसूरवसेलूंकरीरे ॥ ठविइंसपरदे
 श ॥ इमज्ञानसदेशेठवीतेहनारे ॥ कीजेंवर्गवीशेश ॥ २४ ॥ सवी ॥ इणिप
 रेंवर्गअनंतवेलाकरोरे ॥ करीइंसजसमुदाय ॥ पणिअव्याबाधसूरवअंशेनहीरो ॥
 जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकशीशतणीअवगाहमारे ॥
 तिहारहेसीअनंत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेरे ॥ असंखगुणासगवं

त ॥ २६ ॥ सवि ॥ पणिनविसीमहोर्धनेपीमानहीरे ॥ एहअरूपस्य
 साव ॥ अवीनासीशाश्वतसूखनोधणीरे ॥ नरमेंजेपरसाव ॥ २७ ॥ सवि ॥
 अजरअमरअकलंकीजेथयारे ॥ सविगुणआवीरसाव ॥ नविनिजआत्म
 देशेपरमाणुजेरे ॥ रमताजेहस्यसाव ॥ २८ ॥ स० ॥ अचलअखंडअलेसी
 अरूजवलिरे ॥ जेहअजोगीअणाहार ॥ साध्यरूपसवीसवीजनवृंदनेरे ॥ स
 वशायरद्वयापार ॥ २९ ॥ सवी ॥ शोगवीयोगसंयोगतेवेगलारे ॥ अनंतचतू
 ष्ठीधार ॥ आतमगुणनीपूरणताल्लारे ॥ प्रणमोतूम्हेवारंवार ॥ ३० ॥ सवी ॥
 थीरतापणिनिजगुणमांहीथीरे ॥ तिणेंचारीत्रथीररूप ॥ अफूसमाणगतीलोका
 पेगयारे ॥ सादिअनंतसरूप ॥ ३१ ॥ सवि ॥ वाच्यनहीसंगणतिणेंकरीरे ॥
 कस्युंअनीढसंगण ॥ सिद्धअनंतरप्रथमसमयकक्षारे ॥ परंपरपढेवर्षाणि ॥
 ॥ ३२ ॥ सवि ॥ चरमसर्वेजेनीजअवगाहनारे ॥ तेहमांसुषिरीपुराय ॥ त्रि
 जोत्तागघटानीघनकस्थारे ॥ प्रणमोतेहनापाय ॥ ३३ ॥ स० ॥ बंधनढेदादि
 ककारणथकीरे ॥ जावुंशमयेंसातराज ॥ ज्योतीमांज्योतीमलीजसनीरमली
 रे ॥ पाम्यानिजगुणराज ॥ ३४ ॥ स० ॥ व्यवहारेंलोकोपेपदेरक्षारे ॥ निश्चयेंआ
 तमखेत ॥ सूक्ष्मबादरत्रसथावरनहीरे ॥ कर्मतणाएसंकेत ॥ ३५ ॥ स० ॥ सी
 ऋशिदाथीजोजनढेहमेरे ॥ ञ्जाजीत्रणसेंतेत्रीस ॥ उतक्रष्टीजघन्यअवगाह
 नारे ॥ अंगुलजासबत्रीस ॥ ३६ ॥ स० ॥ गुणअनंतअनंतढेजेहनारे ॥ कि
 मकहीसकीरेतेह ॥ जाणेकेवलीपणिनकहीसकेरे ॥ सवमांसव्यपुरजेह ॥
 ॥ ३७ ॥ स० ॥ नवमेंखंमेत्रेवीसमीढालमारे ॥ समरादित्यनेराश ॥ समरादि
 त्यसरूपकहेसीरुनुरे ॥ पद्मकहेसूविदाश ॥ ३८ ॥ स० ॥ ॥ ३९ ॥
 ॥ उहा ॥ सवरदृष्टांतहंसाणी ॥ शुद्धकरीसरधान ॥ नहिउपमत्रिणिसूवन
 मां ॥ परगटकोपरधान ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ दित्तदंगारेवांदित्तवरणी ॥ एदेशी ॥
 तुम्हेध्याजेसाहिवध्यानमां ॥ एआंकणी ॥ जेहनागुणनसकेकहीवयणें ॥
 ज्ञानिदेषेपणिग्यानमां ॥ ४० ॥ तुम्हे ॥ द्वितीप्रतीष्टपुरजितशत्रुराजा ॥
 जयसीरीराणीप्रधानमां ॥ तुम्हे ॥ एकदिनआहेमेनृपचाट्यो ॥ अश्वहरी

गयोरानमां ॥ ४१ ॥ तुम्हे ॥ अंगखलायोविषमपरदेशे ॥ एकशवरति
 एठाणमां ॥ तुम्हे ॥ इमंचितेकोईमोहटोनरए ॥ डखमांपडिउअचानमां ॥
 ॥ ४२ ॥ तुम्हे ॥ उचीतकसुंउपचारकुंकायक ॥ चौकुंयहेतवपा
 णिमां ॥ तुम्हे ॥ जलउपकंठेअश्वनेलाव्यो ॥ नृपउतरयोतवसांनमां ॥
 तुम्हे ॥ ४३ ॥ नृपन्हायोअश्वनेन्हवराव्यो ॥ कदलीजंबिरदिश्वानमां ॥
 तुम्हे ॥ पायप्रणमीनेआहारकराव्यो ॥ नृपचितेनीजमानमां ॥ ४४ ॥
 तुम्हे ॥ सक्तीवंतोनेसज्जनसूपुरिस ॥ वशकस्योमुज्जबज्जमानमां ॥ तुम्हे ॥
 सांजसमेकर्योकुसूमसाथरो ॥ सूतोसूपतेटाणमां ॥ ४५ ॥ तुम्हे ॥ धनुं
 षतिरलेईययोअंगरक ॥ तुरंगेचढ्योसवारमां ॥ तुम्हे ॥ खोलतांसेना
 आवीमीलीतव ॥ रायचाट्योअशवारमां ॥ तुम्हे ॥ ४६ ॥ साथेसवरदेई
 पुरआयो ॥ आदरमांनअपारमां ॥ तुम्हे ॥ न्हावुंपहेरवुंउढवुंसोजन ॥ नि
 जस्यूसवरश्रीकारमां ॥ ४७ ॥ तुम्हे ॥ सामंतादिकपुढेकुणए ॥ नृपक
 हेसिरिउपगारमां ॥ तुम्हे ॥ सज्जप्रसंस्योनृपेतसदीधी ॥ राणीउसेवा
 कारमां ॥ ४८ ॥ तुम्हे ॥ धूपघटिनेमणीनीदीवीउ ॥ शय्याउसीसांसारमां ॥
 तुम्हे ॥ द्वाकादिकआसवबज्जपाया ॥ नाटिकविविधप्रकारमां ॥ ४९ ॥
 तुम्हे ॥ पंचविषयसुखसोगवेइमनित ॥ एकदिनचिंतीवीचारमां ॥ तुम्हे ॥
 रायनेकहेजास्युंनीजथांनिक ॥ नृपकहेसज्जपरीवारमां ॥ ५० ॥ तुम्हे ॥
 जाउबज्जअशवारपहोचावो ॥ सुखथीएहनीपालिमां ॥ तुम्हे ॥ दिधोव
 ज्जद्वयनेबज्जमुलां ॥ वस्तरथरमाशालिमां ॥ ५१ ॥ तुम्हे ॥ पहोतोअनुंक
 रमेंनिजपालें ॥ मिलिउवालगोपालमां ॥ तुम्हे ॥ सवरसज्जमिलीपुढेहने ॥
 किहांगयाताआजकालिमां ॥ ५२ ॥ तुम्हे ॥ किमरह्यास्युंषांधुंस्युंपाम्या ॥
 कहुंसधलूंसरसालमां ॥ तुम्हे ॥ तवपुढेतेनयरकेहवुं ॥ रायकेहवोसूपा
 लमां ॥ ५३ ॥ तुम्हे ॥ उपमाविणनसकेकहीरणमां ॥ तोपणिकहेनीज
 चालिमां ॥ तुम्हे ॥ दरिसमगेहसोजनवनफलसमा ॥ सिलनीजुवतीबालमां ॥
 ॥ ५४ ॥ तुम्हे ॥ गुंजाहारआसरणदेषामे ॥ गेरुलेपनकणयरमालमां ॥

तुम्हे ० ॥ नकहीशकेपणिजाणेंमनमां ॥ पुरगुंणअतिअविशालमां ॥ ५५ ॥
 तुम्हे ० ॥ तेसूखनरसूरमांहिनक्यांहि ॥ जेसूखसहजाणंदमां ॥ तुम्हे ० ॥
 सूलिवेलंधरनहीसीरुदिरघ ॥ क्रस्ववृत्तनहिदंदमां ॥ तुम्हे ० ॥ ५६ ॥ अं
 सचोरंसपरीमंजलनांहि ॥ नहीकृष्णादिवर्णवृंदमां ॥ तुम्हे ० ॥ सुरसीडरसी
 नतिक्तादिकरस ॥ फरसनवेदनाढंदमां ॥ ५७ ॥ तुम्हे ० ॥ संज्ञाउपमानही
 जेहप्रसूनी ॥ किमकरीकहीश्वाणिमां ॥ तुम्हे ० ॥ ढालचोविसमीनवमेंखं
 में ॥ केवलीकहेलहीनाणमां ॥ तुम्हे ० ॥ ५८ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥
 ॥ ५९ ॥ नहीरूपीअरूपीनही ॥ गंधअगंधनगाय ॥ नहीरसअरसकदानही ॥
 नहीफरसेंतरन्याय ॥ ५९ ॥ आचारसूत्रेंआषीउं ॥ अपयनेंपयनढि ॥ स
 यलप्रपंचरहीतसदा ॥ अनंतज्योतितसअढि ॥ ६० ॥ पाम्यापरमाणंदनें ॥
 सांसलीतेहसनाथ ॥ सामंतराणीप्रमुखसवे ॥ सलोमुनीचंदसूनाथ ॥ ६१ ॥
 करकजजोमीनेंकहे ॥ अम्हनेंकस्योउपगार ॥ देईधर्मनीदेशना ॥ स्वामी
 जीश्रीकार ॥ ६२ ॥ चरीत्रतूम्हाहूंचित्तधरी ॥ उपनोअम्हअसीलाष ॥
 चारीत्रसअम्हेचाषीं ॥ सलिवोलेइमसाष ॥ ६३ ॥ ढाल ० ॥ तेतरीआरे
 साईतेतरीआ ॥ एदेई ॥ तुम्हेतरियारेसाईतुम्हेतरीआ ॥ इमसमरादित्यउचरी
 आरे ॥ सावथेकीतूम्हेचरणतेवरीआ ॥ सबअटवीउतरीआरे ॥ ६४ ॥ तूम्हे ॥
 जेकरवुंतेसघलूंकरीया ॥ हवेद्रव्यथीकरोकिरीयारे ॥ तेकहेप्रसूअम्हनेंउप
 गरीआ ॥ आणिअम्हेशीरधरीआरे ॥ ६५ ॥ तुम्हे ० ॥ वेलंधरइमचित्तअ
 नुंसरीआ ॥ अहोधन्यएहनापरीआरे ॥ उचितउठववऊहरषेंसरीआ ॥ वेलं
 धरठाकरीआरे ॥ ६६ ॥ तुम्हे ० ॥ समरादित्यशिष्यज्ञाननादरीया ॥ शील
 देवजेठरीयारे ॥ तेहनाशीशपणेंआदरीआ ॥ संगसयलपरीहरीआरे ॥
 ॥ ६७ ॥ तु ० ॥ कौतूकनेंअनुंकपाइपूठे ॥ वेलंधरसूरवरीआरे ॥ तेअधम्म
 निजउपद्रवकारी ॥ गीरीसेननीकहोचरीआरे ॥ ६८ ॥ तूम्हे ० ॥ सव्यतथाअ
 सव्यअठइं ॥ बिजलसोकेनांहिरे ॥ लेहेस्येकेनहितेपणिसाषो ॥ केवलीकहे
 सूलोआंहिरे ॥ ६९ ॥ तूम्हे ० ॥ सव्यअठेपणिविजनपांम्यो ॥ पणिलहेस्येतेसू

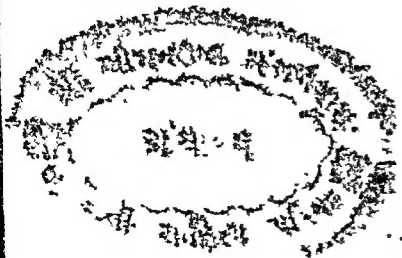
एज्योरे ॥ असंखपुद्गलपरावर्त्तअतिते ॥ सार्दूलसेनवृषमुएज्योरे ॥ ७० ॥
 तुम्हे ॥ तेहनोअश्वप्रधानएयास्ये ॥ तिहांसमकितएलास्येरे ॥ कयउपस
 ममीथ्यात्वलहेस्ये ॥ पातिकदूरपलास्येरे ॥ ७१ ॥ तुम्हे ॥ चितवीजंमुज्जउप
 रिशंणि ॥ अहोमहानुंसावएहरे ॥ गुणपकृपातपरंपराविजक ॥ समकीत
 लहोएहरे ॥ ७२ ॥ तुम्हे ॥ तेअश्वसमकीतपांमीअनुक्रमे ॥ सवअसं
 ख्यातासमस्येरे ॥ शंखनामेब्राह्मणसवलहेस्ये ॥ तिहांचारीत्रपरणमस्येरे ॥
 ॥ ७३ ॥ तुम्हे ॥ रूपकश्रेणीमांकेवलहीने ॥ निजआतमशुशीवरस्येरो ॥
 निजगुणशकतीअनंतीपरगट ॥ सावेएहजकरस्येरे ॥ ७४ ॥ तुम्हे ॥ इ
 मसांसलीवेलेधरहरप्या ॥ प्रणमीमुनीवरपायारे ॥ निजथानिकपोहतोह
 वेकेवली ॥ विचरेजेनीरमायारे ॥ ७५ ॥ तुम्हे ॥ हवेएकदिनगिरीसेनपक
 माणो ॥ चोरीमांतवमास्योरे ॥ कुंसीपाकेंकरीकरमेंपचारयो ॥ मुनिवरद्वेप
 जेधारयोरे ॥ ७६ ॥ तुम्हे ॥ सातमीनरगेंतेहदोषथो ॥ उपनोदूखअपारो
 रे ॥ विचरंताश्रीसमरादित्यजी ॥ पहोतासीशगिरिठारोरे ॥ ७७ ॥ तुम्हे ॥ क
 रमविषमस्थितीजाणीकिथो ॥ केवलीनोसमुद्धातरे ॥ शैलेसीपमीवजीयामुनी
 वर ॥ जेहअयोगीविख्यातरे ॥ ७८ ॥ तुम्हे ॥ सत्रोपयाहिंतिहांकम्मख
 पावे ॥ वेदनीआयुगोत्रनामरे ॥ देहपंजरठांकीहवेमुलथो ॥ अफूसमाण
 गतीनामरे ॥ ७९ ॥ तुम्हे ॥ समयएकेंलोकार्थेपहोता ॥ परमब्रह्मालयजे
 हरे ॥ जनमजरामरणेंकरीवीरहित ॥ अचलअरूजययातेहरे ॥ ८० ॥ तुम्हे ॥
 सुरवरमहोदवकरेशीवपदनो ॥ पूजेतेहशरीरे ॥ अंगप्रधानग्रहेतनुनां ॥
 पामवात्सवजलतिरे ॥ तुम्हे ॥ ८१ ॥ देवलोकमांजईसुरनें ॥ संसलोवे
 अवदातरे ॥ तेपाणिसक्केंकरीप्रणम्या ॥ पुज्याहर्षसरातरे ॥ ८२ ॥ तुम्हे ॥
 निजआतमहेतेनितपुजे ॥ सुरवरसमकितवंतारे ॥ समरादित्यगिरीसेनवखा
 एया ॥ चमतकारचितदेतारे ॥ ८३ ॥ तुम्हे ॥ समरादित्यगयाशिवपुर
 मां ॥ विजानेंसंशारे ॥ तिणेंगुणीजनउपरिनवीमठर ॥ क्रिजेंसंणिअधीका
 रेरे ॥ ८४ ॥ तुम्हे ॥ एकपषेंवयरेंडखपांम्यो ॥ विडंपखनीसीवातरे ॥

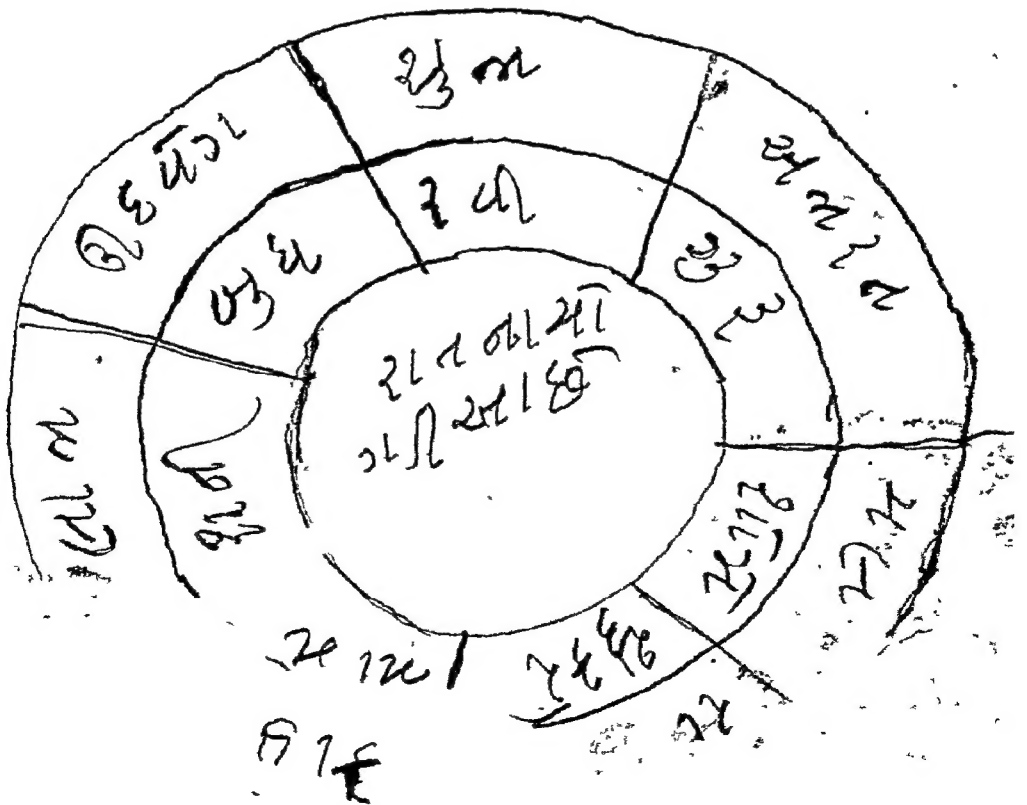
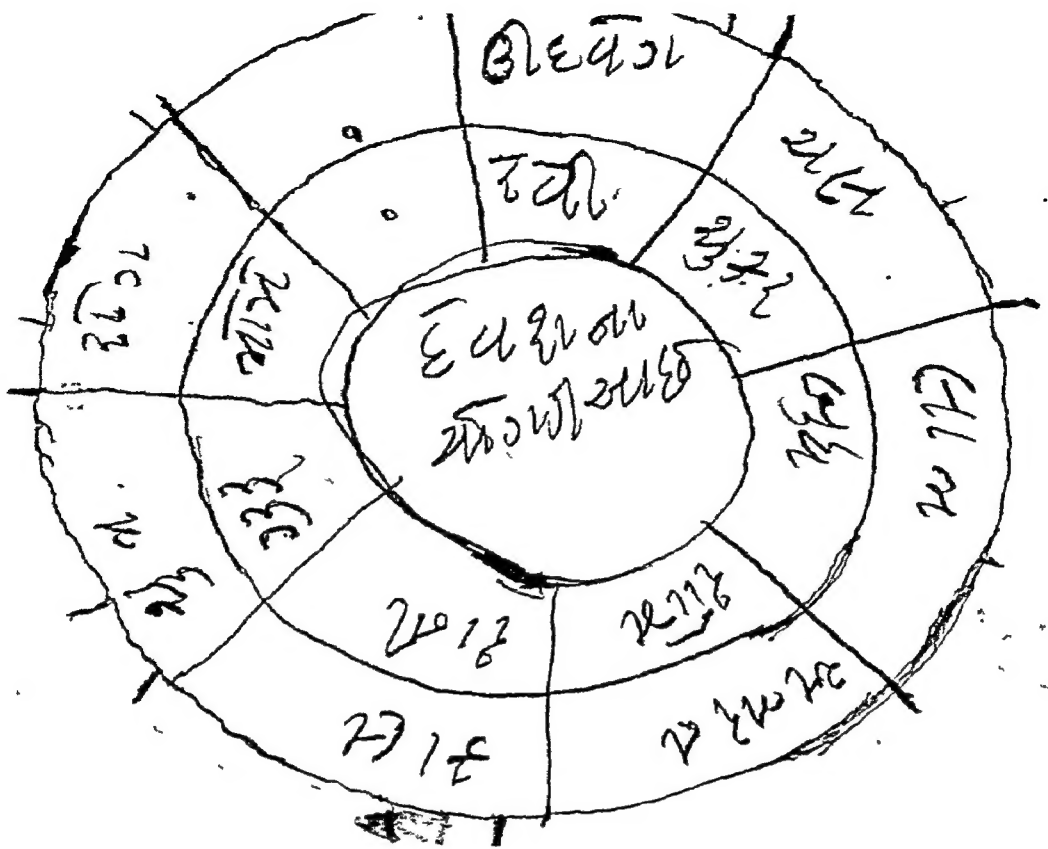
वलिअज्ञानकष्टडखपांमे ॥ एदृष्टांतपणिख्यातरे ॥ ८५ ॥ तुम्हे ० ॥ नवमे
 खंमेपचविसमीए ॥ पद्मबीजयकहिढालरे ॥ श्रीसमरादित्यकेवलिरासे ॥ सुं
 एतांमंगलमालरे ॥ ८६ ॥ तुम्हे ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ उहा ॥ संकेपेएसवीकस्यो ॥ समरादित्यनोरास ॥ अवणेंपणिहोयसांतड्यां
 आणंदअंगउल्लास ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ गीरूआरगुणतुम्हतणा ॥ एदेशी ॥ सम
 रादित्यगुणगार्इआ ॥ आणीहर्षअपारोरे ॥ मुळथीमंदबुद्धितणो ॥ कांयधारी
 चित्तउपगारोरे ॥ ८८ ॥ सम ० ॥ शकतिनहीमुळएहवी ॥ पणिश्रीहरीसद
 सूरीवयणैरे ॥ चालेंयष्टीआलंबने ॥ जिमशकतीरहीतजुंनयणैरे ॥ ८९ ॥
 सम ० ॥ हरषहतोवज्जुदिनतणो ॥ तेआजचढ्योसुप्रमाणोरे ॥ उठवरंगवधाम
 णां ॥ कांयघरि २ कोमिकट्याणोरे ॥ ९० ॥ सम ० ॥ पंढीत्तजनकिरपाक
 री ॥ मुळउपरिशुद्धकरेज्योरे ॥ अलपबुद्धिमुळजाणिने ॥ मतचित्तमांरीसधरे
 ज्योरे ॥ ९१ ॥ सम ० ॥ शकतीरहीतपणिमुळसणी ॥ मुनीगुणेंबोलाव्योप्राणें
 रे ॥ अंबमंजरीशक्तेंलवे ॥ कांयमधुरकोकिलमधुटाणैरे ॥ ९२ ॥ सम ० ॥
 सीतेंखलजननेनमुं ॥ जेअठ्ठांडखणकाढेरे ॥ प्रितेंसज्जननेनमुं ॥ जेमैंरू
 शिखरपरचाढेरे ॥ ९३ ॥ सम ० ॥ अलपबुद्धीअणासोगथी ॥ कांयबोद्यूंव
 चनविरूधरे ॥ मीठादूकममुळहज्यो ॥ जिणथीऊंथाउंशुद्धरे ॥ ९४ ॥ सम ० ॥
 सूरसवशहीतनवेसवें ॥ मुनीसव २ समताचढतीरे ॥ नवमेंसवपूरणथई ॥
 कांयसमताजेहनीवढतीरे ॥ ९५ ॥ सम ० ॥ पेहेलेखंमेपनरकही ॥ बिजेत्रे
 वीसढालरे ॥ त्रिजेचौदचोथेंकही ॥ ढालअठावीसविशालरे ॥ ९६ ॥ सम ० ॥
 ढालपांचमेंढेकही ॥ सलीचोवीसनेंचोवीसरे ॥ शातमेत्रेवीसआठमे ॥ खंमे
 साषीवाविशरे ॥ ९७ ॥ सम ० ॥ नवमेखंमेएकही ॥ ढवीसमीढालरशालरे ॥
 सर्वमीलीनेंएकसो ॥ कहीनवाणंवरढालरे ॥ ९८ ॥ सम ० ॥ अठारउंगणच्या
 लमां ॥ कांयमांन्योरासएवरषेरे ॥ लिंबमीचोमासूरही ॥ कांयदिन २ चढते
 हरषेरे ॥ ९९ ॥ सम ० ॥ वोहराकसलाआदिदे ॥ तिलोटासहसमल्लनामेरे ॥
 तसआग्रहेप्रारंसीउ ॥ वलीनीजआतमहितकांमेरे ॥ १०० ॥ सम ० ॥ तिणेंव

रसेतिहांसंघमां ॥ तपकिधाधरि २ बाररे ॥ पंचोत्तेरमासखमणते ॥ थया
 जिनविबमाननहाररे ॥ १ ॥ सम० ॥ लुंपकधरिपणिकीवलो ॥ पणितेअ
 ज्ञानमांपेसेरे ॥ अग्निशर्मानीपरें ॥ आणावीणंतपकूणकहेस्थेरे ॥ २ ॥ सम० ॥
 श्रीगुरुउत्तमबीजयनी ॥ किरपाशंकिधोरासरे ॥ पद्मबीजयकहेहोयजो ॥
 कांयधरि २ लिलविलाशरे ॥ ३ ॥ सम० ॥ कलस ॥ तपगठनंदनसुरतरु
 प्रगट्या ॥ एदेशी ॥ आसननायकशीववधुदायक ॥ वर्द्धमानजिनचंदाजी ॥
 पंचमगणधरसोहमपटधर ॥ जंबुतासमुणिदाजी ॥ ४ ॥ प्रसवापटधरपूर
 वधारी ॥ शङ्खस्तवसूरिदाजी ॥ मनकपीताजेपुत्रनेअरथें ॥ दशवैकालिक
 करंदाजी ॥ ५ ॥ जशोत्तसुरीतसपटधर ॥ पूरवचौदसणिदाजी ॥ संसूतिवी
 जयनेत्तद्रवाङ्गगुरु ॥ एकजपाटगणिदाजी ॥ ६ ॥ युलितद्रजसातमापटधर ॥
 पूरवचौदधरिदाजी ॥ ब्रह्मचारीशिरशेहरसणीई ॥ कोशाप्रतिबोधंदाजी ॥ ७ ॥
 आर्यमहागिरीआर्यसूहस्ती ॥ दशपूरवधरइंदाजी ॥ अवंतीशुकमालबुज्यो ॥
 तिमसंप्रतीनरिदाजी ॥ ८ ॥ आठपाटलगेंइणीपरेंपहेलुं ॥ नियंथनांमकहंदा
 जी ॥ सुस्थितसुप्रतीबधएहविजुं ॥ पटधरएकसुखकंदाजी ॥ ९ ॥ कोमिवा
 रसुरीमंत्रजप्योतिणें ॥ कोटिकगणयप्यंदाजी ॥ श्रीइंद्रदिन्नसुरीतसपटधर ॥
 श्रीदिन्नसुरीहवंदाजी ॥ १० ॥ सिंहगिरीसुरीतसपटधर ॥ द्वादशमेगुणहंदाजी ॥
 जेहनासीसवीनीतसीरोमणी ॥ संघलाजेगतदंदाजी ॥ ११ ॥ तसपटेश्रीवधरमु
 नीसर ॥ जिनशाशनशोहंदाजी ॥ चौदमेपाटवज्रसेनसुरी ॥ निरसंगज्युंअर
 विदाजी ॥ १२ ॥ पन्नरमेपटश्रीचंद्रसुरी ॥ चंद्रगढाययानांमजी ॥ त्रिजुंएपर
 सीधुंजगंमां ॥ सामंतसद्रतसठामजी ॥ १३ ॥ वनवासीचोथुंथयुंअसीधा ॥ तसप
 टगुणमणीधामजी ॥ श्रीवृद्धदेवसुरीपरसीझा ॥ पटधरतसअसीरामजी ॥ १४ ॥
 श्रीप्रद्योतनसूरीविराजे ॥ मानदेवसूरीठाजेजी ॥ तसपटमानंतूंगआचारय ॥
 उद्योतकअतीभाजेजी ॥ १५ ॥ विरसुरीएकविसमेपट्टे ॥ जयदेवसुरीवावीस
 जी ॥ देवाणंदवलीवीक्रमसुरी ॥ श्रीनरसिंहसुरीसजी ॥ १६ ॥ पट्टवीसमेस
 मुद्रसुरीवर ॥ मानदेवसुरीतासजी ॥ विबुधप्रससुरीतसपाटें ॥ श्रीजयानंद

जयपन्यास ॥ ग्यानीध्यानीनेनहीमांनी ॥ दशदिशकिरतिजासरे ॥ ५० ॥
 ह ० ॥ पयजीपंचसंगहमुखमंथा ॥ जाणेतसआमनाय ॥ सद्रकुंउपगारीमुं
 मोहटा ॥ शांतदांतगुणरायरे ॥ ५१ ॥ हम ० ॥ मुळशरीषापत्तरनवपल्लव ॥
 किधाअतीहीतआणी ॥ स्योस्योककुंउपगारगुळनो ॥ वाणीजासप्रमाणीरो ॥ ५२ ॥
 हम ० ॥ विसलनगरवीराजेळूं ॥ जिहांजिनचैत्यढेदोय ॥ जिहांअतीसक्ती
 वंतावळुआवक ॥ प्रसूपजाघणीहोयरे ॥ ५३ ॥ हम ० ॥ तेगुळुत्तमबीजय
 पशाई ॥ पद्मबीजयलघुशीसे ॥ विशलनगरचोमासरहीने ॥ साप्योविसवा
 विसैरे ॥ ५४ ॥ हम ० ॥ जिहांलगेयहगणतारामेळ ॥ चंद्रसुरयपरकाश ॥ तिहां
 लगेएहरासथीररहेज्यो ॥ जयजयकारवीलासरो ॥ ५५ ॥ हम ० ॥ समरादित्यनोरास
 एत्तणस्ये ॥ लिखस्येसागवीशाळ ॥ तेहमहोदयपदवीलहेस्ये ॥ हांस्येमंगल
 माळरे ॥ ५६ ॥ हम ० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंजितप्रवरश्रीमडुत्तमविजयगणि
 शिष्यपं ० पद्मविजयविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसमरादित्यगि
 रीसेनयोःनवमनरत्नवः समाप्तः तत्समाप्तौसमाप्तोयंनवमःखंजःतत्समाप्तौचस
 माप्तं श्रीसमरादित्यचरीत्रं ॥ नवमखंजेसर्वगाथा ॥ ८५६ ॥ श्रीमुंबईवंदिश्री
 शांतिनाथजीप्राशादात् ॥ सुसंतवतु ॥ कल्याणमस्तु ॥ श्रीरस्तु ॥ श्री ॥ ॥॥

8669





૧૫ દિવસ : આ પુસ્તક વધુમાં વધુ ૧૫ દિવસ માટે રાખી શકાશે.

[illegible]

ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ ગ્રંથાલય

અમદાવાદ-૬

ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ ગ્રંથાલય
અમદાવાદ - ૬